# He Gazette of India

पाधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं• 4]

नई बिस्ली, शनिवार, जनवरीं 25,1986 ( माप 5, 1907)

No. 4)

NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 25, 1986 (MAGHA 5, 1907)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलने के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in arder that it may be filed as a separate compilation)

# भाग III खण्ड 1 PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संद्ध लोक आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालय द्वारा जारी की गई अधिस्थनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Governmet Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

मई दिल्ली-110011, दिनांकं 7 नवम्बर 1985

मं० ए०-32013/2/85-प्रणा॰I—राष्ट्रपति, के०स०मे०
के निम्नलिखित स्थायी ग्रेड-1 अधिकारी जिल्लो
वर्ष 1984 की चयम सूची में वयम फेड के लिए सम्मिलित कर
लिया गया था, संघ लोक मेवा आयोग के कार्यालय में प्रत्येक के
सामने यथा निर्दिष्ट नीन मास की अविधि के लिए अथवा आगामी
आदेशों तक जो भी पहले हो, को उप मिचन के पद पर नदर्थ अधार
पर सहर्ष नियुक्त करते हैं:—

%क० सं०	नाम	चयम सूची में ऋ० सं०	अवधि
 1. श्री ि	कशम सिंह इ	13	1-9-1985 से
			30-11-85 青春
2. श्री र्ज	ोन सिह्	19	1-10-1985 में
			31-12-85 平布

दिशांक 15 नवम्बर 1985

सं० ए०-19014/2/84-प्रशार I—दिल्ली विद्युत प्रदाय मंस्थान में प्रशासनिक अधिकारियों के पद पर 1400-2100 रुपए के वेतनमान में बाह्य सेवा की शर्तों पर एक वर्ष की अवधि के लिए प्रतिनियुक्ति के आधार पर नियुक्त हेतु उनके चयम होने के परिणामस्वरूप संघ लोक सेवा आयोग के अवर सचिवों श्री विलोक सिंह और श्री यश राज गांधी की सेवाएं 15 मवस्बर, 1985 के पूर्वाह्न से दिल्ली विद्युत प्रदाय संस्थान को इस अनुदेश के साथ सौंपी गई हैं कि वे अपना नया कार्यभार तत्काल ग्रहण करें।

# दिनांक 28 मवस्वर 1985

मं० ए० 19013/पी/758-प्रशा० III —--राजभाषा विभाग, नई दिल्ली के अधीन केन्द्रीय हिन्दी प्रशिक्षण संस्थाम में निदेश रु के प्रतिनियुक्ति पद में अपने संवर्ग पद पर प्रत्याविति होने के परिणामस्वरूप श्री एन० के० सोनी ने संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अवर प्रचिव के पद का कार्यभाग 15-11-85 (पूर्वाह्म) में संभान लिया है।

### दिनांक 4 दिसम्बर 1985

सं ए. 32014/1/85-प्रशा०-111—-राज्य कार्यपालक् प्रशिक्षण में लौटने के परिणामस्वरूप राष्ट्रपति के न्यन्ते मंद्रि के नियमित अनुभाग अधिनारी श्री डी० शिवराजन को प्रभ लोक मेवा आयोग के कार्यालय में डेस्क अधिकारी के पद पर कितिक 25-11-85 (पूर्वाह्म) से 31-12-1985 तक तदर्थ आर्था पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. कार्मिक श्रीर प्रशासनिक सुधार विभाग (इब कार्मिक श्रीर प्रशिक्षण विभाग) के काञ्ज्ञाञ्चल 12/1/74 तीञ्चल (I) दिशांक 11-12-1975 की शतों के अनुसार श्री श्रें णिव राजन को 75 रुपए प्रतिमाह विशेष वेतम मिलेगा।

## दिभांक 6 दिसम्बर 1985

मं० पी० 955-प्रशा०-I(खण्ड-IJ)—खाम विभाग में निदेशक के पद पर 2000-2250 इसए के वेतममाभ में ज्यम हो जाने के परिणामस्वरूप संघ लोक मैवा आयोग के उप सचिव श्री बी० दास गुप्ता (कां०म०म०) को 6-12-85(पूर्वाह्न) में इ. कार्यालय में इस अनुदेश के साथ कार्य मुक्त विया जाता है कि वे अपना नया कार्यभार खाम विभाग में ग्रहण करें।

## दिनांक 11 /दिसम्बर 1985

मं० ए33012/1/84-प्रणा०-III— केरल राज्य में के० स० सेवा अधिकारी राज्य ार्यपालक प्रणिक्षण में 8-1 ♣85 में मुक्त होने के पिणामस्बरूप संघ लोक सेवा आयोग के के०स०मे० मंबर्ग के अनुभाग अधिकारी श्री डी० शिवराजन ने दिनांक 25-11-85(पूर्वाह्म) को कार्यभार ग्रहण करने के नियमाधीन समय का लाभ उठाने हुए अथना कार्यभार संभाल लिया है।

### दिशांक 13 दिसम्बर 1985

सं० पी० 2747 प्रशा०-III—संघ लोक सेवा आयोग के के०स० सेवा संवर्ग में सम्बद्ध सिविल सेवा परीक्षा, 1983 की परि बीक्षाधीम अनुभाग अधिकारी कुमारी मृदुला सिन्हा को उनके डाक ब्राँग तार लेखा तथा वित्त मेवा (ग्रप 'क') में चुन लिए जाने के परिणामस्वरूप इस कार्यालय में 16 दिसम्बर, 1985 (पूर्वाह्न) से कार्य मुक्त किया जाता है।

एम०पी० जैन अवर सचिव (का०प्रशा०) संघ लोक सेवा आयोग

### केन्द्रीय सतर्कता आयंग

### नई दिल्ली, दिनांक 30 दिसम्बर 1985

सं० 2/22/85-प्रशासम—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद्द्वारा केन्द्रीय सनर्कता आयोग में श्री कंवल नैन, स्थायी सहायक को श्रनुभाग अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप से वेतनमान २० 650-1200 में 17-12-85 (पूर्वाह्म) से 3 महीने की अब्रधि के लिए नियक्त करते हैं। सं० 2/22/85-प्रणा०—केन्द्रीय सनर्कता आयुक्त एतद् द्वारा केन्द्रीय सनर्कता आयोग में श्री गम्भीरसिंह, सहायक को अनुभाग प्रधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में वेतमनान ४० 650-1200 में 17-12-85 (पूर्वाह्म) में 46 दिन की अवधि के लिए भियुक्त करते हैं।

> मनोहर लाल अवर सचिव (प्रशासम) कृते केन्द्रीय सनर्कता आयुक्त

गृह मंत्रालय महानिदेशालय

केन्द्रीय श्रौद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली, दिमांक 1 जनवरी 1985

सं० ई-28015/1/85-कार्मिक-II—संग्कारी मेवा से अधिविषता पर मिवृत्ति होने के फलस्वरूप श्री आर० वतालामुझामियम ने 31 दिसम्बर, 1985 के अपराह्म से केन्द्रीय श्रीशोगिक सुरक्षा बल मुख्यालय, मई दिल्ली के उप-महामिरीक्षक के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

-(ह०) अपठनीय महा निदेशक, के०प्रां०सु०व०

# भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा) प्रथम म०प्र० ग्वालियर, दिनांक 23 दिसम्बर 1985

सं० प्रणा०-II/समूह-1/पदोन्नति/ल० प०,अ०/287--महालेखाकार (लेखा परीक्षा) प्रथम ने निम्मलिखित सहायक
लेखा परीक्षा अधिकारियों को स्थानापन्न लेखापरीक्षा अधिकारी
के पद पर वेतनमान क० 840-30-1000- द० रो०-401200 में उनके नाम के आगे दर्णाए गए कार्यभार ग्रहण करने की
दिनांक से अगामी आदेश नक पदोन्नन किया है:---

ऋ० नाम स्थायी कार्यभार ग्रहण करने आवंटन ऋमांक का दिसांक/पदी०

- श्री आर०सी० गर्मा 01/338 24-9-85(पूर्वाह्म)
- 2. श्री डी॰डी॰ तिवारी 01/342 26-8-85 (पूर्वाह्न)
- श्री जे॰एल॰ शर्मा 01/348 4-10-85 (पूर्वाह्न)
- 4. श्री बी०बी० णर्मा 01/350 4-10-85(पूर्वाह्न) (प्रोफार्मा पदाश्रति अन्डर एन०वी०आर०)
- 5. श्री आर० गोस्वामी 0.1/353-4-1.0-85 ,  $\frac{1}{2}$  ,,
- श्री धरमाभन्द गर्मा 01/352 4-10-85(पूर्वाह्म)

[प्राधिकार: महालेखांकार (ले०५०) प्रथम के आदेश दिभांक 5-7-1985 एवं 3-10-1985]

> (ह०) अपठनीय उप महालेखाकार (प्रशासन)

मह.लेखाकार लेखा क कार्यालय आंध्र प्रदेश हैदराबाद-500 463, दिनांक 1985

महालेखाकार (लेखा एव हक) आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद सहर्प भिम्नलिखित अनुभाग अधिकारी को स्थानापन लेखा अधिकारी के रूप में 840-40-1000- द० रो०-40-1200 रूपण वेतनमान में उनके कार्यभार ग्रहण करने की लारीख से प्रभावी अगले आदेशों तक पदोश्वान दी जाती है:—

नाम

पद ग्रहण की भारीख

श्रीमिति एस० सी० जानकी राव

24-12-1985 (पूर्वाह्म)

पदोन्नति के लिए दिए गए आदेश उनके विष्ठों के दावों पर विभा कोई प्रभाव डाले, यदि कोई हो, श्रीर आन्ध्र प्रदेश उच्च-न्यायालय में लंबितिरिट याचिकाश्रों के परिणामों के अधीक माने जाएंगे।

> वेद कुमारी उप महालेखाकार (प्रशासन)

च पहाराजास्य (असास्य

कार्यालय निदेशक, लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व नई दिल्ली-110002, दिनांक 2 जनवरी, 1986

सं० प्रशासन-1/कार्यालय श्रादेश सं० 338-- निदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व-1, इस कार्यालय के श्री पी० एन० सहगल, स्थायी अनुभाग श्रधिकारी (श्रव सहायक लेखा परीक्षा-श्रधिकारी) को स्थानापन्न लेखा परीक्षा श्रधिकारी के वेतन कम 840-1200 ६० में 31-12-85 (पूर्वाह्म) से श्रागे श्रादेश श्राने तक नियुक्त करते हैं।

(ह०) अपठनीय उप निदेशक लेखा परीक्षा (प्रशासन)

# श्रायुध निर्माणी बोर्ड

डी०जी०ओ०एफ० मुख्यालय सिविल सेवा कलकत्ता-700001, दिनांक 1 जनवरी 1986 सं० 1/86/ए०/ई-1/(एन०जी०)--- वार्द्धभ्य निवृत्ति ग्रायु प्राप्त कर निम्नलिखित ग्रधिकाी दिनांक 30-11-1985 (ग्रपराह्म) से सेवा निवृत्त हुए:---

- श्री स'य प्रसाद दास गुप्ता स्थानापन्न सहायक स्टाफ-प्रधिकारी
  - (मौलिक एवं स्थायी **सह**ायक)
- 2. श्री निहार रंजन पाल स्थानापन्न सहायक स्टाफ-ग्रिधकारी (मौलिक एवं स्थायी सहायक)

एस० दास गुप्ता निदेशक/प्रशा० इते महानिदेशक ग्रायुध निर्माणी इस्पात और खान मंत्रालय खान विभाग भारतीय खान ब्युरो

नागपुर, दिनांक 1 जनवरी 1986

सं ए०-19011(276)/80-स्था०ए०---विभागीय पदोक्षित समिति की सिफारिण पर श्री एस० सी० श्रीवास्तव, स्थानापप रसायनिवद् को भारतीय खान व्यूरो में स्थानापक स्प में घरिष्ठ रसायनिवद् के पद पर दिनांक 18 दिसम्बर, 1985 के रूबी हा से पदोन्नित प्रदान की गई है।

जी० सी० शर्मा सहायक प्रशासन ग्रधिकारी कृते महानियंक्रक, भारतीय खान ब्यूरो

भारतीप भूवज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता, 700016, रिनांक 26 दिसम्बर 1985

सं० 122 50 बी०/ए-32013(प्रशा० श्रिष्ठि०) /85-19ए--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के प्रधीक्षक, श्री हरिहर प्रशाद को प्रशासनिक प्रधिकारी के रूप में उसी विभाग में नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेसनमान के वेतन पर श्रस्थायी क्षमता में श्रागामी श्रादेश होने तक 18-11-85 (पूर्वाह्न) से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

ग्रमित कुशारी निदेशक (कार्मिक)

कलकत्ता-700016, दिनांक 26 दिसम्बर 19**8**5

सं० 12263-बी/ए-19011(2-बी० के० म्रार०)/ 85/19 ए----राष्ट्रपति जी श्री बी० के० राय को वरिष्ठ उप-महा-निदेशक (जिस) के रूप में भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण में सामान्य नियमानुसार, 2500-2700 र० के वेतनमान के वेतन पर 2-12-1985 (पूर्वाह्म) से प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त कर रहे हैं।

> डी० पी० दौडियाल वरिष्ठ उपमहानिदेशक (प्रचालन)

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

देहरादून, दिनांक 30 दिसम्बर 1985

. मं० मी- 6288/707---निम्नलिजिय अधिकारी, जो अधिकारी सर्वेक्षक के पद पर स्थानापन्न रूप में

		र पर नियु <del>म</del> त किए गए थे, दी गई सारीख से उसी पद	पर स्थानापन्न रूप में नियमित ग्राधार पर नियुक्त किये जाते हैं:		
 ऋ० सं०	नाम	श्रधिसूचना की सं० श्रीर तारीख जिसके श्रन्तर्गत तदर्थ श्रनतिश्रम श्राधार पर नियुक्ति की गई थी	यूनिट/कार्यालय जिसमें तैनात किए गए	पदोन्नति की तारीख	
1	2	3	4	5	
1. 1	ो दिनेश चन्द्र सरस्वस	दि० 23-4-83 की ग्रधिसूचना संख्या सी- 5946/707	सं० 26 (फोटो) पार्टी (उ० स०), देहरादून ।	12-8-85	
2. %	ी हीरा लाल मलिक	दि० <sup>'</sup> 28−9−83 की प्र <b>धिनूच</b> ना संख्या सी− 6#02/707	सं० 15 पार्टी (स० प्र०सं०), हैदराबाद।	11-2-85	
	ो राम किशान श्रनुसूचित जाति)	द्रिः 171-84 की ग्रिधिसूचना संख्या सी 6038/707	सं० 88 पार्टी (म० स०)., रायपुर ।	18-5-85	
4. 최	ो सलीशा चन्द्र गर्ग	दि० 171-84 की प्रधिसूचना संख्या सी 6038/707	्सं० 39 पार्टी (स० प्र० सं०), हैद'राबाद ।	3-7-85	
5. ×	) एस०एम <b>० उ</b> नियाल	दि० 28-11-78 की ऋधिसूचना संख्या सी- 5438/707	सं० 61 पार्टी (म० स०), जबलपुर।	18-11-85	
	सं० सी-6289/707 ो श्रधिकारी सर्वेक्षक के र्णतया तदर्थ श्रनन्तिम		गये थे, उन <b>के</b> नाम सर्वेक्षवः (सिले <b>क्</b> णन जाता है:——	के सामने दी गई तारीख र ग्रेड) के पद पर पदावनत किया	
कम सं०	नाम	ग्रधिसूचन। की सं० ग्रौर तारीख जिसके ग्रन्तर्गत तदर्थ ग्रनन्तिम ग्राधार पर नियुक्ति की गई थी	यूनिट/कार्यालय जिसमें तैनात किए गए	पदोन्नति की तारीख	
1	2	3	4	5	
	ो ए०एस० चौहान, र्वेक्षक (सिले० ग्रेड)	ग्रधिसूचना मं० सी- 5992/707 दि० 22-8-83	सं० ६१ पार्टी (म०स०), जबलपुर।	1-6-1985 (पूर्वाह्न)	

गिरीण चन्द्र अग्रयाल मेजर जनरल भारत के महास्वेक्षक नियुक्ति प्रधिकारी

### श्राकाशवाणी महानिदेशालय

# नई दिल्ली, दिनांक 2 जनवरी 1986

मं० 4/3/85-एम-II—-श्राकाशवाणी महानिदेशालय की श्रिधसूचना सं० 4/3/85-एम-II दिनां के 20-8-85 के अनुक्रम में महानिदेशका, श्राकाणवाणी श्री उमांकांत खुबाल तर, हिन्दी अधिकारी, जो कि ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द०रो०-40-1200 रुपये के बेतनमान में तदर्थ श्राधार पर हैं की प्रतिनियुक्ति श्रवधि को 31-12-1985 से श्राले 6 माण के लिए बढ़ाते हैं।

मोहन फ्रांसिस प्रशासन उपनिदेश र इते महानिदेश र

# वाणिज्य मंत्रालय (पूर्ति विभाग)

### बालकत्ता-27, दिनांका 26 दिसम्बर 1985

सं० जी-318/ए—-महानिदेश ः, राष्ट्रीय परीक्षण गृह, दालकत्ता श्री टी० विजयराघवन, भंडार एवं क्रय श्रीधारारी, राष्ट्रीय परीक्षण गृह, बम्बई शाखा, बम्बई के प्रतिनियुक्ति काल को दिनांक 31-5-86 तक या पद के नियमित आधार पर भरे जाने नक (जो भी पहले ही), बढ़ाते हैं।

सं० जो-318/ए--महानिदेशक, राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता श्री पी० के० दत्ता, भंडार एवं क्य श्रीव हारो, राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता के प्रतिनियुक्ति काल को दिनांक 31-5-86 तक या पद के नियमिन ग्राधार पर भरे जाने तक (जो भी पहले हो), बढ़ाने हैं।

> जे० एम० भट्टाचार्या उपनिदेशकः (प्रणासन) इते सहानिदेशकः, राष्ट्रीय परीक्षणः गृह

# पूर्ति विभाग

# पूर्ति तथा निपटान महानिदेणालप (प्रणासन अनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांः 30 दिसम्बर 1985

सं० ए-1/42(32)— राष्ट्रपति, स्थायी उप महानिदेशक (पूर्ति तथा निपटान) श्री एम० श्रीनिवासन की पहली जुलाई, 1985 से अपर महानिदेशक (पूर्ति तथा निपटान) (भारतीय पूर्ति सेवा के विष्ठ प्रणासिन छेड के स्वर-11) के पद पर स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० ए-1/42(34) III---राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान के स्थायी निदेशना सर्वश्री एस० बी० सुन्दरम श्रय्यर श्रीर बी० आर० जुलका को, पहली जुलाई, 1985 से भारतीय पूर्ति सेवा के उप महानिदेशका (पूर्ति तथा निपटान) (क्रिनिष्ठ प्रशासिन : ग्रेड) (प्रवरण ग्रेड) (फंक्शनः के पद पर स्थायी रूप से नियुक्त करत है।

> व तजोत मटियानी निदेश ह (प्रशासन) कृते महानिदेश ह, पूर्ति तथा निपटान

# नदेदिल्ली, दिनांक 24 दिसम्बर 1985

सं० प्र-1/42(25)---महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान निम्निखित पिधकारियों को प्रत्येक के सामने दी गई नारीख में स्थाये रूप से सहायक निदेशक (प्रशासन) ग्रेड-H के पद पर नियुक्त करते हैं:---

ऋम	प्रधिकारी का नाम	पद जिस	स्थायीकरण
सु०	तथा पदनार	पर स्थार्याः	की ता <b>रीख</b>
		तौर पर	
		नियुक्त किए	
		गण है	
1.	श्री ज्ञान चन्द्र, सहायक	गह् । यन	10-4-80
	निदेशक (प्रशासन),	निदेश⊹	
	निरी <b>क्षण निदे</b> शालय, उ०	$(\hat{f g} {f z} - {f I} {f I})$	
	नि०म०, नई दिल्ली	·	
2.	श्री एम०डी० कुलगेतस्म्	व <b>ही</b>	1-8-82
	सहायक निदेशक (प्रशासन)		
	(ग्रेड-[[) (सेवा-तिवृत)		
3.	श्री बी०के० दानः, सहायक	⊸–वही⊶	2-1-83
	निदेशक (प्रशसन) ग्रेड-11)		
	पूर्ति तथा निपटान निदेशालय,		
	कलकत्ता		
			<b></b>

ग्रार**्पी० गाही** उप निदेणक (प्रशासन) ुते महानिदेणक, पूर्ति तथा निषटान

# स्वास्थ्य और परिवार मंत्रालय स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 2 अनवरी 1986

सं० ए-12026/5/85-एम०एन०--स्वास्थ्य सेवा महा-निवेशक ने श्रीमती विषय आतन्द को लफ़दरजंग श्रस्पताल, नई दिल्ली में 20 लिहम्बर, 1985 से 840-40-1000-द० रो०-40-1200 रूपये के वेतनमान में (ग्रुप वी राजपवित) छ: मास की श्रविध के लिए अथवा पद पर कार्य कर रहे नियमित व्यक्ति के परावर्तन होने तथ जो भी पहले हो, तद्ये आधार पर विष्ठ व्यावासायिक चिवित्सक (सीनियर श्रक्षेणनल थेरेपिस्ट) के पर पर नियुक्त कर दियः है।

उप निदेशक (प्रशासन) (ग्रार० ग्रार०)

# परमाणु अर्जा विभाग क्रय ग्रीर भंडार निदेशालय

बम्बई-400 001, दिनांक 27 दिसम्बर 1985

संदर्भ संख्या: क्रभंनि/41/1/85-प्रणा०/4866--प्रभाणु ऊर्जा विभाग, क्रय ग्रीर भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी क्रय सहायक, श्री कल्लुपरमपील नारायण पिल्ले शिषाधरन नायर को इमी निदेशालय में दिनांक 7-70-1985 (पूर्वाह्म) से 20-12-1985 (ग्रपराह्म) स्क 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 खण्ये के वेतनमान में महायक क्रय ग्रधिकारी के पद पर तद्यं ग्राधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है। यह नियुक्त सहायक क्रय ग्रधिकारी, श्री श्रार० एस० गायकवाड के स्थान पर की गई है जिन्हें उक्त श्रविध के लिए छुट्टी प्रदान की है।

### दिनांक 30 दिसम्बर 1985

संदर्भ सं० ऋभेनि/41/3/85-प्रणा०/4883---परमाणु ऊर्जा विभाग, ऋष प्रौर भंडार निदेणालय के निदेशक ने स्थायी सहायक लेखापाल तथा स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी, श्री ए०ए० शेख को इसी निदेशालय में दिनांक 2-9-1985 (पूर्वाह्न) में 31-12-1985 (प्रपराह्न) तक 840-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में लेखा अधिकारी के पद पर नदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियक्त किया है।

पी० गोपालन प्रशासन अधिकारी

# इसरो उपग्रह केन्द्र श्रन्तरिक्ष विभाग

> एच० एस० रामदास प्रशासन श्रधिकाः

परिश्रहन मंत्रालय जल भूतल परिवहन विभाग नौबहन महानिवेशालय

बम्बई-38, दिनांक 2 जनवरी 1986

सं० 23-टी० श्रार०(7)/85---नौवहन महानिदेशक श्रीमती ग्ररुणा भर्मा उर्फ बदलामणी को दिनांक 1-8-1985 से भ्रागामी भ्रावेगों तह, तदर्थ भ्राधार पर लाल बहादुर शास्त्री नाटिकल एण्ड इंजीनियरिंग कालेज, बम्बई में गणित (इंजीनियरिंग) के प्राध्यापक के रूप में नियुक्त करते हैं।

> अमिताभ घंद्र नौबहुत उप महानिदेशक

# भेनद्रीय भूमिजल बोर्ड

फरीदाबाद, दिनांक 3 जनवर्ग 1986

सं० 3-727/85-मुख्य जलभू० (स्था०)--श्री डी० पेन्चाला रेड्डी को दिनांक 25-11-85 (पूर्वाह्न) से अगले आदेण तक केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड में सहायक जलभूविज्ञानी के पद पर जी०सी०एस० समूह-ख (राजपित्तत) वेतनमान रुपये 650-30-740-35-810-द० री०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- में अस्थायी तीर पर नियुक्त किया जाता है।

वी० पी० सी० सिन्हा भुख्य जलभूविज्ञानी एवं सदस्य

### श्रायकर श्रपीलीय श्रधिकरण

बम्बई-400 020, दिनांक 30 दिसम्बर 1985

सं० एफ०-48-एडी-एटी/1985(2)--श्री एस० व्हीं । नारायण, ग्रायकर ग्रंपीलीय ग्रंधिकरण के श्रध्यक्ष के वैयक्तिक सहायक, जिन्हें इस कार्यालय की ग्रंधिसूचना क्रमांक एफ/48/ एडी/एटी/85 दिनांक 13-9-85 के द्वारा 3 माह की ग्रंबिध के लिए श्रम्थायी क्षमता में तदर्थ श्राधार पर दिनांक 1-9-1985 में श्रायकर श्रंपीलीय ग्रंधिकरण, बम्बई पीठ में सहायक पंजीकार के पद स्थानापन्न रूप में रखा गया था, को ग्रीर एक माह के लिए दिनांक 1-12-85 से 31-12-85 तक ग्रायकर श्रंपीलीय श्रंधिकरण, बम्बई म्यायपीठ, बम्बई में सहायक पंजीकार की हैसियत में कार्य करने की श्रनुमित प्रदान की जाती है।

2. उपरोक्त नियुक्ति नदर्थ है तथा इससे श्री एस० बी० नारायण को उक्त श्रेणी में नियमित नियुक्ति का प्रधिकार प्राप्त नहीं होगा। उनके द्वारा उस श्रणी में नदर्थ प्राधार पर की गई सेवा की गणना जयष्ठता के प्रयोजन के लिए प्रथवा श्रागामी उच्च वर्ग में प्रदोश्नति हेतु पावता के लिए न नहीं की जाएगी।

> टी० डी० सुग्ला ग्रध्यक्ष

अरूप्, नार्षः दौः एतः, एतः, -----

# भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### नारत बरकार

### कार्यानय, सङ्घायक जायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जम रेज-जालन्धर

जालन्धर, दिशांक 24 दिसम्बर 1985 निदेण सं० ए०पी० नं० 5919-5920---अतः मुझे, जे० एल० गिर्धर

शायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

धाँग जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (धाँग इससे उपाबद्ध अनुसूची में धाँग पूर्ण रूप से विणित है), गजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजिस्ट्री करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीत, दिनांक जुलाई 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूरयमान प्रतिफल से, ऐसे रूरयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उकत अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी थन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनिजय, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनिजय, या धन-कर अधिनिजय, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा चे निष्;

अर्थः अब उक्त अभिनियम की भारा 269-न को अनुबरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-में की उपभारा (1) के अभीन, निम्नतिभित्त व्यक्तियों, बर्भानं:----

- (1) श्री सुदेश वर्मा पुत्र देस राज, वासी—33, गुरू भागक, नगर, (लाल नगर), जालन्धर (अन्तरक)
- (2) श्रीमती जगदीण कार पत्नि कुलदीप सिंह (विलेख नं० 328 दिमांक अप्रैल, 85) श्रांर जगदीण कार पत्मि कुलदीप सिंह श्रांर कुलदीप मिंह पूज इन्द्र सिंह (विलेख नं० 1098 दिमांक मई, 85) श्रांर श्रांर कुलदीप सिंह पुत इन्द्र सिंह (विलेख नं० 14ह पुत इन्द्र सिंह (विलेख नं० 2449 दिनांक जुलाई, 85) सभी वासी-32, गुरू मानक नगर, मजदीक पाउल टाउम, जालन्धर।।

(भन्तरिती)

को यह तुमना भरी करके पूर्वीवत सम्परित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

### धनक बंगील के वर्षा के संबंध में कोई भी बाशोग ू---

- (क) इस सूचना के रेजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किनी व्यक्ति इवारा:
- (क) इस भूषण के समयम में प्रकावन की तारीव से 45 विन के भीतर उनते स्थावर सम्पत्ति में हित-व्यूध किसी अन्य स्वन्ति युवारा वधोहस्ताक्षरी के पास विविक्त में किए का सकति।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त खब्दों जौर पदों का, को उच्छ विभिन्तिम के अध्याय 20-क में परिभावित हाँ, नहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 328 विनांक अप्रैल 85, 1098 दिनांक मई, 85 तथा 2449 दिनांक जुलाई, 85 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

दिभांक: 24-12-1985

# प्रकप् बार्ड टी. एन्. एस्,------

# भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

### भारत बर्कार

# कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीका)

अर्जन रोज, बिहार, पटना पटना,दिभांक 3 दिसम्बर 1987

निदेश सं० III-1068/अर्जन/85-86----अ/: मुझे, डी० के० घोष,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का.43) (जिसे इसमें स्कले पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिन्हों उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से विधिक है,

श्रीर जिसकी सं० खाता नं० 5 $\overset{?}{7}$ , 96, प्लाट नं० 1254, 1255, 1262, होल्डिंग नं० 625, बाई नं० 25, भौजा नं० 51, है तथा जो जोड़ा फाट्य रोड, धनबाद

में स्थित है (ग्रांच इससे उप्रावड अंतुसूची में ग्रांच पूर्ण ल्य से विणित है), रिजस्ट्रीक्वा अधिकारी के कार्यालय, समबाद में रिजस्ट्रीक्वण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसांक 2-4-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्वदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त जीभ-नियम को अधीन कर दोने के अन्तरक को शायित्व में दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती कुनारा प्रकट नहीं किया गया भा वा सिका जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

क्षतः नग, उन्न नाँधीनयम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, में,, उन्त नीधीनवन नी भारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलीखत न्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) सरदार कुलदीप रिाह भारारा, पिता सरदार हरनाम सिह् भारारा, सा०/थाना झरिया, जिला धनवाद

(अस्तरक)

(৩) সৌ गोजिन्य सुभार नगरिया पिता श्री बाह्यकृष्ण बगरिया, सा०/थाना झरिया, जिला धनबाद (अन्तरिती)

को यह भूगना जारी करके पृत्रीक्त, संपरिस के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता धुं।

# उक्त संपत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी बाक्रोब हु---

- (क) इस सूचना को राजपक में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तरकम्थन्थी व्यक्तियों पर सूचना की तालील से 30 बिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीकत स्मिक्स में से किसी क्यकित बुवारा;
- (स) इत सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धशिकरणः ---- इसमे प्रयुक्त कथ्दों और पदों का, जो उक्स आयकर अभिनियम के कथ्याय 20-क में परिभाषित इ., कही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया नमा है।

### अनुमुची

जमीत मय मकाम जिसाका रकवा 1 कट्ठा 11 1/2 छटाँक है जो जोड़ा फाटक रोड, धनवाद में स्थित है क्या जिसका पूर्ण विवरण विसका संज्या 3294 दिनाक 2-4-85 में वर्णित है और जिसका निबन्धन जिला अवर निबन्धक पदाधिकार, धनवाद के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

डी० के० घोष सक्षम प्राधिकारी गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, बिहार

दिनांक: 3-12-1985

माहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- ष (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बिहार, पटना पटना, दिनांच 9 दिसम्बर, 1985

ित्रेण मं० III-1070/अर्जन/85-86---अतः मुझे, डी० के० घोष,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के। यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव ताँजी नंव229, खाला नंव 544, 540, सबे प्लाट नंव 31-ए 32/2055, 29 पार्ट, वार्ड नंव 34, होस्डिंग नंव 116/306, थाला नंव 7, है, क्ष्या जो दक्षपपुरा, बोरिंग रोड, श्रव्णपपुरी पटला में स्थित है (श्रीर इसगे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विष्टि है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिशंक 6-4-1985

को प्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृष्ट्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृत्रिका के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---2---426 GI/85 (1) अलकनन्दा कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि॰, श्री जानदेव शर्मा, प्रचिव पिता श्री सुखदेव शर्मा, बोरिंग रोड, पटभा-1 (बिहार)

(জন্ম ে ্ )

(2) मिस्र रेखा सचदेवा पिता श्री चिमन लाल सचदेवा मोहल्ला बोरिंग रोड, थामा श्रीकृष्णापुरी, पटना (अन्सरिती)

को यह रमना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उम्त सम्पोप के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस रचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 किए की अविधि यातिसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्मण्डीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषि है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अगसची

. जमीन जिसका रकबा 3769 वर्ग फीट है जो दक्तपपुरा बोरिंग रोड, श्रीकृष्णपुरी, पटना में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण बसिका संख्या 1-5118 दिनांक है 6-4-85 में बर्णित है ग्रींर जिसका मिबन्धम सब रिजस्ट्रार आफ एस्योरेंसेंज, कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> डी० के० घोष सक्षम प्राधिकारी मद्भावक आवकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बिहार, पटना

दिमांक: 9-12-1985

प्ररूप बाइ.टी.एन.एस.-----

नाव कर अधिनियम, 196-1 (1961 का 43) की धन्य 269-य (1) के अधीम सूचना

### भारत सरकार

कार्यालक, सहाबक बाबकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेभ रेंज, बिहार, पटना

पटना,दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

निदेश मं०  $III_{-1073/3}$ /अर्जन/85-86—-अ% मुझे, ग्री० के घोष,

वान कर सिंधित कर 1961 (1961 का /3) (जिसे इसमें का प्रेस पर्वाक परवाक कर जिस्ति कर अधितिक संभाव का का का का कि रही कि स्थ्यावर सम्बद्धित जिसका जिसका जीवत नाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संव तौजी नंव 22% खाता नंव 544, 540, 541, सर्वे प्लाट नंव 31 ए 32/2055, 29 पार्ट, बाई नंव 34, होस्डिंग नंव 116/306, भाषा नंव 7, है, तथा जो ढकतपुरा, बोरिंग रोड, श्रीकृष्णापुरी पटना में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबध अनुसंदों में

श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्र धर्ता अधिकारी के कार्यात्य कलकत्ता में रिजिस्ट्रीकरण अधिपियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 6-4-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उदयमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, अपने कायका प्रतिकास है, मूझे अव्यवस्थ प्रविकास का पंचा प्रतिकात से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिकों) के बीच एस अंतरण के सिए तय पाया गया प्रति-कत, निम्मितिसत उद्योध्य से उक्त अंतरण सिकित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) कन्द्रारण से हुइ किसी आय की बाबत, उतर गीधीनक के अधीन कर दोने के अस्तरक के कक्किन में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ण) ए जी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितय करों, फिन्ह भारतीय अध्यकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्च अधिनियम, वा धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था विध्या जाति है।

मतः अव, सम्ब निभिनियमं की भारा 269-त के अनुसरण में, ने, उक्त जीभीनवमं की भारा 269-च को उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अवित :---- (1) अलकनन्दा को-आपरेटिव हा७सिंग सोसायटी लि० श्री ज्ञान देव शर्मा, सचिव पिता श्री सुखदेव शर्मा, बोरिंग रोड, पटना 1 (विहार)

(अन्धर्क)

(2) श्री अनजानी कुमार ग्रोवर पिता स्व० हरबंग लाल ग्रोवर बुध मार्ग, थाना कोतवाली, पटना (अन्तारती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इ.स. सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

जमीत जिसका रकता 3507 वर्ग फीट है जो ढक्सपुरा बोरिंग रोड, श्री कृष्णापुरी, पटना में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण विस्ता 1-5132 दिसांक 6-4-1985 में बीणा है और जिसका निवन्धन सब रिजिस्ट्रार आफ एस्योरेसज, कलकत्ता के द्वारा समपन्न हुआ है।

डी० के०घोष सक्षम प्राधिकारी स**हाबक** आ**बकर आयुक्त (सिरीक्षण)** अर्जन रोज, पटना

दिभांक: 9-1,2-1985

# प्रक्म आहे.टी.एन.एस. -----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

### बारत सहस्राह

# कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रोंज, बिहार, पटना पटना, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985 निदोश र्सू० ।।।-1071/ग्रर्जन/85-86---ग्रतः मुझे, ड० के० घोष

बायकर विभिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जकत अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाद करने के कारण है कि स्थायर सम्परित, जिसका उचित वाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अभिक है

ग्रीर जिसका संज तोजी नं 229, खात नं 544, 540, 541, सर्वे प्लट नं 31-ए 32/2055 29 पार्ट, वड नं 34, होस्डिंग नं 116/306, थाना नं 7 है तथा जो ढक्तनपुर, बोरिंग रोड, श्रीकष्ण पुरी, पटना में स्थित है (ग्रींग इसें उग्रबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकर ग्रिधिकारी 1908 (1908 क 16) के श्रिधीन, दिनांक 6-4-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित काषार भूक्य से कम के इष्ट्रयमान प्रिएफल को लिए अंतरित की गई और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाषार मूक्य उसके दश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिकृत से अभिक है और अन्तरिती (अन्तरितीयाँ) के बीच एसे अम्तरण के निए तथ पाया गया प्रतिफल, विम्नतिचित उद्विसी से बक्त अम्बर्ण कि कि सिंच में वास्तिक क्य से किथन नहीं किया नवा है के—

- (क) अन्तरण स धूड किसी भाग की बाबत, उक्त शीर्षाचयम के अधीन कहा दाने के अन्तरक के दापित्व में कसी करने या उससे बचने यों सुविधा अ लिए: सार/मा
- (५) एस किसी आप या किसी धन या जन्य जास्तियों का, जिन्हें भारतीय जाय-कर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत जिथिनियम, या धन-कर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती व्याद्य प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन,, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्रलकनन्द कोश्रापरेटिय हाउसिंग सोसायटी लि॰, श्री ज्ञान देव शर्मा, सचित्र पिता श्री सुखटेव शर्मा बोरिंग रोड, पटना-1 (बिहार)
  - (अन्तरक)
- (2) श्री गर्ना रे किना किना श्री सुखयेत समि बोरिस रोड, थाना कोतवाली, पटना।

(भ्रन्तरिती)

का यह सेना जारी करके पृश्वित सम्पत्ति के अजन के निए कार्यवाहियां क करता हुं।

**उक्त सम्मारि के अर्ज**न के संबंध में कांक्षे भी आक्षाय .~--

- (क) इस स्ना के गुजपन में प्रकाशन की तारीय वे 45 विने की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पद स्वना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति इवाग्र;
- (ख) इस सूचना के राष्पत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य प्रक्रित व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिवर्तित है, वहीं अर्थ होगा, जो बूस अध्याय में दिया ववा है।

### श्रनुसूची

जमीत जिसका रतवा 4484 वर्ग फिट हैं। जो उक्त-पुर, बोरिंग रोड, श्रीक्रणपुरी, पटना में स्थित है, तथा जिसका पूर्ण विवरण विक्तिका संख्या -1-5119 दिनांक 6-4-85 में विणित है और जिसका निवन्धन सब रिजस्ट्रार ग्राफ एस्योरोंसेज, कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुग्ना है।

> डी० के० घोष सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, बिहार,पटना

दिनांग: 9-12-1985

मोहर ः

अक्स मार्च, डी. एन. एक. - - - --

भायकर विभिनितम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नभीन त्मना

### नाक सरकार

# कार्यासर, सहायक वायकर आयुक्त (निरोक्सण)

श्चर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 11 नवम्बर 1985

निवेश सं० 37-ईई/15600/84-85——ग्रत: मृर्ग, अनिल कुमार.

नायकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इसमें इसके परचात् 'उसत निधितियम' बहु। है कि नारा 269-स के नधीन सकत प्राधिकारी को वह भगाव करने का कारण है कि स्थापर समस्ति, विश्वका श्रीति नायार मुख्य 1,00,000/- रु. से निधक है

गौर जिसकी सं ज्याद नं 15, प्रतृत्व इंडस्ट्रियल कोग्राप रेटिव इस्टेट लिं प्रत्येल। (क्षेत्र्फल 2722 चौ कहुट) है तथा जो प्रत्येल में स्थित (कोर इससे उपायद प्रतृसुधी में ग्रीर पूर्ण कृष से विणित है) रिजस्ट्रिक्सी ग्रिधिकारी के कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायकर निरीक्षण ट्याजन रेंज,में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 19/8 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक ग्रिपेल, 1985

को पूर्वेक्स सम्मत्ति के उर्ज़ित बाजार मूल्य से कम के बहमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि स्वापूर्वेक्स सम्बद्धि का उडिल बाज़ार सूक्य, उनके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रवंजन प्रतिक्षण का पंडह प्रतिकृत से जिनक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरक के किए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निकित उद्ध्येक से उक्स अन्तरण निविकत में बालाधिक कर से किन्दि नहीं किया बना है :---

- (क) अन्तरण से हुई शिक्षी जान की बाक्स, अक्स अधिनियम के बधीन कर देने के अध्यरक के साबित्न में कमी करने या उससे अचने में तृतिभा के फिल; और/का
- (व) ऐसी किसी बाव वा किसी धव वा बन्ध वास्त्रका का जिन्हें भारतीय शायकर किपिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त किपिन्यम, या वर्ध कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्त्रीरती ब्वास प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था. जियाने में स्विभा के लिए;

बत: बब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनुतरण वो, मीं, अक्त विधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) वे वधीन, निम्नसिधिक व्यक्तियों, वर्षात् ...—

- (1) मेंसर्स मन्नु िकम्पर्स 26/28, डा॰ एम॰ नी॰ नेकर स्टीट, कालबाखेवी, बम्बई
  - (ग्रन्तरक)
- (2) कत्र किम्पर्स रेशमवाला मार्केट 28-बी रिंग रोड, भूरत

(भ्रन्सरिती)

को यह स्थान बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्त्र में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इन्द्र ब्रुचना के राज्यन के प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की नवीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की दानीन से 30 दिन की अविध, जो भी विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्राय;
- (थ) इक्ष सूचना के राज्यत्र में प्रकाचन की तारी के ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किस् का सकेंगे।

स्थळांकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पवां का, जो उक्त निधितनम के जंभाय 20-क में परिभावित ही, नहीं नर्जी होंगा, जो उस जभ्माय में विशागना ही।

### वन्यूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ला ऋ० 37-ईई/15600/84-85 जो प्लाट नं० 15, पनवेल, डंडस्ट्रियल इस्टेट को-ग्रापरेटिव इस्टेट लि० पनवेल।

> ग्रनिल कुमार सक्षमप्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोंज, पूना

दिनांग: 8-11-85

प्ररूप नाइ टी. एन. एस. ------

नाथफर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

# कार्यास्य, सहायक अधकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेजिः, पूना

पूना, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निदोश सं० 37-ईई/765/85-86----- प्रतः मुझे, प्रनिल कुमार,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्राँर जिसकी सं बंगलों नं. 60, प्लाट नं 60, बालिय तं वसई, जिं थाना (क्षेत्रफल 1013 चीं फुट) हैं तथा जो थाना में स्थित हैं (ग्राँर इससे उपावड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण क्य से वर्णित हैं), पिलस्ट्रीकर्ता ग्रिध गरी के कार्यालय सहायश श्रायकर श्रायकर निरोक्षण ग्रर्जन रेंज पूना में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 के 16) ग्रिधीन, दिनांक जून, 85

मा पूर्वोक्त संपत्ति के बिक्त बाकार कृष्य से काम के स्वयंतान प्रतिकाल के सिक् बन्तरित की गई हैं और कुछ के इति विकाल करने का आरण हैं कि संपान्वोंकत सम्मत्ति का स्वीतित नामार स्वयं उत्यं उत्यं उत्यं प्रतिकाल के पूर्व अववाल प्रतिकाल के प्रतिकाल के प्रतिकाल से विभिन्न हैं जीर संवरक (अंवरका) और संवरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल निम्मलिखित उद्वेदेय से उक्त अन्तरण लिखित में मों बास्तविक रूप से काथत नहीं किया गया है '---

- (क) जनसरण से हुई किसी जाम की बाबरा, उनके जिथिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दावित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा और/या
- (क) ऐसी किसी आय वा किसी धन वा करण जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर कांधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनियम, या धन-कर जिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना वाहिए धा. छिदान में सुविधा की लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भें, मैं, अक्षत अधिनियम की धारा 269-ग की उपधान (1) के अभीन, निभ्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

(1) मैंसर्स देखिया एण्ड एसोसिएट्स कितीं कि सेवारी नाका, बम्बई

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भारती मनिलाल हरिया श्रीर धन्य 31/32, सिल्वर श्रपार्टमेट्स शंवर घाणेकर मार्ग दादर, बम्बई।

(ग्रन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि वा तत्साम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की सविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होंसे हो, के भीतर पूर्वीकत स्पिक्तियों में से किसी स्विधि ब्राइट:

स्पन्धीकरणः - इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो उसर आयकर अभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा हैं।

### अनुसूची

जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता कि 37-ईई/965/85-86 भ जून, 85 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंक पूना के दफ्तर में लिखा है।

> ग्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, पुना

दिनांक: 8-11-1985

अक्य बाई : दी : एन : एस :-----

/कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में सभीत स्पना

### भारत दशका

# कार्यातय, सहायक जायकर जायुक्त (विद्रीक्षण)

ग्रर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 11 नदम्बर, 1985

निदोश मं० 37-ईई/847/85-86→-अतः मुझे, अनिल कुमार

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कर्ने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, चिशका उचित्र नामार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

म्रोर जिसकी संव दुकान नंव ! ग्रांग 2, मंगलाम बिल्डिंग नवधर गांव, ताव वसई, जिव थाना (क्षेत्रफल 1785 चींव फुट) है तथा जो थाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाब अनुपूची मों ग्रीर पूर्ण रूप में विष्यत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधि कारी के कार्यालय, सहाय श्रीयकर श्रीयकर प्रमिष्ट (निरीक्षण श्राजन रोज, प्राप्त में रिजस्ट्रीकरण श्रीधितयम 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन, दिनांक जून, 85

का प्रवादित सम्पत्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के जिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि येथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इत्यमान अतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिकात से अभिक है और अन्तरक (अंतरकारें) और अन्तरिती (अंतरितियों) के लेख एमें बन्तरण के लिए त्य पावा म्या प्रतिका का प्रमानिक प्रवृद्ध से उसक बम्तरण विश्वत में वास्त्रिक का प्रमान स्वीक को बास्त्रिक का प्रमान स्वीक को वास्त्रिक का प्रमान स्वीक को बास्त्रिक का प्रमान स्वीक को बास्त्रिक का प्रमान स्वीक को बास्त्रिक का प्रमान स्वाक की स्वाक का वास्त्रिक का प्रमान स्वाक की स्वाक की बास्त्रिक का प्रमान स्वाक की स्वाक स्वाक की स्वाक की स्वाक स्वाक

- क्ली अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

इत अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भ", म", उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, वर्णात ड——

- (1) मैसर्स महाबीर कन्स्ट्रम्शन कंपनी लाल गोडाउन बसई, रोड (प) त० वसई जि० थाना (भ्रन्तरक)
- (2) श्री बेढीवा एच० भारीजी श्रांर श्रन्य 40/41 संगीतं सागर, लक्ष्मीनारायण लेन, मातुंगा बम्बई।

(भन्तरिती

न्तं वह ब्यना चा<u>री करके पृत्रांवत सम्पत्ति के वर्ष</u>न के निक् कार्यवाहियां शुरू करता हु"।

उक्त सम्पत्ति के नवीन के सम्बन्ध को कोई" भी बाधोब ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की जन्मि, को भी नवीय नाद में समाप्त होती हो, के भीतृ पर्नोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सूचाडाः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा नथोइस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकरेंगे।

क्लफोकरण:--इसमें प्रयुक्त कर्न्स बीट पर्यों का, वो उक्क सिंपनियम के सध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होना वो उन्न सध्याय में दिया प्रवाहीं।

# वन्स्ची

जसा कि रजिस्ट्रीकृत क० 37-ईई/847/85-86 जो जून 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जनरोज जूना के दक्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रोज, प्ना

दिनांक: 8-11-1985

# रक्ष वार्षः दो । १५ । १६ व्यक्त

बायफार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन सुचना

### सार्थ सरकार

# कार्यास्य, सञ्चायक नायकार अव्यक्त (विरोधान)

अर्जन रोज, 3, कलकमा कलकत्ता, दिसांग 9 दिसमंबर, 1985 निदेण सं० 1976/एक्यू० आए०- / 8ह-१८--३५ः **शेख** नाइमहीम

बायकर निर्मित्सम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'एक्त निर्मित्सम' कहा ज्या हैं), की जादा 269-व के अभीन सक्रम प्राधिकारी की यह दिल्लास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उजित नाजार मूर्ध 1,00000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 9 है तथा जो मेफेयर रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इसस उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णि: है), रोजिंद्रीकर्गा अधिकारी के कार्यालय, आई० ए०सी० एक्यू० आरं०- में रजिस्द्रीकरण अधिक्यम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10-4-85

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्त से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक ख्प से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुक किसी जाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे अचने में सुविचा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत्त अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ण को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थान्:--

(1) श्री हरचरण सिंह भाटिया

(अन्तर्क)

(2) श्री गुरिन्दर सिंह

(अन्तरिती)

का यह सूचना थाड़ी करके प्राप्तित संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यगाहियां कारता हों।

वनत सम्मरित के नर्पन के सम्बन्ध में कोई भी भाषांप:---

- (क) दब स्थान के राजपन में प्रकासन की तारीय से 45 हिम की सर्वांच ना तत्त्रकाननी व्यक्तियों एवं स्थान की तानीक से 30 दिन की नविधा, जो भी संप्रीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकर व्यक्तियों में ये किसी व्यक्ति स्वाराः
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर सम्मास्त में हितबस्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के बास निवित्त में किए जा सकोंगे!

स्पष्टिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# प्रनुमूचो

प्लाट नं० ७ डी, ३७-ईई/ फार्म अनुसार निबन्ध हुआ।

> शे**ध नाई**मुद्दीन सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-3, कलकत्ता

दिनांक: 9-12-1985

# प्रकृत वार्षं हो . एन . एवं . ------

मामणार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के समीन स्थना

### HIER RESIS

कार्यालय, सक्षयक नायकर नायुक्त (विरक्षिन)

अर्जन रेज-3, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 9 दिमम्बर, 1985

निर्देश मं० 1977/एक्यू० आए०-IU/85-86 -म्रतः मुझे शे**ख** नाईम द्वीन

स्रोर जिसकी लंक 180 (राव बी) है तथा जो राम बिहारी एवेन्यू कलकरता में स्थित है (प्राँत इनमें उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण क्ष्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्राई०ए०सी०, एक्यू० रेज-III में, रजिस्ट्रकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिशांक 10-4-85न

को पूर्विकत सम्मत्ति के उचित बाचार भूक्य वे कन के क्रयमान तिफल के लिए जन्ति की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथा पूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (जंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया/प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ब्लारण विचित्त में बास्कविक रूप से कथिट नहीं किया गया है प्र--

- (क) कम्तरण से हुई किसी मार्घ की बाबत, उस्त नियम के पक्षीन कर दोने के बाहरक लें वायित्व में कमी करने या अससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (था) एसी किसी जाय या किसी वज या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा जनत अधिनियम, या धम-कर जाँचिमित्रका, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना जाहिए था, क्रियाने यो स्नौनया के क्रियः

भतः अव, हक्त विधिनियम की भारा 269-न व विभृत्यस्य में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) आर० अ० एण्ड एसोसिएट्स

(अन्तरक)

(2) डा० प्रकाप देवनाथ भ्रार अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के वर्जन और लिए कार्यगाहियां करता हो।

### उन्त संपरित के वर्षण के संबंध में काई भी बाबोंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की सर्वीध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर बूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी बबीध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पृत्रों बर लाजिए में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
  - (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वाक्रीकरणः - इसमें अयुक्त कर्नों और वर्ग का, को अवह अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका वक्त हैं।

# अनुसूची

प्लाट नं० सी-5/37-ईई/ फार्म अनुसार निबन्ध हुआ

शेख न•ईमद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-3, कलकना

दिनों हः: 9-12-1985

# शकप बार्ड. टी. एन्. एस.,-----

बायकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बभीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यानय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जभ रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिभांक 9 दिसम्बर, 1985

निर्वेश सं० 1978/एक्यू० आर-III/85-86—अनः मुझे शेख नाईम्हीन

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 2 है तथा जो लेदर स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्राई०ए०सी० एक्यू०आर०-Ш में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 1-4-85

को पूर्वोक्त सम्मित्त के जिया वाचार जूका वे क्षत्र के वश्यभाव प्रतिकल के लिए अन्तरित की गईं और मुझे यह विकास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्मित का उवित्त वाधार जूका, उत्तक क्षत्रमान प्रतिकल से एते क्ष्यभाव प्रतिकल का पन्नह प्रतिकत से विभक्त हैं और अन्तरक (बन्तरका) और अन्तरिती (जन्तरितियाँ) के बीच एते अन्तरक के किए सम पाम क्या प्रतिकल, विक्वितियाँ स्वृद्दिक से स्वत्त अन्वरक क्षित्रक में वास्तिक कम से क्षित्रस नहीं किया क्या है:---

- (क्र) जन्ता<u>रण वे हुई किसी बाद की बावत,</u> उत्तः अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तारक की दायिस्य में कमी करने गाउससे बचने में सुविधः के लिए; बीर/बा
- (३) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सविधा के किए;

क्त: अंब उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के बन्दरण वें, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—— 3—426 GI/85 (1) लोबा सर्विसेस प्रा० लि०

(अन्तर ह)

(2) मनमोहिनीपुर टी० कम्पनी लि० ग्रांश अन्य। (अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हुं।

उन्त सम्मत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारींब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी विध साद में समाप्त होतीं हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच स 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बच्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के शस निचित्त में किए जा सकोंगे।

स्पक्षीक रून: -- इसमें प्रयुक्त सक्यों भीर पर्यों का, जो उक्त नीभीनयम के नध्याय 20-क में पीरभावित ही, वहीं नध्यं होगा, जो उस नध्याय में दिवा नवा ही 🕮

# अनुसूची

क्षेत्र 1558.74 व०/कु० 37-ईई फार्म के अनुमार निबन्ध हुआ।

> णें **ब नाईमुद्दीन** सक्षम प्राधिका**री** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-3, कलफना

दिनकि: 9-12-1985

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 9 दिसम्बर 1985

'निदेश सं० 1979/एक्यू० आर०-III/85-86—अतः मुझे, शेख भाईमुहीन

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

र्श्वार जिसकी सं० 2 है तथा जो हेयर स्ट्रीट, कलकत्ता में में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण स्थम वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 9एसी एक्यू० आप०-III में, रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की बाबत उनक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था दा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् —- (।) लोधा अविमेश प्रा० वि०।

(अन्तर्क)

(2) कनई इनवेस्टमेंट लि०।

(अन्तरि**ती**र

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के रि कार्यवाहियां करता हुं।

उन्नत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्री 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प् सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीव व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कु 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति मे हितको किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के प लिखित में किए जा सकर्गे।

स्पष्टीकरणः ——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अि नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, व अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

क्षेत्र 4454.12 वर फुरु 37-ईई फार्म अनुमान निबन्ध हुआ।

> णेख नाईमुई.. एक्षम प्राधिनाँ सहायन आयकर आयुक्त (निरीक्षण 54, रफी श्रहमद किदवई री अर्जन रेज-II<sup>1</sup>, उलकत्त

दिनांक: 9-12-1985

# शक्त कर्त्र की <sub>व</sub> स्त्र स्त्र स्ट<sub>ा</sub>

नायकर व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन सूचना

### भारत सर्कार

# कार्यालय, बहायक बायकर बायुक्त (निर्देशक)

म्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० 1980/एक्वी० श्रार-III/85-86-- श्रतः, मुझे, शेख नाइमुद्दीन,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्कं पर्वाद 'उक्त अधिनियम' कहां गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं ा/512ए है तथा जो गडियाहाट रोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपादा प्रमुख्ती में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, श्राई० ए० सी० एक्की० ग्रार-111 में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 1-4-85

्रो पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान िकल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है

क्या पह निरमात परिन को जीवत बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्धरण से हुई कि बी बाद की बादस, स्वयं अधिवियम के वंधील कर दोने के बन्सहरूक की सावित्य में कमी करने या स्तरचे वंधने में बुविधा से सिए: सर्ट/श
- (स) एसी किसी बाब या किसी धन वा बन्य अस्तियों कर विभाग सारतीय अध्य-कर विभागियम, 1922 (1922 का 11) या उनते विभागियम, या अम-कर विभागियम, या अम-कर विभागियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधवार्थ बन्तिरती वृद्धारा प्रकट गहीं किया वा वा वा विज्ञा वाना वाहिए था, कियाने में स्विधा के सिक;

अधः अथ, उन्त विधिनयम की भारा 269-ग न जन्तरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ≟-- (1) श्री बी० एस० बिल्डर्स।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री तरुण काणित दत्त ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मरित के वर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्षन् के संबंध में कोई भी वास्रोप् :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की सब्धि या तत्सम्बन्धी स्पिकतमी पर सूचना की तामीन से 30 दिन की सब्धि, जो भी सब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्पिकतमों में से किसी स्पित इवारा:
- (क) इत बूचना के राजपन में प्रकाबन की तारीन से 45 बिन के औतर सक्य स्थावर सम्पत्ति में द्वित-वृद्ध किसी क्या स्थावत ब्यारा, नभोहस्ताकरी के पास सिवित ने किए या सकेंगे।

स्वाकारण: --- इसमें प्रयुक्त स्वा और वर्षों का, वो उक्त विभिन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, बही अर्थ होगर को उस अध्याय में क्या प्रवेत हैं।

ग्रनुसूची

प्लाट 37 ईई फ.मं अनुसार निबन्ध हुआ। ।

णेख नाईमुहीन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) 54, रफीश्रहमद किदवई रोड, श्रर्जन रोज-3, कलकत्ता-16

दिनांन : 9-12-1985

प्ररूप बाइ . बी. एन्. एक . ------

ंगिकर सीमिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-च (1) के बभीम सूचना

### मारतं महकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बंलकसा

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० 1981/एक्वी० श्रार--III/85--86--- ग्रत: मुझे, शेख ना**ईम्**दीन,

नायकर अभिनियम; 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें उसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- व के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उभित बाजार मृज्य

1,00 000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं । 2,2/1 और 2/2 ओल्ड कोर्ट हाउस स्ट्रीट धौर 23 लाल बाजार स्ट्रीट कल० में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, आई० ए० सी० एक्वी० आर-III में, रजिस्ट्रीकरण प्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 1-4-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गईं है और बृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिकल का पद्मह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिकल रूप से कथित उच्चे से उन्तर मन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित रहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरम संहुदं कि ती नाम की शामत, समक अधिनियन के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कनी करने या संतत्ते ब्यूचने में तृतिभा के बिए; और/वा
- (थ) क्ली किकी जान वा किकी थन वा कल शास्तिनों को, किन्हुं भारतीय वावक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ता अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ सन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना थाहिए वा, कियाने में सुविधा के तिक;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निष्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मैसर्स श्रासारको इनवेस्टमेंट एण्ड् ट्रेडिंग कं० प्रा० लिं०।

(ग्रन्मरक)

(2) मैसर्स श ईस्ट इण्डिया क्रामिशयल कं प्रा० लि । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना बादाँ थाएके पूर्वोक्त सम्मति के वर्षन के किए कार्यगाहियां करता हों ।

बक्त सम्मति के करीन के सम्मन्ध भी कांची भी भारत --

- (क) इस ब्रम्मा के राज्यम में प्रकाशन की उरिध से 45 दिन की जबीय या तत्संबंधी व्यक्तियों दर सूचना की तासीस से 30 दिन की वर्षीय को भी अवदि बाद में समाप्त होती ही के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसो व्यक्तित हवारा.
- (व) इस सूचन के राजपम में प्रकाशन को तार है है 45 दिन के ग्रीहर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनवृष किसी सन्य व्यक्तित् वृतारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किस जा सकी में।

स्पष्टिकरण: ----इसमे प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उत्कत । अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया स्या ही।

### समृत्यी

ण्लाट सं० 4डी/क्षेत्र --- 2,581 वर्ग फुट। 37ईई फार्म अनुसार निबन्ध हुन्ना ।

> शेख नाईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) 54, रफीग्रहमद किंदबई रोड. श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता---16

दिनांकः : 9-12-1985

# स्थल कार् ् रो. एल्. एस.------

वायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

### गारत बरकाड

कार्याज्ञय, सहायक जायकर जायकर (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज−3, कलक<del>मा</del>

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्वेश सं० 1982/एक्वी० ग्राप्र-III/85-86---ग्रतः मुझे, शेख नाईमुहीन,

कार्यकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- एक से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 1, 2, 2/1 तथा 2/2 श्रील्ड कोर्ट हाउस स्ट्रीट श्रीर 21 तथा 23 लाल बाजार स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रृनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, श्राई० ए० सी० एक्वी श्रार—III, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीन, दिनांक 1-4-1985,

को पूर्वोक्त संपरित को उचित बाबार मुख्य से कम के द्रश्यमान कितकत को तिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाबार मुख्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्तरित का उचित बाबार मुख्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्तरित (जन्तरित से अधिक है और अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कन, निम्निलिखित उद्वदेष से उक्त अन्तरण निम्नित में बास्त-विक स्प से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंडी किसी बाव या किसी थन या बन्स बास्तिकों को, जिन्हों भारतीय बायकार अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियस, या धनकर विधिनयस, या धनकर विधिनयस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारी प्रेकट नहीं किया गया था या किया बाना भाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

कतः कवा, उक्त विधिनयम की भारा 269-न की विश्वसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, वर्षात् १(1) मैसर्स भ्रामारको इनवेस्टमेंट एण्ड ट्रेडिंग को ० प्रा० लि० ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेरिस् चन्दन कामिशयल को० लि० । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप अ---

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की वारी हुं है 45 दिन की अविध्या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविधि, को भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्य व्यक्तियाँ में से किती व्यक्ति ह्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिट्ट बब्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, वशोहस्ताक्षरी वे पास निचित में किए वा सकेंगे।

क्ष्यक्षित्यः ---इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पदों का, को उक्क अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में विया प्या है।

श्रन्युची

ण्लाट—-4डी क्षेत्र--806 व० फु० 37ईई फार्म श्रनुसार निबन्ध हुश्रा ।

> शेख नाईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), 54, रफीग्रहमद किदवई रोड, ग्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता-16

दिनांक : 9-12-85

प्रस्थ बार्च यो , एक, एक .

# बारकर वर्रियोगवस, 1961 (19**61 का 43) की** बारा 269-व (1) के वर्षीय **क**तना

### बार्व बहुनाह

# कार्यालम सहायक कायकर आयुक्त (निर्देशक)

श्वर्जन रोज-3, कलकत्ता कलाःसा, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 1983/एक्यू०/ श्रार०-III/85-86--श्रतः मुझे, शेख नाईमुदीन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाज़ार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी मं० 1/512ए है नथा जो गडियाघाट रोड, जलकता में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रिधिकारी के वार्यालय, साई० ए० सी० एक्यू स्रार०- I , जलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण स्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रिधीन, दिनांक 1-4-85,

को नुर्वाक्त कम्पत्ति के उपित बाजार मून्य से कम के दूरयमान प्रतिपाल के लिए अन्तरित की पद्दं हैं और मुम्ने यह विम्वास करने का कारण है कि बणापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मून्य उसक दूरवमान प्रतिपाल रां, एसे दूरयमान प्रतिपाल का पम्प्रह प्रतिवात से बाधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया वृतिक सु निम्म्यिकिक ब्युविक वे बच्छ बन्दरण विश्वित में बास्तरिक रूप ने कपित नहीं विका गया है है—

- (क) बन्तरक ते हुई किसी बाव की बावत, उनत वीधीनवस के वधीन कर देने के बन्तरक के खनित्व में कमी क्ट्ले मा उचते वचने में बृधिभा के लिए; और/या
- (श) एची किसी बाध या किसी भन या अन्य अस्तियों को, जिक्हें भारतीय आवकार अभिनियम 1922 (1922 का 11) या उनके अधिनियम, 1927 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वास प्रकट नहीं किया नवा था वा किया वाला पाहिए था, जियाने में सुद्धिया हो विवा;

अतः व्या, उक्त अधिनियम्, की भारा 269=न के बनुसरक की, जन्त अधिनियम् की भारा 269-म की जरपारा (1) अधीन, रिनम्नलिखित स्पवितामों, अर्थात् ः— (1) बो० एस० बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती रूबो सरकार ।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना भारी करके पूर्वोंक्स संपृत्ति के वर्धन के सिक् कार्यभाहियां करता हुं।

# उक्त क्ष्मीरत से वर्जन के सम्बन्ध में कोई की वार्जन्य--

- (क) इस स्थान के राज्यन में प्रकाशन की टारीय स 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियाँ पर स्थान की दासीय से 30 दिन की नविध को भी स्पृष्टित कहा में समस्य होती हो, के बीतर प्रविक व्यक्तियों में दे विश्वी व्यक्ति दुवास;
- (व) इस सूचल के राजवन में प्रकाशन की शारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर मंपरित में हितबब्ध किसी बन्य क्यक्ति द्वारा. मधोहस्ताक्षरी के पास निवास में किए या सकतें।

स्यष्टीक रणं: --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, आं उक्त विधिनियम,, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या स्था हैं।

### रवार पर

प्लाट/क्षेत्र---727 व० फु० 37**६**ई फार्म श्रनुसार निबन्ध हुग्रा ।

> शेख नाईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), 54, रफी ग्रहमद किदबई रोड, ग्रजन रेज-3, कलकत्ता-16

दिनांक : 9-12-1985

माहर :

# प्रकार नाहें .बी .पुन्, एसं .----

बाधकर व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

### प्रशास बहुत्ताह

# कार्यासर, सहावक जायकर नास्वत (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंड-∙3, कलक्ता

कलकत्ता, दिनांव 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० 1984/एक्बी०-धार $-\Pi I/85-86$ ----ग्रतः मुद्दी, शेख नाईमुद्दीन,

भायकर जीवनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसवे इसके परवात् जनत विभिनियम कहा पता ही, की भारा 269-स के जभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 46/3/बी है तथा जो यादवपुर सेण्ड्रल रोड, कलकसा में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय श्राई० ए० सी० एक्वी० श्रार—III, अलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रीध-ित्यम 1908 (1908 वा 16) के श्रीम, दिनांदा 10-4-1985,

भा पूर्वोक्त तस्मीत के उचित बाजार मून्य वे क्षत्र के दश्यकतः विकास के लिए जन्तरित की नहाँ हैं जीन मुख्ये वह विश्ववास करने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त सस्मित का जीत्र का कारण है कि स्थापुर्वोक्त सस्मित का जीत्र का कारण है कि स्थापुर्वेक्त सम्मित का प्रतिकृत अधिक है और वंतरक (जंतरका) कार कंकियाँ (जंतरितवाँ) के बीच एसे जंतरण के सिए दश्य पाना का अधिकत, विस्मितियाँ उद्देश्य से उचत बंदरण निवास को तारण के सिए दश्य पाना को तारण के सिए स्थ

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनिवर के संधीन कर दोने के अन्तरक से शायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा जै गिए; बॉर/या
- (क) ऐसी किसी क्रम्य या किसी भंग या त्रस्य आस्क्रियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशेजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गण भा या किया जाना श्राहिए था. छिपान में मुक्किए के लिए

अत: अबं, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण की, मी, उक्त विधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) ्री कर्शन निकासिक्षिण व्यक्तियों, अर्थात् हरू— \_ (1) स्लाब बिल्डर्म ।

(भ्रन्तरक)

(2) सरीन शना कुरेशी।

(ग्रन्तरिती)

को वह ब्यना प्रारी अथके पूर्वोक्त सम्परित के वर्धन के फिर कार्यनाहियां करता हो।

# उनक सम्मत्ति के क्षर्यम के संबंध में कोई भी बार्खाय :----

- (क) इस वृपना के राज़पत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृपना की तामील से 30 विम की अवधि, जो की वनीय नाव में सनाप्त होती हो, के शीतर कृषों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना की राज्यक में अक्सावन की तारीस से 45 दिन को भीतर उत्तर स्थावर संपर्दित में हितयहथ किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा जभाहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीये।

स्वकाष्ट्रियः म्ह्समें प्रयुक्त सन्दों और पद्यों का, वो अवस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशादिक है, वहीं अर्थ होगा को उक सम्बाद में विका गवा है।

श्रनुसू<del>ची</del>

प्लाट सं० 8/क्षेत्र~~660 व० फु० 37 ईई फार्मे श्रनुसार निबन्ध हुग्रा ।

> शेख नाईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी नहायाः भ्रायाः र आयुक्त (निरीक्षण) 54, रफी प्रहमद िव्हबई रीड, श्रर्जन रोज-3 कलकत्ता-16

दिनांक : 9-12-1985

<u>rangan ang Parangan ang Parangan</u>

प्रकल कार्षः दीः एषः एवः -----

(1) मेसर्स मदगुल उद्योग और मन्य । (मन्तरक)

(2) श्री दिग्वीजय रसिक जायदा और अन्य। (अन्तरिती)

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-व (1) के बचीन स्थना

### भारत सरकार

# व्यवस्थित, सहायक आयकार आय्वत (जिल्लीक्षण) ग्रर्जन रेंज~ 3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 19**8**5 निर्देश सं० 19**8**5/एक्टी० श्रार--Ш/85--**8**6-- श्रतः मुझे, त नाईमछद्यीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मिस, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहे से अधिक है

और जिसकी सं० 20, है नथा जो वालीगंज साकुलर रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इसमे अपावज्ञ प्रनुसूची में और पुर्ण स्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, प्राई० ए० सी० एकवी० रेंज-III, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक 10-4-1985.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यक्षान श्रीतफल के तिए अंतरित की गई है और मून्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पल्लाइ प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नानिविद उन्नुवश्य से उक्त अन्तरण निविद्य में वास्तरिक हम से किंदि नहीं विका वना है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभि-विवस को अभीन कर दाने के अन्तरक के दानित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्ण, बीद/वा
- (श) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनाम अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया . था या किया जाना भाहिए था, कियाने में मुकिया से निए;

अत: अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के कर्जन के लिए कर्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानीम से 30 दिन की व्यक्ति, यो भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए वा सकोंगे।

स्वक्रीकरण :---इसमें प्रयुवत कर्यों और वर्षों का, को उससे अधितिकम के अध्याद 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिया क्या हैं।

# वन्त्र्यी

प्लाट सं० 1 सी (अंश) क्षेत्र--405 व०फु० 37ईई फार्म प्रनुसार निबन्ध हुमा ।

> शेख नाईमउद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन र्ज--3 54, रफी श्रहमद किदबई रोड, कलकता---16

दिनांक : 9-12-1985

प्रकप माइं. टी. एन. एव. -----

अभिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सुचना

### नारत तरकार

# कार्याक्षक, सहायक कायकर काव्यत (विद्याक्षण) शर्जन रेंज-3, कलकला

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निवेश सं० 1986/एकवि॰ झार-III/85-86--- झतः मुझे, शिख नाईम्हीन,

नामकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परपात 'उनत निधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसभी सं० 20/1 है तथा भो भ्राशुतोय चौधरी एयेन्यु कला में स्थित है (और इससे उपावद अनुसुधी में और पुर्ण इप से धणित है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिधारी के कार्यालय, भ्राई० ए० सी० एवटी० भ्रार-III, कलकता में, रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, विनांक 1-4-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मृत्य, उनके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल के रूपमान के रूपमान प्रतिफल के रूपमान कि रूपमान के रूपम

- (क) अंतरण से हुई किसीं आय की वावत, उक्त विधिनियस के अभीत कर देने के अन्तरक औं दायित्व में कमी क्रस्टेश उससे अवने - में क्षिणा के लिए; और/शा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों को भिन्ह भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का ११) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकारनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा, किया वे में सुविधा को सिए;

कतः अव, डक्त अधिनियमं की धारा 269-न के अनुसरक् को, भी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीतः निम्निकित व्यक्तियों, वर्धातः —— 4---426 G1/85 (1) श्री मिगमा प्रा० लि०

(मन्तरक)

(2) श्रीमती मीना वाशगुप्त और ग्रन्य

(प्रन्तरिती)

की यह सूचना चारी करकी पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत संपत्ति के बंधन के संबंध में कोई भी बाक्षण :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारी वा के 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों चर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी बंबिध बाद मों समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपति मेथ हिनवव्य किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पाक लिकिन में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त झब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थहोंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### मनुसूची

प्लाट सं० 401 क्षेक्र⊶-1500 व० फु० 37ईई फार्म भनुसार निबन्ध हआ

> शेख नाईमउद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज- - 3 54, रफ भ्रहमव किंदबई रोड, कलकसा---16

विनोक: 9-12-1985

# THE THE STATE OF THE PARTY OF T

# नायकड व्यप्तिनियम्तः (1961 पि 43) यो भारत 269-स (1) से सभीत सुख्या

# मार्च जीवाड

कार्यातय, बहायक बारकर वायुक्त (निद्रीक्षण) धर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 1987/एकबी०/- III/85-86--मतः गुन्दे, शेख नाईमछद्दीन,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 4.3) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/ रू. से अधिक है

भौर जिसकी गं० 22 है तथा जो श्राणतांव चौधुरी एवेन्यु कल० स्थित है (और इससे उपावस अनुमूची में और पुण क्य में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय श्राई० ए० सी० एवंदी श्रार—III, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, दिनांक 1-4-85,

को पूर्वेक्त सम्बक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अध्यमान इतिकास के तिस् अन्तरित की गई है कि बुओ वह विकास करने का कारन है कि स्थाप्वॉक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अध्यमान प्रतिफल से एसे अध्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिसत से अधिक है और जन्तरक (जन्तरक) बीद भन्तरिती (जन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के बिष्ट कि गणा नया प्रतिफल, निम्मितिसत उच्चेक से अपन अन्तर्भ पिस्स में अस्तिकिक कम से काँचित बहाँ किया कहा है —

- (क) बन्तरण वंशुद्र किसी बाय को अब्ध, अव्यव विभिन्निय के बंधीन कर दोने के प्रमन्द्र के दास्तिय को सभी कारने या उनसे क्लब की कृष्टिका के सिष्टु; बौह्र/बा
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को बिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना था, खिपाने में सविधा हो लिए,

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् ः—— (1) मिगमा प्रा० लि०

(प्रसरक)

(2) श्री मती मैन्नेयी शाजरा

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्बन के जि कार्यवाहियां करता हुं।

# उन्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 विन की अविधि या तत्सं अंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि याद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस सूचका के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच छै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पद्धि में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए आ सकेंगे।

स्वकाकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्क अधिनियम्, के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया भूषा है।

# अनुसूची

क्लाट सं०---41 क्षेत्र---1400 व० पु,० 37ईई फार्म ब्रमुसार निवन्ध हुआ। ।

> शेख नाईमउद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजंन रेंज- - 3 54, रफीग्रहमव किदवई रोड, कलकत्ता--16

विनोकः :

9-12-1985

मोहर ।

प्रकार कर्ताः राज्यः एकः ----

भारकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के स्थीन ब्याना

### श्रामानन, तहायक भारतार नाव्यत (विरोक्ता) म्रर्जन रेंज-३, कलकता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

1988/एमदी ब्रार-III/85-86--- झत: मुभे, निर्द्रोश सं० माईमउद्वीन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे द्रव्यो इतके क्वाल् 'उक्तं अधिनियत्र' कहा सवाह"), की पारा 269-थ के वधीन तक्षत्र प्राधिकारी को यह विश्वास करने का क्रारम है कि स्थावर तस्यति, विश्वका अधित बाबार बुरूब 1,00,000 ∕-रुः से **व**िथक **ह**ै।

और जिसकी सं० 176 है तथा जो शरत बोस रोह, कलकत्ता स्थित है (और इससे उपाबड ध्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्द्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, ग्राई० ए० सी एक्बी भार०-III, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, विनांक 10-4-85,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कृम के वश्यमाव **प्रतिपक्ष के किए अंतरित को गई है और मुध्नेयह विश्वास करने** का कारण है कि युधापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुख्य, <del>डसके व्यवमान</del> प्रतिफल से, ए<del>'ते व्य</del>यमान प्रतिफल का पन्<del>तह</del> प्रक्रिया से विधिक है<sup>।</sup> नीड वन्तरक (वन्यरकों) नीड नन्त्रितीं (अन्तरि(तियाँ) के बीच एति वृत्तरम् भी तिष् तव पाना नवा प्रशिक्षम्, निष्मिविश्वितः उद्वयेष्याँ से उक्त मृत्यरण हिनीयरा वें तारक्षीयक कर वे सामिक गृहीं द्विवा पका है <del>। ....</del>

- (क) बन्दहरू से हुई किसी बाव की बावजू, वर्षिपरिवद के वंशीन कर दोने के वन्द्रप्रक के द्वितन् तं अपनी कारतं या उद्युष्ठ बचने में सुविधाओं सिन्ह; कांद्र/ना
- 🖊 इंडी किसी बाद वा किसी धर्म वा करू वास्तिकों ब्रा चिन्ह<sup>ा</sup> भारतीय वाय-कारु विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त क्षिनियम, या भन-कर विधिनियुष, 1957 (1957 का 27) वॉ प्रयोजनार्थं बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भावाकिया अपना चाहिए था, किपाने से सुविधा के जिए:

**कक**ः स्व, दक्त विभिन्तियम की पाच 269-न के अनुसरण में, में, सकत मीपीनवम की भारा 2,69-व की उपभाखें (1) चे बजीर, निव्यक्तिच्य व्यक्तिको<sub>टा</sub> व्यक्ति ॥——

(1) मेसर्स मन्गुल उद्योग

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सुशील चन्द्र राय और ग्रन्य

(धन्तरिती)

को बहुत्त्रना नारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिल् कार्यवाहियां करता हूं।

# उन्त सुम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप १----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक सं 45 दिन की अवधि या तत्सवंभी व्यक्तिवाँ पूर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, को औ अव्यि माद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त **स्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा**;
- (च) इस स्वना को राजपण में प्रकासन की हारीच वे 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में डितवड्ड थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाइ लिमित में किए वासकों वे।

<del>राज्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्नों का, यो उनक</del> निधिनयम के अध्याद 20-के में परिधारित है, बही अर्थ होगा थां उस अध्याय में दिवा दया है।

प्लाट सं० 5ए और गरेज क्षेत्र---- 1800 व० फू०

> शेख नाइमउद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), म्रर्जन रें**ज**--3 54, रफी महमद किदवई रोड, कलकता--16

दिनांक :

9-12-1985

मोहर '

# त्रक्त कार्युक्त को व दुवा श्रेष्ट क्रिक्स

# नावास्त्र क्षित्वम्, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के स्थीन क्षमा

### बारक सदस्तात

कम्बांसय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज-3 कलकत्ता

भलकत्ता, विनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 1989/एक्बी० म्रार-॥/85-86--मतः मुझे, शेख नाईमउद्दीन,

वामकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसवें इसकें नाक्ष्मित्त (उक्क विधिनयम) कहा गया हैं), की धारा 269-च के वधीन संस्था प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संस्थित, विश्वका उचित् वाचार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 32 बाउवार रहमान रोड, और 38 लेक गार्डेन्स, में कलकत्ता स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पुर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्र कर्ता श्रधिकार के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 4-4-1985,

को पूर्वों कर सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कस सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से अर्ड्ड्यू किसी, आय की बाबता, अक्त अधिनियम के अधीन कर दौने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अकने में सूविभा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957, (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के के जिए:

जतः अर्था, उक्त अधिनियम की भासा 269-ग के अनुसरण माँ, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, संधात् क्र—-

- (1) मेसर्स ए० एण्ड ए० डेवेलपमेंट प्रा० लि० (मन्तरक)
- (2) श्रीमती कना मुखर्जी

(मन्तरिती)

क्कों वह बुचना बारी करके प्वांचित संपरित के वर्जन के निध कार्यवाहियां करता हुं:

# बक्त बंगरित के वर्षन् के संबंध में कोई भी नाशेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी वर्षा वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ह) १ स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाल सिविट में किए जा सकोंगे।

स्वक्षीकरणः -- अक्ष्यां अयुक्त बन्दों भीर पदों का, जो उनस बाजिनियमः, को अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहाँ वर्ष होया, जो उस अध्याय में विका नक्ष

धनुसुची

प्लाट सं० 26 37ईई फार्म मनुसार निबन्ध हुमा ।

> शेख नाईमजहीन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज-3, 54, रफी भ्रहमद किववई रोड, कलकता--16

विनोक । 9-12-19**8**5

मोद्वर :

प्ररूप बाह्रों. डी. एस∋ एवं । - - -

नायकर नांधनियम, 1961 (1961 का 43) जी धार 269 व(1) के नधीन स्वना

### बाउत बरकाड

कार्यालय, सहायक वायकर वायकत (निरक्किण) भर्जन रेंज - 3, कलकत्ता

कलकता, दिनांक 9 विसम्बर 1935

तिर्देश सं० 1990/एमकी  $\circ/$ ध्रार्म्मा 85--श्रतः मुझे, शेख नाईनुदीन,

कायकार की भौनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास कहते का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका चौचा वाषा मूख्य 1,00,000/- एउ. से अधिक है

और जिसकी सं० 1, है तथा जो कुशेखलेन खिनत हैं (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित हैं), रजिस्ट्री-कर्ती अधिकारी के कार्यातन, आई० ए० भी० एक्बी आए-III, कल० में, रजिस्ट्री हरण अधिनियम, 1908 (1908 का 18) के अधीन, दिनांक 10-4-1905,

की पूर्वोक्श सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दरयमाय प्रतिकास के लिए अन्तारत का गर्व है और मूझे वह विश्वाच कर्त का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाबार मूख्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से एसे दश्यमान प्रतिकाल स्व पत्नह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिकाल विकासिता उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवा क्य क्य स अवैका नहीं किया क्या है कि

- (क्भ) अन्तरण सं हुए किसी जाय की बाबत अकत जभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उपसे बचने में दुविश्व। के लिए: -धरि/मा
- (क) प्रेसी किसी लाख या किसी धन वा लन्य जास्तिकों, का, फिन्हों भारतीय जावकर विजिन्छन, 1922 (1922 का 11) या धक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयासनाओं अंतरिती क्वारा शकट नहीं किया प्रवास था था था किनाने में धनिया के सिंग्रा

करक अब्द करत अधिनियम की धारा 269-व के बन्तक्य में, की, तकत अधिनियम की धारा 269-व की सम्भाद्ध (†) के अध्येत, निम्मन्तिकार व्यवित्यों, संशीत क्रम्म (1) प्रजन्ता श्रेष्ठिट कारपोरेशन

(अस्तरक)

(2) भी घाकाश प्रापर्टीण

(धन्तरिती)

की यह सूचना जारी कारकी पूर्विक्त सम्पत्ति की अर्जन की लिख कार्वशाहियां करता हूं।

पक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है ते 45 दिन की अवधि या तत्यम्बन्धी व्यक्तियों पर ब्राजा की तामील से 30 दिन की अवधि, वा भी भी अवधि बाद में बमाप्त होती हो, की भीतर प्रविध कारियां के विकास किया हमाया
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब बें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति की हिस्स-बद्ध कियी बच्च व्यक्ति बुबाय अभोहस्ताक्षणी के पाछ तिबित में किए का समोगे।

स्मकित्वा :----इशः १९७६, कन्या शर तथा का, जा सकक संभितियम, से वश्याय 20-क में परिशाविक दूँ, धहाँ २० हाना, जा उस शब्दाय में क्रिका मया हैं.।

यन् सूची

वफ्तर यूनिट---जी/4 क्षेत्र---518 थ० फु० 37ईई फार्म घनुसार निबन्ध

> शेख नाईमुदीत सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), 53, रफीश्रहमद किक्कई रोड, ग्रजन रेंज-3 कलकक्ता⊶16

दिनांक : 9-12-85

मोहर 🦠

प्रकप बाह् ,टी्,पुन ,एस्, ------

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) से संभीत स्थाना

### भारत बरकार

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निर्देशका) अर्जन रेंज--3, कलकत्ता

कलकता, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निवेश सं ० 1991/एववी०/प्रार-Ш/85~86---प्रतः सुझे, शेख नार्धमुदीन,

बायकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मुख्य

1,00,000/- क. से अधिक हैं

अं(र जिसकी सं० 1/512ए हैं जया जो गडियाधाट रोड, कलकता
में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, आई० ए०
सी० एक्वी० आर-मा, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 1--4-05,
को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूओ यह विश्वास
करने का कारण हैं कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाबार
क्या, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का
पन्नह प्रतिकत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उच्चरेय से उच्च अन्तरण लिखित में वास्तकिक रूप से किथित नहीं किया गया है :—

- (w) बन्दाहम व हुन्दं किसी नाम को गायतः । उसके अधिपायतः के स्पीत कार दोने के मृत्युशक के शायतम को कती कालों का उससे नमने को स्पीतम के मिए; और-/भा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्सियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः नव, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिकित व्यक्तियों, अर्थात् १—

- (1) बी॰ एस॰ बिल्डर्स
- (घन्तरक)
- ं(2) नीता चागची घोटे

(पन्तरिती)

को वृद्ध सूचना प्रारी करके पृत्तिक अम्मरिक में वर्षन के विक्

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के तुम्बरूप वी कार्य थी बाक्यक-

- (क) इस स्वान के रावपन में प्रकाशन की सार्त वा की 48 दिन की अनिध या सत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की सामील से 30 दिन की जन्धि, जो भी जन्धि बाद में बनाष्ट होती हो, के जीवर प्रकंका स्वतिस्थों के विकती व्यक्ति क्यांग्य
- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति ह्यारा, क्योहस्ताकक्षी के पास विद्वित में किसे का स्थान।

स्वक्यीकरणः,---इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पदों का, यो अवस विभिनयम के संध्याय 20-क में परिशायिक हैं, वहीं अर्थ होता को उस वध्याय में विका नवा हैं।

अम्स्की

प्लाट/क्षेत्र ----715 व॰ फु॰ 37ईई फामं मनुसार निबन्ध हुमा ।

> शेख नाईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), प्रजंन रेंज-3 54, रफीग्रहमद किंदबई रोड, कलकत्ता-16

दिनोक 9-12-1985

मोहर '

प्रस्थ नार्द<sup>्</sup>, टी., एन., **ए**स.,------

(1) मेसर्स महेश प्रोपर ईटरस

(असरक)

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-म (1) के सभीन स्पना

(2) श्रीमती माधु श्रगरवाल

(अन्तरिती)

भारत सहकार

कार्यासक, सहावक आयकर नायुक्त (निरीक्षण)

ध्रजैन रेंज-3, कलकता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 1992/एकरी भ्रार--III/85-86---भ्रतः मुझे, शेख नाईमउद्दीन.

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसमें प्रकार परिचय कि अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-व के बधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्वित याजार मुस्य 1,00,000/-ए. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 43 है तथा जो कैलाण बोस स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजत है), रजिस्ट्रीकर्ती श्रीधकारी के कार्यालय, आई० ए० सी० एक्ट्री० आर-्रा, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण आधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, दिनांक 1-4-85,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृज्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का चंग्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तक पामा गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्वोद्य से उक्त अन्तरण लिखित के बादितिक कम से कथित नहीं किया गया है :---

- (क्क) जन्तरण नं हुई किसी जात की शायत, उस्थ विभिनियम के अभीन कर दोने के इन्तरक औ दावित्य में कमी करने या उससे वचन में द्विभा ने सिए; बीड/वा
- (वा) एसी किसी आय वा किसी धन वा वन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया भा या किया जाना चाहिए था, छियान से सुविधा वी सिए।

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति क अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सर्वध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्वता के राजपत्र म प्रकाशन, की तारीड है 45 दिन की अर्थाप था तत्सम्बन्धी स्पष्टितवाँ पर स्वना की नामीत में 30 दिन की श्रवधि, जो भी बन्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाप लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित . ह<sup>क</sup>, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट/क्षेत्र---522 व० फु० 37ईई फार्म श्रनुसार निवन्ध हुमा ।

> शेख नाइमउद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्याक्युत (निरीक्षण) द्यर्जन रेंज--3, 54. रफी प्रहमद किदवर्ध रोड, कलकत्ता--16

जन: क्षत्र, उक्तं विधिनियम की धारा 269-ग के जनसङ्क में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की त्यधारा (१) के वधीन, निम्निवित व्यक्तियों, अर्थात् ट---

**चिनोक: 9-12-85** 

मोहर ह

्य**प**ः वाद<sup>्</sup>ृहो ,एन ,एस ,,======

बायकर बिधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के बिधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक सायकर सायुक्त (निजीक्षण)

म्रर्जन रेंज⊸3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निवेश सं० •1993/एमबी० प्रार-IU/85~86—-मत: मुझे, शेख नाध्मउद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

अंदि जिसकी सं० 1/269 है तथा जो गिडियाघाट रोड, कलकत्ता में वियत है (और इससे उपाश्च अनुसूची में और पूर्ण रूप से पिणत है), रिजल्ड्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, आई० ए० सी० एमशी आर-धी, कलकता में, रिजल्ड्रीकरण अधि नियम, 1908 (1903 का 16) के अधीन, दिनांक 10-4-1935,

का प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमाम प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मृत्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इत्यमान प्रितिफल से एसे इत्यमान प्रितिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया, प्रतिफल, निम्नीसिखत उद्वरेष से उक्त अम्तरण निश्चित में बास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाय की वासत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा दायित्य के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयन्त्र-कर अधिनियम, 1922 (1022 का 11) या अकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना आहिए था, कियाने में सुविध्य की निय:

नतः सन, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के सनुसर्भ हो, हो, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के सधीन. तिस्मितियत स्पृतित्यों, नर्थात् हु--- (1) श्रीमती इन्धिरा देवी ।

(मन्दरक)

(2) श्री भी । शि सूच

(भन्तरिती)

को यह सूचना **वारी करके पूर्वोक्त** सम्बक्ति के बर्जन के निहर कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप १---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ने 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (च) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के मीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हिस- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकीं।

स्पक्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवी का, को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वन्स्ची

अंगतः श्रामा— जमीन — 5 का० — 3 छ 16 व० छु० 37६६ फार्म घनुसार निबन्ध हुमा

> मुख नाइमउद्दीन सक्षमः प्राधिकारी सहायक धायकर श्रायुक्त (निरीशण) श्रजन रेंज--3 54, रफी धहमव कियक्ष रोड, कलकसा----18

विनोक ' 9-12-1985 मोहर ।

(1) श्रीमती इन्दिरा देवी

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती क्रुष्णा सुद

(अन्तरिती)

शामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) कर्री पाछा 269-व (1) को अधीन स्थाना

MINE STATE

# कार्यायक, सहायक आयमर बाज्यस (निर्केश्वरू

श्चर्जन रेंज-3, कलकत्ता कलकत्ता, दिनाक 9 दिसम्बर 1985 निदेण सं० 1994/एमती०/श्रार--Ш/85∽86---श्रत: मुझे, ख नाइमजद्दीन,

बावकर संधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'छल्त बंधितियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स के बंधीन संक्षत्र प्राणिकारी की, थह विक्यास सरने ना कारण है कि स्नादर संपरित विस्कृत एचित बाबार मृह्य

1,00,000/- रहा से अधिक **ह**ै

और जिसकी सं 1/269 है तथा जो गाडियाघाट योख में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय. पार्ड एक सी एपन्नी क आप-III, कलकत्ता में, रिजर्फ्रीकरण शिक्तिया 1908 (1908 का 16) के सुधीन, दिनांक 10-4-1985,

में पूर्विका सम्मिति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्याना प्रिक्षिक के सिए जन्ति कि की नहीं हो और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण हो कि गथान्यों के नंगीरत का उचित गणाए सून्य, उसके रहसमान प्रतिकाश से, एसे रहसमान प्रतिकास का सन्तर्भ प्रतिकास से अभिक ही गौर अन्तर्भ (अन्तर्कों) और बंतिकाल (अंतर्शितवों) के गौच एसे संतर्भ के जिल् स्य भाषा यदा प्रतिकाल का , निम्नी निवास उद्योगम से बचत जैतरण जिल्हा में वास्तर्किक स्था से किया नम्मी कि से कि स्था में वास्तर्किक स्था से किया नम्मी कि से कि से से किस से कि से से कि से से कि से से कि से से किस से कि से से कि से से किस से कि से से कि से से किस से किस से कि से से किस से कि से से किस से किस

- (क) नन्तरण से हुइ किजी काय की नावस, उन्स अधि-निवस के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तसे नचने में सुविधा के निस्क और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर जभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, बाधन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था, जियाने के सूरीवभा के सिकः:

अस: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्मरण में, कैं, उक्त अधिनियम को भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निकालिक व्यक्तिकों, अभृति ह—5—426 GI/85

को यह अभाग जारों कारने पूर्वोक्त सम्मात्म के नर्पण के जिल्ला कार्यगाहियां करता हुए।

उक्स सम्पत्ति के कर्वत के बस्तरभ में कोई भी बाध्योवध-मः

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन को शारीश से 48 दिन की अगरिंग मा तरकम्यत्मी व्यक्तियों पर क्षान की शामीक को 30 दिए की अगरिंग, को शी सम्बद्धि गांद को समाप्त होती हो, को शीवर क्षानिक व्यक्तिक व्यक्तिक के सिवर क्षान की स्थान की
- (क) इस सूचना के राजवन में प्रकाशन की सारीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्वागर स्वागित में दिल्ल -नद्ध किसी मन्त्र स्वीत्त द्वारा अभोहत्वाकारों के पास लिखित में किए जा सक्तेंचे ।

### RALE OF THE PERSON NAMED IN

श्राधा अंश:। जमीन ---- 5 का॰ 3 छ॰ 16 घ॰ फु॰ 37ईिं ें फार्म श्रनुसार निवन्ध हम्रा।

> शेख नाइमउद्दीन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, 54, रफी श्रहमद किदवई रोड, कलकत्ता--16

िदनांक : 9 · 12−1985 मोहर १ प्ररूप आहे. टी. एन. एस . -----

(1) श्री बी० एस० जिल्डर्स

(अन्तरक)

भायकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) धी थारा 269-भ (1) में अभीन सुमन्त

(2) श्रीमती गीता राम

(अन्त रिती)

### भारत बरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज---3, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 1995/एक्ती०/प्रार०—III/85-86—--श्रत: मुझे, शेख नाईमजद्दीन,

बायकर वरिपेनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संव 512/ए है तथा यो जोधपुर पार्क नोड म िता है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बीजत है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, आई० ए० सी व एक्वी०/आर-III, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिस्ति 10 4-85,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के जिनत वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह निश्चास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उपित यशार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय पाया गमा प्रतिफल, निम्नलिजित उद्वेदय से उदह अन्तरण विश्वित ये अस्तिक रूप से कायक नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुए किसी आय की भागत, उपस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने वा उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- िष्) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः अन्न, उन्त निर्मानयम का भारा 269-म के नमूसरण मं, में, उन्तर निर्मानयम की भारा 269-म की उपापर (१) के नभीन, निर्मानिश्वत व्यक्तियों, नभीत : — को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति को मर्जन के लिए कार्यपाहिया कारता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी क से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी न्यिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाज में समाप्त हांती हों, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उयत स्थापर नाजीन में हिनबद्ध किसी कायिल इयारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा सकेंगे!

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया ही।

प्लाट/694 व० फु० 37एए फार्म प्रातुसार नियन्ध हुआ ।

> णेख नाईमउद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहाधक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्र∞ी रोज---3, 54, रफीश्रह्मद किदवई रोड, कलकत्ता---16

दिनांक 9 ·12-1985 मोहर प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यातय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज---3, कलकत्ता
कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० 1996/एम्बी० आर०-Ш/85-86---श्रतः मुझे, शेख नाईम उद्दीनः

शायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रकार प्रकार प्रकार किया मिनाम किया मारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी मं० 52ही हं तथा जो वालीगण सर्कुलर रोष्ड स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण हम से वर्णित है), रिजर्स्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय. हाई० ए० सी० एक्वी आर-गा में, रिजस्ट्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16)के अधीम, दिनांक 6~4—1985

की पूर्वोक्स सम्परित के शिक्त बाजार मुख में कम के ध्यमान कृषिफल के लिए कन्सरित की गई है और मूझे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपरित का उचित बाजार मून्य, उसके दृदयमान प्रतिफल से, एसे दृद्यमान प्रतिफल का उन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण से लिए स्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिशिस उद्देष्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तिक रूप से किंथत नहीं किया गया है है—

- हुँक) जन्तरण से हुइ किसी बाग की बावत शायत नाँधत रियम औं असीच करा दोने में बस्तरक को बायिस्त में कमी भरने या उत्तरों वचने में सुविधा के लिए; और√वा
- (क) एंबी किथीं बाब या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विभा के लिए;

अतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व क अन्सरणः में, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात :---- (1) श्रीभती नीलम सफ्ता

(भ्रन्सरक)

(2) श्री गोबर्धनलाल भुगूरा

(अन्तरिती)

को यह सुचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्धन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध पाद में ममाप्स होती हो, के भीतर पूर्वीतत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बच्च किसी जन्म स्थावित ब्वारा भभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्थव्हीक्षरण:----इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा के उस कथ्याय में विका गमा हैं।

# धनु सूची

प्लाट 73/878 वर फुर 37ईई-फार्म प्रनुसार निवन्ध हुम्रा

> शेख नाईन उर्द्वात सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-3, 54, रफी श्रहमद किदवई रोड, कलकत्ताः 16

दिलांक : 9-12-1985

.

# प्ररूप आई..टी. एन.. एस . -----

# भाषा 269-म (1) के भभीन सुमना भाषा 269-म (1) के भभीन सुमना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज---3, कलकत्ता
कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश मं० 1997/एसवी० श्राए०~III/85-86---प्रतः मुझे, शोख नाईम उद्दीन,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकान (उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृल्य 1,00,000/- रु., से अधिक हैं और जिसकी सं० 2, है तथा जो हेयर स्ट्रीट स्थित हैं (और

इससे उपाबद्ध अनुसूची में आर पुर्ण रूप से विशास है), रिजम्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, आई० ए० सी० एक्की० आर०—III, कलकता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10-4-85,

को पृथांकत सम्मिति को उचित बाजार मृत्य से कम को द्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मृझे मह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पिति का उचित बाजार मृत्य, असके द्यमान प्रतिफल से एसे द्यमान प्रतिफल का पन्दह् प्रतिद्यत से अभिक है और अंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निविद्यत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है।

- (क) ब्रम्पुडम हो हुए सिक्टी भाग की शायक, अन्तर, वृद्धितिवन की न्यीन कड़ दोने को अन्तरक की व्यक्तिक में कती करने या उससे बलने में प्रतिकात को लिए; जूरि/या
- (प) एसी किसी आज या किसी भन या अन्य वास्तियों की चिन्हें भारतीय जायकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन- कर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की ६ : 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिया, अर्थात् :--- (1) लोंधा सर्विकेज प्रा० लि०।

(ग्रन्तरकः)

(2) श्री भालोटिया फाउण्डेमन।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृतित के अर्थन के बिए कार्ववाहियां करता हूं।

## उपल तम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोड भी बाजंप क्ष---

- (क) इस सूचना के राजपणी में प्रकाशन की तारीक ते 45 दिन की अविध या तस्तंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूच्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास विस्ति में विस्तृत करते।

स्पण्णीकरणा - इस ं प्रश्ता शब्दों और पर्वा का, की उक्स अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाधित है, यहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिसा गया है।

### श्रनुसूची

साब्लीज-सम्प्लाट की अंश क्षेत्र--- 4548- -- 78 वर्ष फुरु युनिट ई/एफ 37-ईई फर्म अनुसार निवद्य हुआ ।

शेख नाईमउङ्गीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज−3, 54, रफी ग्रहमद किववई रोड,

कलकसा~---16

दिनांक : 9 ·12-·1985

## प्रकार आर्थ . ही . एन - एस् - -----

बायकर माधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) को अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर नायुक्त (निहासक)

श्रर्जन रेंज--3, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेण सं० 1998/एमबी हा -- III/85--86---- प्रतः मुझे, शेख नाईमउद्दीन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 32/1 है तथा जो गाडियाघाट रोड. साउथ, कल० स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पुर्ण रूप से विश्वत है). रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आई० ए० सी० एक्बी श्रार-।।।, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, निर्ाक 10-4-1985.

को पूर्वोक्त सम्बद्धि के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यकान प्रित्तक के लिए अन्तरित की गई है जोर मुक्ते यह विद्याब स्थलने का कारण है कि बथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके प्रथमान प्रतिकास से, एंगे दश्यमान प्रतिकास के पंद्रह्म प्रविद्यात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिकी (अंबरितिकों) के सीच एंसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास, निम्मिलित उद्देश से उच्त अन्तरण सिसित में बास्तिक कप से कथिल नहीं किया गया है 6—

- (क) अध्यरण से हुई किसी जाम की वावत , जनस जीधिनियस के जधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (वा) एंसी किसी भाग या किसी भन या कच्च जास्तियों करें, जिन्हें भारतीय जायकर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए था, विष्पाने में सुविभा के लिए:

जतः जव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निक्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् थु--- ✓

- (1) मेसर्स प्रमृत कार्माणयल को० प्रा० लि० (प्रन्तरक)
- (2) ऐरासी दत्त (नाबालिका) पिता सुकुमार दत्त

(ग्रन्तरिती)

को सह सूचना बाहरी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन की सिद्ध कार्यवाहियां करता हो।

सकत संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (का) क्रस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीच वं #ॐ दिन की बनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों वर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिध, को भी जनभि बाद में समाप्त हानेती हो, के भीतर पूर्वे किस व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति ह्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच । 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति के दितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात किस में किए जा सकेंगे।

स्वध्वीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त भाषिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याद में विका गमा है।

## बन्द्यी

ष्लाट और अंगतः जमीत क्षेत्र--965 व० फु० 37ईई फर्म श्रनुसार निबन्ध हुश्रा ।

> शेख नाईमउद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज→-3, 54, रफी ग्रहमद किदवई रोड, कलकला—-16

·दिनांक : 9··12··1985

प्रारूप मार्च :धी प्रा खस . . . . . . . . . .

मासकर अधिनिवस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 च (1) ने अभीत त्रुचना

### ध्रात सम्मार

## कार्यात्तव, सहायक भावकार नावुक्त (विरोक्षण)

ग्रर्जन रेंज---3, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 1999/एक्वी०/आर०--Ш/85--86----यतः मुझे, शेख नाईमउद्दीन,

भागकर नांभिनियन, 1961 (1961 का 43) हिंत्रचे एकचे इक्षके पश्चात् (अन्य नांभिनियम' कहा पता है), की पत्त 269-च के अभीत सभाग प्राधिकारी को कह निक्चक कालों का काला है कि स्थावर संपत्ति, जितका उचित्त बाकार मुख्य 1,00,000/- रा. से प्रविक्त हैं

और जिसकी संव 32/! है तथा जो गड़ियाहाट रोड़ (साउथ) कल स्थित है (और इससे उथायद अनुसूती में और पूर्ण रूप से बरियत है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, आई० ए० सी० एम्यू० आर०-Ш में, रिजस्ट्रीकरण अधिविधम, 1908 (1908 का 16) वे अधीन, दिनाँक 10-4-1985,

को पूर्वित्त सम्परित के उजिद्ध बाजार मृत्य वे का के क्रथमान प्रतिकास के निष्ण अन्धिरत की गई हैं और मृत्ये वह विश्वास बारने का कारन हैं कि यथापूर्वित्त संपरित का अकित् बाजार कृत्य, बबले क्रवमान प्रतिकास से, एसे स्वयमान प्रतिकास का प्रवाह प्रतिकास से अधिए हैं और अन्तरक (जंबरकों) और संबंधिती (अन्तर्भित्वलों) के बीच एसे नन्सरण के विष्णु स्व नामा क्रया प्रकार का निकासित स्कृतिकार के सिका स्वाहित के नामा-

- विश्वी नामाहम् सं हुद्द्रं विश्वी नामः नहीं बांबाहः, क्ष्यध् अधिनियम् के अभीत् कर दोने नी बल्यास्क के स्ट्रीक्स्य में क्यी क्षयने या क्षयक्षे स्थाने भी क्ष्यभा में बिह्य; मीच/या
- (ण) प्रेची किसी साम मा किसी भन वा अल्य जास्तियों की, जिन्हों नारतीय नाय-कर जीभीनयन, 1922 हैं। 1922 का 11) या अन्य विभिन्नियन, या समक्षत जिमिन्सन, या समक्षत जिमिन्सन, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ अन्तरिती दूशारा प्रकट महीं किया ग्रम भा मा निक्या जाना नाहिए था कियाने में स्थिता से निक्या से न

क्याः थव, वभ्रत संभिनित्रम की पास 269-व के, सन्सरण व, ने, उक्त अभिनियम की पास 269-व की उपभास (।) के सभीन भिज्योजिया व्यक्तियों सभीत है—

- (1) मेसर्म श्रमृत कार्माणयल को० प्रा० लि० (भ्रन्तरक)
- (2) श्रो नारायणस्त्रामी नालासुक्रामानियम, (अन्तरित्ती)

जो यह क्षार प्राप्ती करके पूर्वोक्स सम्परित के कर्तन के हिन्सू कार्यवाहियां कुक करता हुं।

जनक सम्मत्ति के सर्भन के सम्बन्ध में कोई थी साधेत :----

- (स) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबिश या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूपना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी जबिश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) ह्र स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वक्त्य किसी व्यक्ति ध्वारा, अभोहस्ताक्षरी के शत किस के किस का सकोंगे।

स्थळीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्द अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिकारिका इन, वहीं कर्ष होगा जो उन अध्याय में दिना गमा है।

## अनुसूची

प्लाट/क्षेत्र 1010 वर फुर 37**६६** फर्म श्रनुसार निवस्ध हम्रा है।

> शेख नईमउद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), 54, रफीग्रहमद किदवई भ्रर्जन रेंज→3 रोष्ठ, कलकत्ता 16

दिनांक : 9-12-1985

## प्रकृष् बार्ड् . टी. एन्. इस.,- - 8 ०---

बायकर अधिनियम्, 1961 (1961 वर्ष 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

## कार्यासय, सहायक आयकर काय्क्त (निर्याक्क) अर्जन रेंज, कलकमा

कलकत्ता, दिनौंक 9 दिसम्बर 1985

निवेण सं० 2000/एक्यू० श्रार /8 5 8 6--श्रतः, मुझे, शेखा नाईस्हीन,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'तकन अभिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-र के प्रभीत सभाग पाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाकार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 34/2एँ है तथा जो बी० सी० रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपायद्ध श्रन् सूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्राई० ए०सी० एक्यू० श्रार० $-\Pi$ , कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 10-4-1985,

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति को जीवत भाजार मूल्य से कम से ज्यमान प्रितिक को निर्म अन्तरित को नर्ज है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का वृद्ध प्रतिकात से अधिक है और शंतरिक (अंतरिकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रशिक्त , निम्नलिसित उद्वेष्यों से उसत अन्तरण लिखित में आसामक हुए से किया गया है :——

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धीने के अस्तरक की दासित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय गा किसी धन या जन्य आस्तिवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियज्ञ, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियज्ञ मा धन धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, कियाने जें सुविधा के सिह;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अन्सरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अभीन, निम्नेलिखित अधिनतमों, ज्योत् धः— (1) मेसर्स कालना इतमेन्टर्स प्रा० लि०।

(भन्तरक)

(2) श्रीमति सरला देवी गीयेन्का।

(ग्रन्तरिती)

भने बहु तुचना जारी करके पूर्वित सम्मरित के अजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

**उद्यत** सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में को**ड़े भी आक्षेत्र** :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना को तामी ज से 30 दिन की अवधि, वो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर वृत्रों का अधिकत स्वित्रों में से किसी व्यक्ति वृत्रारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तिः इंदारा अभोहस्ताक्षरी के पास विविध्त में किये जा सकींगे।

स्वकाभिरण:--इसमे प्रयुक्त सब्दों और पदों का, वा उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा गया है।

### अनुसुची

प्लाट/क्षेत्र-438 वर्ग फुट । 37ईई फार्म श्रनुसार निबन्ध हुश्रा है ।

> शेख नाईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी ृंसहायक स्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जनरें ज-3, कलकत्ता

दिनौंक: 9-12-1985

मोह्रः

श्रच्य अष्ट्राः एन . एस------

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

### भारत सरुकार

## अभासिक, सहायक अध्यक्तर बायुक्त (जिरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता कलगत्ता, दिनौंक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 2001/एक्यू० प्रार०-/III/85-86---श्रतः, मुझे, शेख नईस्हीन,

आवक्ष विभिन्निम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परवाद 'उन्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के नधीन मक्षन प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारच है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 2 है तथा जो रोलाण्ड रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्राई०ए०सी० एक्यू० श्रार०-III कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, सारीख 6-4-1985

को पूर्णित कलित के उचित बाजार मूल्य से कन के व्यवजात, प्रविकास के विषय बीत्तरक की गई है और मूले यह विश्वात करने का कारण है कि वभा पूर्विक सम्मित का उपित बाजार मूल्य, उसके व्यवजान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिकल से परदह प्रतिकात से मिशक है और मंतरक (मंतरकों) और मंतरितों (जंतरितिकों) के बीत क्से जन्मरण के किए तथ पाया गथा प्रतिकल, निकालिक्त उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में बास्तिक क्य से किया मन्तरण निकालिक के बास्तिक क्य से किया मन्तरण निकालिक के बास्तिक क्य से किया मन्तरण निकालिक के बास्तिक क्य से किया गया है प्राप्त

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की अवत, उकत जिथिनियम के जभीन कर दीने के अन्तरक के दिख्य में कसी करने वा उससे बचने में क्विंगा के लिए; और/का
- (म) ऐसी किसी साय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त सिंधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती त्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना भाहिए था, क्रियाओं में सिवध्य के सिक्:

अक्ष: अब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, कें, तक्ष अधिनियम की भ्राप 269-म की उपयाण (1) के अधीन नियनलिकिन व्यक्तिकों, अर्थात :---

- (1) दामोदर रोकिंग एण्ड जन्स्ट्रम्यस्य प्रा० लि० । (प्रस्तरक)
- (2) श्रीमति सुशीला टिकमानी।

(अन्नरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्बक्त के अर्थन के लिए कर्मवाहिमां करता हुं।

### उपक संगीत के जर्जन के संगंध में कोई भी नाओप ---

- (क) इस सूचना के राजवन में प्रकाशन की तार्रीच वे 45 विन की अविध या तत्त्रं मंधी व्यक्तिमों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी मनिध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में किसी क्यक्ति द्वारा;
- (क) इत सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की दारीय ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति के हितक्ष्य किती कन्म व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के शद जिबित में किए भा सकोंगे।

ल्याक्षेत्रक्षणः — इत्रामं प्रमुक्त शब्दों और क्यों मा, जो जनत विभिन्नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक्ष है, वही कर्ष होगा को उस अध्याय में विभा गया है।

### अनुसूची

प्लाट—'डी'/क्षेत्र—866 वर्ग फुट । 37ईई फार्म प्रनुसार निबन्ध हुमा है ।

> णेख नाईमुद्दीन मझन प्राधि हारो महायक प्राथ हर प्रायुक्त (निरोक्षण) स्रजन रंज-3, कल हना

तारीखा: 9-12-1985

(ग्रन्तरितो)

प्ररूप आई.टी.एम.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-म (1) के अर्था अ्चना

भारत ः कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजीन रेंज-3, कलकत्ता
कलकत्ता, दिनाँक 9 दिसम्बर 1985

निदेश मं० 2002/एक्यू० ग्राग्य-III/ 85- 86--- श्रतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उबत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० 2 है तथा जो रोलाण्ड रोड, कलकत्ता में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची सें स्रोर पूर्णक्य से विगत है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, स्राई०ए०मी० एक्यू० सार०-[[] कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 10-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के बाय्तिय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी या किसी भन या बन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्या जधिनियम, या भन-कर जिथिनियम, या भन-कर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना वाहिए था, स्विधाने में सुनिधा स्त्रे सिए।

- (1) मैं सर्स दामोदर रोपवेस एण्ड कन्स्ट्रक्शन्स प्रा० लि०। (ग्रन्तरक्ष)
- (2) श्रीमिति पुष्प टिकमानी ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अपिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीस से दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही कर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मन्त्रची

प्लाट नं० 'सी'/क्षेत्र-866 वर्ग फुट । 37ईई फार्म भ्रन्सार निबन्ध हुंभा है ।

> शेख नईमृदीन मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज- 3, कलकला

मारी**ख**: 9-12-1985

## प्रकृष बाइ'.टी. एन. एस. -----

(1) मे तर्स महेशा प्रापर्टीज प्रा० लि०।

(भ्रन्तरक)

(2) माधु बान्सल।

(ग्रन्तरितो)

भावकर मेभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा २क्ष-भ (1) से सभीन अभाना

### भारत सरकार

काशामक महाक्र करकर स्थान (निरीक्रण) श्रर्जन रेंज-3, कलकला कलकत्ता, दिनाँक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 2003/एक्यू० भ्रार-III/85-86--- भ्रतः मुझे, शेख नर्षम्हीन,

वायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चल (उनत मधिनियम) नहा नवा हीं), की धारा 269-च से अधीन सक्षम प्रधिकारों कारे, यह विष्णास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 43 है तथा जो कैलाण बोल स्ट्रीट, कल कत्ता में स्थित है (श्रीर इसमे उपावड़ श्रनुसूची सें श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, श्राई०ए०सी० एक्यू० श्रार-III, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, नारीख 10-4-1985

प्रतिक्रल के लिए करारित की भई है और मुखे कह जिल्लाक करने का भारण है कि यथापूर्वोक्त तंपरित का शिष्त दावार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिक्रल है, ऐसे क्वमान प्रतिक्रत का पंछा प्रतिक्रत से लिएक है और करारक (अन्तरका) और वन्तरित (जन्तरिक्रमा) के बीच ऐसे जनारक में लिए तब पाया जवा प्रति-जल विक्रमित्रवित उन्दर्भ से उन्त बन्दर्भ विश्वित में वास्त्रविक लग से किंग्स नहीं किया बन्ना है :----

- (क) बन्दरण श हुई फिली साथ की बावत , ायक विधिनियम को वधीन कर दोने के बन्दरक के दाजित्व में कमी करने वा उससे बचने में मुख्यिभा के िनए; और/१:
- (क) एंस्री कि की जान या कि ती भन या अभ्य भारितयों की, कि की जान या कि ती भन या अभ्य भारितयों की, कि की भारतीय नायकर नीभीनियम, 1922 (1922 को 11) या उनत नीभीनियम, या भन-कर निभीनियम, 1957 (1957 को 27) है अशोजनाथ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं कि है। एक भा या किया जाना भाषिए भा, क्षिमारे हैं श्रीकथा के निक्य;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्ववाहियां करता हूं।

## इक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविध, के भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियुं इवारा;
- (च) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवष्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिक्कि में किए जा सकीं।

स्पक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा को उस कथाय में दिसा क्या है।

## अनुसूची

एक प्लाट क्षेत्र-1050 वर्ग फुट। 37ईई फार्म ग्रनुसार निबन्ध हुन्ना है।

> गेश्व नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी महायक ग्राथकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज- 3, कलकत्ता

शतक अब उपस विधितियम की धारा 269-व वो बन्तरण भी, भी, अपने विधितियम की धारा 269-व की उपवास (1) के बाधीन, निम्नतिस्तिए व्यक्तियों, वर्धान

तारीख: 9-12-1985

दक्त बार्ड. टी. एम. एस.-----

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्थना

### भारत पहलार

## कार्यासय, सहायक साथकर बायुक्त (निरक्षिक)

ग्रर्जन रें ज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1986

निदेश सं० 2004/एक्यू॰ रें ज-III/85-86--- ग्रतः मुझे, शेख नईम्*द्दी*न,

नाम्बार के शिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- एक. में श्रीधक है

और जिसकी सं० 2 है तथा जो रोलाण्ड रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में और पूर्णव्य से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय, ग्राई०ए०सी० एक्यू० रेज-शा, कलकत्ता, में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 18-4-1985

को पृवांकित सम्परित को उचित बाजार मुख्य सं कम को क्यमान प्रतिकाल को लिए अन्तरित की गई हो बार भूको यह विकास करने का कारण हो कि प्रधापनीय सम्पर्ति का उचित बाबार मृत्य करा नवस्पान प्रतिकाल में. एने दस्त्रमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रातिकात से प्रधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीज एने अन्तरण के लिए तय पावा जया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण जिवित में भारतिक हम से कथित नहीं किया गया ही

- (क) कस्परण से हुए किसी बाथ की सम्बद्ध सम्बद्ध जिथिनियम के प्रधीन अर दाने के अन्तरक के वावित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के सिएए कोर/बा
- (w) एसी किसी गाय या किसी थन या जला व्यस्तियों की थिन्हीं भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1.922 का 11) या तस्त अधिनियम, 4: भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रवोधनार्थ अस्तिरती थ्वारा प्रकट नहीं विश्या यहा था या किया जाना चाहिए था, कियानं के वृत्यिभा के लिए;

बतः व्यव , उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुनरण वॉ , बॉ , उक्त विधिनियन की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन , निम्नलिसित व्यक्तियों , अभीतः :--- (1) मेसर्स सत्यम प्रोजेक्टस ।

(भ्रन्तरक)

(2) हिन्दुस्तान मोटर्श लि०।

(भ्रन्तरिती)

को कह सुचना वारी कारके पूर्वीक्त सन्मास के अजन के लिए कार्यवाहियां कारता हो।

उपन सम्मति के धर्मन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की जनिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जनिंध बाद में समात होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाधन की तारीन से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बस्य किसी अन्य त्यक्ति क्यारा त्यक्षिणकार्य के पास निस्ति में किए जा स्कारी।

स्पाद्धीक रूप:---इसमें प्रयुक्त अवदां और पदों का, जो उसर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गरा है।

### अनुसूची

प्लाट नं० जीई। 37ईई फार्म ग्रनुसार नियन्ध हुआ है।

> शेख नईमउद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रें ज-3, कलकत्ता

नारीख: 9-12-1985

शक्य बार्ड, टी. एवं. एसं.-----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) **ये वर्गन** 

### माउव च्युका

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रें ज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 2005/एक्यू०रें ज-III/85-86-- ग्रत: मुझे, शेख नईमुद्दीन,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परवात 'उक्स अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 6 है तथा जो साउथ एण्ड पार्क, कलकत्ता में स्थित हैं (और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है)-, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्राई० ए०सी० एक्यू० रेंज-III, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 18-4-1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यकान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिता (बन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाचा गया प्रतिफल, निम्नतिचित उच्चेच्य से उचेत अन्तरण जिल्ला विचत वासतिक रूप से कथित नहीं किया गया है रे—

- (६६) बन्तरण से हुई सिनी बाब की बावत, उसस अधि-ज़ियम के अधीन कर बोने के बन्तरक को शाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/शा
- (च) एसी किसी बाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियम, या भनकर जिभिनियम, या भनकर जिभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिणाने में सुविभा के जिए;

बतः, जब, उक्त विधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण बें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिबित व्यक्तियों, अधौत् ु— (1) साउष एन्ड इस्टेट प्रा० लि०।

(अन्तरक)

(2) माजुली टी को (ई) लि०।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्चन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के श्राचपत्र में प्रकाशन की तारीचा सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की बन्धि, को भी बन्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिः इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिंत-. बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात निवित में किए जा सकोंगे:

स्पष्टीकर्णः — इसमें प्रयुक्त शब्दों जौर पदों का., यो उत्तर विधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्वा है।

## मन्स्ची

सम्पत्ति जो एग्रीमेंट द्वारा 37ईई कार्म ग्रनुसार निबन्त हुग्रा है।

शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहाजक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारी**य** : 9-12-19**8**5

प्रकल काही, दी, एनं, एखं, ----

and the sale of the control of the sale of

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-भ (1) के मधीन सुचनः

### सारत जरुवार

कार्यालय, सहध्यक आयकर गायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रंज-3, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 2006/एक्यू० ने ज-IU/85-86--- ग्रत: मुझे, शेखनईमुद्दीन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 ख में अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपंत्ति. जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी मं० 6 है, तथा जो साउथ एण्ड पार्क, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध प्रनुसूची में और पूर्णम्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधि:ारी के कार्यालयः ग्राई०ए०सी० एक्य्-रेंज-Ш, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियमः 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 18-4-1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मृत्य में कम के दरयमान प्रतिकल के लिए बन्ति को गृह है और मृभ्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिकल में एमें दर्यमान प्रतिकल का बन्त्रह प्रतिश्वत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिसित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निस्ति में भारतिक मूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कभी अपने या लखने रूपने हों नृश्या के लिए; भीर्/या
- (का) एसी किसी बाब या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, यर धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में ब्रिक्श के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुमरण को, मी, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नोलाखत व्यावतया, ात् :—

(1) साज्य एण्ड इस्टेट प्रा० लि०।

(ग्रन्तरक)

(2) जर्ज विलियामसन (श्रसम) लि॰।

(भ्रन्तिरतीः)

का यह स्वना जारी करकं पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति कं अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपंत्र में प्रकाशन की तारील में 45 विन की अविकिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित नामिलयों में भे किसी कवित न्वारा;
- (थ) इक सूच्या के राज्यन में अकाष्त की वारीय से 45 दिन के भीतर उनत स्थानर सम्पत्ति में हिन-बहुष किसी अन्य स्थानत ब्यारः, अध्यहस्याकरों के धाम लिकित में दिला भर संज्ञात ।

स्वध्दांकारण :---इसमे प्रयानत शब्दों और पदों का, जो जबत कि भ-नियम के अध्याय 20 के में परिकालित हैं, वहाँ अर्थ होंगा. जो उक्त अध्याय में विसा स्या। है।

ग्रनुपूर्ची

सम्पत्ति जो एग्रीमेंट द्वारा 37ईई फार्म श्रनुसार निबंध हुआ है।

शेख नईपृद्दीन
' सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रें **ज-**3, कलकत्ता

तारीक: 9-12-1985

प्रकृप आई . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आध्कत (किरीक्षण) प्रजीन रें ज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 2007/एनय्० रें ज-III/85-86-- यतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 64 है, तथा जो साउथ एएड पार्क, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबज श्रनुमूची में और पूर्णक्य में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्राई०ए०सी० एक्यू-रें ज-III/कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-4-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) सिगमा प्रा० लि०।

(अन्तरक)

(2) सलील बुमार घोष।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जम के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस मूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारास से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रय्कत शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट नं० 42/क्षेत्र-985 वर्ग फुट । 37ईई फार्म द्वारा निबन्ध हम्रा है ।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, कलकक्ता

तारी**वा**: 9-12-1985

प्ररूप मार्घ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकः आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज- 3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाँक 9 दिसम्बर 1985

निदेश स० 2008, एक्यू० <sup>)</sup> ज-Ij1/8 5-8 6--- यतः मुझे, शख नार्धम्हीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकाणी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उिषता बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० 4ए है, तथा जो राम स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है, (श्रीर इससे उपावड़ अनुसूची में श्रीर पूर्णारूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, श्राई०ए०सी० एक्यू० रें जाति, कलकता में रजिस्ट्रीकरण श्रिध नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 8-4-1985

को पूर्योक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के शर्यमानं प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ण) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब<sup>4</sup>, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्य**ियसभें, अर्थात्:—**  (1) श्री एस० स्मरण सिह।

(श्रन्तर्क)

(2) विनोद राई साँग्धि।

(ग्रन्सिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 4 र दिन की अगिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के नियम में बनाशन की नारील से 45 दिन के भीतर जन्त रथगार निर्मित में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याट 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हांगर जो उस अध्याय में दिवा गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति जो एग्रोमेंट अनुसार 37ईई फार्न द्वारा नियन्ब हुन्ना है। "

णेख नईमृउद्दीन मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रंज 3, कलकत्ता

नारीख: 9 12 1985

मोहार 😗

प्रारूप आहेटी एन ए।स.

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43 को धारा 269 घ (1) के अधीन सचना

### भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक बावकर आव्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जनरें ज 3, कलकत्ता कलकत्ता, दिनौंक 9 दिसम्पर, 1985

निदेश सं०  $2009_l$ एक्यू रेंज:III/85-86-- ग्रतः मुझे, शेख नईमुउद्दीन,

मायकर मिश्रीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परचार 'उक्त अधिनियम' काहा गया हैं), की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका शिषक बाजार मुख्य का 00 स्वति न रहा में अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 39,1 है, तथा जो लान्स डाउन रोड, कलकत्ता, में स्थित है (ग्रीर इसमे उत्तावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य विणत है). रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, ग्राई० सी० एक्यू० रें जे III, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1903 का 16) के श्रधीन, तारीख 18-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के इध्यमान पितफार के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आगर जन्म, असके द्वायमान प्रतिफल से एसे द्वायमान प्रतिफल का उन्सद प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और असरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय पाया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्योख से उक्त अन्तरण निर्मित में वास्तिकक रूप ने किया गृहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुन् किसी आम की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के बायित्य हों कमी करने या उससे बुचने में सुविधा की लिए और/बा
- (स) ऐसी किसी जाब या किसी भन वा बन्स कास्सियों को, जिन्हों भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्त अधिनियम, या भन कर को भानयम, 1957 (1957 को 27) जो प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

(1) मिगमा प्रा० लि०।

(श्रन्तरक)

(2) मिताँसु बनर्जी।

(श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कामवाहिया बुक्करता हुई।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप हु---

- (क) इस न्यान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जनभि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की जनभि, को भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर वृत्रोंकत व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी जन्म व्यक्ति व्यारा, अधाहस्ताक्षरी के धाल निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सकत अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं है, वही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गवा है।

अन्स्ची

प्लाट नं० ई-7<sub>/</sub>क्षेत्र --1050 वर्ग फुट। 37ईई फार्म श्रनुसार निवन्ध हुन्ना है।

> गख नईमुद्दीन ं पक्ष म प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्ष ण) श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

काः जब, उक्त जिथितियम की धारा 269-ए है बब्दर, कां, भीं, उन्त अधिनियम की धारा 260-च की उपधारा (1) है संबंदि:---

तारीख: 9-12-1985

प्रकृषः नार्षः दी, एवः एसः - - - -

भागकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-न (1) को अभीन सुचना

### भारत चरकार

## कार्यासय, तहायक नायकर नायुक्त (निर्दाक्षक)

श्रर्जन रेंज-3, कलकसा

कलकला, दिनाँक 9 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० 2010/एक्यू०रें ज ।।।/85 86--- श्रतः, मुझे, णेख मध्मुदीन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसमें इसमें प्रकात 'उनत निधिनियम' कहा नया हैं), की धार 269-स के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्चास करने का भारत हैं कि स्थानर सम्मत्ति, जिसका अधित बाजार मृज्य 1,00,000/- रू. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 1/1,है तथा जो लेक एवेन्यू, कलकत्ता सें स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची सें श्रौर पूर्ण रूप से विजितहै), रजिस्ट्रीकर्ती प्रधिकारी के कार्यालय, श्राई०ए०सी० एक्यू० रेंज-III, कलकत्ता सें, रजिस्ट्रीकरण सिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 18-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार बृस्य से कब के क्षम्बजान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विकास कर्ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित् बाधार बृक्य, उसके क्ष्यमान् प्रतिक्षण से, एसे क्ष्यमान प्रतिक्षम आ बन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और बंत-रिती (बंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए त्य पाया गया प्रतिक्षा, निम्निसित उद्योग से उक्त अन्तरण सिचिश में बास्तिक क्ष से क्षित नहीं किया बना है है—

- (क) बलारण वे शुर्व किसी बाव करें वावबा, उक्त वीधीनक्क को अधीन कर देने के बलारक के दावित्य में कबी करने ना उक्त वचने में सुविका के सिए; कॉर/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या वस्य वास्तियों को, चिन्हें भारतीय वायकर विभिन्नय, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इंबाय प्रकट नहीं किया राग या थिएन जाना वाहिए था, खिलाने सं स्तिश्रा के निम्

नतः सम, उन्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण तं, मंं, उन्त विधिनियम की धारा 269-म की त्रवधारा (१९ के अधीत निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् छ----7----426 GI/85 (1) पी०भार० राव।

(ग्रन्तरक)

(2) प्रतुक्ष चन्द्र मृखार्जी।

(भ्रन्तरिती)

को बहु सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षय के सिए कार्यपाहिनो करता

बन्द सम्बद्धि के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप :---

- (क) इस त्वाम के राज्यम में प्रकाशन की शारीय से 45 दिन की नगीय या तत्वज्यन्त्री व्यक्तियों पर सूधना की दाजीत से 30 दिन की नगीय, यो भी समीय काद में तनाप्त होती हो, के भीतर प्रॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकासन की तारीच वें 45 दिन के भीतर उचत स्थावर सम्पत्ति में दित-बहुध किती जन्य व्यक्ति दुसारा स्थाहत्तासरी के पात सिन्दित में किए का सकते।

स्वासिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों कोर पदों का, थां उपक अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा, थां उस अध्याय में दिया वदा है।

जन्त्वी

प्लाट नं० 43/क्षत्र – 1313 वर्गफुट । 37ईई फार्म श्रनुसार निबन्ध हुस्राहै।

> णेख नाईमुजद्दीन गक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेंन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख: 9-12-1985

मोहर 🧣

प्रकृष् वार्षः टी. एन . एस . ------

बावकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्थाना

### THE TOTAL

## कार्याचय, सङ्गयक भागकार वायुक्त (विश्रीकार्य)

श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता कलकत्ता. विनाँक 9 विसम्बर 1985

निदेण सं० 2011/एक्यू०रें ज-III/85-86:-- म्रतः, मुझे, भोख नईमुद्दीन,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जित्तका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. है अधिक हैं

मीर जिसकी सं० 43 है, तथा जो कैलाश बोस स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिक्षकारी के कार्यालय, श्राई०ए०सी एक्यू रेंज III, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 18-4-1985

को पूर्वोक्त सम्मित के उक्ति बाजार मृत्य से कम के स्ययमान प्रतिकश के लिए रिक्ट्रिकर्ता विलेख के अनुसार अंतरित की नई हैं और मृक्षें यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापवाँक्त सम्मित का उक्ति बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के कीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गमा प्रतिफल, निम्निलितित उक्वेच से सकत अन्तरण कि लिए तम पाया गमा प्रतिफल, निम्निलितित उक्वेच से सकत अन्तरण कि लिए तम पाया गमा प्रतिफल हैं किया गमा हैं

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उसने बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय का किसी धन या जन्म आस्तियाँ करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाचनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा खें बिंदा;

नतः सन, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कें, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) है स्थीन, निम्नसिन्ति स्पक्तिकों, सर्वात् र—— (1) मेसर्स महेश प्रापर्टीज प्रा० लि०।

(मन्तरक)

(2) श्री रमेश चन्द्र और श्रन्य।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां कुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की जबिध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि माद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य स्थिति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विचित्त में किए वा सर्वोचे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया स्था है।

### नगत्त्रची

प्लाट/एग्रीमेंट श्रनुसार 37ईई फार्म द्वारा निवन्ध हु ग्रा है।

णेख नाईमुउद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख: 9-12-1985

## क्षम् आहे.टी.एन.एच.-----

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) भी गारा 269-ग (1) भी मधीन सुचना

### शारत तरकार

## कार्यांसय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरक्षिण) भ्रजंन रेज-4,

कलकत्ता-16, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

निवेश सं० 2012/एक्यू/रेंज-3/85-86—श्रातः मुझे शेख नईमुद्दीन

न। 4 कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 62/7/1 बी है, तथा जो बी० सी० रोड, कलकत्ता में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, 9 ए० सी० रेंज-Ш, में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 18-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) नन्तरण वं हुव निक्षी नाव की वावत, उपक निविद्यम के अभीत कर दोने के जन्तरक की वायित्य में कनी करने या उससे ब्यूने में सुविधा वे निक: व्यूट/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनक अधिनियम, या अनक अधिनियम, या अनक अधिनियम, 1987 (1987 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती वृषादा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा को निय;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- पशुपती को-भ्रारेटिव हाउसिंग सोसायटी लि॰ (अन्तरक)
- 2. इकमणि के० जरसिया

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

स्थल सम्परित को बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन करी अविभ मा तत्सम्बन्धी व्यक्तिवाँ पृष्ट सूचना की तामीच से 30 दिन की व्यक्ति, जो ही अविभ नाव में समान्त होती हो, के शीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में वे किसी व्यक्ति दुवारा;
- (था) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य स्थक्ति व्वाय जधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्याब्दीकरणः इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त किंगिनियम, के कथ्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा व्या है।

## वन्त्यी

सम्पत्ति जो 37 ईई फ़ार्म के मनुसार निबन्ध हुमा है।

शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजनरेंज-3, कलकत्ता

दिनांक: 9-12-1985

प्रकृष् वाही, टी<u>. ए</u>न, एस<sub>.,</sub>-------

आयकर बीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन क्वमा

### भारत शरकार

## कार्यांस्य, सहायक वायंकर आकृतक (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-३,

यालकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० 2013/एक्यू०/रेंज-3/85-86---ग्रतः मुझे शेख नईमहीन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसमें इसमें परकाल 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूक्ब 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० पी-17 ए हैं, तथा जो भाषातीय, चांधुरी एवंन्यू, कलकता में स्थित है (भार इससे उपाबद्ध भ्रतुसूची में भीर जो पूर्ण क्य से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, भ्राई० ए०सी० एक्यू रेंज-3, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 18-4-85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के सम्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूर्भ यह विश्वास करने का कारण है कि संधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्तू प्रतिकात से आधक है और बंबर्क (अंतरकाँ) और क्या-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के जिए तय पाना गया प्रतिफल, निम्नसिवित उव्वर्ध से उन्न अंतरण कि बित में वास्तिक रूप से कियन वहीं किया पता है है—

- (क) जंतरण से हुए किसी जान की बाबत, सक्तु अधि-गियम के अधीन कर दोने के जंतरक के दायित्व में कमी करने या सत्तवे बचने में दुनिश्म के किए; जार/या
- (क) एती किसी बाय वा किसी बन या अस्य वास्तिओं को जिन्हें भारतीय अनक्षर वीधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के मयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के जिए:

जतः। जन, उन्तं मिनियम की भारा 269-ए के जनुसरण जै, मैं, धनत अभिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अभीग, निम्कीस्थित स्पन्तिवां, अभीष् कुल्ल 1. श्री सिद्धार्थ मुखर्जी भीर भन्य

(ग्रन्तरक)

2. माल्टिकन बिल्डर्स लि०

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति से अर्थन में जिस् कार्यवाहियां बुक्त करता हुई (I)

## उनक कमासि के बर्चन के संबंध में कोई भी गासीए :---

- (क) इस स्वान के राजपन में प्रकाशन की तायज से 45 हिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वान की तामील से 30 दिन की जवधि, वो भी अवधि बाद में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ब्यांचर इवारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन को भीतर स्थावर सम्बक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए वा सकोंगे।

स्यक्तीकरणः ----इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त जीध-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होंगा वो उस अध्याय में विद्या गया है।

सम्पत्ति जो एग्रिमेन्ट अनुसार 37 ईई फ़ार्म द्वारा, निबन्ध हुआ है।

णेख नईमदीन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3, कलकत्ता

दिनांक: 9-12-1985

प्रस्प नार्षः टी. एग् प्रस्तु एक्त धन्त्रका

नावकरं निधितियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नधीन स्वना

### भारत सरकार

## कार्यात्व, स्कायक नायकर वाय्क्त (निहास्त्र)

ध्रर्जन रेंज-3,

कलकत्ता, दिनाँक 9 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० म्राई०ए०सी० 2014/एक्यू०/रेज-3/85-86---श्रतः मुझे शेख नईम्हीन

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त मिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कर्ने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० 170 है, तथा जो ग्रामुतोय चौधुरी, एवेन्यु, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीप इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीप जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्राधीन दिनांक 19-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृथ्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और में में यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृथ्य, उचके व्यथमान प्रतिफल का पंच अवस्थान प्रतिफल का पंच प्रतिफल का पंच प्रतिफल का पंच प्रतिफल का पंच प्रतिपत्ति से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) को बीच एसे अन्तरण के लिए त्य याया गया प्रति-फल निकासित उद्देश्य से उक्त अंतरण निचित्त में बास्तिक क्य से कथित नहीं किया चया है:—

- (क) अन्ययम् में सुद्दे कियों जाम की बावत, उक्त जिम्मित्रम के बंधीन कर दोने के अन्तरक के द्वायित्य में अभी करने या उससे बचने में मितिधा के सिए; बॉर/बा
- (का) होती किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिय। का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा जिला करना चाहिए वा कियाने में स्विधा के सिक्:

नतः नन, उन्त निधिनियम की धारा 269-ग के नगुन्दुण भे, में, उन्त निधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के न्धीतः, निम्मसिचित न्यन्तियों, वर्षात् ६—- 1. पुर्वासा निर्माण उद्योग, प्रा० लि०

(ग्रन्सरकः)

2. ग्रमिय कुमार सेन,

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के निष कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिध, जो भी अनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति कुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवास अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्थच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों मीर पदौं का, ओ उक्क जीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा ओ उस अध्याय में दिया भवादि ।

### अनुसूची

सम्पत्ति जो डीड नं ।, 5807, दिनांक 19-4-1985 के अनुसार निबन्ध हुन्ना।

> णेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर शायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-3, कलकत्ता-16

दिनांक: 9-12-1985

मोहर 🖫

तकर बाह्<sup>®</sup>् द**्रि**श्च पुत्र<sub>क्र</sub>क्षकरूक

## बारकर मीभिन्दम्, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-त (1) के मभीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालम, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-3

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० श्रा 2015/एनयू०/रेज-3/85-86——श्रतः मुझे शेख नईमुद्दीन

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त विभिनियम' कहा नया हैं), की बारा 269 व के सभीन सक्षम प्राधिकारों को यह निश्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका सजित बाबार मृस्य 1,00,000/- का से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 177 है, तथा जो आणुतोष चौधुरी एवेन्यु कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपावद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण, रूप से विणित है ) रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय

कलकत्ता में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 30-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्या, उसके स्थयान प्रतिफल से, एसे स्थयमान प्रतिफल का बेह प्रतिकत से अधिक है बौद अंतरक (अंतरकों) और जंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिकत्व, निम्नितिवत्तं स्वृद्धिय से उच्त अन्तर्ण विवित्त के अधिक है कोस्तरिक के सिए तय पाया गया अतिकत्व, निम्नितिवत्तं स्वृद्धिय से उच्त अन्तर्ण विवित्त के आस्तिकत्व, निम्नितिवत्तं स्वृद्धिय से उच्त अन्तर्ण विवित्त के आस्तिकत्व स्व किथा नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नावत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में तुनिधा के लिए; अदि/बा
- (क) एसी किसी बाय वा किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय वायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के सिए;

ककः अच्च, उच्चत अभिनियम की भारा 269-ग के जनुकरण .जॅं, ऑं उच्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) क अभीन, निम्नतिसित स्पक्तिमां, अमित्र ⊯— া. पुर्वाणा, निर्माण उद्योग प्रा० लि०

(भ्रन्तरक

2. दिलीप कुमार राय,

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना थारी करनी पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष्ट कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी नाक्षेत्र ह<del>ैं ...</del>

- (क) इस सूचना को राजपन में मकायन की तारीज से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की नविध, जो भी स्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाय:
- (ज) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीच है
  45 दिन के भीवर उन्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कम्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित्त में किए वा सकरें।

श्ववद्याकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों जीड़ पदों का, वो उक्त अधिनियम के कथ्याय 20 क में परिशावित हैं, वहीं अर्थ होगा वो उस मध्याय में विद्या क्या हैं।

## वनस्यी

सम्पत्ति जो डीड नं० 1 6433, दिनांक 30-4-1985 के मनुसार निबन्ध हुआ है।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रोज-3, कलकक्ता

दिनांक 8-12-1985 मोहर:

## प्रकल् बार्ड , बी , इन , प्रवा, ------

# बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वास 269-व (1) के न्वीन बुचना

### शारत सरकार

कार्वाचय, सहायक आयंकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० 2016/एक्यू०/रेंज-3/85-86---श्रतः मुझे, शेख नईमुद्दीन

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 2 है, तथा जो रोलन्ड रोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ती ग्रीधकारी के कार्यालय ग्राई०ए०सी० एक्यू०/रेंज-III, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधन दिनाक 10-4-1985

को पूर्वोक्त तम्मित के उचित बाबार मूल्य से कन के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल किम्मितियां उच्चेष्य से उच्च अंतरण सिचित में गास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बसराज से हार्य किसी बाव की बावस , उन्ध अधिनियम से अभीन कर योगे से अन्यरक से राजित्य में करी करने वा उन्नर्स वर्ण में स्विधा से शिष्ट; स्विधा
- (क) इसी किसी बाय वा किसी धन या अन्य बास्तियों का, जिन्हीं भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त वधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा, क्रियाने में विश्वा के लिए;

अतः अव, सकत अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—→ 1. दमोदर रोडवेस एण्ड कन्स्ट्रक्शन्स प्रा० लि० (प्रन्तरक)

<del>alle de la companie </del>

2. नन्द किशोर टिकमानी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करको पूर्वोक्त संपत्ति को वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

बन्द सन्तरित के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बासरे ५

- (क) इस स्वाग के रावपण में प्रकादन की तारींव वें
  45 दिन की जनिथि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
  स्वा की दानीक वें 30 दिन की बनिथ, वों भी
  जन्म नाम में समान्य होती हो, के भीतर प्रोंकर
  व्यक्तियों में से किसी स्पृतिष्ठ हुनारा;
- (क) इस स्थन के राज्यन में प्रकाशन की तारीक स 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबक्थ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाक सिक्ति में किस वा सकतें।

स्वक्रीकरणः — इत्रमें प्रयुक्त सन्दों नीए पर्वो का, को उक्त नीधीनवन के अध्याद 20-क में परिभाविक हाँ, रही अर्थ होता, वो उत्त सम्माद में दिवा नवा है।

म्रनुषुची

प्लाट क्षेत्र 1736 व० फु०, 37ईई फ़ार्म के अनुसार निबंध हुन्ना।

> णेख न मुद्द न सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंग रेज-3, कलकत्ता

दिनांक: 9-12-1985

प्रचय वाद् .टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

### बारत बरकार

## कार्यानव, तहायक मायकर जायुक्त (निर्देशक)

श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985 निदेश सं० 2017/एक्यू०/रेंज-3/85-86---श्रतः मुझे, शेख नईमृहीन

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे शक्षणे उनके प्रधान 'उनके अधिनियम' बहुत गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्परित, जिसका उचित बाबार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 2 है, तथा जो रोलान्ड रोड, कलकत्ता में स्थित है और इसने उपावद्ध अनुसूधी में और जो पूर्ण रूप मे विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रविकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण ग्रविनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 6-4-1985

को पूर्वोंकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुक्ते बहु विश्वास कुओं यह विश्वास करने का कारण है कि बथा पूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य,, उसके ज्यमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निक्निजिल उच्चेच्य से उन्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कियत नहुँ किया गया है है——

- (क) बन्तरूज संबूद्ध किसी बाय की बाबस, सक्ट अभिनियम के स्थीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कनी करने वा उससे अचने में सुविधा के सिए: और/ग
- (क) ए'ती किसी नाम वा किसी भन या जन्म जाकियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उपत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) खे हक्केपपार्थ क्नियम, क्विया प्रकट नहीं किया वया वा वा किसा थावा पाहित्य वा किसा के तिए;

भाषः सन्, उत्तर अभिनियम को भारा 269-ए की अपूर्य में, मी, उत्तर अभिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः

- दानोदर रोडनेस एन्ड काल्स्ट्रकगन्स प्रा० लि० (श्रन्तरक)
- 2. श्री श्रहण कुमार पेरीवाल और श्रन्य (श्रन्तरिति)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहुं।

उक्त सम्बक्ति को कर्वन को सम्बन्ध में काई भी बाहोद ह---

- (क) इस स्वना के रावधन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिय, यो थी नवित्र यां समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुकारा;
- (ण) इस स्वना के राज्यका में प्रकाशित की तारीच सैं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाच निवित के किए वा करों ने ।

स्वकारणः:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उपक नीभीनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में विशा नमा ही।

भनुसूची

प्लाट /क्षेत्र 2003 वर फुट, 37**६६ फार्म** के श्रनुसार नियन्ध हुग्रा है।

> शेख न**ईमुद्दी**न सहायक श्रायकर श्रायुक्त (तिरीक्षण) श्रजैत रेंज-3, कलकत्ता

दिनांक- 9-12-85 मोहर प्रारूप आइ.टी.एन.एस .-----

कायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की वास 269-ज़ (1) के विधीत स्थान

### भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक जावकर जायकत (निरीक्षण) श्रजैं। रेंज-3, कलकत्ता

कलकता, धिनांक 9 दिसम्बर, 1985

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके प्रभान कियन अधिनिरमां कहा गर्म ही, की नाम ००० से के अधिन अधिन पाधिकारी की वह निरमान करने का जारण ही कि स्थानर संपीत्म, विस्तान उचित बाजार सुन्य 1.00,000/- एउ. से अधिक ही

और जिसकी मं० 32/1 है, तथा जो मिड्याहाइ रोड, साउच, कलकत्ता में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप मे विगत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजन रेंज-3, कलकता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 6-4-1985

को पर्योक्त सम्परित के विचन नाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का देखह प्रतिकत्त से अधिक है और मंतरण से सिए तम पामा पमा प्रतिफल, विम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिलिस में बास्तिक कम से कथित नहीं किया पाम है हुन

- (क) अन्तरण में हुई किसी भाग सी गावस, स्वतः सिशितयद से स्थीन कर दोने के संतरक से शियक में कती करने या उसने नवने में मुश्लिक से किस्स सीर/शा
- (स) एसी किश्री बाय या किसी धन या जन्म बास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोणनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया यया था वा निगम बाना चाहिए था, खिमाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जन्तरण कें, कें तक्त अभिनियम की भारा 269-ज की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—-8—426 GI/85 1. प्रमृत कार्माशयल कं० प्रा० लि०

(भग्तरक)

2. डा॰ मासी बीमार

(मन्तरिती)

चा वह स्वाम चारी करके पूर्वोक्त सम्बद्धि के वर्षन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उपत उम्मति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोद 🕪

- (क) इस ब्यान के समस्य में प्रकार को हार्राय के 45 विक् की नगीय ना इस्तम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थल की दामीन से 30 दिन की वन्धि, जो भी वर्षीय बाद में समाप्त होती (क्री.) के भीतर पृथ्लिक क्रिक्तमों में वे किसी क्षाक्रिक इनारा;
- (वा) इंस सूचना के राजपक की प्रकाशक की डारीय वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित के द्विक-वर्ष किसी बन्य व्यक्ति इतारा वभोहासक्ताकी के साथ मिलिक में क्षिण का ककीने।

स्वयाकरणः—इसमें प्रयूक्त सन्धां और वर्षे का, को उत्तर अधिनियम के अध्यास 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्यास में विका स्वाहर्ये॥

## अनुसूची

प्लाट जो एप्रिमेन्ट] और 37ईई फार्म के धनुसार नियम्ब हुआ है।

> शेख नाईमुद्दीत सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रॅज-3,5ुकलकत्ता

विमोक : 9-12-1985

वर्ष्ट्र सर्वे हो पुराः ह्रवः ,--अन्न--नननस

बालकर कीभृतियम : 1961 (1961 का 43) की भारा 268-म (1) के अभीन स्थना

श्रारत सरकार

कार्यालय, प्रहासक भारकर जार्युक्त (निर्दाक्तिक) श्रर्जन रेंज-3, कलकता

कलकत्ता, दिनांक 9 विगम्बर, 1985

निदेश सं० 2019/एक्यू०/रेंज-3/85-86---श्रतः मुझे, शेख नद्दमुद्दीन,

नायवार प्रिंभितियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इस्नों इसमें बच्नोत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), याँ भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्याम करने का नारण हैं कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उच्चित्त वानार मृख्य 1,00,000/- रा. से नाभक हैं

और जिसकी संव 32/1 है, तथा जो गडियाद्याद शेड, (साउथ), कलकता में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध यनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजर्ट्रीकर्ता ग्रिशिकारी के कार्यालय ग्राई०ए०सीं० अर्जन रेंज-3, कलकता में रिजर्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 18-4-1985

- (क) बन्तरम् से हुई सिकी बाग की श्राप्त, अन्य विभागवन् में संभीन कर दोने की अन्तरक के ६ किल में कती करने या उससे क्यमें में सुविधा है जिए; वरि/मा
- (ल) एसी किसी बाव या किसी भन वा कुल बाफ्तियों की, जिन्हों भारतीय काम-कर अधिनिजय, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में प्रक्रिश से सिद्ध।

1. म० श्रमृत कार्माशयल को० प्रा० लि०।

(अन्तरक)

श्री बुध देव दास गुप्त और ग्रन्थ।

(भ्रन्तरिती)

को बृह सूचना बारी करके पृशांक्त सम्पृत्ति के नर्जन के जिए कार्यगाहिया सुष्ठ कडता हुं:

जनत सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई नी बाकी है----

- (क) इत त्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीब बै 45 विक् की वर्षीय या तरसम्बन्धी न्दिराकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वीय, को औी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर वर्षीयन क्षितकों में से किसी न्यांकत दुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितवव्य किसी बन्व व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए वा तकोंगे।

स्वकारिकरणः — इसमें जयुक्त सन्धी और पर्वो का को उत्तर अधिनियमं, को अध्याप 20-क में परिभावित है, नहीं नर्थ होगा को उत्तर कथ्याय में दिया स्था है।

### जन्स्यो

प्लाट ए/ क्षेत्रफल 1360 व० फु०, 367**६६ फा**र्म के र्रे अनुसार निबन्ध हुन्ना है।

> शेख न**६मुद्दी**न सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जंभ रेंज-3, बलकला

बत: जब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरज में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उष्धारा (1), के अधीर निज्नीलिसिस व्यक्तियों, अर्थीत् :—

दिनांक: 9-12-1985

मोहल 🛚

प्रकृष मार्च । टी० प्रव । एस । ---

मायकार मिनियक, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-क (1) को मुचीक कुमना

भारत सरकार

## कार्यकर, तहायक साथकर सामृत्य (निरक्षिण)

**प्राजैन रेंज-3, कलकत्ता** 

कलकत्ता, दिनांक 9 चिसम्बर 1985

निदेण सं० 2020/एष्यू०/रेंज-3/85-86---अतः मुझे, **गेख** न**ध्रम्**टीन

काशकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (विस्ते इसकें इसके प्रकार (उक्त अधिनियम) अक्क प्रया हैं), अर्थ परच 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विस्थान कारने का काशन है कि स्थापर सम्बद्धि पिशका अधित बाजार श्रूच्य 1,00,000/- एउ. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 25 है, तथा जो बी० सी० रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इसने उपाभद्ध अनुमूची में और जो पूर्ण रूप से धणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, प्राई० ए० सी० धजैन रेंज-3, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 190क (1908 का 16) के प्रधीन दिलाक 10-4-1985

सन्ने पूर्वोचत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के करयमान अविकस के लिए अल्तरित की गई है और मूझे वह विश्वास कर को कारण है कि वथापूर्वोचत सम्पत्ति का उचित बाजार सूख्य, उसके कर्यमान प्रतिफल से एते क्वानाम प्रतिफल का पंक्रह प्रतिकात सं अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिथों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योग्य से उच्त अन्तरण सिखित में बास्तीवक रूप से अध्य नहीं किया गया है है—

- (क) वन्तरण के हुई कियी नाम की नामक, कन्छ वाधि-नियम के भवीन कर दोने के बन्तरक के दासिस्य में कभी करने वा उससे नक्षणे में सुनिधा के लिए; नीहर/बा
- (क) पुत्ती किसी भाष ना किसी भग ना कल सारितकों का जिन्हों भारतीय सामकार निभिन्नियन, 1922 (1922 का 11) या क्यत करिप्तियन, वा भनकार क्रिपिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनामें अन्तरिती ब्नारा प्रकट नृहीं किसा गया वा वा का किया जाना चाहिए था. कियाने के व्याच्या के क्यांका

क्षतः जन, उन्ता अभिनियम की भारा 269-म के अनुतरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के मभीत, निम्निशिषक स्थितकार्ते, स्थाहर 1. कालना इनवेन्टर्स प्रा० लि॰ ।

(भन्तरक)

2. श्री सत्य भामा गुप्ता ।

(श्रन्तरिती)

को वह बुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के अर्धन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधीं व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति ब्राया;
- (क) इस सूत्रका के रुक्पण में प्रकाशन का तारीक से 45 दिन के शीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबक्ध किंदी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गांव विविद्य में किए का सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनिवन, के अध्याय 20-क में परिभाष्टिक है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नगृज्यी

प्लाट /क्षेत्रफल-2585 व॰ फु॰ 37ईई फार्म के भनुसार निबन्ध हुम्रा है।

> णेख नईमुहीन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेज-3, बजलकत्ता

दिनोक 9-12-1985 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 च (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यांचय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

फलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० 2021/एम्यू०/रेंज-3/85-86---ग्रतः मुझे. शेख नर्धमृष्टीन

कामकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन-सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का काइन हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 25 है, तथा जो बी० सी० रोड, कलकता में स्थित है (और इसवे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजल्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, आई०ए०सी० प्रजंत रेंज-3, कलकता में रिजल्ट्रीकरण अधिरियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिन्तंक 10-4-1985

की पृथींभत संपरित के उनित बाजार मूला से कम की ध्रयमाय इतिकास के सिए अंतरित की गई है जोर मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उनित बाजार मूल्य, ध्रसके दश्यमान प्रतिकाल से एसे ध्रयमान प्रतिकाल का पत्नह इतिकाल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाया भया इतिकाल, निम्नलिखित उत्वेदेय से उन्नत अन्तरण जिस्कित भी बास्तरिक रूप से किथान नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी नाव की वावत, बक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के जन्तरक की वावित्य को कमी करने या उत्तरं वचने थे स्विका के लिक्ष: बॉव्/या
- (क) एसी किसी वाय या किसी भन भा कम्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय वाय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम या भन्-कर विभिनियम न 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया काला वाहिए था, जिनाने में स्विभा भी खिए।

कतः व्याः अन्तः अन्तः अभिनियम काँ भारा 269-ग के बनुसरण वाँ, वाँ उक्त विभिन्यम की भारा 269-च की उपभारा (1) को वभीन, निस्तिविधित व्यक्तियों, अर्थातः :--- 1. कालना इनामेन्टर्स प्रा० लि०

(फ्रन्तरक)

श्रीमती कुमकुम गुप्ता

(भ्रन्तरित")

की यह बूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के फिल कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का की 45 विन की बविध या तत्र की स्पित्र को पर स्चना की तामील से 30 विश की सविध को भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्पृत्रिकारों को से किसी स्पवित दुवारा;
- (व) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिबित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### बन्स्ची

प्लाट क्षित्र 2892 ४० फ्रु॰ 37ईई फार्म के धनुसार निवन्ध हुमा है।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-3, कलकसा

दिनांक 9-12-1985 मोहर प्रकप बाइं. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुवान

### भारत सरकार

कार्याधय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ष्प्रजीन रोज-3, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985 निदेश सं० 2022/एक्यू०/रेज-3/85-86—म्बतः मझे पोखा नाइमड्दीन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्व 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

मीर जितकी सं० 32 है, तथा जो मेघनाथ साहा, सरणी, कलकत्ता में स्थित है (प्रांग इससे उपाबद्ध प्रनसूची में घीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीवर्त्ता प्रधिनारी के वार्यालय, कलकत्ता में रिवर्ट्रीव्ट्रक्ट्य प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन विनांक 10-4-1985

करे पूर्वोका सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पावा ग्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त दन्तरण विश्वत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं.—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अपरि/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य शास्तिवाँ कार, जिन्हें भारतीय वायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, बा धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तिरती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया धाना वाहिए था, स्त्रिपाने में सुविधा के सिए;

सतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कै, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के न्धीन, निम्निकिश्वित व्यक्तियों, अर्थात :— ' 1 इन्दु बहेन प्राप्तिरा ।

(ग्रन्तरक)

2. धीरेन्द्र कुमार हरिबल्लभ जाभेरी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वदधि, जो भी सर्वधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य विक्त द्वारा अधोहस्ट्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है!

## बन्स्ची

प्लाट नं० 10, डीड नं० 2728 , दिस<sup>1</sup>क 10-4-1988 के **ध**नुसार निबन्ध हुआ है ।

> गेख नाईमउद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) भजनरेंज-3, कलकत्ता

षिनोक : 9-12-1985

प्रकृष बार्ड. टी. एन. एस. - -

बायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सभीन स्वता

श्री भुपेंन मगनलाल मेहता भौर भन्य ।

(मन्तरक)

2. श्री काशी प्रसाद जालानं ।

(मन्तरिती)

#### भारत सरकार

कार्यासय, बहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक भायकर धायक्त (निरीक्षण) धजन रेंज-3, कलकसा कलकसा, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

निषेश सं० 2023/एक्यू०/रें ज-3/85-86--- महो. शेख नाईमउदीन

कारकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें ध्राप्त पर्वाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उजित बाजार मृज्य 1,00,000/- एउ. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं 32 है, तथा जो भेषनाथ साहा, स ररी, तलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के भीन दिनाक 10-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के सचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गृह है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिकल से, एसे क्यमान प्रतिकल का शृह्य प्रतिकत सं अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिता (अन्तरिता) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखत उद्युवश्य से उच्च अन्तरण निवित्त में आसाविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) श्रम्तरण ते हुन्द्र विद्वती बाय की वावधा, उपत् वीधिनिसम के वृधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्थ के कमी करने या उन्नक बृजने में सुविधा के लिए; वरि/धा
- (व) एसी जिसी नाव या किसी भन वा बन्य बास्तियां को, जिल्हों भारतीय नायकर विभिनियम , 1922 (1922 का 11) या उन्हें मिनियम या भनकर विभिनियम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जान चाहिए था छिपाने में द्विधा के सितः

कतः कन जनत अधिनियम की धारा 269-म के जनकरण में, में, एकत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिति व्यक्तियों, अर्थात् :---- को यह मुचना चारी करके पूर्वोक्त स्टब्सित के अर्थन के विश्व कार्यवर्शहरण अपूरु करता हो।

उक्त सम्प्रांश के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप :--

- (क) इस स्वका के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व वे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों का व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 घन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हित्तबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्तीकरणः ---इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, को उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया व्याह 1

## प्रनुसूची

प्लाट नं 20/डीड नं 2727 विनांक 10-4-1985 के धनुसार निबन्ध हुमा है।

> शेख नाईमउद्दीम सक्षम प्राधिकारी सद्दायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जनरेज-3,कलकत्ता

दिनांक : 9-12-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

1. शिभा रानी विश्वास

(मन्तरक)

(भन्तरिती)

बाधकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण)

ग्रजैन रेंज-3

कलक्ता, दिनांक 9 विसम्बर 1985

निवेश सं० 2024/एक्य ०/२ जि-3/85-86---- ग्रतः शेखा न ईम उद्दीन

**बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें** इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.,00,000 / - रु. से अधिक ह<sup>र</sup>ी

ग्रीर जिसकी सं० 34 बी है, तथा जो सरदार शंकर रोड, कलकता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में ग्रीर जी पूर्ण रूप से वर्णित है) एजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी

के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्टकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनोक 26-4-1985

**को प्**र्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिसियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तर्य पाया गया प्रतिकास निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिख्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए: भीर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अगस्तियों को जिन्हें भारतीय अध्यक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया 🕶 पाहिए था, छिपाने में सविधा को लिए:

को यह स्चना पारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता है।

2. श्री धासीम कुमार घोष ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की **तारील** से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की टामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वे क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसवद्य किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौ का. जो उक्त अधिनियमा, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### पन्पूची

सम्पत्ति जो डीड नं o I 6346 विनोक 26-4-1985 **ध**नुसार निबन्ध हुन्ना है।

> शेख नईमउद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण) घर्जन रेज-3, दक्षदत्ता

बत: धब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मैं, सैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) को अर्थीन, निम्नलिखित ध्यक्तियों, अर्थात् :--

दिनां ६ : 9-12-1985

## इक्ष बाइं. टी. एष्. एक्. ------

. मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा; 269-घ (1) के सभीन स्वना

### नारत सरकार

कार्यालयः, सहायक मायकर मामृक्त (निडीसच)

प्रजन रेज-3,

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० 2025/एक्यू०/रेंज-3/85-86----धतः मुझे शेख नईम्हीन

शासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाप् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उजित शाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

म्रीट जिसकी सं 5 है, हथा जो लोगार रहन, स्ट्रीट, बलकत्ता में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपायद मन्द्रची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वणित हैं) रिस्ट्रीवर्ता मधिकारी के वार्याच्य बलवत्ता में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनाक 21-4-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मून्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) कौर अन्तरित (अन्तरित के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया चया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित में बास्तियक रूप से किथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण संहुई क्रिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने उस्तिका की सिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत,, निम्निलिधित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री घरोक कुमार सहारा,

(भ्रन्तरक)

2. ए० एफ़० फ़ार्गुसन एड कं०

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, वां भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांचिय स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ण) इस स्चना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के गां लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थळ्डीकरण :-- इसमें प्रयक्त शब्दों आरे पदों का, जो उत्का अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गर्का ही!

## वन्स्ची

सम्पत्ति जो डीप्ट नं वे 1 6045 दिनोक 21-4-1985 के प्रतुसार, निवन्ध हुम्रा है।

शेख नईमुदीन सक्षम प्राधिकारी सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-3, कलक्सा

विनांक: 9-12-1985

## प्रकप बाइ .टी .एग . एस . -----

## नावकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नभीन सुचना

### मारत सरकार

कार्यानय, सहायक बायकर वायुक्त (भिरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-3,

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० 2026/एक्यू०/रेंज-3/85-86--श्रतः मुझे शेख नईमज्दीन

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसमें दसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 87 है, तथा जो कालीगंज, प्लेस, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपावद श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, एलट्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 23-4-1985 दिनोक

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाधार मून्य से कन के द्रयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उधित बाधार भूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिश्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिगों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अम्तिक एप से कथिन नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई जिस्सी साम की शावत उक्क समित नियंत्र के सभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कृती करने का उक्क बचने में सुविधा है। लिए; और/सा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) भा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना काहिए था फिपाने थें भूविभा के लिए;

- श्री भ्रहण बोत । বের্ব (एच० यू० एफ०)
   (श्रन्तरक)
- 2. मैंसर्स हान्सा नामिश्यल कं० प्रा० लि० (श्रन्तरिती)

की वह स्थान जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्हां सम्पत्ति के अर्थन के सम्भन्य में कोड़' भी अक्षिप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारी से 45 दिन की अविक्ष या तापप्रवन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तासीन से 30 दिन की अनिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में शंकिसी व्यक्ति दवारा;
- . (श) ६५ सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से च्र दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मोत्त में हित-श्युध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में बिल उपकेंगे।

स्पर्वाकरणः—इसमें प्रमुक्त शन्यों और पत्तों का, जो उक्क विधिनयम, के सम्प्राय १०-८ में परिभाषित इं, बही अर्थ क्षांगर, को उक्क अध्याय थे। विका

## <u> स्त्रम्</u>सी

सम्मित्ति जो डीड नं ०  $^{\dagger}$  6089 दिनांक 23-4-1985 के अनुसार निबन्ध हुआ है ।

णेख् नईमउद्दीत तक्षम प्राधिकारी महायक शायार अयुक्त (निरीक्षण) शर्ज : तेंब-3, तक्बक्ता

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) ॐ अभीन 'नज्मिलिकात व्यक्तियों, अधित् ः— 9—426 GI/85

विनांक 9-12-1985

योद्धर :

इक्स बाद् . टी. एन. एस.------

## बायकर वॉभनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) से बभीन स्वना

### भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जभ रेंज-3, कलकत्ता, दिभांक 9 दिसम्बर, 1985 2027/एक्यू०/रेंज-3/85-86---अत:

मिवेश सं० 2027/एक्यू०/रेज-3/85-86---अतः मुझे शेख भईमजदीम

बायकार विधियम, 1961 (1961 का 43) (चिस इस्में इसके प्रकात 'उसत अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-स के वधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कालन है कि स्थावर सम्पत्ति, चिसका उचित बाजार सूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 8 हैं, तथा जो भगेन्द्र भारायण दत्त रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्मा अधिकारी के कार्यलय कलकत्ता में रिजिस्ट्रीकर्ण अधिभियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिशांक अधील, 1985

को पूर्वोक्त सभ्यक्ति को उप्तित बाबार मूस्य से कम को **अन्त**रित प्रतिफन के तिए की गद् निक्वास करन का कारण भूबोंक्त सम्पत्ति का अधित बाजार मुख्य, उसके करयमान प्रतिपक्ष ते, एते **क्यमान प्र**तिफल के पन्द्रहप्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और उन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अभ्तरक के लिए तय वाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्वेदय हे अक्त बन्तरण जिल्लित में बास्तविक रूप से कथित महीं किया गया 🜓 :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए बार/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्तिबाँ को, जिन्हें भगरतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1.922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भग-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा को किए;

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात :—

1. बिमान घर

(अन्तरक)

 क्षप्तसुर को-आप० हाउसिंग सोसायटी नि० (अन्यांग्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकारन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम सिसित में किए जा सकेंगे।

## श्रनुषुची

सम्पत्ति जो डीड नं ा 6006, दिशांक अप्रैल, 85 के अनसार भिबन्ध हुआ है।

> णेख नईमउद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जभरोज-3, कलकत्ता

दिनोक ; 9-12-1985

प्ररूप बाइ". टी. एन. एस.्-:-ध------

जायकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के जभीन सूचना भारत सरकार

कार्यात्रव, सहायक बायकर बावुक्त (निर्दाक्त)

अर्जम रेज-3, कलकत्ता, दिभाक 9-दिसम्बर, 1985

निदेश सं० 2028/एक्यू०/रेज-3/85-86—अतः मझे ह्रिशेख मध्मजद्दीम

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गवा है), की भाषा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार भूरव 1,00,000/- रा. से अधिक है

प्राँग्रिजिसकी सं० 225, 1ए है, तथा जो ए० जे० सी०बोस रोड, बी० सी० रोड, कलकता में स्थित है (प्रांग्र इससे उपाबद अन्भूची में प्राँग्र जो पूर्ण क्यांग बिंग्त है) रिजम्ट्रीयनी अधिकारी के कार्यालय, कल हता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिशांक अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और नुको यह विश्वास करने का क्यरण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिकल को बंबह प्रतिक्षत है जिथक है और बंतरित (अंत-रितयों) के बीच एसे अंबरण के लिख तय रामा गया प्रतिकल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिचित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बंदरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के धायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन् वा अन्य जास्तिवाँ को जिन्हें भाउतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविभा के लिए;

बत्त शब, उक्त बीधिनियम की धारा 269-ग में अनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के वर्ष ।, निस्नीलिंबित व्यक्तियों, बक्ति :— 1. दिमवाल प्रापर्टीस.

(अन्तरक)

2. तिबेणी टिसुज लि०

(अन्तरिती)

को यह सूचना थारी करके पूर्वोक्त सम्परित में वर्चन के सिए कर्यवाहियां करता हो।

उन्त सम्बद्धि के भवन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप '---

- (क) एवं सूचना के हाजपन में प्रकाशन की तारींच वें
  45 दिन की अविध या तत्त्रस्थन्थी व्यक्तियों पर
  शूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्स
  व्यक्तियों में से न्यासी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, जो जक्क अधिनियम के जध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होंगा जो उस कथ्याय में विवा गया है।

## **मनुष्**ची

सम्पत्ति जो डीड नं० I 6488 पी०, दिसांक अप्रैल' 85 के अनुसार मिबन्ध हुआ है।

> **गोख नईमउद्दीन** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेज-3, कलकत्ता

दिमांक : 9-12-1985

प्र<del>क्रम् बार्ड्, टी. एव . एखः, १०५०-</del>०

1. श्री मामवेन्द्र चौधरी।

(श्रन्तरक)

2. श्री प्रदानन्द कोनार

(अन्तरिती)

मायकर भरिभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा के कथीन सम्बन

### नाउस सड़कार

## कार्यक्रम, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन **र**ंज-3,

कलकत्ता, दिनां 🖰 🤋 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० 2029/एक्यू०/रेज-3/85-86---अत: मुझ शेख नईमउद्दीन

नायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकं परचात् 'उथरा अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण हु<sup>क</sup> व्हिस्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नावार मृत्य 1,00,000/- रह. से अभिक हैं।

श्राँर जिसकी सं $\circ 24/2$  है, तथा जो लेक एवेन्य, फलकत्ता  $\circ$ में स्थित है (प्रार इस ! उदाबढ़ अनुसूची में ग्रार जो पूर्ण रूप पे वर्णि । है ) रिलिस्ट्री बर्ला अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में अजिस्ट्रीकरण अधिवियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 17-1-1985

को पुर्वोक्त सम्पत्ति से उत्तित बाबार मुख्य से कम की दक्षशान रविकल क्ते लिए जन्त**ि**शः कौ गर्द है और मभ्रे यह विश्यास

करने का कारण है कि यथायुनिक्त सम्परित का उचित बाजार श्रुत्य. उसके ध्रयमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल स्त्रा पन्नाइ प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) भीर जंतरिती (बन्तिरितियों) के बीच एसे जन्तरण के बिए तय पामा नया प्रीतिपाल, निम्नीविधाः उपयास्य से जवल बन्तरण विकास मा बारविन्द्र रूप से कभित नहीं निक्षा गया है हिल्ल

- (क) जन्तरण संहुई किसी आय की बाबत उक्तः अधि-निवस के बाधीन कर दोने के अन्तरक के बाधित्य में कभी भद्रदेश उत्तवे वच्छे में सुविधा के लिए हरि∕ या
- (चि) इंधी किसी बाव या किसी धन या अन्य जास्तिकों 🖾, विन्हें भारतीय जावकर विधिनियम, 1922 ((९२२ को ११) या उक्त विधिविधन वा धन कर समिनिक्स, 1957 (1957 का 27) 📦 प्रवोचनार्थं बन्तहिली दुवारा प्रकट बहीं किया नवा था वा किया वाका चाहिए था, कियाने में बहिया d Nati

कतः अव , जनत अभिमियत्र की भारा 259-ग के अस्सरण में. में. उच्य अभिनियम की भारा 269-व की उचभारा (1) के अभीत, निम्नुलिखिक व्युक्तिकामो , अर्थात् ;----

को यह स्थान जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए नार्ववाही करता हैं:।

## उन्त सम्बद्धि में वर्षन में सम्बन्ध में कोई भी मान्ने :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की नविष वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की वामीस वे 30 दिन की बविध, वो भी नविध बाद में सबाप्त होती हो, के शीतर प्रवेक्ति **म्यम्सियों यों से किसी व्यक्ति द्वारा**ः
- (ब) इस स्थला के राजपन में प्रकावन की सारीब से 45 विन के भीत्र उक्त स्थावर संपत्ति में डित-क्रम किसी मन्द व्यक्ति पुत्रारा मभोइस्ताकारी से पास सिरियत में सिए या स्केंने।

स्पच्छीक रणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों नीर पदीं का, को उकत विश्वितम के सभाव 20-क में वरिमाणिक है, वही वर्ष होगा को उस कथ्याव में विका एया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति जो डीड नं० 1 5683 दिनांक 17-4-1985 के अनुसार निबन्ध हुआ है।

> शेख नईम उद्दीम सक्षम प्राधिकारी

ंआयकर आयु<del>म</del>्य (निरीक्षण) सहायक अर्जन रेज-3, प्कलकत्ता

दिनाज : 9-12-1985

प्रकप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आक्युत (निरीक्षण) अर्जेम रेंज-3,

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

मिदेश सं० 2030/एम्यू०/रॅज-3/85-86—-अतः मुझे गोख नईमजदीम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्यास करने का कारण है कि स्थावर संगति, जिसका उचित नाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० अनसूची के अनुसार है तथा जो उलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनसूची में श्रीर जो

पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 21-4-1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्च देव से उन्तर अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अलः अब उन्तरं सीभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्तरं अधिनियम की धारा 269-म की उपधारार (1) क्रेसिंग, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री अरुण कुमारगृह

(अन्तरक)

2. अच्छुराम कुलकाट एन्ड डब्ल्यू० सी० प्रा० लि० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उन्त सन्परित के अर्जन के संबंध में करेई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्गे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जे उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अन्स्ची

सम्पत्तिं जो डीड नं० I 6088 दिनांक 21-4-1985 के अनसार निबन्ध हुआ है।

णेख न**ईमउ**द्दीन सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयवन्द आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

दिमांक : 9-12-1985

## प्रका आहुं डी. प्रका प्रकारकार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) में नभीन स्पना

## नारक क्रकार कार्याकम, सहामक भागकर सायुक्त (निरीक्क)

अर्जन रेंज-3,

कलक्सा, विभांक 9 दिसम्बर, 1985

ि विद्या सं० 2031/एक्यू०/रेंज-3/85-86---अतः मुझे, मोख नईमुद्दीन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चाल जिला अधिनियम कहा जना हैं), की भाष 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधित कन्नार मृष्ट 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 43 है, तथा जो स्ट्रीट रोड, कलकत्ता में स्थित है (भ्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण धिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 23-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिकृत से, एसे दर्यमान प्रतिकृत से, एसे दर्यमान प्रतिकृत की पन्तह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तर्कों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के जिए तथ वाया गया प्रतिफल, निम्मीनिकत स्वृत्वेष्ट से उपार बंधाया गया प्रतिफल, निम्मीनिकत स्वृत्वेष्ट से उपार बंधाया है कि

- (क) करारण से हुइं किसी बाय की बावका, जनक अधिनियम की संशीप करा दोने को जनारफ की बाजिरण में कुछी कुछई वा अञ्चल बाजने को ब्रियमा की शिक्ष मुद्रां/ना
- (था) एसी किसी नाम वा किसी भम या नन्य नास्तियों को जिल्हों भारतीय नाम्-कर निर्धानियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया नया भा या किया नामा जिल्हा था, कियाने में विभा के सिर्ध।

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण को, मैं, इक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधीत्:——

श्री भुवनेश्वर मल्लिका

(अन्तर्क)

2. काणीपुर रोलिंग मिल्स (प्रा०) लि०

(अन्तरिती )

 की वह सूचना जारी करने प्नॉक्ट सम्परित के नर्जन के जिए कार्यनाहिकां करता हो ।

**उत्रत् सन्त्रित के कर्यन के संबंध में कोई भी नाक्षेप**ान

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष में 45 दिव की जविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ दर सूचना की तासील से 30 दिन की अविध, को भी अपित पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्तियाँ द्वारा;
- (ब) इस्य स्थान के राज्यन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उन्नत स्थानर सम्पत्ति में हित-बृद्धभ किसी बन्य म्यानत द्वारा, म्योहस्ताक्षरी क राज्य विश्वित में किए जा स्केंच।

रक्कीकरक है— इसमें प्रमुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया पदा है।

### धनुसूची

सम्पत्ति जो डीड नं र 1 6033 विनांक 23-4-1985 के अनुसार निबन्ध हुआ है।

शेख नईमुद्दीम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, कलकत्ता

दिनांक : 9-12-1985

मोहर

## श्रुक्त बाहुँ 🖽 हों 🛒 हुन् 🚙 🚃 🚃

1. श्री अमरेन्द्र भाष मित्र

(अन्तरक)

आयक ह अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

2. श्री जगन्माथ आगवाला ध्रौर अन्य । (अन्तरिती)

### 

## कार्यातम, सहायक जायकर जास्कत (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज-3,

कलकत्ता, दिशांक 9 दिसम्बर, 1985

मिदेश सं० 32032/एक्यू०/रेंज-<math>3/85-86—अतः मुझै शेख मईमुद्दीम

बायकर जीभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सभ्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

कलकत्ता में स्थित है (श्राँर इससे उपाबव अनुसूची में धाँर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम दिमाँक 17-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृस्य से कम को स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और बंतरक (अंतरकों और बंतरिती (अंतरितियों) के नीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिस्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तिक अप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त नीयनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के वादित्य में कनी करने वा उच्च बचने में बृदिशा के सिए; और/था
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हुं भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 को 11) वा उक्त जिभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) औं प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, खिनाने में सुविधा के किए;

भतः अभ, उनत अभिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उनत अभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) की मधीन, निम्नुनिचित कार्िस्तयों, अधात हु---- की यह सूचना बाटी कर्ण पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के किस् कार्यमाहियों करता हुं।

उक्त रूपित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ६---

- (क) इस त्यमा के राजपण में प्रकाशन की तारीख वें 45 दिन की नवीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर त्यमा की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाह्म में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राचपत्र में प्रकाशन की तारीस ब्रे 45 दिन के भीतुर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताकारी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

### अनुसूची

सम्पत्ति जो डीड नं० I 5671 दिशांक 17-4-1985 के अनुसार मिबन्ध हुआ है।

भेख नर्डम्हीभ सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जभ रेंज-3, कलकक्षा

दिनांक: 9-12-1985

प्ररूप बार्द. टी. एन., एस.,------

न।पक्षर निभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के नभीन सुचना

### भारत सहस्रार

## कार्यालय, सहायक बायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-Ⅲ, कलकत्ता

कत हला, दिनों ह 9 दिसम्बर, 1985

मिदेश सं० 2033/एक्यू आर -- /85-86--अतः **मुझे** शेख नईमुड्डीन

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इतमें इसके पहलात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हीं), की भारा ?69-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण ही कि स्थानर सम्पत्ति, चिसका उपित नाजार मृज्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 217 है तथा जो गरत बोस रोड़, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथावृत्रोक्त सम्पत्ति का उचित बाजतर ब्रुख, खसके ख्यमान प्रतिफल सं, एसं ख्यमान प्रोक्फन का बन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे वंतरण के जिए वन पान भना प्राराजन, प्रमनीनिक्त उक्क्षेय से ख्या बंतरण विभिन्न में भारतीयक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंशारण संस्कृष्ट किसी बाम की बाव्या, उक्तर, अधिनियम की अधीन कर दोने के अस्तरक के वाधित्य में कजी कदनें या उच्च के बच्ने में कृषिया की खिए; भीर/का
- (च) ऐसी किसी आध था किसी भन या बन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय नायकर नीमनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर नीमनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ज अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यवा था वा किया जाना वाहिए था छिपाने में स्विधा नो निए,

जताः गयः, जयतः वाधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण को, भी, जयतः अधिनियमं की धारा 269-मं की लपधारा (1) को जधीन, निम्मीनिसिक व्यक्तियों, अधीर्य क्र- (1) वसुन्धरा प्रापर्टीज ।

(अन्तरक)

(2) एस० बी० ट्रांसमिशन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्चव के सिक् कार्यवाहियां करता हुं।

सक्त बन्मीत्त के वर्षन के बन्धन्य में कोई भी बाक्षेत्र 🛶

- (क) इस त्या के राधपत में प्रकाशन की तारीय वें
  45 विन की नवीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर
  भूषना की तामील से 30 विन की नवीं । जो भी
  नवीं बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंबत
  व्यक्तियों में में किमी व्यक्ति व्यक्ति ।
- (स) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उसत स्थानर सम्पत्ति में हित-नद्ध किसी बन्य व्यक्ति दुवारा, वशोहस्ताक्षरी के गढ़ निविद्य में दिक्का का स्वीचे ।

स्पच्छीकरण: ----इसमें प्रमुक्त सब्दों और पद्यों का, जो उक्त कथि-रिनयम को सध्याय 20-का में परिभाष्टित हैं, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस सध्याय में देया गया है।

### धनुसूची

दफ्तर स्पेस नं० 2, सम्भक्ति जो डीड नं० -514 9 नारीख 6-4-1985 के अनुसार भियन्ध हुआ है।

> णेख भईमुद्दीभ सक्षम प्राधि गरी महयक आयक आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेंज−3, कल∙ग्ता

दिशांक : 9-12-1985

प्ररूप बाह् .टी.एग.एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) करी धारा 269-च (1) के अधीन सुचमा

#### भारत सरकार

## कार्यालय, तहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-Ш, कलकत्ता

कलकता, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

भिदेश सं० 2034/एक्यु आर-III/85-86--अतः मुझे शेख भाईसज्हीत.

बायकर गिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवार जिल्ला अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह से अधिक है

भौर जिसकी सं० 217 है तथा जो शरत बोस रोड, कल तत्ता में स्थित है (श्रीर इतन उपाबद अनुपूर्वी में भीर भीर पूर्ण का ने विभिन्न है) एजिल्ड्र ति श्रीध कारी के कार्यालय कल उत्ता में एजिल्ड्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 के का 16) के अधीन सारीख 6-4-1985

प्रशेषित सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान मितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि युश्यमों कर नेपित का रुचित बाजार मूल्य, उनके दश्यमान प्रतिकल से एोने दश्यमान प्रतिकल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया बितिकल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निजित

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, अक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उग्रसे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट रहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः भग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भौ, भौ, प्रक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) हे एधीर निम्मलिबित व्यक्तियों, बर्धात ह— 10—426 GI/85 (1) वसुन्धरा प्रापर्टीज ।

(अन्सर्क)

(2) एस० बी॰ ट्रासिमशम ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

सक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचवा के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त क्वकितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचं चे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वां उपक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिके हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं डि.

#### धनुसुची

वफार स्पेस नं∘ 1, सम्पत्ति जो डीड नं∘ I 5150 तारीख 5-4-1985 के अनुसार निबन्ध हुआ है।

> गेख न**ईमुहीन** सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज-III, 54, रकीजहमद किद**वर्ड रोड**, कल⊹सा-16

विनोक : 9-12-1985

शास्य आहें, डी. एन. एस. -----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता
कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

मिवेश सं० 2035/एक्यू/असर-III/85-86--अतः मुझे, शेख मईम्हीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 18 है तथा जो सोधपुर पार्क जनकत्ता में स्थित है (भौर इसमे उपायन अनुसूची में भौर पूर्ण इप से वर्णित है) रजिस्ट्रकर्ता अधिजारी के कार्यालय बन्दत्ता में रजिस्ट्रीसरण अधिभियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम अप्रैल, 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, ऐसे द्रियमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः असं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कों, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—

(1) एस० सी० भागविष्वास ।

(अस्तरक)

(2) दि बाक्तारपुर को० म्रोप० हाउसिंग सोसाय**टी** लि०।

(अन्तरिती)

की यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मूर्वन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **स** 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारी **स** से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्य-द्वीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

### **जन्**स्ची

सम्पत्ति जो **डीड** नं० I 2953 तारीख अप्रैंल, 1985 के अनुसार निबन्ध हुआ है।

> योख भा**ईमुहीन** प्रश्नम प्राधिका**री** सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेंज-III, कलकसा

दिनां रू : 9-12-1985

प्ररूप आइ. टी. एन, एस .-----

ਸੀਜ਼ਹੂਰ 1061 (1061 **ਸ਼ਹ 43) ਸ਼ਹੀ** 

भायकर अधिनियम, 196:1 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) से सभीन सूचना

#### शासन सुरकात

## कार्याचय, सङ्घयक कायकर वाय्यत (विद्याला)

अर्जन रेज-Ш, कलकसा

कलकत्ता, विभांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 2036/एक्यु० आर-Ш/85-86--अतः मुझे, शेख भईमुदीन

बाधकर नाभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इतमें इसमें इ

ग्रीर जिसकी मं० 12 है तथा जो रोलान्ड रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्राती अधिकारी के कार्यालय सलक्ता में रिजस्ट्रकरण अधिकायक, 1908 (1908 का 16) के अधीम अग्रेल, 1985

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाचार मूल वे कन के व्यवधान अतिफक्ष को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य असके प्रश्नाम प्रतिफास सं, एसे व्यवधान प्रतिफात का पम्बद्ध अतिच्या से अधिक है बीड अन्तरक (अंतरकों) बीड बंबरिती (अन्तरित्वों) के बीच एसे बन्तरूज से हिम्य सब पाना बचा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तरिक रूप से कांभन नहीं किया नथा है :—

- (क) अन्तरण से हुई किथी आय की बाबत, उक्त अधिविध्य के अधीन कर दमें की अन्तरक भी दासित्य में क्ली कहने या उत्तर क्षम में सुविधा ने सिए; कार्ट/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी तक या अन्य आस्सियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया थ्या भा या किया जाना चाहिए था, क्रियान में सुनिधा के लिए।

कतः जय, उक्त जीधीनयम का भारा 269-ग के जनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री चन्द्रकान्त नायार।

(अन्तरक)

(2) श्री जयन्त कुमार प्रमुदास ग्रीर अन्य । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्वनाहियां करता हूँ।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविभिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर भूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी खबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीषर पूर्वोक्त ज्वितयों में से किसी व्यक्ति ब्वाय;
- (क) इस बुक्ता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबेष्ध किसी बन्य व्यक्ति बुवास अभोहस्ताक्षरी के शुक्र निक्ति में किए वा सकोंने।

लक्किरणः — इश्वर्गे प्रमुक्त शब्दों शीड पंदों का, श्वो स्वयं अधिवियम, के अध्याय 20-क में परिभावितः है, कही और्ष होगा को उस अध्याय में दिया गवा हैं।

### अनुसूची

सम्पत्ति जो बीड नं० 1,5902 हारीख अर्प्रेल 1985 के अनुसार निबन्ध हुआ है।

> णेख न**ईमुदी** न नक्षम श्राधिकारी सहायक आयजर शापुनत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-**!!!**, कलक्सा

दिनोक : 9-12-1985

प्रक्ष भार्ष . टी . एन . एस . -----

जायकर जोधिनियमं, 1961 (1961 को 43) की धारा भारा 264-च (1) के अधीन सूचना

#### शारत करकाड

कार्यासय, सहायक भायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलक्सा, दिनांस 9 दिसम्बर, 1985

भिदेश एं० 2037/एक्यु० आर-III 85-86--आत: मझे गेख नईमुहीन

शायकर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिस इसमें इसके पश्चात् 'उकत विधिनियम' कहा गया ह"), की धारा 269-च के विधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ह" कि स्थावर मध्यत्ति, चिसका उचित वाचार अवस्थ 1,00,000/-रा. से अधिक ह"

स्रोर जितकी सं० 20 है तथा जो कालीगंज सर्कुलर रोड, कप कत्ता में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री इर्ता अधिकारी के कार्याक्षय कलकत्ता में रिजस्ट्री करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 4-4-1985

को प्यंक्ति सम्पत्ति के जीजत बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिपाल को निए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाध करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्परित को उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्मों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तथ पाना यहा प्रविक्त, जिन्निजिति उद्वेषम से उन्तर कलान विश्वित्त को वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तर्भ सं दूर्व किसी बाय की बायत, उन्तर विभिन्तिय के व्योप कर दोने वे अन्दरक के वामित्य में कमी करने वा बढ़ते न्त्रने में कृषिया के लिए; वार/या
- (क) होती किसी बाव वा किसी वृष् वा कुल्यू बाहिसाकों कां, चिन्हें भाउतीय नाय-कर निर्धानयम, 1922 (1922 का 11) वा उच्छ कीवीनयम, वा भगकर वृष्िनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया भया था या किया वाना वाहियेथा. कियान में संविधा के जिल्ला?

वतः वयः, उक्त विधिनियम् की धारा 269-यं की अनुसरक थं, मंं, अक्त विदिनियमं की धारा 269-यं की उपधारा (1) चे वधीयः, निव्यमिकित व्यक्तियाँ वर्धातः ३--- (1) मदगुल उद्योग ।

(अन्तरक)

(2) न्यु बैंक और इण्डिया।

(अन्तरिसी)

बहै वह सूचना चारी करके प्रवासिक सम्पत्ति के सर्थन के स्वयू कार्यवाहियां करता हूं।

बच्छ सम्मृतिक के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षापा-

- (क) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 विन की व्यक्तिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर स्वा की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी व्यक्तियों में समाप्त होती हो, के भीतर प्यॉक्त व्यक्तियों में से किसी स्थवित क्षारा
- (क) इस स्कार के राजपंत्र में पकाशन की तारीम है 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिश्चवृध किसी क्या व्यक्ति इवारा जभोहस्ताक्षरी के शक्ष सिविश में किए या सकेंगे।

ज्यव्यक्ति एण:---इसमें प्रयुक्त अव्यों और पदों का, को सक्क अधिनियम को अध्याय 20-क में परिधाणित हुँ, वही अर्थ होगा को सस अध्यास में दिवा नया हुँ।

## अनुसूची

सम्पत्ति जो डीड नं० <sup>I</sup> 6032 तारीख 4-4-1985 के अनसार भिवन्ध हुआ है।

> शेख नईमुहीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

दिनोक : 9-12-1985

मोहर 🗯

# प्रकृप् नार्षः ही. एन . एस् . -----

बायफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,-3, कलकत्ता

कलकता, विनांक 9 दिसम्बर 1985

निवेश सं० 2038/एक्यु० म्रार-III-85/86-मतः मुझे, शेख नार्धमञ्हीन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पास, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 20% है तथा जो पार्लागंग टेरेस कलकत्ता में स्थित है (ओर इसने उपायद प्रमुख्य में और पूर्ण रूप से बॉगत है) रिजिस्ट्रेकिसी प्रिनिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजिस्ट्रेकिस्म अजिनिकास 1908 (1908 का 18) के प्रजीत सारीख 23-4-1985

को पूर्विकत सम्पास के जाचत बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिकत के लिए बन्तारत की गई है और मूम्से यह विद्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिकल से, एसे दरयमान प्रतिकल के पदृह प्रतिकात स अधिक है

आर अंतरक (अंतरकों) आर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंटरण के अप तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित इद्वीस्य से उथत अन्तरण जिश्वित में वास्तविक रूप से कथित भूषी किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुब्रिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारत (1) के अधीन निम्मिषिक अधिन अधीन क्रियों

(1) श्रीमती सरस्वती दास और ध्रन्य।

(भ्रन्तरक)

(2) जमा जैम।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकारत की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों अर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जरे भी अविधि बाद मों समान्त होती हो, के भीतर प्रकारक म्योक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की हाशीक अ 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति रा हितबप्र किसी अन्य स्यक्ति इवारा अधाहस्ताक्षरी को पास लिक्ति में किए जा सकींगे।

स्पव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सम्मित्त-जो तहला मकान सह अमीन 3क 8छ और डीड नं० 3170 तारीख 23-4-1985 धनुसार निबन्ध हुम्रा है।

> णेख नाईमजहीन सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज-3, कलकत्ता

दिनोक : 9-12-1985

अवस्थ काई. टी. एन. एन.-----

बायकड विधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धाड़ा 269-अ (1) के विधीन स्≌ना

#### भारत वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3 कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 2039/एक्यु० श्रार०-।।।/85-86--श्रत: मुझे, शेख नार्धमउद्दीन

नायकर बांधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

आर जिसकी सं० 55 है तथा जो एजका स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूर्वा में और पूर्ण रूप से घणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 11-4-1985

को पूर्वोवत सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमाब प्रित्यल के लिए बंतरित की गई है और मृभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्परित का अचित याजार बृद्ध, उसके दूरयमान प्रतिकास सं, एस दूरयमान प्रतिकत का पद्ध प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल निम्नलिखित उद्वेदम से उक्त अन्तरण लिखित में अभि वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उनत मुधिन अधिनियम के अधीन कर वेचे के अन्तरक के दायित्व में कमी करने यां उससे वचने में सुविधा के जिए; और/या
- न) ऐसी किसी अय या किसी धन या धन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय आंयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ बतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

बद: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, निम्निट्डित व्यक्तियाँ, अधीर ब्र— (1) मेसर्स श्री नरसिंह सहाय मदनगोपाल इंजीतियरस प्रा० लि०।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती कीशस्या देशी तसनीचाल ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## बक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्येप्य--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीज से 30 दिन की अवधि, भो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकर व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त-स्थावर सम्पत्ति में हितबह्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में सिए जा सकसे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, बो उक्क विधिनयम के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हा, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

#### अनुसू**ची**

रलाट नं० 4 डीउनं० 647के तारीख 11-4-1985 प्रनुसार कलकता में निबन्ध हुया है।

> गेख नाईमउद्दीन सक्षम प्राधिकार सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (तिरीक्षण) भर्जन रेंज-3 कलकसा

धिनोक ' 9-12-1985 मोहर व प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक भायकर जायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकता, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 2040/एक्यु०/१/अार-॥।/८५-४६८/अतः मुझे, शेख नाईमडद्दीन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2 है तथा ों भेर डेमिला गार्डन्स कलकत्ता में स्थित हैं (और इसभे उपाबद अनुभूती में और पूर्ण रूप से लिंगन हैं) रजिस्ट्रोक्तर्त अभिकारी के कार्यालय, आई०ए० सी०/एक्यू० आर-III में रिजर्स्ट्राकरण अधित्यम 1908 (1908 का 16) के अधीत तारीख 14-4-1935

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को शिलए अन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्विषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है :--

- (क) अम्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना पाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्हिलिकात व्यक्तियों, जयित ह—

(1) श्रीमती धलका नन्दा मुखर्जी।

(भग्तरका)

(2) भवानी कर्माशयल प्रा० लि०।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सविधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी उन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

रपध्डीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शन्यों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हुन्नेगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

# मन्स्ची

ं प्लाट नं० सं० क्षेत्र 675 वर्गफुट 37ईई फार्म धनुसार निबन्ध हमा ।

> शेख नाईमउद्दीत सक्षम प्राधिकारी सहायक बायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) बर्जन रेंज-3, कलकक्ता

दितांक 9-12-1985 मोहर प्रक्य बाह् , टी, एन, एस, -----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के समित सूचना

#### भारत सञ्चलक

# अमिलिय, सहायक जायकर नायुक्त (निरक्तिन)

श्रर्जन रेंज-3 कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

तिदेश सं० 2041/एक्यु०/1-मार-Ш/85-86---म्रातः मुसे, लेख राईमडदीत

शायकर गिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाष 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार स्म्म 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी तं 39/1 है तथा जो ल्यान्स टाउन रोड कलकत्ता में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण का से बाँगत हैं) रिजिल्ड्रकर्ती पश्चिकार के कार्यालय एक्यु आर-III कलकता में रिजिल्ड्रकरण श्रधिनियम 100के (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान बितफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित काजार स्म्य, उसके दृदयमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का सम्बद्ध प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंलिरिकियो) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्दोश्य से उन्त अंतरण लिखित में क्रम्सिक्स क्या से कथित नहीं किया गया है है—

- (का) अन्तरण से हुई किसी बाय की बावत उक्त अधि-नियम के बधीन कर देने के बन्दरक के दायित्य धें कसी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) एन्झे किसी आय या किसी प्रभ या अस्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अने कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाडिए था, कियाने में सुर्विधा वै सिए;

बर्गः शव उक्त अभिनियम की धारा 269-ग को जनगरण कं, मॅं, उक्त विभिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के वधीन, निस्नितिश्वित स्थितकों, अर्थास् क्र— (1) मिग्मा प्रा० लि॰ ।

(धन्तरक)

(2) श्री राधेक्याम बांका।

(भ्रन्तरित)

को यह सूचना जारी करके प्योंक्त सब्यत्ति के वर्षन से किए कार्यवाहियां करता हूं।

ब बत संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप व--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी स्पित्सयों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्छ स्पिक्स में से किसी स्पित्स द्वारा;
- (क) इस स्वना के रावपण में प्रकाशन की शारीक है
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
  पत्ति निवित में किए वा कुकींगे।

ह्मब्दुीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### धनुसूची

सम्पति जो फार्म 37 ईई फार्म अनुसार निबन्ध हुद्या प्लाट सं०-5 क्षेत्र 1650 वर्गफूट ।

> शेख नाईमउ**हीन** ंसझम प्राधिकारी सहायक **फायकर भ्रायुक्**त (निरीक्षण) **फ्र**र्जन रेंज∼3, कलकत्ता

विनांक ' 9—12-1985 मोहर :

प्रकृष नाष्ट्री, एम, एस , 🗝 🗝 🗝

भायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के नभीन स्थाना

#### भारत तरकार

## कार्यात्रव. सहायक कामकर जायक्त (विरीक्षक)

धर्जन रेंज · 3, कलकत्ता

कलबाना, दिनांक 16 िसम्बर, 1985

निदेश गं० 2042/एम्प्०-1-आ२०-Ш/85-86---श्रतः म्भे, शेख नाईमउद्दीत

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परमात् 'त अन अभिनियम' कहा नया हैं), की भारा ∠69-ख को अधीन सकाय प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्भावर संपरित , जिसका जिपक बावधर 1,00,000/- क से अधिक हैं

है तथा जो गल्फ ग्रीत काम्पलेक्स और जिमकी सं० फस-III में स्थित है (और इसरे। उपावड धन्सूची में और पूर्ण रूप से विशव है) रिजिम्ड्रकर्ती शिविकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्दीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 8 प्रप्रेल 1985

को वर्षीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम **के करमनान** व्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और अभी यह विश्वका करने का कारण ۴ कि यथभानींक्स संपित्सि का जावस बाबार भारत . जुसको स्वयमान प्रतिकास से ए से स्वयमान प्रतिकास का परवृह प्रतिकात से अधिक ही और अस्तरक (अस्तरकार) और जन्तरिशी (अन्तरिनियों) को सीच लोगे अन्तरक को लिए तय वाबा नवा प्रतिकास, निक्योजिकित अवस्थित से उपस मन्तर्य कि जिल्ला में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ह-

- (क) वितरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियस के अधीन कर दोने के कलारक की बाबिस्द में कामी फारर या उसमें समने में सरिकार खेलिए; बरि/या
- (क) वृक्षी किसी बाद या किसी धन ए। अन्य असिकारों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अभिनियम, या धर-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के योजनार्थ जन्तारती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या विका बाना चाहिए था क्रिपाने में स्विधा के लिए;

वातः वायः, उत्कत विधिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण मं , सं , खक्त समिनियम की भारा 269-व की उपभारा (।) के अभीन, निक्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात :----11-426 GI/85

(1) श्री प्रतब कृष्ण चौध्री।

(अन्तरकः)

(2) आए० भेगादी।

(श्रन्तरित )

को यह सुकना जारी करको पूर्भोक्त सम्पत्ति को अर्थन को सिए कार्बनाहियां सुरू करता हा।

## उनक संपत्ति की नर्जन को संबंध में कोई भी बाध्येष ए---

- (क) इस स्वाम के ध्रायपम में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जमभि या सरबंबंभी न्यक्तिकों पर मुजना की तामीस से 30 विन की वनीय, यो भी अविधि जान में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ष म्यक्तिभागे से संगित्रसी व्यक्ति स्वाराः
- (व) इस क्वना के राजपत्र में प्रकादन की तारीच वी 45 विन के भीतर उच्त स्थावर संपरित में दिसवस्थ **बि.फी अन्य** व्यक्ति दुवारा अश्रोहस्ताक्षरी के पार/ लिधित में दिश्य भा बकेंगे।

स्पन्तिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को बध्याय 20-क के परिभाविक हैं, बड़ी अर्थ होगा, जो अस अध्यास में विका वया है।

प्लाट नं० 5 डीड नं० 2765 तारीख 8-4-1985 श्रनसार निबन्ध हम्रा है।

> शेख नईम्हीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज- 3 कलकत्ता

विनांक : 16-12-1985

## प्रकृष कार्च . टी . एन . एस . --------

# भावकर सिंधीनवम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के संधीन भूचना

#### भारत तरकार

## कार्यालय, सहायक भागवर वाय्कत (निरीक्षण)

ग्रार्जन रेंज, भोषाल भोषाल, दिनांक 18 दिसम्बर 1985

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/6206---श्रतः मुझे, बेद प्रकाण श्रीचास्त्रचन,

भायक प अभिित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गवा हैं), की भारा 269-- ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/-रा में अधिक हैं

और जिसकी सं० व्यावसायिक प्लाट नं० 305, तीमरी मंजिल, है तथा जो 12/2 एवीन्द्रनाथ टैगोर मार्ग इन्दौर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध शनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसके शन्तरण है सम्बन्धित दिवरण स्वत धिरियम की धारा 269, ए, बी के अन्तर्गंत सक्षम प्राधियारी के कार्यालय भोपाल में अक्तूबर, 1985 को पंजीकृत माना गया है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उभित बाजार मृत्य में कम के स्वान्त प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके धरमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल से पन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एमें अन्तरण को लिए नय भाषा गया प्रतिफल, निम्नतिचित उद्देश्य में उसत अन्तरण विचित्त में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है हु—

- (क) अन्तरण से शुर्थ किसी आम का बाबत, अन्तर विभिनियम से वभीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य व्यक्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती क्यारा पक र नहीं किया गर्भ था या किया जाना बाहिए था, किया मा गरिन्थ, के निष्

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को, अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिधित व्यक्तियों, अर्थात ह—

(1) चौधरी इंडस्ट्रिशन एन्ड इत्वेस्टमेंट (म० प्र०) प्राइवेट लिमिटेड,
 12/2 रवीन्द्रशाय टैगोर मार्ग,
 इन्दीर।

(श्रुक्त्रक्र)

(2) मैं० शक्ति को० एक्सटेंशन प्रा० लि०, 'तरफे संचालक, शमिताभ श्रग्रचाल, 313, जवाहर भार्ग, इन्दौर ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उम्स सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई वाधीप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीय सै 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी ज्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होतीं हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ज्यक्ति दवारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उच्कत स्थादर संपत्ति मों हितबह्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पाक विकास में किस या संपत्ति।

स्थानिक रण :--- इसमों प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त विभिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका नेका हैं।

#### अमुस्ची

व्यायमायिक प्लाट नं० 305 (तीसरी मंजिल) 12/2 रवीन्द्रनाथ टैगार मार्ग, इन्दौर में स्थित है।

> वेद प्रकाग श्रीचास्तथ सञस प्राधितम्पी ] सहायक श्रायकर श्रायकत (िरीक्षण) श्रजी रेज, भोगाल

दिनांक : 18--12--1985 मोहर :

## प्रस्क बाह्र ,क्ष्रे , सून् , युन्न , नमनमानुनवननात

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

#### भारतः भरवास

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निर्दाक्त)

भ्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 दिसम्बर 1985

निदेश सं० भाई० ए० सीं०/अर्जन/भाषाल/6207---अतः मुझे, वेद प्रकाश श्रीवास्तच,

भावकर विभिन्न , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रतिधकारी को, यह विश्वास करने का अगरण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी पं० व्यावसाधिक प्लाट नं० III (प्रथम भंजिल) है तथा जो 12/2 एतीन्द्रताय हैगाए मार्ग, इन्होर में स्थित है (औए इसने उपाजक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसके अन्तरण में सम्बन्धित विवरण उक्त अधिरियम को घारा 269 ए बी के सक्षम प्राधि प्रारी के कार्यालय खोताल में अनुसूच, 1985 की पंजीकृत माना गया है

की पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृस्य से कम के वस्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह । बहवास करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्प्रांत्त का जीचन बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एस दश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (कंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफला, निम्नलिशित उद्धादम से उन्त अन्तरण लिखित में वास्त- किया गया है :--

- (क) कम्पाउन स हुर्वकिसी नाथ की बाबत, उक्क बॉथनियम के बुधीन कार इस के बन्दारक के शक्तिया में कामी कारने या उससे बचने में सुनिया के बिएड म्लोद√या
- (क) एसी किन्नी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, किन्नी भारतीय आय-कार बिधिनियस, 1922 (1922 की 11) वा ए उन्हें अस्थानियस, गर धन कर अधिनियस, 1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था विद्या जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः कथः, तकतं अधिनियमं की भारा 269-अं कं अनुसरणं कें, की, उकतं अधिनियमं की भारा 269-अं को तपधारा (1) के विभीतः निम्निसिक्तं अधिनां, विभीतः क्ष्म

(1) खोधरी इंडस्ट्रियल एन्बेस्टमेंट (म० प्र०) प्रा० लिमिटेड, 12/2, रवीन्द्रनाठ टैगोर मार्ग, इन्दौर ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री श्रीनिवास जी अरोरा आत्मज स्व० श्री गोरधन लाल जी अरोरा। भ्यावर, (राजस्थान)।

(अन्धरित )

ाक्ष सङ् सूचना चार्डा करके प्यामिश सम्पन्ति को अवीन को निस्त्र कार्यमाहियां करता हूँ।

## जबत सम्परित् के बर्चन के तस्त्रन्य में कोई भी भारतंत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में फ्रकाइन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पृत्रीं अस व्यक्तिस्थों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उच्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति स्नारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किय जा सकोंगे।

स्वय्योध्यहण - जिस अध्वयः अव्यो जोह नदी तथा, का उपस अधिनियम के वश्याय 20-क मी परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा जो उस वश्याम मी विया गरा ही।

#### धमुसूची

व्यावसायिक प्लाट नं  $^{1}$   $^{1}$  (प्रथम मंजिल),  $^{12}$ / $^{2}$  रवीन्द्रनाथ टैगोर मार्ग, प्रन्दौर में स्थित है।

वेद प्रकास श्रीघास्तव मक्षम प्राधिकारी महासक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, भोषाल

दिनांक : 18--10 ·1985

मोहर '

# प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

# बावकर बाँधीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज़ (1) के बधौन सूत्रना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोषाल

भोपाल, दिसाक 18 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० प्राई० ए० स०/शर्जन/भीपाल/6208---श्रतः मुझे वेद प्रकाण श्रीजास्तव

आयकर किभिनिवस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें एसके पश्चात् 'उक्त अधिनियस' कहा गया हैं), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० खुली भूमि 6487 वर्गफीट एक रुम एवं स्वीमिंग पुल है तथा जो रामबाग, रतलाम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विभिन्न हैं) रजिस्ट्रकर्ती अधिकारी के कार्यालय भागान में जिस्ट्रकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख, जुलाई 1985

को पूर्वोक्त संपीत के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संवत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल सं, एस दश्यमान प्रतिकल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिकल कि से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के जभीन कर दोने के अंतरक के वादित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- [क] एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोखनार्थ अन्तिरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था किया खाना खाना खाहिए था, जियाने में सुविधा में खिड़ा;

जतः जब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुमरण तें, मैं, उक्त जिभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निक्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् हे—— (1) स्वीकुमार आत्मज पर्धमान उफरिया, रितृथन, रामकाग, रतलाम ।

(भ्रन्तरक)

- (1) 1 श्रीमती जाफियाबाई पहिन हफीमुद्दीन
  - 2. मि॰ जोहर आत्मज हफम्हीन,
  - 3. मि० मजहर धारमज हफीम्हीन,
  - 4. मि० युमुक आत्मज हफीमुद्दीन,
  - 5. मि० मुस्तफा आत्मज हफीमुद्दीत सभी विस्ती ताहेरपुरा, रतलाम ।

(ग्रन्तरिती)

का यह स्वता जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहिया गुरू करता हूं।

## उक्त सम्पत्ति को अर्थान को संबंध में कोई भी आक्षेप ह----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बह्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कों।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वयस्यी

खुली भूमि 6487 वर्गफीट, एक रूम एवम् एक स्त्रीमिंग पूल, रामबाग रतलाम में स्थित है।

> वेद प्रकाण श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोषाल

पिनाक : 18 · 12 · 1985

माहर :

प्रक्रम् बार्चः द्वीः एमः एकः सम्पन्नतः

# नावकर मॉन्रियम, 1961 (1961 व्य 43) की भारा 269-व (1) के मभीन त्वना

#### मारत पाएकार

# कार्याज्य, उद्यमक नामकर नामुक्त (विद्राला)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भीपाल/6209---ग्रतः मुझे वेद प्रकाश श्रीवास्तव

और जिसकी गं० दुकान नंबर 27 (तल मंजिल), है तथा जो झाबुआ टावर्स, 170 श्रार० एन० टी० मार्ग, इन्दौर में स्थित हैं (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में ऑश पूर्ण रूप में वर्णित हैं) रिजय्द्रीकर्ना शिक्षकारी के कार्यालय भोषाल में रिजर्स्ट्रिकरण अधितियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के उपमान श्रीत्रकम के लिए अस्त्रित की पूर्व है और मूले वह विस्थान करमें का कारण हो कि अभायुकाँकता संवित्य का उपित बाजार भूत्व, उसके एउअसल प्रतिकास सं, एोग साममान प्रतिकास का पंत्रह् प्रतिकास सं अधिक ती और अन्तरक (कानरकाँ) और जन्तरिती (अन्तरितिकाँ) के दीन एकि अन्तरक के लिए उप पाम प्रवा प्रतिकास, निम्मोसानम उद्शिष्य से उसस बन्तरक निचित हो बान्तनिक तप सं किंगत नहीं किया गमा है क्रिक्ट

- (क) क्यरक ते दुध किसी वाव की वावक समय क्षितियम के वधीय कर वर्षे के क्याक के वासित्व में कमी करने या उससे वचने मी सुविधा क मेल्य: और/धा
- (क) एसी किसी जाज या किसी अन या अन्य जास्तियों करों, जिल्हें भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अभिनियम, वा अपन अस्पितियम, वा अपन असे अभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रवीचनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था जिला में तृतिथा खें शिष्ट;

प्रकार सक, उक्त अभिनिवन की पारा 249-ग के गम्बरण कें, में उक्त विभिनियम की भाग 269-ग की उपभारा (1) ऐंक्सीक, प्रशासिकत व्यक्तिकों अविकृदस्य (1) मेसर्स पारिजात इन्टरप्रदेशेस प्रा० लि०, इन्दौर।

(ग्रन्तरक)

(2) जन्द्रप्रकाश युगराज विष्णु सिह, 3.9/4, न्यू पलासिका, इंदौर ।

(श्रन्सरिती)

को यह स्थान बारी कारके पूर्वीनक सम्मरित के अर्थन के किए कार्यग्रहितां पुरू करता हूं।

डक्त बन्दरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप हरूर

- (क) इस स्थान के राजवन में प्रकाशन की तारीस से 45 विश् की अवधिया सरक्ष्मण्यी व्यक्तियों वर क्षमा की सामीय से 30 विश की नवित्र में भी वस्ति नाथ में स्वाप्त होती हो, के भीतर व्यक्ति कासिसकों में से किसी व्यक्तित् स्थात;
- (क) क्ष्यं क्षणना के राजपन में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीचार उक्त स्थाधर सम्परित को दिलक्ष किसी जन्म स्थापित द्वारा स्थाहस्ताक्षरी के वाच लिखित में किए जा सकरें।

स्यक्षीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### **भन्स्ची**

दुकान नं० 27, झाबुम्रा टावर्स, 170 म्रार० एन० टी॰ मार्ग इंदौर में स्थित है।

> वेद प्रकाण श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक शायकर रायुक्त (निरीक्षण) यर्जन रेंज, भोपाल श्रीयकर भवन होंणगात्राद रोड, भोपाल

दिनांक : 16-12-1985

माहर

## प्रक्रम बाह् ेटी, एन. एस.-----

# ब्राम्प्युः विभिनियसः, 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-थ (1) के जभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जम रेंज, भोपाल

भोपास, दिनांक 16 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्ज न/भोपाल/ 6210---अतः मुक्ते, वेद प्रकाण श्रीवास्तव,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाकार मृत्व 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० दुहास नं० 28 (तल मंजिल) है तथा जो झाबुआ टावर्स, 170, आर० एम० टी० मार्ग, इन्दौर में स्थित है (श्राँग इसने उपाबद्ध अनुसूची में श्रीण पूर्ण क्य से वर्णित हैं) और जिसके अन्तरण से सम्बन्धित विवरण उक्त अधिनियम की धारा 269 ए०वी० के श्रन्तर्गत सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय मोपाल में ग्रवेल 1985 को पंजीकृत माना गया है।

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ज्यामान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मूम्हे यह विश्वास करने, का कारण है कि मध्यम्बेल्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे व्ययमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाचा नेवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण सिचित्त में बास्तिक्स रूप से कथित नहीं किया गवा है :----

- (क्क) अन्तरण से हुई मिल्ली अब की बाबतः, उच्कत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दावित्व मे कमी करने या उससे बचने में तृतिभा के लिए; और/या
- (वा) एसी किसी आव या किसी भन या अन्व आस्तियां को, जिस्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम का भन कर अधिनियम का भन कर अधिनियम का भन कर अधिनियम का 195/ (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

लतः अन, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग के लगुज्ञपण मों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिकित व्यक्तियों, अर्थास् :---

- (1) मैंसर्स परिजात सिनेमेटिक इन्टरप्राइसेस प्राइवेट लिमिटेड, 170 एन० श्रार० टी० मार्ग, इंदौर। (अन्तरक)
- (2) श्री चन्द्रप्रकाश युगराज विष्णु सिंह, 39/4, न्यु पलासिया, इंदौर । (श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों /त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त राष्ट्रित के वर्षन के राज्यन्य में कोइ नो मासीए ---

- (क) इंच त्वा के राजपंच हो प्रकाशन की तारीख से 45 रिश्न की संचीध सा त्र्यम्बन्धी स्विक्तमों पर स्वकः की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाव में समाप्त होती हो, की भीतर प्रवेकि व्यक्तियों में से सिसी स्विक्त स्वारा;
- (क) इस स्वाम के राजपत्र में प्रकाशन की तारील ते बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध श्रेक्सी अन्य व्यक्ति इसारा अधोहस्ताक्षरी के पाम सिवित में किबे जा सकोंगे

रपच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उझत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गयः हा।

## थमुच्ची

दुकान नं० 28 (तल मंजिल), झाबुझा टावर्स, 170, भ्रार० एन० टी० मार्ग, इन्दौर में स्थित है।

> त्रेद प्रकाण श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, भोपाल श्रायकर भवन, होंणगाबाद रोड, भोपाल

दिनांक : 16-12-1985

मोहर 🚁

क्षक्ष कार्य हो तुन युन ्यार्याक्षकान्य

शायकर लोधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वभीत सुपता

#### शास्त्र सहस्रा

# कार्यालय, सहायक नावकार नाव्यक (विद्वालय)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 10 दिसम्बर, 1985

निदेश सं अाई० ए० मी०/ग्रर्जन/भोपाल/6110—श्रत: मुझे, बी० पी० श्रीवास्तव

भायकर ऑशिनियम, 1961 (1961 का 43) (विवे इसमें इसके परवात् 'उमल मिनियम' कहा गया ही, की भारा 269-स के अभीन सभाम प्राधिकारी की वह विकास करवे का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाबार ज्वा 1,00,000/- रा. तं अभिक्त ही

और जिसकी स्० नजूल प्लाट नं० 27, ब्लाक नं० 5 है तथा जो नेपियर टाउन, जबलपुर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुभूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीक अप्रैल,

को पर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मस्य से का के अध्यक्तन प्रतिकल के लिए जंतरित की गई है जार कुने वह विस्थान करने का जारण है कि मधापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिल्हा बाखार कृत्य, उन्न क्यामान प्रतिकल से, एवे क्यामान प्रतिकल का बन्दि क्या वन्तर का जारण है जोर जन्तरक (जानरक) जोर जन्ति का प्रतिक्त का विश्व क्या वन्तर प्रतिकात से विभिन्न है जोर जन्तरक (जानरक) जोर जन्ति क्या (वंतरितिका) के बीच एते जंतरच के लिए तम पाना वचा प्रविक्त क्या, जिल्लासिक उन्ने क्या प्रविक्त के क्या से किया वहीं विद्या वया है क्या

- (क) अन्तरण से हुड़ किसी जाग की वायत, उक्त वर्षित्रियम के व्यक्तिम कर वोर्ग की व्यक्तिक के वर्षित्रभ में कमी करने वा अबसे बचने में सुनिधा के लिए: और/वा
- (व) एपी किसी काथ या रिक्सी धम ना कन्य नास्तिनों को निन्हों भारतीय नाय-कार निर्मानसम्, 1922 (1922 का 11) या उस्त निप्तिसम वा सक्कर महीनीलयम, 1957 (1957 का 27) में अमोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया क्या था वा किया जाना नाहिए था, क्याने में स्विका के किए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को जन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती एस० एलिआस पत्नी एच० टी० एलिआस, सेमुश्रल एलीशस एच० के० एलिश्रास, भा० के० एलिआस, नभी पुत्न, श्री एच० टी० एलिश्रास, निवासी पी-289 दरगा रोड़, कलकला। (श्रन्तरक)
- (2) ग्रलीम बक्श एवं रहीम बक्श, पिता करीम वक्श, निवासी-नया मोहल्ला, जबलपुर। (ग्रन्तरिती)

को यह त्वना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यगाहिया कुरू करता हुं।

जनक सम्मतिक के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोप 🖫

(कई वृद्ध को को राज्यत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 हैंबन को अवधि या तत्क्रप्रवन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वीच, जो और सब्दिश को सर्वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से कि तो शरिकत द्वारा:

(क्की इक स्थान के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीश के 45 दिन के भीतर उन्त स्थानर अग्मित में दितवहुं के किसी नग्य व्यक्ति इनारा अभोहस्ताक्षरी के बाक सिक्ति में किए वा सकेंगे।

स्थानीकरण: --- प्रसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत जीभीत्रमण, के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही जर्म होगा, जो उस सभ्याय में दिया गया

#### मन्स्ची

नजूल प्लाट नं० 27, ब्लाक नं० 5, नेपियर टाउन, जबलपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37-ज़ी में निहित है।

> बी० पी० श्रीबास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल आयकर भयन मैदा मिल के पास भोपाल

दिशांक: 10-12-1985

मोत्तर:

शास्त्र आई. टी. एन. एस. ------

जाबकार जीभीनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ज (1) के जभीन स्चता

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहस्यक जायकर अवयुक्त (निरोज्ञण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनां रु 10 दिसम्बर 1985

त्रिदेण मं० आई० ए० सी०/अर्जभ/मोपाल/6111→-अतः मुझे, बी० पी० श्रीवास्त्रव,

नामकार स्थितियम 1961 (1961 का 43) (शिवा इसमें इसमें इसमें प्रश्नात् 'उपस मिथिनियम' कहा नवा ही,, सौं भारा 269-स के स्थीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्यास कारने का सहस्र है कि स्थायर सम्बत्ति जिन्ना उचित्र वाचार मूल्य 1,00,900/- रा. से मिथक है

ष्प्रीर जिसकी सं शम्पति शियरिंग नं 813, 814, 815, एवम 816 (पुराप्ता नं 337, 337/1, 337/2, 337/3), प्लाट नं 27 पर है एथा जो ब्ला प्र नं 5, नेपियर टाउम जबलपुर में स्थित है (ग्रांस इससे उपावक अनुसूची में ग्रांस, पूर्ण क्य पे वर्णित है) रिजल्ड न्ती अधि शासी क कार्यालय, जबलपुर में रिजन्द्री हरण अधितियम 1908 (1908 का 16) के अधीत नारीख अप्रैल, 1985

को पृथिक्त सम्पत्ति के उत्तित याजार मृत्य से कम के रश्यान प्रितक्ष के लिए अन्तरित की नई है और मुक्त नह निक्ताल करने का कारन है कि स्थापूर्वित तम्मीत्त का जीवत साकार मृत्य उसको रश्यमान प्रतिकल से, एसे रश्यमान प्रतिकल का के प्रितकल के अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंकिरती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरन के सिए तब पाया गया प्रतिकल, निम्नलिसित उन्दिय में उसल अन्यरण किकित में वास्तिकक रूप से किथा नहीं किया गया है श्र-

- (क) अभ्यारण संहुद्दं किती साय की बाब्स, उपस् विश्वियम के अधीन कर दोने के ब्रुलाह्रक के दायित में कनी करने या उससे बच्चों में सुरीवना के सिए; सीह/वा
- (स) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य कार्यस्त्रकों को, फिन्हें भारतीय जाय-कर जिधीनवन, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधीनवन, मा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए?

शतः कवः, उत्ततः अधिनियमं की धारा 269-ग को जनसरकः मां, भां, अकतः अधिनियमं की धारा 269-थ की उपभारा (1) भां अधीराः, निस्नलिधितः व्यक्तिकारं नथातः ६(1) एउ० एलियास, पत्नी श्री एव० टी० एलियास, एवं सेमुअल एलियास एच० के० एलियास, बी० के० एलियान, सभी पुत्र श्री एच० टी० एलियास, पी-289, दरगा रोड़, जनकत्ता ।

(अन्तरक)

(2) आणीप कुमार, पिता देवेन्द्र कुमार जैन, निवासी-गोल बाजार, जबलपुर ।

(अन्तरिती)

ना मुद्द सुभाग जादी करके पृयांकत सपति को वर्जन को लिए कार्यपादिकों मुद्द करता हुं।

उन्हां सम्बद्धि के नर्जन के सम्बन्ध में कोई मार्थाव :----

- (क) इस ब्यंश के रायधन में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की नविध सा तत्स्वन्यन्थी व्यक्तियों कर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी नविध साद में समाप्त होती हो, जे भीतर पूर्विक्त व्यक्तिवाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीब वं 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास बिचित में किए जा सकोंगे।

स्वक्षत्रकरणः --- इसके प्रमृक्त कव्यों और पर्यों का, को उक्स आयम्बर हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा हैं।

## **अमृस्**ची

सम्पति नं० 813, 814, 815, एवं 816, (पुरामा नं० 337, 337/1, 337/2, 337/3,) प्लाट नं० 27 पर, क्लाक नं० 5, नेपियर टाउम, जबलपुर में स्थित है । यह यह स्थावर सम्पति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती हारा सत्यापित फार्म नंबर 37—जी में मिहित है।

वी० पी० श्रीवास्तव
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर अधुक्त (निरीजण)
अर्जन रेंज, भोपाल
आयकर भवन,
मैदा मिल के पास, भोपाल

दिमां ह : 10-12-1985

मोहर ः

अरुप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प के अधीन मुननां

#### भारत सरकार

कार्यालया, महायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) अर्जा रेज, सोताल

भोषाल, दिनाक 10 दिसम्बंग 1985

िर्देश सं० आई०ए०मी √यर्ग /भोताल/८१।२०-व्यतः सले. वी० पी० श्रीशस्त्राः

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-म के अभीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृख्य 1,00:000/- रा. में अधिक हैं और जिसकी नेव मका। है तथा के कटो। जानाव, गिविन नाईमा, अधपुर में नियह है (और इसो उत्तब श्वम्ची में और पूर्ण का से विश्वर है) जिल्ही वर्ग पालिनों के कार्यालय, जारपुर में जिल्ही का जिल्ही वर्ग पालिनों के कार्यालय, जारपुर में जिल्ही का जिल्ही का 1908(1908 का 16) के जाशी: पालिस 1985

को प्योंकर सम्पत्ति के उत्तित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गर्ड है और मुझे यह विश्वास करने का जारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिशत स अधिक ही और अंतरित (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्त्रिक एए में त्रीकृत मही किया गया है :--

- (क) अन्तरण मं हुन्हें किसी आय की बाबत, उक्त मियम के अधीन कर दाने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य ास्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाड़िए था, छिणने भी स्विधा को निए;

( ं क्रांभमा चंदा एकी श्री ही काल चंदा है। विश्वी —कटोल तालाब, रायपुर ।

(भन्तरक)

(१) भी अवीक्षी किया विवेदनाल मेहला विकास चौतासभाषा अप्रपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षेप ':--

- (क) इस सबना के राजपण मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अमिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध याद मो समान्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मष्टिकरणं: — इसमें प्रयुवि शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुधी

मकार बद्धारा राखाय, सिवित लाईन्स, रायपुर में स्थित है। इर वर्ष स्थानर संस्थित है जिसका संपूर्ण विवरण प्रशिक्ति होत्र सन्सानित फार्च तंत्रर 37 जी में विहित है।

> वी० पी० श्रीदास्तव मक्षम प्राधिकारी (िरीश्री) सामका द्यायका श्रायुक्त श्रापका भाषाल श्रीपका भाषाल मैंसा सिल के पास, सोबाल

पारीण : ३० व ा ः व 985

मीहर्दर:

# प्ररूप बार्ड टी एन एस -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) को अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोषाल, दिनाक 10 दिसम्बर 1985

িইण सं० श्राई०ए०सी०/श्रर्जन/शोषाल/६३.13-…श्रत: मुझे, वी०पी० श्रीवास्थव.

भायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स की अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट, ख० तं० 1487/3, 1487/7 हैं, तथा जो मंगला, बिलासपुर में स्थित हैं (और इसमें उपायड अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बिलासपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिकाम 1908(1908 का 16) के अधीत, अभैत 1985

को पूर्वोचित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए उत्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यभाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ब्ल्य, इसके द्रायमान प्रतिफल ते ऐसे द्रायमान प्रतिफल का जंद्रह् प्रतिश्रत से गिभक हैं और जन्तरक (जंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के जिए तय पाया बन्न प्रतिकात, निम्नीनिदित उद्दोश्य से उवत बन्तरण जिलिक में बास्तविक रूप से काजित नहीं किया गया हैं हु—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: उब: उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अओ:, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री विमन्तात उक्तं विमन्तात पिता श्री पुरुषात्तम भाई पटेल, निवासी---जूना विलामपुर ।

(अस्तरकः)

(2) श्रीमिति शकुंतला देवी पत्नी श्री भगवानदास गोयल, विवासी--- नवाभारा, राजिस तहसीत रायपुर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकिरण :-- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अन्स ची

प्लाट, खब्नंव 1487/3 एवमं 1487/7, **संगला,** बिलासपुर में स्थित हैं। यह वह स्थावर संपत्ति हैं जिसका संपूर्ण विवरण अत्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 **जी** में निहित है।

> वीं० पीं० श्रीकारत**ण** सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षण महायव ग्रायकर श्रायक्त) ग्रार्जन रेंज, प्राधान श्रीयकर भवन, मैंदा भिल के पास, भोषाल

नारीख: 10 ·12··1985 मोहर: प्रारुप माइ. टी. एन. एस.-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमता

#### भारत सरकार

कार्यात्रय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रामं⊲ रेज, भाराल

भोपाल, दिनका 10 दिसम्बर 1985

निदेश मं० ऋ।ई०ए०भी०/अर्जन/मं।आल/७114--- श्रतः मुझे वी ०पी० श्री वास्तव,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'; की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का सारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सर प्लाट नं 40/2(थीट नर 121) है. तथा जो पबरागुडा, जगदलपुर जिला वस्तर में सिवा है (और इसने उनाबद्ध अनुसूची से और पूर्ण रूप से विधित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगदलपुर में रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारम 1908(1908 का 16) के अधिन, अप्रैल 1985

कां पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किवार में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण सं हुई किसी नाय की बाबत, उनसं विधिनियम के अभीन कर दानें के अन्तरक के बाबित्व में कमी करन या उससे बचने में सुविधा के बिए; बार/बा
- (भ) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्च लिल्लिम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः असं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिय पिताओं, अधीन है—

 (1) श्री भवानी फिला मनमाराम कोण्टा, निवासी---पथरागुड़ा, जगदलपुर,
 जिला बस्तर।

(श्रन्तरक्)

(2) श्रीमित बीजू बांस पत्नी श्री चिन्मय बांस. निवासी---जगदलपुर. जिला-बस्तर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की संबंधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पद सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (का) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की गराख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति र रहतबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकर्ग।

स्पच्छोकरणः — इसमें प्रयुक्त क्षव्यों सौर पदां का उनका अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वया है।

## **मन्**स्ची

प्लाट नं 43/2(शीट नः 12), मोहल्ला प्रयशगुष्ठा, जगदलपुर में स्थित हैं यह बह स्थावर सम्पति हैं जिसका संपूर्ण जिवरण प्रान्तरिती हारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में तिहित है।

वी०पी० श्रीवास्तच सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त श्रजंन रेंज, भोपाल) श्रायकर भवन, मैंदा मिल के पास, भोपाल

तारीख : 10--12--1985 मोहर :

# प्ररूप आइं.टी.एन. एस.-----

लायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रार्गन रेंज-भीपाल

भोपाल दिनाक 10 दिसम्बर 1985

निदेण सं० भ्राई०ए०मी०/श्रकीत/भाषाल/6115 - अत:मुझे, वीरुपी० श्रीकारतव,

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सुरु किला रीका में स्थित हैं। तथा को अस मेमुदा तहसीत हुनूर जिला रीका में स्थित हैं। (और इसने उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण कर में घणित हैं) र्राजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के वार्यालय रीका में रिजिस्ट्रीकरण अधिक्यम 1908(1908 का 16) के अधीर, क्षेत्रेल 1985।

को पूर्वाकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्दर्शित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित राजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतर्थक (अंतर्थकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के शिष एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित धर्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किशत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाब्त, उक्त बिधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

बत: अत्र, उक्ट अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिण्यतः ने भारा १६०-भ की उपधारा (1) के अभीन निम्मासियत क्लियों, अर्थात् ह— (1) श्री ती श्रद्ध सिंह पिता श्री नामकुमार सिंह, देवशानिमंत्र पिता केदार सिंह दोतों निवासी --ग्राम सिमुदा, तहसीन हजूर, जिला रीवा।

(अन्तरक)

(2) ग्रारिफ कंसट्रवसन्स (प्रा०) लि० मि० 28. नघलकिणोर, हजरतगंज (उत्तर प्रदेण)। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना नारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति को अर्थन को लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपेत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अयोह ताक्षरी के पास विस्ति में किए जा सकींग।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनयम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### धनुसूची

भूषि छ० ग० 400/656, याम सुमैदा वहसील हजूर जिला रीषा में स्थित है यह वह स्थाधा संपत्ति है जिसका संपूर्ण विघरण धन्तरिती द्वारा सत्यापित फसुर्म नं० 37जी में तिहित हैं।

> वी० पी० श्रीषातस्य सक्षम प्राधिकारी सहासक ग्राधकर श्रायुक्त (जिरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-भोषाल

ਰ(ਮਿੱਯ : 10-12-1985

4GJ₹.

# प्र**कल सहर्य . की , इन**ु **एक**ुरूप्रकल्य

काव्यार व्यथितियम, 1961 (1961 का 43) की वादा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### मारव पञ्चार

## कार्यालय, बहुबक अधकर बाबुक्त (निर्द्रीवान)

ग्रर्जन रेज-भोषाल

भोलाल, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निदेश सं० श्राई०ए०सी०/श्रर्जन/भॅग्याल/७१16---श्रत: मुझे. वी०पी० श्रीवास्तव,

बाबक्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इक्क परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन कतम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित राजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

अर्थर जिसकी संख्या घ्लाट नं ।/10, ।/38(णीट नं 98, 108) है, तथा जो कसोराभास, बुम्हारपुरा चाई, जगदलपुर में स्थित है (अर्थः इसमें उपाबद्धः अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्मा अधिवारी दे कार्यालय जगदलपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिविदम 1908 (1908 का 16) के प्रधीत अप्रैल 1985

की प्योंक्त नंत्राहित के तीकत बाजार मृज्य से कम के स्थयकान शिक्षण के किए बन्हारित की नहीं ही बार मुक्ते यह विश्वास क चने का कारण ही कि बथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार क्रिये, उसके स्वासन श्रीतक्षण से, एंसे स्थयमान श्रीतक्षण को प्रतिक्रम का पंत्रह प्रतिक्रम के विश्व शिक्षण ही और अंतरक (मंतरका) और अंतरिती (नंतरितियों) के बीच एंसे बंतरण के किए तय याया गया प्रतिक्रम के किए तम वाया प्रतिक्रम के किए तम के विश्व में बास्य विश्व क्ष्मण में किया नहीं किया गया हैं?—

- (क) बस्तरण से हुई फिली बाब की बाबता, उबस बाँधिनियस के अधीत कर दोने के कलरक के इंटिन्स को अधी करने या उससे यचने हो श्रीवधा के लिय, और/या
- (स) एथी किसी साथ या किसी अन या सन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बासकार अधिनियस, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियस, सा धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती क्यार प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना आहिए या, छिपाने में सुजिभी की लिए;

अस: अज, उक्कत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण माँ, माँ, उक्रत अधिनियम की धारा 269-प की उपयागाँ (1) को अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीन '--- (1) श्री कुंदर्जासह पिता सरदार तारा सिंह, चित्रासी-स्रोधपोरी जिला कोरापूर, उड़ीसा ।

(भ्रन्तर्क)

(2) श्री मलकित सिंह पिता सरदार मंगासिह, ट्रक ड्राइघर, बालाजी वार्ड, जगदलपुर, जिला बस्तर।

(अन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्षन के किए कार्यनाहिसां करता हुई।

शक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आह्मेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय दें 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नव्धि, वो भी नव्धि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर धूवीं कर ल्यां कतायों में से किसी व्यक्ति इवास;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के वार्ष निधित में विश्व जा सकेंगे।

ध्यावडीकरण :---इसमें प्याप्त शब्दों और पदौं का, वो अवद अधिनियम के अध्याध 20-क में परिभाविद्य हैं, बहुी अर्थ होगा ओ उस अध्यास में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट नं ।/10. 1/38 (शीट नं 98 108), कनोरानारा, कुस्डारपुरा वार्ड, जगदलपुर में स्थित हैं। यह बह स्थावर सम्भिन हैं जिसका संपूर्ण विवरण श्रन्तरिती द्वारा सन्धापित कार्म नंब : 37 मी में निहित हैं।

> त्री० पी० श्रीवास्तत्र सक्षम प्राधिकारी महासक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोषाल ग्रायकर भवन मैदा मिल के पास, भोषाल

नारीख : 10 -12 -1985

मोहर '

## 

# बायकर विभिन्तियम, 196१ (1961 का 43) की पाछ 269-भ (1) के बभीन स्थना

#### भारत सरकार

## कार्यानय, सहायक बायकर आयक्त (निरक्षिक)

ग्रर्जन रेज, भाषाल

भोषाल, दिनाक 10 दिसम्बर 1985

निवेण सं ब्याई०ए०सी०/श्रर्जन/भोगाल/६।17→-अतःम्झे, बी०पी० श्रीवास्तव,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्मे इक्क परचात 'उक्त विभिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाषार मृश्व 1,00,000/- रत. से अधिक **है** 

और जिसकी संख्या मकान नं० 776 एवम प्लाट नं० 144 है, तथा जो बड़ी ओमती, जबलपूर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से चिलत है। रिजस्दीकर्ता श्रविकारी के कार्यालय जबलपुर में रजिल्हीकारण श्रधिकियम 1908 (1908 का 16) के ऋधीन, ऋप्रैल 1985।

कारे पूर्वोक्त संपत्ति के उपित वाजार मुख्य से कम के बच्यमान पतिकस के लिए बन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाबार नुस्य, उसके दश्यमान प्रतिकत से एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्यह प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाथा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देवय से उक्त वन्तरण **क्षिति** में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) क्रम्तरण से हुई किसी बाय की वाबस्त, स्वत विधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक बं दायित्य में सभी करने या उचने इचने में सुन्धि। चंकिए; सर्∕ना
- (क) ऐसी किसी बाद वा किसी धन वा कन्य वास्तियों का, जिल्हें भारतीय बाय-कर मिं भिनियम, 1922 (1922 का 11) यो उक्त विधिनियम, बा भनकर वीधीनसभ, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती वृतारा प्रकट महर्ति किया थवा भाग किया बाना चाहिए था कियाने के क्षिमा में जिए:

बतः नव, उक्त निधनियम की भारा 269-ग के नन्सरून में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) 🔹 बधीन निक्ससिष्ति व्यक्तियों टभास ६---

(1) श्रीमति णान्तीदेवी पन्ती गारीणंकर जयसवाल. निषामी- बडी ओमती, जबलप्र ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मदललाल श्रानंद पिता श्री श्रमरनाथ श्रानद, निवासी छोटी आमती, जबलपूर्।

(भ्रन्तरिती)

करें यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सभ्यक्ति के वर्षन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

## बन्द सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध के कोई भी आक्षेत् हुन-

- (क) इस सूचवा के राजपत्र में प्रकाशन की तारोच से 45 दिन की जविभ या तुत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की वामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बदिय बाद में समाप्त होती हो, के भीतह प्वॉक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (व) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्ववद्या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जासकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्यान में गया है। .

#### मनुसूची

मकात नं० 776, वडी ओमती (प्लाट नं० 144 पर) ब्लाक नं० 91, जमलपुर में स्थित है यह बहु स्याचर सम्पत्ति हैं जिसका संपूर्ण विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> वी०पी७ श्रीवास्तव मक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त भ्रर्जन रेंज, भोपाल

सारीख : 10--12--1983

मोहर !

प्रक्रम बाह्र . टी. एन. एस.,-----

सायकार गरिशीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वाना

#### बार्ड सामार

## कार्यालय, सहायक कायकर कायुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज, भोषाल

भोपाल दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निदेश मं० ग्राई०ए०सी०/ग्रार्जन/भोषाल/६।। 8----ग्रत मुझे, बी०पी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें शिक्त प्रकात पंजन सिमिनियम कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का फारण हैं कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबाद मृज्य 1,00,000/- रा. सं अधिक हैं

अर्थर जिसकी संख्या मंकान, प्लाट नं० 618 पर, स्कीम नं० 9. बलपुर डबलासेंमेंट जएशारिटी है, तथा जो शास्ती नगर, दमोह नाका, जबलपुर में स्थित हैं (और इससे उपा-बद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जबलपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908(1908 का 16) के श्रधीन, श्रप्रैल 1985।

को प्रोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के क्यमान प्रतिश्वल के लिए अन्तरित की गई है और बुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा कत नंपत्ति का उचित वाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिश्वल में, एसे दृश्यमान प्रतिश्वल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के चिच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिश्वल, निम्नलिखित उद्धास से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से क्रियत नहीं का गया है:—

- (क) बन्तरक से शुद्र किया नान की बावत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरल के वामित्व में कमी करने या उससे वचने से सुविधा के निष्: अपिट वा
- (व) ऐसी किसी बाय ना किसी वृत ना बन्य वास्तिनों का, जिल्हां भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 की 11) या उन्हें विधिनियम, या पनकर विधिनियम, पा पनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्यरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा पाहिए था कियाने में वृत्वा के निवदः

नतः वन, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग है बन्सरल व. में, धक्त विधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (।) श्री भहेणदत्त मिश्रा पिता इण्यदत्त मिश्रा, तिवासं - ५४७, शान्ती सगर, दमोड जाका जवलपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री सतीय चन्द्र शर्मा पिता श्री गया प्रसाद, जिस्थिनियाः 92, लाईगंज, जबलपुर ।

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पृवाँक्त संपत्ति के वर्चन के विश् कार्यवाहिया करता हुं।

## उक्त बंगरित के अर्बन के संबंध में कोड़ भी बाक्सेड रू---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर स्वना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांबत व्यक्तियों में में किसी स्थित ख्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पाव सिवित में किए जा सकेंगे।

त्यक्षीकरणः - इतमे प्रयुक्त सन्दों और पदों का, वा उपक अधिनियम, कं अध्याय 20-कं में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विभा मुक्षा हैं।

#### अन्सुची

प्लाद तं ० 618 एवम महान, स्कीम नं ० १, जबलपुर इवलरमें ९ एथारिटी, शास्तीतगर, दमोह नाका, जबलपुर में स्थित है। यह घह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अस्तिरिती कारा सहाहित फार्म नेवर 37 जी में तिहित हैं।

> वील्पी० श्रीवास्तव सक्षम प्रशिकारी निरोक्षी सहायक श्रापकर श्रायुक्त शर्भन रेंज, भोपाल

नारीख : 1,0~12 ·1985 मोहर : प्रकृष् भार्षः, टी. एन्. एस.-----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 के 43) की भारा 269-भ (1) के अभीत स्थता

#### मारद सरमार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण)

श्रजन रेज भंगाल

भोपाल, दिलाक 10 दिसम्बर 1985

निदेश सं० श्राईल्ए०सी०/अर्जन/भं,पाल/6119--- अतः मुझे, बील्पी० श्रीचास्तव

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उन्कत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या भूमि ख० तं० 442, 443/2 है, तथा जो वार्षाह्या कला तहसील हजूर, भोषाल में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुभूषी में और एणे का ये पिता है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोषाल में रिजिस्ट्रीन करण अधितिसम 1908(1908 का 16) के अधीत, अप्रैल 1985।

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके कायमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक हैं और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) बन्तरण से हुक् किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससं बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बाष्टितयों को जिन्हों भारतीय द्वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ... अधिरियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) ते प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा हो निम्

अतः घब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के मैं, उक्त अधिनियम की धारा-269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:--- (1) श्री गिरधार लाल पिता संवरजीत् विवासी - ग्राम वायदिया कला, वहमील हजूर, जिला भोषाल ।

(शन्तप्क)

(2) सीमा महकारी गृह निर्माण महवारो संस्था द्वारा अध्यक्ष श्री श्रब्दुल रणीद पिता तूर खान, 5/75 स्त्रीगंकर नगर, भोगाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधी, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्रा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: -----देसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नग्तुची

भूमि ख नं० 442, 443/2, ग्राम वाष्टिया कला तहसील हजूर जिला भौगाल में स्थित हैं यह बहु स्यावर सम्पत्ति हैं जिसका संपूर्ण विवश्ण अस्तरिती द्वारा सल्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित हैं।

> वी०पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी (चिरीक्षी सहाराक प्राप्तकर श्रायुक्त हार्बन रेंज, भोषाल)

व(रीख : 10-12-1985 मोहर : प्ररूप आइ'.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के अधीन मचक

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 दिसम्बर 1985 निर्देश मं अहिं प्राई०ए०मी श्रीजन/भोपाल/ 6120--श्रतः मुझे, व्हीं जी अधिसत्तव,

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारणे का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 1514 का भाग (नया नं० 1514)3) है तथा जो कटरा रीवा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय रीवा में रिजस्ट्रोकरण श्रधिनियम .1908(1908 का 16) के श्रधीन, श्रप्रैल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के बरवजान प्रतिफक्ष को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित काजार मृत्य, उसके बर्यमान प्रतिफल से, ऐसे बर्यमान जीतकस के गंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और बंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गंधा प्रतिफस निम्निसिक्त उद्देश्य से उक्त बंतरण बिश्वित से शास्त्रिक क्यू से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) बन्धरूप में हुई फिकी जान की बाजूब, उक्क बिजियन में बचीन कर देने के बन्धरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी अन्य वा किसी अन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर निभिन्यन, 1922 (1922 को 11) या उक्त विभन्यन, या चन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रबोधनार्थ बन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था वा किया जाना चाहिए जा, स्थिपने में त्विधा शक्ति के स्थान के सिक्य,

- (1) श्री जोरोन्द्र कुमार वर्मा खुद व अहैमियत मु० श्राम 2 नगरींग प्रसाद वर्मा 3 देवेन्द्र बर्मा 4 मुझीर कुमार वर्मा 5 डा० प्रवीण कुमार पिता स्व० डा० हीरालाल बर्मा, श्रीमती विनोदनी वर्मा पुत्ती श्री हरिहार।
  - (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमित मेहम्दा बानो पत्नी नईमृद्दीन 2. फ रूक्-दीन तनय मोहमृद्दीन 3. नामृद्दीन तनय, नई-मृद्दीन 4. नजमृद्दीन (श्रवयस्क) 5. शम्स श्रालम (श्रवयस्क) द्वारा मंरक्षक पिता श्री नईमृद्दीन, निवासी--कोठी , रीवा।

(अन्तरिती)

को यह तुम्मा चारी करके पूर्वोक्त तस्मिति के वर्षम के किए कार्यवाहियां भूक करता हुं।

## ब कर सम्मरित के वर्षन के संबंध में कोई भी बाबीप ह---

- (क) इत स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की कविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की संबंधि, को भी ककिय नाम में समाप्त होती हो, के भीवर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध कि वी बन्य स्थिति द्वारा बधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकी।

स्पथ्यीकरणः -- इसमें प्रयुक्त बन्दों और पदों का को सक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्य होगा, को उस अध्याय में विका नया है।

#### अनुसूची

ण्लाट नं० 1514/3 का भाग (नया नं० 1514/3), कंटरा तीया में स्थित हैं। वह यह स्थावर सम्पत्ति हैं जिसका संपूर्ण विवस्ण प्रस्तरिती हारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित्त हैं।

बी० पी० श्रीबास्तव सक्षम प्राविद्यारी (तिरीक्षी सहायाः श्रायक्षर ग्रायुक्त यर्जन रेंत्र, भोपाल) यायहर भवत, मैदा मिल के पास, भोपाल

तारीख: 10-12-1985

मं(हर:

## प्रकथ नार्च हो . एन . प्स् . -----

कायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्वना

#### मारत तरकार

## कार्यासम, सहामक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांवः 10 दिसम्बर 1985

निदेश सं० ग्राई०ए०सी०/ग्रर्जन/भोषाल/6121—ग्रतः मुझे, की० पी० श्रीवास्तव,

जासकर अधिनिवन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या महान नं 15/570 है, तथा जो एम जो रोड़, रायपुर में स्थित है (भ्रारं इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधि-कारी के कार्यालय रायपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908(1908 का 16) के श्रधीन, श्रप्नैल 1985

को प्वंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तिरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के सिए; और/या
- (च) एसी किसी अप या किसी धन या अप्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-धनकर बिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्ती औ व्यारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

बत: शब, उक्त अि तसम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, जिम्मीकित क्यांक्रियां, अधीत :---

- (1) (1) मेसर्भ भारता टाकीन (इंडियन पार्टनरिशप फर्म रिजि०)
  - (2) लिनत कुमार निवारी पिता २५० श्री प्रयामचरण निवारी 3. श्रीमती उपा निवारी पत्नी लिल्ल कुमार 4. लोकेण निवारी, जवाहर नगर, राजमातागांव, रायपुर । (ग्रन्तरक)

(2) एशियन इलेक्ट्रिकस्स (इंडियन पार्टनरिशप फर्म) जवाहर नगर, रायपुर।

(ग्रन्तरिती)

## का वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सन्तरित के वर्षन के विष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त अपित के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 विक की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाक निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों बाँर पदों का, जो उक्त अभिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गवा ही।

#### यम्सूची

मकाम नंबर 15/570, एम०जी० रोड़, रायपुर में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण ग्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> वी०पी० श्रीबास्तव पक्षम प्राधिकारी (तिरीक्षी सहाय आयक्त ग्रजंब रेंग, भोषाल) श्रीयक्षर भवन, मैदा मिल के पास, भोषाल

नारीख: 10 12--1985

महर :

प्रस्प नाहं. टी. एन. एस. - - -

# नायक विभिन्निम, 1961 (1961 का 43) की पाछ भारा 269-व (1) के क्षीन स्वमा

#### WINE WITH

# भाषीं भव , बहावन्छ भाषकर नायुक्त (विद्वार्थाण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांकः 10 दिसम्बर 1985

निवेश सं० ग्राई०ए०सी०/ग्रर्जन/भोपाल/6122--ग्रतः मुझे, बी०पी० श्रीवास्तव,

आयंकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क की अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00.000/- रु. से अभिक हैं

स्रीर जिसकी संज महान नंज 17,57 है, तथा जो रिव नगर, सिविल लाईन्स, रायपुर में स्थित हैं (स्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण कम से बिणत है) रिजस्ट्री-गर्सा अधिकारी के कार्यालय रायपुर में रिजस्ट्रीकारण अधि-नियम 1908(1908 हा। 16) के श्रधीन, सप्रैल 1985 को पूर्वेक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि वथा प्योंभत सम्पंति का उणित याजार मृस्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्न-विविधत च्यूबरेय से उन्त नंतरण विविधत में नास्त्रिक स्थ से क्रिभत नहीं किया गया है :—

- (क) वन्तरक से हुए किसी बाय की वावस, उपस् वृषितियम से वृषीन कर योगे से मृन्तरक के श्रीवरूप में अभी करने या उत्तर वचने में सृत्विथा के चित्र; महि/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधीवनार्थ अन्तरिती व्वाधा प्रकट नहीं किया गयथा या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा खे जिल्हा;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कै अनुसरण में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निक्की निवित्त व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्रीमति प्रमीला श्रीवास्तव पत्नी कीरसलाल श्रीवास्तव, निवासी-- राजा तालाब, रायपुर।

(अन्तरः )

(2) श्रीमिति अर्थना श्राचार्यं पत्नी डा० प्रभान श्राचार्यं निवासी रिव नगर, सिविल लाईन्स, रायपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त कम्पत्ति के वर्षन की दिख्य कार्यवाहियां करता हुं

अक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप हरू

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद स्थान की तामीश से 30 दिन की व्यक्ति, शो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांवः व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बक्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरीं के पास सिचित में किए पा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरण: ---इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पत्रों का, जो अवस् अधिनियम के अध्याव 20-क में परिभाषिक हैं, नहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विका गया हैं।

#### यनुसूची

मकान, 17/57, रिव नगर, राजा तालाब, रायपुर में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति हैं जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित हैं।

वी०पो० श्रीवास्तव मक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक श्रायकर प्रायुक्त धर्जन रेंज, भोपाल) श्रायकर भवन, मैदा मिल के पास, भोपाल

तारीख: 10-12-1985

मो8र :

## प्रकप बाई . सी . एन . एस . ------

# बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत त्तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायूक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 दिसम्बर 1985

निवेश सं० आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/6123—अतः मुझै, वी०पी० श्रीवास्तव

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रकात 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या भूमि खा० नं० 445, है, तथा जो मौजा अमागिर्द में स्थित हैं (श्रीर इससे उपबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्राकर्सा अधिकारी के कार्यालय बुरहानपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908(1908 का 16) के अधीन, अप्रैल 1985

को पूर्वित सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रशिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब बाबा गया। प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुर्द किसी आय की, बाधत, सक्त अधिनियप के अधीन कर दोने के अंतरक को दायित्व में कमी करने या उससे वचने में जुनिधा के लिए; और/या
- (क) एेसी किसी आय या किसी भन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

अर्थ: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनूसरण व. म., उक्त अधिनियम की भारा 269-**ण की अपभारा (1)** के अभीत, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थासु:—— (1) श्री मुरेश भाई घल्द प्रभुदास पटेल, निवासी---नया मोहल्ला, बुरहानपुर जिला खण्डवा।

(ग्रन्तरकः)

(2) श्री किशानलाल उर्फ चोइथराम वर्त्व राधामल अड्यानी, निवासा—-सिंधी बस्ता (मेंधान केंप), बुरहानपुर।

(ग्रन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्चन के किए वाहिया शुरू करता हूं

**अक्त** सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में को**ई भी वाक्षेप**ः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इसस्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितकक्ष किसी जन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकिस में किए जा सकरेंगे।

स्मव्यक्तिरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो सक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिना गया हैं।

## मम्स्ची

कृषि भूमि ख० नं० 445, मौआ श्रमागिर्द तहसील बुरहानुपूर में स्थिन हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति हैं जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी में निहित हैं।

वी०पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त ग्रजन रेंज, भोपाल) ग्रायकर भवन, मैंदा मिल के पास, भोपाल

नारीख: 12-12-1985

प्रकप बाई.टी.एम.एस.-----

बानकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यासक, सहायक जायकर जायकर (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनाँक 12 विसम्बर 1985

निदेश सं० ग्राई०ए०सी०/ग्रर्जन/भोपाल/6124—-ग्रतः मुझे बी०पी० श्रीवास्तव

करवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त धिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० भूमि ख नं० 445 है तथा जो मीजा भ्रमागिई में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपबद्ध श्रनुसूकी में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बुरहानपुर सें रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, अर्थेल 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिम्मिनयम के क्थीन कर दोने के जंतरक के दायित्व में कमी करने वा उससे वच्छे में सुविधा के सिए; जौर/वा
- (वा) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य वास्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-वार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या विभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ बन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुनिधा की किया;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित्:--- (1) श्री गुरेश भाई बल्द प्रभुदास पटेल, निवासी—निया मोहल्ला बुरहानपुर, जिला खण्डवा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री लालचंद उर्फ साँबलदास वरूद राधामल ग्रड-वानी, निवासी——मिधी बल्ती (मेंधानकेम्प) बुरहानुपर, जिला खण्डवा।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं ।

## उन्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकार न की तारी के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकोंगे।

स्पच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवय गया है।

## अनुसूची

भूमि ख नं० 445, मीजा श्रमागिई तहसील बुरहानपुर में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति हैं जिसका संपूर्ण विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित हैं।

> नी०पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी) सहायक श्रायकर श्रायुक्त श्रर्जन रेंज, भोपाल श्रायकर भवन मैवा मिल के पास, भोपाल

तारीख: 12-12-1985

# 

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-४ (1) के अभीन स्थमा

#### भारत सरकाड

# कार्यासय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्रण)

ग्रर्जन, रेंज भोपाल

भोपाल, दिनाँक 10 दिसम्बर 1985

निवेश सं ० ब्राई०ए०सी०/ब्रर्जन/भोपाल/6125--श्रतः मृझे, बी०पी० श्रीवास्सव

आयकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं मकान ऋमाँक 711 वार्ड नं 34 है तथा जो कृषि उपन मण्डी समिति, भिण्ड में स्थित है (ग्रौर इससे उपायक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय भिण्ड सें रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन **भ**प्रील 1985।

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उपित बाजार मृख्य संकम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार बृत्य, उसके स्त्यमान प्रतिफल से, एसे स्त्यमान प्रतिफल का **गन्त्रह प्रतिशत से अधिक है औ**र अन्तरक (अन्तरकों) और बंदरिती (अंतरिशियाँ) के बीच एसे अंतरण के निए तय पाया बना प्रतिकत् निभ्नतिबित बद्दरेश से उन्त नंतर्य विविद्ध में शास्तविक रूप से कथिय नहीं किया गया है 🏣

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा केलिए: और/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी भन या अन्य जारितयों को, जिन्हों भारतीय भागकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, याधन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

असः क्षवः, उक्त अधिनियम की धारा 2.69-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलि सित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) भी हरिशबंद एवमं रतनचंद जैन, निवासी---गल्ला मण्डी भिण्ड०।

(मन्तरक)

(2) श्री राजन्द्र कुमार पुत्र दलफसराय जैन, निवासी--पुस्तक बाजार, भिण्डा०।

(भ्रन्तरिती)

को बहु सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सुरत करता हुः।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप हन्न

- (क) इस सूचना के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 विन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों सूचनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी **बंबिय बाद में समाप्त होती हो**, को भीतर पूर्वीकर न्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के युजपज में प्रकाशन की शारील सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मा हित-बबुध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

**रमुच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और** पदो का, प्राध्यत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगाओं उस अध्याय में दिया गया है।

#### भनुसूची

मकान ऋमौक 711, बार्ड नंबर 34, कृषि उपज मण्डी सिमिति, भिण्ड में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति है। जिसका संपूर्ण विवरण भन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्मन म्बर 37 जी में निहित हैं।

> वी०पी० श्रीनास्तव सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी) सहायक भायकर भायक्त ग्रर्जन रेंज, भोपाल ग्रायकर भवन मैदा मिल के पास, भोपाल

तारी : 10-12-1985

भक्य बार्ड*ु द*्रि पुत्र<u>ः</u> पुत्र<sub>ः</sub>-----

नायकर निपिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नभीन सुचना

भारत मरकाडु

कार्यात्तय, सहायक अध्यक्त काय्क्त (निर्दोक्तण) भ्रजन, रेंज भोपाल

भोपाल, दिनौंक 18 विसम्बर 1985

निवेश सं० श्राई०ए०सी०/ग्रजँन/भोपाल/6126—श्रतः मुझे, वी०पी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/ रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी संख्या मकान स्यु० नं०5/1042 है, तथा जो जवाहर नगर कालोनी, लग्कर में स्थित हैं (भ्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता सिधकारी के कार्यालय खालियर में रिजस्ट्रीकरण सिधिनियम 1908 (1908 का 16) के सिधीन, सप्रल 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उसित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उसित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधि-यिश्वित्यम के अधीन कर दोन के अम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में मृतिभा के लिए; और या
- (का) सोसी जिसी आय ता जिसी धर या जन्म आस्तियी को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 । 1922 जा 111 सा उक्रत अधिनियस, या जन-कर आधिनियस, 1947 (1947) को 1777 से अग्रेसियस, 1947 (1947) को 1777 से अग्रेसियस कोर्निय को श्री प्रकार के किया कोन्य को शिक्ष को विष्टा के किया कोन्य को श्री के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निमनलिखता व्यक्तयों, अर्थात् क्र-

- (1) श्रीमित कमल कृष्ण गोखले पश्नी कृष्णनारायण गोखले (2) श्रीमती सौ० का० ज्योत्सना रोबड़े पत्नी काशीनाथ पड़ानन, यशवंत, दिलीप पिता कृष्ण नारायण गोखले, श्रीमती सविता पश्नी कृष्ण नारायण नई सड़क लक्ष्कर, ग्वालियर ।
  - (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमित दिपीका चाकणकर पत्नी श्री माधनगोविन्द चाकणकर, निवासी दाल बाजार, लक्ष्कर

(भ्रन्तरिती)

को वह स्वना जारी करके व्यक्ति सम्मति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्परित के अर्जन के मंजंध में कोड़ों भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधिया सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस स्चना के राजपण में प्रकाशन की तारीच है 45 विन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य श्यांक द्वारा अध्यक्ष्मित्र के योज सिचित में किए जा सकरेंगे।

स्यव्योकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का., आ ७०५० कि नियम के अध्याय 20-क में पिरशाधित हैं, वहीं कर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नगृज्ञी

मकान म्यु० नं० 50/1042, जवाहर कालोनी, लघ्कर ग्वालियर में स्थित हैं। यह वह स्थायर सम्पत्ति हैं जिसका संपूर्ण विवरण धन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37जी में निहित हैं।

> बी०पी० श्रीवास्तव मक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त श्रर्जन रेंज, भोपाल श्रायकर भवन मैदा मिल के पास, भोपाल

तारी**ख**: 10-12-1985

मोहरः

## भ्रम् बार्षः ही, एवं, एवं, ----

गंश्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अधीन स्थान

#### भारत स्रकार्

# कार्याजव सहयक शायकर वाय्वत (गिरीक्षण)

धर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनाँक 10 दिसम्बर 1985

निदेश सं० म्राई०ए०सी०/म्रर्जन/भोपाल/6127→-म्रतः मुझे, वी०पी० श्रीवास्तव,

बाबकार वौधनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इसमें इसमें ध्रमों प्रचात् 'उन्ता निर्धानियम' नहीं गया हैं), की बाद्य 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अचित वाचार मून्य 1,00,000/-रा. से निधक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या मकान नंबर 87 बाई नं० 18 है, तथा जो लुंहागीपुरा, विदिशा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रीधकारी के कार्यालय विदिशा में रिजिस्ट्रीकरण ग्रीधिनयम 1908(1908 का 16) के भ्राधीन, ग्राप्तें 1985

का पृथांचित संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्यायाय प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथा पृष्विक्त सम्परित का अचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से,, एसे दृष्यमान प्रतिफल से प्रमुख प्रतिकत से अभिक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच अंतरण के लिए तय गया गया प्रतिफल निक्नसिचित उद्वेषय से उक्त अंतरण सिचित में बासिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) सम्बद्ध वं हुई सिखी बाव की बान्छ, उन्ध् विवृत्तियम से नशीय कर दोने के बंतरक के दासित्व में क्यी करने वा अवदे वचने में वृद्धिता के निष्; वॉर/या
- (भ) देशी किसी बाव वा किसी भव वा वृत्य नास्त्रक्ते को, जिल्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या चन-कर अधिवियम, या चन-कर अधिवियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गुमा था सा किया जाना शाहिए था, किपाने में स्थिश के विष्:

शत: अव, उक्त विभिनियम की भारा 269-म के अनुवर्भ वे, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की रापभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित स्वेक्तियों, अर्थात क्र~~ (1) श्री सधुकर राव पुत्र वासूदेव राव मंडिये, निवासी—चीर हकीकत राय मार्ग, विदिशा।

(श्रन्तरक)

(2) श्री सतीश पुत्र सदाशिवराव पंडित, निवासी अस्पताल रोड, विदिशा।

(मन्तरिती)

को वह तुम्बा बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन् के क्लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उत्पत्त सम्मतित के वर्षन के सम्मन्त के कोई भी वासरे :---

- (क) इस सूचना को प्रचनन को प्रकासन की तारीक हो 45 दिन की ननीत्र वा तरसंत्री क्यांकितकों पर सूचना की ताबील से 30 दिन की समीध, को भी जबीध बाद को तबाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वाप्त;
- (व) इस तुवना के राजपन में प्रकावन की तारीथ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य स्थिति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवास में किए या सर्वींगे।

स्पाक्तीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों बीर पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के सम्बाद 20-क में परिभाषित हाँ, यहाँ वर्ष होगा जो उद अध्याद में दिया दश हैं।

#### अनुमूची

मकान नं० 87, वार्ड नंबर 18, लुहाँगीपुरा, विदिशा में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति हैं जिसका संपूर्ण विवरण श्रन्तरिती द्वारा मत्यापित फार्म नंबर 37 जी० में निहित हैं।

> वी० पी० श्रीवास्तव सञ्जम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, भोपाल

तारी**व**: 10-12-1985

मोहरः

可以证 海流",是一个中心地方。

बायकर बांधनियम, 1961 (1961 का 43) की पार 269-म (1) के वधीत स्वतः

#### भारत सरम्बाह

## भार्यांत्रय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण)

ं ग्रर्जन रेंग, भोपान

भोपाल, दिनांः 10 दिसम्बर 1985

निदेश सं० ग्राई०ए०मी०/ग्रर्जन/भोपान/6128---श्रतः मुझे, वी०पी० श्रीवास्त्रव,

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उबत अधिनियम' कहा गया हैं)., की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की कह निश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपवत्त बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी संख्या सकान नं० 57, बाइ नं० 17 है, तथा जो विदिणा में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसुनी में भीर पूर्ण रूप से विणा है) रिस्ट्रिक्ती अधिकारी के कार्यालय विदिणा में रिजिस्ट्रीक्षण अधिनियम 1908(1908 का 16) के अधीन, अर्जन 1985

कर पृथित सम्पत्ति के जिल्त गाणाय सृत्य सं क्रम के क्रयमत प्रतिगत के लिए अन्तरित की धर्म है और मुद्दों यह विक्रम करने का कारण है कि यथापृथाकित संपत्ति का उचित बाजार मृश्या, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एोगे क्ष्यमान प्रतिफल के पंचा प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रति-फन, निम्नलिकित उद्योक्य से उचत अन्तरण लिकित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है: ---

- (क) जन्मरण ते हुई फिक्षी साम की बायता, बहुत निर्मातमा के अभीन धार कीने के अन्तरक के वास्तिक में कभी कारणे पा भूपसी निर्माणिक के निर्मा कार्य/का
- (क) ऐसी किसी जाम या किसी धन या अन्य आस्तिवों की, जिन्हीं भारतीय काय-कर अधिनियन, 1970 (1922 का 11) या अवल अधिनियम, वा धन-कर पश्चितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अल्लिकिय व्याध प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना साहिए का कियाने में संविधा औ जिल्हा

कात- अब, एकत व्यक्तियाम को धारा 269-भ के अमुमारक मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (।) से अधीत जिल्लीलय व्यक्तियों, स्थान १००-१ 14—426 GI/85 (1) श्रीमती गुलाब बाई शर्मा पुत्नी श्री रामिकणन शर्मा पत्नी हर प्रसाद शर्मा, निवासी ज्यानगर, विदिशा।

(युन्तर्यः)

(2) 1. श्री राधवजी 2. मिन्त मिह्, डा० तिल ते, श्रमृतलाल मोहनलेलि, मुरेण, डा० विनोद, धनस्याप, सरीण, निश्रासी - गण-विदिणा ।

(श्रन्सरिती)

को शक्ष सुचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के तिए कार्यवाहिल कराया हों।

शक्त संपत्ति के अर्जन के मंत्रध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविध मा तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की ताशीम से 30 विन की जनिय, जो भी अपर्णि साह में नमान्य होती, को भीतर प्रकेश व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित बुवारा;
- (क) इस स्कार के राजपण में प्रकादम की तारीच थे 45 दिन है भीतर तकन स्थातर संगतित में नित्रकृष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोन्स्ताक्षरी के बार रितिशत में किए जा सकोंगे।

हरामहोन्द्रश्याः प्रस्ते प्रस्ति प्रस् हौ, बही मधी होगा जो उस नध्यान ने दिया गण्या है।

## अमुसुची

एक मंजिला मकान नं० 57, वार्ड नंबर 17, विदिशा में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति हैं जिसका संपूर्ण विवरण क्लिरिनी द्वारा शत्यापित फार्म गंबर 37 जी में निहित हैं।

> वी०पी० श्रीवास्तत्र सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रायकर भवन, मैदा मिल के पास, भोपाल

तारीख: 10-12-1985

माहर :

प्रकल्प आद्दै .टी . एन . एस . ------

# स्थापक समित्रियम, 1961 (1961 का 43) स्थी भारत 289 घ (1) के संभीत सुखता

#### भारत सरकार

क्षप्रधानकः सहामक आयकर आमृक्तः (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंन, भोषाल

भोपाल, विनांक 10 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० ग्राई०ए०सी०/ग्रर्जन/भोपाल/6129--श्रतः मुझे, वी०पी० श्रीवास्तव,

कारकार भौगीनमा, १६६१ (। व.६) का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवास 'क्या नीभौगनम' बहा गया हैं), की भाष 200-च के अभीम अक्षम गरिककारी ज्ये यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मीत जिसका क्षित भाषार मृत्य 1,00,000/- क. से अभिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या मकान, म्यु०नं० 21/9, है, तथा जो शास्त्रो मार्ग, नीमच में स्थित हैं (श्रीर इससे उपबद्ध अनुमुची में भ्रीर पूर्ण रूप से बणित है) रिजस्ट्र, जर्चा ग्रीव जरी के बार्यालय नामच में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908(1908 का 16) के अधीन, अप्रैल 1985

- (क) अन्तर्भ सं हुई किसी बाब की आयस उन्त वाध-प्रियम के कभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में साविधा क लिए; वर्षिया
- (स) श्रेची किसी नाय वा किसी भग वा अन्य आस्तियों करो, चिन्हीं भारतीय नाय-कर निश्वीत्वम, 1922 (१०६०१ का 11) या उच्छा निश्चियम, या ध्य-कर निध्विध्यम, 1957 (1957 छ। 27) को प्रयोजनार्थ अन्यदिती स्वादा प्रकार नहीं किया गया भा या किया जाना शाहिए था, खियान को स्विधः की निष्ह

अस: अप, उक्त अधिनियम की पारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (१) नै क्षीन, निम्नतिकित व्यक्तियों अधीत :--- (1) केसरी ज्यापिता श्री प्रज्याल भंडारी, गोर्वमेंट क्वाटर्स, तहगाल आफिम के पीछे, नीमच ।

(ग्रहत्त्र 🖯 )

(2) श्री पवत कुमार दुबे पिता श्री परमुराम दुबे द्वारा पंजाब नेगनल बैंह, नीमच केंट्र।

(ग्रन्तरिती)

स्त्रे सूच सूचका जारी सरके पूर्णोक्स सम्बरित के अर्थन से तिस् कार्यपारीहर्म सूच अस्त्रा हो।

क्षप्रका सन्तरिक भी अर्थन को बन्नान्थ में कोई भी अवश्री १---

- (क) इस ब्याना के राज्यत्र में प्रकाशन की उपरिवा के 45 दिन की अविधि या सरसंविधी क्यें क्यितायों कर स्थान की सामील से 30 दिन की अविधि, इसे की नविध थाद में समाप्त होती हो, ने भीतर प्रविका व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित दुवारा;
- (क) इस स्वाप के राजपण में प्रकाशन की सारीय के 45 दिन के भीतर अवया स्थानर राम्पीत में हिरावस्थ किसी जन्म स्थावस ह्यारा अभोहस्तासरी में जन्म फिल्ल न स्थिए या अधीय ।

### मनुसुची

महान विवरिंग म्यु० नं० 21/9, शास्त्री मार्ग, नीमच में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति हैं जिसका संपूर्ण विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी मे निहित हैं।

> बी०पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी निरीक्षण महायक ग्रायकर ग्रायकत ग्राजन रेंज, भोपाल ग्रायकर भवन मैदा मिल के पाय, भोपाल

नारीख: 10-12-1985

शक्य नार्<sup>क</sup>ः डी, यन्, एकं <sub>स</sub>न----

भाषकर विधितिक्स, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के विभीत सुवना

#### भारत सरकात

## कार्यासन, सक्षावक कावकर नाम्कर (निद्वासन)

ग्रर्जन, रेंग भोपान

भोपाल, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निर्देश सं ः प्रार्ट्ड ०ए०सी ० / अर्जन / भोपाल / ६१३० — अतः मुझे, वी ०पी ० श्रीवास्तव,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात (उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का अधिक है कि स्थायर सम्पर्ति, विस्का स्वित बाबार सूक्य 1,00,000/- क. से अधिक है

र्आर जिसकी संख्या म ान नं० 31 है, तथा जो स्नेह नगर, मेन रोड़, इन्दौर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबढ़ प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण इस से विणित है) रिनस्ट्री इसी प्रधिकारी के कार्यालय झांसी में रिनस्ट्रीय एण अधिनियम 1908(1908 का 16) के श्रधीत, श्रप्रैल 1985

करे पृष्टिक सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य में कम के दश्यमान प्रित्रक के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह जिस्तास करने के कारण हैं कि यथापूर्वोंक संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके रह्ययान प्रतिकार से एसे राज्ययान प्रतिकार का नम्ब्रह प्रतिकार है अधिक हैं और अन्तरिक (अंतरिक) हैं सीर अंतरिती (अन्तरितियों) के तीन एमें अन्तरण के निष्ट्र तम पाया नवा प्रतिकाल निम्नतिथित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण कि सिथ्त में अस्थित कर वास्तरिक के वास्तरिक के वास्तरिक के वास्तरिक के वास्तरिक कर में किथान नहीं किया गया है द—

- (क) अन्तरण से धुर्द फिसी बाव की वावत, अवस अधिनियम के अधीन कर वाने से सन्तरक के शरियल में कमी करने या उससे वचने के सुविधा औक्षिए; अदि/वा
- (क) एसी किसी अप या जिली धन या अन्य शास्तिओं को, जिल्हें भारतीय बाव-कर विधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उच्या विधिनियस वा धनुकार विधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्यरिती ध्वाय प्रकट नहीं किया गया भाषा या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के सिष्:

क्त: जब, उक्त अधिनियम की धारा 250-न जै अनुसर्थ मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) प्रेमलतः अगल, पंकार, अमान, यामिनी, आमिनी, 80, जानकी नगर, इंदौर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ग्रशोक कुमार, राकेश कुमार, सुधीर कुमार एवं दीपक कुमार, 172, जावरा कम्पाउंड, इंदौर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बक्ति के अर्थन के जिए कार्यशिक्षण करता हूं।

## डक्त बुम्परित के बुर्चन के बुक्करभ को कोई भी आयोप ्र---

- (क) इस स्वमा के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दद सूचना की तामील से 30 दिन की जबभि, को और जबभि आद में समाप्त होती हो, के भीदार प्योक्त स्वीक्तयों में से सिसी स्वीक्त द्यादा;
- (स) इस त्यमा के रायम में प्रकासन भी तारीय से 45 विग के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोह्नताक्षरी के पास निस्तित में किए वा सकोंगी।

स्पष्टिकारण:---इसमे प्रयूक्त कब्दी और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क जे परि-भाषित ही, वही अर्थ होगा, को उस्त अध्याय भे दिया गया ही।

#### अनुस्ची

मकान नं० 31, स्नेह नगर, मैन रोड़, इन्दौर में स्थित हैं।जयह वह स्थावर सम्पत्ति हैं जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिनी द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37जी में निहित हैं।

> बी०पी० श्रीबास्तव सक्षम प्राविकारी निरीक्षण सहायक स्रायकर प्रायुक्त स्र्यांन रेंक, भोपाल स्रायकर भव मैदा सिल के पाक भोपाल

नारीख: 10 12-1985

मोहरः

प्रकप नाहाँ दी एन एस . -----

ज्ञायकर नृषितिकम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के वारीत सुत्रना

#### तारत स्टब्स

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निर्देशक)

म्रर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांवा 10 दिसम्बर 1985

निदेश सं ० प्राई०ए०सी०/ग्रर्जन/भोपाल/ 6131----ग्रतः मुझे, वी०पी० श्रीवास्तव,

भाषकर विधिनियभ, 1961 (1961 का 43) (विसर्वे इसकें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के संधीन संक्षम प्राधिकारों को यह विश्वणाम करने का कारण हैं कि स्थानर सम्परित. भिक्षका अधित बाखार श्रृक्ण 1,00,000 - रो. में अधिक हैं

स्रोर जिसकी संख्या मकान नं० 31 है, तथा जो स्नेह नगर, इंदौर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्री जर्ता स्रधिकारी के कार्यालय इंदौर में रिजस्ट्री करण श्रधिनियम 1908(1908 का 16) के अधीन, श्रप्रैल 1985

को पूर्वोक्स संपृत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के श्रममान प्रतिफल के लिए संतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित् बाजार मूक्त, उत्तक कावमान प्रतिफल है, ऐसे क्यमान प्रतिफल का पंतह प्रतिफल की पंतह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (ब्राह्मित्यों) के बीच एसे बन्दरण के निए एस पामा भवा प्रविक्त का विश्वासित्यों) के बीच एसे बन्दरण के निए एस पामा भवा प्रविक्त का विश्वासित्यों की बीच एसे बन्दरण के निए एस प्रामा भवा प्रविक्त का विश्वासित्यों की विषय का स्वास्त का स्वास्त की का स्वास्त की स्वास्त की का स्वास्त की का स्वास्त की स्वास्त की का स्वास्त की स्वास की स्वास्त की स्वास्त की स्वास्त की स्वास्त की स्वास्त की स्वास की स्वास्त की स्वास की स्वास

- [क) बन्तरण ते हुई किसी बाव का वावरा, जनत अधिक्षित्रक के वर्षीय कार क्षेत्र के बन्दरक की वाक्षित्रक को सार्वा कारने वा काससे स्वतं को सुनिधा को किए: अफ्रिंगा
- का प्रशिक्ष नाय या किया थन वा वन्य आरख्या की, जिल्हा सारतीय अल्य-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत. अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, थीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को उपधारा (।) की को अधीन. शिस्तिसिंत व्यक्तियों, अर्थात् ं— (1) प्रेमलता श्रमल, पंजज, असल, यासिनी एवं कामिनी निवासी-80, जानकी नगर, इंदौर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमति प्रकाश कीर एवं सीमारंजीत कीर, निवासी--30 ए, प्रेम नगर, इंदौर।

(श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यनाहिया करता हूं।

उन्त हन्यति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षप :----

- (क) इस स्वमा के रावपण में प्रकाशन की तारीं है 45 दिन की नविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की सविध, जो भी सर्वाध बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तित्वों में से किसी स्वक्ति द्वारण,
- (ण) इस सुष्मा के अवरण में प्रकावन की तारींण र 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास १६६ छ सो दिन् का सकीये।

स्थानिकरणः -- इसमें समुक्त सम्बाँ भीर पर्यो साह की समझ हाँ परिवादिक में सभाव 20-क में परिवादिक हाँ हों यही क्षे होता को उस सभाव में दिया यहा हों।

#### अनुसूची

मकान नं० 31, स्नेह नगर, इंदौर में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति है िस । संपूर्ण विवरण ग्रन्तरिनी बारा सस्यापित फार्म नंबर 37जी में तिहित है।

> वी०पी० श्रीवास्तव सक्षत प्राधितारी (निरीक्षण सहायक श्रायाः प्रायुक्त श्रर्जन रेंज, भोपाल श्रायकर भवन मैदा मिल के पास, भोपाल

सारीख . 10 12-19**85** मोहर ३ प्रकृष बार्च । दी , एन , प्रा ,-----

आयकर अभिनियत्र, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-च (1) के अभीन स्वता

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक कायकर भागुक्त (निर्दाक्षक)

श्चर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निर्देण सं० प्राई० ए० सी०/अर्जन/मोपाल/6132---श्रत: मझे, वी०पी० श्रीघास्तव

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार सुम्ब 1,00,000/- रा. संक्ष्मिक है

और जिसकी सं० प्रिंम है तथा जो आम फोपरार कर्ता, तह० बुरहानपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) र्याजस्त्रीकरी श्रीधकारी के कार्यालय बुन्हा एपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिकरम 1908 (1908 16) के श्रधीन तारीख श्रीक, 1985

कां पृबंक्ति सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि संभापृवॉक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, असके दश्यभान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात सं आंधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितिकों) के नित्र एसे अन्तरण के लिए तम पाया गवा प्रतिफल, निम्निजिक्ति उद्योध्य से उक्त अन्तरण निवित्त के सारतिक रूप से अर्थिक सुद्धार से उक्त अन्तरण निवित्त के सारतिक रूप से अर्थिक सुद्धार से उक्त अन्तरण निवित्त के सारतिक रूप से अर्थिक सुद्धार सहित्य गया है द

- (क) अन्तर्भ ६ हुए हिंगाची बाग कही बागरा, अन्तर अधिनियम के गुभीन कर क्षेत्र के अन्तरक की दायित्व में कमी कारने या उसस अवने में सुविधा औ टिग्रम; गाँग/गा
- (स) एसी किसी जाय वा किसी धन वा अन्य कास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धन-कर ऑधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था वा किया जाना चाहिए था, जिना में विकास के सिक्स

बतः नंद, उक्त निर्मानयम की भारा 200-ग की, नन्सरक नं, में, उक्त निर्मानयम की भारा 269-म की उपभारा (1) क कभीग, निम्नानिक्ति स्वितस्यों, अभित् :— (1) श्री प्रख्तर हुनैन पिता शमशेर श्रली बोहरा, निवासी खैराती वाजार, वार्ड, बेरी, मैदान, बुरहानपुर।

(सन्तरक)

(2) श्री गैलेश कुमार पिता मुरेशचन्द चौकर्य ता० बली सुरेशचन्द पिता बाबूलाल चौकसे, निवासी-फोपनार कलां, तह० बुरहानपुर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारौ करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

#### ब बचा सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सहसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हिसबक्ष किसी अन्य व्यवित द्वारा अभोहम्ताक्ष्य में किये जा सकनी।

स्पन्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनक अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस नध्याय में दिवा नथा हैं।

#### वनुसूची

भूमि, सम्पत्ति का खाता तं० 250, ग्राम फोपनार कलां, तह० बुरहानपुर में स्थित है यह बह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण शन्तरिती द्वारा सत्वापित । में नंबर 37जी में विहित है।

> ती ० पी ० श्रीवास्तव मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, भोपाल

दिनांबा: 10-12-1985

प्ररूप नाइ टी एन एस . -----

नायकर मुभितियर,, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-भ (1) की मभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भागकार आयक्त निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० मी०/भ्रर्जन/भोपाल/6133/---ग्रंत : मझे बी० पी० श्रीवास्तव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिते इसमें इसमें प्रभात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- को अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी लंब प्लाट नंब 10 है तथा जो जमालपुर, भोगाल में स्थित है (और इसमें उपायंद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय भोगाल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रेल, 1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के जब्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्प्रित का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पंजा प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिमित उद्वेश्य से उन्त अन्तरण निजित में बास्तविक क्य से कि अस नहीं कि बा गया हैं:——

- (क्क) अन्तरण ते हुई किती शाय की बाबत छक्त अधिनियस की वधीन कर दोने के जन्तरक की दावित्व में कभी करने वा उससे वचने में तृषिधा की किक्क और/वा
- (क) श्रंसी किसी आव मा किसी भन या अन्य शास्तिवाँ को, जिन्हों भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जो प्रयोजनाओं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा भा या किया जाना चाहिए भा, जियाने में बुविधा वो लिए;

अतः अव उच्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, मी, खचत अभिनियम की भारा 269-च की उपभाराण (1) को अभीन, निम्मसिखित व्यक्तियों, अभीत् दे—  श्री खूयचन्द वैलानी, पिता श्री अर्जनदाम जी , निषासी-श्री-१, पुराना वैरागढ़ ।

(अन्तरक)

(2) नारायण दास पिता हीरूमलजी, मनोहरलाल पिता हीरूमलजी, निवासी-एल० शाई० जी० पी०-10 जमालपुर, भोपाल।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करकी पूर्वोक्त कर्मात्त के जर्बन के शिवस् कार्यवाहियों करता हूं।

ब कत सम्परित को जर्जन की संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख ते 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी ब्यक्तियाँ पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी जो पास लिखित में किए जा सकीं।

स्वकारण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का जो उकत जीव-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, जहाँ अर्थ होगा जो उस अध्याय में विषया गया है।

#### नमुस्की

च्लाट नं ० 10 पर, जमालपुरा, भोपाल में स्थित है यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण ग्रन्तरिती द्वारा संस्थापित फार्म नं 37 जी में निहित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरक्षण) ग्रर्जन रेंज. भोपास

दिनांक: 10-12-1985

मोहरि 🖺

# प्रकल बार्ड : हो : इस : इस : - - - - -

# लायभार लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के लभीन सुभाना

#### बारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोषाल

भोपाल, दिनांक 10 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/6134—ग्रत: मुझे वेद प्रकाश श्रीवास्तव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.00.00/- रह से अधिक है

और जिसकी मं० ओपन प्लाट न० ई-42 है तथा जो साकेत नगर, इंदौर में स्थित हैं (और इससे उपावस अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रेल, 1985

कें: पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रियमान प्रतिफल का प्रवह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जंतरितियों) के बीच एसे अंतरक के किए सब बाबा चया प्रीव-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुए किसी बाब की अन्तर, उपव गरिपनियम में अवींन कर दोने में अन्तरक में सामित्य में क्यों करने ना उसने अवने ने सुविधा में विकास मीर/ना
- (व) ऐसी किसी बाग या किसी धन या बच्च जास्तिओं को, जिस्ही भारतीय जानकर अधिनियन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियन, बा बन-कर अधिनियन, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जातिरही इंबारा प्रवट नहीं किया क्या वा या किए। बाना वाहिए उट कियाने को सिक्ध के सिक्स के सिक्स के सिक्स के सिक्स के सिक्स के

अतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की अपूसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा /1) के जधीन, निस्तिसित व्यक्तियों, अधीत :--- सतगुरुदः स चरनदास सत्संगी,
 श्रीमती श्रमर पत्नी सतगुरुदास सत्संगी,
 गुरुशरनदास चरनदास सत्संगी,
 निवासी जी-1, विक्टोरी कालोनी,
 इंदौर ।

(भन्तरक,

(2) श्रीमती कलाबाई पत्नी सुगनचन्द, धेनुबाई पत्नी ठाकुरमल, निवासी-993, बाबुगली, महू।

(अस्तरित)

को सह स्थाना कार्री फरक प्राप्त सम्मिति के अर्जन के लिए कार्यपहिना करता हूं।

उपत तम्मीत के अर्थन के बज्यन्य में कोई भी शक्य हु-

- (क) इस त्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीख की 45 दिन की अवधि या तत्त्वस्वत्थी व्यक्तियों वर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, को और अवधि वाद में समाप्त होती हो, से मीसर पृथ्विक्त व्यक्तिमाँ में से फिली व्यक्ति हवाक;
- (क) इत त्यमा के धवपन में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किवित में किए वा तकोंगे।

ल्याकारण:---इसमें प्रमुक्त सन्तों और पर्यों का, को उक्कें अधिनियम के सभ्याय 20-क में प्रियाणिय ही, यही अभी होगा, को उस सभ्याय में विका स्था हीश

## लम् सुची

ओपन प्लाट नं० ई⊶42, साकेश नगर, इंदौर में स्थित है । यह वह स्थावर सम्पन्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंवर 37 जी में निहित है ।

> वेद प्रकाश श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 10-12-1985

मोहरा :

प्ररूप बार्ह. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियः, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोषाल

भोवाल, दिनांक 10 दिसम्बर, 1985

निदेण सं० आई० ए० सी॰/अर्जन/भोपाल/6135---श्रतः मुझे, बेद प्रदाण श्रीबास्तव

शायकर भीभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उभित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 25 है तथा जो रामबाग, रतलाम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध धनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिल्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय रतलाम में रजिस्ट्रीकरण ध्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन तारीख श्रप्रेल, 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास अरने का कारण है कि सभापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रमृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित अद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तीयक रूप से कियात नहीं किया गया है:—

- (क) अस्तरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती द्वारा प्रकट कही किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

क्त गर्भ, ११६० क्षेपितित्य की धारा २००-ग औ अनुसर्भ औ, भी, उक्त अधिनियम की धारा २६९-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखिस व्यक्तित्यों, नर्भात् हिन्स

(1) श्री बद्रीनारायण राठी, पिता श्री गोपीकिशन राठी, निवासी वो बत्ती, रतलाम।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती निर्मला पंत परनी श्रीललित प्रसाद पंत, निवास-1, लोकेन्द्र भवन, कम्पाउन्ड रोड, रतलाम ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिस् कार्यवाहियां करसा हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ्---

- (क) इस सूचना ने राजगत्र मों प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मों समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 विश्व के शीतर जनत स्थायर सम्पन्ति में हितअव्ध किसी अन्य व्यक्ति वृक्षारा अधोहस्ताअरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

त्वक्कीकारणं:—-इसमें प्रयुक्त जन्दों और पर्दों का, जो उनक जीभीनयमः, के अध्याय 20-क में पीयकानिकां हैं, बही अर्थकांगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसन्ती

मकान नं० 25, रामबाग, रतलाम में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> वेद प्रकाण श्रीवास्तव सक्षम प्राधिका री सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण श्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक। 10-12-1985 मोहर । प्ररूप बाई. टी. एव., एस.,------

# बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन धुवना

भारत सरकार

# अवस्थिन, सहायक नायकार नायुक्त (निरीक्रण)

घर्जन रेंज, भोपाल

भोताल, दिनौंक 10 दिसम्बर, 1985

निवेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भीगाल/6136—प्रतः मझे, वेद प्रकाश श्रीवास्तव

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यात (उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार अस्व 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० मकात नं० 810, (पुराना नं० 385/1) है, तथा जो नजूल ब्लाक नं० 5, प्लाट नं० 27, नेपियर टाउन, जबलपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्द्री कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय जबलपुर में रिजस्द्रोकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के मधीन तरिका प्रप्रेस, 1985

क्यं प्रांकत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयंत्रन प्रिक्ति के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार क्या , उचके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल के पन्तर प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिगों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न लिखित उव्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण वं सुद्रं किसी शाय की बावत अवस बांध-दिव्य के अधीन कर दोने के अन्तरक के बादित्य के सभी करने वा उबसे नचने को सुविधा के विक्ये; स्टि/या
- (क) ऐसी किसी बाय वा किसी वन वा अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय वायकर अधिनियंत्र, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियंत्र, या धन-कर अधिनियंत्र, या धन-कर अधिनियंत्र, 1957 (1957 का 27) के प्रवायनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट महीं किया नवा था एर किया नामा बाहिए था, कियाने में विवधा भी किए;

(1) श्रीमती एस० एलियास पत्नी एच० टी० एलियास, सेमुझल एलियास, एच० के० एलियास, बी० के० एलियास, सभी पुत्र एच० के० एलियास, 289, जी दरगा रोड़, कल क्ला।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती रंजीत कौर पत्नी श्री एच० एस० सिंह, निवासो⊸मदन महल, जबलपुर।

(प्रन्तरिती)

की यह स्थाना कारी करके प्वॉक्स सम्परित के नर्जन के जिस कार्यवाहिमां शुरू करता हुं।

वंबत ब्रम्मिति के मर्बन के ब्रम्भम में कीई भी बाबोर ह---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकावन की तारीक के 45 दिन की जबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीवर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (था) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की सारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में दित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त काव्यों और पदों का, जो उन्सर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका

#### **प्रत्यूची**

म्हान नंबर 810 (पुराना नं० 385/1) नजूल ब्लाक नं० 5, प्लाट नं० 27, नेपियर टाउन, जबलपुर में स्थितज है यह बह स्थावर सम्भित है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती दारा सस्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> वेद प्रकाश श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपास

दिनौंक : 10~12-1985

प्रकल बाहाँ, ही, एवं, एसं, ......

# काषकार विधितियम, 1961 (1961 का 43) की थाच 269-च (1) के अधीन ब्याना

#### नाइत चडुकाड

# कार्यातम्, तहायक गायकर वायुक्त (निर्देशक)

धर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 10 दिसम्बर, 1985

निवेश सं० माई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/ 6137—मतः मुझे वेद प्रकाश श्रीवास्तव

न्यावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को कि धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० नजूल प्लाट नं० 27 (इलाक नं० 5) है तथा जो नेपियर टाउन, जबलपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है रिजस्ट्रकर्ता अधिकार के कार्यालय जबलपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख अप्रेल, 1985

को प्रॉक्त सम्पति को उचित बाबार मूल्य से कम के पश्यमान अतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह व्यवस करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाबार मूल्य, उसकों दश्यमान प्रतिफल सो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह मौतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जंतरितियों) को बीच एसे अंतरण को बीच तय पाया गया प्रतिकत, निम्निलिखित उद्योध्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्त-विक कप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण ते हुई किश्री बाय की बावधा, उनक नीपीनयम के अधीन कर दोने के नन्तरक के कमित्व में कमी करने वा उद्यये नचने में शिवधा के जिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भग या अन्य बाहिसाओं को, जिन्हों भारतीय बाय-कर बीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या भनकर बीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था बा किया बाना चाहिए था कियाने में बृविधा के लिए;

बतः अब, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के बन्तरक बें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार (1) है वभीन, निकासिवत व्यक्तियों वधात :— (1) श्रीमती एउ० एलियात, पत्नी एच० टी० एलियात, सेमुग्रल एलियात, श्री एच० के० एलियात, श्री बी० के० एलियात, पिता श्री एच० टी० एलियात, पी-289, दरगा रोइ, कलकत्ता।

(घन्तरक)

(2) श्रीमती जयन्ती सिंह, पत्नी श्री टी० एन० सिंह, निवास ग्राम गहमेर जिला गाजीपुर, वर्तमान में छोटी ग्रोमतो, जबलपुर।

(भन्त(रती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# इक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाबीय ह-

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी वा 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, वा भी का विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों का अविकास में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित ब्रुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकेंगे।

स्पक्षीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाणिक हैं, वहीं धर्ध होगा, जो उस अध्याय में क्रिक्त यवा हैं ₹

#### प्रनुसूची

नजूल प्लाट नं० 27, (अलाक नं० 5) नेपियर टाउन, जबलपुर में स्थित है। यह वह स्थावर भागित है जितका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> नेद प्रकाश श्रीगस्तव सञ्जन प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज भोगल

दिनाँक : 10-12-1985

# प्रकप वार्<u>ष</u>े.टी..एन्.एस<sub>..</sub>-----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-चं (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यां नयं, तहायक वायकर भाग्यत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनौंक 10 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० माई० ए० सी०/मर्जन/भोगाल/6138—मतः मुझे वे प्रकाश श्रीयांस्तव

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिस्का उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

श्रोर जिनिती सं० खुनी भूमि एवं म्यु मकान नं० 7 है तथा जो एम० जी० रोड़, इन्दौर में स्थित है (श्रोर इपसे उपायदा श्रम, सुची में श्रीर पूर्ण रूप से थिंगत है) रजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय इदौर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रमेल, 1985

की पूर्वोकत सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकान के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाब करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उपित बाबार अल्य, उसके दश्यमान प्रतिकास से ऐसे दश्यमान प्रतिकास का अल्यह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पावा चवा प्रतिकास, निम्नां सिता उद्देश्य से उपत अन्तरण कि वित्य के वास्तर्यक स्थापन

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त विश्वित्रम को स्थीन कड़ दोने को अन्तरूज क दायित्य में कमी करने वा उन्ने विश्वे में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी नाम वा किसी वन वा अन्य वास्तियों को, चिन्हों भारतीय नायकर विभिन्नियं , 1922 (1922 का 11) या उप्त अधिनियम, या धनकर विभिन्नियम, या धनकर विभिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवीवनार्थं वन्दिरित व्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया वाना चाहिए था, कियाने वे वृत्तिया के सिक्ट;

बतः प्रव, उक्त विभिन्यमं की भारा 269-गं के अनुवरक वा, यी, उक्त विभिन्यमं की भारा 269-वं की उपधारा (1) के अभीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात्:— (1) श्रामती निर्मेला पत्नी श्री विजय कुमार टोंग्या, निवासी-7, एम० जी० रोड़, इंदौर ।

(श्रन्तरक)

(2) मेसर्स चौधरी बिल्डर्स (प्रा०) लि०, 12/2, मार० एन० टी० मार्ग, इंदौर।

(भ्रन्ति(ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिंधू कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की व्यक्ति को औं अविध आदि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकना।

स्थाकिरण :--- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पवों का, को क्रक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिश है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विभा गया है।

#### अनुसूची

भूमि एवं म्युमकान न० ७, एम० जी० रोड़, इंदौर में स्थित हैं। यह वह स्थानर सम्मति है जिन्नका सम्पूर्ण विवरण अन्तरित द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> वेद प्रकाश श्रीवास्तव मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, भोपाल

दिनाँक : 10-12-1985

मोहर

### ्रहरूप नाष्ट्री, देरी, एक्, एक,- - + +---

श्रावकार मिनिय्स, 1961 (1961 का 43) की भार 269-च (1) के अभीन स्वना

#### भारत प्रत्या

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त निरीक्षण) धर्जन रेंज, भीनाल

भोपाल, विनाँक 12 दिसम्बर 1985

निर्वेश सं० माई० ए० सं०/मर्जन/भोगाल/6139---अतः ममो बी० पी० श्रीवास्तव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति ,जिसका उचित वाचार मुक्ब 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ष्मौर जिन्नकी सं० मकान नं० 7/बी है तथा जो साईनाय कालोनी, इंदौर में स्थित है (श्रीर इनसे उनाबद्ध अन्यूची में ष्मौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजिस्ट्री कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय इंदौर में रिजिस्ट्री करण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रप्रैस, 1985

को प्रांवित सम्परित को उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान अतिसक्त को सिए अन्तरित की गई है और मृत्वे गई विक्थाय कार्य का कारण है कि यथाप्योंक्त संपरित का उचित बाजार दृश्य, उसके दश्यमान प्रतिसक्त से, एसे दश्यमान प्रतिसक्त का कन्द्रह प्रतिसक्त से किया है और अन्तरक (अन्तरका) बीस अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तब शाबा बया प्रतिसक्त, यिम्नितिसत उद्वेषय से सकत अन्तरक निवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उथक अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अवने में सूविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या िकसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं िकया गया गया था या िकया जाना चाहिए था िछपाने में सूविभा का न्यू

नात वन, राज्य सीधीयमा की गारा 269-य के अनुसरण तो, तो, समस सीधीनयभ की धारा 269-य को उपधार (1) से अधीय, विकासित कार्यस्थान, वर्षात अन्त (1) श्री मधुकर जिता द्वारकानाथ गडकरी, निवासी 11, बो, साईनाथ कालोनी, इंदौर।

(ग्रन्तरक)

(2) शिवनारायण पिता सुन्दरलाल पगारे , निवासी मकात नं ० 7/बी, साईनाय कालोनी, सेक्टर, इंदौर।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

सक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वालीए ह---

- (क) इस स्वना के राजपभ में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की अविश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर स्वना की तामीन से 30 दिन की अविध, को भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्व व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाय अभोहस्ताक्षरी के पाछ सिचित में किए वा सकेंगे।

#### सन्दर्भ

मकात नं० 7/बी , साईनाथ कालोनी, इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पति है जिसका सम्पूर्ण विवरण प्रन्तरित हारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भोपास

विनौक: 12-12-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना भारत सरकार

कार्यालयः सहायक मामकर वायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन क्षेत्र भोगाल

भोपाल, दिनांश 12 विसम्बर 1985

निर्वेश सं० धाई० ए० सी०/धर्जन/भोपाल/6140—धतः मुझे, वेद प्रकाश श्रीवास्तव, बायकर प्रिंगिसम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थावर समासि, सिसका उपित बाजार मुख्य

1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी संव मकान म्युव संव 32 वार्ड संव 15 है, तथा जो भिज्ञा निवास रोड, रजातम में स्थित है (श्रीर इससे उन्जब अनुसुची में भौर पूर्ण रूप से विभिन्न है) रिजर्ट्रा जी भिष्क कारी के कार्यालय रजलाम में रिजर्ट्रा तरण अधिनयम 1998 (1908 का 16) के अधीत, दिनोक अप्रैल 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के धरः भान प्रतिफल के लिए अन्दरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का अभितः गाजार मृत्य, उसके दश्यभान प्रतिफल से, एति स्थ्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया स्या प्रतिफल, निम्निसिचित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कम से क्रियत गृहीं किया गया है है

> (क) अन्तरण से शुइ किसी बाय की बाबत, अन्त अभिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक थे दामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुद्दिका के लिए? और/या

36-406 GI/85

(ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए:

बतः मन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को बनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को बभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :---

- (1) श्रीनती फरीवा पतनी यामस पारानीलन निवासी---37764 कालका ब्राइव, स्ट्रीडिंग, हाईटस मेचीगन 48077 (यू० एस० ए०) (ग्रस्तरा)
- (2) श्रो किरोज पिता फथासजी पटेल 2. रस्तम पिता फथासजी पटेल निवासी → महूरोड, रतलाम । (धन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

## उनके संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से कि पी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राष्ट्रिक ने निकासन की तारीय से 45 दिन के भीट र उधत स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी नन्य में किस ब्वारा, वधोहस्ताक्षरी के पास जिला में किस जा सकेंगे।

स्पष्टीकर्णः -- इसमें प्रयुक्त क्ष्यां और पदों का, जो उक्त व्यक्तियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्य होगा जो उस अध्याय में दिया पता हैं अ

#### पनुसूची

भनान म्यु० सं० 32, वार्ड सं० 15, मित्रा तिवास रोड, रतलाभ में स्थित है। यह वह स्थावर सम्बक्ति है जिसका पूर्ण विवारण अन्तरिती द्वारा सरकतित फार्न नम्बोर 37 जी में निहित है।

> वेद प्राप्ता श्रीवास्तव सजन प्राधिवारी (निरीक्षीय सहायज श्रायकर श्रायकत श्रापंत, रेंज, भोपाल) श्रायकर भवन नैदा मिल के प्रसमोपाल

विनोक : 12-12-85

in a second control of the second control of

## भूक्त बाहें, टी. एन. एसं. -----

नाथकर निपित्तियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सूचना

#### बारत सरकार

शार्थांसय, सहायक बायकर बाय्यत (निरक्षिण)

मर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांग 12 दिसम्बर 1985

निदेश सं० अ६० ए० सी०/अर्जन/भोनाल/6141—अतः महो, वेद प्रशास श्रीव स्टब,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 1.00.000/-रु. से अधिक है

भीर भिस्ती सं० प्लाट सं० 20%, एवं उस पर निभिन्न भवन, प्यू सिंदी कालोनी है, तथा जो जेरिस मरोड, भोषाल में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुमुखी में भोर पूर्ण रूप से विणि महै), रिस्ट्रिल एडिकार के कायिक्य, भोषाल में विष्ट्रिलाण पिंदिन्यम 1908 (1908 का 16) के अवीत, अर्थल, 1985,

कर पूर्वोक्त सम्पत्ति के उच्चिर बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिक्रम के लिए अन्तरित का गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का जन्त्रह प्रतिकृत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के निए तय गामा गया प्रतिक क्स निम्निसिद्त उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया नवा है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की वाबत उक्त अधि-गियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे ब्यने में सुविधा के लिए; बॉड/या
- (क) ऐसी किसी जान ना किसी धन ना अन्य जास्तिन। करो, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर जिधिनियम, 1957 (1957 को 27) को अवोधनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना जाहिए था, कियान में सुनिभा को सिए।

जतः जब, उक्त जिभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निणिकित स्पिक्तियों, अधीत :——

- (1) श्री गुरुवासमय निवाशी रीजूमल निवासी-- 209, स्यू सिबी धालोनी, भोपाल । (असारक)
- (2) श्रीनती पुष्पा देवी पत्नी बिहारी लाल बनानी निवासी--138, न्यू विधी नालोनी, भोपाल (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहिया कारता हु ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कीई भी बाक्षेप:---

- (क) इस न्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि मा तत्सक्यन्थी स्पित्तयों पर स्वान की तामीन से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाथ में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख खें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति के हित्त व बंद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए का सकर्मा

स्थब्दीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही नर्थ होगा जा उस नध्याय भें दिमा नया है।

# #न्स्**यी**

ण्झाट सं० 209 एवं उस पर निर्मित मकान, म्यू सिधी कालोनी, बेर्रासमा रोड, भोनाल में स्थित है। यह वह स्यावर सम्बक्ति है जिसका सम्पूर्ण विकारण श्रन्तरिती द्वारा सरवापित फार्म नम्बर पर 37 जी में निश्चित हैं।

> वेद प्रकाश सक्षम प्राविकारी (निरीक्षण) सहाय र प्रायकर प्रायुक्त धर्जन रेंज, भोपाल) ध्रायकर भवन, मैद मिल के पास, भोपाल

विनांक : 12-12-1985

क्रोहर .

# डक्स बाईं∴ डॉ<sub>.स</sub> पुत्र<sub>ं</sub> ⊊ड्<sub>.स</sub> त-कार

# बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्बालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाक्ष

भोपाल, दिनांक 12 दिसम्बर 1985

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/म्रजंत/भोनाला, 6142--म्रातः मुझे, वेद प्रशास श्रीवारतय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के क्धीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

मीर निसकी सं० भूमि ख० सं० 155, 166,2/1 एवं 166/2/2 है, तथा जो गाप खन्सी अयां मह० हनूर िका भीमाल में स्थिप है (प्रीए इसी उपबंद प्रमुखी में और पूर्ण रूप से विणा है), रिग्हार्स प्रीए प्रीए के कार्याका, भोगल रिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 चा 16) के अधीन, दिनांका प्रप्रैल, 1985,

को प्योंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से, ऐसे श्रयमान प्रतिफल से पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिबत उद्दोष्य से उक्त अंतरण निवित्त में बास्तविक इस से किया नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण ते हुई किसी बाय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे देखाने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्म आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, रिक्पाने में सुविधा के लिए,

कतः जब, उक्त विधिनियम की धारा 269-म्ब के बन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म्ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् — (1) 1. श्री खुरोतिल पिता स्व० श्री राधातिसातजी
2. श्रीमती प्यारीबाई विधवा श्री राम सिगजी
3. जयसिंह पिता स्व० श्री रामसिंहजी ठाकुर
निवासी----खजूरी कालां, तह० हजूर जिला
जिला---भोपाल ।

(भ्रन्तरः)

(क्ष) बहनभ नगर गृह निर्माण सह तारी संस्था निर्मिष् भोषाल द्वारा शहनक श्री राजमणि पटेल पिता श्री जमुना प्रसाद पटेल निवासी-श्रचार इमली, भोषाल ।

(ग्रम्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

उक्त मंपित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्रीप :---

- (क) इस मृष्टा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों कर मृष्टा की नामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास चिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्टीकरण:---इसमें प्रयानत शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिका गया है।

#### **मन्स्ची**

भूमि ख॰ सं॰ 155, 166/2/1 एवं 166/2/2, ग्राम खजूरो एकां, नह हजूर, जिला भोतात में क्थित है यह बहु स्थावर सम्पत्ति है जिल्ला संपूर्ण विवास अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में जिल्लि है।

> वेद प्रशास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज, भोपाल श्रायकर भवन मैदा मिल के पास, भोपाल

दिनांक : 12-12-1985

# इक्य बाई. टी. एव. एवं, -----

अन्यकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के वधीन सुचना

भारत सरकार

यस्यां स्वयं, सञ्चयक नायकर नायक्त (निरीक्षण)

धर्जन क्षेत्र भोपाल

भीपाल, दिनोक 12 दिसम्बर 1985 (नदेश सं० भाई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/6143—मतः स, वेद प्रवाश श्रीवास्तव,

हर्षकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन इसने इसने इसने परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं). की भारा उन्हें के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने को कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00.000/- रा. से अधिक हैं

भीर िसकी सं० मजान सं० 26/45, प्लाट सं० एच-6 है, सथा जो गांधी नगर कालोनी, तानसेन रोड, म्बालियर में स्थित है (ब्रीट इसने उपाबद्ध प्रमुखी में ब्रीट पूर्ण का से विणित है), रिस्ट्रीकर्ता पविभारी के कार्यालय म्बलियर में रिक्ट्रीट्र एण ब्रिविक्स 1969 (1908 का 16) के ब्रिधीन,दिनांक ब्रिजेंस, 1985,

को पूत्रींथत सम्पत्ति के ्षित बाजार मृस्य से कम के द्रियमात्र वितिष्क के लिए अंतरित की पहें हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ष सम्पत्ति का उचित बाजार भृष्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का धन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा प्रमा इतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उसत अंतरण मिचित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है ——

- (क) शक्तरण वं हुई कियाँ बाव की शबय, उच्छ श्रीधिनयम के स्थीन कर दोने के जन्तरक के श्रीयत्व में कमी करने वा दससे वचने में सुविधा के लिए: बॉर/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था आ किया बाना बाहिए था कियाने में सुविधा के सिए:

शत: अब उत्तत मधिनियम की धारा 269-व चे मनुसरण में, मैं, उत्तत विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों के बधीन क्रिक्तियों के विश्वासिक व्यक्तियों के विश्वासिक विश्वासिक

- (1) श्री लग्नी होत गो। स दिता श्री हरी शंकर गौतम निवासी — 1000, कुचा नटवा, चोदनी चो ह, दिल्ली । (अस्तरक)
- (2) श्री हरी पाल गुप्ता पिता श्री श्राबूराम गुप्ता तिव सी --एच -6, गोधी नगर तानसेन रोड, ग्वालियर ।

(ग्रन्तरिती)

कौ वह सूचना चारी करके प्यॉक्त सम्पत्ति से वर्षन के विशे कार्यवाहियां करता हो।

बक्त सम्मरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप र---

- (क) इस स्थान के रायपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की जनिभ या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की जनिथ, को भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त अविचयों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (ब) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबङ्क किसी वृत्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिक्ति में किए जा सकीने।

लक्कीकरणः — इसमें प्रयंक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिरियम के अध्याय 20 क में परिभाषिक हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया वया हाँ।

#### अनुसूची

. मनात सं० 26/245, प्लाट सं० एच → 6 पर, गांबी नगर कालोनी, तानसेन रोड, ग्वानियर में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण प्रस्तरित द्वारा स्ट्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

> वेद प्रकाश श्री वास्तव सक्षम प्राधिकारी चेद्वायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण श्रर्जनरोंज, भोपालें) आयक्षर भवन, मैदा मिल के पास, भोपाल

दिनां ह : 12-12-1985

and the first of the same of t

# प्ररूप आइ .टी. एन. एस . -----

# आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### ारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयकत (निरक्षिण)

पर्ना क्षेत्र भोपाल

थोपाल, वितांक 12 विसन्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोतान/6144---श्रतः मझे, वेद प्रकाश श्रीचास्त्रव,

आयकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दसकें परमात जिसे अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ल के अधीन सद्धा प्रात्मिकार का , कर विश्वास क्ष्म के अरुप है कि स्थावर सम्मान , जिसका अधिन बाजार मून्य 1,00,000/- र.. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट क्वर 4, एफ० एफ० स्यु० महान सं० 102/2 है, तथा जो साउथ नुकोगें ज, इंदौर में स्थित हैं (और इसने उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में किस्ट्रीकर्ध अधिकिम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिलांक अप्रैल, 1985,

की पूर्वोदित सम्पत्ति की उण्यत बाजार मृत्य से क्षम के दश्यमाण गितफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापुर्वोदत संगीत का उण्यत बाजार मृत्य, उन्नके द्वारामान प्रतिफल से एमें द्वारामान प्रतिफल का पन्दह गितमत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पन्या मुक्त गितफल, निम्नोनिक्त उद्देश्य में उन्ते अन्तरण निक्ति

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त किथ-नियम के बधीन कर देवेंके जन्तरक के सायित्य में कही करने या उससे बचने में कुविधा के लिए: वॉर/फ

- (1) श्री माध्रय गोस्वामी पिता श्री निवास गोस्वामी निवासी ----10/2, साउथ तुकोगंज, इंदौर (अन्तरक)
- (2) श्री प्रकाश पिता श्री गिरवारीलाल बोरा नित्रासी—21, माञ्चलाल विजय नगर स्ट्रीट, पांडेवेरी ।

(अन्यादिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उवत संतित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि जा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोक्त व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति इवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपस अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया बचा हैं।

### बन्सू ची

पर्लंट नम्बर 4, एफ० एफ० म्यु० मकान सं० 10/2, साउथ तुकीगंज, इंदौर में स्थित है। यह वह स्थाघर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वावा सत्यापित फार्म नम्बर पर 37 जी में िहित है ।

वेद प्रकाण श्रीवास्तल सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक श्रायक्त श्रर्जन रेंज, भोपाल) श्रायकर शवन मैंदा मिल के पास, भोपाल

दिनांक 12--12--1985 मोहर

# प्रकल नाई. टी. एन. एस. ------

# सायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के सभीन स्थान

#### भारत सरकार

# कार्यालय, महायक आयक्कर बायुक्त (निरीक्षण)

श्र र्नेत क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दियोक 12 दिसम्बर 1985 निदेश सं० आई० ए० सी०/प्रार्तन/भोपाल/6145---प्रतः मुझे, वेद प्रकाश श्रीवास्तव,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी मं० फैक्टरी शेड एवं स्टोर भूमि ए० मं० 118/3 पर है, तथा जो पिपल्यायन, ए० बीठ रोड, इंदौर में स्थित है (और इससे उपावड शनुसूची में और पूर्ण रूप रे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत, दिनांक अप्रैल,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचिम बाजार मृख्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्परित का उचित बाजार सस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का मन्द्रष्ट्र प्रतिप्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अक्टरित (अन्तरित्या) के गीच एसे अन्तरण के निए तब गया गण प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किक्ति में बस्तिबक लग से किथत नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोनं के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसस बचने में स्विधा के 1'तए, बार/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को जिस्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1937 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत अब, उद्यत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की ध्यशारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) **डा० मनाहर** फिला भीमतास उत्तयानी एघ० यू० एफ० तरफे कर्ना डा० मनोहर सल्वानी तर9 पुलसीवर कालानी , इंदौर ।

<u> 1888 - 1884 - 1888 - 1888 - 1888 - 1888 - 1888 - 1888 - 1888 - 1888 - 1888 - 1888 - 1888 - 1888 - 1888 - 1888</u>

(四部 事)

(2) श्री शब्बामधली पिता श्राविद हुसैन निष---48, शिस बणवल्त रोड, इंदौर 2. श्रीमती नकीमात्राई पत्नी श्री मों∵ हुसैन 3. श्रीमती देहानावाई पत्नी श्री खली पमगर निवल्मी --89, अनर खेडा शेड बसाई । (फ्रन्सरिनी)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्शिक अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध मी कांई आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्वाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में में किए जा मर्कोंगे।

स्मक्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शन्दों और प्रश्नों का, भी उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिश्चा गया हैं।

#### प्रनुमुची

फौबररी रोड एवं स्टोर ल तं. 118/उपर. पिपल्याराव, ए० बी०रोड, इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है ।

वेद प्रकाश श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर स्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल) स्रायकर भवन मैदा मिल के पास, भोपाल

दिनाँक : 12-12-1985

प्ररूप आहूरी, टी. एना, एस , -------

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 4<sub>.</sub>३) का धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

#### भारत नग्कार

कार्यासय, सहायक आयफर आव्यक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज भोषाम

भोषाल, दिनारः 2 कि.स्बर, 1985 निर्देश रं० पादीर एक पोर्शनरंत्र,भोगरः १६६४:- अस. मझे, एस० सी० शर्मीः

आयकर अभिनित्तम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके गरेबार 'राज अभिनित्ता' कहा गया ही), की धरत १६०-त के अभीन सक्षम प्रामिकारी को, यह निरुशत करन का का ग ही कि स्थानर संभात जिसका राजित कोजार मूल्य

1,00,000/- र<sub>ि</sub>. सं अधिक ही

श्रीर दिवकी संख्या समाति सं० समु० म० तं० 77 है. तथा जो अवाहर भागें (स्यू रोड) स्तलाम में स्थित है (और उस्त उमाबद प्रमुखी में श्रीर पुर्व स्प से विजित है) प्रतिस्हा को अधिकारी के स्पर्धाक्त र स्वास में से स्ट्री प्रत्या अधिकार 1908 (1908 । 16) के अधीर प्रशेष 1984।

की पूर्विका संपत्ति के उतित नाजार क्य से कम के दश्यमन अतिक कं लिए क्योरिस की गई है और मूझ गह दिश्वास करने का बन्दण है कि यथाप्येनिस संपत्ति का उन्यान कालार गूल्य, उसके ब्रह्ममान प्रतिकत है, एमें दश्यमान प्रतिकत का पन्छ प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और बन्त-दिसी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाना गया प्रतिकरण गिकारित खंदा उद्धाप्त से उन्तर अन्तरण निकार में सम्तरिक क्य से कोयत उद्दी किया गया है :---

- (क) अंतरण सं हुड़ किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अतरक के दायित्व मा कमी करन या उमस बचन मा मिक्या के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अत्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय शायक शोशीनाम, 1922 (1922 का 11) या उक्त गौशीनायम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयांजनार्थ अन्तरिती द्वारा एकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

बात: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नालिखिए व्यक्तिया, अर्थात् :---  श्री झमल्यामा मलमुखानी पिता श्री मिरचुमत्राजी मनसुखानी तिवासी 28, धलनगणी, रतलाम।

(ग्रन्तरः)

- 2. श्री मोईप पिता श्रदंबर प्रलीजी
  - 2. प्रव्हुत हर्गन पिना मं।हसीन अलीजी
  - 3. प्रब्दल्या पिता सैयद दीय जी,
  - जुल्फीकार पिता ध्रमगरधलो बाहरा ता० बा० त० मोहसीन अली पिता फीदाहुसैन जी बसरा बाला निवासी 52/1, चांदनी नी , रनलाम।

(ग्रन्तरिती)

का **बहु तूलना जा**री करते पृद्धांक्त सम्भीत के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता ह्यूं।

उक्स सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मी कार्ड भी जाक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीं हुए पे 45 दिन की अनीं या तत्संबंधी क्यें क्रिकां पर सूचना की तामील में 30 दिन की जनीं है। जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रकाश खानिसामें में से किसी व्यक्ति इवाराः
- (क) इस सूचना के राजपश मो प्रकाशन की तारीक हा 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हिन-बद्ध किशी जन्म व्यक्तित द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिकित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रमुख्त शब्दों और पदों या, जो जनस अभिनिजन, के अध्याप 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में विशा गया है।

#### **म**न्यःची

्रम्पत्ति स्पृ० स० तं० 77, अवाहर मार्गा (न्यू रोड). ५,८५६ से न्यित है यह वह स्वावश्य शम्यक्ति र जिल्ला चम्पूर्ण विवश्ण श्रन्तरिनी द्वारा एत्यापित फार्म तं० 37 जो में निहित

> ए ।० १५० पर्मा, चंदान प्रावि तनी सहायर आयुक्त निराक्षण अर्जन रोज, भोपाल

् नारी**ख**ः 2-12-2985

माहर:

# मक्त्र नाहुँ, की, मृत्यु एस,------

बामकार विभि!नसभ, 1901 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन सूचना

#### भारत सरका-

# कार्यक्रम, **सहारक बायकर बायक (निर्दोक्क)** अर्जन रोज भोषाल

भोषाल, दिनांब 2 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० मा०/भोषाला 61 49ग्रत मुझे एउ० सी० शर्मा,

बातकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्लं इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधित री को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 1,00,000/- रह मं अधिक है

श्रीर जिसकी मंख्या सम्पत्ति, प्लाट नं० 81 आर०-। पर है, तथा जा धी० ए० स्कीश नं० 44, खातीवाला दंइ, इन्हीर में स्थित ह (श्रीर इससे उपाबद अनुमुत्ती में श्रीर पूण क्ष्म से विणित है), रिजिस्ट्री उत्ती अधिकारी के कार्यालय इन्दीर में रिजिस्ट्री रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन, तारीक श्रिप्रेल, 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार मूल्य से कम के इक्समान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निक्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उक्ति बाबार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण किखत में वास्तविक रूप से किया गया है :--

- (क) वस्तारण संहुई जिसी जार की बाधत, उनके जिथानियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में तृतिभा चे निष्; बडि/वा
- [क] एसी किसी जाय या किसी धन वा क्रक्य शास्तियों को, भिन्हें भारतीय शायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर नाभानयम, 1957 (१०५७ का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपान में धूरेक्था के क्रिप;

अतः शवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भाग 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलीखत व्यक्तियों, अधीत :---

 श्री शिंक्ष मोहतानी ि पिता श्री गोविन्द राम जी मोहनानी निवासी मलात नं० 82, उन्द्रपुरी, दालोनी, इन्द्रीर।

(अन्तर :)

2 श्री भगवान दास पिता श्री तुलसी दास जो निवासी 57, जावरा सम्पाउण्ड, इन्दौरा।

(भ्रन्निरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त बिनताों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्-बक्ष किसी व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास जिक्ति में किए जा सकेगे।

स्यक्टीकरण:-- इसमें प्रगुक्त शक्दों और पदों का, को उक्त औधनियम , के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिसा वक्षा ही।

#### थन<u>ु</u>सुर्च।

प्ताट नं ० ८ आर० पर बना हुआ मनान खातीवाला है। बोतना कमात 44 अवीर में स्थित है। यह वह स्थावर मभ्यक्ति हैं जिनका सम्पूर्ण विवरण अन्तरितं। द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में स्थित हैं।

> एस० मी० शर्मा सक्षम प्राविकारो, महाराष्ट्र ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रोंके, भोषाल

नार<sup>ह</sup>(ख: 2-12-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

**बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ** धारा 269-ष (1) के अधीन मृचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रुर्जन रेंच, भोषाल

भोषाल, दिनां र 12 दिसम्बर 1985 मं० ऋई० ए० २१०/ र्जिन्।गणाल/6150--पनः मुझे, वेद प्रकाम श्रीवास्तव,

आसकर अभिनियम, 1961 (1961 के 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उत्त अधिनियम' महा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उण्यति बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या नजूल प्लाट नं० 28, ब्यागः नं० 5 है, नथा जो नेपियर टाउम प्रकापुर में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रीप पूर्ण रूप से बणित है), रिक्टिट्री-जाती श्रीध जरी के जार्यालय अबलपुर में रिस्ट्री-जरण श्रीधनियम 1908 (1908 म 16) के जधीन, तारीख श्रीन, 1985

का पूर्वाक्स सम्पत्ति को जीवत नासार मूल्य से कम के स्वकाल अस्तिकत के जिए अन्तिरित की गई हो और मुक्ते यह विश्वास करने का नदरण है कि यथा पूर्वोक्स संपत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिकल भी, एके स्थ्यमान प्रतिकल भी, एके स्थ्यमान प्रतिकल भी, एके स्थ्यमान प्रतिकल भी गिक्क है जीर अंतरित से निभक्त है जीव एके जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उक्षेत्र से उक्त जन्तरण निम्निलिखत के वास्तिक रूप है किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबक, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अभावक के दाजित्व में कसी करने बा उसके संभने में नृजिधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों करों, जिन्हों भारतीय जाय-कर उपिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा था मा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत. अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्नरण माँ, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अथीन, निम्नीलिखित व्यक्तिस्तों, अर्थात् :-- श्री एम० एती श्रास
पत्नी एच० टी० एतीश्रास
सेमुअल एलिश्रास, एच० के० एलिश्रास,
सभी पुत्रगण एच० टी० एलीश्रास
पी० 289, दरगा रोड,
स्लक्ष्मा।

(ग्रन्तरः)

2. श्री जीव बीव सीव होटल्म एण्ड श्राटी ट्रेडर्स (प्राव) जिव्न हाल विधासीन क्षेत्र मुलाटी, मीरखपुर, जबतपुर।

(अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पर्वाकत सम्भक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया अरता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चला क राजपत्र में प्रकारन को लारीक्ष सं 45 यिन का अवधि या तत्सविधी व्यक्तिमा पर स्वना की तामील से 30 दिन की जनधि, को भी जनभि वाद मा समाप्त होती हो, के भीतर प्रकारत व्यक्तियों मासे किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीक से 45 दिन के-भीतर उक्स स्थानर संपत्ति में हितब्द्ध किया जन्म क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के बात निसिद्ध में किए वा ककेंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुत्वी

नजूल प्लाट नं 27 (ब्लाक नं 5), नेपियर टाउन, जबलपुर में स्थित हैं यह वह स्थावर सस्पत्ति हैं जिसका सस्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्स नं 37 जो 6 में निहित हैं।

> वेद प्रकाण श्रीवास्तव, नक्षम प्राप्ति उत्तरी, सहायक श्रायकर श्रयुक्त (निर्नाक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

नारीख: 12-12·1985

# प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

# शायकर दिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सचना

कार्यातय, महागढ जागकर जायात (निरीक्षण) व्यर्जन रेज, भोषाल भोषाल, दिवांच 12 दिसम्बर 1985

निर्देश सं आई ए० सी० अर्जन भोपाल 6151: अतः मुझे, आयतार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त जिबिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अपीन सभान पाधिकारों को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 1.00.000/- क ने अधिक हैं और जिसकी संख्या नजूल प्लाट नं० 27, क्लाक नं० 5, है, तथा जो नेपियर टाउन, जवलपुर में स्थित हैं (और इससे

है, तथा जो नेपियर टाउन, जवनपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्राँर पूर्ण रूप से विणत है, रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय जवलपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 को 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1985

करे पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मध्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथाप्वींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रिक्तल सं, एरेंगे दश्यमान प्रतिक्तल के पन्दर प्रतिकृत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिकी (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिपत्त, निम्निजिखित उद्योश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक क्य से जिथा नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण में हुई किसी बाय की बाबत, उक्त शक्षितियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उक्षमें बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी नाय मा विली अने मा कस्य अस्तियों क्ये जिल्हें भारतीय असका त्रीकृतियम 1922 (1922 का 11) मा उस्त स्वीकृतियम, सा धनकर अधिनियम, 1957 1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अल्लिसी द्वारा प्रत नहीं किसा प्रया था या किसा जाना करिया था, किसाने से स्वित्स के निकार

क्ट बर्ग, इक्ट अधिनियम की धारा 260 व के सनसरण इ. इ. हैं, वेस्त अधिनियम की धारा 169-व की उपयोग (1) के बरीन, निम्मलिखिन व्यक्तियों, अर्थात :—  श्री इंप्लंड िफोर, बसील नत्याण, सौरमल कुमार सभी पुत्र श्री एच० टी० एलीआस एवं श्री तिरखा एलीडास सभी दिवासी कलवता।

(अन्तरक)

श्रीमती विरण जैल परनी श्री ग्यान चन्द जैन निवासी बैरगी जबलपूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीयत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के बजर्बन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राज्यात्र मो एकाशन की तारीक्ष से 45 बिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तिमो पर सुचना की ग्रामीन से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि शर मों समाज्य होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (स) इन स्कार के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सन्पत्ति के हिस-बहुत किभी व्यक्ति इनारा, जमोहल्हाकरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्मच्छीक्षरण : इलमें प्रयुक्त शक्कों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याज 20-क में परिमाणिड ही, वहीं अर्थ होता जो उस अध्याय में विका मया है।

#### mary al

नजूल प्लाट नं० 27 (ब्लाक नं० 5), नेपियर टाउन, जबलपुर में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पति हैं जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

वेद प्रकाश श्रोबास्तव, सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर श्रायुक्त निरीक्षण द्यर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 12-12-1985

माहर :

# प्रकल बाह् . टी . एन . एस . ------

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के स्थीन स्थान

#### 4154 5550

कार्यासयः, सहायक जायकर वायुक्त (निरीक्षण)

वर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 दिसम्बर 1985 निर्वेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6152—अतः भुष्के, वेद प्रकाश स्त्रीवास्तव,

बायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिन्नकी संख्या मकान, प्लाट नं 14 पर है, सथा जो मीआ नयागांव नं 1726 (पी० एच० नं 26, खनं 6/4) शंकर नगर वार्ड नं 40 में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूती में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्सा अधिकारी के कार्यालय जबलपुर में रिजस्ट्री-कर्सा अधिकारी के कार्यालय जबलपुर में रिजस्ट्री-कर्मा अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्छ सम्मरित के उचित बाबार मूस्य से काम के क्रयमान अतिकस के लिए अन्तरित की नहीं हैं और मूम्से यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापुर्वोक्त सम्मर्ति का उचित बाबार मूस्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से एसे क्रयमान प्रतिफल का पंडह प्रतिक्षत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कस निम्नसिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिचित में बास्त-दिन क्ष्म से कथित महीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियमं की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत् :—17-426 GI/85

आह्रगर

निवासी-क्लास । आफीसर्स हार्जीसग सोसायटी भयागाँव शकरशाह नगर, एन० पी० ६० बी, जबलपुर।

(अन्तरक)

सरदार सुखदर्शन सिंह मेखों
 पिता सरदार नगेन्द्र सिंह सेखों
 निवासी—1353, मदन महन, जबलपुर ।

(अन्तरिती)

की यह स्थाना चारी करके पृथींकत सम्परित के अर्जन के किए कार्यवाहियां सूक्त करता हूं।

कवत संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीच से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पत्किरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति हैं, वहीं अर्थ हातेगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मकान, प्लाट नं 14, मौजा, नयागांव नं 726 (पी एच नं 26, ख नं 6/4), मंकर भाह नगर वार्ड नं 50, जबलपुर एम पी ई बी का हार्जिंग सोसायटी लिमिटेड, क्लास—1 आफोसर्स जबलपुर में स्थित हैं। यह वह स्यावर सम्पत्ति हैं जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित्त हैं।

वेद प्रकाश श्रीवास्तव, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेंज, भोषाल

सारीख: 12-12-1985

मोहर 🛊

# भक्य नाह् दी , एन , एस , -----

# नायकर नर्भिगायम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 मा (1) के नभीन सूचना

#### शारत शरकार

# कथांसक, तहासक बायकर बाय्यक (निर्देशक)

अर्जम रज, भोपाल

भोपाल, दिनां त 12 दिसम्बर, 1985

निर्देव सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोषाल/ 6153—अतः मुझे, वेद प्रकाश श्रीवास्तव,

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकार् 'उक्त अभिनियम' कहा भया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अचित वाचार मृश्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी संख्या प्लाट नं० 5/2 है, तथा जो स्रोल्ड पलासिया, इन्दौर में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1008 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1985

को पृवािकत सम्मिति को उचित बाजार मृत्य से कम को क्यमान प्रतिफल को लिए जन्तरित की गई और नुसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्मित का उचित बाबार मृज्य, उसके क्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का बन्तह प्रतिशव से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) को बीच एसे अन्तरण को लिए तथ पावा गया प्रतिफल, निम्निसिंबत उद्वोप से उच्त अन्तरण निम्नत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया क्या हैं:—

- (क) जन्तरण से हुई जिन्नी नाग की नावत, उनस अधिनियम के अभीत कर दोने के अन्यरण से दायित्य में कनी करने या उनसे नवने में सुविधा से लिए; और/वा
- (क) एसी किसी आप वा किसी अन ना अन्य कास्तिवों को, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिन्यम, बा अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, कियाने में ब्रिया को निए;

कतः कवः, उक्त विधित्यमं की भारा 269-गं के बन्सरणं में, में, उक्त विधित्यमं की भारा 269-णं की संपधारा (1) के अधीन, निम्नसिधित व्यक्तियों, अर्थात् ६ श्रीमती गीता देवी पित श्री चंपा लाल जी बियाणी निवासी 223/24 में० गा० मार्ग, इन्देशरा

(अन्तरक )

- 2. (1) एस० जी० एम० होटला प्राइवेट लिमिटेड एण्ड लिमिटेड कम्पनी जो कम्पनी ला के अन्तर्गत पंजीकेत तरके संचालकगण-सुभाष पिता राम बल्लभ गुप्ता निवासी 11, जाय बिल्डसँ, कालोनी, इन्दौर।
  - (2) श्री सुरेन्द्र पिता जयन्ती भाई संघवी मिठाई लाल पिता पुरूषोत्तम दास निवासी 4/7, न्यू पलासिया, इन्वौर।

(अन्तरिती)

को बहु स्वता बारी करके प्रतिकत सम्पत्ति के सर्वत के सिय कार्यवाहियों सुरू करता हु ।

उक्त सम्मित के वर्णन के संबंध में कोई भी बाबीप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय ते 45 विन की अवधि भा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वान की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीव से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सर्वोगे।

स्मध्यक्तिरणः—इसमे प्रयुक्त सभ्यों और पदों का, जो उस्त अधिक रियंत्र के सभ्याय 20-क में परिभाष्ति है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।।

#### अनुसूची

प्लाट नं० 5/2, भोल्ड पलासिया, इन्दौर में स्थित हैं। यह बह स्थावर सम्पत्ति हैं जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित हैं।

> वेद प्रकाण श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जम रेंज, मोपास

सारीखा: 12-12-1985

# प्रक्ष आई. टी. एन. एस-----

भारत माभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के मुभीन सुमती

#### भारत सरकार

क्श्यांलय, सहायक जायकर जायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 दिसम्बर 1985

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकों इसकों परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जित्रकी संख्या० 495 है, तथा जो महात्मा गांधी मार्ग, इन्होर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से बॉणत है), रजिल्द्रीकत्ती अधिकारी के कार्यालय इन्होर में एजिल्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) है अधीर, तारीख अधील, 1985

करें पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान तिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुम्ने यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार भूरूय, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का सन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बिता में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्त आस्त्रियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के सिंह;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा-(1) अं अभीन, निस्तिशिक्त व्यक्तियों वर्षात :---  श्री हाजी इक्राहीम भाई हाजी बरीम भाई नित्रासी-96, खिनागंज, मेल रोड, इन्दौर।

(अन्धरकः)

श्री रमेश चन्द्र पिता जसवन्त लाल जी पाह,
 9, खातीपुरा, इन्दौर।

(प्रस्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पृत्रों क्श सम्परित के अर्थन के विश् कार्यवाह्यां सुक्ष करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त हो, के भीतर प्रविवय व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्त क्ष्मि कन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निष्ठित में किए का सकेंगे।

स्वष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं जर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गक्का है।

#### मन्सूची

मकान नं० 495, महारमा गांधी मार्ग, इन्दार में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति हैं जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नस्वर 37 जी० में निहित हैं।

> वी॰ पी॰ श्रीवास्तव, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

नारीख: 12-12-1985

प्रकृप आईं.टी.एन.एस.-----

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

# कार्याक्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

भोपाल, दिनांक 12 विसम्बर 1985

निवेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/म पाल/6155:---अ**त: मुसे** 

अर्जन रेज भाषाल

वी० पी० श्रीवास्तव, नायकर विधिनयम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें प्रकाद उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या मका नं 495 है सथा जो महास्मा गांधी मार्ग इन्दौर में स्थित है (भ्रीत इससे उपाध्य अनुसुची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं). रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रितिफल के लिए मंतिरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंकित संपत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का बंद्ध प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्क निम्मक्तिया उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक क्या के कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुन्द किसी आयं की बाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविशा के लिए; आर्ट/या
- (च) एंबी किसी बाय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनीय अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, प्रियाने में ब्रिक्श के किया के किया

नव: तव, उन्त निधीनयम की धारा 269-न के नन्धरण भी, मी, उस्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के वधीन, नियनस्थिकित व्यक्तियों, संधति :---  हाजी इब्राहीम भाई (क्ता हाजी-करीम भाई भिवासी-96, सियागंज मेश रोड, इन्दीर।

(अन्तरक)

 श्री नवी पिता जसबन्त लाल की शाह, मित्रासी 9, खातीपुरा, इन्दोर।

(अन्तरिती)

को यह तृष्या जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति को अर्थन के सिछ् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी वा वी 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्मित्त में हित-यद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवस स्या है।

#### वन् सूची

मबान नं० 495, महास्मा गांधी मार्ग, इन्दौर में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति हैं जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म भम्बर 37 जी में िहित हैं।

> वीं० पीं० श्रीवास्तव, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (धिरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपान

तारीख: 12-12-1985

योद्दर :

प्ररूप बाईं. टी. एन. एसः.-----

वावकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-म (1) के अभीत सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, बहायक नायकर नायुक्त (निर्देशन)

ग्रर्जन रेंज, भोवाल भोवाल, दिनांक 12 दिसम्बर, 1985

सं । माई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/6156—मतः मुझे, बी० पी० श्रीवास्तव,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की बाछ 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रहे से अधिक हैं

जीर जिसकी संख्या मकान नं० 564 है, तथा जो महारमा गांधी मार्ग, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावद अनुसुची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख श्रप्रैल 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के अध्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्वयमान प्रति-फल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त बन्तरण सिविद्य में वास्तियक रूप से किंचत नहीं किया विश्वा है कि

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव की बावस, क्यस विधिनियम के अधीय कर देने के बन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिक्; बीड/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति हिमा गना था ना किया जाना जाहिए मा, कियाने में सुनिधा के लिए;

भतः भव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को अभीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री सुगील चन्द्र पिता बुकुम चन्द पाटनी,
 शरद चन्द्र पिता हुकुम चन्द जी पाटनी,
 श्रीमती ग्रनोथ कुमारी पित हुकुम चन्द जी पातनी
 का० सुरेश चन्द्र पिता हुकुम चन्द जी पाटनी तरफे ग्राम मु० श्रीमती शोभा पित कैलाशचन्द्र बहजात्या,
 सतीश चन्द्र पिता हुकुम चन्द्र जी पाटनी सभी निवासी 564, म० गा० नागं,
 इन्हौर।

(मन्तरक)

 मैससे बी० सी बिल्डसे एण्ड होटल्स प्रा० लि० जावरा कम्पाउण्ड, इन्दौर।

(मन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त स्म्मिति के अर्जन के जिये कार्यमाहियां शुक्र करता हूं।

जनत संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी व्यक्तियों में से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकने।

स्वकाकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना को उस सध्याय के दिवा क्या हैं।

#### यनुसूची

दो मंजिला मकान नं 564, महात्मा मोधी मार्ग, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव, सक्षम प्राधिकारी, सक्षायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंक, भोपाल

ता चि : 12-12-19**8**5

प्ररूप बार्ड, टी. एन. एस------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन सूचना

#### भारते संडुकार

# कार्याजय, सहायक आयकर जायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोगाल दिनांक 12 दिसम्बर, 1985 निर्वेश संबद्धाई० ए० सी०/धर्जन/भोगाल/6157----भ्रतः मुझे, बी॰ धी॰ श्रीवास्तव

भासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

कौर जिस ही संख्या महान कमांक 10 है, तथा जो प्राजाद मगर कालोनी, उज्जैन में स्थित हैं (और इससे उपाबद प्रमुखी में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रिज ्रीहर्ता प्रक्षिक री के कार्यालय, उज्जैन में रिज ्रीहर्ता प्रक्षित्यम 1908 (1908 का 16) के प्रधीत, तारी अप्रजैल, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एस दश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया है अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया है अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बावत, आयकर अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी काय या किसी धून या जन्य अधितयाँ का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था छिपान में सुविधा से सिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अधीत्:—  1. श्री महेल चन्द्र पिता मिलाप चन्द्र जी गुलाटी निवास - 84, ताल्या टोपे मार्ग, माधव नगर, उज्जैन।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमित शाशा देवी पत्नी श्री रमेश कुमार दप्मानी निवासी-25, कमला नेहरू, मार्ग, सीगंज, उज्जैन। (श्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाहन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पञ्चीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

# ब्रम्यी

मकान कमांक 10 जिसमें गैरेज बना हुआ है, आजाद नगर कालोती उज्जैन में स्थित है वह यह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव, संज्ञम प्राधिकारी, संज्ञायक श्रायकर प्रायुक्त मिरीक्षण शर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 12-12-1985

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-----

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक जायकर आयुक्त निरीक्षण)

मर्जन रेंज मोपाल

भोपाल, विनांक 12 विसन्बर, 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/6158---- श्रतःमुझे, खी० पी० श्रीशस्तव,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परनात् 'उनक अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयस करने का कारण है कि स्थागर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संखा मकान नगर निगम क्रमांक है तथा जो दिश्चिग मार्ग, उज्जैन में स्थित है (और इस हे उपाबद्ध मनु-स्त्री में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिल्ह्रीकर्ता भिश्चिकारी के कार्यालय उज्जैन में रिजिल्ह्रीकरण मिश्चित्सम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख अप्रैल, 1985 को पूर्णेक्त सम्परित के उधित दाआर मृत्य से कम के इस्प्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्थोंक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके इस्प्रमान प्रतिफल से एसे इस्प्रमान प्रतिफल का पंदह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) गाँर अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उज्जेका से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथल नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वादित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; आर/या
- (त) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वार: प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए?

अत: अम उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त राधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा। (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु —  श्रीमती गीता बाई पत्नी श्री रामचन्द्र जी.
 श्रीमती ग्रमिता बाई पत्नी गांति कुमार पोरवाल निवासी-1, श्री पाल मार्ग, उज्जैन द्वारा मु० ग्राम शान्तिकुभार

(भन्तरक)

 श्री सनत कुमार पिता बाल कियन जी बोहरा
 मनीय कुमार श्रवयस्क पुत्र सनत कुमार निवासी 49, गौतमं मार्ग,
 उज्जैन।

(मलरिरी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के शर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पीत के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्पना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्वित्तयों पर स्वन की सामील से 30 दिन की अविधि, को भी कविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबब्ध किसी अना व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लास में किए जा सकर्गे।

स्पष्टीक्षरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **अन्**स्ची

मकान म्यु नं । (नया), ब्लाक ऋमांक 63, मोहल्ला द्रविण मार्ग, उज्जैन में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पति हैं] जिलका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं । 37 जी में निहित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भायुक्त निरीक्षण भर्जन रेंज, भोपास

तारीख। 12-12-1985

माहर :

प्रकप नाष्ट्र द्वी पुण . एस . ------

भागकर विधितियम, 1964 (1961 का 43) की थारा 269-व (1) के बचीत सुवना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (किरीक्षक)

मर्जन रेंज भोपाल भोपाल, दिनांक 12 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/प्रर्जन/भोपाल/6159 पत: मुक्के, भी० पी० श्रीवास्तव,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रजाद 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या मकान नं० 1 है, तथा ओ द्रविण मार्ग, उज्जैन में स्थित है (और इससे उपायद्ध धनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजित्द्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय उज्जैन में रजित्द्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीक प्रप्रैल, 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिकल के लिए जन्दरित की गई है जौर मूओ यह विश्वास करने कम का उचित कम प्रतिकल के लिए जन्दरित की गई है जौर मूओ यह विश्वास करने कम का प्रतिकल संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिकल से, एसे क्यमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिकत से अधिक है जौर अंतरित (अंतरिक्यों) की बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिक स्व्योध्य से उकत अन्तरण सिवित में वास्त्विक रूप से अधित महीं किया गया है है—

- (भ) अन्तरण से हुई किसी आग की वायत्, कर्यत्र अभिनियम के अभीत कर दोने के बस्तरक की दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सूचिधा के जिए; बॉर/या
- (थ) ऐसी किसी बाय वा किसी बन वा बल्य बास्तिवाँ को, जिन्हों भारतीय बाय-कर के भिनियज, 1922 (1922 का 11) या उक्त बीधनिवज, वा भनकर बीधनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रवोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नवा था या किया बाना चाहिए वा, क्रियाने वें स्विधा से सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, स्थात:—

 भीमती सुशीला पत्नी सूर्य नारायण
 श्रीमती प्रमिला बाई पत्नी राज कुमार जी पोरवाल निवासी 1, श्रीपाल मार्ग, उज्जैन द्वारा मु० भाम शान्ति कुमार ।

(ग्रन्तरक)

श्रीमती शकुन्तला बाई पत्नी सनतकुमार
 दिनेश कुमार
 मनोज कुमार पुत्र गण सनत कुमार
 निवासी 49, गौतम मार्ग, उज्जैन।

(भन्तरिती)

क्षे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सन्धित के वर्षन के विष् कार्यवाहियां करता हुं।

स्मत संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाश्रीप :---

- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारींब के 45 बिन की जनभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की जनभि, जो जी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिलबक्ष किसी अन्य स्थिति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ सिवित में किए का सकेंगे।

क्यक्किरण: -- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो उक्क अधिनियम, के कथ्याय 2:0-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा को उस अध्याय में विका नवा है।

#### अनुसूची

मकान मं॰ 1, द्रविण भागं, उज्जीन में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण मन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

> थी० पी० भीनासव, सक्तम प्राधिकारी, सहायक भायकर भागुनत (निरीक्षण) [मर्जन रेंज, भोराक्ष

तारीख: 12-12-1985

मोहरः

# प्ररूप नाइं, टी. हुन. एत. व्याप्तानामा

■।यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवज्य आयुक्त (नियाक्षक) श्रजीन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/6160----श्रत: मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं। कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं।

और जिसकी संख्या भृमि ख, नं० 1409, 1410, 1414 1416, 1418, है, तथा जी ग्राम खजराना जिला इन्दौर में स्थित है (और इमसे उपावड प्रतुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजिस्ट्रीकर्नी अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रिजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने को कारण है कि संभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्र बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिचित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण किचित में बान्तिविक रूप से किथित नहीं किया गया है हम्म

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; वरि/या
- (क) ऐसी किसी लाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का १) ए उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती बवारा प्रकट नहीं किया गया था किया जान काहिए था. खिणाने में सुविधा के लिए:

बतः अब, उक्त अधिनियम औं धारा 26०-ग के अनुसरण मों, मौ, उव "अधिनियम की धार ∑89-घ की रमधारा (1) के अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों. अधीत् :---18--426 GI/85 1. श्री चुन्नीलाल पिता कुवरजी खरसोद निवासी - ग्राम खजराता, तहमील व जिला अद्योग।

(ग्रन्तरक)

2 श्री नवलखा श्रमिक ग्रावास गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित टिकाना, 7 48, जागृतिनगर, इन्दौर तरफे ग्रध्यक्ष श्री द्वारका प्रसाद गर्मा पिता श्री बंलीलाल जी गर्मा

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुएं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की जबिध या तत्सं बंधी व्यक्तियों पर मृचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में स्थाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस मृजना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस्थ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ चिस्ति में किस जा सकोंगे

#### प्रमुत्नी

भूमि खा० नं० 1409, 1410, 1414, 1416, 1418, ग्राम खजराना तहसील व जिला इन्दौर में स्थित है यह बह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

वी० पी० श्रीवास्तव, सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, भोपाल

तारीख। 12-12-1985 मोहर:

# प्रकथ नाहै . टी . एस . एस . -------

काषकार अधिनियम, 1951 (1961 का 43) का धार्य 269-व (1) के अभीन स्वना

#### भीरत संस्थार

आयांसम, मङ्गायक कागकर नायक्त (निराधका) अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० प्रार्ह० ए० मी०/ग्रर्जन/भोपाल/ 61 610---श्रत: मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव,

भागकर अधिनियम, 1961 (1969 का 43) (जिसे इसमें स्वकं एक्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका सचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या भूमि (नया नं० 183/2) है, तथा जो ग्राम लालश्वाग माल, तहसील बुरहानपुर में स्थित है (और इससे उपावड श्रनसूची में और पूर्ण रूप मे विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी के कार्यालय बुरहानपुर में रिजस्ट्री करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कक के दृश्यमान पतिकार को लिए अन्तिरित की गर्ज हैं और मूझे यह विक्याश करने का कारण हैं कि यथापुर्वेक्त संपत्ति का उचित आक्षा मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकास से, एसे क्ल्यमान प्रतिकास का पंचह प्रतिकात से मिथक हैं और मंतरका (अंतरका) और मंतरिती (अन्तिरितर्यों) के बीच एसे अन्तरका से सिए तब पाया नवा प्रतिकार कल निम्नितिलित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक कप से अधित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की अध्या, सकत अभिनियम की अधीन कर दोने की अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने शें सुनिधा के मिए; और/या
- भ) एएएं रिन्सी अम ए। किसी धन रा अन्य बास्तिएं को, जिन्हों भारतीय शायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) शा उवत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रशेष्ट्रमार्थ कस्तिशिक्षी क्षारा प्रकट नहीं दिवा प्रमा था किया कामा अपिश्व था, दिस्ता सं श्विक के मिक्स

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 व के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269 य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीत्:——-

- श्री सलीम खाँ उर्फ रहमत खाँ पिता बाबुशा खाँ प्रताप पुरा, बुरहानपुर। (श्रन्तर्क)
- 2. श्री सलीमुद्दीन जेनुद्दीन काजि लोहारमण्डी, बुरहानपुर श्री नासिरउद्दीन बदरूददीन, हरीरपुरा, बुरहानपुर श्री णमणुल ग्रारेफिन जैनुल ग्राबेदिन दाउदपुरा, बुरहानपुर श्री सुलतान खाँ कुरेशी खैराती बाजार, बुरहानपुर।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के िकए कार्यकाहियां करता हूं।

### उक्त सम्मत्ति के सर्वन के सम्बन्ध में सोई भी बायोप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिव की बनिध वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की बनिध, यो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय हुवारा;
- (क) इस स्वता के राव्यव में प्रकारम की बारीय से 45 दिन के मेरिए उन्ना स्थाबर सम्पत्ति में हितवहुच किसी मन्य व्यक्ति हुनारा न्थोहस्तास्त्री के पास सिवित में किए वा सकोंगे।

स्वक्षीकरणः--इसमें प्रवृक्त अन्ते क्षेत्र वृक्षे आः, आहे क्या महिन्दिकः, से वृज्याम् 20-क में पहित्याचित्र हाँ, वृद्दी वर्षा होया को उद्य कृष्याव के दिवा गया हाँ।

## अनुसूची

भूमि नया नं० 1832 ग्राम लालबाग माल तहसील बुरहानपुर में स्थित है यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण ग्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, भोपास

तारीख: 12-12-1985

# प्रकृष कार्', दी , एन , एस , ------

जभ्यकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) काँ) भारा 269-चं (1) के अभीन सूचना

#### भारत तहकार

# कार्यातच, सहायक बायकर नायुक्त (निर्दोक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निदेश सं अप्रार्ड ० ए० सी ०/श्रर्जन/भोपाल/ 61 62---श्रतः मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृष्णात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करन का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या प्लाट नं० 1/132 (शीट नं० 107) है तथा जो कचरापारा, कुम्हारपुरा वार्ड, जगदलपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण कप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी के कार्यालय जगदलपुर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनयम. 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख प्रप्रैल, 1985

को प्रविक्षण सम्मित के उभित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृश्ते यह विद्याम करने का कारण है कि यथाप्रविक्त सम्मित की उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिस्त उद्देश्य से उक्त अंतरण विश्वित में बास्तविक कर से किंग्त महीं किया गया है है

- (क) जनकरण से हुन्दैं किसी आय की वाबत, उक्तः जिम्हीनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ग) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को चिन्हें भारतीय जावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन्-कर अधिनियम, या धन्-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अर्थ प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गयः धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा से सिष्

बतः जब उक्त अभिनियम कौ धारा 269-ग कै अनुसरण कौ, मी, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निस्मतिखित व्यक्तियों, वर्षात क्र-- 1. श्री केशव डियूली पिता शंकर डियूली ब्राह्मण निवासी-नारायणपुर जिला बस्तर।

(भ्रन्तरक)

2. श्री मोह० श्रक्ष्तर कुरेणी पिता स्व० मोह० इन्नाहीम कुरेणी रिटायर्ड श्रिसस्टेंट इंजीनियर, वैक कालोनी, जगदलपुर जिला बस्तर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओं।

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारील हैं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों १४ स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, धी भी जबिंध बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 दिन के भीतर उका तथावर सम्पत्ति में दिस्यव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उदल अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाधिक हैं, तृती अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशक भगा है।

#### अनुसूची

प्लाट नं० 1/132 (शीट नं० 107), कचरापारा, कुम्हारपुरा वार्ड, जगदलपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण श्रन्तरिती हारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

वी० पी श्रीवास्तव संक्षम प्राधिकःरी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 10--12--1985

मोहर 🤥

प्रकृप नाइं. टी. एन. एस. ------

बायकरः विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के बभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायक्त (निरीक्षण) ृश्चर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० मी०/श्रर्जन/भोपाल/6163—प्रत: महो, बी० पी० श्रीवास्तव,

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि ख नं० 223/3/2 है, तथा जो ग्राम नानाखेडा, परगना जिला उज्जैन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण न्प से विणित है), रिजस्ट्री-कर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय उज्जैन में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख ग्रप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिश की गई है और मुक्ते यह भिववास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित नाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के नीच एसे अन्तरण के निए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निसिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण कि निए तक प्राया गया प्रतिफल, निम्निसिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण कि निम्निसिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण कि निम्निसिखत उद्देश्य से उन्तर अन्तरण कि निम्निस्तर में अन्तरिक क्या से कि निम्निस्तर कि निम्निस्तर स्वाप्त स

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्स मधिनियम के अधीन कर दोने को अन्तरक चौ वायित्व में कमी करने या तससे बचने में मृष्यिभा के लिए; शडि/बा
- (क) एमी किसी आय या किसी धन या कत्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय बायकार अधिनियम, 1922 (1922 के ११) या उत्थल अधिनियम, का धन-कार अधिनियम : 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया भया भा या किया जाना चाहिए था, क्रिपामे में स्विधा भी विका

बार अव, उक्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्स अधिनियम की धारा 269 य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसीं, अर्थात् :---  श्री विजय श्रात्मज श्री विश्वनाथ जी श्रयाचित निवासी—-नई पेठ उज्जैन हाल मुकाम श्रहमदाबाद द्वारा मु० श्राम पद्माकर श्रयाचित निवासी—-नई पीठ, उज्जैन।

(भ्रन्तरक)

श्री प्रह्लाच नीमा
 गोपाल दास नीमा तथा
 सतीश चन्द्र नीमा
 श्रा० श्री राम चन्द्र जी नीमा
 निवासी—-पाटनी बाजार, उज्जैन।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप ु---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविधि, वो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति स्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरी।

स्पट्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उच्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पदा हैं।

#### ग्रनुसूची

भूमि सर्वे नं० 223/3/2, ग्राम नानाखोड़ा परगना व जिला उज्जैन में स्थित है। यह ह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण प्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

नारीख: 12--12--1985

मोहर 🎉

प्ररूप भाइं.टी. एन. एस. ------

भायकार वाभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जमीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर नायकत (निरासक) अर्जन रेज, भोषाल

भोपाल, दिनांक 12 दिसम्बर, 1985 निर्देश सं० श्राई ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/6164---श्रत: मझे, बी० पी० श्रीवास्तव,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इचर्ये इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारल है कि स्थावर सपरित, विश्वका उचित वाचार भूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या प्लाट नं 180 पर बना हुआ मकान कमांक 181 है, तथा जो सकित नगर, इन्दीर में स्थित हैं (और इससे उपावड़ भ्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्वालय इन्दीर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तित बाजार मृस्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास अरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिस्त बाजार मृत्य . असके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक हों और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तिर्तिकों) के बीध एसे अन्तरण के निए तब पासा गया प्रतिक कम निन्नीलिकात बन्देविस से लक्ष्य अंतरण सिकित में वास्त्रिक कप से अधित नहीं किया गया है :---

- (क) अध्यक्ष में हुए किसी बाव की बावक कथक मधिवदाल के अभीन कर दोने के बन्दहरू के बावित्य में कमी कड़ने वा उसके बजने में सुविधा को सिए; बीर/बा
- (क) एसी किसी भाग या किसी भन या नृत्व जारित्यों हों. िरुहाँ भ रहीत आय-कार लिभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त, जिभिनयम, वा भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशांभनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के सिए;

अतः अव, उवत अधिनियम की भारा 269-भ के, जनुसरण कों, भीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) अ अधीय निम्निवित स्थिनस्थी, अर्थाद्य :----  श्री पुरूषोत्तम पिता श्री श्रीधर पलनीटकर ए/9, श्रनन्त श्रपार्टमेंट्स, श्रहमदाबाद~380015 (गुजरात)।

(अन्तरक)

कुमारी सुमन दुआ
 कुमारी मधु दुआ पिता श्री प्रीतम लाल जी दुआ
 निवासी—227, अन्प नगर, इन्दौर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्परित के कर्पन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

### उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोहा भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकाने।

स्थवः िकरणः --- इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ हांगा, जो उस अध्याय में दिया नया है,

#### प्रमुखी

प्लाट नं० 180 पर बना हुन्ना मकान क्रमांक 181, साकेत नगर, इन्दार में स्थित है यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित हैं।

> वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 12-12-1985

गोहर :

प्रकप नाइ. टी ् एवं. एक , लगना जनन

नायकार करियासमा, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीन त्यना

#### नारत चरकार

कार्पांक्य, सहायक जायकर गायुक्त (निरीक्रण) श्रर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 दिसम्बर, 1985 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/6165—अतः मुझे, बी० पी० श्रीवास्तव,

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व कार्यों क्लकों करफात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 2/69-च के अधीन सक्षम प्राधिकान्दी को यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थाय स्थापन, असका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/-क. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या कृषि भूमि खा नं 153/2/1 है, तथा जो ग्राम पिपत्या कुमार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रमुसूची में और पूर्ण रूप संविणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के धरममान प्रतिपत्त को लिए अंतरित की गर्द है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार पूर्व, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पत्रह प्रतिशत से कां अक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पत्रम गया प्रतिफल, निम्मिशियत उद्देश्य से उक्त अन्वरण कि विष ते विश्वास के वास्तरिक कर से कथित नहीं विश्वा ग्या है प्र--

- (कि) अंतरण से हुन्द किसी जान की बाबत, बक्त क्रिभित्वत के न्यीत कुट दोने के शंसद्रक के शामित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; क्रि√या
- (च) ऐसी किसी नाय वा किसी धन या जन्य नास्तियों कां, जिन्हों भारतीय नायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) दा उन्ति अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतिरती दुधारा प्रकट नहीं किया गया वा का किया जाना जानिए था, जियाने में सुविधा के निका

वदः वन, उन्त कीधिंजियमं की धारा 269-ग के बनुसरण वो, वो, उन्त विधिनियमं की धारा 2**69-य की व**पधारा (१) औं वधीर जिल्लीकीच्छ लिक्कों, वधीय थ—  श्री जंग बहादुर सिंह पिता श्री चन्द्र पाल सिंह निवासी—पाटनी पुरा इन्दौर तरफे श्राम मु० श्री मोहन लाल।

(श्रन्तरक)

2. श्रीमती वैभव सहकारी गृह निर्माण संस्था मर्यादित इन्दौर तरफे ग्रध्यक्ष श्री किशन मतलानी पिता चौइथराम मतलानी निवासी—38, पटेलनगर, इन्दौर।

(ग्रन्सरिती)

को यह त्यना बारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

चनत सम्पत्ति के क्वन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की ताड़ीय वे 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की बाजील वे 30 दिन की नविध, व्यं भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस सूचना के सावपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में वियो वा सकारी।

स्वक्दीकरण: --- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशासित है, वहीं वर्ष द्वांगा, जो उस अध्याय में दिवा क्या है।

# अनुसूची

कृषि भूमि ख० नं० 153/2/1 ग्राम पिपल्या कुमार तहसील व जिला इन्दौर में स्थित है यह वह स्थाघर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 13-12-1985

मोहरः

प्ररूप आहाँ टी. एन . एस . ------

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन, रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० श्राई०ए०सी०/ग्रर्जन/भोपाल/ 6166—-श्रत: मुक्षे, बी० पी० श्रीवास्तवा,

आसकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य

1,00,000/- एत. से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान नं 13 है तथा जो जानकी नगर एक्सटेंगन इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा धिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख प्रप्रैल, 1985

को प्रविश्व संपर्ति के उधित बाजार मृत्य से कम के दश्यकात प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उधित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पंक्र प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंच-रिती (अन्तरितिमों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; वरि/या
- (क) एसी किंसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिक्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के बधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अधील एक  श्री दत्तावर बाख 17/2 स्तेत्रलतामण, इन्दौरा।

(शन्तरक्)

 श्रीमती भीता जैन पत्नी श्री मात्र सिंह नथा पुरा, मन्द्रसीर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन को भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित- बंद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पात विचित में किए जा सकेंगे।

स्वतिकरण:--इसमें प्रयम्भत शक्दों और पदों का, जो उक्त जीभनियम, के अध्याय 20-क में गरिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गथा है।

# अनुसूची

मकान नं० 13, जानकी नगर एक्सटेंशन, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पति हैं जिसका संपूर्ण विवरण श्रन्तरिती द्वारा मत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित हैं।

> वी० पी० श्रीधास्तव सक्षम प्राधिकारी सहाथक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्वेन रेंज, भ्रोपाल

तारीख: 13-12-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन, रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 दिसम्बर 1985 निर्देश मं० ग्राई॰ए॰सी॰/ग्रार्जन/भोपाल/६167---ग्रात:, मुझे, बी॰ पी॰ श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के जिथीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी संख्या प्लाट एवम् भूमि/बंगला नं० 48 हैं लया जो नीमच कैंट में स्थित हैं (और इसमे उपाबद अनु-सूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता पिधकारी के कार्यालय, नीमच में रजिस्ट्रीकरण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख अप्रैल, 1985

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिलल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूविधा के लिए।

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

- श्रीमती शह्यवास काल्ट्रेक्टर पति।
   स्वर श्री अभागेद जी
   शुरु निफरिज काल्ट्रेक्टर पुत्री स्वर श्री जगणेद जी
   भीर काल्ट्रेक्टर पिता स्वर श्री जमणेष भी
   सभी तिवासी-वंगला तंर 48 नीमव।
   (श्रत्वरक)
- 2. श्री सन्तोष कुमार पिता लक्षभीलाल जी मनीष कुमार पिता मन्ताय कुमार जैन द्वारा संरक्षक श्री मंतोष कुमार जैन निवासी-पिपल्यारावजी।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जर के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नग्युची

प्लाट, भूमि एन्नम् बंगला नं० 48, नीमच में स्थित हैं। यह बह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण श्रन्त-रिती द्वारा सत्यापित फार्म तस्वर 37 जी में निहित हैं।

> वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (तिरीक्षण) स्रर्जन रेंज, भोपाल

नारीख: 12-12-1985

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

नामकर नाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालर, रहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोषाल भोषाल,दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/6168---म्रतः मुझे, वी० पी० श्रीकास्तव,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 खे का अधीन सक्षय प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० महान नं० 46/109 है तथा जो पिछाड़ी ड़योड़ी, लग्नर में स्थित है (ग्रौर इससे उपावड अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय म्बालियर में रिजस्ट्रीटरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के सधीत, दितांक अप्रैल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) व बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिख्ति में बास्तिक रूप में अन्तर हीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/आ
- (ख) एसे हि किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

जतः अब, उवतं अधिनियम की धारा 269-ग **के अनुसरण** भें, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निवि**ख**ं व्यक्तियों, अर्थात्—

19-42 6GI/85

- (1) श्री विकासन श्राह्मन डेरूनन, गणेशराम, शिवलाल विका जिलामन निकासी 282 सी, दिल्ली-35 । (श्रन्तरक)
- (2) श्री महेण कुमार श्रीवास्तव िता थतेहलाल श्रीवास्तव मुरैना।

(ग्रन्तिनि)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के रब्जपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पात्त में हितााद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरीं के पास लिखित में किये जा सकरें।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त कादों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### ग्रनसूची

ण ान नंतर 46/109, पिछाड़ी ड़यौड़ी, लक्ष्कर ग्वालियर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण ग्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंवर 37 जी में निहित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनां : 10-12-1985

# इक्त आर्थुं टी. एवं, एवं, -----

शायकार वीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 (व) (1) के जभीन स्पना

#### बारत बरकार

# कार्यानय, बहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, भोषाल

भोपाल, दिनांक 12 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० मी०/ग्रजन/भोषाल/ 6169- -श्रतः मुले, ती० पी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके बर्थात् 'उक्त किभीनियम' कहा नया हैं), की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का जरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रांर जिसकी संव मकान म्युव नंव 30 जूना व नया नंव 50 है द्वा जो लोधीपुरा नंव 2, इंदौर में स्थित है (ग्रांर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रांर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिस्ट्री चर्चा अधिकारी के कार्यालय इंदौर में रजिस्ट्री करण अधिनियम 1908 (1908 ा 16) के ग्रधीन दिनांक अप्रैल 1985

का पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के स्रयमान वितिक स के सिए मंतरित की गई है जोर मुके यह विश्वास स्थान का का का का का वित्र वाचार मूल्य, उसके ब्रथमान प्रतिक ल से, एसे इत्यमान प्रतिक ल का श्रम्म प्रतिक ल का श्रम्म प्रतिक से विषक है जोर मंतरक (बंतरका) और वंतरिती (अंतरितिया) के बीच एमे बंतरण के लिए तय पाया निया प्रतिक ल निम्नोंसचत उद्योग से उसत बंतरण मिचित के बास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है हिल्ल

- (क) वंदरण दं धूर्य किसी बाय की बावत, उत्तर अधिनियम को अधीन कार दोने के बंतरक के दायित को कभी करने या उससे बचने को सुधिया के बिए; बार्/बा
- (ज) एसी किसी जाब या किसी भन या जन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भ या किया जाना चाहिए था, छिपान म स्विधा के निए;

अतः अवः, अवःत अधिनियम, की धारा 269-ग को अनुसरण मा, मा अवन अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् ह—- (1) 1. थीं जीय अन्द, सुरेश चंद, दिनेश चंद, श्ररण नुभार अनित्त कुमार पिता श्री रिवशंकर दुवे नं । १८फेश्राम मुल्नं ५ 5 निवासी-मकान नं ० 50, लोधीपुरानं ० 2. इंदोर।

(ग्रन्तरक)

(2) डा० बंसन लुनिया पिता श्री नंदलालजी लुनिया तित्रामी-मनान नं० 80, कंचनबाग, डंदौर । (अन्तरिती)

# को सह पुजना जारी करक पृथित्य सम्पत्ति के वर्जन के विष् कार्जनाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व से 45. दिन की अविध या तत्सम्बन्धी धिकतयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निकास में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याव में दिया गया है।

#### म्नुस् ची

म इति म्यार्ग रं 30 ज्ञानि व नया नं 50, लोधीपुरानं 2, इंदोर में रिधात हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण भ्रन्तिरती द्वारा सत्याधित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, भोषाव

दिनोंग । 12- 12--1985 मोजर

## प्रकल नार्षः, टर्रः, एतः, एसः,------

## भायकर विधिनियम 1961 (1961 का 43) की 269-व (1) के अधीन सुधना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग्र, भोगाल

भोपाल, दिनांक 13 दिसम्बर 1985

निदेश सं० म्राई० ए० मी०/क्रजन/भोगाल/6170---श्रतः मुक्ते, बी०पी० श्रीवास्तवः,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोर भिनकी संव भूमि खाता तंव 318 हे तथा जो प्राप्त सावाखेड़ा परगता भंदसीर में स्थित है (श्रीर इसमें उपावद श्रतुसूची में स्रीर पूर्ण घप से विणय हैं) परिस्ट्रीनची अधितारी के कार्यालय मंदसीर में रिजस्ट्रीएनण श्रीरिक्स 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिलांक अप्रैल 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मन्य न कम के इष्ट्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिमित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) बन्तरण से हुई किल्सी जाय की नावत, उक्त अभिनियम के अधीन कार होई के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अल्य आस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्यांजनार्थ अल्लिश्ती ब्लाश प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना थाहिए था, छिपाने में कृतिभा खें शिए;

बशः बन, उक्त निभिनियम की भारा 269-ग के जनसरन जें, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिणित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्री महेश शर्मा पिना इंद्रप्रसाद शर्मा निवासी नई श्राबादी मंदसौर ।

(भ्रन्त्रः)

(2) 1. श्री हेमंत कुमार 2. गजेन्द्र कुमार पिता मिश्रीलाल जी हिगड़ जनकू परा मंदसीर 3. माणदलाल पिता पूरजमलजी जैन निवासी मंदसीर 4. श्रीमती कांताबाई पित शांतिलालजी जैन निवासी नई श्राबादी, मंदसीर। (श्रान्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

## उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्थला के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यां वात्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्तबहुध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के अस निषित में किए णा सक्ति।

स्पच्छीकरण: इसमें प्रयुक्त करूरों और परों का, जो उक्त बायकर बिधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा जो उस बध्याय में दिया नवा है।

#### **मन्स्ची**

भूमि खाता नं ० 318 माम साबाखेड़ा परणना मंदसीर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित्त है।

> वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधितारी सहायक ग्रायकुर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 13-12-1985

मोहरः

प्रकार आहे. हो एस इस्ट ----

**बायकार बिधानियम**, 1961 (१५०) की ००, ०० **बारा 269--व (1) के अ**र्थान सुखना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुवत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोषाल

भोषाल, दिनां र 13 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० मी०/ग्रर्गन/भोषाक/6171---श्रतः मुझे, बी० पी० श्रीवास्यव,

गायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (धिसं क्समें ध्रसके प्रयोद्ध (जन्म संधिनियम कहा भाग हो) को ध्रापा 269-स के अभीन राक्षण प्राधिकारी को स्थाप कर्य किर्माट कार्य का कारण हो कि स्थायर सम्पोत्तर, जिसका अधिक क्षेत्र अध्या 1,00,000/- रा. से अधिक ही

ग्रीर शिक्की तं भूमि प्रवें नं 14 है तथा जो गाम नेतांब बुजुर्ग तह थार में स्थित है (ग्रीर अगरे अप.बड सन्पूर्वा में ग्रोर पूर्ण रूप में वर्णित है) से स्ट्री ली अधिए से के स्थानिय धार में रिस्ट्रीए का ग्रीधि अस 1968 (1968 ार 16) के ग्रिधीन, दिनांच श्रिप्रेंट 1985

को पुर्वेकित संपत्ति के उचित बातार मूल्य स कम के दश्यमान प्रतिफता के लिए अंतरित की गई हैं और मुफे यह विश्वास करने अदने का कारण हैं कि यथापूर्वेकित सम्पत्ति का अधिक वाजार मूल्य, उसके अव्याग प्रतिफत स, एक वश्यमान प्रतिफत का कारण के लिए अप क्ष्मित्र प्रतिफत के कारण हैं की वाजार प्रतिफत से अधिक हैं और उत्तरफ (अन्तरकों) और क्लिए प्रतिकिती (अन्तरित्तीं) के बीच एरे अन्तरण के लिए अम नाग गया प्रतिफल निम्नतिश्वित उद्बर्ण से उसत अन्तरण कि किता वाजा प्रतिफल निम्नतिश्वित उद्बर्ण से उसत अन्तरण कि किता वाजा प्रतिफल निम्नतिश्वित उद्बर्ण से उसत अन्तरण कि किता वाजा प्रतिफल निम्नतिश्वित अदि अदि किया वस्त हैं: ---

- (का) जनसरम से शुक्र रेकिओं काम करें १८०० करने १८४० किए। जिल्लाम के अधीन काम सोचे के १८७२ हैं सारिएन में कभी करने या जमसे बचने मां स्विधा के जिए; शहर का

अतः अवः, उक्त विधिनियम की धारा 269-ए तो अस्मरण मो, मो, उपल अधिनियम की धारा 269-ए को उपनामा (1) को विधीन किस्सिक किस क्षिक्का कुर्मक्का (1) श्रीमती श्रीमंग हेमलदाराजे परि श्रीमंत तगदेण वराव महाराज व्यार द्वारा मु० ग्राम हरीराम पिता व गवणदाव सर्मा निवामी-धारा।

(ग्रहःस्यः)

(३) श्री जिल्लासम्बर्ण पिता लक्ष्मीनारायण जायसवाल तिलासी-धार द्वास मु० ग्रा०श्री छोटनप्रसाद पिता प्रामधनीप्रदास, भीपार, ।

(श्रन्तिरती)

का यह पुचना जारी करक प्यतित सम्पर्धाः क अनम को लिख् कार्अवाहियां करता हुए।

उपन सम्परित के बर्धन के सम्बना के काई भी आक्षेप ए--

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 43 वित्र की अविति मा तरणम्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 वित की अविधि, जो भी वविध बाद में सजाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वेक्स स्विक्तियों में स किसी व्यक्ति वृत्रारा.
- (ध) इस स्वता भे राजपण में प्रकारण की तारोख भे 45 किन के शैतर उन । शावर सम्पत्ति में हिसब्बूच किसी अन्य व्यक्ति कृता स्थांहस्साक्षरी के पाछ सिखित में किए वा सकेंगे।

स्थाबितरणः -- इसमा प्रवृक्षः साध्या तीर यदा का, को समस अभिनियस के अन्यास 20-के की परिचाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय के विवा गया हैं।

श्रनु (क

मूमि पर्वे० नं०14. शाम नीगांत बुजुग वह० धार में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है निस्ता संपूर्ण विवरण अन्तरिती हारा प्रत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित्त है।

> वी० पी० श्रीव प्नव नक्षम जाधिनारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोषाल

ਵਿਸ਼ਹਿਤ : 13--12**--**1985

मोह्यः

प्रकृष कार्ष. टी. एन. एस.----- (1) व

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

## कार्यानय सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 दिसम्बर 1985

निदेश मं० ग्राई० ए० मी०/ग्रजन/भोषाल/ 6172---ग्रतः मने, वी० पी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उंकत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-इं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00000/र रापये से अधिक है

और जिनकी सं० प्लाट तं० 72 पर तिमित प्लैट तं० 3 (जमता अगर्टमेंट्स) है तथा जो राजमहल कालोती, इदौर में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुभूची में और पूर्ण कर से वणित है) रिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय इंदीर में रीजस्ट्रीकरण अधितियम 1908 (1908 का 16) के अधीत, दिनां अप्रैल 1985

का पूर्विकत सम्पत्ति को उचित याजार मृल्य से कम के उत्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसकी इस्यमान प्रतिफल से, एसे उत्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिभात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और जन्तरिती (अन्तरितिसो) के बीच एसे अन्तरण के लिए एय पाया गया अविफल, निम्निविकत उद्देश्य से उनत अन्तरफ लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त निध-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अपने में सृविधा के लिए, और/ए
- (हा) एसी किसी अप्य या धन या अत्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में मृतिधा वे लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण माँ, माँ, उबन अधिनियम की भारा 266-च की उपस्तात (†) के अधीर, जिस्सीलिक व्यक्तियों, अवस्ति भुरू (1) बीठ केठ बिल्डम 90/1, महात्मा गांधी मार्ग इंदौर मठ प्रठ तरफ़े भागीतार महेन्द्र कुमार पिता भूरालाल 2. जवाहर पिता श्रीनिवास कुलकर्णी निवासी 90/4, महात्मा गांधी मार्ग, इदौर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री िरण कुमार पिता श्री श्रमीलकचंद निवासी 125, बी, तेमी नगर, इंदीर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तानील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि संदर्भ समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (स) ६ म सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति कुजारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पट्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., वा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा. वो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लाट नं ० 72 पर निर्मित जमता श्रवार्टमेंट्स फ्लैट नं ० 3 श्रियम मंजिल), राजमहल खालोनी, इंदौर में स्थित है। यह बहु स्थायर सम्बन्ति है जिसका संपूर्ण विवरण श्रन्तिस्ती हारा सत्यापित कार्म नंबर 37 जी में निहित है।

बी० पी० श्रीबास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रैज, भोपाल

दिनांक: 13-12-1985

प्रकल बाइं.टी.एन, एस. -----

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) काँ भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 दिसम्बर 1985

निदेश मं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/6173—ग्रदः मुझे बी०पी० श्रीतास्तव,

बायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विभिन्नियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० भूमि खा० नं० 3, 5 है तथा जो माँजे ग्राम भोकरपटवारी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुभूची में श्रीर पूर्ण का से वर्णित है) रिवस्ट्रीकर्ना श्रिधि तरी के कार्यालय सनावद में रिवस्ट्रीकरण श्रिवित्यम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक अर्पेल 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति को उपित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल को लिए बन्तिरित की गई है बार मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि गथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके द्वयमान प्रतिफल से एसे द्वयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-तियों) के बीच एसे अन्तरण के जिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा चै लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर विजिनसम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया वामा काहिए था, कियाने में वृद्धिश ने किए।

अन्त अव, अवत अधिनियम की धारा 269-व के बमुबरक में, बें, अवत विधिनियम की धारा 269-व की अपधारा (1) के अधीन, निम्निणिखित व्यक्तियाँ अर्थात्:--- (1) श्री कन्ह्रैयालाल पिता श्री चांदमलजी माहेश्वरी महाजन निवासी सनावद ।

(ग्रन्दरक)

(2) 1. श्री णिखरचंद 2. देवेन्द्र कुमार पिता लखमीचंदसा जैन निवासी-सनावद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां सूक्ष करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 जिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वास;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्याय नथोहस्ताक्षरी के पास सिसित में सिम्य ना सर्वोंगे।

स्यव्यक्तिरण: --- इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के कथ्याम 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं लागे कोगा, जो उस अध्यास में दिया वदा हाँ।

## अनुसूची

भूमि ख० नं० 3, 5, ग्राम भोकरतटवारी हल्का नं० 48 जिला सनावद में स्थित है यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्य।पित फार्म नंवर 37 जी में निहित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, भोपाल

दिनांक: 13-·12-1985]

मोहर 🛚

प्रस्त आइं . टी . एन . एस . -----

आयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, भोगाल

भोपाल, दिनांक 13 दिसम्बर 1985

निदेश मं० म्राई० ए० मी०/ग्रर्जन/भोषाल/6174--म्रानः मुझे बी०पी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उन्त अधिनियमा कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित आजार मूल्य

1,00,000/- रह. से अधिक हैं।

श्रीर जिसकी सं० प्लाट कमांक 88 है तथा जो इन्द्रलोक कालोनी, इंदौर में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यात्य इंदौर में एजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रप्रैल 1985

को पूर्वोक्स संपत्ति के जिन्त बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह निश्चास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती ब्बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विथा के लिए।

(1) श्री त्रिमलचाद पूरकमल जैन निवासी-66, बीहरा बाजारहर्यार।

(ग्रन्धरक)

(2) श्रीमती बाबामी बाई एति श्री भंबरलाम दम्दी व श्री चंद्रशेखर िता श्री भंबरलालजी दग्दी निवामी-78 राधानगर इंदीर ।

(श्रन्यरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अर्थाध्या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना का तागील स 30 दिन की अविधि, वो भी अविधि बाद में लगाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचता के राजपन हैं प्रकाणन की तारीस से 45 दिन के भौतर तकत स्थानर सम्पत्ति में दिन के भौतर तकत स्थानर सम्पत्ति में दिन बद्ध फिसी अत्य व्योधित दुनारा, अधोहस्साक्षरी के पास लिखित भी किए जा पकोंगे।

स्पद्धीकरण:—-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक ह<sup>‡</sup>, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## श्रनसुची

प्लाट कर्गा : 88, इन्द्रलोक कालोनी, इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर क्यांनि है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सरवारित थार्च नंबर 37 जी में निहित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायका (निरीक्षण) श्रजन रोंग, भोपाल

लतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक: 13-12-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (।) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंद, शोपाल भोपाल, दिनांक 13 दिसभ्वर 1985 निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/प्रजन/भोपाल/6175---ग्रनः मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'जब्द अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम पाधिकारी को यह विश्वास कार नं का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचिन वाजार मन्य 1,00,000/- रतः सं अधिक है

**श्रीर** जिपकी संबद्धारान स्युष्पावनंव 84 है क्ष्या जो महाराजाः मुकोजीराव क्लाथ मार्केट, इंदीर में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुभूवी में स्रीर पूर्ण रूप रे वर्णित है) रिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इंदीर में रिक्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 চা 16) কৈ সাধীৰ, বিলাকি আমীৰ 1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रशिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास भरने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पं**द्रह** प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उपन अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सिवधा के लिए: सरि∕या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, साधन-कार प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयाजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिए पाने में सुविधा के लिए:

अतः अब अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के असमरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारार (1) के अधीन, निम्नजिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) ग्रायंक्षमान मल्हारगंत इंदौर तरफ़े ग्रध्यक्ष श्री ापस्वरूप पिता श्री भेरूलालजी खण्डेलयाल एंदी ३ णगोपाल पिता नंदलालजी महत्वाल निवासी रामगंब, बिस्मी, इंदौर ।

= .

(श्रन्तरःहः)

(2) 1. वेचर्स जयप्रकाश विमल कुमार 84 महाराजा तुकोजी राव क्लाथ मार्केट इंदौर । तरफे पार्टकर अयप्रकाण पिता श्री जानचंद नाहण 2. विमल वृगार पिता ज्ञानचंदजी नाहर निवासी--84 महाराजा मुकोजी राव क्लाध मार्केट, इंदौर ।

(अन्तरिती)

को यह भूचना जारी कारके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों भें से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सिंधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, को उस अध्याय में दिना गया ह्री∄

## अनुसुची

मकान स्युर पार्क न ८ 81, महाराजा मुकोजी क्लाथ मार्केट, इंदोर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा कत्यापित फ़ार्म नंबर 37 जी में निहित्त है।

> वीं० पीं० श्रीवारतव सक्षम प्राधि पुरी सहाय रु श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोवाल

दिनांक: 1 3--12--1985

मोह"र :

क्रम कर्यों की युक्त शुक्त ----

बादरा अधिकार, 1961 (1961 का 23) की धारा 269-थ (1) के अधीर सुचना

#### भारत सरकार

कार्यानय, सहायक भागकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिमांक 13 दिसम्बर 1985

निदेण सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/6176—-ग्रन: मुझे, बी० पी० श्रीवास्तव,

नायकर बांधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख क अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है "क स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- एउ. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 64 है तथा जो ग्रेटर तिस्पति कालोनी, इंदौर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इंदौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल 1985।

करं पूर्वाक्स संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि प्रथापवींकत संपरित का उचित बाजार शृह्य, उसके रज्यसान प्रीतफल में एसे उद्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदास से अधिक हैं और अन्तरक्ष (अन्तरकों) और असरिती (अत्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया श्रीतफल निक्कि क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तारण से हुन्द किसी नाय की बायस, अक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तारक के बाबित्व में कमी करने या उससे बच्चने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) एसी किसी आक सा विभी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किसा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

बत: बब, उबत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण बों, में अक्त क्रिशीनगम की जात 200-व की उपधारा (1) के बभीन, निम्ननिवित व्यावित्यों, व्याति क्र— 20—426 G1/85 (1) श्री स्थाम वाधवानी पिता शामनदास वाधवानी निवासी:-123, पराणीकर कालोनी, इंदौर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रामचन्द्र पिता बालक्वरण ढ़िंडारकर निवासी 64 पिर गली, इंदौर ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचमा जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षोप 🖫

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए या सकेंचे।

स्थाकीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उसत जीधीनयम के अध्याय 20-क में परिभावित ही वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा ही।

#### अनुसूची

प्लाट नं० 64, ग्रेटर तिरूपित कालोनी, इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण ग्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 13-12-19 85

मोहर।

प्ररूप बार्ड .टी. एन .एस . ------

स्रायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के अधीन सुकता

#### भारत सरकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 दिसम्बर 1985

निर्देण सं० ग्राई० ए० मी०/ग्रर्जन/भोपाल/6177---ग्रत: मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाषा 269-स के अधीव सक्षम प्रतिथकारी को यह विस्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीनत बातार मन्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी मं० मकान नं० 31 है तथा जो स्नेह नगर, इंदौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) राजस्ट्रीकर्चा ग्रधिकारी के कार्यालय इंदौर में राजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक ग्राप्रैल 1985।

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के कारणन प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है जीर मूझे यह जिस्साम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार क्षण, इसके द्वयमरन प्रतिफल ते, एसे द्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण सं शुर्व किसी बाय की बाबतः, उसस विधिवयम से वर्षीय कर वंधी से संसरक से वासित्य में करी करवें या उससे समझे में सकिता में सिए; और/बा
- (भा) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तिकी कर्ने जिल्हें भारतीय श्रायकार विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धाकार अधिनियम (1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा शकार नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

भतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च को उपधारः (18 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 8—- (1) प्रेमलता, पंकज, कमल, यामिनी, कामिनी ग्रगल 80, जानकी नगर, इंदौर ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्म मालवा टायर हाउस, महेणचन्द्र, सूरेणचंद्र गोपाल एवम श्रमण कुमार 123, छोटी ग्वालटोली, इंदौर ।

(अन्तरिती)

को यह स्वका जारी कराते पूर्वांकर सम्पत्ति के अर्थन के किए कार्यवाहिकां कपूरा हैं।

## जबत संपरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बार्खन:---

- (क) इस तूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, को औं अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः -----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को अवस क्षितियम के कथ्याय 20-क में परिशादिक है, वहीं कर्थ होगा को उस कथ्याय में दिका गया है।

#### नगसमी

मकान नं० 31, स्नेह नगर, इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण ग्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित हैं।

> वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक :13-12-19**8**5

मोहर।

प्रकम बार्च. टी. एन. एस्.-----

## भायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अभीन सूचना

#### RIEG WITH

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/6178—-श्र ह

नायकर मिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात जिस्ते अधिनयम कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से बिधिक है

और जिसकी सं० शेड, मेकेनिक नगर है तथा जो खातीवाला टेंक स्कीम नं० 44, इंदौर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ला श्रधि-कारी के कार्यालय इंदौर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रप्रैल 1985।

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रविश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसं अन्तरण के लिए उस पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण विखित में बास्तिक स्प से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरुण से हुई किसी बाव की बावत उक्त अधि-विवस के अधीन कर दोने के अन्तरक के विविध्व में कभी करने वा उससे वचने में सुविधा के निए, शीह/वा
- (स) एसी किसी बाय या हिल्ली बन वा बण्य जास्तियों को, जिन्हों अध्याय वायक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया बाना चाहिए भा, छिपाने में सुविधा से हैं किए:

अतः अबं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियमं की धारा 269 घं की उपभारा (1) के अधीन , निकासिकित कृष्टिक्सी, अर्थिक अस्त (1) श्री परमजीत सिंह पिता करनैल सिंह निवासी भैकेनिक नगर, कातीवाला टेंक, इंदौर ।

(भ्रन्तरक)

(2) बदरूल श्रामिन पिता मोहम्मद श्रामिन हारा मु० ग्राम सैयद श्रहमद पिता श्रब्दुल लतीफ निवासी कोयाला बाखल, इंदौर ।

(मर्त्तारती)

की बहु सूचना जारी करके पूर्वीक्ट सम्पत्ति के अर्थन व जिल्ला कार्यवाहियां करता हो।

## उनत सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध् में कोई भी बाक्षेप ध--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया न्या है।

#### and the sale

शेड, मेकेनिक नगर, खातीवाला टेंक, स्कीम नं० 44 इंदौर में स्थित है यह वह स्थानर सम्पन्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा मत्यापिन फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 13 • 12 • 1985

मोहर।

## प्रक्य बार्ड. टी. एत. एत. न-न-न-न-न

## जावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) की जधीन सुचना

#### भारत संस्कार

## भार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० मी०/ग्रर्जन/भोपाल/6179---ग्रत: मुझे, बी० पी० श्रीवास्तव

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार भूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी मं० प्लाट नं० 113 श्रीनगर एक्स० पर बना हुअ फलैंट नं० एफ हैं तथा जो श्रीनगर, इंदौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय इंदौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल 1985।

को पूर्नोक्त सम्मत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथम है कि स्थम है कि प्रथम है कि प्रथम

- (क) जन्मरण वे हुइं किसी नाथ की वावत, अक्स अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वावित्य में कमी काउने वा उससे दूशने में सुनिध, के किस, भीड़/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्य अभिनियम, या अनकर अभिनियम, या अनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिमा के निष्;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनमरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों. अधीत्:-- (1) मधुबन श्रपार्टभेट पी० नंदिकणोर रामिकशन, श्रप्रवाल तरफे श्राम मु० प्रेमचंद मन्नालाल, म० गा० मार्ग इंदौर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पदमिनी हेमन्त कुमार क्रजांची 113, श्रीनगर एक्स० इंदौर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मृहित के वर्षन के जिल्ला कार्यवाहियां शुरू करता हुं ।

## सक्त सम्मतिश के बर्धन के सम्बन्ध में कोई भी नासोंब:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख ते 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्स ब्रंभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

(पक्षीकरण:—प्रसमें प्रयुक्त शब्दों और दक्षों का, वा जनक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभागित ही, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिक्क स्वा हैं।।

## धन्युची

113, श्रीनगर एक्स पर बना हथा फ्लैट नं० 1 (तीसरी मंजिल), श्रीनगर, इंदौर में स्थित है। यह बह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती हारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

वी० पी० श्रीवा सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

दितांक: 12--12--1985

प्रकार बार्डाः टी. एव. एकः ------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुपना

#### भारत सरकार

## कार्यांसय, शहायक नायकार आयुक्त (विश्रीक्षाण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 13 दिसम्बर 1985

निदण मं० श्राई० ए० मीरि/ग्रजेन/भोगाल/6180--श्रन; मुझे, वीरुपीरुशीधास्तव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीम स्वक्षण प्राधिकारी लो, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उत्तित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु से अधिक ही

और जिमकी सकान नं 130 है नेया जो अनूप नगर, इंदौर में भिया है (और इसमे उपाबद्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप से विभिन्न हैं) एजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय इंदौर में एजिस्ट्रीकर्ग अधिन्यम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिलांक अभीन 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के कम्माम प्रतिकाल को सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास अरमे का कारण है कि दश्यपूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मन्य, नमके दश्यमान प्रतिकाल को एसे दश्यमान प्रतिकाल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और वह अन्तरक (अंतरकान) और बन्तरिनी (अन्तरितियों) को नीच एसे अन्तरण के निए तय गया गया प्रतिकाल, निम्नितियित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण ते हुए कि तो जाव की बाबते हा खनत विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक औं दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा की लिए; जॉर/या
- (क) एंसी किसी या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिल्हों भारतीय आयकर अभिनियम . 1922 (1922 का 11) या उर्ड अअधिनियम . या अन-कर अधिनियम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जगा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए:

कर्म: अर्थ, उपन अधिरियम की नारा 269-न के बनुसरन े, मैं, उक्त अधिनियम की नारा 269-म की उपनारा (1) के अभीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्री वचन मिड् निता श्री फकीन्या सिंह 172, श्रीतगर कालोनी, इंदीए ।

(श्रन्तरक)

(2) ष्ठा० लक्ष्मणदास पिता श्री बचनाराम गुप्ता निषासी 10/5, स्यू पलासिका, इंदीर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथों कर सम्परित के अर्थन के िक्षण कार्यवाहियां करता हुं।

शक्त सम्पत्ति के कर्बन के संबंध के कोई भी धार्क्ष हु---

- (क) इस त्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तासींट से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद र समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुनारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं रे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्क्ति में हितबब्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ट में किये ज सकते।

स्वष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वे का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वह अर्थ होगा, खो उस अध्याय में दिया गया हुँ।

## अनुस्ची

मकान नं 130 श्रनूप नगर, इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पन्ति है जिसका संपूर्ण विवरण श्रन्तरिती द्वारा संत्यापित फार्म नंवर 37 जी में निहित है।

> त्री० पीं० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

信託年: 13 (1?-1985

## भक्त **बार्ट**् दी , पुष**्र एव**ं, काळाळाळा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 दिसम्बर 1985

निर्देण सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोषाल/६181---ग्रत: मुझे, बी०पी० श्रीवास्तव

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इकके प्रवाद 'उक्त अभिनियम' कहा ग्वा हैं), की जारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं फ्लाट नं 779 पर बना हुआ मकान, फलेट नं 12 है तथा जो भनी प्रमुरी, इंदौर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से, विणत है) रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय इंदौर में रजिस्ट्रीकरण प्रधितियम 1908 (1908 का 16) के सबीत, दिलांक अप्रेल 1985। को पूर्वेक्त सम्पत्ति के डोचन भाजार मूल्य में कम के स्वमान अतिकल के निए अन्तरित की गई है और मूमें यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वेक्त सम्पत्ति का उपाव सामार मूल्य, उसमें सम्मान प्रविक्त का प्रमुख स्वस्तान प्रविक्त का प्रमुख स्वस्तान प्रविक्त का प्रमुख स्वस्तान प्रविक्त का प्रमुख प्रविक्त समान प्रविक्त का प्रमुख प्रविक्त समान प्रविक्त का प्रमुख प्रविक्त स्वस्तान प्रविक्त का प्रविक्त समान प्रविक्त का प्रविक्त समान प्रविक्त स्वस्तान का प्रविक्त समान प्रविक्त स्वस्तान स्

- हैको सम्बद्धान वे हुई निकडी बाद की बावक करक विक् वियम के स्थीन कार दोने के बंदरक के दायित्व में कामी कारने या सकसे बचने में सुविधा के लिए कीक/का
- (व) क्वेर विकास वाज का जिल्ली क्वं वा क्वं वास्तिकों की, विकास वास्तिकों को कित्र कित्र की पारतीय का क्वंच विधियका, 1922 (1922 को ११) मा अवता व्यितियका, का क्वंच कर व्यितियका, 1957 (1957 का 27) वी क्वंच का कित्र क्वंच विकास क्वंच का वा कित्र का वा का

अतः अब, उत्तर अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नतिसित व्यक्तियों, अभित्ः— (1) मेसर्स वृदांघन अपार्टमेंट्स तः के पार्टनर वालक्करण अग्रवाल पिता श्री दौलतरामजी अग्रवाल निवासी 158, साकेत नगर, इंदौर ।

(ग्रन्तर्क)

(2) श्री दिल्लीप सिंह राठौर पिता स्व० राणा भीम सिंह जी राठौर निवासी-158, साकेत नगर, इंदौर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्षन के किए कार्यवाहिया सूक करता हुं।

## उक्त संपरित ने वर्षन के संबंध में कोई भी काश्रीय ह----

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जनभि या तत्संबंधी व्यक्तियों प्र सूचना की तामीन से 30 दिन की जनभि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितकक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किस्र जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होना को उस बध्याय में दिवा बबा है।

## अनुसूची

प्लाट नंबर 779 पर बना हुआ मकाल, फ्लट नं० 12, मनीषपुरी कालोनी, इंदौर में स्थित है यह वह स्थाजर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण चिवरण श्रन्तरिती द्वारा संस्थापित फार्म नं० 37 जी में निहित है।

> वीं० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जैन र्रेज, भोपाल

दिनांक: 13-12-1985

प्रकृष का**र्ड** टीं. एनं ह **एस**्ट-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाड़ा 269-म (1) के अधीन स्चना

#### मारत बरकर

## कार्यालय, महायक आयकर वायुक्त (निरीक्रण)

ग्रर्जन रेज, भोपाल

भाषाल, दिनांक 13 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/6182---ग्रत: मुसे, वी० पी० श्रीवास्तव,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० मेघ बिल्डिंग, फ्लैंट नं० ए-4, है तथा जो 13/2, एम० जी० रोड़, इंदौर में स्थित है (और इसमे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में बिलित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिक्यम 1908 (1908 का 16) के अबील, दिलाक अबेल 1985

को प्वॉक्त सम्मत्ति के उचित बाबार मूल्य सं कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्नोंक्त सम्मत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तथ पामा नया बिक्त , निक्तिवित में बास्तिक हम से किया नया है किया वस है किया नया है किया कर से किया नहीं किया नया है किया है किया नया है किया है क

- (क) जनाइन से हुई किसी बाव की दावस<sub>ी</sub> समस अधितियम के अभीत कर दोने में अनाइक में दायित्व में क्यी करने या उससे वजने में सुर्तिया में निए; और्√वा
- (स) ऐसी किसी नाय या किसी भन या बन्य नास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती युवारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

बत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, अर्थात् ध—

- (1) श्रीपती कम तादेवी हैं पटनी श्री उहाँ कुमार जैन, ए-ब, पेछ फ्लेट्स, १३/८ एम० जील रोड, इंदौर। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती ैलालदेवी धत्ती समी सल कर्णावत विवासी 43, इक काटनू मार्थ, जावना छिस्टिक्ट रतलाम । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप क्ष---

- (क) इस सूचना के राजपान में श्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्सियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इदारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्वय्दीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा गवा है।

## वन्स्ची

मेघ बिल्डिंग, फ्लैट नं० ए-4, 13/2, एम० जी॰ रोड इंदौर में स्थित है। यह वह स्थाचर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण श्रन्तरिती बारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिका**री** सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोषाल

दिनांक: 13-12-1985

**त्रक्य बाह**ै, दी. एन <sub>स</sub> एक्<sub>र</sub>ध्यतक

कायकर ब्रांभनियम, 1961 (19**61 का 43) की भाग** 269-भ (1) के **ब्रा**थीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यानयः, सहायक आयकार आयुक्त (निराक्षान)

श्रर्जन रेंज, भोषाल भोषाल, दिनांक 13 दिसम्बर 1985

निर्देश मं० ग्राई० ए० मी०/ग्रर्जन/भाषाल/6183---ग्रत: मुझे, बी० पी० श्रीवास्तव,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके वश्यात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 324 एस/ब्रार है तथा जो स्कीम नं० 44, इंदौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से पणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इंदौर के रजिस्ट्रीकरण श्रधितियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रप्रैल 1985

को पूर्णोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमन ब्रितिक के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विख्यास करने का कारण है कि वथापूर्णोक्स सम्परित का उचित बाजार बूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का बुद्ध प्रतिख्व से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल का निम्नसिचित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिकित में बास्तविक रूप से किश्त नहीं किया गया है :---

- (क) निवंदिण हो हुन्दं किसी नान् की नान्स, क्यस विज्ञित्मम् से अधीन कहा देने के वन्तरक से वायित्व में कभी करने या उससे क्यने में सुनिधा के निष्टः वरिश्या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्तियां की , जिन्हों भारतीय अध्यकार अधिकार । के १९९० के १९९० का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के भयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या जिल्या जाना चाहिए था, कियाने में सुविशा के विश्व:

बंदाय का, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, जो, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) को अभीग, निम्मतिरिक्ट व्यक्तियों, अभीक क्र---

(1) भीमती कुदनी बाई पति जेठानंदजी 195, पलसीकर कालोगी, इंदोर ।

(यन्तरक)

(2) सपना गृह निर्माण महकारी संस्था भर्यादिन 91, सियागंज, इंदौर ।

(भ्रन्तरिती)

का वह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

क्या सुन्यहिंद के बर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों दर स्थान की तानीन से 30 दिन की नशीध, जो की वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विषय व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच में 45 दिन के भीतर अक्त स्थायर सम्पत्ति में हिद्य-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी ॐ पास निवित्त में किए जा सकोंगे।

## पन्स्ची

प्लाट नं० 324 एम/ग्रार स्कीम क्रमांक 44, इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्यत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी० में निहित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज. भोपाल

दिनांक: 13-12-1985

## प्रकम कार्च की एन , एवं , जन्म---

# णयकार वाधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्थान

#### भारत तरकार

## कार्याजय, सहायक जामकर बाय्क्य (निरोक्षक)

अर्जंभ रेंज, भोपाल

मोपाल, दिशोक 13 दिसम्बर 1985

भिर्देश सं व आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/ 6 184---अत मुझे बी० पी० श्रीवास्तव

भावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवचात् 'स्वतः निधिनियमं कहा गया ही, की धारा 269-च के अभीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः वाचार मृश्व 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिज्ञ ही सं० प्लाट नं० 60 है समा जो श्री तगर कालोती, इंदौर में स्थित है (भीर इससे उपायक अनुसूची में भीर पूर्ण का से वर्णित है) एजिल्ली जिल्ला की कार्यालय इंदौर में रजिल्ली इरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिशो ह अप्रैस 19

का प्रवेशित सम्पत्ति के जीवत बाजार मृश्य से काम के कामांस् प्रतिक्रम के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने ग्रह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्नोंकत सम्पत्ति का उपित वाजनर स्मा, उसके रुप्यमान प्रतिकृत में, ऐसे क्ष्ममान प्रतिकृत का सम्प्रह प्रतिकृत से ज्ञिक है और जंतरक (जंतरकाँ) और जंतरिती (अंचरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के जिए तम पाना नया प्रति-कृष निम्मिश्यित उप्योग से स्वत अंतप्रण विविद्य में वास्तविक सम है कीचत नहीं किया पना है है—

- (क) बन्तरण संहुई किसी बाव की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक की वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; बीर/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों शारतीय जायकर अधिनियन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियन, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रजोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुवरण भो, भी, उक्त अधिनियम को धारा 269-व की उपधार (1) के वधीन, निम्नसिवित स्वित्यों, वधीत् :----21---426 (GI/85 (1) श्रीमती गैलाबाई पति मदनमोहन चार निवासी-धरेण कालोगी, भोपाल

(ग्रन्तरक)

(2) यश ग्रह निर्माण सहकारी संस्था मयविंत इंदौर 101, अभवाल नगर, इंदौर।

(अन्सरिती)

को वह कृषमा वहरी कड़के दुर्वोक्त कम्पहिल् के क्षर्यन के शिव्य कार्यनहिंद्या करता हो।

चक्त कवरित के बर्बन के संबंध में कोई भी बाक्षेप र---

- (क) इस स्थान के राज्यन में त्रकावन की सारील है 45 दिन की जनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वान की तामील से 30 दिन की जनिथ, जो भी विश्व वाद में समाप्त होती हो, के भीतर वृज्ञीक व्यक्तियों में किसी व्यक्तित वृज्ञीक व्यक्तियों में किसी व्यक्तित वृज्ञीक
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की बारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्सब्ध्य किसी कन्य न्यक्ति ब्वारा नथोहस्ताक्षरी के कक्षे लिखित में किए का सकेंगे।

स्वकाकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वा अवत विधिनियम के अध्याय 20-क में परिशावित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिवा गया हैं।

## वन्त्र्या

प्ताट नं ० 60, श्रीतगर कालोनी, इंदौर में स्थित है। यह बह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सस्यापिक कार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> की० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोषाल

दिनांक: 13-12-1985

महिर :

प्रस्प नार्दः, टी<sub>ः</sub> एतः, एत<sub>ः</sub>------

कायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार कामुक्त (निरीक्षण)

अर्जुस रेंज, भौपाल भौपाल, दिशांज 13 दिसम्बर 1985

भिर्देश सं० गाई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6185—अतः मझे वी० पी० श्रीवास्तव

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (णिसे इसमें इसके प्रचाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

प्रांप जिसकी सं० प्लाट तं० 01 है तथा जो श्रीकार कालोती, इंदौर में स्थित है (श्रीय इसने उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिन्द्रीक्ती अधिकारी के कार्यालय इंदौर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसांक अप्रैल 1985

को पृशेक्ट सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफक्ष के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृषीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का चेन्द्र भीतिकत से अधिक ही और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिकित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बादित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; और/या
- (क) एसी किसी आग या किसी अन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किपाने में सुविधा की किए;

अक्ष: अक्ष, उपल अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, प्रेंत अधिनियम की धारा 269-म की उपधास (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :—— (1) श्री मदार मोहार पिता राय साहब, कृष्णलालजी खार भिवासी अरेरा कालोनी, भोजास ।

(अन्सरक)

(2) यश गृह निर्माण सह गरी संस्था मर्यापित इंदौर 101, आंबाल नगर, इंदौर।

(अन्त**िती**)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपत सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस में 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी ज्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्काप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थिक्त में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्थळकिरण:---इसमें प्रय्यक्ष शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैंं

#### अनस्यी

प्लाट नं ० 61, श्रीप्रगर कालोनी, इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं ० 37 जी में निहित्त है।

> वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 13-12-1985

मॉहर:

प्रकप बाइ .टी.एस.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन स्चना

#### भारत तरकार

कार्यालय , सहायक आयक्तर जायूक्त (नि.रीक्षक)

वर्जंभ रेंज, भोपाल भोपाल, विनोक्त 13 दिसम्बर 1985

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपास/6186---असः मुझे नी० पी० श्रीवास्तव

वावकार विभिन्नियम 1961 (1961 का 43) (विशे इसने इसके वरवाद (अवत विभिन्नमां कहा गया है), की भारत 269-व के वभीन सकाम प्राधिकारों को वह विश्वत करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका स्थित बाबार वृक्व 1,00,000/- क. से स्थिक है

भौर जिलकी सं कृषि भूमि खं नं 923 है तथा जो ग्राम करताल में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिभियम 1908 (1908 का 16) के अधीत, दिनांक अप्रैल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्लबान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते वह विश्वाच करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वर्थमान प्रतिफल का कम्द्र प्रतिकत से अधिक है और अंतरक अंतरकों; और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिखित उद्वर्थिय से उसत बंदरण विश्वित में बालाबिक क्य से क्षिणत नहीं किया गया है क्

- (क) अंतरण से हुई किसी नाय की वावतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बंतरक के वायित्व में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉर/या
- (क) होती किसी बान वा जिसी वन वा कन्य वास्तिकों करो है जिन्हों प्रारद्धीय बायकात व्यक्तिवान 1922 हैं। 1922 कर 11) वा क्वर विभिन्नका के वासित्व के व्यक्ति कर वाने के वंदरण के वासित्व
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तिकों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनिवस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, वा धन-धनकर अधिनियस, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना खादिए था कियाने में सूविधा के लिए;

वतः वतः वतः वीभिनियमं की भारा 269-मं के जनुसरम में, बा, उक्त विभिनियमं की भारा 269-मं क्यभारा (1) के वभीय, निम्नसिचितं व्यक्तियों स्वाति संक्र (1) श्री बाबूलाल धन्नालाल 3 प्रहलाय पिता स्वर्गापाल जी व श्रीमती केशरबाई पत्नी गोपालजी मिवासी ग्राम असराबद खुर्द हाह० व जिला इंदौर ।

(अन्तरक)

(2) श्री रामचन्द्र पिता श्री बृजनालजी नलवाडिया 2. श्रीमती जमलबाई पीत श्री रागवन्द्र खलवाडिया निवासी-43, कुमावतपुरा, इंदौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स संपत्ति के अर्जन के लिख् कार्यवाहियां सूच करता हूं।

कारत सम्बद्धि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राजपन में प्रकाशन की लारीख ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ज्यितिस्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध नाइ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस्त सूचना, के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 किन के धीकर उसत स्थानर सम्पन्ति में दिवा-" बहुम निक्ती कला व्यक्ति त्यारा अभोहरताकारी के शक्ष विश्वित में किए वा सकती।

#### अपुसूची

क्विषि भूमि ख॰ नं० 923, ग्राम कैलोद अस्ताल तह० व जिला इंदोर में स्थित है। यह वह स्थायर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में शिहित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव सदम प्राधिकारी सहायक अध्यकर आयुक्त (किरीक्षण) अर्ज**म रेंज**; भोपाल

বিদান: 13-12-1985

## क्षेत्र सार्वेश स्त्रीय स्थित स्वराज्य = a anas

## नाच्या न्यित्वन्, 1961 (1951 मा 43) ना याद 269-म् (1) ने संगीत सूत्रता

#### STATE STATE

## कार्याक्षय , बहायक भायकर नाव्यत (विरोधक)

अर्जम रेंज, भोपास

भोपाल, विनांक 13 विसम्बर 1985

भिवेंश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6187—अतः मुझे बी० पी० श्रीवास्तव

नायकर निर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इससे परवाद 'उन्त निर्मित्यम' कहा गया हैं), की पर्में 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निर्मास करने का कारल हैं कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका अचित वाचार मुख्य 1,00,000/- रा. से बधिक हैं

मीर जिसकी सं भूमि खं नं 154 है तथा जो ग्राम पिपल्या-कुमार तह इंदौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणा है) रिजस्ट्री कर्सा अधिकारी के कार्यालय इंदौर में रिजस्ट्री करण अधिभियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल 1985

को बुर्वोक्त सम्पत्ति को अभित बाबार शुरूष से कम् के अध्यान प्रतिकत्त को लिए अमारित की गर्द है और मुझे यह विश्वात करने का कार्य है कि व्यापुर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाबार भूका, असके अध्यान प्रतिकास सं, एसे अध्यान प्रतिकास के पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और बंदरियी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय धाना नहां प्रतिकृत विश्वानिक स्वयंत्र स्वयंत्र क्रिक्ट व्याप्तिक में बाह्यविक स्व ने क्रिक्ट वहाँ किया क्या है हम्म

- (क) बुष्युद्धण ने हुए कियों जान की बायक, उनक् प्रतिसम के बाधीन कर दोने को बन्धरक के कारत्य में कही करने वा क्याचे बायके ही हुद्दिका के विष्युः अदि/या
- (व) ए से किसी नाम या किसी धन या नम्य जास्तियों को चिन्हें भारतीय नावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्तर निधिनयम, ता च्या- कह विधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रवाचनार्थ अन्तरिती व्यास्त्र प्रकट नहीं किया व्या था या किया जाना जाहिए था, जिपाने वे सुविधा वे जिए;

अक्षः तत्र उपल विधित्यतं की भाष् 269-त के व्युक्तरण तो, तो, क्यल विधितियसं की भाष 269-य की व्यथाया (1) के वधीन, निस्तरीनक्षितं व्यक्तियों, वर्धात् क्र--- (1) श्री भागीरय पिता देवाजी खाती भिवासी ग्राम पिपल्याकुमार सहु इंदौर ।

(अन्सरक)

(2) वैभव सहकारी गृह भिर्माण सहकारी संस्था मर्यादित इंदोर शरफे अध्यक्ष श्री श्रीकिशन पिता चौड्यराम यतलानी निवासी—38, पटेल भगर, इंदौर । (अन्तरिकी)

को वह सूचना चारी करके पूर्वोक्ष्य श्रम्मीरा चे वर्धन के दिवस कार्यवाहियां करता होते।

बच्छ बन्मिक के बर्चन के सन्वरूप में कोई भी बार्बंप रू---

- (क), इस सूचना को राजपत्र में प्रकशन की तारीच वें
  45 दिन की समिथ या तत्सम्बन्धी स्पक्तियों वर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
  अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
  स्पितायों में से किसी स्पक्ति बुवास;
- (क) इस भूषना के राजपत्र में अकाशन की तारीब वें 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर सम्मत्ति में हितबहुध किशी बन्य व्यक्ति ब्वास कथाहस्ताकरी के पाड़ किश्वित में किए जा सकोगें।

स्वच्याचारण: ---इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदी का, जा उनके विशिव्यम के अध्याय 20 के में परिभावित हैं, वहीं कर्ज होगा की उस अध्याय में विदा वया है।

## अनुसूच्य

भूमि ख॰ नं॰ 164, भ्राम पिपल्याकुमार सहु॰ इंबीर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> नी॰ पी॰ श्रीवास्तन प्रमम प्राधिकारी बहायक भायकर आयुक्त (भिरीक्षण) कर्जम रेंज, भोपान

विमान: 13~12~1985

मोहरः

## प्रकृष कार्<sub>य</sub>की <sub>ए</sub>एम्) एक . ----भन्तक

बावफर विधिनियन, 1961 (1961 का 43) की बाय 269-वं (1) के बंधीन सुवना

#### TITO STATE

कार्यांक्य, सहायक मायकर नामुक्त (निरक्षिक)

मर्जन रेंज- 4, भोवास मोपास, दिनाँक 13 दिसम्बर 1985

निरेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6188—अतः मुझे, बी० पी० श्रीवास्तव,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसवें इसके परवात् 'तन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के वचीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का अदल है कि स्थापर सम्पत्ति, विस्तका उचित वाजार मृज्य 1,00,000/-रा. से विधिक है

भोर नि उकी सं० भूमि सर्वे नं० 132 है तथा जो प्राम गवता जिता धार में स्थित है (श्रीर इससे उपाधक अनुसूची में भोर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय धार में रजिस्ट्रीकरण अधिमियम 1908 (1908 का 16) के अक्षीन, सारीख अप्रैल, 1985

की पूर्वोक्त सन्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान प्रक्रिक को सिए क्लारिती की गई बार मूओ यह विश्वास शहर का कारन है कि यथामूनोंक्त सम्मत्ति का उपित वाखार मूक्य, उबको स्थमान प्रतिक्ष्य से, इसे व्ययमान प्रतिकत्त का क्लाह प्रिएक्त से विविद्य है बीड़ जन्दरक (जन्दरकों) की द क्लाहिती (क्लारितियों) के बीच एक बन्दरक से निए उप नक्त क्या प्रतिकत्त निम्मितिक क्या से कृषित नहीं किया गया है ह—

- (a) कथारण से शुरू किसी बान की वानस्ता, क्यर वीपीयस्य से स्वीत कर दोने के कथारक में क्षतिक में क्षती करने वा स्कर्त कमने में प्रीयश ने किए; स्वीत/वा
- (स्व) ऐसी किसी नाम या किसी भन वा जन्म भारितकों की जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उद्देत अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रवाच-नार्थ संतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया वाला आहिए था कियाने में सुनिधा के लिए:
- ्रश्चः जय, सम्बं विधिनयम की भारा 269-व के अनुहरण में, में, वायत विधिनयम की भारा 269-व की उपभारा (1) के वर्धन, निम्मिशिय व्यक्तिंह वर्धात् म—

- (1) श्री जगदीय पिता राम किया महमाजन रावत निवासी गांव भवला सह० धार जिला धार । (अन्सरक)
- (2) ज्योती प्रति प्रदीप कुमार गांधी 495, म० गा० मार्ग इंदोर प्रबंधक गौरव सीमेंट कपंनी प्रा० नि० रिष्ठा० आ० 87, दोलक्षण, इंदोर,। (अन्तरिती)

का यह क्षमा बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन की काम कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

बक्त सम्परित के वर्षम् के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप :---

- (क) इस सुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की सर्वीय या तत्वस्वत्यी व्यक्तियों पद सुमना की तानील से 30 दिन की सर्वीय, यो जी सर्वीय साद में हमाप्त होती हो, के मीतर प्रवेषक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस ब्रामा के प्रकार में प्रकाशन की सारीया के 45 प्रिन के भीतर जनत स्थाव,र सम्मति में हितकपृथ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा भाष्ट्रस्ताक्षरों के पाक विविध में किए था सर्वोगे ।

श्रमक्रीकारण र्—-इसमें प्रयुक्त कर्कों बीर पर्कों का, जो सक्क अभिनियम के अध्याय 20-क में पीरभावित ही, नहीं वर्ष होता, यो सत्त अध्याय में दिया नवा ही क्ष

## यम्सूनी

भूमि सर्वे नं ० 132 गांव गवला जिला धार में स्थित है वह सह स्थावर सम्मत्ति है जिन्न मा सम्पूर्ट विवरण अन्तरिती द्वारा सर्थापित फार्म नं ० 37 जी में निष्ठित है।

> बी० पी० श्री वास्तव सक्षम प्राधिकारी सञ्चामक सामकर आयुक्त (पिरीक्षण) सर्वेग देंग, भोपास

विनोच 13-12-1985 सोहर:- प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

जासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायकः,कायकर बाय्क्तः (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोगाल

भोपाल, विशोक 16 दिसम्बर 1985

िर्देश सं० अधि० ए० सी०/अर्जन घोपाल/ 6189—अतः मुझे, बी० पी० श्रीवास्तव,

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण हैं कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,∩00/- रत. से अधिक हैं

मीर जिल्ली सं० भूमि है तथा जो प्राम फीकाशार कला में स्थित है (भीर इससे उपावत मनुसूची में मीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कल्पीलय में रिजस्ट्रीकरण अधिक्यम 1908 (1908 का 16) के अधील दिक्षक अभैल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कन के दश्यमान पतिकल के लिए अन्तरित की गईं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकॉ) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिकल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण शिकित वे बास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है हिन्न

- (क्ष) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्ति रती द्वारा प्रकष्ट नहीं किया गया था या किया जाना घाहिए था, स्थिमाने में स्विभा को लिए।
- अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नासिकत व्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) अखार हुसेन पिता धनगेर अली बोहरा निवासी— खैराती बाधार वार्ड बैरी मैदान सह्व बुहरामपुर। (मनारक)
- (2) सुमावनन्त्र पिता बाबुलाल चौकसे फोफप्रायकला सहर बृहरावपुर

(अन्तरिवी )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख है 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के वास जिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिवा नया है।

## भनसूची

भूमि ग्राम सोपनारकली तह० बुहरानपुर में स्थित है -यह वह स्थावर सम्भीत है जित्रका विवरण अन्तिरिती द्वारा सस्यापित फार्म नं० 37 जी में निहित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी भिरीक्षी सहायक प्रधिकारी आयुक्त अर्जन रेंज, भोपास

दिनौंक: 16-12-19<del>6</del>5

मीष्टरः

प्ररूप बार्ड . टी . एन ू पुरा र्------

# मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन स्थान भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर वायुक्त (निद्रीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिर्गांक 16 दिनम्बर 1985

िर्देश सं० अ.६० ए० सी/अर्जन/भोषाल/6190—अतः मुझे, बी० पी० श्रीवास्तव,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा फोफनार जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिल्ट्रीन ती अधिनारी के कार्यालय मुरहानपुर में रिलिट्री करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीर अमेल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्दरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल स, ए दश्यभान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित ब्रब्थेक्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कमित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आयं या किसी भने या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनेकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः नवं, उक्त निधिनियमं की भारा 269-गं के ननुसूरण ने, मैं, उक्त निधिनियमं की भारा 269-मं की नपभारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, नभीत् :---

- (1) अखतर हुनेन पिना शमशेर अली बोहरा निवासी खैराती बाजार वार्ड बेरी मैदान बुरहा पुर (अन्तरक)
- (2) शिक्षित कुमार पिता अमोक चंद्र चौकसे शाबालिक अमोत चंद्र बाबूलाल चौकसे निवासी फोकशार कक्षां तहु ब्रह्माःपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हु।

उक्त संपत्ति के अंजन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लित में क्थिए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयम्त शब्दौं और पर्दौं का, जो उक्त है, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित गया है।

## बग्त्ची

भूमि प्राम क्षोपनारकलां सह० बुरहाक्षपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्भीत है जित्रका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी में निहिस है।

> वी॰पी॰ श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी विरीकी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, भोषाल

दिनो ः 16-12- **98** 

मोहर 🗈

प्रकास आई. टी. एत. एस. -----

कायथ्यः मिश्रिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन स्पना

#### भारत सरकार

कार्याजय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनोक 16 दिसम्बर 1985

िर्देश सं० अ.६० ए० सी०/मर्जभ/भोगाल/ 6191—अतः मुस्ने, बी० पी० श्रीवास्थव,

कांग्कर अधिनयम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें प्रकार 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सभन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्नावर संपत्ति जिसका उभित बाबार मूख्य

1,00,000/- रा. से अधिक हैं
और जिल्ली सं० भूमि है तथा जो प्राम फोपनारक्षों में
स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से
विधि है), रिजिल्ट्री निर्ता अधिकारी के वार्यालय बुहानपूर
में रिजिल्ट्री तरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन दिनां से अन्नप्रस्त, 1985

को पूर्वकिश संग्यां के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्र प्रतिक्षय से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितिथा) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रति-फल निग्नेलिकित उद्शंश्य से उक्त अन्तरण सिक्षित में शस्तिक क्य से कोशेष मही किया ग्या है द—

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बावत, खक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) पोशी किसी बाय या किसी धन या बस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के क्षिए।)

वतः अव, उक्त विभिनियमं की भारा 269-ए के वनुसरक के, के, उक्त किभिनियमं की भारा 269-ए की अपभारा (1) के वभीन, निम्हिलिकतं व्यक्तियों, वर्षात् ६--

- (1) श्री अखतर हुसै । पिता शमशेर अली बोहरा निवासी। खैराती बजार वार्ड, बेरी मैदाम बृहराभपूर। (अन्तरक)
  - (2) श्री कोसि कुमार पिता अरूण चंद्र चौंकसे नाबालिक वली पिता अरूण कुमार बाबुलाल चौकसे निवारी फोपनारकलो सह० बुहराकपुर (मन्दरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति **से वर्षम के अध्** कार्येवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अनिभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, खो भी अवधि काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

#### मन्त्रची

भूमि ग्राम फोपनार कला त ० बुरहानपूर में स्थित है यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सरयापित फार्म नं० 37 जी में निहिध है।

> नी० पी० श्रीवास्तव। सक्षम प्राधि जरी (निरीक्षण) अर्जं म रेंज, भोपाल

विनोक : 16-12-1985

## क्षण प्राप्त<sub>ि</sub> की<sub>य</sub> हुए<sub>य</sub> हुए<sub>य</sub>-व्यवस्थान

4। प्रकार मुणिनिजम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-म (1) के व्यक्ति वृचना

## भारत सरकार

## कार्यास्यः शहायक आयकर आस्थल (निरीक्तण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 विसम्बर 1085

निदेश सं० भ्रप्हिं० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/6192— धतः मुक्के, बी० पी० श्रीवास्तव,

नाथकर नीभनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें परवात् 'उक्त नीभनियम' नहा गया हैं), की भारा 269-ज में नभीन समम प्राधिकारी को,, यह जिस्सास करने का कारण है कि स्नावर संपत्ति जिसका उजित वाबार मूल्य ;

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
श्रीर जिसकी संव प्लाट नंव 27 (ब्लाक नंव 5) है, तथा
जो नेष्यिर टाउन, जबलपूर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध
श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीवर्ता
श्रीकारी के कार्यालय, जबलपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम,
1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख अप्रैल 1985

1900 (1900 का 10) के अवात, ताराख अप्रण 1985 को पृथांकत सम्परित के उचित बाजार मृख्य से क्षम के खबान हितक्षम के लिए बम्तरित की नहीं ही, और मृम्में यह विश्वाब करने का कारण ही कि बचाप्नोंकत बंगरित का उचित बाजार मृख्य , उसके कथान प्रतिकृत से ऐसे दस्यमान प्रतिकृत का बेख्य प्रतिकृत से शिक ही और अंतरका (बंतरका) जीर अंतरिती (बम्तरितिवाँ) के बीच पूचे बम्बर्ग के जिल्ल तब बखारण विश्वक विश्वक कर से कथित महीं किया कथा ही र—

- (क) अन्वरण वं हुए जिल्ली बाव की वावत उपत अधि-विवय के वणीन कर दोने के बन्तरक के दाविस्त में कभी करने वा सबसे बचने में त्रविधा के निष्ध. बीर/वा
- (थं) ऐसी किसी बाब वा किसी बन वा बन्य जास्तियों को, विन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विचित्रियम या विक्रम विचित्रियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ज विस्ति व्वाय प्रकट नहीं किया वया वा या किया वाना चाहिए था, कियाने में सुविका के सिक्;

- श्री हरवर्ट िणोर साथ में भाई बसील कल्याण एवं मेमुझल एवं माता श्री तिरेखा इलीझास, कलकत्ता पत्नी श्री एचं० टी० एलीझस। (श्रन्यरक)
- श्रीमती आशा जैन प्तनी श्ररविन्द कुमार जैन, निवासी—कोतवाली बाजार, जबलपुर। (श्रन्तरित)

की यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के किए कार्यवाहिया सुरू करता हुं।

उक्त सम्मतिक के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाह्मीय ५---

- कि वा प्रमा के राज्यम में प्रकारण की ताड़ीय है 45 दिन की वसीय वा उत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचवा की ताबील से 30 दिन की वसीय, को थी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इब सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब हं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के वाद किसित में किए वा सकोंगे।

स्वाक्षीकरण :---हसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त विष-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुर वर्ष होगा. को उस अध्याय में दिया गवा है।

#### बनसची

नजूल प्लाट न० 27 (ब्लाक नं० 5),नेथ्यिर टाउन, जबलपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण श्रन्तिरती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37-जी० में निहित है।

> बी० पी० श्रीवास्तव गक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोगल

कारीख: 10-12-1985

प्रकप बाइ . ती. एत. एत. ------

कांबेकर व्यक्तियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 28%-व (1) में विभीन क्षाना

भारत सरकार

भार्यासय, सहायक बायकर बायूक्त (निरिक्षाण)

ग्नर्जन रेंज,भोपाल भोपाल, दिनांक 16 दिसम्बर 1985

निवेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोषाल/ 6193—ग्रतः मुझे, वेद प्रकाश श्रीवास्तव ,

कारकार विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त विभिन्यम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पन्ति, विसका उचित वाचार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

म्रौर किसकी सं० कृषि भिम, है तथा जो ग्राम पलासुर, तहसील बुरहानपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनु-सूची में ग्रौर पूर्ण कृप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधिकारी के कार्यालय बुरहानपुर में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रप्रैंल, 1985

(1908 ला 16) के अधान, नाराख अप्रल, 1985 को पूर्वोक्स सम्यक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि उधापुर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार बृक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल हो ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रवृद्ध प्रतिकास का प्रविक्र के बीच प्रसे अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच प्रसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से अक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है ए—

- (क) अन्तरक सं हुई किसी आव की बावत उक्त विधिनियम के नधीन कार दोने के बन्तरक के बायित्व में कभी करने या मससे बचने में सुविधा के निगं। और/गाः
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अस्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या तकत अधिनियम, या धन-कण अधिनियम, या धन-कण अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा, क्षियान के विष्टा के निष्टा

जन जब, उचन अभिनियम की धारा 269-न को जनसरण में, में उचन अभिनियम की धारा 269-न की उपभारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यिक्त व्यिक्त क्यांत्र  श्री खुशाल श्रोंकार महाजन, निवासी ग्राम पलासूर, तहसील बुरहानपुर।

(भ्रन्तर रा)

 श्री बाल् एवं खुशाल महाजन, निवासी ग्राम पलासुर, तह० बुरहानपुर।

(भ्रन्तरिती)

व्यक्ति प्राप्त कार्य कार्य क्यों का क्यारित के वर्षन थे लिए कार्यवाहियां करता हुं।

अवस सम्मरित के वर्षन के अञ्चल में कोई भी शासेय:---

- (क) इस बुक्ता के राज्यन में प्रकादम की ताड़ी हु हो 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्कान की ताबीस से 30 दिन की अवधि, वो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के शीतर प्रवेशिक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (च) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध कियी बन्द व्यक्ति इवारा जभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्ठिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवां का, जो उक्त विशिवक, वे भूभाव 20-क में पृरिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अभ्याय में विश्वर गवा हैं।

**प्रनुमू**ची

कृषि भूमि ग्राम पलासुर, तह् व्युरहानपुर में स्थिति है।

वेद प्रकाण श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज, भोषात्र

तारीख: 16~12-1985

मोहरः

## प्रकार कार्ड ्टी. एवं . एसं . -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- श (1) के अभीन सुभाग

भारत तरकार

## कार्यालय, सहायक वायकार वायका (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 दिसम्बर 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/6194~-ग्रतः मुझे, वेद प्रकाश श्रीबास्तव,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की चारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वनंत करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० मकान नं० 27/520 है, तथा जो एम० जी० रोड़, रायपुर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में प्रौर पूर्ण रूप मे विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख अप्रैन, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृख्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिकात से विभिक्त हैं और बन्तरक (बन्तरकों) और अंगरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिधित अव्योध्य से अन्त बंतरण विभिन्त में बास्तिक स्प से कवित नहीं किया यहा है है—

- [क) वंशक्रण वं हुई किसी नाम की वावस्, उपक अधिनियम के ब्रुपीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे श्रेंक्टो हों सुविधा के लिए; और/बा
- (क) एसी किसी बाब वा किसी धन वा बन्य बास्तिकों का, जिन्हों भारतीय बाय-कर सिंधनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनियम, वा धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जातिए था, छिपान में सुधिवा के किए।

नस्त अन उन्त विभागनम का भाष 269-ग में अनुसरण हो, मैं। उन्त निप्तिनन की भारा 269-य की उन्धारा (1) है स्थीन, निम्मिशिया व्यक्तियों, नवित् :--

 श्री भ्रजीत भ्रात्मज स्व० डा० रामचन्द्र भ्रत्ने, निवासी सिविल लाईन, रायपुर।

(अन्सरक)

 श्री मनोहरलाल भ्रात्मज हरगुनदास जाधवानी, तलघर कालोनी, रायपुर।

(मन्तरिती)

को वह सूचना वा<u>र्</u>य करके पूर्वोच्छ संपर्शित के वर्षन के निष् कार्यवाहियां करता हुन्।

उबत सम्पत्ति के बर्जन के मबंध में कार्ड भी वार्शन :---

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीस से 15 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों. पर सूचना की तामील से 30 दिन की कार्यक्ष, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी कन्य न्यक्ति इवारा, जभोहस्ताक्षरी के पात निवित्त में किए का सकति।

स्वस्थितियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा को जम अध्याय में त्रिया स्वा है।

## धनुसूची

मकान नं॰ 27/520 एम॰ जी॰ रोड़, रायपुर में स्थित है।

वेद प्रकाश श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोषाल

तारीख: 17-12-1985

प्ररूप आही. टी. ह्या. एस...----

आध्यकंद अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय; सहायक जायकर बायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 दिसम्बर 1985 निदेश सं० अर्प्ह० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6195—-अर्दाः मझे, वेद प्रनाश,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें सब्दे परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ज के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० मकान नं० 27/520 है, तथा जो एम० जी० रोड़, रायपुर में स्थित है भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैन, 1985

- (क) अन्तरण सं हुई पिन्धी आव की वावत , उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्धरक के दायित्व में कभी करने या उससे क्याने में सुविधा के लिए; बॉट/या
- (व) ऐसे किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धा धन-कर अधिनियम, धा धन-कर अधिनियम, धा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया ना वा धिका जाना आहिए वा, कियाने में सूपिधा के सिए;

नतः शव, उत्त निमित्रम, की धारा 269-न में नत्तरन में, में, उनत निधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) में के नधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष्म

- श्री भ्रजीत भारमज डा० (स्व०) रामचन्द्र भने, निवासी सिविल लाईन, रायपुर।
- 2. श्री शकरलाल आन्मज़ हरगनदास जाधवानी, नल घर कालोनी, रायपुर। (अन्तरिती)

को यह तृचना चारी करके पूर्वोक्त सभ्यक्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्परित के वर्षन के संबंध में कोई भी नाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस बुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाधन की तारीब ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी जन्य व्यक्तित क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किसे का सकती।

#### अनुसूची

मंजान नं० 27/520 एम० जी० रोड़, रायपूर में स्थित है।

वेद प्रकास श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकरी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, भोपाल

तारीख: 17-12-1985

प्रकप माई . दी . एत . एस . -----

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन स्वता

भारत सरकार

कार्यांकय, सहायक गायकर भाष्यत (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/6196—ग्रतः मुझे, वेद प्रकाश श्रीवास्तव,

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गवा है), की भारा 269-इस के वधीन स्क्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मुख्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी सं मकान नं० 27/520 है, तथा जो एम० जी० रोड़, रायपुर में स्थित हैं श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1985

का पूर्वोक्त सम्मत्ति के स्वित बाबार मृत्य से कम के सम्बद्धां वृत्तिपत्त के लए बंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि मंथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उनित वाबार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का क्लाइ प्रतिखत से वृश्यक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (बंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के सिए तम पाना नवा प्रतिक कम निम्मतिबित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्त-

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनिक्त के अधीर कर दोने के बंदाइक वी वादित्व के कवी करने वा अवसे क्यन में वृधिका के जिए; बार/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के जिल्हे;

 श्री श्रजीत आतमज स्व० डा० रामचन्द्र श्रते, निवासी, सिनिल लाईन, रायपुर।

(श्रतरङ् )

2. श्री मुरलीधर म्रातमज हरगुनदास जाधावानी, नलघर कालोनी रायपूर।

(भ्रन्तरिती)

7

को वह व्यवा पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नवन के सिध् कार्यवाहियां करवा हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बर्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में द्वित-बढ़ाभ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी क पास निवित में किए या सकेंगे।

स्पव्यक्तिक क्षाः :----इसमां प्रयास्त कान्यां अहाः नदां काः, आ जनकः विभिनियम के वश्याः 20-क मां परिभाविद्यं हो। वहीं वर्ष होगाः ओ उस अध्याश हें विवा नदा हो।

#### अम्सूची

मकान न० 27/520 , एम० जी० रोड़, रायपुर में स्थित है।

वेद प्रकाश श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 17-12-1985

मोहरः

प्रस्प आर्इ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन मुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/ 6157—असः मुझे, वेद प्रकाण श्रीवास्तव

मुझ, वद प्रकाण श्रावास्तव भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का करने का कारण हैं कि यथाप्वेंक्त सम्पत्ति का उचित नाजार 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जितकी सं० महान नं० 27/520 है तथा जो एम० जी० रोड़, रायपुर में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिमियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित् बाजार मूल्य से कम् के स्रयमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का धन्द्रह प्रतिचल से ब्रिथिक ही जीर अंतरिक (अंतरिकों) जीर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रति-फल निम्निजितित स्कूष्टेस से उस्त बंतरूज बिश्वित में शस्तिविक एम से केजिन नहीं किया गया है इ—

- (क) बुन्दरम् वं हुएं किसी बाद की बादस्य, उपक अधिनियस के अधीन कार दोने में अभ्यक्रक के वासित्य में करने या उससे अपने की सन्तिया के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने औं सुविधा के लिए;

नतः जन, उत्तत अधिनियम की धारा 269-न की अनुसरण कों, मीं- उत्तत अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् १ श्री अजीत आत्मज स्व० डा० रामचन्द्र अत्रे, मिवासी सिविल लाईम, रायपुर।

(अन्तरक)

 श्री अमरलाल आत्मज हरगुनदास जाधवानी, जल घर कालोनी, रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के विश्व कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

**बन्द बुम्ब्रिक के बर्चन के बम्बन्ध** में खोड़ों मी माक्षेप :--

- (क) ह्य युवा वे राज्यन में प्रकारन की ताड़ीय हैं
  45 दिन की नवीं न तरकाननी न्यतिसमें पर
  कुवा की तानील से 30 दिन की अवस्थि, वो और
  वर्षा बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारित न 45 विश्व के प्रीतिर उक्त स्थावर सम्बद्धि में हितबबूध किसी अन्य स्थावत द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास विवित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरणः —-- इसमें प्रयुक्त कान्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

#### वपुस्पी

मकान नं० 27/520, एम० जी० रोड़, रायपुर में स्थित है।

> वेद प्रकाण श्रीवास्त्व सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपास

तारीखा: 17-12-1985

## प्रकल बाह्र . ट्री., एवं . एवं . ------

नायकर विधिनिवस, 1961 (1961 का 43) की धार 269-व (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकात

## नार्यालय, सहायक नायकर भावुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जम रेज, भोपाल भोपाल, दिमांक 17 दिसम्बर 1985 मिदेश सं० आई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल/61**9**8——अतः मुझे, वेद प्रकाश श्रीवास्तव,

कायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृश्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रौर जिचेकी सं० प्लाट नं० 36 है, तथा जो साकेत नगर, इन्दौर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, तारीख अप्रैल, 1985

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिचित उच्चेच्य से उक्त अन्तरण लिचित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) कन्तरक ते हुं दे किसी बाव की वावत, उपके वीधिनवस के अधीन कर दोने के बन्तरक के द्यायित्व में सभी करने वा उससे वचने में बृजिधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी बाय वा किसी धन या बन्य ब्रास्तियों करें, जिन्हों भारतीय बाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ करनियम, विधार प्रकट नहीं किया गया था या सिया बाना चाहिए बा, जियाने में जुनिया के सिए;

- श्री यशवर्धम चोपड़ा आत्मज श्री एस० के० चोपड़ा, मिवासी साकेत मगर, (खजराना), इन्दीं । (अन्तरक)
- 2. मै० तययुग गृह तिर्माण सहकारी संस्था, 154, एम० खातीवाला टैंक, इन्दौर, तरफे अथ्यक्ष श्रीचन्द ताराचन्दजी चुघ।

(अन्मरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के निश् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

डक्त सम्मत्ति की कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितायों भी से किसी स्थित ह्वारा;
- (क) इस ् 4ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाय वभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा संकेंगे।

स्यक्क करणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### शन्सूची

्याट न० 36, साकेत भगर, इन्दौर में स्थित है। यह बहु स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सह्यापित फार्म नं० 37-जी० में मिहित है।

> वेद प्रकाण श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, भोषाल

कतः अस, उक्त अधिनियम को भारा 269-म को बन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :—

सारीख: 17-12-1985

मोहरः

प्रकप आईं त्टी . एन . एस . ------

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

## कार्यासव, सहायक वायकर नागुक्त (निरासन)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 17 दिसम्बर 1985

निदेश मं० अहि० ए० मी०/अर्जम/भोपाल/6199—अतः मुझे, वेद प्रकाश श्रीवास्तव,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उस्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख को अभीन सक्षम प्राभिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी संव बंगला नंव 726 है, तथा जो नेपियर टाउन, जबलपुर में स्थित है (स्रोर इससे उपाश्रद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिमियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाज़ार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं और मूजे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाज़ार जन्म, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का नम्बह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (बन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाना गना प्रतिफल, जिम्मिलिबित उद्योधन से उच्छ अन्तरण लिकित में वास्तिबिक रूप से किथल नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण ते हुई किती जाय की वावत, उक्त बहुँचीनवन के अधीन कर दोने के जन्दरण के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जंतिस्तयों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त जभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया रहा या या किया जाना आहिए था, छिपाने में त्विका के लिए;

अतः कवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—

 श्री सरदार गुरुमुख सिंह नरूला, टी० एस० हरदयाल सिंग, 726, नेपियर टाउन, जबलपुर।

(अन्तर्क)

2. श्री अभन्त डी० देवरस, आत्मज स्व० श्री दिवाङ र राव देवरस, 41, नेपियर टाउन, जबलपुर। (अन्सरिती)

को बहु सूचना चारी करके पृशांक्त सम्पत्ति के अर्जन के क्या कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के कर्पन के संबंध में कोई भी बाध्येय "---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोक्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्वक्षिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

बंगला तं० 726, नेपियर टाउन जबलपुर में स्थित हैं, यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37–जी० में मिहिन है।

> वेद प्रकाश श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्ष आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोषाल

**सारीख**: 17-12-1985

प्ररूप आहुरे. टी. एन. एसा.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जाः केंच, भोगान

भोषाता, सिनांभ 17 विसम्बर 1985

धिदेश सं० लाई० ए० सी०/लर्न (भोषाल/ 6200---लन: मधे, वेद प्रकाण श्रीवास्त्रत्

आयकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिन्दिकी सं० घील एएल तंत्र 109, बील तंत्र है है, स्था जो अवाहण समार, रायपुर में स्थिए है (श्रीर इससे उपाबड़ अनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से विण्ड़ी है), रिजिस्ट्रीयर्ती अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में विल्ड़ीय ए अधिक्यम, 1909 (1908 पा 16) के अधीर, धारीख अश्रीत, 1984

की प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यभान प्रतिफल से एंसे दश्यभान प्रतिफल का पंद्रश्च प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिसित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तिक रूप से किया रूपा है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें सविधा के लिए;

अत: उत्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निध्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. थी हरीराम (2) श्रीपाम आत्मण मिलम (3) अपिया विश्वया मिलम, महन्त्रपारा, रायपुरा (जनरक)
- अ श्री श्रांत्रित कुमाए स्वितानिया, भारत सहकारी गृह निर्माण शमिति मर्यादित, जवाहर सगर, रायगर।

(श्र=ारिती )

को यह सूचना जारी करके पर्वीक्त सम्पत्ति <mark>के अर्जन के लिए</mark> अर्थजिहियाँ करता है ।

लक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्ति हो में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वरदीकरण:---इसमें प्रयायन शब्दों और पर्दों का, जो जक्त अधिनियम., के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

*ধান্* প্ৰ**প্** 

पी० एव० नं० 109, जवाहर नगर, रायपुर में स्थित है। यह वह स्थावर संपत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अरारिती द्वारा भरवाफा फार्म नं० 37-जी० में निहिस है।

> वेद प्रात्तण श्रीवास्तव सक्षम श्राधिकारी भ्रह्मयक आयक्षर आयुक्त (फिरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

वारी**ख**: 17-12-1985

用[[s]]\* :

## वचन वार्षं . दी . एव . युषं , -------

नावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) है अधीन मुचना

#### भारत तरकार

कार्यां नय, सहायक बायुकर अग्युक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल -

भोषाल, विनांत 17 विसम्बर 1985 निदेश गं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोषाल/6201---

**ध्रतः मुझे, बेद प्र**राण श्रीवास्तव

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परपात् 'उध्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसको सं० प्लाट नं० 12, व उसमें निर्मित मकान है, तथा जो रिवनगर कालीनो, इन्दौर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूध। में श्रीर पूर्ण क्ष्म से विणित है), रिजिस्ट्रीक्षित श्रिधि गरी के क्षायित्रय, इन्दौर में रिक्ट्रिक्षण श्रिधि गरी के क्षायित्रय, इन्दौर में रिक्ट्रिक्षण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान विकास को लिए जन्सरित की नहीं हैं और मुक्ते यह विश्वास कारते का कारण है कि स्थाप्जेंक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृक्य, उत्तके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्सह प्रतिशत से अभिक हैं और जंतरक (जंतरकों) और अध-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाम नवा प्रतिकल निम्निचित उद्देश्य से उक्त बंतरण निचित्त में वास्तिवन रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के ग्रीवित्य में कमी करने या उससे वनने में सिवाम के लिए; जीर/बा
- (थ). एसे किसी आय या किसी भन या जन्म आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उपत अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया बाना चाहिए था. कियाने में मुविधा के लिए।

भतः जब, उसत जिथितियम की धारा 269 मा के अनुमरण में में, उसत अधितियम की धारा 269 क की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसिय व्यक्तियों अधीत :--

- 1. (1) श्री अशोक मेन्डा आत्मक श्री बलदेवदास मेन्डा, (2) गीना पति तुलसीदाम हिन्दूजा,
  - (3) चन्द्रलोक कालोनी, इन्दौर ।

(ऋन्तरः)

2. श्रीमती ममता गर्ग पति प्रेम गर्ग, तिवासी 4, महारानी रोड, इन्दौर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना वारी करूके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नवन के सिव कार्यवाहियां क्षक करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाओंच :---

- (क) इस नुषवा के रावप्त्र में प्रकाशन की तारीं है 45 विन की सर्वीभ या तत्सम्बन्धि स्पिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की स्वीध, को भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वमा के श्वपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकेंगे।

स्वकाकरण :---इसमें प्रयुक्त बन्दों नीर पदों का, यो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया यथा है।

## अनुसूची

प्लाट नं 12 व उसमें निमित महान, रविनगर कालोनी, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं 37-जी में निष्ठित है।

> वंद प्रकाण श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, भोपाल

नारी**ख**: 17--12--1985

प्ररूप आहें. सी. एन. एसा.-----

बाबकर अधिनिवस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-स (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्बासवा, तहासक जासकर जायुक्स (निरीक्षण)

ग्रर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 दिसम्बर 1985

गोनदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपान/6202—म्प्रतः मुझे, वेद प्रशास श्रीवास्त्रत्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाचार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी संव महान नंव 84 (प्रथम मंजिल) है, तथा जो एमव टीव क्लाथ मार्केट, इन्दौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से अणित है), रिनस्ट्री-इन्ती अधिकारी के ायित्य, इन्दौर में रिनस्ट्रीजरण अधि-निथम, 1908 (1908 ा 16) के श्रवीन, तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यकान प्रतिकल के लिए अन्तरिह, की गई है और मूझे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिकल से एसे क्ष्यमान प्रतिकल का बंदह प्रतिकत में अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीज एसे अन्तरण के लिए तय पागा गया प्रकार कि कि कि से कि से कि कि से कि कि से कि से

- (क) अन्तरण ने क्यूर्य किसी आय की बाबत, उक्त निवम के अभीन कर देने के बस्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (म) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, क्रियाने में सुविधा के सिए;

अतः असः उनस जिभिनियम की भारा 269-य के अनुसरण में, मंं, उनस जीभीनयम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभोन, निम्निलिसिस अधिनतमों, अर्थात् :— गण्डा निवास मिल्हान गण्ड, इन्द्रीर लरफे प्रध्यक्ष, रामस्वरूप खण्डेतवाल घातमञ भेरूला जी खण्डेतवाल, निवासी 75, मल्हारगण, इन्द्रीर एवं मंत्री छुण्ण गोपाल मेडतवाल पिता लंदलात जी मेडतवाल, रामगण, इन्द्रीए।

(ग्रन्तरक्त)

 मैं० प्रकाण चन्द्र कोठारी तरके पोप्राइटर श्री प्रकाण चन्द्र कोठारी, पिता भानु प्रताप कोठारी 58, ग्रहिस्पापुरा, इन्दील।

(भ्रन्तरिती)

सों बहु सूचना जारों करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थान के क्लिप कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तत्रिक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितक्ष्ध किसी अन्य व्यक्ति इसारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रमृतिश शब्दों और पदों का, जो उसका अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिकालिक हैं, यही अर्थ होगा को उस अध्यास में निया गया है।

## यनुसुची

मकान नं 8.1 (प्रथम मंजिल) एम० टी० कराथ मार्केट, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका चेम्पूर्णज त्रिवरण अन्तरिती द्वारा मत्यामि फार्मनं ० 37-जी० में निहित है।

वंद प्र**ाण श्रीवास्तव** सक्षम प्राधिकारी सहायक **भा**यनार भायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंग, भोपाल

तारीख: 17--12--1985

प्ररूप **बार**ै. टी. एन. एस<sub>्ट्रन्टरटर</sub>-

आयकर अधिति । 1961 (1961 का 43) की भारत दक्ष प के अभीन सुचना

#### भारत तरकार

## कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रोंज, भोषाल

भोपाल, दिनां ह । ३८ दिसम्बर 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोषान/6203—प्रतः मुझे, वेद प्रदाश शीवास्तव,

जायकर अभिवीनयम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त जिथिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के जभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित्त नाजार मृल्य 1,,00,000/- रा. से जिथिक हैं

श्रीर जिसकी मं० मकान नं० 7 है, तथा जो रोशनसिय भण्न्छारी मार्ग, इन्दौर में स्थित है (श्रीर इसमें उपादक श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीय-कारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख श्रप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पीत के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्रुव, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिकार में अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निश्नलिखित उद्देश्य से उक्ष्त अन्तरण लिखित में सास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती ख़बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

अत: अज, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भैं, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के त्रधीन, निम्निलिकित व्यक्तियों, अर्थात् क्र— ैं। श्री भरेशपद्ध सेठी एउ घटानी श्राफ श्रीमती त्रतूपप्रभा सेठी, निवासी, माणिए भवन, तूकोगंज, इस्वौरा।

(ग्राहर ह)

 श्रीमती धनोरमा पत्ती रोधनलात बाफना, (2) रिवन्द्र कुमार फ्रान्सन रोणाततात बाफना, (3) श्रीमतो संगीता पत्नी रिवन्द्र कुमार, सभी तिवासी 5/2, ग्रोल्ड पत्नागिया, एन्दौर।

(ब्रस्टिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यधाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्दान्ध में फोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस मचना के राजपह में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होंगा हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य क्यक्ति ख्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा नकींगे।

स्पष्टोकरण:---इसमे प्रयुवत जन्मों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ हांगा जा उस अध्याय में दिया गरा हो।

## ग्रन्युची

मागृन नं है, रोगिनिश्या भण्डारी गार्ग, इस्दीए में स्थित है। यह बहस्थावर समात्ति है निपास संपूर्ण विवरण भ्रन्त-रिती द्वारा सत्यापित फार्म वं 37-जी में निहित हैं।

> वेद प्रकाश श्रीपास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंप, भोपाछ

नारीख: 18--12-1985

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन . एस . ------

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक अध्यक्त निरीक्षण) ग्रर्जन रोज, भोपाल

ापाल, दिनां 16 (दसम्बर 1985

निदेश पं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोषाल/6204-—श्रनः मुझे, वेद प्रकाश श्रीवास्तव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'जदत अधिनियम' कहा गया है), की पारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर िवर्का सं० धाली भूमि एवं काएन (एड संजिता) है, तथा जो ग्राम उत्त्यनीद पी० नं० 70/56, तहसील, एवं िला दुर्ग में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबह अनुसूची में श्रीप पूर्ण कप से विभाग हैं), रिक्ट्री विश्विधारी के रागिया, दुर्ग में रिक्ट्री एप जिल्हा अविध्यम, 1908 (1908 वा 16) के धारीन, तारीख डाग्रीन, 1985

को प्विंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पेंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, सिम्नलिमित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिमित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (म) एंनी किसी आय या िस्सी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूबिधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, भो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारार (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री पी० एस० मेहना आत्मानश्री एस० एन० मेहता डी० एफ० श्रो., होशंगाबाद, जिला १६० एन (म० प्र०)।

(श्रुक्त(दर्))

2. श्री एम० एस० घरान इ.स. मात्मन एम० डी० धरासकर, निवासी बंगला नं० 32, बंगले भिलाई, (म० प्र०)।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के ितए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किभी व्यक्ति व्यक्ति हां,
- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सांपरित में हितबद्ध किसी अन्य त्यक्ति द्वाररा अवोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्पष्टिकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उच्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

भूमि एवं एक मंजिला म पन ग्राम कुतुलवीद पी० मी० नं० 70/56 तह० एवं जिला दुर्ग में स्थित है। यह बह स्थावत समात्ति है, जिलका सम्पूर्ण विवरण श्रकारितो हारा सत्यापित फार्म नं० 37-जी० में निद्धित है।

> वेद प्रकाश श्रीवास्त्य सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंग, भोपाल

तारी**ख**: 1**8**-12-1955

मोहरः

प्रकष जादाँ.टी.एव.एस. ------

जायफर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

#### भारतः सरकार

## कार्याक्षयः, बहुम्बन पायकार भावुन्त (विरीक्षण)

ग्रर्जन रेंन, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 दिसम्बर 1985

निदेश मं० ग्राई० ए० मी०/अर्जन/भोषाल/6205 -- ग्रतः मुझे, वेद प्रशाश श्रीवास्तव,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (किसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० खुली भूषि 6487 वर्ग फिट, एउ हम एवं स्वीमिंग पूल है, तथा जी रसलाम (रामगांव) में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रिजस्ट्री-वरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त कम्पत्ति के उचित भाषार मूस्य से कम के आव्यकान प्रतिकान के सिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विकास करने का कारण है कि यभाष्कों क्या सपित का किप्य बाजार भूल्य, उसके स्वयमान प्रतिकात का बेबह प्रसिक्त से विकास है और अंतरका (बंतरका) और बंदिह्वी (बन्हरितिया) के बीच एक ब्रन्तरण के स्वयं वच पाम प्रमान प्रतिकात के बावरित के बावरि

- (क) अन्तारण संहुई िक सी जाय को भावत उपत विधि-ष्युत्त क वर्षीय सद या क बन्धरक के सामित्य के कनी कड़ने वा स्थार्थ व्यव में सुविधा के सिय्, श्रीर/या
- (क) एंडी किसी नाय या किसी भन या करन कास्तियों की, जिन्हों भारतीय बाज-कर सिंभिनियम, 1922 (1922 की 11) वा उपत्र वाचिनियम, सा प्रमुख्य कर वाचिनियम, सा प्रमुख्य कर वाचिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रवाचनार्थ वन्तरिती बुनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिनाने में स्विभा क बिहा;

नतः अब उक्त निर्मित्यम की भार 269-त की ननुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री रिव कुमार ग्रात्मित्र वर्धमान डफरिया, कत्ती एच० सू० एफ० सर्वश्री रिव कुमार वर्धमान डफरिया, रितुवन, रामबाग, रतलाम।

(मन्तरः)

- 2. (1) श्रीमती जिफियाबाई पन्तो हकीमुद्दीन पाकवाला
  - (2) मि० जोहर ग्रात्म हकीमुद्दीन पाकवाला,
  - (3) मि० मजहर भ्रात्मज हकीमुद्दीन पाववाला,
  - (4) मि० मुस्तफा ग्रात्मज हकीमुद्दीन पाकवाला,
  - (5) मि० युसुफ त्रात्मज हकीमुद्दीन पाकवाला। (ग्रन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति वे वर्षन के सिरं कार्यनाहियां करता हुं।

जनत सम्परित के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीख है 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिम की जनिध, जो और जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वार अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकती।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त युक्त बार पड़ों का, वा युक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इ., वहीं वर्ष होगा थी उस नध्याय में दिशा गया इ.।

## **अनुसूची**

खुली भूमि एक रूम तथा स्वीमिंग पूत, रामबाग, रसलाम में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसाम सम्पूर्ण विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37-जो० में निहित है।

> वेद प्रशास श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रोज, भोषाल

तारीख: 18-12-1985

प्रकृप आह्". डी. यून . एवं . -------

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीत क्का

#### नाइए सरकार

## कार्यासय, सहायक बायकर बायकर (निर्देशिक)

ग्रर्जन रोंच, भोषाल भोषाल, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निदेश मं० ग्रई-3,37-जी०/2659/84-85---ग्रनः मुझे, ए० प्रमाद,

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधीनयम' कहा नया हैं), की चारा 269-ब के नधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विषयास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उच्चित वाचार मृह

1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिवेकी सं जमीन या हिस्सा, जिसका सर्वे नं 208, एच० नं 30 श्रीर 32, सी० टी० एस० नं 1571 और 1572, बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुमुखी में श्रीर पूर्ण रूप मे विधित हैं), श्रीर रिजस्ट्रीजर्मा श्रीधिकारी के वार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीजरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख

को पूर्वोक्त संपत्ति के जिया वायार मूल्य से कम के स्थमान शितफल के लिए वस्तरित की गई है बीर मुक्ते यह विक्ताल करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्मिति का उचित शकार बुल्य, जसके स्थमान प्रतिपाल से, एसे स्थमान प्रतिपाल का पंद्रह प्रतिपात से अधिक हो और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाना बना प्रति-क्त विक्रासिया उन्हों क्या गया है :---

- (क्क) बन्तरण वे हुई किथी बाब की बन्ने क्यां विधिक्षित को अधीन कर देने के बन्तरक दावित्य में कर्मी करने वा बन्नचे बचने में सुविधा के शिए; क्यां
- (स) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, विन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा पण कर अधिनियम, या पण कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, क्रियान में स्विधा के लिए;

कतः वयः, वक्त विधिनियम की भारा 269-व के वन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री एस० एस० িणी

(अस्तर्ग)

2. श्री एम० डी० कामथ

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति में वर्षय के सिख कार्यवाहियां करता हो।

बक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीच के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, को और अविधि अब में समाप्त होती हो, के भीतर पूजेंबर कालिएसों में जिसी करिकत सुवारा:
- (क) इस तुकान के राज्यत में प्रकाणन की तारीब स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पास्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के बाब सिविक में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस सध्यान में दिशा मना है।

## ग्रन्युची

जमीन का हिस्सा नं० िसका सर्वे नं० 208, एव० नं० 30 श्रीर 32, सी० टी० एस० नं० 1571 श्रीर 1572 बस्बई में स्थित है।

श्रनुसृची जैसा कि विलेख सं० 1900/84 श्रीर उपरजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 1985 को रजिस्ड किया गया है।

> ए० प्रमाद निजम प्राधि ारो सहायक अध्यक्तर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रार्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 5-12-1985

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269~व (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निदेश सं० श्रई ·3/37-जी०/2675/84--85---श्रत: मुझे, ए० प्रशाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. में अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० खुला तमीन का हिल्ला, जो 22 मी०, मिनीलैल्ड, टैन्क रोड़, बिलेज वांजूर, आंडूप बरबई-78 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबड़ अनुगुषी में ग्रीर पूर्ण कप से बिलित है), रिक्ट्रिंजित श्रीय कारी के कार्यात्र्य, अम्बई में रिक्ट्रिंक्ण श्रीवित्रम, 1908 (1908 का 16) के श्रीन, तारीख 16-4-1985

कां पूर्वोक्स संपरित के उपित बाजार मृत्य से कम के दरयमान ग्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह दिश्वाम का कारण है कि यथापृशेक्ति सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सें,,ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंत-रित्यां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिधित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिनिक रूप में अधित नहीं किया गया है :——

- (क) कलारण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर बोगें के अलारक के श्रीयत्थ में कभी कारने या उससे यथने में मृत्यिका के नियः गौर/या
- (क्ष) ए सी जिल्हा जाय जा कियी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हा भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अभिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती वृत्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सृत्रिया को स्थिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रभीतः निम्तिचित व्यक्तियों, अर्थात् र्⊶ श्रानिता पी० पी० पारीखाः

(अस्तरक)

2. श्रीनर्तः नपन कारा हे रानायन।

(अन्तरिती)

की यह सुचरा जारी करके प्रॉक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन को तारील से 45 दिन की अवधि या तत्मं मंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंगरा;
- (थ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में द्विपद्ध किसी अन्य व्यवित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गण निस्ति में किए जा सकीं।

रपष्टिकरणः — इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्क अधिनयम, के अध्याय 20-क मी प्रश्तिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मी दिक्त स्या हैं।

## भन<u>्</u>म्ची

खुता जमीन का हिस्सा, जो 22 सी० मिनीलैंन्ड, टैन्क रोड़, बिलेज, कांजूर, भांडूप, बम्बई 78 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस-2873/80 और जो उप राजस्ट्रार बम्बई द्वारा विनांक 16-4-1985 को राजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ऋायभर साबुका (विरीक्षण) अर्जन रॉज-3, **बम्बर्** 

নাগী**ব**: 5-12 ·1985

में हर.

प्रस्थ आहु . टी . एन . एस . ----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के अभीन स्वना

#### नारत प्रस्कार

# कार्यासय, सहायक यायकर आवृक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निदेश सं० ऋई-3/37-जी०/2624/84-85---श्रनः मुझे, ए० प्रसाद,

भावकर मिंपिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इसमें इसमें परचात् 'उक्त मिंपिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार जन्म 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० जमीन का हिस्सा, जिसका सर्वे नं० 15 (3) (श्रंण), सी० टी० एस० नं० 3, विलेज मुलुंड, सालुका कुर्ला, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसुची में श्री॰ पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन, तारीख 23-4-85 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिक्रम के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का अवित बाजार कृत्य, उसके स्थमान प्रतिक्रम से, एसे स्थमान प्रतिक्रम का पन्तह प्रतिक्रम से विश्वास का पन्तह प्रतिक्रम, निम्निसित्त उद्योदय से उन्त कन्तरण निवास में वास्तविक कप से कियत नहीं किया गया है र

- (क) अन्तरण स हुद्दं किसी नाम की शब्धं, ठ भेरा निवास के निवीस कर दोने के बन्तरक के दासिस्य में कमी कारने या उत्तरी वचने हैं भृषिका -के सिए; बॉर बा/
- (वा) एसी किसी बाद या किसी वन वा बन्ध वास्तियाँ करें, जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिल्मने में सिवधा के लिए;

अतः अबः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्तः अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीरः, निम्निसिंस स्यक्तियाँ, अर्थातः :--

24-426 GI/85

ा श्री बामण पाडुरंग पाटिला

(अन्तरक)

 मै० भ्रमोल को-स्राप० हाउसिंग सोसाईटी लि०। (भ्रन्तरिती)

को नह सूचना बाड़ी कहने पूर्वोक्त संपरित ने वर्चन के किए कार्यनाहिना करता हुए।

उन्त सम्पत्ति के नर्बत के सब्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की वविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताबील से 30 दिन की वविध, को भी जविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहन्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकांगा

स्थळकिरण:--इसमें प्रबुक्त क्षत्र्यों और पर्यों का, थो उक्त अभिनियस की अभ्याय 20-कं में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिवा बया ही।

#### बन संपर्ध

जमीन का हिस्सा, जिसका सर्वे नं० 15(3) (श्रंश), सी० टी० एस० नं० 3 विलेज मुलुङ ,नालुका कुर्ला, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूर्च। जैसा कि क्लिख सं० एस०-3109/75 श्रीर जो उप-रिपस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 23-4-85 को रिजिस्टई हिया गया है।

> ए० प्रसाद पक्षम प्राधिकारी सहायक पायकर ऋष्युक्स (निरीक्षण) ग्रजन रोज- ३, बम्बई

दिनांक: 5-12-1985

# श्चम बार्स , वर्ग , युव , युव , -------

# कार्यकर बर्डिनियम, 1961 (1961 का 43) कर्र गरा 269-क (1) के क्यीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण)

भ्रजीन रोज-3, बम्बर्ध बम्बर्ड, दिनांक 25 नवम्बर 1985 निदेश सं० भ्रपे-3/37-जी०/2631/85-86--श्रतः मुझे ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत अधिनियम' कहा नथा हैं), की धारा 269-च के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० जमीन का हिस्सा जो डमारत साथ, जिसका मी० टी० एस० नं० 3556 और 3557 और 3558 एस० नं० 374, एच० नं० 1 (श्रंश) कोले कल्याण बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 मा 16) के श्रिधीन तारीख

को पूर्वोक्त तम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्लामान प्रतिफास के जिए अन्तरित की गई है जौर मुक्त यह विकास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उत्तक इर्यमान प्रतिफाल से, एसे इर्यमान प्रतिफास का पन्मह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) जौर अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तब गमा गमा प्रतिफाल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विकास में बास्तरिक रूप से किया नहीं किया गमा है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आव की, बावस, स्रवस अभिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे वचने में तृषिधा के सिए: और/वा
- (क) इसी जिली भाग या जिसी भण ना अभ्य अहितानी करों जिल्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन- अद अधिनियम, या धन- अद अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था, कियाने में तृशिधा सीकिय;

1. श्री ईश्वरलाल एन० शहा।

(श्रन्तरक)

2. श्री फ़ारूक कामम और ग्रन्य।

(श्रन्तरिती)

का वह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिल् जार्यवाहियां करता हुं।

### रक्त सम्पत्ति के शर्वन के सम्बन्ध में कोई भी काकीप :----

- (क) इस सूचना के राजवण में प्रकाशन की टारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि साथ में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (च) इत्तस्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्सबद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्धारा वधोहस्ताक्षरी के कृष्य सिवित में किए जा सकरि।

स्पव्यक्तिया: — श्वमं प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, भी उसके विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होना को उस अध्याय में विया क्या हैं:

#### नन्त्र्यी

जमीन का हिस्सा जो इमारत के साथ, जिसका सी० टी० एस० नं० 3556, 3557, और 3558. सर्वे नं० 374, एच० नं० 1 (श्रंण) कोले कल्याण बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० 1712/82 श्रीर जो उप रजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक की रजिस्टडं किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक **ग्रा**यकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोजन्य, बम्बई

दिनांक: 25--11--1985

मोहरः

प्रकप भाइं.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वाय्वत (निरीक्षण) श्रर्जन रेज--3, बम्बई बम्बई, दिनांक 25 नवम्बर 1985 निदेश सं० श्रई-3/37-जी०/2617/85-86--श्रतः मुझे, प्रसाद,

बायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (चिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निर्धानयम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के निर्धान सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से निषक हैं

प्रांग जिसकी सं खुला जमीन का हिस्सा, जिसका सर्वे नं 370, एच नं 3 (ग्रंथ) ग्रीर एस नं 378 एच नं 3654, विलेज कोले कल्याण, तालुका ग्रंधेरी, बस्बई में स्थित है (ग्रांग इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रांग पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण ग्रंधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रंधीन, तारीख 15-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दब्यमाल श्रीतफास के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाध करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उपित बाजार मृत्य, उसके द्वयमान प्रतिफास तो, ऐसे द्वयमान प्रतिफास का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफास, निम्नसिवित उद्वेदय से उक्त अन्तरण निचित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण स हुइ किसी आय की बाबत, उक्त बाधनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कनी करने वा उससे बचने में सुविधा के बिए; बाँड/बा
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन जम्म जास्तियी की रिजार भारतीय जामकर जिमिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर जिमिनियम, या भन-कर जीपनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यथा था जा किया जाना चाहिए था छिपाने में सुकिशा के लिए;

बतः सव, उक्त सीभीनयमं की धारा 269-गं के सन्मारण में, में, उक्त सांविनियम की भारा 269-मं की उपधारा (1) के अभीन, निम्नोलिंखित व्यक्तियों, संवित् :— 1. श्रीमती मेरी डिलिमा।

(ग्रन्तरक)

2. मेसर्स इंदिरा कन्स्ट्रक्शन्स।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मित्त के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासेंच :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकासन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वाय;
- (च) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, थो उक्त विधिनयम के वध्याय 20-क में परिभाधिक है, तही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया वया है।

## वनृस्ची

खुला जमीन का हिस्सा, जिसका सर्वे नं० 370, एच० नं० 3 (ग्रंघ), ग्रीर सर्वे नं० 378, एच० नं० 1 (ग्रंग), सिटी सर्वे नं० 3653 ग्रीर 3654, तालुका ग्रंधेरी विलेज कोले कस्याण, वस्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० 1550/1981 श्रीर जो उप रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 15-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज~3, बम्बई

दिनांक: 25-11-1985

मोहरः

# प्रकप बाई.टी.एन.एस. -----

शासकर अधिनियभ, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-म (1) में अभीन सुमना

#### नारव दरकार

# कार्याचय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्रम)

ग्रर्जन रॉज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 25 नवम्बर 1985 ० ग्रई-3/37-जी०/2619/85-86--ग्रनः

निदेश सं० श्रई-3/37-जी०/2619/85-86--ग्रतः मुझे, १० प्रसाद,

प्राप्त कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा प्रवाह"), की भाष 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्थास करने का शरण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1.00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जमीन का हिस्सा, साथ मे बिल्डिंग, जिसका एफ० पी० नं० 22-ए०, सी० टी० एस० नं० 526, कुरार विलेज, मालाड (पूर्व), बम्बई-97 में स्थित हैं (ग्रीर इसमें उपाबद्ध प्रनुभूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विजत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 9-4-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत स अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के जिए स्थ श्या गया प्रतिफल, जिस्नितियों के बीच ऐसे अन्तरण के जिए स्थ

- (क) अन्तरण संहुर्च किसी साथ की बाबस, सबस अधिनियम के अधीन कह दोने के सन्तरक के वाजित्य में कभी करने या उत्तर अपने में सर्विमा क सिय: व्यटिश
- (ण) एसी भिन्नी नाथ वा किसी भव या सन्य शास्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कार अधिनियस, 1922 (1922 का 11) वा उन्तर अधिनियस, वा धन-कार अधिनियस, वा धन-कार अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती युवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना चाहिए था, कियाने में सुविधा से चित्र;

कतः वस, उत्तत मिनियम की भारा 269-ग के अनसरक कें, में, अकत अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री मृतुस उमर खती।

(म्रन्तरक)

2. मैं० जय शिवम को०-म्राँप० हाउसिंग सोसाईटी लि०।

(भ्रन्तरिती)

का यह स्थान वारी करके पूर्वोक्त संपर्णि के वर्षन् के जिल कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्तर संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राज्यन में प्रकाशन की तारीश न् 45 दिन की अविश्व या एत्सवंभी व्यक्तियों पर चूचना की तामील से 30 दिन की अविश्व, को भी अविश्व वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थिति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा बधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सकांथे!

स्वच्छीकरणः ----इसमें प्रयुक्त खब्दों और वदों का, को उपक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय के दिल बना है।

#### वर्ष्या

जमीन का हिस्सा इमारत के साथ, जिसका एफ० पी० नं० 22-ए०, सी० टी० एस० नं० 526, कुरार विलेज, मालाड (प०), बम्बई-97 में स्थित है।

श्रनुसुची जैसा कि विलेख सं० एस०-922/77 श्रीर जो उप रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 9-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 25-11--1985

नाहर ।

प्रकाष नाहाँ, शी. एव. ध्रा. -----

# बाधकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के वभीन सूचना

कार्मालम, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
भ्रजीन रोज-3, बम्बई
बम्बई, दिनांक 25 नवम्बर 1985
निवेश सं० भ्रई-3/37-जी०/2673/85-86--श्रतः मुसे,
ए० प्रसाद,

बायकर विभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के वभीन सक्षम प्राभिकारी की, यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से विभिक्त है

मीर जिसकी सं० प्लाट नं० 44, जिसका सर्वे नं० 977 (ग्रंग), भांडूप (पूर्व), बम्बई-78 में स्थित हैं (ग्रांर इससे उपाबड अनुसूची में ग्रांर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 1985

को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आधार मूल्य, ससके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल निम्नलिकित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिकित में मास्त्रीक रूप से कथित नहीं किया गया है मन्न

- (क) अन्तरण से हुंइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सूबिधा के सिए; और/या
- (ब) एसी किसी बाव वा किसी धन वा अन्य आस्तियां को धिन्यों भारतीव बावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अवत अधिनियम, या वनकर अधिनियम, या वनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्तिथा के लिए;

बत्यः वयः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसस्य में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- मै० दि कांजूर को-ऑप० हाउसिंग सोसायटी। (श्रन्तरक)
- 2. मैं० माहेण्वर किया को-श्राप० हार्जीसग सोसायटी लि०।

(भ्रन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के शिष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण मं प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबब्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
  विग्रहत से किसा का सकेंगे।

स्पर्कीकरण :— इसमें प्रयोक्त भव्दों और पदों का, जॉ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं

## शन्स्की

प्लाट नं० 44, जिसका सर्वे नं० 977 (श्रंण), भाडूप (पूर्व), बम्बई-78 में स्थित है। श्रनुभूची जैसा कि विलेख सं० 3047/82 श्रौर जो उप रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा विनांक 1985 को रजिस्टड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज⊶3, बम्बाई

दिनांक: 25-11-1985

प्ररूप आइ<sup>६</sup>.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयक्त निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बर्ट बम्बर्ट, दिलांक 22 लबम्बर 1985

भिदेश मे॰ अई-3/37-जी॰/2661/85-86---अतः मुझे, ए॰ प्रसादः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० जमीत जिसका सर्वे नं० 208, एच० नं० 30 श्रौर 32, मी० दी० एउ० नं० 1571 श्रौर 1572, विलेज मालवजी, तालुका बोरिवली, वम्बई में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं), रजिस्ट्रीक्ती अधिकारी के कार्यालय, वम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के हश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्इ है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके हश्यमान प्रतिफल में एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक हुए से किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की दाबत उपक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उपसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय था किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

जतः अब उच्नत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उच्नत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :---

1. श्री एस० एस० किणी।

(अन्तरक)

2. श्री अरुण कुमार दास।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस म्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मांपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारण अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीक्षरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उन्कत अधि-नियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूची

जमीन जिसका सर्वे नं० 208, एव० नं० 30 स्रौर 33, सी० टी० एस० नं० 1571 स्रौर 1572, विलेज मालवजी, तालुका बोरिवली, बस्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अई-3/37-जी०1903/84 ग्रीर जो उपरिजस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक को रिजस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयृक्त (भिरीक्षण) अर्जभ रेंज-3, बम्बई

दिमांक: 22-11-1985

मोहरः

प्रकप बार्षः टी. एन. एस. ----

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के बधीन स्चना

#### भारत संस्कृत

क्रियालिय, सहायक कायकर जायकल (निदक्तिण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिमांक 22 नवम्बर 1985

मिदेश मं० अई-3/47-जी०/2660/84-85--अत: मुझे, ए० प्रसाद,

त्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त समिनियम' कहा गया है), की भारा 269- व के मभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाबार मृत्व 1,00,000/- रत. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 208, एच० नं० 30 ग्रॉप्ट 32, सी० टी० एस० नं० 1571 ग्रींस 1572, जमीन के साथ स्ट्रक्चर, बम्बई में स्थित है (ब्रॉल इसमे उपाबद्ध अनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्दी इर्ती अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्रीकरण अधिक्यिम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, वारीख 14-8-85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिस की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके सम्यमान प्रतिफल से, ऐसे सम्यमान प्रतिफल का पन्द्रह पतिकात से मधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्मलिक्षित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में ाज्य विकास पासे किथत नहीं किया गया 📽 🖫 —

- (क) अस्तरण से हुए किसी नाय की बाबत, उक्त सर्धि जियम के बचीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उत्तर बचने में सविधा के लिए; मौर/या
- (क्ट) एंसी किसी बाय या किसी भन वा बन्द वास्तिकों को जिन्हें भारतीय जाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर बीधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था दा किया जाना बाहिए था, छिपाने में समिशा ने भिए।

बहा पर, उक्त विधिनियम की भारा 269-न में समस्रहण पं. में, उक्त अधिनियम की धारा 369-व की उपधारा (1) क अधीत, निम्नलि**चित स्यक्तियाँ, वर्णत्** ध---

ा श्री गांताराम सोवर किणी

(अन्तरक)

श्री के० पी० पाणेकर

(अन्तरिती)

को वह बूचना चारी करके पूर्वनित सम्पत्ति के वर्जन के जैसए कार्यवाहियां करता हु।

बक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बक्षोप ु---

- (क) इंख सूचना के एक्पप्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी नक्षि नाद में समाप्त हाती हो, को भीवर पर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस स्थनाको एकपण में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जासकों गे।

लक्कीकरचः — इसमें प्रयुक्त शब्दों बौर पूर्वों का, वो उपक मिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उस वध्याय में दिया युवा हुरी।

## अन्स्ची

जमीन के साथ स्ट्रक्नर जिसका सर्वे नं० 208, एच० नं॰ 30 और 32, सी॰ टी॰ एक॰ नं॰ 571 और 572 बम्बई में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि विलेख मं० 1902/1984 ग्रौर जो उप रजिस्ट्रार वस्वर्ड द्वारा दिनांक 14-8-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद गक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण ) अर्जन रेज-3. सम्बद्ध

तारीख: 22-11--1985

## प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 22 नवम्बर 1985 निदेश मं० अई-3/37-जी०/2618/85-86--अतः मुझे, ए० प्रमाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00.000 / - रुत. से अधिक है श्रीर जिसकी सं० जमीन का हिस्सा, जिसका प्लाट नं० 58, इमारत के माथ, "गिना सागर", सर्वे नं० 13, सिटी सर्वे नं० 105, 105/1, 105/2, श्रीर 105/3, पहाडी विलेज, गोरेगांव, बम्बई में स्थित है (ग्रांर इसमे उपाबद्ध अनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यातय, बम्बई में रिजस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत, तारीख 10-4-1985 को पर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपरित का उचित बाजार मुल्य, उसके एरयमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियाः) के बीच एंसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित भी धारतियक रूप सं कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उंक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्य मों कमी करने या उससे बचने मो सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें आरतीय आयकर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निकिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती प्रकारती मगोहर गोसानी।

(अन्तरक )

2. श्री मुसा इब्राहीम बिलसिया।

(अन्तरित ं

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त मम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्षत स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निष्ठित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

#### जनसंची

जमीभ का हिस्सा, जिसका प्लाट नं० 578, इमारत के साथ, गिता भगर, भर्वे नं० 13, सी० टी० एम० नं० 105, 105/1, 105/2, 105/3 और पहाड़ी धीरज विलेज, गोरेगांव, बस्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस०-1505/84 **प्रौर** जो उप रजिस्ट्रार, वस्बई द्वारा दिसांक 10-4-1985 को रजिस्टर्ड जिया गया है।

> ए० प्रसाद नक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (किरीक्षण) अर्जन रेंज–3, बम्बई

दिनां क : 22--11-1985

# प्ररूप बार्च . टी . एन . एस . \varkappa - 🧸

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौं भारा 269-भ (1) के अभीन सुबना

#### भारत नरकार

## कार्यालय, सहायक भायकर जायकत (निरक्षिण)

अर्जास रेजि—3, बम्बई बम्बई, दिसॉफ 22 सबम्बर्ग्स 1985 सिदेश सं० अई—3/37—जी०/2626/85—86——अत: सुझे. ए० प्रसाद

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्थात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करन का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

न्नार जिसकी संव जमीन का हिस्सा सर्वे नंव 72 (श्रंण) विलेग मुलूड जमीन सर्वे नंव 73, बीव पीव टीव रोड़ विलेग माहूल, बम्बर्ड में स्थित हैं (श्रांण इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रांण पूर्ण रूप से विणित हैं), रिकस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यावय, बम्बर्ड में रिजस्ट्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-4-1985 को प्रवेक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापुनेंक्त सम्पर्तिक का उचित बाजार गृज्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमे दृश्यमान प्रतिफल के विषय वापार गृज्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमे दृश्यमान प्रतिफल के विषय से अधिक है और मन्तरक (अन्तरका) और मन्दरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के निए तब पाया गया प्रतिकल, निम्निवित उद्वेष्य से उक्त कन्तरण जिसत में बास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:--

- (वां) अस्तरण से हुई किसी नाय की वाबतः, उक्त सिभिनियत के त्रभीन कर दोने के बन्तरक के वाबित्य में कमी अरुने या उभम वचने में स्विभा खें निष्कृ और/वा
- (अ) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अस्य आस्तिकों काँ, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गंवा भा या किया जाना चाहिए था छिपान मा मुनियम के निए;

सतः अस, उक्त श्रीधीनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् :----25---426 GT :85

- 1. श्रीमती रक्षतबाई एफ० दिवेचा ग्राँर अन्य। (अन्तरक)
- 2. मै० दि टाटा हेंड्रा-इलेक्ट्रिक पाँवर सप्लाय कम्पनी लिमिटेड।

(अन्तरिती )

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामील स 30 दिन की अविध, को भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्छ व्यक्तियों में स किनी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितमद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथीहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिकरणः ----६भमा प्रश्वत शन्द्रिक्षीर पदी का, को उन्ह विभिनियम के वश्याय 20-क में परिभाषिर हो, वहा अर्थ शाशा के उस अध्याय में विका गण हो।

#### **अन्त्र**की

जमीत का हिस्सा जिसका सर्वे नं० 77 (श्रंश), विलेज, मुलूड, सर्वे नं० .3 बी० पी० टी० रोड़, विलेज माहल, बस्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-जी०/एस०-1540/82 श्रींर जो उप रिजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिशांक 16-4-1985 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिमोक: 22-11-1985

प्रकप काई. टी. एन., एस., -----

बायकपु अभिनियम, 1961 (1961 का 43) करें भारा 269-व (1) को अभीन सुचना

#### मार्व चर्चार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, अस्त्रई

वस्बई, दिनौंक 22 नवस्बर 1985 निदेश सं० ऋई-3/37-जी ०/2630/84-85---श्रतः मृझे, ए० प्रसाद,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त आधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कमरा नं० 2 एफं०, जो ब्लाक नं० 16, सी० टी० एस० नं० 339, नाहूर विलेज, नेताजी रोड, मुलुंड कालोनी, बम्बई में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 23-4-85 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के जिल्ला बाजार मूख्य से कम के रूपमान शितफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिकत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित से सिक्त से अधिक हैं से अन्तरक के लिए तम पामा प्रतिफल, निम्बत उच्च में उक्त अन्तरण निचित्त में वास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है है—

- (क) वन्धरण चं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के वधीन कर दोने के बन्तरक में दियत्थ में कभी करने या उत्तरे बचने में सुविधा के भित्रपः मीर्टिया
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतिरती युवारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के जिए;

गतः वर्ग, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग को अनुसरण मों, मौ, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-छ कौ उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- 1. श्रीमती इंजना भगवानदास गाँधी।

(भन्तरक)

2. श्री गिरधारी भार० कर्ण।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप हैं---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंस 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होशी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के एक लिकित में किए जा सकोंगे।

## **श्रनुसू**ची

कमरा नं० 2, जो क्लाक नं० 16, जिसका सी० टी० एस० नं० 339, नाडूर विलेज, नेताजी रोड, मुलुंड कालोनी अम्बई—82 सें स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० 2900/82 श्रौर जो उप रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनौंक 23-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक **प्राय**क्त (निरीक्षण) प्रजन रेज-3, **बम्ब**ई

दिनाँक: 22-11-1985

मोहर 🤝

## प्र**कमः नाह<sup>्</sup>. टी. एन. एक**्,------

बायकर विधिनियस, 1961 (1961 का 43) काँ भाष 269-व (1) के बधीन सुचना

#### नाहर दरका

कार्यालय, सहायक कायकर **कायक्त (निरांक्रक)** 

श्चर्यंन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 दिसम्बर 1985 निदेश सं० अई-3/37~ईई/18975/84-85⊶-श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा नवा हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विध्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीवत बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से मौधक है

श्रोर जिसकी सं० फ्लैट नं० बी०-1, जो सेल्लर फ्लोग्रर, निलिमा श्रपार्ट मेंट, एस० पी० एस० मार्ग, भाडूप, बम्बई-78 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री हर्ता श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थिन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के ख्याबाव प्रतिक्रम के लिए अंतरित की गई है और बुके यह विश्वास करने का अरण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके दश्यमान प्रतिक्रल से, एसे ख्यमान प्रतिक्रल का पन्तह भिक्ति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिक्रम, निम्नलिखित उच्चंस्य से उक्त बन्तरण सिकित में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रतरण संहूप किसी बाय की बायक, सम्बद्ध विभिन्नियम के अधीन कर पार्च के बन्तरक की दामित्व में की करने ना अबसे वचने में सुनिया की निए; वीप/वा
- (क) ऐसी किसी नाय दा किसी वन का कर्म जास्तियों की, जिन्हों भारतीय नायकर जिथिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त निधिनियम, या धनकर निधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया बान्य चाहिए था, कियाने में जुनिधा की लिए;

नतः जन, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के ननुसरण में, न, उपत जीधीनवन की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीप, निस्निलिखित व्यक्तियों, जर्थात् :---- 1. मैसर्स गणेश बिल्डर्स ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री रंजीत सजू प्रसाद चौबे ग्रीर ग्रन्य। (भन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्मोत्त के अर्थन के सिर् कार्यवाहियां सूक करता हूं।

उन्त सम्पत्ति को वर्षम को संबंध में कोई भी बांक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दद सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, अो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब वें 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास मिवित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इ<sup>4</sup>, वहां अर्थ होगा को उस अध्याय में विद्या गया है।

## अनुसूची

फ्लैट नं० बी०-1, जो, सेल्लार फ्लोग्नर, निलिमा ग्रपाटं मेंट एस० पी० एस० मार्ग, भांडूप, बम्बई-78 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि के० मं० श्रई-3/37-ईई/18975/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-3, बम्बई

दिनौंक: 3-12-1985

# प्रकृत वार्ष , को ,हब , एक् ु-----

आंथकर अभिनिसम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-म (1) के सभीन स्थना

#### गारत वरका

# ध्यर्थनय, तहायक नायकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 दिसम्बर 1985

निदेण सं० ग्रई०-3/37-ईई/18956/84-85--ग्रतः मुझे ए० प्रसाद,

जायकर जिभिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अभिनियस' कहा गया हैं), की धारा 269-ज के कभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तास करने का करन हैं कि स्थावर सम्बद्धि, जिसका उचित याबार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

को पूर्नोकत सपरित के उचित बाबार मूल्य से कम के इश्यमान प्रिफिल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्नोकत संपरित का उचित बाबार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतियितियों) के कीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया गृतिफ क निम्मिनिचित उन्नुक्षिम से उसत जन्तरण निचित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वायत, उक्त निभायम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में क्रमी करने या उत्तसे बचने में सुनिधा के सिए; बॉर/वा
- (थ) ऐसी किसी बाव या किसी भन या अन्य वास्तियों को विन्हीं भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, जिन्माने में सुविधा के निए;

निष्ः तथा, उन्त निधिनियम की भारा 269-ग के जन्सरण माँ, माँ, उन्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारत (1) वे अधीन, निस्तिवित व्यक्तियों, अर्थाद :--- 1. मेसर्स गणेश बिल्डर्स।

(अन्तरक

2. श्रीमती सी० श्रार० उडे।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्मर्शिक अर्थन के जिए कार्यनाहियां करता हुं।

### उनत सम्मित को अर्थन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभ मा तत्संबंधी व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं
  45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिश्तियम, के अध्याम 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याम में दिया गया है।

## अनुसूची

ण्लैंट नं० 34, जो, सी-विंग. 3री मंजिल, निलीमा अपार्टमेंट, एस० पी० एस० मार्ग, भांडूप, बम्बई<math>-78 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि के सं ग्रई-3/37–ईई/18956/84–85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5–1985 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक: 3-12-1985

प्ररूप आर्ड्: डी. एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

(1) सिटी बिल्डर्स

(ग्रन्तरक)

(2) चन्द्रकांत बी० राणे

(श्रन्तरिती)

#### भारत तरकार

# कार्यासय, सहायक आयकर भाग्यत (निरीक्षण)

अर्ज न रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनॉक 25 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० श्रई 3<sub>1</sub>37-**१ई**/18945/84-85--- प्रतः मुझे ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रोर जिनकी सं० फ्रैंट नं० 2-ए, जो 3रो मंजिन, बो० एन० रोड, कोंकण नगर, भांडूप, बस्बई 78 में स्थित है (श्रार इनस उपाबद्ध स्ननुसूची सें श्रीर पूर्ण रूप में विणित है, श्रीर जिनका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 के, खें के श्रधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्हें। है, तारीख 1-5-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उित्तत बाजार मूल्य सं कान के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और म्भ यह विश्वाम करने का कारण हैं कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उिचन बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से आधक हैं और अंतरक (अंतरिकार्यें) और अंतरिती (अंतरितियाेंं) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निक्तिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिजित में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दने के अंतरक के दाधित्व मा कमी करने या उसमें बचने में सृविधा के लिए; जौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंकरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

क्रशः अच्च, उक्त सभिनियम की भारा 269-ग के ब्रमण्डल माँ, माँ, उक्त अधिनियम की ध्रारा 269-च की उपधारा /1) व सभीन निकासिक्षित व्यक्तियाँ, सभीत ४– - को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 विन की अविधि मा' तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि जो भी अविधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वनुसूची

पर्लंडनं० २-ए. जी. 3री मंजिल, बी० एन०रोड, कोंकण नगर, भोडूप, बम्बर्ध-78 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० मं० अर्घ 3/37 ईई/18945/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद संक्षम प्राधि कारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनौंदा: 25-11-1985

# प्रकृष् बाह्री, टाँ , एन् , एन् ,------

# बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाडा 269-भ (1) के वभीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक मायकार कायुक्त (निरक्षिक) अर्जन रेज-बम्बई-3

बम्बई, दिनाक 5 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० श्रई 3/37 ईई/18946/84-85---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिनकी सं० फ्लैट नं० 52/53, जो, तुरीपती श्रपार्ट मेंट प्लाट नं० 1082, देविदयाल रोड, मुलुंड, (प), बम्बई-80 में स्थित है (श्रौर इपसे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारोख 1-5-1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वमान प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे खश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार् अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

बत. अब, उक्त अधिनियम को भारा 269-ग की, बन्सरण भी, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभाग (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—— (1) श्री बी० ए० रतनानी श्रौर अन्य

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती म्लबाई एन० केसवानी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के वर्षन् के सिए कार्यनाहियां करता हो।

## उन्त सम्बद्धि के अर्थन के सम्बन्ध में कीई भी वाओप ह—

- (क) इस सूचन । को राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्सि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का नकींगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे विया गया है।

#### अनुसूची

फ्लैंट नं० 52/53, जो, तुरीपती श्रवार्टमेंटम प्लाट नं० 1082, देविदयाल रोह, मुलुंड (प), तम्बई-80 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-3/37 ईई/18946/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारो तम्बई द्वारा दिनाँक 1-5-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सञ्जय प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिमौक : 5-12-1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269 व (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज 3, बम्बई

्बम्बई, दिनाँक 25 नवम्बर, 1985 निर्देश सं० श्रई 3/37 ईई/18910/84-85--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

बावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन इसमें इसके पश्चात् 'उसत अधिनियम' कहा गया हैं) की भाषा 269-स के नधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थान्त संपरित. जिसका उचित हाआर मृख्य 1,00,000/-रा. से मंधिक हैं

श्रीर जिसकी सं काला नं क 28, जो, शांती इंडस्ट्रियल इस्टेट, एसकएनक रोड, मुलुंड (प), अम्बई 80 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाश्रद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विशित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रीयकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के श्रिधीन, अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के रिकित बाजार मृत्य से कम के क्षत्रमान बित्तिक के सिए अन्तरित की गई है और अभी, यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बद्धि का जीवत बाजार वृत्य, उत्तक क्षत्रमान प्रतिकत से, एते क्षत्रमान प्रतिकत का कि विकास का क्षत्रमान प्रतिकत से, एते क्षत्रमान प्रतिकत का क्षत्र प्रतिकत से, एते क्षत्रमान प्रतिकत का क्षत्रमान प्रतिकत का क्षत्रमान प्रतिकत के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया क्षत्रकास, निम्मिनियत ज्यादेश्य से उत्तक क्षत्रमा कि बीचत में सास्तिक क्ष्य से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण डंहुई किसी शय को बायत, उक्त गीधनियस के अधीन कर दोने में अन्तरक को गायित्व के कमी करने या उससे बचने में सूपिधा के जिए; बाँड/बा
- (क) वृती किसी नाथ या किसी यन वा सम्बु नाहिसकी नते, विन्हें भारतीय नाथ-सार नियमियन, 1922 (1922 का 1) या अपन अपिनियम, या पन-कर निवित्तियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकाशनार्थ मन्दरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया वका या वा किया वाना चाहिए वा, किनामें ते तिया के विवास के विवास

अक्ट वर्ण, उक्त अभिनियम की भारा 269-न के अनुसरण भी, मी, शक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) भी अभीष, निम्निसिधित व्यक्तियों, बर्जात् रेस्स्न (1) मैसर्स पैरामाउन्ट इंडस्ट्रियल स्टोर्स

(श्रन्तरक)

(2) मैं भर्म प्रेमशंकर ग्रार० शर्मा

(भ्रन्तरिती)

को वह बूचना चारी अरखे पूर्वोक्त सम्पृष्टि के वर्षत के सिक् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्बन्धि के सर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बालोप ८---

- (क) इस त्या के रायान में मकारण की राहीन से 45 विस् की बनीन ना तत्त्राध्यम्मी व्यक्तिका का स्वाम की तामील से 30 दिल की जनभि, जो भी स्वाभि भाष में समाध्य होती हो, के भीतार प्रशिवत व्यक्तिका में किसी व्यक्तिया दुराज.
- (व) इस जुक्का के राजपण में प्रकासन की तारीत से 45 किंग को भीतर उक्त स्थानर सम्पन्ति में दिवनकृथ किंकित स्थान क्योंनित क्यारा नक्षोड्स्ताकरी दो गाव किंकित में निष्यु वा क्योंनि ।

#### **मन्स्**ची

माला नं ० 28, जो, गाँती इंडस्ट्रियल इस्टेट, एस० एन० रोड, मुलुंड (प), बम्बई 80 सेंस्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई 3/37-ईई/18910/84 85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी विश्वई द्वारा दिनाँक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज ३, अम्बई ।

दिनाँक: 25-11-1985

माहर :

अभूष बाह्रा हो। युवा एव -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरका

# कार्यासय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षक) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 25 नवम्बर 1985

निर्देश मं० ग्रई- 3/37-ईई/18911/34-85----ग्रतः मुझ ए० प्रशाद

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्यान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हूँ). अभ भारा 269-ख के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिस्कार कारने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति जिसका अभिन व कर पृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ब्रीर जिल्की संव माला नंव 29, जो, शांती इंडस्ट्रियल इस्टेट एन०एन०रोड, मुलुंड (प), तम्बई-80 में स्थित है (ब्रीर इस्तं उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिलत है) ब्रीर जिसका करारनामा स्रायक्तर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 के, खके ब्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, नारीख 1-5-1985

करे पूर्वोक्स सम्पत्सि के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के सिए अन्दर्शित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के श्रम्यह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिक्र कर निभ्नितिकत उद्देष्य से उक्त अन्तरण निवित्त में अम्लिक अन्तरण निवित्त में अम्लिक अन्तरण निवित्त में अम्लिक अन्तरण निवित्त में अम्लिक अन्तरण स्थास स्थास निवित्त में अम्लिक अन्तरण स्थास स्थास निवास स्थास स्यास स्थास स्यास स्थास स

- (क) बंतरण से हुई किसी शाम की शाबत, उक्त अपनापम के अधीप क्षण देंगे हा अस्तरका के सामिक्ष में अपने के या उपने संज्ञान के स्वीतिकाद. करिना
- (क) एंसी किसी अभ्य वा किसी भन वा लग्य वास्तियां की जिन्हों भारतीय वायक र अधिनिसम, 1922 (1922 का 11) या जबत अधिनिसम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवोधभाष अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नवा था वा किया वाना वाहिए वा, कियाने में जुनिभा के लिए;

बतः जब, उक्त बिभिनियम की भारा 269-ग के जनसरण बी, मी, उक्त अभिनियम की भारा 269-ज की उपभारा (1) के अभीन, निक्तिसिवित स्थितियाँ, अभीत : - (1) मैगर्स पैरामाउन्ट इंडस्ट्रियल स्टोर्स ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स प्रेमशंकरश्रार० शर्मा।

(अन्तरितो)

का मह मृजना जारी करके पूर्वोक्त सम्परिष्कः के अर्थन के निष् रामकाहरू। करता होते।

## उनत सम्पत्ति के नजन क सम्बन्ध में कोई भी नासाँद:--

- (का) इस सुचना के राजपण में प्रकाशन की तारीचा के 3 7 13 म की असीस या उत्संबंधी क्यक्तिकों पर सूचना को सामील से 30 यिन की अपि, को बी गाँ पाल मा समास्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ल) इस सूचना के राज्यत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित-प्रकाश अन्य व्यक्तित दुवारा अधोहस्ताक्षरी के बाब नियं का मों किए का स्थोंने।

स्थल्डांकरण:---इसमें प्रयुक्त घट्यां और पथां का, वा उक्त कोशांत्रवसः के कृष्याय 20-क में परिभाणित है वही पर्य रोगा तो उन पश्याय में दिया गया ही।

#### जनसंची

माला नं० 29, जो, गाँती इंडस्ट्रियल इस्टेट, रैएस० एन० रोड, मुलुंड (प), बम्बई-80 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्राई-3/37-ईई/18911/84-85 ग्रीर जी सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनाँक : 25-11-1985

माहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 3, जम्बई

बम्बई, दिनाँक 25 नवम्बर 1985

निर्देश सं ० अई-3/37-ईई/! 8912/84 85----- स्रतः मुझे ए० प्रसाद

मौर जिसकी सं० माला नं० 30, जो, भौती इंडस्ट्रियल इस्टेट एस० एन० रोड, मृलुंड (प), बम्बई 80 में न्थिन है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) श्रौर जिसका करारनामा भायकर श्रिष्ठितियम, 1961 की धारा 269, क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-5-1985

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से अम के अस्यकाः प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्मिलिवत उच्चरेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक् कम से कियत नहीं जिल्ला गया है है—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी अग्र की बाबत, उक्स जिभिनियम के जभीन कर दोने के जैतरक वाँ बावित्व में कभी करने या उससे सबने में तृजिय: वो निए; बाहर/या
- (का एंडी किसी लाग का किसी एट का अन्य वास्तिक्षें को, जिल्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुद्धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने से सुविधा के सिए:

नतः कन, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण ने, में, उक्त अधिनियम की भारा 289 घ की उपधारा (1) के कभीन. निस्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 26—416 GI/85 (1) मैसर्स पैरामाउन्ट इंडस्ट्रियल स्टोर्स

(अन्तरक)

(2) मैंसर्स सूर्य सेल्स।

(ग्रन्तरिती)

की वह सूचना चारी करके पृशीयत सम्परित के वर्षन के निष् कार्यवाहियां ऋरता हूं :

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाओप ह---

- (क) इस स्थान के राजपत में प्रकाशन की तारीय वें 45 दिम की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तासील से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रविक्त प्रविक्त
- (क) इस सुमना के राज्यम में प्रकाशन की वारीय में 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितनपुष किसी अना व्यक्ति ब्लारा अधोष्ट्रताक्षरों के पार विक्ति में किए जा सकेगें।

भक्तिकरणः - नसमा प्रयुक्त शब्दों और पदी का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हुँ, बहु अर्थ होगा, को उन सध्याय में विश् क्षण हुँ है

#### बन्सूजी

माला नं 30, जो, गाँती इंडस्ट्रियल इस्टेट एस॰ एन॰ रोड, मुलुंड (प), बम्बई 80 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-3/37-ईई/18912/84 85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंजे 3, बम्बई

दिनाँक: 25-11-1985

प्राक्ष्म आही. टी. एम. एस् . ......

नाथकार जिथितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अभीत सूचना

#### ब्रारत प्रस्कार

# कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज 3, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 25 नवस्वर 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/18922/84-85-श्रतः मुझे ए० प्रसाद

बाबकर विधितयम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधित्तियम' कहा गया है), की भारा 269-च के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विध्यास करने का का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं । माला नं । 140, जो, हिरानन्वानी इंडस्ट्रियल इस्टेट, काँजूर मार्ग स्टेशन, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रामकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख

को वृषोंक्त सम्मित्ति के उचित बाजार मृत्य से काम के संस्थान प्रतिस्थल को लिए जन्ति की नहीं है और मुक्ते यह विस्वास कार्म का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित्र बाजार जूल्ब, उसके क्रयमान प्रतिपत्त ले, एसे स्वयमान प्रतिपत्त के पत्त्वह प्रतिस्त से अधिक है और बन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिस्तर, जिम्मीसीखत सक्देश्य से सकत जन्तरण लिखत में बास्त्रिक रूप से किया गया है हम्म

- (क) अंतरण से हुई किसी माय की बाबता, उक्त आधिनियम के बधीन कर दोने के स्वाद्यक के समित्व को ककी करने था उससे बचने के लिए। वै विद्युः अदि/वा
- (क) एसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें अगरतीय बावकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन के द अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अर्थ प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्व था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा व किया;

कतः: गय, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के असमसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क सधीन, निस्मीमिकित व्यक्तियों, सथित् ⊯—

- (1) मैं सर्स हिरानन्थानी इंडस्ट्रियल इन्टरप्रायजेस। (श्रन्तरक)
- (2) श्री पुरुषोत्तम के० मताई। (अन्तरिती)

न्द्री पहु सूच्या आदी करके पूर्वीक्य सम्परित से स्वीत के निय कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचभा के राजपन में प्रकाशन की तारीश सै 45 दिन की अविभिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासीस से 30 दिन की नविभि, को भी अविभि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाय अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्डीकरण:--इसमें प्रयोक्त शब्दों और पदों का, जो उपक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया का हैं।

#### अनुसूची

माला नं ० 140, जो, हिरानन्दानी इंडस्ट्रियल इस्टेट, काँजूर मार्ग स्टेशन, बम्बई में स्थित है।

श्रनुमूची जैसा कि कि० सं० श्रई-3/37-ईई/18922/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनाँक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजैन रेज 3, बस्बई

दिनौक : 25-11-1985

प्रक्य भार्षे , द्वी , एन , पूछ , = ० - व्यव्य

# बायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के वर्भीय क्लाग

#### BIZG GE-AX

# कार्यासय, सहायक नायकर नामृक्त (निर्द्रीकाण)

म्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनौंक 25 नवम्बर 1985

निर्देश सं० भ्रई-3/37-ईई/18930/84-85---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिले इतमें इतके धरवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), किं. बारा 269-श्र के अधीन सक्तम प्राधिकारी को वह निश्वात करने का कारण है कि स्थायर सम्परिता, जिल्ला जीवत बाजाद मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्राँर जिसकी सं० पलट नं० 1, जो, 1ली मंजिल, ए. 14, गोवधन नगर, एल० बी० एस 2 मार्ग, मुलूंड (प), बम्बई-80 में स्थित हैं (भ्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं) ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1985

को पूर्वोक्त संपंता को उचित बाजार मृल्य सं कम के इत्यमान प्रतिकल के लिए अन्तनित की गई ही और मूफी मह निकास करने का कारण है कि बजाक्कोंकिस संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकास का पन्त्रह प्रतिकात से अभिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बजन-रिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिष् तय वाया ज्या प्रतिकात, विम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिस में बास्त विकास क्या से बास्त विकास का बास विकास वि

- (क) अन्तरण से हुंई कियी बाय की बाबतः, उक्त जीभनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के सक्तिका में कमी करने वा उदासे बचाने को हुनिया से किया।
- (व) ऐसी निश्वी नाम ना किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या अनकर विधिनियम, या अनकर विधिनियम, या अनकर विधिनियम, या अनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ बन्ताडिती इवादा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, किया है हुई क्या के विद्या

वतः अथ, उनत विनियम की भारा 269-ग की अनुसरक मं, मं, उनत जिथिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) क नभीन, निम्नविधिक व्यक्तियों क्रिक्ष क्रम्म (1) श्रीमती कांता धर्मा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री केशवजी श्रार० चन्दन।

(श्रन्सरिती)

को यह सूचना चारी करने पूर्वोन्त बज्बांच के वर्जन के किए कार्यशाहियां करता हूं।

## न करा सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई ही वासोब क्ष-

- (क) इन भूचना के राजधन में प्रकाशन की हारीच है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की ब्रमीस को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतह पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजवत्र में प्रथमवन की तारीब से 45 बिन के भीतर उक्का स्थानर सम्पत्ति में हिच-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्नाएं अभोहक्ताक्षरी के पास दिसचित में किए जा सर्वोंगे।

स्मध्दिकरण --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्यों का, को उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया नया है।

### प्रमुपी

पलैट नं 1, जो, 1ली, मंजिल, ए-14, गोवर्धन नगर, एल० बी ० एस० मार्ग, मुलूंड (प), बम्बई 80 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि कि० सं० भई 3/37 ईई/18930/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा दिनौंक 1-5-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनौंक: 25-11-1985

मोहरः

प्रकप बार्च .टी .एन .एस . -----

आक्रमण बहुधिनियम, 1961 (1961 का 43) नहीं भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

# बाबीसम, सहावक बायकर बाव्यत (निर्देशक)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 25 नवम्बर 1985

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्र क्सलें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाबार बुश्व 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं 02 पलैंट नं 0 5-बी, जो, हेमलिला श्रपार्ट मेंट, महात्मा फूले रोड, मुलूंड (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिवियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित लक्षम श्राधिकारी के कार्याल य रिजस्ट्री है, तारीख 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पृत्ति को अधित बाजार मूल्य के कश्च को करवज्ञल कितिकल को लिए जन्मित की गई है जोर मुर्छ यह निश्नास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उधित बाजार कृत्य, अनक दिश्मान प्रतिफल से, एसे बच्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल, निम्नलिशित उद्योध्य से उन्तर अन्तरण विविद्य से उन्तर अन्तरण विविद्य से उन्तर अन्तरण विविद्य से उन्तर अन्तरण

- (क) अन्तरं से हुद किसी काव की, बाबत, उथत अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरंक को दायित्व में कमी करने वा उसतं भवने में सुविधा के दिन्द; और/वा
- (फा) एंसी ज़िस्सी साम या किसी धम या अन्य बास्तिबों को जिल्हे भारतीय सायकर स्थिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर स्थिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए सा, छिपाने में सुविधा के सिए;

बतः अव, उक्त विनियम की भारा 269-ण के बनुसरण बं, गं, उक्त विभिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अभील, निम्नसिवित व्यक्तियों, अर्थात् ु— (1) श्री मगनलाल नरशी श्रीर श्रन्य।

(प्रन्तरक)

(2) श्रीमती माधवी विनंश हरीया।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यभाहियां भूक करता हुं।

# जनत तन्यत्ति के अर्थन को सन्वन्ध में कोई भी आखेप ह--

- (क) इस सूचना के राजपश में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वीका व्यक्तियों में किसी व्यक्ति पुनरा;
- (स) इसस्पना के राजपन में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उन्त स्थापर संपत्ति में हिस्सक्ष्म किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेत्रस्ताक्षरी के पांच निस्ति में किए या सकरी।

स्वकाष्टिकरण :---इसमें प्रयुक्त शुक्यों और वयों का, **यो उनक**विधिनियम के नध्याय 20-का में परिभाषिक इ. यही अर्थ होगा को उस अध्याय में विका गया है

## अनुसूची

प्लैट नं ० 5-बी, जो हेमिलला अपार्ट मेंट, महात्मा फूले रोड, मुलूंड (पू), बम्बई-81 में स्थित है।

श्रनुसूची जैमा कि क० सं० अई 3/37-ईई/18932/84-85 श्रीरजो सक्तम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्वई

दिनौंक : 25-11-1985

प्रमार कार्या हु ठी । एक त्र एस्, पान न व व

नायकर विधिमयन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नधीन स्थान

#### शारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधकर आयुक्त (निरोक्कण), अर्जन रेंज-3, बम्बई

थम्बई, दिमांतः 25 नवम्बर 1985

ई/18936/84-85-अतः मुझे,

ए० प्रसादः

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत विधिनियम' कहा गवा ही, की भारत 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र वाजार मूस्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुवान नं० 2, जो, तल माला, निरंजन अपार्ट-मेंट हिरा भगर नाहर ब्हिलेज मुलुड (प) बम्बई में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका उरारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मैं रिजिस्ट्री है तारीख 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से क्रम के दश्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह बिल्लाक करने का कारण है कि युवापूर्णकर संपरित का उचित बाजार मूस्य उसके स्थ्यमान अतिकल का प्रसार उसके स्थ्यमान अतिकल का प्रसार प्रतिकृति से अधिक है और वन्तरक (जन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) से वीच एमें अन्तरण के तिए तब बाबा गया प्रतिकल कि निम्निविवय सहस्रकों अक्त बन्तर्क किए तब बाबा गया प्रतिकल कि निम्निविवय सहस्रकों किया गया है है—

- (क) अम्बद्ध सं हुद्दं किसी बाय की बाबस उक्त बिधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य अंग क्षमी फरने या उससे बचने भा सुविधा के लिए; बार/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की. जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था कियाने में रिशंधा के निए;

अत: अब, उक्त वींभनियम की भारा 269-व की अनुसरण में, मी, उक्त वींभीनमम की भारा 269-व की उपभारा (1) को वभीनः निम्नतिकित व्यक्तियों, अर्थात् ल⊸- (1) श्रीमती मायाए० बालानी।

(अन्तरक)

(2) श्री शब्बीर एव० जावलीवाला श्रीर अन्य। (अन्तरिती)

नी यह अभाग आही करनी पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिल्ला कार्यवाहियां शहरता होता

बनतः सम्मृतितः के नर्पन् के सम्बन्धः ता कोइ' भी बाक्यः----

- (क) इस ब्यमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर गृहता को तार्थिल से २० १ वा वा वा वाव वा की की तार्थिक से स्थाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका स्थितियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हित- बद्ध किसी अन्य प्यक्ति द्यारा ज्याहिसाक्षरी के पात लिकित में किए जा सकेंगे।

स्वध्वीकरण :— इस्पें प्रयूनत शब्दों और पदों का, को उक्त जिथान्यम के लभ्याय 20-क में परिशादित है, वहीं वर्ष होगा जो उस लभ्याय में दिया युवा है।

## धनुसूची

दुकान नं ० २. जो, तल माला, निरंजन अपार्टमेंट हिरा नगर, भाडूर व्हिलेज, मुलूंड (प ). बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-3/37-ईई/18936/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिलांक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई।

दिशांक: 25-11-1985

मोहर 🛭

प्रकृष नाहाँ. टी.न एवं. एवं. व्याप्त नावार नीधित्यमं, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के नधीन सूचना सारह सरकार

# कार्याक्य, सहायक भागकर भागुक्त (निद्धीकर्ण)

अर्जनरेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 अक्तूबर, 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/18317/84-85—अतः मुझे ए० प्रसाद,

नायकड किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्कें इसके परवात् 'उकत किंपिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कार्ण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार ज्ञा 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं हु जान नं 71, जो, तल माला, विना नगर, एस बी एस क्यां , सुलूंड (प), बम्बई-80 में न्थित है (श्रीर इस उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ने विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अबीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है तारीख 1-4-1986

को पूर्वोक्त संपरित के उचित वाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए वन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार दृस्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का वन्तर प्रतिफल का वन्तर प्रतिफल का वन्तर प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया भया प्रतिफल, निम्नलिखित खब्देश्य से उक्त अन्तरण विचित्त में बास्तविक रूप से किथत नहीं है कथा गया है है —

- (क) बन्दरन से द्वार किया बाद की बादछ, उक्क अधिनियम की अधीन कर दोने के बन्दरक के सावित्य में कभी कपने वा उक्क स्थान में सुनिया के किए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या जन्य प्रास्तिनों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्नाडा प्रकट नहीं किया बना था या किया जाना थाहिए था स्थितने में स्विका की जिन्हां

कतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (१) के अधीन, निम्नजिक्ति व्यक्तियों, अधीत् ६—न (1) श्री महावीर इंटरप्रायसेस।

(अन्तरक)

(2) श्री के ० डी० अहूजा।

(अन्तरिती)

नी यह सूचना नारी करके प्रश्निम सम्पत्ति से अर्थन् अ तिए कार्यगाहियां सूक करता हो।

उक्त सम्मत्ति की कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाकोप ध---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीक से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी स्पेक्तियों दर तृचना की तासील से 30 दिन की अविधि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीक्त काविताों में के किसी स्पेक्ति ब्वासर;
- (क) इस स्वात के राजपण में प्रकाशन की तारीज सं 45 दिन के भौतर उक्त स्थावपु संपन्ति में हितबब्ध किसी कन्य स्थावत ब्वास अशोहस्ताक्षरी के पाछ निविद्य में किए का सकेंगें।

#### ≝पुरुक्की

दुक्तान नं० 71, जो, नल माला,विना नगर एल० बी० एस० मुलूंड (प), बम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/18317/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज-३, बम्बई

दिमांक: 29-10-1985

म्बोहर 🗈

प्ररूप भार्ष: ्री. एन् प्रस. -----

भायकर विधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के विभीन सुभान

#### नाइत चरकार

# कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिशांक 28 मवम्बर, 1985

भिर्देश सं० अई-3/37-ईई/18623/84-85---अत: मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया ही, की बारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सभ्यत्ति, जिसका उचित् बाबार म्रूब्ब 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जितकी सं० ब्लाक नं० 247/ा, जो, मुलूंड कालनी, मुलूंड (प) विस्वई-82 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप ने विश्वत है), श्रीर जिसका करारशामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, खे के अधीन. बम्बई स्थित सक्षम प्राधि तारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीखे 1-4-1985

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिकाल के लिए अस्तिरत की नह है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथा पूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके क्यमान प्रतिकाल से, एसे क्यमान प्रतिकाल के पल्चह प्रतिकाल से अधिक है और अंतरिका (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्विक्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तिवक रूप से कथित महीं किया गया है हम्

- (क) अन्तरण से हुई फिली जाब की बाबत, उक्त वीधीनवध् के संबीत कार योगे के अंतरक के बाबिस्त में कभी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) इंशी किसी बाव या किसी ध्य वा सन्व वास्तियां करे, जिल्हां भारतीय आवकार जीवित्यस, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, स्थिपने में सुविधा से सिक्ट;

अत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिचित व्यक्तियों, वर्णात् क्र- (1) श्रीमती जे० के० मल्र ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स निर्मल डेब्हलोपर्स।

(अन्तरिती)

को यह तुषाना जारी करके पूर्वीक्त सम्प्रीत के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हुं।

बक्षत बुम्परित की वर्णन् के सम्बन्ध में कोई भी आर्भप् 🕹 🕶

- (क) इस सूचना को राजपंत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिल की नविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नविध, आं भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स अधिक्तयों में से लिखी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इब सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबृच कियी जन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के शक्त निविध में किए जा सकींगे।

क्ष्यक्रिकरण: -- इसमें प्रयुक्त सम्यों और पदी का, जो उच्छ वृष्टिन्यस, के संभ्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## ग्रनुसूची

ब्लाक नं ० 47/6, जो, मुलूंड हालनी, मुलूंड (प), बस्बई-82 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि मं० अई-3/37-ईई/18623/84-85 फ्रींर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1-4-1985 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहाय व आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जभ रेंज-3, अम्बई

दिभांक: 28-11-1985

मोहर 🖟

प्ररूप आई<sup>\*</sup>. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिभाक 4 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/18677/84-85——अन: मुझें। ए**०** प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहें से अधिक हैं

श्रीर जिल्लिकी सं० पर्लंड नं० 1, तल माला, गोल्डन देव को-आप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, देवसार बाग, देवसगर, बम्बई-83 में स्थित है (श्रीर इति उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिल्ला कराइसामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269, क, ख के अश्रीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंच्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्रीमती चेरकुरी एलकुमारी।

(अन्तरक)

(2) श्री के ० मैथ्यू।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविभि यातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

### भनुसूची

फ्लैट नं० 1, जो, नल माला, गोल्डन देव को-आप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, देवनगर बाग, देवनार, बम्बई-88 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अई-3/37-ईई/18677/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जभ रेज-3, बम्बई

दिनांक : 4-12-1985

# प्रकल काइ<sup>1</sup>. ट]्र प्रसूत दु€्राराज्यास्य

वायकर विधित्तियमं, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के विभाग सुवदा

#### मारत बरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 दिरम्बर 1985 निर्देश सं० अई-3/37-ईई/18346/84-85—अत: मुझे ए० प्रभाव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिज्ञकी सं० फ्लैट नं० इ-7/12 जो जय तारामनी को-आप० हार्डीज़ सोजाईटी जि० जोगूर जार एम० जी० रोड गोरेगांस (प) बम्बई में ख्या है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुपूची में श्रीर पूर्ण रूप में बणि : है) श्रीर जिज्ञ का करारसामा आयकर अधिनियम प्राधि कारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है तारीख 1-4-1985

को पर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गृह है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पंदृष्ठ प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पादा गया प्रति-काल निम्निविस्ति उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या सबसे अधीन में सुविधा के निए और/धा
- (अ) एंनी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, इक्त अधिनियम की धारा 260--ध की रणधारा (1) के अभीरा निस्तिविक्त व्यक्तियों, अर्थात् ह—— 27—426 GI/85 (1) श्री बारुण कुमार दत्ता।

(अन्तरक)

(2) श्री गयाका कृष्णा।

(अन्सरिती)

को यह सुचना जारी करके पृतांक्त सम्मरित के जर्जन के किए कार्यवाहियां शुरु करता है!

समद सम्मारत के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वका की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में तमान्त होती हो, के भीतर पूर्वोचन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दूवारा;
- (त) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत है 45 दिभ के भीतर उक्त स्थावर संगत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य स्थावत स्वारा अशोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए का सकरेंगे।

स्थव्यकिन्छ: --इसमें प्रयंकत शब्दों और पदों का, को सकत अधिनियम के अध्याय 20-क में गरिभाषित हैं, कहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका मणा है।

#### वन्स्ची

फ्लैटनं० इ-7/12 जो जय तारामनी को-आप० हाउसिंग सोताईटी लि० बांगूर भगर एम० जी० रोड गीरेगांव (प) बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-3/37-ईई/18346/84-85 और जो सक्षमं प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को गजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 अस्बई

विनोक: 4-12-1985

शक्य बाह्" हो यन प्रवाहरणात्र

बावकर जीधीनवस, 1961 (1961 का 43) की धार 269-च (1) की जधीन सूचना

#### नारक करकाड

# कार्याक्य, सद्वायक जायकर बाय्क्स (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3 बम्बई

बम्बई दिनांक 4 दिसम्बर, 1985

भिर्देश सं ० अई-3/37-ईई/18491/84--85---अतः भुन्ने ए० प्रमाद

कायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसर्ने इसर्के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 3, जो, न्यू श्रीधका को-आप० हार्जीसंग सोसाईटी लि०, जबाहर नगर,गोरेगांव (प), बम्बई-62 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबज अनुसूची में श्रौर पूर्ण कर से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनिश्रम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है, तारीख 1-4-1985

करे प्रॉड्स सम्पत्ति के उचित बाबार मूस्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्तिंकत सम्पत्ति का उचित बाजार अस्प, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का प्रतिफल के द्रित द्रश्यमान प्रतिफल का प्रतिफल के तिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नितिक्ति उद्देश्य से उस्त अंतरण निचित्त में शास्तिक स्व से कथिक नहीं किया गया है द्रा

- (क) जनसरण से हुई किसी बाव की वाबच, उक्त जिथितिक के जभीत कर दोने में मन्तरक की वासित्व में इसी करने या उससे बचने मां स्विधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भातः शव, उनत विधिष्धिन की भारा 269-न के बन्सरक भा, भा, उनत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिवित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री हिं राचन्य वदींचन्द

(अन्तरक)

(2) श्री कालूलाल बीलचन्द जैन।

(अन्तरिती)

को यह त्याना पारी करके पृथोंकर सम्परित के अर्थन के शिष्

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तहरीं से 45 विन की अविध मा तत्संबंधी ज्योक्तमां पर स्थान की तामीन से 30 दिन की अविध, जो भी समि मह में समाप्त होती हो, के मीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से जिसी ज्योक्त द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाधीकरण हि—हसमे प्रयुक्त शब्दी और पदी का, जो उक्क जीभीनयम, के जभ्याय 20-क में पीरभाषित हैं, यही अर्थ होगा को उस अभ्याय में दिया क्या हैं।

#### कराम भी

दुकान नं ० 3, जो, न्यू श्रंबिका को-आप० हाउँ अगसोताईटी लि2, जबाइर नगर, गोरेगांव (प), धम्बई-62 में स्थि। है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/18491/84-85 श्रार जी सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिलांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए**∘ प्रसाद** यक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (िरीक्षण) अर्जन रेज-3, धम्ब**र्**ड

दिनांक: 4-12-1985

प्ररूप आर्दः टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जान रेज-3, प्रस्वई

वम्बई, दिशांक 4 दिशम्बर 1985

निर्देश सं ० अई-3/37-ईई/1867 2/84-85--- अतः, मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके धचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीर सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिल्ला सं० श्रीबोगिक प्लाट तं० टी-1, जो, कामा इंडस्ट्रियत इस्टेट, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ अनुदूची में श्रीर पूर्ण स्थासे वर्णित है) श्रीर जिल्ला करारतामा अध्यकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधी।, बम्बई स्थित सक्षम श्रीधकारी के कार्यालय में रिजस्टी है, तारीख 1-4-1985

को प्वेंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके ध्रथमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत , उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मं कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री पूरविंतग सन्तिंतग

(अन्तरक)

(2) मैजर्स मंत मैंकेतिकल इंडस्ट्रियल प्राईबेट लि॰। (अस्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि यातरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

श्रीद्योगिक प्लाट न ० टी-1, जो, कामा इंडस्ट्रियल **इस्टेट,** गोरेगॉव (पूर्व ), बम्बई-63 में स्थित हैं।

अनु रूची जैसा ि क० सं० अई-3/37-ईई/18672/84-85 श्रीरजो सक्षम् प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रिजस्टक वियागया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अत्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बस्बाई

दिनांक: 04-12-1985

## प्रकार नार्के टी, एक एस हा सनननननन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### तारत बहुकार

# कार्याज्य , बहायक जायकर नायुक्त (निर्द्रोक्षक)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिभांक 4 दिसम्बर 1985

निर्वेश सं० अई-3/37-ईई/18851/84-85-अत:, मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिलकी सं० माला नं० 58, जो, न्यू सतगुरु मानी क इंडस्ट्रियल प्रिमायसेख को-आप० सोजाईटी लि० तल माला वैस्टर्न एक्जप्रेस हायबे गोरेगांव (पूर्व) बम्बई-63 में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीर जितका करारकामा आय कर अधिक्यिम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याक्य में राजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वे क्लि सम्पत्ति के उचित बाजा मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वे क्ल संपत्ति का उचित बाजार बृज्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तद्व प्रतिखत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और बृज्तरिती (जन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के 'लए स्य पन्ना चया प्रतिफल, निम्निसित उद्वेष्य से उन्तर अन्तरण कि चित्र मन्तरण को 'लए स्य

- (क) बन्तरण चं हुई किवी बाव की बावन, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बहुर/्धा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

बतः जब उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुतरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

(1) मैं तर्स ग्राफीको।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स अल्फा प्लेट मन्युफैक्जरिंग कम्पनी प्रायवेट लि०

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्बन के सिए कार्यवाहियां गुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राज्यम में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पब्धोकरण :---इसमें प्रयूक्त शब्दों और गर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### सम्बद्ध

माला नं 68, जो, न्यू सत्तगुरु नानीक इंडस्ट्रियल प्रिमायसेस को-आप सोआईटी लिं , सल माला, वेस्टर्न एक्सप्रेस, हायबे, गोरेगांव (पूर्व) बम्बई-63 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/18851/84-85 धीर जो सक्षम प्राधि हारी बम्बई द्वारा दियों रू 1-4-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (किरीक्षण) अर्जन रेंज-3, **सम्बर्ध** 

दिमांक: 4-12-1985

प्रकप कार्ड .. टी. एत. एस. -----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुकना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निर्देक्षण)

श्रजंन रज 3, बम्बई षम्बई, दिनौंक 4 दिसम्बर, 1985 निर्देश सं० श्रई 3/37 ईई/18384/84-85--श्रतः मुझे ए० प्रसाद

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जितकी सं० दुकान न० 3, जो, इमारत नं० 3 स्रोर 4, मसुर पार्क, शिव पार्वती को स्थान० हार्जन सोप्ताईटो लि०, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित हैं (श्रीर इसने उराबद्ध स्नत् सूर्वा में भ्रोर पूर्ण रूप से विणित हैं) भ्रीर जितना करारनामा स्थान हर मधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के स्रधीन, वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय से रिजन्द्रा है, ताराख 1-4-1985 को पूर्वोचत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोचत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उराके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रतुष्ठ का प्रतुष्ठ हैं और अंतरक (अतरकों) और बंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखत उद्देष से उक्त अन्तरण सिविष्ठ के बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त भौभानयम के अभीन कार दोने के अन्तरक की दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (च) एसे किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, खिपाने में स्विधा चै निए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण बाँ, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) वो अधीन, रिनम्निचित व्यक्तियाँ का अधीत स—— (1) भी शहा कमला धंत भाईलाल।

(भ्रन्तरक)

(2) रमेश रामचन्द्र लालवानो।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथोंकतः संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

सकत सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कांद्रें भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्मबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वीप, जो भी खर्वीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी ब्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पत्स लिखित में किए या सकेगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त कब्दों और पद्यों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशाधित हैं, वहीं अर्थ हाया जा उस अध्याय में विवा गया है।

#### बन्स् ची

दुकान नं० 3, जो, इमारत नं० 3 और 4, अनुर पार्के, शिव पार्थती को-आप० हार्जीसगसी ताईटो लि०, च मूर, बम्बई-71 में स्थित है।

भनुसूची जैशा कि कल सं० अई-3/37—ईई/18384/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारादिनों क 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रताद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर घायक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज 3, बम्बई

दिनौक: 4-12-1985

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सवना

#### भारत सरकार

कार्यालग्, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्भंत रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनौंक 4 दितम्बर, 1985 तिर्देश सं० ग्रई-3/37-ईई/18850/84-85---ग्रतः मुझे ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम,' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मूल्य 1.,00.000/- रा. से अधिक हैं ,

भीर जिसकी सं गली नं 54, जो न्यू सतगुरू नानीक इंडरिट्रयल प्रिमायतेस को-धान सोताईटी लिं, तल माला, बेस्टर्न एकतमें सहायके, गोरेगाँव (पूर्व), बग्बई 63 में स्थित है (भीर इससे उपावड अनुभूचों में प्रीर पूर्व का से विणित है) और जिसका करारनामा भावकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, खाने अधान, बम्बई न्यित जलम प्राधिकारों के कार्यालय में रिक्ट्रिंट, है, तार्र खाने 4 1985,

को पूर्वोध्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का आरण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिगत से अधिक ही और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्विध्य से उक्त अन्तरण जिल्हित में बास्तिक छप से कांध्रत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आक की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निभ्निसिंखत व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मैनर्जपाकीको।

(अग्तरह)

(2) मैजर्स प्रत्फा प्लोट मैन्युकैस्वरिंग कम्पनी प्रायवेट लि॰

(प्रस्तरितो

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारी है में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वे क्ति व्यक्ति यो कि देवित व्यक्ति यो कि सी तर पूर्वे कि
- (ख) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **चं** 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में दितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ह्यारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किन् जा सके गे।

स्पष्टिभित्रण:----इसमे प्रयुक्त शब्दी और पदो का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गण है।

## अनुसूची

गाला नं 54, जो, न्यू िसलगुरु नानीक इंडस्ट्रियल प्रिमायसेस को-आप सोसायटी लि०, तजनाला वेस्टर्स एक्सप्रस हायवे गोरेगाँव (पू), बम्बई 63 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० धई 3/37-ईई/18850/84-85 भीर जो सक्तम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 1-4-1985 की रजिस्टर्ड कियागया है।

> ए० प्रमाद सञ्जम प्राविहारो सहायक भायकर म्रायुक्त (निरोक्षण) श्वर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनाँक: 4-12-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-3,बस्बई बस्बई, दितौंक 4 दिनम्बर, 1985

निर्वेग स० श्रई-3/37-ईई/18344/84--85-श्रतः मुझे ए• प्रसाध

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उथत अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-रा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पित, जिसका उचित बाजार मूच्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जितिकी सं० फैस्टरी शैंड नं० 2, जो विद्यापा इंडस्ट्रियन इस्टेट, एत० बं.० रोड, गोरेगाँव (प), वस्तरे- 62 में स्थित है (भीर इतरे उपावद अनुत्वा में ग्रोट पूर्ग कुछ से वर्गित है) भीर जिस्सा करावतीमा आयाद श्रिक्षियम, 1961 को धारा 269 के, ख के श्राधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्याक्षम में रजिस्ट्रों है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से ऐसे द्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कम से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के शंहरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों स्विधा के लिए; कौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दा धन-कर अधिनियम, दा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, रिप्राने में सूबिधा के लिए:

कतः व्यव, उक्त व्यक्तियम्, की धारा 269-ग के बन्सरक में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) डा० फील्ह वर्जीर स्टलनजा घोर ग्रन्य।

(अन्तरका)

(2) मैं तसं तेलस्टार अटोमैटिकत।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना अभी करके पृथेक्ति संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उत्त सम्पत्ति के अर्जन के अंबंध हैं कांड्र भी आक्षेत्र .- .

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जर्शन या तत्सम्बन्धी ध्यिक्तयी पर स्वता को तामित्र के 30 दिन की अविधि, को भी अविधि के स्नान्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यवितयों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (य) इस मृज्या के राज्यक्त में प्रकायन की तारीक्ष से 45 पिन के भीतर ज्ञान क्यावर सम्मत्ति में हित- बच्च किंदी अना व्यक्तित व्यापा, अधोहस्ताक्षरों क पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याव 20-क में परिभाषित हैं, बड़ी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्स्ची

फैक्टरी भीड नं० 2, जो, निखपुरा इंडस्ट्रियल इस्टेट एम० बी० रोड, गोरेगाँव (प), बस्वई 62 में स्वित है।

अनुसूची जैना कि क्ष० सं० अई 3/37-ईई/18344/84-85 श्रीर जो ाझ म प्राधिकारी जन्मई द्वारादिनौक 1-4-1985 को रजिल्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रताव सक्षम त्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (विरीक्षण) धर्जन रेंज-3, वस्वर्ष

दिनौंक: 4-12-1985

मोहरः

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस. ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

आयांलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 4 दिसम्बर 1985

निर्देश सं ० अई 3/37 ईई/18489/84-85--अत:, मुझे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह निष्यास करने का कारण है कि स्थानर सम्भान, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिनकी सं० पुकान या गोंडाउन तल माले पर, जो, क्रिजवासी इंडस्ट्रियल इस्टेंट, श्रीय० बी० पटेल रोड, गोरेगाँव (पूर्व), बम्बई-62 में स्थित है (श्रीर इनसे उनावब अनुसूत्रों में श्रीरपूर्ण का से विजत है) श्रीर जिलका करारना। श्रीय कर श्रीवित्यम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीत, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

हां प्विक्त राम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करन का कारण है कि उप्लाप्योंसत सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल कर पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक हूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या क्य आसिता में कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या पनकार अधिनियम या पनकार अधिनियम से पनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पनोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकृत नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में प्रिक्शन के सिए;

अतः अजः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उवन अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, अधिकिश्वत व्यक्तियों, वर्षात् ह—

(1) श्रो शाम शुदोन जै० मरेडिया स्रोर अन्य

(मन्तरक)

(2) मैंसर्स श्रेनिक स्टील कम्पनी

(श्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिषु कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में ममाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्वना के राजणक में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- कर्य किंगी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा स्केंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याग में दिया वधा है।

## धनुमुची

दुकान या गोडाउन तल माले पर, जो, श्रीजवासी इंडस्ट्रियल इस्टेट, श्राय० बी० पटेल रोड, गोरेगाँव (पूर्व), बम्बई-62 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि कर सं श्र 3/37 ईई/18489/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्राजैत रेंज-3, बस्र

दिनौंक: 4-12-1985

# प्रकृत नार्ष्, टी पुरु , एवं हुनननननन

# नाथकर नाथनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नधीन सूचना

#### नारह बरकार

## कार्यासय, सहायक भागकर जाग्वत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज+3, बस्बई

बम्बई, दिनांक 4 दिसम्बर, 1985

निदेण मं० श्रई-3/37-ईई/18684/84-85⊸-श्रत⁺ मुझे, ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रमात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की जारा 269-ज के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का जारण है कि स्थावर संपरित जिसका उजित बाबार मृज्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी संव प्लॉट नंव 27, जो, भारत सिर्थ को-मापव हाउसिंग सोसायटी लिव लालवाडी, जिंदे वार्डा, सावन ट्रॉम्बे रोड, चेंबूर, तम्बई-7! में स्थित है अर इसने उपाबद्ध म्रनुसूची में और पूर्ण रूप मे बिणत है), और जिसका करार-नामा प्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के म्रवीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिलांक 1-4-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एचे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिक्षत से सिंधिक है और अन्तर्क (अन्तर्कों) और अन्तर्ति (अन्तरितिबों) के बीच एसे अन्तर्क के लिए तय पाया गया प्रतिकस, निम्नसिचित उच्चेष्य से उन्त बन्तरण निचिक्त में बास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है ':—

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिल्लाम के बभीन कर देने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जास का किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्त अधिनियम, का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के व्योजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहां किया गुजा था या जिया जाना चाहिए था, धिपान का स्विका के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में., उक्त अधिनियम की धारा 269-म को उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---. 28-426 GI/85 (1) श्री पी० वी० सेट और प्रन्य।

(श्रनगरक)

(2) श्री पी० काम्नन और धन्य।

(श्रन्गरितीः)

को यह सूचना चारी करके पृथोंक्स स्व्यक्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

इस्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस स्वता के प्रवेषक के प्रकाशन की हारीक से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताअरी के पास निवित में किये वा सकोंगे।

स्थव्यक्षिरण:---इश्व में प्रयुक्त कव्यों और पया का, की उनके अभ्याय 20 क में परिभावित हैं, वहीं कर्य होंग को उस अभ्याय में दिया गया हैं।

#### प्रनुसुची

प्लाट नं० 27, जो, भारत तिर्थ को-ग्रॉप० हाउसिंग सोसायटी लि०, लालवाडी, शिंदे वाडी, सायत ट्रॉम्बे रोड, चेंबर, बम्बई-71 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ऋई-3/37-ईई/18684/84-85 और जी सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुषत (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-3, बस्यई

दिनांक: 4-12-1985

मंहर:

town and of the on severe

(1) श्रीमती रांम पी० कोचर

(अन्तरक)

(2) श्रीमतो सप्ना श्ररोरा।

(अन्त(रती)

मामकर कॅभिनिजय, 1961 (196-1 का 43) की भारत 269-व (1) के सभीन क्यता

#### भारत कार्याह

कार्यातय, सहायक नायकर नायकत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-3, बम्ब**ई** बम्बई, दिनांक 9 सितंबर, 1985 निदेश सं० श्रई-3/37-ईई/18195/84-85--~श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसमें इसमें परचार 'उनत' अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-व के अधीन सभाम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- क. से अधिक है

मीर जिसकी सं० फ्लंट नं० 6, जो 1 लो मंजिल, विश्वांती को-माँप, हाउसिंग सोसाईटी लि० 2 रा अस्ता, चेंबूर बस्बई-71 में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसुची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका कारनामा आयदार अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी भारतीय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-4-1985 को पूर्वेक्त संपरित के जिपह बाबार मूल्व से फम के स्वयाब शिक्षक को किए बस्तरित की मई है जीर मुम्हें यह विश्वाब करने का कारल में कि स्थाप्योंकत सम्परित को अधित बाबार बस्ब उसके रहवान प्रात्मक से, एस स्वयाब प्रतिषक से विश्वाब करने का कारल से कि स्थाप्योंकत सम्परित का सिवस बाबार बस्ब उसके रहवान प्रात्मक से, एस स्वयाब प्रतिषक से विश्वाब कराई प्रतिचत से विश्वाब की स्थाप्यों के से बस्तरित (बन्तरितयाँ) के बीच एसे बन्तरिक कि निस्स प्रयास स्थाप स्था

विकास, निकासिक उद्योग्य हो उन्हा ब्राम्प्रेय विविक्त

में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया **प**या **है** ≉——

- (क) अन्तरण सं श्रृष्ट्र किसी नाम की पानतः, अक्त बीभीपनम के जभीन कर दोरं के अन्तरक में दायिएन में कमी करने वा उससे अचने में सुविधा क लिए; बीर/या
- (क) एसी किसां बाय या किसी वन या बन्ध वास्तियों को, जिल्हें आरतीय अगय कर अं अनियम, 1922 (1922 का 11) या तक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, गि. १९५७ का 27) के प्रयोजनाओं जन्सरितं ब्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अतः अवतः विधिनियम की वारा 269-त की विप्यास्थ में, में, नक्स अधिनियम की ए 1 269-त की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिक्स काक्तिकारी अर्थात् ॥— का यह ब्यना जारी करके प्याप्त संपत्ति के वर्षन के लिए कार्षवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कांड्रों भी माक्षेप :---

- (क) इंड जुवना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 4.5 दिन की जबभि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर सुवना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त शांती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्वस्तित द्वारः
- (ख) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उपत स्थापर सम्परित में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति. इवारा, अधोहस्ताक्षरी के वास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मक्षीकरण:---इसमें प्रयुक्त अध्यो और पदों का, को जनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस भ्याय में दिवा गया है।

# प्रनुमुची

प्लैंट नं० 6, जो ाली मंजिल, विश्वांती को-म्रॉप० हाउसिंग मोसाइटी लि०, 2या रस्ता, चेंबूर, बम्बई -71 में स्थित है।

श्रतुसूची जैसा कि करु संरु अई-3/37-ईई/18495/84-85 और जो अंशन प्राधिकारी जम्बई द्वारा दिनांक 1-4-85 को राजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर झा क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक : 4-12-1985

# प्रकप् वार्<u>ष</u>्ट<u>ी पुन पुन्न -----</u>

# बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के मधीन सुचना

#### नारत चहुन्तर

# कार्यासय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 दिसम्बर, 1985

आयकर अधिनियम, 196 । (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी गं० फ्लैंट नं० डी-2/12 जो, हरी रतन को-आँप० हाउसिंग संसायटी लि०, बांगूर नगर, एम० जी० रोड, गोरेगांच (प), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्या से बणित है), और जिसका करार-नामा श्रायकर अधिनियम 1961 को धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-4-1985

को पूर्वित सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिकल के लिए अन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरअभाग प्रतिकत्त से, एते दूरयमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिकत से बिधक हैं जीर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निसिक क्यूचेस्य से उस्त अन्तरण निवित में वास्तविक रूप से किसत नहीं किन्त गया हैं है—

- (ग्) अन्तरण से हुई फिली आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कनी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (च) ऐसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनिजय, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति (ती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था यह किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियभ की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियभ की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिस व्यक्तियाँ, अर्थात् ह— (1) श्रीमती कुमुद पी० रसटोगी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रो विजय कुमार महाजन।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्प्रित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इब बुचना के राज्यन में प्रकारण की, साहीय से 45 दिन की संगीध मा तस्त्राध्याओं कवितालों कर सूचना की तामीस से 30 दिन की अवधि, वो भी बन्धि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवीवत स्मिन्सों में से किसी स्मिन्त बुचारा;
- (व) इस सूचना के राजरण में प्रकाशन की ताड़ीब से 45 दिन में भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बहुभ किसी बन्व म्यक्ति ह्वारा अभोहुस्ताक्षरी के गास लिखित में किए था सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कर्न्यों और पर्यों का, को अक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

फ्लैंट नं० डी-2/12, जी, हरी रतन को-प्रॉफ्ट हार्डासंग सोसायटी लि०, बांगूर नगर, एम० जी० रोड, गेरिगांच (प), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि जी० सं० श्रई-3/37-ईई/18404/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 4-12-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-3, बम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 4 दिसम्बर, 1985

निदेण सं ० ं श्रई-3/37-ईई/18689/84-85---- अतः सुझे. ए० प्रसाद

अग्रयकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव फ्लैंट नंव 3/डी-6, जो, 2री मंजिल, विजय विहार की-श्रापक हाउसिंग सोसायटी लिव, एसक टीव रोड, चेंबूर, वस्बई में स्थित है (और इससे उपाबढ़ श्रमुस्ची में और पूर्ण रूप में विणत है), और जिसका करार-नामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269क, खो श्रधी। वस्पई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनाक 1-4-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य मों कमी करने या उससे बचने मों सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूनिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री उधाराम डों० साहनी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कुंदन एस० थडानी।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फ्लैंट नं० 3/डी-6, जो, 2री मंजिल, विजय बिहार की-श्राप० हार्जिस सोसायटी लि० एस० टी० रोड, चेंबूर, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जसा कि ऋ० सं० श्रई-3/37-ईई/18489/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांवः 4-12-1985

# क्ष्मच आहे । डी. युन् , एक् <sub>लि</sub> - - - - - -

सायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत शरकार

कार्यालय, सहायक आपकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 दिसम्बर, 1985

निर्देश मं० प्राई--3/37ईई/18018/84--85----- प्रतः मझे ए प्रसाद.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उयत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्स्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव कच्चा शेष्ठ नंव 1, जो, पार्ठ 3, जमीम जिसका सर्वे नंव 117, एचव नंव3, ऑफ राम मंदीर रोड, गोरेगांव (प), बम्बई-62 में स्थित हैं (और इसने उपाबद्ध प्रनुपुनी में और पर्ण रूप ने विणत हैं), और जिसका कारणामा आयकर धिविषम 1961 की की धारा 269, के, ख के जधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 1 प्रप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृश्य से कम के स्थमान प्रितिफल के लिए जन्तिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि समापूर्वोक्त सम्पत्ति का स्रित बाबार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरांकों) और अंतरिती (बन्तिरितेंंं) के बीच एसे बन्तरण के निए तब बाबा बबा प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिसित में बास्सिविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायक, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वजने में सुविधा अर्थ जिक्कः; आर्थि/या
- (ख) एसी किसी आज या किसी धन या अन्य आस्तियाँ हा जिल्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 11922 छ। ११ वा उपल अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के ग्रीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात :---

- (1) मेमर्म पॅकफाईन कोरोगेटिंग इंडस्ट्रिज। (श्रन्तरक)
- (2) मेसर्स विष्णु ड्राइंग ग्रण्ड प्रिटींग वर्क्स। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

# उन्नत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध के कीई भी वार्शप ह

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख के 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस स्कृता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्ववृथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाल जिला में किए वा स्कृति।

स्पष्टिकरणं: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# घनुसूच।

कच्चा **मोंड**, नंबन्ध, जो, पार्ट 3, जमीन जिसका सर्वें नंब 117, एचव नंब 3, ऑफ राम मंदीर रोड, गोरेगांव उप), बम्बई-62 में स्थित है।

श्रनुपूची जैमाकी क० सं० श्रई-3/37 ईई/18018/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई बारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रायकर श्राययुक्त (निरक्षण)
श्रजन रेज-3, बम्बई

दिकि — 4-12-1985 **मोहर** ॥ प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

# लस्कर विश्वित्व, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के नभीन क्षाना

भारत सरकार

# कार्याक्य, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षक)

श्रर्जन रेंज--3, बम्बई बम्बई, दिनांक 2 दिसम्बर 1985 निर्देण सं० श्रई--3/37ईई/18906/84--85----श्रतः मुझे ए० प्रसाद,

भागकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चक्त 'उक्त विभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के मश्रीन तक्षम प्राधिकारों को वह विपयात करने का कारच हैं कि स्थायर इस्पत्ति, जिसका उजित वाचार मुख्य, 1,00,000/- रू. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फलेंट नं० 29, जो, छड्वा श्रपार्टमेंटस, सायन ट्रॉम्बे रोड, डाथमंड गार्डन के सामने चेंबुर, वम्बई—71 में स्थित है (और इसने उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269, क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रो हैं। दिनाक 1 श्रप्रैल 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित धाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिपत्ति को सिए बंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिकान से, एवे स्थ्यमान प्रतिकास स्थ बन्द्रह प्रतिकात से अभिक हैं और अन्तरक (जन्तरकों) और बंतरिती (अंतरितिकों) के सीच एसे अंतरण के निय तय पाया प्रवा प्रतिकात निम्निवित् स्कूबेस्य से उच्छ अन्तरम् विचित् से बाल्यविक स्थ से क्षित वृद्धी किया गया हैं:—

- (क) कुमारण वे हुई फिल्की भाग भी गामूत, उपक स्थितिका के अधीन कर दोने के अन्तरण के स्थितिका के सभी करने वा उसके क्षणे के स्थित्वा से सिक्; मीक्का/सा
- (क) एसी किली जान वा किली भन या जन्म जास्तियों की, बिन्हें भारतीय जान-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उच्छ जीभूतिवम, वा वृत्-कर अभिनियम, वा वृत्-कर वृत्तिविव्य, 1957 (1957 का 27) के प्रवृत्विव्य बन्द्रिती ह्वाडा प्रकट वृद्धी विका क्या या विका आया आदिष्ट्र या, क्याने वे स्तिया के निक;

जत: कत, अक्त जिभाजयम की भारा 269-ग के बनुसरण मं, मं, उक्त जिभाजयम की भारा 269-म की जमभारा (1) के अभीन, निकालिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) संघवि स्टिल्स लिमिटेड।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सी० के० सिन्हा।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुएं :

# उन्त सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई' आक्रोध :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सबिध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षारी के पास तिवित्त में किए का सकों है।

स्वकारिकरण :----इसमें अगुक्त शब्दों और पर्वो का, आं उक्त श्रीमनियम के अध्याय 20-क में पी। भाषित हैं, यही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया क्या हैं।

#### ग्रनुसूची

फलॅट नं० 29, जो, छडवा श्रपार्टमेंटस, सायन ट्रॉम्बे रोड, डायमंड गार्डन के सामने, चेंबुए, बम्बई 71, में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी क्र०सं० श्रई-3/37-ईई/18906/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) भ्रजन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : → 2 → 12 − 1985

प्रकप कार्या . टी . एन . एस . . --------

# जायकर निधनियन, 1961 (1961 का 43) की

# भारा 269-म(1) **के नवीन कृषका** भा<u>रत सङ्</u>कार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-3, **बम्बई** 

बन्बई, दिनांक 2 दिसम्बर 1985

निर्देण सं० ग्रई-3/37-ईई/18419/84-85--ग्रत: मसे ए० प्रसाट,

काथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियध' कहा गया हैं), की भारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संव दुकान नंव 4, जो, भानुमधी प्रिभायमेस कोव-ऑप हाउमिंग सोसाईटी लिव प्रगंव जीव रोड, बांगूर नगर, गोरेगांव (प), बग्वई-90 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध शनुसूची में और पूर्णरूप से खाँगत हैं), और जिसका करारतामा शायकर श्रधिनियम की धारा 269, क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के गर्यालय में रजिस्ट्री हैं

दिनांक । अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाबार भूक्य से कम के स्वसान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्डे यह विकास स्टर्न का कारण है कि स्थाप्नोंक्त बंपत्ति का उपित बाबार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिक्त के ऐसे स्वमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के निए स्थ सवा गया प्रतिकल, विकासित उद्योग्य से स्वन्त कन्तरण निवित्त मे अस्तिक रूप से क्षिया महीं किया क्या है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त बिधिनयम के बकीन कर देने के बन्धरक के दायित में कमी करने या उससे अवने में स्विधा के लिए; बार/या
- (क्) एसी किसी बाय था किसी थन या अन्य वास्तिकों को जिल्हों भारतीय बायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती दुक्तरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. जिल्हाने में यविधा के लिए।

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में उस्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) से अधीन, निकामिनियम का स्थान के अधीन के क 1 श्री एच० पी० चौधरी।

(भ्रन्तरक)

2. श्री एम० मोहनदास।

(अन्तरिती)

भी यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियों कुक करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इव सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीक हैं 45 दिन की नवीं या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना क राजपत्र मा प्रकाशन की तारोह सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थाप्त सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्सि में किए जा सकीरण

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया कक्ष हैं।

#### जनस**र्ची**

दूकान नं ०-4, जो, भानुमथी प्रिमायसेस को० आप हाउसिंग सोसाईटी लि० एम० जी० रोड, बांगूर, नगर, गोरेगांव (प), बभ्बई-90 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी कर मंरु श्रई-3/37–ईई/18419/84–85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4–1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (िरीक्षण) श्रर्जेन रेंज→3, बम्बई

दिनांक 2-12-1985

प्ररूप मार्च. टी. एन. एस. -----

नायफर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

#### पारव सहस्रह

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० ग्रई-3/37-ईई/18077/85-85---श्रतः मुझे, ए० असाद,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके प्रकार 'उनत अभिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अचित बाजार मूल्य 1,00,000/- स्त. से अभिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 9, जो, 2री मंजिल, अजय अपार्टमेंट, प्लाट नं. 6, नादीयादवाला कालोनी स्कीम नं० 1, मालाड (प), बभ्बई-64 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुभूषी में और पूर्ण रूप मे विणत है), और जिसका कराएनामा आपकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के गत्रीन वस्तई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है, दिनांक 1-4-85

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मून्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रीतफल, निम्निलिख उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गस्तिक रूप से किंगित नहीं किया गया है है—

- (क) अतरण तं हुई कियी भाव की बावत, इक्ट अधिनियम के सभीन कार दोने के जंतरक के अधित्व में कमी करने वा सससे वचने में सुविधा के लिए; जॉर/बा
- (क) गसी किसी अब या किसी भन या बन्च वास्तियों को, जिन्हों भारतीय वायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कार अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा बा किया बाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए.

बतः अवः उक्त कीमिनियम की भारा 269-ग के बम्बरण को, सी उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के यभीतः, निस्तिनिक्त स्थाबिककों, अर्थांड ♦ ⊶

- (1) मैसर्ग अज्ञः विल्डर्स एण्ड डेव्ह्लोपर्स । (भ्रन्तरक)
- (2) श्री पुरुषोत्तम टी० जेठमलानी। (ग्रन्सन्ति)

का बहु सूचना कारी कारही पूर्णीयतः अस्पतित के अर्थन के किय कार्यशाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति वे वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच वें 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी बनीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टेंक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीय से 45 दिन के भीतर उथत स्थावर सम्पत्ति में हितबहुष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के वास लिखित में किये जा सकीये।

स्पाधीकरण :----इसमे प्रयुक्त शब्दों और प्यों का, जो उत्तर अधिनियम के जभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अभ्याय में दिस पना हैं।

#### अनुसूची

् फ्लैंट नं 9 जो, 2री मंजिल, श्रज्य श्रपार्टमेंट, प्लाट नं 6, नादीयादवाला कालोर्न, स्कीम नं 1, मालाइ (प), वम्बई-64 में स्थित है।

प्रमुखी जैसा कि के० ो० धर्ड-3/37-ईई/18077/ 84-85 और जो सक्षम अधिकारी प्रमुख द्वारा दिखेक 1-4-1985 की रिजर्सर्ड किया गया है।

> ्र प्रमाद सक्षम प्राधिकारी सहायक धाएकर आयुक्त (क्रिसिण) अर्जन रोज-3, बस्बर्ध

दिनांक: 28-11-1985

प्रक्य कार्य. टी. एन. एस.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

#### भारत तरकार

# कार्यानय, सहायक जायकर जाधुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रोज- जम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 28 नवम्बर 1985 निर्देश सं० ब्रई-3/37-ईई/18750/84-85—यन; मुझे, ए० प्रसाद,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्त्यात् 'उक्त विधिनियम' कहा पंता हैं), जी धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विध्यात करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उजित बाबार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं प्लाट नं 39, जो बालनाय विलेज रोग्नर्डस कालोनी, श्रोलेंम, मालाड, बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विजित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्राधिनियम, 1961 की धारा 269क के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिकस्ट्री है, दिनांक 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिपत्त के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिवित उन्होंने से उक्त अन्तरण कि कित में गम्निक स्प में किंगत नहीं किया गया है

- (क) बन्तरण से धुइ किसी बाय की बायत, उनस संधितियह में संधीत कर दोने के बन्तरक खें शोमत्य में कामी कारते के उसम वंधन में मृत्यिथा के सिए; और/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या किसी आस्तियों की, जिन्हें भारतीय बाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना वाहिए था, छिपाने में सनिधा अनिधा अनिधा अनिधा

जत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीर विकासिक विकास की अधीर किल्लिक की अधीर की अधी

- (1) श्री ए० एम० भ्रष्टवारीस भीर भ्रन्य। (भ्रन्तरक)
- (2) श्री बी० डी० गोहील ग्रौर बी० एम० चावड़ा। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के वर्षन के बंबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं व के 45 दिन की अविध या तरसबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तानील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित्त में किए जा सकींगे।

स्थव्यीकारण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिवयम के बध्याय 20-क व परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा, वो उस बध्याय में दिया ववा है।

#### धन संची

प्लाट नं० 39, जो वालनाय विलेज, रोग्नर्डंग कालोनी, ग्रोलेंम, मालाड, बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं० अर्ड-3/37-ईई/18750/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रिनस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रोज-ाा, बम्बई

दिनांक: 28-11-1985

मोहर 🖟

# प्रकार बार्च<sub>ा</sub> दर्भ<sub>ा</sub> द्वा<sub>ल स्वर</sub>्ग ता न <del>स्वता</del>

ं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नभीन सुझना

#### गारव रहकार

# कार्याज्य, ब्रह्मयक मायकर मायुक्त (निरीक्स)

प्रर्जन रेंज-III बम्बई

बम्बई, विनोदः 18 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० श्रई-3/37-ईई/18717/84-85----यतः, मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उन्त अभिनियम' कहा गया है), की भाष 269-च के अभीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्वति, जिसका उचित शाखार मूक्त । 00,000/- रा. से अभिक ही

श्रीर जिसक सं० प्लाट नं० 15, जो 3री मंजिल, निर्माणा-धीन इमारत, प्लाट नं० 16-ए०, सीठटी० एस० नं० 432, विलंज वालनाय, जे० बी० कालोनी, श्रोलेंम, मालाड (प) बस्बई-64 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिस्सा उरारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269कख के श्रधीन बस्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, दिनांक 1-4-85

को प्वोंक्त संपरित के खिला बाजार मूल्य से क्षम के दिवास पिएक के लिए अस्परित की गई है और अके यह विश्वास अरने का कारण हैं कि यथाप वोंक्त संपत्ति का उपित बाजार अस्य, उसके क्ष्यमान प्रतिपास से एसि क्ष्यमान प्रतिपास का पन्द्रह प्रतिकाल से व्यभिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिपास, निम्निनिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखिल मास्तियक मण से कथित नहीं किया गया है क्ष्म

- (क) अन्तरण सं हुई फिती शाय की संसत, उज्ल सिमित्रम के जधीन कर दोने के सन्तरक ले दावित्य में कभी करने या उत्तसे स्थाने में सुविधा के सिए; धीर/या
- (ख) एसी किसी बाव था किसी बन मा अस्य जास्तियों को चिन्हों भारतीय जासकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरियति व्वारा पंकत नहीं किया गया था सा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

बन अब, उयत अधिनियम की धारा 269-ए के बनुसरण में, सें उमन अभिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) है सभीन, निम्नसिक्टि व्यक्तिकों, बर्चात :--- (1) मैसर्स ग्लैण्डल इंटरप्राइजेज।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ग्रन्बानो डिसिल्वा।

(भ्रन्तरिती)

को यद्व तूचना जारी करके पूर्वोक्स तंपील के अर्जन के सिध कार्यवाहियां करका हुं।

# उक्त सम्बन्ति के नर्बन के संबंध में कोई भी बाबोप ह-

- (क) इस तृथना के राज्यन में प्रकाशन की तारींच ते 45 दिन की जनिए या तत्संबंभी व्यक्तियों पर सृथना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जनिए बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशक की तारीच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्काइभ किए को जन्म स्थानित में किए जा सकींगी।

स्वक्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कर्यों जीर पर्यों का, वा उसके श्रीजीयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित **हैं, कहीं वर्ध हो**गा को उस अध्याय में दिया गया **हैं**।

# अनुस्**ची**

प्लैट नं 15 जो 3री मंजिल, निर्माणाधीन इमारत प्लाट नं 16-ए, सी टी एस एन नं 432, विलेज वालनाय, जे बी जालोनी श्रोलेंग मालाड (प), वस्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैंगा ि क० सं० अई-3/37-ईई/18717/ 84-85 और जो पक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद पक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक (निरीक्षण) ग्रजन रेज-III, बस्बई

दिनां ह: 18-11-1985

मो**ह**र 🖫

# **प्रकृत कार्र**्य **ठी<sub>ं प्र**कृत प्रस्तुः सन्दर्भनास्य</sub>

शायकर सभिनियम, 1961 (195, का 43) भी भारा 269-च (1) के अधीन सुबना

#### भारत बहुकाड

# कार्यांसय, सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-IV, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 नवम्बर 1985

निर्देश सं० म्रई-3/37-ईई/18660/84-85---यतः, मुझे, ए० प्रसाद,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत् अधिनं अम' कहा गया है. की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उषित बाबार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं जमीन का हिस्सा, जिसका प्लाट नं 24-एम०, टी० पी० एस० 1, शिवाजी नगर, मालाड (पूर्व), वम्बई-97 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रीयकर श्रिधिनयम 1961, की धारा 269क्ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिमांक 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, जक्त अधिनियम की धारा 269-च के, अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीयः मिस्तिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गोपीनाथ एस० वशंपायन।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विजय शंकर कामत।

(अन्तरिती)

की बहु सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यभावित्यां करता हो।

# नक्त सम्मत्ति के प्रयोग के सम्बन्ध में कोड़ भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्री में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भौतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो जनक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिवा वया है।

### धनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका प्लाट नं० 24-एम, टी० पी० एस० 1, शिवाजी नगर, मालाड (पूर्व), बम्बई-97 में स्थित है।

श्रनुभुची जैसा कि कर सं श्र श्र श्र - 3/37-ईई/18660/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रिनस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज- बम्बई

दिनाय: 28-11-1985

मांहर 🖫

# प्ररूप आर्ष. टी. एन. एस.-----

# माधकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रें ज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 नवम्बर 1985

निर्देश सं० **भई-**3/37-ईई/18235/84-85—**-म**नः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से विधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 25, जिसका सर्वे नं० 26, एच० नं० (श्रंश) श्रीर 3(श्रंश) विलेज वालनाय, मालाड (प०) बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका अराएन।मा । यव र श्रिधिनयम 1961 की धारा 269क ख के श्रधीन अबई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1-4-1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरमान प्रतिफल के लिए इन्तरित की गई है और मूझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके स्व्यमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अपिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बाच एसे अन्तरण के लिए तय बाबा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में तूर्विभा के लिए;

अत: दब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1).
है अधीन⊌ निकालिद्वित क्वीनतर्वो⊕ अर्थात् क्वा

(1) श्री हर्षच राय एन० भायानी।

(ग्रन्तरक)

(2) गणेण कन्स्ट्रक्शन कंपनी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यधाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ६---

- (क) इस राजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तस्त्रीय वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के वास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाजित हैं-, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिका गया है।

#### लप्य

्লाट नं० 25, जिस्ता सर्वे नं० 26, एच० नं० 1 (श्रंग) श्रीर 3(श्रंग) विलेज वालनाय, मालाड (५०) बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्राई-3/37-ईई/18235/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रासद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज-3, बम्बई

दिनांक: 28-11-1985

मोहर 🛭

# प्रकल काड". दी. एवं. एकं. स-----

# बाबकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

# काश्रीजन, सहायक आयकर जानूक्त (निक्किण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 18 नवम्बर, 1985

निर्वेश सं० ऋई-3/37-ईई/18816/84-85—ऋतः मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वतः करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार नृष्ण 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 608, जो, 6ठी मंजिल, माला**ड** शापिंग सेंटर, एस० वि० रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्राय पर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, खाके श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, विनांक 1-4-85

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उप्तित बाजार बुन्क, उश्रक्षे दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्ति दश्यमान प्रतिफल का पन्ति दश्यमान प्रतिफल का पन्ति विश्वास से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाचा गवा प्रतिफल निम्नलिचित उद्देश्य सं उक्त अंतरण विचिव में बास्तिक क्या से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जंतरण से हुई िकसी जाम की मायल, उक्त गोधीनमान के अधीन कार दाने के सत्तरक बो द्रामित्व मा केमी केति को उसम बचन मी सुविका के लिए, और/मा
- (क) होती किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की चिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तिरिती ह्वारा प्रकट नहीं किया गया भाषा किया जाना चारती ह्वारा प्रकट नहीं किया गया भाषा किया जाना चारती ह्वारा प्रकट नहीं किया गया भाषा किया जाना चारती ह्वारा प्रकट नहीं किया गया के किए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--

- (1) श्री योगेश चुनीलाल तांबोली। (ग्रम्तरक)
- (2) श्री जगदीण दी० गाडा श्रीर श्रन्य। (श्रम्परिती)

उनका सन्परिए के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

को बह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों के भीठ ५ पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाश पक्षा संविध्ये के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बास में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगें।

स्वाक्षीक्ष्वाः इसमें प्रयुक्त बन्दों और पदा का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभावित हों, यही पर्ध होएं के उस प्रथमित हो दिया संसाही।

#### वस्त्यी

पस्तैट नं 608, जो, 6ठी मंजिल, मालाड शापिंग सेंटर एस वि रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है। श्रुनुसूची जंसा कि क सं प्रई-3/37-ईई/18816/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांकः 1-4-1985 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज-3, बम्बई

दिनांक: 18-11-1985

मोक्षर.

# **प्रकेत संबद्धी , दर्शि, हुन्द**्र, क्राइकारकार

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 2<del>69-</del>म (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सङ्कानक वाचकर वास्त्रस्य (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 17 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० ग्रई-3/37-ईई/18267/84-85-----ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद

बायकर अभिनिवन, 1961 (1961 का 43) जिते इक्कों इसकों परभात् 'उन्त अभिनिवन' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारों को वह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर सन्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूख्य 1,00,000/- क. ते अभिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 205, जो, 2री मंजिल, बचानी नगर के सामने, ऑफ दफतरी रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-67 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसना जरारमान श्रीयक्षर श्रिधिनयम 1961 को धारा 269क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांकः 1-4-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के इस्प्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्प्रमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गमा प्रविक्त, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बिता में कार्त्यिक रूप से कथित नहीं किया गवा है:---

- (क) बंतरक से हुई किसी बाब े बाबत, उक्त किय-विषय के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में तृविधा के किए; और/या
- (थ) एसी किसी आय या किसी धन वा नम्य नास्तिकों को जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त निधिनियम, वा धन-कर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नंबारिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था,, कियाने में सुविधा के सिक्ट:

बतः शव, उक्त विधिनियम की भारा 269-न के बनुबरक् हो, मी, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) को अभीन विकासिक व्यक्तियों, वर्षात् हो—

- (1) मैसर्स अगरवाल क्ल्स्ट्रक्शन कंपनी। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती रसीलाबेन के० मशरूवाला ग्रौर ग्रन्य।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस त्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की लामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 किन के भीतर उसत स्थावर सम्मत्ति में हितमब्ध किसी जन्य स्थावत व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मन्त्रची

फ्लैंट नं० 205, 2री मंजिल, बचानी नगर के सामने ऑफ दफतरी रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-67 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि से श्रई-3/37-ईई/18267/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनां : 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रपाद सञम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3,बस्बई

**विनांक: 19-11-1985** 

प्रकल आहे. टी. एन. एस. -----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष्टा 269-क (1) से अधीन स्वता

# लारत नरकार

# कार्याक्षक, सहारूक अञ्चलक बाल्यक (विरोक्षक)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनां र 18 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० प्रई-3/37-ईई/18599/84-85--- प्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (**विसे एसमें** इसके पक्षात् 'उक्त जीधीनवर्ग' कहा गया हैं), की धारा 269-स के संधीन तक्षण प्राधिकारी की, वह विस्थात करने का कारण है कि स्थावर सम्बक्ति, जिसका उपित बाबार अस्य 1,00,000/- स्त. **ते अधिक ह**ै

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 13, जो, 1ली मंजिल, निधी श्रपार्टमेंट, नं० 1, टी० पी० रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), भीर जिसका करारनामा श्रायकरं श्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षण प्राधि गरी के कार्यालय में रजिस्दी है दिनांकः 1-4-1985

क्षा पूर्वोक्त सम्पत्ति को उभित्त बह्यार मूल्य है अपने 📽 🛛 क्यमान प्रतिफाल के लिए रिजस्ट्रीकृत निजेब के अनुवार अंतरित की नर्द है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापवेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उत्तके दश्यमान प्रतिकल से, क्रेसे दश्यमान प्रतिकास का पन्त्रह प्रतिकात ते अधिक है व्यक्ति असरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के नीप एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रविफल, निम्ननिषित उद्विष्य स उसत अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किन्दा नहीं किया गया हु\*ः---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी वाय की बाबत, उक्त जिप-नियम के अधीन कर बोने के अंतरक के बाक्सिय में कमीकरने वाउससे बचने में सुविधा के सिक्; बरि/या
- (क) होती किसी आय या कसी अन या अन्य आस्तियो का, जिन्हें अरलीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा ने निए:

अक्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उपत अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीत् , रिस्निलिकित व्यक्तियां अश्रीत 🚛

والمراوع والمراوية والمستعمرين وللقوال فالمستعمرين والمرابط لتام وبين كالمستعين الشرائية ومستعمل المستعد والمستعدد المستعدد (1) श्रीमती रुक्मिणी एस० कंछाल।

(धरतरः)

(2) श्रीमती चेतना ज्येंद्र गोगरी।

(जन्मरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करतां हुं।

# उपन कमाचि के वर्षन में सम्बन्ध में क्रोर्ड भी वाशोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- ्र(च) इस सूत्रपना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 बिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी 🛎 पात लि**चित में निलए** जा सकोंगे।

स्पक्तीकरणः --- इतवें प्रयुक्त सक्यों और पदों का, यो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिअधिकत 📢, वहीं कर्य होता, जो उस कथ्याव में विका बना

फ्लैंट नं० 13, जो, 1ली मंजिल, निधी ग्रपार्टमेंट, नं 1, टी पी रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० मं० ग्रई-3/37-ईई/18599/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रवाद यक्षम प्राधि∷ारी सहायक प्रायक्तर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिगांक: 18-11-1985

प्रारूप आहर् .टी .एन .एम . . . . . . . .

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत परकार

# कार्यालय, सहायक भायकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 18 नवम्बर, 1985

निर्देण सं० ग्रई-/37-ईई/18268/84-85----श्रतः मूझे, ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- क. से अधिक हैं

ग्नीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 402, जो, 4थी मंजिल, बचानी तगर के सामने, ग्रॉफ दफसरी रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-67 में स्थित है (ग्रीर इससे उपांबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारतामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रिजस्ट्री है दिनांक 1-4-1985

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और

मुओ यह विषयास करने का कारण है कि सभा
पूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रति-फब से ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंत-रण के लिए तम पाया गमा प्रतिफल, निम्मलिखित उद्वरेष से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गमा है : —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अभ्वरक के दायित्व में कभी करने या उत्तस बचने में सुविधा के लिए; आर/यर
- (क) एसी किसी आयं वा किसी धन या अन्य वास्तियों का, जिन्ह भारतीय आयं कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था किया में सविधा के लिए:

अतः जयः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) मैपर्स प्रगरवान ान्स्ट्रक्शन जम्पनी।

(अन्तरक)

(2) श्री गोपालदास गोयल और अन्य

(श्रन्तरिती)

की यह स्थाना जारी करकी प्यॉक्त सम्परित औं अर्थन के अर्थ कार्यवाहियां शुरू करता हो।

# उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्हन्य में कोई भी बाक्षंप :---

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की सामील से 30 दिन की अविध, खो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी कस्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्तः भरी के पास किसी कर्य किसी कर्य का कर्ये ।

स्पष्टिकरण :--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ है गेगा जो उस अध्याय में दिया प्रशृह्म ।

# धन्स् ऋी

फ्लैंट नं० 402, जो, 4थी मंजिल, बचानी नगर के सामने, श्रॉफ दफतरी रोड, मालाड (पू०), बम्बई-67 में स्थित है।

श्रनुसुधी जैसा ि क० सं० श्रई-3/37-ईई/18268/ 84-85 श्रीर जो सक्षम श्रीधि गरी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रिनस्टिङ িया गया है।

> ए० प्रसाद नक्षम प्राधिकारी महायक प्रायक्ष्य प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जा रेंज-3, बम्बई

विनांबः: 18-11-1985

प्रकप बार्चाः टी., एन., एस्. -------

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन सूचना

#### भारत सहकार

कार्यात्तव, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रें हा-3 बम्बई

बम्बई दिनां ए 18 नवम्बर 1985

निर्देश सं० श्रई-3/37-ईई/18266/84-85---श्रतः मुझो। ए०, সমাহ

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्थात जिसे अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1.00.000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 303 जो 3री मंजिल बकानी नगर के सामने, श्राफ उफारी रोड शानाड (पूर्व) बस्वई-67 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रानुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से विश्वत है) श्रीर जिसका इपारतामा श्रायक्प श्रीवित्यम 1961 की धारा 269 ह ख के श्रीत बस्बई स्थित सक्षम प्राविज्ञारी के जार्याक्य में रिल्ट्रिट्टी है दिनांक 1-4-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के दश्यमान वितक्त के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते हह विश्वास कारमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का श्रीकत बाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिकत्त सो, एसे दश्यमान वितक्त का पंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए अपाप्यों का प्राप्त का प्रतिकत्त का प्रतिकत का प्रतिक का प्रतिकत का प्रतिकत का प्रतिकत का प्रतिकत का प्रतिकत का प्रतिक का प्रतिकत का प्रतिका का प्रतिकत का प्रतिका का प्रतिक का प्रतिक का प्रतिक का प्रतिका का प्रतिक

- (क) अन्तरण से हर्ष किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विभा को लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयवर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, वा वन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्राप्त प्रसार्थ अन्तरिकी क्यारा प्रकट उहीं किया ज्या था या किया जाना चाहिए श स्थिपने में सुविधा है लिए।

अतः अत्र अस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीतः, निम्निलिश्वित व्यक्तियों, अधीतः :—— 30—426 GI/85

- (1) मैंसर्स प्रगरवाल कन्स्ट्रक्शन कंपनी। (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सुषमा मगरवाल। (प्रग्तरिती)

को यह स्थाना बारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्थन के निष् कार्यवाहियां कारता हुई।

उक्त संपत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्हींच के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वींचत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ब) इस स्वता के राजपन में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति भें दिन-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा ज्याहस्ताक्षरी वें पास लिखित में किए का सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभावित है, वही अर्थ होगा जो उत्त अध्याय में दिवा पया है।

# धनुसू बी

पलैंट नं ० 303, जो 3री मंजिल ब<mark>धानी नगर के</mark> सामने, आफ़ दफ़नरी रोड, मालाड (पूर्व) बम्बई-67 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्राई-3/37-ईई/18266/ 84-85 ग्रांर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनोक 1-4-1985 को रिकस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारीं सहायक द्यायकर आयुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंप-३, बस्बई

दिनांक: 18-11-1985

मोह′रः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भाषकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांक्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रोंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 18 नवम्बर 1985

निर्देश सं० ग्रई-3/37-ईई, 18598/84-85 — ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

घौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 54, जो 5वीं मंजिल, निधि अपार्टमेंट नं० 1 में टी० पी० रोड मालाड (प०) बम्बई-64, में स्थित है (घौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में घौर पूर्ण रूप से वर्णित है) घौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क ख के अधीन अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री, है दिनांक 1-4-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का भंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या

को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमूसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती कुसूम द्यार० सराफ्र।

(भन्तरक)

(2) श्री धनील वि० मधे कर।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यिक्स द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्दिक्तरणः — इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

पलैट नं० 54, जो 5वीं मंजिल, निधि श्रमार्टमेंट नं० 1 टीं० पी० रोड मालाड, (प) बम्बई-64 में स्थित है। श्रमुज्ञी जैसा जि ऋ० सं० श्रई-3/37-ईई/18598/84-85 और जो उक्षम प्राधितारी बम्बई बारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड ज़िया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधि हारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज-3, बस्बई

दिनांक: 18-11-1985

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रजीन रोज-3, बम्बई बम्बई दिनांक 4 दिसम्बर 1985

निर्वेश सं० अई-3/37-ईई/19227/84-85---अतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त आधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रार जिसकी संव लैट नंव 4 जो चैतन्य यंग फेंड्स को-ग्रापव हाउसिंग सोसायटी लिव, प्लाट नंव 109, जय-प्रकाश नगर, गोरेगांव (पूर्व) बम्बई-63 में स्थित हैं (ग्रांग इससे उपायद्ध अनुपूच में ग्रीप पूर्ण स्वा से विकास हैं) ग्रीर जिसना करापनामा श्रापवर श्रिधितयम 1961 की धारा 269क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-5-1985

का पूर्वोक्त संपत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के श्रयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असकी दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे श्रथमान प्रतिफल का ब्रम्ह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नितिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिश्चित में गस्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की सावत, उक्त अधि-चित्रम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- ह) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

जत: जथः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज को उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिश्वित व्यक्तियों, अधीत् ;

- (1) श्री परायाकुलम कुरीयन झाचारीह। (भ्रन्तरक)
- (2) श्री प्रकापसिंह दुदासिंग चडाना। (मन्तरिती)

को यह स्वता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संस्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितस्सूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पदों का, जां उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हाँ।

#### अनुसूची

फ्लैंट नं० 4 जो, फैं?न्य, यंग फ्रेण्डस् को-झाप० हाउसिंग सोसायटी लि०, प्लाट नं० 109, जयप्रकाश नगर गोरेगांव (पूर्व) बम्बई-63 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि क० मं० श्रई-3/37-ईई/19227/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज-3, बस्बई

दिनांक: 4-12-1985

# प्रकल बार्च . थी . यन . एवं . ------

# बावकार वीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन स्वना

#### नारत सरकार

# कार्याक्रय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 20 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० धई-3/37-ईई/18141/84-85---श्रदः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रशाद 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,090/- रु. से अभिक है

भौर जिसकी सं० दुकान नं० 1, जो लक्ष्मी शापिंग सेंटर एकं० की० रोड, घाटकोपर बम्बई-86 में स्थित हैं (भौर इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं) भौर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं दिनांक 1-4-1985

को प्रॉक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास आरने का कारण है कि यथाप्वोंक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृच्य, असके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिचात से बिभक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिति (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित के बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के किए; और/या
- (व) एंसी किसी नाय या किसी भन या अस्य नास्तियों की, चिन्हें भारतीय नाय-कर निधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधनियम, या भन-कर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया या या किया जाना चाहिए था, किपाने भे चुन्निया के निक्या

जरा कर, बन्त जिमिनयम की भारा 269-म के अनुसरक जो, में, उपत विभिनयम की भारा 269-च की उपभारा (1) के बचीन, निम्नविधित व्यक्तियों, वर्षांत् ह— (1) श्री वामजी राघवजी घहा।

(प्रन्तरक)

(2) श्री सिराज शहमद इजाद।

(मन्दरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीवत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिध बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ज्यक्तियों में में जिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्थारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थलिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों सार पदी का, जा उत्तक सिधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ शुरेगा को उस अध्याय में विद्या मया है।

#### अन्स्ची

बुकान नं० 1, जो सक्सी धार्षिण सेंटर, एच० डी० रोड घाटकोपर बम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि विश्व अई-3/37-ईई/18141/ 84-85 और जी सक्षम प्राधिशारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 की रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-3 बस्बर्ष

दिनांक : 20-11-1985

प्ररूप आहूर.टी. एन. एस. ------

प्रीधीनयम 1961 (1961 का∡२) की

# वाधकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन ध्वना

#### पारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जा⊤ रेंज-3, धम्प्र¥

बम्बई, दिनाँ ह 20 स्वयवर 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/18724/84-85—अतः मुझे ए० प्रसाद

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कर कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोट जिल्ली सं० पर्तेट तं० 407, जो , 4णी मंणिल, महे विचा, जिल्ला सीटीएल नं० 4556 से 4580, जिल्लेस घाट-को ८ किरोज रजनाडी, घाटको ८, बमबई-77 में रियन हैं (श्रीट इसते उनावस अनुसूची में श्रीटपूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीट जिल्ला करारतामा अन्यक् अधिधियम 1961 की धारा 269 क खने असीत बमबई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याक्य में एजिल्ही है तारीख 1-4-1985

क्यं पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमाय प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्रवास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति को उचित बाजार बुस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्क सिम्निलियत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में बास्त- विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत, उक्ट अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व मो कमी करने या उससे बचने में सुनिधा को सिए; बार्टिशा
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया पया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः अक्र, उक्त निधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैंदर्स विधेक इंट प्रायमेस

(अस्तरक)

(2) श्री धांतीलाल एम॰ मेहता।

(अन्तारिती )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (स) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीस भे 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्विसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवाय वधांहस्ताक्षरी के पास जिन्दित में किए वा सुकेंगी।

स्पष्टोकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, है, वहीं अर्थ द्वीगा, जो उस अध्याय में दिया

# अनुसूची

फ्लैंट नं० 407, जो, 4थी मंजिल, महेंद्र विला, जिसका सीटीएस नं० 4556 से 4580 विष्ठुलेस घाटकोपर किरोल रजनाडी, घाटकोपर, बम्बई-77 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-3/37—ईई/18724/85—86 स्रोट जो सदाम प्राधिक री बस्बई द्वारा दिशांक 1-4-1985 को रिलस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 बस्बई

दिनां ह: 20-11-1985

प्ररूप आहूर.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-3, बम्बर्ष

बम्बई दिलांक 20 लवम्बर, 1985

निर्वेश सं • अई-3/37-ईई/18305/84-85--अतः मूझे ए॰ प्राद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें रिचात् 'अकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थादर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य

1,00,000/- रत. से अधिक हैं

भीर जिल्ली सं क्लैंट नं ति 11, जो, प्लाट नं 38, आस्ति को-आप हार किंग सोकाईटी किंत, गरे हिरा स्वार प्राटक अर बग्वई-77 में विश्वत है (भीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजाह है) श्रीर जिल्ला काराकामा आयक्य अधिकिम 1961 की धारा 269 ा, खं के अधीक बम्बई विश्वत सक्षम

प्राधि तरी के तार्यालय में किन्द्री है तारीख 1-4-1985 को पूर्वेक्स संदित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंगरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के दीन एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखन में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंशरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अंशरक के दर्शियरव में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिया के लिए।

शतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ≰ अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती यांचनक्षेत्र सी० पारेख श्रीर अन्य (अन्तरक)
- (2) श्री भगदानजी मोनजी ठक्डर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्षत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूनना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोग।

स्भव्दिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हु<sup>3</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

पर्लंट नं० 11 जो प्याट नं० 38, आधिश को-आप० हार्जीहर सोहाईटी लि०, गरोडिया नगर, घाटकोपर, बम्बई-77 में स्थित है।

अनुसूची जाँउ हि क० सं० अई-3/37-ईई/18305/84~ 85 प्रोटनो अजन प्राधिकारी बस्बई द्वारा विलोक 1-4-1985 को रिजिस्टक किया गया है।

> ए2 प्रसाध सक्षम प्राधिकारी सहायह आयहर आयुक्त (निरीक्षण) क्षर्जन **रेंज-3, बम्बई**

दिनों ह : 20-11-1985

प्रकप<sub>्र</sub> गाइ<sup>4</sup>. टी., प्रतः एसः -----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा १६०-म (१) के अधीन सम्बना

### भारत सरकात

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेजि-3, बम्बई

बम्बई, दिगाँ र 20 प्रवस्त्र । 1985

ि(र्वेष: सं० अर्थ-3/37-ईई/18/2//84-85--अतः मुझे, ए॰ प्रताद

आग्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसम इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन मक्षम प्राधिकारी का यह विद्यास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिस्सका लिखत योजार मूल्य 1,00,000/- रा. संअधिक है

भीर जिति हो सं० पर्नेष्ट नं० सी/2, जो, प्रत महाति, नवरे बाग अग्रिटेमेंट इनहरा, पर्ने नं० 231 (पंत्र), नी गृहाटी नं०4, 4/1 से 4/45 थोर 231 (प्रंत्र) कुनी (प्रंत्र) क्याई-24 में लियत है (श्रीर इति जातबाद अनुसूची में ऑह पूर्ण कर के व्यक्ति। है) श्रीर जिति है हिरासा अध्य हर अधितियम, 1961 की धाहा 269 क, ख के अबीत, बम्बर्द स्थित पक्षम प्राधि हारी के द्वायालय में रिनिट्टी है, नारीख 1-4-1985

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित अजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरक्रि) और बंदरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया प्या प्रतिफन निम्निलिखित उद्शेष्य से उक्त अंतरण निश्चित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बंतरण से हुन्दी जिल्ली पाम कर्ष माध्या, उसल बाधिनियम के बंधार पार यात का उपलगत प दामित्य भी भामी करण में उपल्या गार में मान
- (क) ऐसी किसी अक्क यह किस) का प्रत्यात पहार कर की, रिक्ट्स भारतीय अध्यान्त्व क्षित्र ने त्या किसी किसी, देश (1922 का 11) सा उध्या अनिकिष्य है। प्रतन्ति स्वितिष्य (1957 के उर्व के प्रयोजनार्थ अन्ति रुपी क्षाय प्रकार नहीं (काम प्रयोजनार्थ के किया जाता स्वित् का किया जाता स्वितिष्य है। किया क्षाया की किया की किया जाता स्वितिष्य के सिए:

अतः अवं, उक्त अभिनियम की भारा 269 ग के अनसरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269 य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत:—— (1) मैक्सं जैन बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) डा० प्रशांत केंद्र पटेल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी ब्राक्ष्येप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से क्षेत्र के किस के निर्माण के स्थान की तारीखं पर सूचना की तामीन से 30 दिन की मविष, जो भी अवधि कार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाच्छ स्थानिक सो में के किसी व्योधन स्वास्त
- (क) इस स्वता के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यावत द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास विकास मों किए उर पहेंगे।

# अनुस्ची

पत्रीय नं ० सी/2, जो, धत माधा, धवरे जाग अधार्य मेंट, इसाधा, धवरें पं ० 23। (श्रंप ), जीएडटी नं ० 4, 4/1 से 4/45 श्रोध 231 (श्रंप ), कुर्जा (पूर्व ), बस्बई-24 में स्थित है।

अनुसूत्री जैता किक० सं० ाई-3/37-ईई/18727/84-85 कोरजो सनन पाश्चिकारी बस्पई झाल दिलोक 1-4-1985 की रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (किरीक्षण) अर्जक रोज-3, बम्बई

दियों है : 30-11-1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

भायकर शिधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनाम 20 नवस्थर 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/18240/84-85--अनः मुझे, ए० प्रसाद

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्णान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रा. से अधिक हैं

म्रोटिशितकी सं० पत्रैट नं० 507, जो 5वी मंजिन, बी-विंग, प्रमू अतर्टमेंट , रजवाडी, घाटकोतर, बम्बई में व्यात है (घीर इत्ते उत्तबद्ध अनुसूची में म्रीरपूर्ण का से विंगित है) म्रोटिजित का करारतमा आयाजर अधिनियम. 1961 की धारा 269 क, ख के अत्री।, बम्बई रिया सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है. तारीख 1~4~1985

को पूर्वावत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपान में सुविधा के खिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनूसरण पें, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभाश (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैं। सं विजेत इंटरप्रायंस्य।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० आर० धपतरी श्रीर अन्य।

(अम्डरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील सैं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीस सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी उन्य व्यक्ति व्यारा उक्षेहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सर्वोगे।

स्पटीकरण :---इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों को जो जक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **प्रनुसूची**

फरीट त० 507, जो 5वी मंजित, बी-विंग, प्रभू अवार्ट मेंट रजवाडी, घाटको १८ वस्त्रई में स्थित है।

अगुर्वी जैना रिक्क सं० जिन्ने 3/37-ईई/18240/84-85 भी रजो तक्षम प्राधि हारी बम्बई द्वारा दियां रु 1-4-1985 की रजिस्ट है किया गया है।

ए० प्रसाद प्रक्रम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनों 5 : 20-11-1**985** 

श्रूप बाइ'. टी. एन. एस.-----

. जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय. सहायक आयक**र आयक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिशांक 20 न्वम्बर, 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/18140/84-85---अत: मुझे, ए० प्रसाद

शावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० दु तान नं० 1ए, जो, लक्ष्मी धार्षिण सेंटर, एच० डी० रोड, घाटकोपर, बम्बई-700 086 में स्थित है, (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण का से बर्णित है) स्रोर जिन्ना उरारतामा आयाद्य अधिनियम, 1961 की धारा 269 हा, ख के अधीन; बम्बई स्थित सक्षन प्राधि तारी के जार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

का पूर्वोवत संपास के उसित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान अतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उसित बाजार मूल्य उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए उस पामा मबा प्रतिफल, निम्निक्षित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्तित में अस्तिवक इप से कथित नहीं किया गया है

- (क) सन्तरण ते हुइ किसी नाय की बाबत उचक सीध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के साथित में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिये;
- (क) एती किसी आय या किसी अन या कन्य कास्तिओं की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 । 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वौ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा वै किए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
31—426 GI/85

(1) श्री दामजी आर० शहा।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० के० मधेकर

(अन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत्र की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्संबर्ध व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति जुनारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मन्स्ची

दुकान नं० 1ए, जो, लक्ष्मी शापिंग सेंटर, एच० डी० रोड, घाटकोपर, बम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/18140/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-3, बम्बई

दिनांक: 20-11-1985

(४) व १ . . . . १ राजायांका स

(अन्तर ह)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सृथना

# (१) र्थामनी धरूला ी० भेहता

(अन्दरिती )

#### भारत चरकार

कार्यालय, सष्टायक बायकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्ज त रोज-3, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांक 20 त्रवम्बर 1985 निर्देश सं० अर्ड-3/37-ईई/18723/8 ।-85---अतः मुझे, ए**०** प्रसाद,

जायकर श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके ध्रधात जिसे जाधिनियम कहा गया है), की धारा 269 था के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करन का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित जार गणा 1,00,000/- रहे. से अधिक ही

स्रौर जिसकी सं० फलैंट नं० 30 र, जो, 3री मंजिल, ए-विश्व महेंद्र विजा, कीरोल विह्नेज, घाटकोपर, धम्बई-77 में स्थित है (स्रोप कर में उपाबद्ध अनुभूची में स्रौर पूर्ण कप से विजित है) स्रोप कि राज करारतामा आयकप अधिकियम, 1971 की धारा 2691 टा के अधील बम्बई स्थि। दक्षम प्राधिकारी के कार्यान्य में पिर्ट्यू है तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूफे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल का, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे बतरण के लिए का कर प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में गम्तिक रूप में कथित नहीं किया गम्ह हैं

- (क) वंत्रण वं हुई किसी बाद कर्त वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में मित्रण के निष्; और/या
- (क) एंसी किसी लाघ या किसी धन या वन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय वायकर अधिनिएम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अिनिएम पर बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया लगा था पर पर पर पर किया स्विधा के सिद्धा के सिद्धा

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्थन के लिए कार्यवाद्रियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के गंबंध में काई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस मं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्नीकरण: --इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# ग्रनुसूची

फ्लैंट नं॰ 307, जो, 3री मंजिल,ए-विंग, महेंद्र विला, किरोल ब्हिलेज, घाटकोपर,बस्बई-77 में स्थित है।

अनुसूची जैसा पि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/18723/84--85 प्रीटजो सक्षम आधिकारी वस्त्रई द्वारादिनां । -4-1985 को र्जानस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहाय र प्राथकर आयुक्त (चिरीक्षण) अजेच रेजि-३, बस्बई ।

वतः वन, उक्त विधिनियम की धारा 269 म के अनुमरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 म की उक्तारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अधीत :--

行者: 20-17-1985

# अक्स बार्ड .टी .एस : एव . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) वो अभीन सूचना

#### भारत तरकार

# कार्गलय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

ार्जन रोज-3, बम्बई

बम्बई, दिनार । 2 तिसम्बर । 1985

निर्देश म० अई-3/37-ईई/18216/84-85---अनः मुझ, ए० प्रशाद

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा है), की भारा २69-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं इंडॉस्ट्रेनल प्रिट नं सी-100, शाग्रा रोड इडिस्ट्रेमल श्रीमायसेक को आप सोनायटी विस्टिड, लाल बहादुर शास्त्री मार्ग, घाटकोणल, बस्बई-400086 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण राज संघणित है) श्रीर जिसका कराएनामा आयकण अधिकिम, १९०५ की धारा 269क, खाक अधीक, बस्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में राजस्द्री है तारीख 1-4-1985

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के क्रथमार प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मभाप्रशिक्त संबक्ति का उचित बाजार मून्य उसले दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अतरकारें) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रति-क्रस, निम्निनिक्त उद्योक्य से उक्त अन्तरण निकित में बास्स-विक क्य से कथित नहीं किया गया है प्रनन्न

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, अक्त बाधिनियम के बधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) एसी किसी नाय या किसी धन या जन्य नास्सिको को, जिन्हों भारतीय आयवध्र निधानियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम, या धनकर निधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिन्नाने में सुजिधा के सिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण को, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपध्रारा (1) की अभीन, निक्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (।) अंजु बी० शाह आर अन्य

(अन्दर्ह)

(2) मैं असे जैम सीनथेटिक्झ एण्ड पोलीमर (इंडिया)

(अन्तरिती )

का बहु सूचना चारी करको पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन की लिड्

# उन्हें संपंति के अर्थन के सर्वथ में काई भी काक्षाय :---

- (क) इस पूचना की राजपंत्र में प्रकाशन की कारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सविधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की संविध, को भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त क्यक्तिया। में से सिनी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दी और पर्दी का, को सकत अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो नस अध्याय में दिया गमा है।

# थन्स्ची

इंडस्ट्रियन यूतिट नं ० सा- (१०), जो आग्रा योड इडस्ट्रियन प्रीमायने ३ पी० -काप० सी- (यटी किसिटेड, लान बहादुर पास्त्री मार्ग, घाटकोपर, बस्बई-100086 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि फि॰ सं॰ अर्ड-3/37-ईई/18216/84-85 श्रीर जा सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 की रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० पसा**द** गक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरी**क्षण**) अर्जन रेंज-3, **बस्मई**

តែកើ⊽. 2-12-1985 ----

महरु :

डक्य बाइ<sup>\*</sup>़ा टी., एम<sub>ः</sub> एस , --------

# बाधकर किंभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भा<u>रा</u> 269-व (1) के बधीन सूचमा

#### मार्ड्ड सरकार

# क्रायांक्रय, सहायक आयुक्त र जामुक्त (विद्वीक्राय)

अर्ज श्राप्ति-3, बास्वर्ष्ठ बस्बई, दिशों ए - 2 दिलस्बर, 1985 भिर्देश सं० अर्ध-3/37-ईई/18646/84-85—अत: सुझे ए० प्रसाद

बायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसर्व इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के संधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00000/-रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी फ्लंट नं राति है। इसा कानं 2ए, बाम्बे टेक्सी-मेन्स, बोर आपर हाटिक्स संसायटी लिमिटंड, 30%, एल रबीर मासनी मार्ग, कुर्ला (प), बस्बई 400070 में स्थित हैं (स्री) इसग उपायड अनुभूची में स्रीप पूर्ण कर ये बिणित हैं) स्रीर जिस सा त्यापनामा आस्त्र अधिस्थिम 19%। की धारा 20% काख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यास्थ में रिजर्स्ट्री है तारीख ए-4-1985

को पूर्वेका संपत्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के **रश्यमान** प्रतिकत के लिए अंतरित की ग**र्ह** 

हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे मंत-रण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया प्या हैं:—

- (क) बन्तरण सं हुई किसी नाय की याक्त, उक्ष मिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के शियत्व में कमी करने या उसस बचल मा स्वीवधा क िल्ए; और/या
- (६६) ापी किसी आप या किसी भन या जन्म आस्तियों सो, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ग्ल कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिषाने में गुविभा से लिए;

असं असं अस्थ अधितियम की धारा (160-म की अनुसरण को, की. उसते अधिनियम की धारा (169-म की उध्धारा (1) के प्रधीन, निम्नलिबिस व्यक्तियमों, अधृति हि—- (1) कुमारी प्रभा मनेश देव.

(अस्टिक्त)

(2) श्रीमती सम्बतीबाई मनेण देव

(अन्तरिती ) 🗸

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कार्क भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविदेश या सरमञ्ज्यों व्यक्तियां पर सूचना की तामील हो 30 दिन की अविधि, जो भी अर्थाय बाद मो सलावता हो है। हो से वेशर पूर्वो कर क्यांकिश में से किया को साम कुछ हो।
- (स) इस स्चल क राजपण के प्रकाशन की डाणील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर गम्पत्ति में हिलबद्धप किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहण्लाक्षरों के गांव लिखित में किए जा मणणाः

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदः का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा जो सम अध्याद में दिया नया हाँ!

# प्रमुखी

पर्लंड नं रात्र, जो इमा व्यक्त रूप, बाम्बे टेक्सीमेदस कोर आपर हाइपिम योजापटी दिविष्टेड, ३०५, एलर बीर णास्त्री मार्ग, कुर्ला (४) अस्बई 400070 में स्थित है।

अनुसूची जैसा विकार नंश - नई-3/37-ईई/18545/81--85 ग्रीय जी पक्षम प्राधिकारी यम्बई हाण दिनो व 1-4-1985 को रिजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रजाद सक्षत प्राधि गरी सहायक आयकर आयुवत (क्षिरीक्षण) अर्जन रेज-३, **बस्बर्द**

दिसाँग: 2-12-1985

माहर:

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1061 (1961 का 43) की धारा 269-भ के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, महायकं आयकर आय्थत (निरीक्षण) क्रर्जनरें ह-3, यम्बर्द

बम्बर्ड, दिना ३ - 5 दिसम्बर, 1985

निर्देण सं० अई-3/37 ईई/18369/84 85--- स्रतः मुझे, ए.० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स≭पत्ति, जिसका उचितः बाजार मृल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं माला नं 108. तो, त्यू सतगुरु नानिक इंडिस्ट्रियल इस्टेट, बेस्टर्न एक्सप्रेस हागुरू, गंतिमात्र (पूर्व), बस्बई-63 में स्थित हैं (श्रीर इसमे उसाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण हम से विणात हैं) श्रीर जिसात परास्तामा श्रीय पर अधिनियम, 1961 की धारा 269 ा, ख के अधीन, बस्बई स्थित नक्षम श्रीधिकारी के स्थानिक में रिजिस्ट्री हैं, कारोख 1-4-1985

की पूर्व क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए उन्तरित की गई है और मृद्धे यह बिश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृथ्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से एसे रूप्यमान प्रतिफल का पंद्राह प्रतिष्ठात म अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के कीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्सरण से हुई किसी कार की बाबत, इक्त नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्वैत्रधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सभीत् :— (1) मैसर्भ बनाझीन इडिस्ट्रीन

(श्रन्तरह)

(2) मैसर्स चौधरी इंटरनेशनल

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के आर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाइ लिखित में किए आ सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

माला नं 108, जो, न्यू सागुरु नानिक इंडस्ट्रियल इस्टेट, वेस्टर्न एक्सप्रेस हायवे, गाँउगांव (पूर्व), बम्बई-3 में स्थित हैं।

अनुसुर्व। जैसा कि ऋ॰ मं० श्रई-3/37-ईई/18369/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राविकारी सहायक श्रायाण श्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेज-3, बम्बई

दिनां :: 5-12-1985

मोहर .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) की अभिर क्षेत्र

#### नारल हरकाल

कार्यालय, तहायक आयर र आयुक्त (निराक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, वस्वई

बम्बई, दिनांश 5 दिसम्बद, 1985

निर्देश सं ० श्रई-3/37-ईई/ 8537/84-85 श्राः । जुडी, ए० प्रसाद,

शायकर और ीयम, 1961 (3962 ल ४३) (कार संप्रा इसके पश्चात् खिन्न अधिनियम कहा गया है), तहीं बार 269-स के संधीन सक्षम प्राधिकारों को यह देवचा बरने का कारण है कि स्थावर संपतित, जिसका लेकिर यालाव मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं ० फ्लैंटनं ० 23, जो, प्लाट नं ० 4. हेल्ड, पेस्टम सागर स्किम, जी० एम० चोड, विश्वूद, बान्दई 89. में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में जार एमं इस ने वर्षे हैं) और जिसका कर्यारनामां क्रायार प्रधितिहार, 1901 की धार 269 क, ख के ग्रधीन, बस्बई स्थित सलाम प्राधितार्थी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाकार मुल्ह से देश के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और जुले पह रिकाल करने का कारण है कि अध्यय्भोकत रूपित के जुले पह रिकाल करने का कारण है कि अध्यय्भोकत रूपित कर जिल्हा के पान परिवाल कर पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतर्क (धंन्यलें) और क्यांस्ति (अंतरितियों) के बीज एसे अंतरण के लिए क्या एका मुद्दा प्रतिकृत, निम्नतिश्वित उद्देश्य से उक्त अंतरण विकाल में वास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबट, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसते अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी जाय या किनी का ए अने अलेक्टरों की, जिन्हों भारतीय अध्यक्त वांचांग्यन 1922 (1922 का 11) या जानत अधिनियम, का बनकर अधिनियम, का बनकर अधिनियम, 1957 (१३५७ का 25) के प्रयोजनार्थ अन्तरिको द्वार प्रकृत रहते किया गरा था या किया जाना चाहिए था, विष्याने की न्विधा के लिए;

अतः अबं, उक्तं अधिनियस क्या स्परा १६५-४ के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियस अधि घरा १६१-४ को अपध्यस (1) के क्थीन, निम्नासिक्षिय अधिकार वर्षास्त्र (1) श्री बी० पी० ताम्हाणे

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सरेश एम० लालवाती ।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के िल्न कार्यवाहियां करता। हुं।

उदत सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से, 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस एचना के राज्यत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ कि मी अन्य व्यक्ति द्वारसा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकींगे।

स्पञ्चाकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अविनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित है, बड़ी अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया

अन्स्क

फ्लैंट नं ० 23, जो, प्लाट नं ० 4, मेघूर, प्रस्टम सागर स्किम, जी ० एम ० रोड, चेंबर, बम्बई-89 में स्थित है।

अनुसुची जैस कि के० सं० अई-3/37 ईई/18537/84-85 और जो सज़म प्राधि अरी बम्बई द्वारा दिनांच 1-4-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर धायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज-3, बस्बई

विगांत : 5-12-1985

सोहरः

<del>---</del> - - - - <del>----</del>

-----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक अध्यक्तर आय्क्स (निरीक्षण)

अर्जन में 1-3, नग्वर्र

बःबर्ड, दिसी 💎 र सम्बद्ध र 1985

निर्देग मं अई-3/37 ईडी 18928/81--85 - प्राः स्म ए० प्रसाइ,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियमं कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हाँ कि स्थापन संगोण जिसका अभिन कारण गाउँ 1 . 0 0 , 0 0 0 ∕ - रु. से अधिक हैं

बीर जिसकी मं० ब्लाहा नं० 65. जो, पंकान-की, होटल एए १६-५ के गार्वे, १७० गार्क गार्क, सारकोपर (ग), बस्बई, 86 में स्थित है (श्रीप इसमे उपाबक इत्युन्त में श्रीप पूर्ण स्प में वर्णित है) ग्रोंक जिसका एकारतामा अहा र स्वितिहर, 1961 की धारा 269 ं, ख के गडीन, बम्बई फिप्स सक्षम प्राधिकारी के कार्याक्य में रिजस्टी है, कारीख प्राप्त 1985

को पूर्वेत्रित सम्पत्ति के उत्तित गरणार भूलय से क्या के राज्यभान प्रसिफल के लिए अंगरिय की गई है और गंधी यह विकास करने का कारण है कि यथापर्जीवन सम्पत्ति का प्रतित याग्रार मुल्या, उसके दश्यमा प्रतिकार है, योधे राज प्राप्त प्रतिकार है। दिव प्रतिकात से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंधिरकों (बंदरितियों) के बीच एंसे अंदरण के लिए तय एका एक प्रक्रियक। निक्निमित **अवद**ेश्य से उक्षत अनुसर "स्त्रीतित हो। इस्तरियाफ कप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) जंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त र्याधनियम के प्रधीन कर 🕾 के अन्तरक के द्वाधिस्त में कार्या द्वारों के स्थापन करें ले कर के चिए: करि/धः
- (क) ऐसी किसी आग्र का निस्मी का उन नद करें, जिल्हों भवरतीय जान जाता है । धन (1922 南 11) 55 四种 1 11/16 कर अधिनियम, १८५७ (१५६७ व्या १५) प्रयोजनार्ध पन्तरिती दवार पार जेर कर पर **था या किसा** राजा सारिक का जिल्ला हाता ल ध्यं <sup>के च्</sup>रतार त

**अत: अप., उक्त** अभिनिस्क की गाग पहुल मार असा अस র এমী, জনিক নাকানিকে ক্রিকাল এক কলা সভিত্র के कथीन, निम्नलिकित व्याम्यकः

(ग्रन्तर्∴ः)

(2) ুলা লাভ কিছ কেলা

(ग्रन्तरिती)

त्था यह प्रथा नार करांक प्राक्ति सम्प्रतिल से **मर्जन से सिए**  $\mathcal{R}_{i,j}(\mathcal{C} \times \{1,\dots,n\}, \mathcal{C}) = \{i,j,k\} \in \mathcal{C}$ 

कथा सल्लाहित के अधन के सबंध में कोई भी वासीप :---

- (क) अब मृत्सा के सकत्ते भाषा प्रकाशन **की तारीस ब** ..५ दिन ४४ अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ **पर** ्का का नामित स 30 दिन की अविधि, जो भी अंडिंब ताद भा समान्त हांती हो, के भीतर पूर्वेक्ट बस्वताम १ । किमी व्यक्ति **द्वारा;**
- ्ण 📑 पुरा 🛪 राजाना सं अ**काशन की तारीस सं** ु 📇 के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में **हितवह्य** कासी अन्य व्यावित द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पार ammilia to the

रपार्च/करण:---उनसे प्रस्पात गर्व्यो और पदौं **का जो उक्त** ा स्थाप का अल्लास <u>५</u>८५-**मा परिभाषित** ा । इन्हें को जोल को हाए कश्चा**य भी दिया**।

स्वास्तान 👈

- क्ल: त० ८६ झा, पं 14वी, डोटल एश्रप्रेय के पीछे, ਲਾਨ ਗੀਨ ਕਾਰਨ ਸਮਕੰ, ਸਟਾਲੀਵਾ (ਸ), बम्बई-86 में स्थित

धन् एको। र्ज १ कि. ए० ए**० - एई-3/37- ईवी/18928/84**--85 किला है। १८९ वर्ष १ की बाबर देशन दिला छ 1-4-1985 को भिक्तार्थ हिन्दु प्राप्त है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राविकारी सारात अत्यास ग्रायक्त (निरीक्षण) धर्मन रोंग-3, बम्बर्ड

ਇਹਝ 1: (8 !! 1985 11177

प्रक्ष आहे.टी.एन.एस.---- -

(1) मैसर्स घेड्य अवेनिएटस

(4.03)

आफ्रांकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-६ (1) के अधीन सचना

(2) श्रीमनी वाया टीन उदिला

(अन्दरिती)

#### भारत सरकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3. बम्बई बम्बई, दिनां ७ 18 नवस्वर, 1985

निर्देश यं० । यई-3/37-ईई/18933<sup>/</sup>84 -85 - -प्रनः । मुझे ए० प्रसाद.

मारापर अधिरात्यम, १५६१ (१९७१ का ४३) (जिसे इसमी इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को यह निकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मस्य 1,00,000/- एउ. से अधिक **ह**ै

श्रीर जिस्को सं० फ्लैट न० 1, जो, 6ठी मंजिल, इमारत नं० 6- डी० दामोदर पार्क, ए४० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (प), बमबई-४६ में भिश्रन है (श्रीर इसरी उपाबद्ध अनुसूची में क्रीर पूर्ण रूप से बणित है) क्रीर - जिल्लाम उरारनामा क्रायलह ग्रधिनियम, 1961को धारा 269 ग. ख के ग्रधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजरही है, दारीख 1-4-1985 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृख से कम के सम्पनान अतिफंस के लिए अंतरित की गई है और स्केयह विश्वाद करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित पाचार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल में गोने क्यमान प्रतिफल का पन्क्रह प्रतिकत से अभिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अम्तरितियाँ) के शीच एसे अन्तरण के लिए तब पावा चवा परिकार, विकासियक अध्योग से उन्त बन्धरण विकास के बारतिक क्य से कमित नहीं किया **रहा है** ह—

- (क) वंतरण से हुई किसी बार की दावता, उच्या करिन निवस के अधीन कर दोने के अंतरक के बायिए औ कभी रूरहे हा उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/अ
- (ख) एोरी किसी जाय या किसी भन वा अन्य कास्तियों का जिल्हा भारतीय बायकार वाधिनियम, 1922 (१७22 का )1) या उक्त विधिनियम, या धन-कर को गानगर 1957 (19**57 का 27) के** प्रयोजनार्थ अंतरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना चाहिए था, छिपाने में हविधा केलिए।

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) 💰 ब्राचीयः, असम्बन्धितः व्यक्तियाँ , सर्धातः :---

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राज्यत्र मं प्रकाशन की तारीच से 4.5 बिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की सामील से 30 दिन की अदिध, जो भी अवधि बाद भे समाप्त होती हो, के भीवर पूर्वीकर भिवासित कि । वित्ति प्राचन हिनास
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उच्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधांहस्ताक्षरी के पास लिक्सिन में किए **जा सकें** गे।

ल्बाकीकरण:-इसमें प्रयुक्त शस्त्री और पद्यों का, बिधिनियम के बध्याय 20-क में है, वहीं अर्थ होगा जो उस मध्याय में विदा नवा 🐉 :

#### ननसची

फ्लैंट नं ० 1, जो, 6ठी मंजिल, इमारत नं ० 6डी, दामोदर पार्क, एन० त्री० एम० मार्ग, वाटकीपर, बम्बई-86 में स्थित है। गनम्बी जना ि क० मे० ग्राई-3/37-ईई/18933/84 -85 ग्रीर जो सक्षम पाधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-985 को रजिस्टर्ड जिया गया है।

> ए० प्रसाद ात्र पार्टिसी सहायाः अध्यक्षर ज्यानुक्त (निराक्षण) ग्रजीत रोजि-3, बम्बई

दिनांक : 18--11- 1985

मं(हर:

प्रकप बाइ .टी. एन. एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के ब्रेभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धार्जनः रेंज-III, बम्बर्ध

बरबई, दिनांक नवस्वर 1985

िर्देग सं० ऋदै-3/37-ईदी/18957/34-35 ·-•श्रतः मुझे ए० प्रसाध

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसमें इसमें प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थार सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० पलेट नं० 3, जो 1ली मंजिल, इलेफंटा, गाँसाला लेक, मालाड (पु), बज्बई-97 में स्थित हैं (और इसने उधाबद्ध अनुसूर्वी में और पूर्ण कर से घाँगत हैं), और जिसका करारतामा आकार अधिकिम, 1961 की धारा क ख के अधीक, बज्बई स्थित सभन प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रितिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृभ्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मृत्य, उसके इण्यमान प्रतिपत्त से एसे रश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के हीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्ह<sup>3</sup> भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

लतः अब, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उकत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) श्रे कधीन, निजलिखित ध्यक्तियों, अर्थात् ह— 32—426 GI/85 (1) श्रीमती एस० वी० चन्द्रता

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कें । एस । पटेल ।

(ब्रन्तरिती)

को श्रष्ट स्थान बारी करके पृवासत सम्पत्ति के वर्षन के विष कार्यताहियां शुरू करता हुं।

# क्षक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बालेंप :---

- (क) इस स्चना के राज्यव में प्रकाशन की तारीब सैं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्श किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाल विश्वित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाणित ही, वहीं अर्थ होंगा जो उग अध्याय में विचा गया ही।

#### प्रनुसूची

फ्लैंट नं० 3, जो 1ली मंजिल, एलेफंटा, गौशाला लेन, मालाड (पू), बम्बर्ध-9 में लिए हैं।

भ्रतुसूची जैसा कि क० सं० भई-3/37-ईई/18957/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-III, बस्बाई

दिनोक 18-11-1985

मोहर '

प्रथम ६४ टी. एव एक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रोज-3, बम्बई बब्बई, दिनांव ा नवम्बर 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/18928/84-85-अतः मुझे ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० ब्लाक नं० 65, जो, पंक ज-बी, होटल एग्ररवेज के पीछे, एप० गो० एप० वर्ग, बाटकोपर (प), बम्बई 86 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसुची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर ग्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रिजस्टी है, तारीख 1-4-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंदह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाटा गया प्रतिफल, निम्निलित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या उसने ननने में सरिकार के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय का किसी धन हा जन्म बाहितमाँ को, जिन्हों भारतीय अप्रवाद अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम हा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था. किया हो सविधा के लिए।

बत: बब,, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उदत अधिनियम की धारा 269-व की रणभूका (०) के अधीन. निम्निलिश्वित व्यक्तियों, श्वाचि:---

(1) की उठ दन्न नहीं (हिं । प्रवन)

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती बी० पी० दोशी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाकित सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहिया शृक्ष करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं \$5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास जिस्ता में किए जा सकती।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया

प्रतमुची

ब्ला नं 65, जो, यं ान्यान्बी, होटल एग्ररवेज के पीछे, एल बी एम मार्ग, घाटकोपर (प), बम्बई-86 में स्थित है।

अनुसुची जैसा ि क० सं० अई-3/37-ईई/18928/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी वस्वई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायः स्रायक्त (निरीक्षण) स्रजन रोज-3, बम्बई

दिनांक : 18-11-1985

प्ररूप मार्च . टी.. व्रा., १४ ... व्याप्त व्याप्त

बावकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-म (1) के वधीन स्मान

#### महत्त्व चंत्रकार

कार्यातम, तहावक बायकर आध्वत (गिरिकाण) अर्जन रेंज-III, व्यबध

बम्बई, दिलांक 18 नवरबर 1085

िर्देश सं० ६६-3/37-६६/18938/84--85---यतः मुझे, ए० प्रसाध,

कल्यकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इंडर्जें इक्क बच्चात् 'उक्त विभिनियम' कहा पता हैं), की धास 269-क के अधीन रुक्षम प्राधिकारी को, यह दिक्तास करने का आपर्य हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिलका स्थित नाचार मुख्य 1,00,000/- उ. से अधिक हैं

अर्थर जितकी सं० पसैट नं० 301, जो उरी मंजिल, जिसक प्रार्टमेंट, प्लाट नं० 21-22 इत्यादार लेघान्ट, मिन चौकी, ऑर्लेंग, मालाड (प), बर्बाई-64 में स्थित हैं (और इससे उपाबक अतुनूती में और पूर्ण रूप से द्याति हैं) और जिसका करारनामा प्राप्तार श्रधिकित्म, 1961 की धारा 269 के ख के श्रवीत, बम्बई रिवा सदाम प्राविकारी के कार्यालय में रिजिन्द्री है, कारीख 1-5-1905

- (क) अन्तरण से हुए किसी नाम की नामक्क, उपस बीधीनयम के अधीन कर दोने के मंतरक के दाविका में कभी करने या उत्तर्ध स्थाने में सुनिया के किन्; बार/या
- (य) ऐसी किसी नाम या भन या जन्म नस्सिकों भार, जिल्ही भारतीय जानसीर अभिरित्सन, 1252 (1922 का 11) मा जन्म जिल्हा अभिरित्सन, १३ अभिरित्सन, १३ अभिरित्सन, १३ अभिरित्सन, १३ (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जन्मिरिती क्यांचा प्रकार कही किया क्या या विकास प्राथा जाहिए ना, कियाने में श्रीवास के सिंदा)

श्रतः श्रवः, उत्ततः अभिनियम की भाषा 269-म के अन्तरण के, सी, उत्तत अभिनियम की भाषा 269-म की उपधारा (।) के अभीव, निर्माणिकिक अमीककों, सर्वाद के--

(1) श्री पी० एम० शीलाय।

(इत्तर्क)

The state of the s

(2) श्री जोमी कस्टोलिनो।

(धन्जरिती)

नवे यह सूचना कारी करणे पूर्वीक्ट सम्मस्ति के वर्जन के सिक्ष् कार्यवाशिक्ष्य करका हो।

क्ष्मर संबंधि के नचीन की बोबीन में कोई भी आक्रोंन :---

- (क) इस ब्रुपना के रावपण में प्रकाशन की शार्यका ज 45 दिन की संवधि या तत्वकाणी कावितकों का ब्रुपना की तामीन हो 30 दिन की बन्धि, को औ संवधि नाम में तमान्य होती हो, के नीतर नुर्वोक्य कावितनों में वे किसी कावित इवश्य;
- (क) इस त्या के राज्य न में प्रकाशन की बारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्मरित में हिल्लक्ष्य किसी जन्म व्यक्ति क्या न मशहरकाक्षरी के शल विविध में किस वा क्यों ने ।

स्वयाधिरमा:---इतमें प्रमुक्त् कर्षों और वर्षों का, को स्वया श्रीधीनवन, के बच्चाद 20-क में क्षीत्वाईनक्ष ही, नहीं वर्ष होता, को तक सम्बाध में विका

#### जनवरी

पत्रैट नं 301, जा 3री मंजिल, जरिएन एपार्टिंग्ट प्लाट नं 21-22, इनामदार लेआउट, मित चौकी, ऑर्लिंग मालाड (प), बस्बई-64 में स्थित हैं।

श्रनुस्वी जैसा कि क० स० अई-3/37-ईई/18938/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्वई द्वारा विशेक 1-5-1985 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी सरायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-III, बम्बई

दिन्तिक : 18-11-1985

मोहर

प्रकृप आई.टी.एन.एस.------

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

द्यर्भन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, धिनांक 18 नचम्बर 1985

निर्देश सं ० कई-3/37-ईई/18969/84-85--श्रतः मृ**से**, ए० प्रसादः

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी फ्लैट नं० 6, जो, 4थी मंजिल, प्रजीत पार्क-की सोमवार बाजार रोड, मालाड (प), बम्ब -64 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1985

को पूर्विक्ष सम्पक्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकाल को लिए अन्तरित की गद्दै है और मुर्भ्य प्रहिन्दवास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिकल से पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पावा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उक्षेप से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तिक अप से किशत किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की दाबत, सकत जिथितियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा को लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

नतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-स की अनुसरण वी, मी, अक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के कथीन. निम्मनिवित व्यक्तियों, अधित् १--- (1) वेशमुख बिल्डर्स प्राप्तवेट लि॰

(भन्तरक)

(2) श्री धनील सिद्धेश्वर चन्नापटटन।

(घन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति को अर्जन को निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उनत संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत्त स्थितियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित- बद्ध किसी व्यक्ति दवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

स्थल्दीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

#### अनुसूची

फ्लैंट नं 6, जो, 4यी मंजिल, ग्रजीत पार्क-बी, सोमवार बाजार रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि फ० सं० कई-3/37-ईई/10969/04-85 और जो सक्षम प्रधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1965 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी साह्यक श्रायकर श्रायुक्त (निरक्षण) श्रजन रें -3, बस्ब**र्ध**

विनोक: 18--11--1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) को अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

**प्रजन रें**ं:-3, बम्बई

बम्बई, दिनोक 19 नवम्बर 1985

निर्देश सं॰ प्रई-3/37वर्ष्ड/18970/84-85--प्रः मुझे, ए॰ प्रसाद.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परयात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

मार जिसकी सं० फ्लैट नं० 1 जो 4थी मंजिस सोमवार बाजार रोड प्रजीत पार्क-वी मालाड (प) बम्बई-64 में स्थित हैं (प्रार इसके उपाबद प्रमुखी में प्रार पूर्ण रूप से विणत हैं) भीर जिसका क्राएकामा घायकर प्रधितियम 1961 की धारा 269 के ख के प्रजीत बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के क्रांयालय में रिजिस्ट्री है तारीख 1-5-1985

को पूर्वोक्स संपत्ति के उभित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पहुर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में बास्तिक कम से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, ज्वत अधिनियम को अधीन कर दोने को अंतरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; आरे/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिक व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) देशमुख बिल्डर्स प्रायवेट लि॰

(धन्दरक)

(2) श्री प्रकाश एस० चन्नापटटन ।

(भन्दरिती)

 यह स्थाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ भ 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ कर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, आ भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूनांक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन का शारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य ग्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पब्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा रिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### **अन्सर्प**र

पलैंट नं ० 1 जो 4थी मंजिल शोमवार बाजार रोड मजीत पार्क-बी, मालाड (प) बम्बई-64 में स्थित है।

धन् भूनी जैसा ि क० सं० धाई-3/37~ ईई/18970/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी सम्बई द्वारा दिनीक 1-5-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाव सक्षम प्राधिशारी संस्थाक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-3, बस्बई

विनोक: 19-11-1985

# प्रकार आहे. दी सम उस

भाषकर अभितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

#### भारत तरकार

# कार्यालयः, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

प्रजीन रेंद:+3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिल्बर 1985

নিৰ্থয় ল'০ পাই-3/37ভাইছি/18703/84→85-—দা∴ দুলী, ए০ সালে,

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ६समें ६सके प्रथात जिसे अपिनियम कहा गया हैं), की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने स्क्र कारण है कि स्थावर संपत्ति, विसका उचित बाजार मूल 1,00,000/- रा. से अभिक हैं

मीर िवकी सं० माप नं० 12 पारस दर्शन, हमादा नं० 2, एम० जी० रोड घाठकोतर (पू) बम्बई 400074 में स्थित हैं (भीर इससे उपावत अनुसूची में भीर पूर्ण कर से वणित हैं) भीर िसका करारनामा भायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीत बम्बई स्थित सक्षम प्राधि तरी के कार्यालय में पिस्ती है सारीख 1-4-1985

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए जन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार बूक्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया यशा प्रतिफल, निम्नितिबित उच्चेक्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में बास्तविक कम से कथित महीं किया प्रया है द

- (क) अन्तरकं से हुई किसी नाय की शर्वत, उक्त विभिन्नम के अभीन कर दोने के अन्तरक के समित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; आर्/या
- (क) एसं किसी आय था किसी धन या कृत्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए:

बतः बद, उस्त अधिनियम की भारा 269-न के अन्हरकः । मी, प्री., उक्त अधिनियम की भारा 269-वें की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, क्यांत् :--- (1) भौसर्स पारस कारद्वान की०

(प्रस्तर्य)

(2) श्री हाम्खाराम गांजी तीव शिया

(भ्रन्सरिती)

का यह स्थान जारी करके पूर्वेक्ति सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षी :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की उविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी स्थित द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए बा सकरेंगे।

इनक्रिकरण: -----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

भापनं 12, जो पारस दर्शन, इमारानं , एम० जी० रोड घाटकोपर (पु) बस्बई 400074 में स्थित है।

भ्रमुसुनी जैसा कि कि० सं० भई-3/37-ईई/18703/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा विनांक 1-4-1985 को एजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधि हारी सराय हाय हर धायुका (निरीक्षण) धर्जन रेंड-3, बस्बई

दिनोकं : 5-12-1985

प्रकप सार्द्ध . हो . एत . ध्स . -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धार्जन रें:-3 बम्बई

बम्बई दिनों रु 5 दिसम्बर 1985

बायकर किथितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहणात् 'उन्तत अधिनियम' नाहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मीर जिसकी सं गाँउ नं 11 पारत घर्षन इमाला नं 2 एमं जी रोड घाटकोता (पु) बस्बई 400074 में स्थित है (मीर इसके उत्तबद्ध अनुसूची में मीर पूर्ण का से विजित है) मोर जिताल करा लामा अल्लार अधितियम 1961 की धारा 269 के ख के मंत्री लिक्स है स्थित स्थाम प्राधिकारी के शायिक्य में रजिस्ट्री है तारीख 1-4-1905

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के द्रवसार शितफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वस्थ कारने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रवसान प्रतिफल से एसे द्रवसान प्रतिफल से वस्त वस्त प्रतिफल से वस्त प्रतिफल से वस्त प्रतिफल से वस्त प्रतिफल से वस्त प्रतिफल स्व से किया गया प्रतिफल स्व से किया गया प्रतिफल स्व

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दी के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (अ) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों स्वे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विधा स्रे लिए;

अतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधान, जिम्मलिखिस व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मैसर्स पारत फन्स्ट्रक्यन की॰

(भ्रन्धरङ)

(2) श्रीमती प्रतिमा प्रजीनचन्द्र तीबाडीया (धन्तर्रिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्मत्ति के अर्थन के किए कार्यनाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्मति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन की जबभि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की जबभि, वो भी जबभि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्य व्यक्तियों में दे किसी व्यक्ति द्वाराष्ट्र
- (व) इस स्थान के राजण्य में प्रकासन की दारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपन्ति में हिस्स-वर्ष किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकारी के वास निविध में किए वा वर्षों ने ।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त संबंधी और पर्दीका, को जनक अधिनियस के संध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### बन्स्की

शाप नं 0 11, जीपारसंदर्शन इमारन नं 0 2,एम० जी० रोड घाटकी (ए) अभवई 400074 में स्थित है।

श्रनूर्त्ता जीता ि ऋ० सं० श्रई-3/37-ईई/18704/84→ 85 श्रोर जी राक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रिस्टिड विद्या गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक **प्रा**यकर **प्राय**क्त (निरीक्षण) **भ**जन रॅप-3, बस्**व**ई

दिनो ह: 5-12-1985

# मक्य नार् ्टौ ्एन ्एस ्------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व्(1) के व्योत स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (चिरीक्षण)

षर्जनरें यः-३, बम्बई

बम्बई, दिनोक 5 विसम्बर 1985

निर्देश सं० छाई-3/37—ईई/19717/84—85——आः मूझे ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाबार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भी शिक्षती संव पतेंटनंव 14 जो 4थी मंशिल प्रिती भारटं-भेंट घाटला विहले । चेंब्र बम्बई-200 071 में स्थित है (भीर इसते उक्षद्ध अतृह्युची में भीर पूर्ण रूप से विणित है) भीर दिक्ता क्यारतमा भाषार अधिनियम 1961 की घारा 269 ता, ख के श्रवीत बम्बई स्थि। उन्नत प्राधि तारी के कार्यालय में पिस्ट्री है सारीख 1-5-1985

कां पृत्रीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृ<mark>ल्य से कम के इत्</mark>यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई

हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रति-कल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिफल से अधिक हैं जौर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) एंसी किसी नाय या किसी धन या नन्द नास्तियों को चिन्हों भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या धन- कर निधिनयम, या धन- कर निधिनयम, या धन- कर निधिनयम, विश्व के प्रविचन करिसी क्यारिती क्यारा प्रकट नहीं किया नवा वा या किया नाया नाहिए था, क्याने में कृतिया के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की अनुसरण वा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) अधिन, निम्निचित स्थितिसों, अर्थात् ६--- (1) भैनर्स किम वारपोरेशन

(भन्धरक)

(2) श्री ए० एस० परीकाला।

(घन्दरिसी)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृतित की अर्थन के शिष्

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्वित्यों पर स्थान की तामीन से 30 दिन की जविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्ड व्यक्तियों में से किसी स्वक्ति बुदारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख में 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर संपत्ति में दिठ-स्द्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास निवित में किए का सकेंचे।

स्वृद्धिकरण ह— इसमें प्रयुक्त कटा और पर्दों का, जो उपक् विचित्रक के बच्चाय 20 क में परिशानिक हैं, बही वर्ष होगा को उस बच्चाय में व्रिक्ष पत्रा हैं।

#### अनुसूची

पर्तट नं ० 14, 4यी मंजिल प्रिती श्रवार्टमट चाटला व्स्किज चेंब्र बम्बई-71 में स्थित है।

ग्रन्स्ची जैसा ि क० सं० ग्राई-3/37-ईई/19717/84-85 ग्रीट जो सक्षम प्राधिहारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रिस्टिड नियागया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायूक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनोक: 5-12-88

# प्रकव आई.की.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्कना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निर्वेश सं० ऋई-3/37 ईई/19449/84-85----**अतः मूझे** ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा यया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह दिश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित साआर मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 34, जो, इमारत नं० 5-ए, बास्वे टैक्सीमेन्स को-स्रांप हाउसिंग सोसाईटी लि०, 30, एल० बी० एस० मार्ग, कुर्ला (प), बम्बई 70 में स्थित है (स्रौर इससे उपावड़ स्न्मूच्ची में फ्रांर पूर्ण रूप से वणित है) फ्रांर जिसका कर। रनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के स्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिवारी के नार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिस्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिक क से, निम्नसिवित उच्चेष्य से उन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिक क से, निम्नसिवित उच्चेष्य से उन्तरण कि निष्त में वास्तिवक स्था से कथित नहीं किया गया है क्ष्य

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अवस्त अधिनियम के अधीन कर दोने के उन्तरक के वायित्थ में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय वा किसी धन मा बन्य आस्तियों क्ये, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में मृविभय के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :--33 -426 GI/85

(1) श्री किशोर एम० मालडे।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रहीम ग्रस्तार ए० एम० ग्रन्मारी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपरित के जर्जन के लिए काण्याहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीबा ने 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविधि बाद में सन्पाद्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त क्यांक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजभन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 विन को भीतर जनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य क्यांक्त द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के गम लिखित में किथे जा सकीं।

स्थाच्यीकरणः — इसमें प्रथमत कन्यों और पदों का जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अथ होंगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

#### भ्रनुसूची

फ्लैट नं 34, जो, इमारत, नं 2 6-ए, बाम्बे टैक्सीमेन्स को-माप व्हाउसिंग सोसाईटी लि०, 306, एल० बी० एस० मार्ग, कूर्ला (प), बम्बई-70 में स्थित है।

श्रन्सूची जैसा कि कि सं० श्रई-3/37ईई/19449/84-85 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 5-12-1985

\_\_\_\_\_

प्रस्प बार्च . दी . एन . एस . ----

लायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की चाहा 269-व (1) के वभीन स्वता

#### भारत तहस्त्रह

# कार्यास्त्र, सहायक बायकर वायुक्त (गिरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० श्रई-3/37-ईई/19558/84-85--श्रतः मुझे १० प्रसाद

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 260-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाचार मूक्त 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 203, जो, टिश्वारा इमारत नं० ए, 2री छेन, डोमनिक लॉलनी, मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुभूची में और पूर्ण इप में विणत हैं) श्रौर जिसका करारनामा आयत्र श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिकस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उमित बाजार मृत्य में कम के रहयमान प्रितिष्ठल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास कररे का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार क्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त किपीनबम के बधीन कार दोने के बन्तरकः के दायित्व में कमीं करने या उससे बचने में सक्तिका के सिए; मीप/बा
- (च) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं कियः स्था था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उण्ड अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) मैससं मिस्त्री इंटरप्राईज

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीबी० पिंटो

(भ्रन्तरिती)

को यह तुषका पार्टी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के नर्जन के मिए कार्यवाहियां करता हुं।

#### उपत सर्वात वो बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ा

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 हिंद की समित या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वनः की तामीस से 30 दिन की समित, जो भी अपि वाद में समित होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) ध्रस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- कच्च किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निविद्या में किए जा सकेंगे।

स्पच्छिकरण : — इसमें प्रयंक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त जिथानयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, दही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया

#### घनुसूची

फ्लैट नं० 203, जो, टिश्नारा इमास्त,नं० ए, 2री लेन, डोमनिक कालनी, मालाङ (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनूभुची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3/37-ईई/18558/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर स्रायुक्त (निरोक्षण) प्रजंन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 5-12-1985

# मुक्त बार्च . धी , **एव** , पुक् ,======

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के वभीन सूचना

#### भारत तरकार

# कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निर्देशक)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० अई-3/37ईई/18974/84-85--अतः मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० इमारत के साथ बेसमेंट जो, तल माला, 105, एस० बी० रोड, मालाड (प), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सुची में और पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1~4~1985

को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बीधनियम के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्क में कमी करने या उसते बचने में सुनिधा क लिए, और मा
- (क) एसी किसी बाम मा किसी धन मा अन्य वास्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, मा भग-कार आधिनियम, मा भग-कार आधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्याजनार्थ कहिल्ली हुवारा प्रकट नहीं किया गया वा मा किया जाना चाहिए था, खिनाने में बुविधा में स्थि;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अर्थात्:——

(1) मैंसर्स हिरा कन्स्ट्रक्शन कम्पनी

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पी० नारायण

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के निष्ध कार्यवाहियां करता हूं।

# ंसक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाकोप 🎾

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की व्यविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति को भी व्यक्तियों में दमान्त हाती हो, के भीतर प्रविच्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाय;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवदृष्ट किसी अन्य न्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए या सकतेंचे।

न्थण्डीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उनक अधिनियम को अध्यास 20-क में परिभाषिट हूँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्यास में विस्ता गया है।

#### अनुसूची

इमारत के साथ बेलमेंट; जो, तल माला, 105, एस० बी० रोड, मालाड (प), बम्बई में स्थित है।

स्रनुसुची जैसा कि कर संरु स्रई-3/37-ईई/18974/84-85 स्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायूक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 5-12-1985

प्रकृप **वार्च , टी , युव् , एख**्, ----------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के विभीन सूचना

#### शारत् सरकान्

कार्यासय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्रण)

म्रजन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/4766/84-85---अतः मुझे निसार ग्रहमद

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्क निभिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-ज ने नभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाजार मूख्य

1,00,000/- रा. से अभिक **ह**ै

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 20, जो, राँकहाउस को-ग्राँप० हाउसिंग सोनाईटी लि०, बरली हिल रोड, बस्बई है तथा जो बस्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुनूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिस ना करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कु ख के ग्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 25-4-1985

का पूर्भों कर सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोच्नत सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरक कि तिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है ——

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाय की बावत, उक्त अधिनियम के बभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के किए; और/मा
- ण एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उवध् अधिनियम, वा चन-अर आधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तिरिटी द्वारा प्रकट वहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

क्षतः वश्व, उक्त व्यक्षितियम की भारा 269-त के बनुसरक को, को, उक्त व्यक्षितियम की भारा 269-त की उपभारा (1) इंबर्धन, विस्तिसिक व्यक्तिकों, वर्षात् क्र--

- (1) श्री हंसा बी० वसन्त ग्रांश मैहूल बन्सी दसन्त (ग्रन्तरक)
- (2) नानाएम० वसन्त

(भ्रन्तरिती)

(3) अन्तरक और अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड़ भी जाक्षेप :----

- (क) इस स्वता के रावपत्र में प्रकावन् की तारीज् के
  45 जिन की अमृति या तत्सम्बन्धी क्यांतितामी पर
  तृष्ता की तामील से 30 दिन की सबीध, थो भी
  वर्षीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख़ स 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिस हैं, बही अर्थ होगा, का उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### मन्त्र की

पर्कट मं० 20, जो; राँ शहाउस को-ग्राँप० हार्जासग सोसाईटी लि० वरली हिल रोड, बम्बई में स्थित है।

भ्रत्सुची जसा ि क० सं० भ्रई-1/37-ईई/6437/85~ 86 भ्रीर जो सक्षम प्राधि गरी, बम्बई ब्रारा दिनांक 25~4~85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1, बम्बई

नारीख: 9-12-1985

प्रकल कार्द्र, टी., एव., प्रव\_------

भागकर अभिनित्रसः, 1961 (1961 का 43) क्ष्री भारा 269-म (1) के जभीन सुमनः

#### भारत तरकार

# कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (भिरीक्षण)

श्रर्जन रेज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० श्रई-1/37-ईई/6064/84-85--श्रतः मूझे निसार श्रहमद

शायकर श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रीधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ज के श्रीम सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं।
श्रीर जिसकी सं प्रलैट नं ० 4, जो, 1ली मं जिल, पटेल श्रपार्ट मेंटस
बी ० जी ० खेर रोड, वरली, बम्बई-18 है तथा जो बम्बई-18
में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध अनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत
है) श्रीर जिसहा करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की
धारा 269 क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्येमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया भया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्करण सं हुए किसी बाय की बावता, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसने अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तिकों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकालनार्थ अंतिएती दूसना प्रकट नहां किया स्था पर या किया जाना चाहिए वा, जियाने में तृतिधा विष्ट;

बतः जब, उक्तं अधिनियम की भारा 269-ग कै बनुबरक को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निस्तिविक व्यक्तियों, अधीक हु---

(1) श्री यूसुफ झब्दुल्ला पटेल

(भ्रन्तरक)

(2) वंचलबेन हरकी सनदास मिस्स्री, हंसाबेन तनसुख मिस्त्री, ग्रीर तनसुख हरकी सनदास मिस्त्री।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

सकत सम्परितः के अर्धन के सम्बन्ध के कोई भी आक्षोप 🖫

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तिक्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निवित्त में कियों था सक ने।

स्यक्कोकरणः — इंसर्के प्रयुक्त कब्दों और पदों का., को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्त्रची

फ्लैंट नं० 4, जो, 1 ली मंजिल, पटेल श्रपार्टमेंटस, बी० जी० खेररोड, वरली, बम्बई-18 में स्थित है।

श्रन्सुची जैसा कि कि० सं० श्रई-1/37-ईई/5739/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार भ्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायूक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-I, बम्बई

तारीख: 9-12-1985

प्रकम करहाँ, टी. एन. एस., ----------

बाय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-म (1) के बभीन सुभना

#### नारत वरकार

# कार्यासब, सङ्ग्यक नावकर नावुक्त (विद्रोक्तण)

श्चर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985 निर्देश सं० अई-1/37/ईई/6067/84~85—अतः मूर्के निसार प्रहमद

मामकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- क अधीन तक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वाच करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं फ्लैंट नं 22, जो, शिवसागर, 2री मंजिल, अब्दुल गफ़ार खान रोड, प्लाट नं 33, रामनाड लेबोरेटरीज के पीछे, वरली, बम्बई-18 है तथा जो बम्बई-18 में स्थित हैं ग्रीर इसने उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उपित बाजार मुख्य से कम के वश्यान प्रतिफल के सिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्यंत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और कन्तरिती (अन्तरितिकों) के बीच पूर्व जन्तरण के तिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तरिय से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आयं की बावस, उक्त अधिनियम के अधीन कर की के जन्तरक के क्यियल में कभी करने वा उससे व्यव में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी नाम या किसी भन या नन्य नास्तियों को, विन्दू भारतीय नायकर निभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त निभिन्यम, या भनकर निभिन्नम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्यास प्रकट नहीं किया भना था या किया कामा चाहिए था, छिपाने में सुविभा के निष्

बतः अध उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण तें, ब्रें, छक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री केशवलाल प्रिभदास सावलानी।

(भ्रन्तरक्)

(2) बीमती सुनीता संबेटी। श्रीमती चमेसीबाई सबेटी हैं धौर श्रीमती सुगतबाई सबेटी। (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति क अजन का ७५ कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 विन की अविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं; वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वनुसूची

फ्लैट नं० 22, जो, शिवसागर, 2री मंजिल, श्रव्दुल गफार खान रोड, प्लाट नं० 35, रामबोर्ड लेबोरेटरीज के पीछे, वरली बम्बई-18 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37ईई/5741/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ब्रारा विनांक 1~4-85 को रिजस्टर्ड किया गया है।

निसार म्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायूक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 9-12-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) स्रर्जनरेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० ग्रई-1/37-ईई/6073/84--85-- श्रत: मूझे निसार शहभद

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कर कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय प्रिमायसेस तं० 102, जो, 10वी मंजिल, सी-विंग, मित्तल टावर्व, नरीमन पाईन्ट, बम्बई-21 है तथा जो बम्बई-21 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्ण क्य से विंगत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्रा-धिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-4-1985

को पर्शेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रितिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दावित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) द्वेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुतरण औ, मे, उक्त अधिनियम की भारा 269 ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्निशिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मसर्स शिव प्रसाद इंटरप्रायजेस ।

(স্বাহ্

(2) श्रीपी० के० कमशियल कम्पनी।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यत्राष्ट्रियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स्व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# प्रमुसूची

कार्यालय प्रिमायसेस नं० 102, जो, 10वी मंजिल, सी-विंग, मित्तल टावर्स, नरीमन पाइंट, बम्बई-21 में स्थित है।

भ्रन्सुची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37-ईई/5749/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-85 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख ' 9-12-1985 मोहर प्रकृष बाह्र .टी .एन .एम . -----

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के संभीन स्थाना

#### भारत सरकार

# कार्याचम, सहायक नामकतु नायुक्त (निड्रीकाष)

श्चर्यां प्रार्थन रें ज-1, बम्बई बम्बई, दिनांवा 9 दिसम्बर, 1985 निर्देश सं० ग्नई-1/37-ईई/6083/84—85——श्रतः मुझे निसार श्रहमद

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षित्त अभिनियम कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह निक्तास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नाचार नस्स 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 14, जो, 3री मंजिल, दिवे ल्फेयर को-भ्राप० है। उपिंग सोसाईटी लि०, प्लाट नं० 66, वेल्फ़ेयर होजम स्किम नं० 6, रोड नं० 25/सी, सायन (प), बम्बई-22 है तथा जो बम्बई-22 में स्थित है (भ्रीर इससे उपावड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधितयम 1969 की धारा कु ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्टी है तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के अयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विवशास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्थह प्रतिक्षत से बधिक है और बंतरक (अंतरका) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण सिखित के बास्तिक रूप से क्षित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बावत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अवने में सुनिक्ष के लिए; और्ट्रिया
- (क) एसी किसी जाय या किसी धून या अस्य आस्तियाँ को, जिन्हाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निए;

बतः भव, उन्त अधिनियमं की धारा 269-ग के बन्तरण हो, ही, बन्त अधिनियमं की धारा 269-व की स्थवारा (1) को अधीन, निम्मस्त्रिकेत स्थानकथी, संयोद् ध--- (1) श्रीमती विनोदिनी वेंकटरामन।

(अन्तरक)

(2) श्री केकीन मनहर।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरक ।

(बहु व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति)

को यह सुषता बारी करके पृश्वांक्त सम्परित के अर्थन के किल कार्यगाहियां शुरू करता हो।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जभोहस्ताक्षरी के पास निचित्त में किए जा सकेंगे।

स्वकारण:—इसमें प्रमुक्त कव्यों और पदी का, वो उक्त विभिन्निया के वश्याय 20-क में विश्वित ही, वही वर्ष होगा को वश्याय में दिना वता है।

# वन्स्ची

पलैट नं० 14, जो, 3री मंजिल, दि वेल्फ्रेश्नर को-श्राप० हाउसिंग लि०, प्लाट नं० 60, वेल्फ्रियर हाउस, स्किम नं० 6, रोडनं० 25/सी, सायन (प),बम्बई-22 में स्थित है।

भ्रनुसुची जैसा कि ऋ० सं० भ्रई- $I/37/\xi\xi/5753/85-86$  भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-85 को रजिस्टर्फ किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज 1, बम्बई

तारीख: 9-12-1985

# प्रक्प आई. टी. एम. एस. -----

माधकर वीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 260-म (1) के बधीन समनः

#### भारत सरकार

कायालयः, गहायक बायकर बायक्तः (निरीक्षकः)

प्रार्जन रेंच-।, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर, 1985

भायकार सिर्भानिसम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इतमें इसके विष्णात 'तम्स सिर्भानिसम' कहा गया हैं), की भारा 269- व के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विष्णास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

1,00,000/- रह. स अधिक हैं

ग्राँर जिसकी मं० फ्लैंट नं० 104,ए, जो, मिना ग्रनारंपेट,
माथारपाखडी रोड, माभगांव, बम्बई-10 में स्थित हैं

ग्राँर इसमें उपाबद्ध श्रनुभूषी में ग्राँर पूर्ण रूप में विजित्त हैं
हैं), श्रौर जिसहा करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 है, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री हैं, दिनांस 1-4-1985
की पूर्वेक्स सम्पत्त के उचित बाजार मुख्य में कम के अध्यमान
प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई हैं भीर मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपरित का उचित बाजार
मूख्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन निम्निसित्त उद्योग्य से उक्त अंतरण विश्वत में बास्तिक कम से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण सं हुई किसी बाब की बाबत उपल कांध-नियम को सुधीन कर दोने को बन्दरक, के बाधिक में कामी करने या उससे जनसे में सक्षिया के किस
- (बा) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों जा, जिस्ही भारतीय आसकार अधिनियम, 1922 । १९५२ का ११) जा उक्त अधिनियम, १९५२ का १८७१ का १८७१ का १८७१ का १८७१ का स्वाधिन असीरती बुवारा प्रकट नहीं किया या या किया जाना वाहिए जा, स्थिपने में सुविधा न्दे सिए;

कतः व्यव, अवस विधिनयम की भारा 269-व के अनुसर्द में, में, उक्त विधिनयम की भारा 269-व की सम्भारा /१) क अधीतः निक्तिविधित विक्तिव्यों, अभात् हिल्ल 34—426 GI/85 (1) श्रीमती लक्ष्मी एकनाथ माने।

(भन्तरङ्क्)

(2) श्री जगन्नाथ डी० नवले ग्रांर श्रीमर्ता संदािणी वे० नवले।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरितयों।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जानी गारको रुकाजित स्वयोग्त का राजी है लिए कार्यमाहिमा करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदौं का की उक्त अधिपियम, के अध्याप 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### मनुसूची

फ्लैंट नं० 104-ए, जो, मिना श्रपार्टमट माथारपाखडी रोड, माझगांव, बम्बई-10 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37-ईई/5754/85-86 श्रार जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-85 को रजिस्टई किया गया है।

> निसार श्रह्मद सक्षम प्राधिनारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 6-12-1985

मोहर

ACCOUNTS VALUE OF THE PARTY OF

# प्रकल बाह्" हो . एम . एच ..-----

शायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) का भारा 269-भ (1) के विधीन सुचना

भारत सरकार

# क"शंलय, महायक जायकर बायक्त (विद्रासक)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर, 1985

नियेग सं० ग्रई-1/37-**ईई**/6087/84-85--**ग**तः मुझे निसार श्रहमद

श्राधकार क्षंधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी करें यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/~ रा. से अधिक है

ग्रांर जिसकी सं व्यूनिट नं व 439, जो, 4धी मंजिल, शहा एण्ड नहार इडस्ट्रियल इस्टेट, ए-1, एसव जे व मार्ग, लोग्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 को धारा 269क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकरी के नार्यालय में रिजस्ट्री हैं दिनांक 1-4-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कन के बरवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्वोंक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूख्य, उपके द्वयमान प्रतिफल से ऐसे द्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से विधिक है और बन्दरक (बन्द्रका) और बन्दरिती (बन्दरितियाँ) के बीच ऐसे बन्दरण के सिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्दरण निस्तिए में वास्तविक रूप से किथत क्हीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण संहुदं िकसी वाय की वाबल, उक्त अभिनियत्र के अभीन कर दोने के जंतरक के श्रावित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए: प्रीर/या
- (च) एसी किसी बाव या किसी धन या बन्य बास्तिबों को, चिन्हों भारतीय भायकर अभिनियम, 1922 (1922 का .11) या उन्तां अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अंतरिती ध्वाश प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

नतः नन, उक्त अभिनियम की भारा 269-व के बनुसरण भें, भें, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) को नभीन, निस्तिविक स्मित्रवाँ, वर्षां क्रांच्य (1) शहा एण्ड नहार एसोसिएट्स।

(भ्रन्सरक्)

(2) मैंसर्स पम्मी इंटरप्राइजेस।

(भ्रतस्ती)

को यह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सूरू करता हुं।

# उक्त कम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की नारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इब सूचना के राजपन में प्रकाशन की दारीब से 45 बिन के मीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिन्ब्बंध किसी बन्य गर्वित युवारा नथोहस्त्याक्षरी के पास सिचित में किए वा सकेंगे।

रचक्किरण:—इसर्जे प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उन्त जीधीनयम, के. अध्याय 20-क में परिभाषित ही, कही अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गवा है।

#### **प्रमुखी**

युनिट नं० 439, जो, 4थी मंजिल, महा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इंस्टेट, ए-1, एस० जे० मार्ग, लोग्नर परेल बम्बई-13 में स्थित है।

श्रनुषुची में की ऋ० सं० श्रई-1/37 ईई/5757/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी , बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार म्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-1, बस्बई

दिनांक: 5-12-1985

त्रकम बाद्द<u>ी, स्वी.</u> एवं , एवं <sub>रा</sub> :- - -----

बावकर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) भी पाच 269-म (1) **से सपीन स्**चना

#### RIES ARAIT

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर, 1985

निवेश सं० ग्रई-1/37वर्ध/6094/84-95--- ग्रत मूझे, निसार महमद

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इसमें इसके पश्चात् 'चक्त कृषिनियम' कहा गया हैं), की पारा 269-व के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्ला प्रणित वाचार नुरूव 1,09,000/- रु. से विभिक हैं।

भीर जिसकी सं यूनिट नं 428, जो, 4थी मंजिल, शहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-1, एस० जे० मार्ग, लोघर रेल, बम्बई-13 में स्थित है और इपसे उगाबद अनु सूची में भीर पूण रूप से वर्णित है), और जिलका करारनामा म्रायकर मधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-4-85

का पूर्वोक्त सम्बक्ति के उद्भित वाचार भूक्य से कम के सम्बनान प्रशिवाल के सिव जंडरिय की गर्द है और मुक्ते वह विश्वाव कारण करने का कि गथापुक्रोंक्स संपर्तित का उक्ति माजार मूल्य, उत्तके व्यवसान जीवपात के, हो के करणान जीवपात के पात्रह जीवपार के अधिक ही इ' और अञ्चल्क (अञ्चलकों) और अन्यक्ति (अन्यरिक्ति) के बीच होते अन्तरण के लिए तब पाना गया प्रविकत, निम्नुतिचित्र उनुक्रोच्य से उक्का अन्तरण सिन्धित में वास्तविक रूप हे करियत म्ह्री किन्सा गवाही ः—

- (क) मन्तरण ते हुई फिली माम की बावब, उन्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वादित्व हें क्षत्री करूने या उन्नची बचने में सुनिधा के लिए कर दा
- (स) एप्ती किसी आव या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धनकर बिधिनियम्, 1957 (1957 का 27) **के प्रयोध**-नार्थ अन्तरिती इवाय प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चप्रीहर भा कियाने में सुनिधा चे षिए;

अत: अब, उक्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण 🖆, 🗗 उक्त अधिनियम की धारा 2,69-घ की उपधास (1) ऋधीन, निकालिचित्र व्यक्तिकों, स्थात् ः—

(1) शहा एण्ड नहार एसोक्षिएट्स।

(भ्रन्तर ह)

(2) श्री द्याशोक भ्रौर शहा।

(ग्रन्स्रिती)

को यह सूचना जारी करके पृथोंकत संपत्ति के अपने के लिए कार्यवरिद्धां शुरू करता हुई ।

उक्त कम्परित् के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीय ह 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्थितस्यों धर **स्चना की तामीन से** 30 दिन की बर्कान, आं अनिधि बाद में समाप्त होती हैं, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की पारी । वे 45 विन के भीवार उनत स्थानर सम्पत्ति मां हिस-क्युच किसी अन्य स्थाबत क्यांच नभांहरताकारी वे पास सिम्बित में किए या सम्बंध ।

<del>रक्करीकरून —इसमें प्रमृत्तः सन्दों और पदों का, जो उक्स</del> विधिनवन के वश्वाय 20-क में परिशाबिट डी, बही नवी होणा, जो उस अध्याय में दिया

# मन्त्रकी

युनिट नं० 428, जो, 4थी मंजिल, शहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-1, एस० जे० मार्ग, लोग्रर परेल. बम्बई-13 में स्थित है।

ग्रनुसूची,ेुजैसा कि ऋ०सं० **भ**ई-1/37 ईई/5761/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधि ारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंत रोज-1, बस्बई

दिनांक: 5-12-1985

# प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० श्रई-1/37-ईई/6095/84-85—श्र $^{\circ}$  मुझे, निसार श्रहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संव माला नंव 20, जो, प्रकाश इंडस्ट्रियल प्रिमिसेज को-ग्रापव मोसायटी लिव, भारत इंडस्ट्रियल इस्टेट; टीव जेव रोड, सिवरी, बम्बई 15 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वत्णत है), ग्रीर जिलका करारनामा ग्रायवर श्राधिनयम 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन वम्बई स्थिन सक्षम प्राधि गरी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 1-4-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का आरण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

अप्तः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--मोहर :

(1) श्री मदन भसीन।

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स शामेघ कापौरशन।

(भ्रन्तरिती)

(3) भ्रन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके ब्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर अक्स स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्बों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### **अनुसूची**

गाला नं० 20, जो, प्रकाश इंडस्ट्रियल प्रिमिसेज को-श्राप० सोसायटी लि०, भारत इंडस्ट्रियल इस्टेट, टी० जे० रोड, सिवरी, बम्बई 1-5 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि फ़ि॰ मं॰ भई-1/37-ईई/5752/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार भ्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक ' 9-12-1985 मोहर वक्ष् बार्ड . टी . एन . एव , -----

शायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वाना

#### शारत बहुकाड

# कार्यासम, श्रहामक नामकार जागुन्त (निर्देशक)

भ्रजीन रेंज-1, वस्वर्ध वस्वर्ष दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० ग्राई०-1/37-ईई/6113/84-85--अतः नुझे निसार श्रहमद

कामकार किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा हैं), की भाषा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी की वह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी रं० यूनिट नं० 316 है जो रीगल उद्योग भवन, ए० डी मार्ग, सिवरी, बम्बई—15 है तथा जो बम्बई 15, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप बर्णित है), और जिसका करारमाना आयकर प्रधिनियम 1961, की घारा 269, क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है। दिनांक 2--4-1985

करं पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूस्य ते कम के द्ययमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपील का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिकृत से मधिक है और जंतरक (जंतरकों) और अंतरिती (जंतरितियों) के बीच एसे जंतरण के लिए तय पावा प्रमा प्रतिफल निम्नसिचित उद्देश्य वे उक्ट जन्तरण सिचित को सास्तीवक क्य से कवित नहीं किया गया है:----

- (क) बंतरण से हुई किसी जान की गानक, उक्त शीपनियम के बधीन कर देने के अंतरक के दासित्य में कमी करने वा उक्को वसूने में वृत्तिभा के विष्टु; बॉर/वा
- (व) ऐसी किसी जाय या किसी थन वा अन्य बास्तियाँ की, भिन्हें भारतीय वायकर मिश्रीनवंभ, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिवास विवास विवासित प्रकट नहीं किया भवा था वा वा वाहिए था, डिक्याने में सुविधा से विवास के विव

बत: अब, उक्त जिभिनियम की भारी 269-ग के अनुसर्थ बो, बो, अक्त बिभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (१) के अभीत, निम्निल्खित व्यक्तियों, वर्भात् :—— ग्ररविद चन्दरं।

(अन्तरक)

- 2. मेसर्स अंका लेडर्स प्रायवेट लि०। (श्रन्तरिती)
- 3 श्रन्तरितियों।

(वह ध्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह दूषना बारी करके पृथा कर सम्पत्ति के वर्षन के जिल्ल कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त संपत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के रायपन में प्रकाशन की तारीय थे 45 किन की लगींथ या सरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सृचन की ताजील से 30 दिन की कविंध, जो और नविंध बाद में समाप्त होती हो, को और तर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी स्वक्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना के राजभन में प्रकाशन की तारीथ थें 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-क्यूभ किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास विकित में किए जा सकोंचे।

स्वव्यक्तिकरण प्रव्यक्ति प्रयुक्त सक्कों और पर्यों का, वो सक्क भृष्टिवियक की अध्याद 20-क मां प्रतिभावित ही, यही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया स्वाही।

# ग्रनुसूची

यूनिट नं० 316, जो रीगल उद्योग भवन ए० डी० मार्ग सिवरी, बम्बई 15, में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कर सं धर्म-1/37-ईई/5771/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1985 को रजीस्टर्ज किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी

सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज-1, बम्बई

दिनांक:- 9-12-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बार्ड टी एन एस . -----

बायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)
श्वर्जन रेंज-1, बम्बई
श्वस्थाई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985
निदेश सं० श्वर्ड-1/37-ईई/6119/84~85--श्रतः मुझे,
निशार श्वहमद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० कार्यालय प्रिमायसेस नं० 19, जो 3री, मंजिल, महावीर चेंबर्स 333/337, सॅम्युग्नल स्ट्रीट, बम्बई-3 है तथा जो बम्बई -3 में स्थित है (और इससे उपावज्ञ ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है). और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की घारा 269, क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 2-4-1985,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उन्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्तर विधिनियम की धारा 269-च की उपधारार (1) के बधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् ---- मेसर्स भारत एजेन्सीआ।

(ग्रन्तरक)

2. मेसर्स भारत ग्रांस।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबद्ध फिसी अन्य व्यक्ति व्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्गें।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो जक्त जिध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वनुसूची

कार्यालय प्रिमायसेस नं०-19, जो, 3रीं, मंजिल, महावीर चेंबर्स 333/337, सॅम्युग्नल स्ट्रीट, बम्बई-3 में स्थित है। अनुसूची जैसाकी %० सं० ग्रई-1/37-ईई/5777/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार भ्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-1, बस्बई

हिनांक :- 5-12-1985 मोहर: प्रसम्भ आहं ु दी . एन ु एच ु ह-===

बायफर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269(व) (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० ग्रई-1/37-ईई/6123/84-85--ग्रत: मुक्के, निसार ग्रहमद,

वायकर जिथिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त जिथिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्यु 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 306 जो, 3री मंजिल, बुसा इंडस्ट्रियल इस्टेट, सेंन्युरी लेन, प्रभादेवी, बम्बई-25 हैं तथा जो बम्बई 25 में स्थित हैं (और इससे उपाबट प्रनुसूची में और पूर्ं रूप से विधित हैं), और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम 1961, की धारा 269, क. ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री हैं दिनांक 2-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दम्यभाव प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दम्यमान प्रतिफल से, एसे दम्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नसिचित उद्योग्य से उक्त अन्तरण किचित में वास्तविक रूप से किचल नहीं किया गया है:—

- (२६) श्रेन्ट एक सं शुद्ध कियी बाय की बाबत, उपका श्रीधनियम के वधीन कर बोने के श्रेन्तरक के बाबित्व में उभी करने या उद्यक्त बचने में सुविधा में तिए: कर/बा
- (व) एते किती बाब या किसी वन वा बन्ध वास्त्वों को जिन्हों भारतीय जायकर जिन्हों भारतीय जायकर जिन्हों भारतीय जायकर जिन्हों भारतीय वा बन्द विश्वित्यमं, वा धन-कर वृधिनियमं, 1957 (1957 का 27) वै प्रशोधनार्थ कन्द्रिती व्वारा प्रकट नहीं किया नया वा या किया जाना वाहिए था, कियाने में मुविधा वे किए ए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में. मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री विजय वि० सुर्वे श्रीमतीं सुनन्दा वि० सुर्वे (ग्रन्तरक)
- 2. मेसर्स इंटालीयस।

(भ्रन्तरितीं)

3 मेसम सुर्वे अंग्रह सन्स।

(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्वत्ति है)

4. मैससे सुर्वे प्रण्ड सन्स ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह स्म्परित में हितबद्द्ध हैं)

को यह सूचना जारी रूपके पूर्वीकर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविभिया तत्सम्बन्धी स्वित्तवों पुर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति स्वाराः,
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबबुध किसी जन्म क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकोंगे।

स्वस्तीकरण:--इसमं प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो अक्त विश्वित्यमं के विश्वाय 20-कं में परिभाषित हैं, वहीं वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया हैं।

#### **मन्**स्ची

यृतिट नं०-306, जो, 3री मंजिल कुसा इंडस्ट्रियल इस्टेट, सेंच्युरी लेन, प्रभावेबी, बम्बई-25 में स्थित है। अनुसूची जैसाकि ऋ० सं० प्रई-1/37-ईई/5781/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

निसार महमद सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर मृत्युक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक:- 5-12-1985

प्रकथ भाषां . ही . पत . एस . .-----

भागभार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-च (1) के सभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यक्षम, नहायक जायकर बाय्क्त (निराक्षण) प्रजेन रेज-1, बस्क्षर

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985 निर्देण सं० ग्रई-1/37-ईई/6134/84-85--ग्रत:

मुझे, निसार ग्रहमच,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पर्वात् 'उनत अधिनियम' कहा तथा हैं), की भाष 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- का से अधिक हैं

और जिसकी मं० फलैंट नं० 16, जो, ए-इमारत, हिंद को-आँग, हाउसिंग सोसाईटी लि०, पैलट नं० सी० एस० नं० 2 डी/23, इस्टर्न एक्सप्रेस हायते, सायन, बम्बई-22 है तथा जो बम्बई 22 में स्थित है (और इससे उपाबढ़ म्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा आयकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269, क. ख के श्रधीन बम्बई स्थित जसक्षम प्राधिकाारी के कार्यालय में रिमस्ट्री है तारीख 2-4-85

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि बयापूर्वों कर संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एवे व्यवसान प्रतिफल का बन्द्रह अतिकात से विभक्त है जीर बहु कि बंबरक (बंतरका) और बंबरिती दिशी (अन्तरिविवां) के बीच एवे बन्तरण के सिए तब बाया नया प्रतिकात, निम्नतिविवां उप्रदेश में उपत अन्तरण सिकित के वास्तिवक क्या से कीक्य नहीं विकास बना है हम्म

- (क) जन्तरक ते हुई किसी बाव की बाबह, उक्त जिमित्रक को जभीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; जॉर/बा
- (ग) एसी 1कसी आय का जिसी धन या बन्य जारितयों की, जिस्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त जीधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था कियाने में मुजिधा के लिए;

बतः नव, उक्त क्षीपनिवमं की भारा 269-ग के बन्सरण भें, में, उक्त विधिनियमं की भारा 269-म की उपभारा (१) मैं बचीन, पिम्नक्षित्रक व्यक्तियों, अर्थातः :---

- 1. श्री एन० एम > स्वामी श्रीर श्रीमती पी० एम० स्वामी (श्रन्तरक)
- 2. जगदीश एम० दलाल और सरला एम० दलाल। (ग्रन्तरिती)
- 3. ग्रातरितियों

(बह व्यक्ति जिसके श्रक्षिभोग में सम्पत्ति हैं) कां यह सूचना वारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्चन के सिव् कार्यनाहियां करता हुं।

हक्त सम्पत्ति के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाकोप उन्न

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की नविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की जविभ, जो भी विभि बाद में तमान्त होती हो, से मीतर प्रविका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वास्ट;
- (क) इस नुवना को रावपन में प्रकाशन की दारील है 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्य किसी अन्य स्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए या सकींगे।

स्यव्यक्तिकरण:---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उच्छ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिकाशित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा हैं।

# ज्यूपी

फलंट नं० 16, जो, इमारत नं० ए-इमारत हिंद को०-आंप हाऊसिंग सोसाइटी लि०, प्लाट सी एस० नं० 2 डी-23 एक्सप्रेस हायवे सायन, बम्बई 22 में स्थित हैं। अनुसूची जैसा कि क० तं० घई-1/37-ईई/5789/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-85 को रजिस्टई किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रणेन रेंज-1 बस्बर्द

दिनांक: 9-12-1985

# प्रचल बाइ, इ.स. प्रमान प्रमान सामन

# भावकर विभिन्निम, 1961 (1961 को 43) की बाख 269-व (1) के नभीन क्षत्रा

#### मारत सरकार

कार्याखय, सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, बण्डप्र बल्बप्रे, पिलक 5 पिसम्बर 1005

From the trib the filler table and

िषण सं० ६६-1/35-६६/0142/04-05---- अतः मुझै, तिसार अहमव,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का जारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा से अधिक है

भीर जिसकी सं० यूपि नं० 313, जो, 3री मंजिल, बुएसा उद्योग भवा, इंडीपूरल प्रिमायतेम कोनागर० सोताइटी लि०, टी० जे० रोड, सिपरी, कव्यप्ति में विषय हैं (और इसी उपावक अनुपूर्वी में और पूर्ण का से प्रिया है), और जिसका कथार तमा आरवार प्रविधिम 1901 की धारा 2005, ख के अजी। बाजरी वियत सक्षम प्रविवारी के कार्यांका में रिजाही है, पिनोक 2-4-05

को पृथोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत बिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, विस्तिवित उद्देशिय से उक्त अन्तरण किवित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है है

- (क) वर/रण हे हुई किही बाय की बारत, उक्त व्यक्तियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व के किही भारतेय उसके अक्तने में स्विधा के जिक अर्दर/या
- (क) एंसी किसी जाय या किसी धन या तत्त्र आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवोग्नार्थ अन्दरिती द्वारा प्रभट नहीं किया मथा था या किया जाना प्रीहर्ष था. कियाने में द्विया के किए;

भतः अधः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——
35—426 GI/85

- (1) मैसमें के मैंकेनिकल इलैक्ट्रानिक्स। (भन्तरक)
- (2) मैसर्स हुझरा मोहल्लाह एसोसिएणन। (धन्तरिती)
- (3) श्रन्तरिक्षियों।
  (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
  हुँ कि यह स्म्यत्ति में हितवब्ध हैं)
  का यह सूचना जारी कार के पूर्वीक्ट संपरित के अर्जन के लिए
  कार्यवाहियां करता। हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्री में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधी, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीं कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्थार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्स में हितब इध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदों का, जो उक्त शिधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### The same

यूनिट नं 317, जो, 3री मंजिल, बुख्सा उद्योग भवत इंडिस्ट्रिश्च त्रिमसिस को-प्राप० सोसायटी लि०, टी० जे० रोड, सिवरी, अम्बर्ध-15 में स्थित है।

श्रनुमुची जैसा कि कि कि सैं कि प्राई-1/37-ईई/5794/85-80 और जो सक्षम प्राधिकारी , बम्बई द्वारा दिनीक 2-4-85 को रजिस्टई किया गया है।

> निसार श्रहमव सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, बम्ब**र्ध**

दिन्तंक: 5-12-1935

# प्रकप बार्षं .ही.एन.एस.-------

# भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजैन रेंज-1, **बम्बई** बम्बई दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निवेश २० अई-1/37-ईई/6153/84-85--- **मृतः मृत्रो,** निसार श्रहमद

कारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकाद 'उक्त लिधिनियम' कहा गया है), की धारा 260-स के लधीन रक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का काल्य ही कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00.00.00% के से अधिक है

और जिसकी गं फ्लैंट नं 6, जो, सरीता को-प्राप श्राजींयम नोपाइटी जालट्टी, बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद सनुस्ती में और पूर्ण रूप से घणित है), और जिसका कराराात्रा प्रायकर प्रधितियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ही है, दिनांक 9-4-85

को पृथेकित सम्मित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिषक्ष के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पृशेक्त सम्पित का उचित बाजार मृत्य, उसके स्व्यमान प्रतिषक्ष से, ऐसे दश्यमान प्रतिषक्ष के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरफ (अंतरका) और अंतरिती (अपिनीनयां) को वीय ऐसे अंतरण के लिए तय पाया नया प्रतिषक्ष, जियनित कित उद्वर्षिय से उक्त अंतरण सिवित में वास्तिक क्ये की यह से की यह नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जाम की बाबत, उक्त अधिनियम के जधीन कर दोने के बन्तरक के दांग्यत्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा में लिए; कॉर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, यो धनकर अधिनियम, वो धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तारती व्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया आजा चाहिए था, खिपाने में सुविधा को सिए;

कराः नव, उक्त अभिनियम, की धारा 269-ग को जनसरणी मों, भीं, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्रीनिति बिहल शिवराम गौर और शा० एस० एम० गान्धी।
- (2) श्री प्रकाश धनराज सोननीभिन्ने और श्रीमतीस्नेहलना प्रकाश सोनीमिन्ने।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरितियों।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्थन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीख सं 45 दिन की सर्वीध या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्य किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के णस लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को उसके अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

#### मन्स्ची

फ्लैट नं० 6, जो, सरीता को-गाप० हाउसिंग सोसायटी, च्नाभट्टी, बम्बई में स्थित है।

श्रनुभूची जैसा कि क० सं० श्रई-1/37-ईई/5799/85-86 और जो सभम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-4-85 को रजिल्टर्ड किया गया है।

> िसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (िरीक्षण) शर्जन रेंज-1, बम्बई

विनोक: 9-12-1985

मोहर ह

प्ररूप गाइ . टी. एन. एस्.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर, 1985

निवेश सं० धर्ध-1/37-देधी/6158/84-85----श्रतः सुने, निसार श्रहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० यूनिट नं० 430, जो, 4थी मंजिल, महा
एण्ड नहार इंडरिस्ट्राल इस्टेट ए-1, एस० जे० मार्ग,
लोजर परेल, बम्बई-13 में स्थित हैं (और इससे उपाबब धनुपूर्वा में और पूर्ण रूप से घणित हैं), और जिसका करारतामा धायकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अवीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजर्स्ट्री है, दिनोंक 9-4-85

को पूर्वीक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य सं कम के दूरयमान प्रतिफल को लिए अन्तरिक्ष की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरियों) के बीच एसे अन्तरण के हिए तय पाया गया श्रीतफल निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित महीं किया स्था है :—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए? और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः अत्र, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) शहा एण्ड नहार एसोसिएट्स।

(মালামক)

(2) मैसर्स एवन इंडस्ट्रीज।

भ्रन्तरिती)

को यह स्थान जार्थ करके पूर्वोक्त सम्बंधि के अपने के जिए कार्यवाहियां करता थी।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों भर सूचना की लामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उभत स्थावर सम्पत्ति में हितबल्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, बहु अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# **प्रमु**सूची

यूनिट नं० 430, जो, 4थी मंजिल, शहा एण्ड नहार इंडरिट्रयल इस्टेट ए-1, एस० जे० मार्ग, लोग्रर परेल, वस्बई-13 में स्थित है।

प्रनुसूनी जैसा कि कि सं अई-1/37-ईई/5802/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनीक 9-4-85 को रजिस्टई किया गया है।

> िसार श्रह्मद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर जश्रायुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 5-12-1985

प्रस्प भाषा हो। एन । एल ।

# भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना आरत सरकार

कार्यांक्य सहायक कायकर काय्क्त (निरक्षिण)

मार्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर, 1935

निवेश सं० अर्ध-1/37-६६/6157/84-85---व्यतः मुझे, निसार श्रह्मद,

वासकार विभिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार नृत्य 1,00,000/- रुक्त से अधिक है

खौर जिसकी सं० यूनिट नं० 147, जो 1सी मंजिल, शहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेंट ए-2, एस० ज० मार्ग, लोकर परेल, बम्बई-13 में स्थित हैं (और इसने उपाबद्ध अनुसूची और पूर्ण कर से विभात हैं), और जिसका करारताना आकर श्रीविधिम 1961 की घारा 2095, ख में अर्थात बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजर्ट्री है, दिनौक 9-4-1985

को पूर्वोक्स सम्परित के उपित बाजार मूल्य से कम के दूरमान शिसफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उपित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्ष्म जिम्मीसित उद्योग से उसत अन्दरण निक्ति में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण तं हुई किती शाय की बाबत, उन्तत अभिनिय्त की अभीन कर दोने के अन्तरक की वामित्व में कमी करने या उत्तते वचने में सुविधा की किए; आर/या
- (क) एसी किसी अप या किसी धन वा अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धा अनकर अधिनियम, धा अनकर अधिनियम, 1957 (1957 दर 27) के प्रयोजनार्थ कन्तिरती बुगरा प्रकट नहीं किया नमा था या दिक्या जाना आहिए जा, कियाचे पं सुविधा के विद्या

भतः वन, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुबर्ध मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हिल्ल (1) रहा एण्ड महार एसंसिएद्स।

(धन्तरक)

(2) श्रीमती मीना एन० नायक (प्रोपराइटर-मैसर्स मृनाल इंटरप्राइसेस।

(प्रन्तरिती)

को यह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के विश् कार्यमाहियां करता हुँ।

# सकत सम्पत्ति के वर्गन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षिप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तरप्रकन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की कविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थाक्त बुकारा:
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन बनी तारीक से 45 विन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में शितब्द्ध रिक्सी अन्य व्यक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए बा सकोगे।

स्पष्टीफरण :--- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाणित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विषया गया ही।

#### अनुसूची

यूनिट नं० 147, जो, 1ली मंजिल, शहा एण्ड नहार इंडिस्ट्रिन इस्टेट ए-2, एस० जे० मार्ग, लोक्सर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

श्रनुसूर्वा जैसा कि कर्सर काई-1/37-ईई/5003/05-86 और जो सभाग प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिलांक 9-4-85 को रजिस्ट डेंकिया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरक्षण) ग्रजन रोज-1, यम्बध्

বিনাক: 5-12-1985

# प्ररूप बाह्". टी. एन. एस. -----

भायकर विभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सुमना

#### नारत सरकार

कार्यांसर, सहायक जायकार जायक्त (निरीक्षण)

**प्रजै**न रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 विसम्बर 1985 कार्यः कर्रा 192 क्रिंडिस १९१५ ०६ ।

निदेश सं० भई-1/37-ईई/6158/84-85—मत। मुझे, निसार भ्रहमव,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं उन्हें स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 220, जो, 2री मंजिल, शहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-2, एस जे० मार्ग, लोग्नर परेल, बम्बई-13 है तथा जो बम्बई-13 में स्थित है (और इसते उपाबद्ध मनुसूची में और रूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसा करार-नामा भायकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के भधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय बम्बई में रिजल्टी है, दिनाक 9-4-95

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिंपिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण हैं कि यथाप्ताक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवाद से अधिक हैं और अंतरक (मंतरका) और अंतरिती (अंतरितया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित कें बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया हैं द्व-

- (क) बन्तरण ते हुइ फिसी अप की वावत, उक्त अधिनियम् के अधीन कर दोने के बंदरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए; और/या
- (कं) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों का, जिन्ही भारतीय ब्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अत्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा खे सिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:— (1) शहा एण्ड नहार एसोसिएटस।

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स नेलस्टेर बेलकान।

(पग्तरिती)

को यह सूचना बारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निर्शकार्यवाहियां सुरू करता हो।

उन्ह सम्मण्डिके अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलेंच :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध कर्ण में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्थित्यों में से फिली स्थक्ति दुवादा;
- (व) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आ उध्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाणित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम वै दिया गया है।

## धनुसूची

युनिट नं० 220, जो, 2री मंजिल, शहा एण्ड नहार इण्डिस्ट्रियल इस्टेट ए-2, एस० जे० मार्ग, लोबर परेल, बम्बई 13 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-1/37-ईई/5804/85-86 और जो सभम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-4-85 को रजिस्टई किया गया है।

> निसार ग्रहमव सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, सम्बर्ध

दिनोक: 5-12-1985

श्ररूप कार्ड टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-म (1) के बभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1, अम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० **धर्-**1/37-ईई/6159/84-85--पतः मुझै, निसार ग्रहमद

भायकर बाधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्सके पश्चात् 'उक्त बाधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकरी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. सं अधिक है

भौर जिसकी सं धूनिट नं 326-ए ओ. 3री मंजिल महा एण्ड नहार इंडिन्ट्रियल इस्टेंट ए-1, एस जे मार्ग, लोजर गरेल, बम्बई-13 में स्थित है और इजते उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रन से थाँगत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 क, क के अधीन बम्बई स्थित लक्षम प्राधिकरी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 9-4-85

को प्रांक्ति सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इक्यमान इतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विक्वास करने का कारण है कि यथाप्वींकत संपत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दक्यमान प्रतिफल से, एसे दक्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफ ल्नीम्निलिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण निवित्त में बास्तिक इप से कथित नहीं किया गया है क्रिन

- (क्क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/मा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों स्त्रों जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 ना 1 ) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्त्रिपाने में सूविधा के लिए;

अतः जब, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में. में, जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) शहा एण्ड नहार एसोसिएटस।

(श्रन्तरक)

(2) मैसर्स भानन्य इंटरप्राइनेस।

(प्रन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हां से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिटमस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पार सिसित में किए वा सकीये।

स्वष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त जन्दों और पदों का; जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में क्या गया है।

# . जन्सूची

युनिट नं॰ 326-ए, जो, 3री मंजिल, गहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-1, एस॰ जे॰ मार्ग, लोग्नर परेल, बम्बई 13 में स्थित है।

अनुपूची जैसा कि प्र० सं० अई-1/37-ईई/5805/85-86 और जो समम प्राधिकारी, यस्बई द्वारा दिनांक 9-4-85 को रजिस्टड़ें किया गया है।

> निसार प्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक पायक्र प्रायुग्त (निरीक्षण) पर्जन रेंज्र 1, धम्बाई

दिनांक: 5-12-1985

प्ररूप बाइ<sup>1</sup>. टी. एन. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थं (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यानय, सहायक मायकर मायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर, 1985

निदेश गं० धई-1/37-ईई/6160/84-85---मतः मुझे, निसार ब्रह्मद,

बायकर अधिनि म, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें उपकार उपकार उपकार अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00.000/- र . तं अधिक ह

भौर जिस ही सं० यृतिट नं० 434, जो, 4यी मंजित, णहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-1, एस० जे० मार्ग, लोप्रर परेल, सम्बई-13 में स्थित (और इसने उनाबद्ध प्रतृमूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिस हा करारतामा आयकर प्रधितियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन सम्बई स्थित सञ्जम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 9-4-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूथमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्ड है और मृश्ते यह निश्वास करने करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य. उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हृद्दे किसी अगय की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या इससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंति श्री द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अया, उक्त अधिनियम की धारा 269-त के अन्सरण में, मं, रक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) इति अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) घहा एण्ड एसोसिएटस ।

(मन्तरक)

(2) मैसर्स हिंदुस्तान घपारेल।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

# उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोड़ भी बाक्षेप ;----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी क सं 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्री कर्ता व्यक्ति सुवारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्डिकरण:--इसमें प्रयुक्त कब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिधार्तका है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसुची

युनिट नं० 434, जो, 4थी मंजिल, शहा एण्ड एसी-सिएटस इस्टेट ए-1,०स० जे० मार्ग, लोग्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

ग्रन्युची जैसा कि त्र० सं० ग्रई-1/37-ईई/5806/85-86 और जो सक्षम प्राध्यारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-4-85 को रजिस्टई किया गया है।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राविकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 5-12-1985

#### धक्य बार् . टी. हर . एक . ......

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की की धारा 269 घ (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक बायकर बायक्त (निरक्षिण) भर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

निवेश सं॰ अई-1/37-ईई/6165/84-85---- मृतः सुने, निसार महमव,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूख्य ',00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० युनिट नं० 9, जो, 1ली मंजिल, टोटीया इंडस्ट्रियल इस्टेट, सिनाराम मिल कंपाउड, एन० एम० जोगी मार्ग, बम्बई-॥ में स्थित है (और इसते उपावद अतु-सूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्र और जिसका कारारामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, के अप्रीत बम्बई स्थित सभम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 8-4-85

कां पूर्वाक्स सम्पत्ति को उचित नाजार मूल्य से कम को दृश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विद्नास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूझ्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्सह गान्ति से प्रक्षिक है और धन्तरक (धन्तरकों) धौर धन्तरिकी (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिक क्य निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त धन्तरण सिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबता, धक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या बन्य बास्तियों को, जिल्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर प्रधिनियम, या मन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किथ। गया वर या किया बाना चाड़िए बा, फिहार में विका के लिए;

बतः बदः, जबत बिधिनियम की धारा 269-ग के जन्सरण में, में, उकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

(1) भी बदल्हीन फे॰ का ग्रेखा।

(भन्तरक)

(2) मैसर्स सुपर लेखा।

(पन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर शृष्या की तानील से 30 दिन की अविध, यो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त ध्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सकत विधिनियम, के वध्याय 20-क में यथा परिभागत हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस वध्याय में दिवस प्याहैं।

# पनुसूवी

यूनिट नं० 9, जो, 1ली मंजिल, टांटीया इंडट्रियल इस्टेट सीताराम मिल कंपाउण्ड, एन० एम० जोशी मार्ग, बम्बई-11 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि कै० सं० घई-1/37-ईई/6386 85-86 और जो सभम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-4-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार महमद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) मजैन रेंज-1, अम्बर्ध

दिनोक: 9-12-1985

मोहुर :

# प्रक्ष बाइ . हो . एत . एस . -----

# मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मंभीन सुवना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांय १ दिराम्बर 1985

निदेण मं० श्रई-1/37-ईई/6166/84-85—श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें न्यान् (उवत अधिनियम) कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संगीत जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- एत से अधिक हैं

स्रीर जिसकी संव ायिनिय प्रिमियेन तंव 805, जो रहेना संटर, 214, नरीमन पांड ट, बस्वई-21 में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद अनुसुवी में और तूर्ण रूप से विणित है), स्रीर जिसका जरारनामा स्नायकर स्रिधियम 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधि करी के कार्यालय में रिक्स्ट्री है, दिनांस 9-4-85

कारं पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति द्या उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, एसे दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन सा अन्य अधितारों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनयम, 1022 (1922 का 11) या उत्तत अधिनयम, या अन-कर अधिनयम, या अन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिराने में सुविधा के लिए।

अतः अबः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (।) वे वधीयः, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---: 6--426 GI/85 (1) को पाठ एक अप व और भीमति सकुनाता एक प्राचित्रं।

(1, FF = W)

(2) मैं प्रतं ए-1 मदीना राष्ट्रेटीग बणटेबिकियमेंट कंपनी।

(भन्नारती)

(3) अन्तरको।

(बह ब्यक्ति, जियके ब्रिक्शिंग में सम्पत्ति है)

(4) अन्तरको।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधीहस्ताक्षरी जातना है ि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है )।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीय से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में छित. बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्ध्वाकरण: —-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषिक है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में विशा गया है।

#### जन्सूची

ारपनित्र प्रिमार्थ्य नं 805, जो, रहेका सेंटर, 214, नरीभन पाइन्ट, बम्बई-21 में स्थित है।

प्रतुरुवो नौंसा जि कि० सं० प्रई-1/37-ईई/5810/85-86 फ्रोंग जी एक्स प्राविधारी,बस्बई हारा दिनां : 0-4-85 को रिक्टिई जिया गया है।

> तिसार, श्रह्मद संजय प्राप्ति पारी सहायक अध्यक्षर अध्यक्षर (तिरोक्षण) सर्जन रोज-1, बस्बई

दिनांक: 9-11-1985

माहर:

# प्ररूप बाइ . टी. एव एस. -----

नायकर नाँधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुमना

#### नारत सरकार

कार्गाजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, अम्बई

वम्बई, दिनांवः १ विसम्बर, 1985

निदण मं० अर्ड 1-/37-ईई/6169/84-85 - -- ग्रत: मुझे. निसार श्रहमद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इ को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिमकी नं कार्यालय प्रिमेसिम नं 406, जा 4थी मंजिल, पारेख नाकट, 39, केनेडी ग्रीज, ऑपरा हाउम वम्बई-4 में स्थित है (ग्रीर इपमे उगावद प्राप्तुवो में भीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिमका व राप्तामा श्रायकर ग्रीधितियम 1961 की धारा 269% ख के श्रधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 9-4-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के क्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमें वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निनिश्ति उस्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में वास्तिविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्विका के लिए; और/या
- (ध) ऐसी किसी बाय वा किसी भन या अन्य वास्तियं की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

भवा थव उन्त विधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, में, उन्त मिधिनियम की भारा 269-थ की उपपार १३१ के बभीन, विम्निसिण्त व्यक्तियों, वर्धात् ६—

- (1) श्रीमतो सीतावती गावधंनदाक भारत्रानी । (ग्रस्तर ::)
- (2) श्रीमती पिता राजेण मंसानी श्रौर मुरेश नन्द्र भंसाली (हि० श्र० कु०)

(ग्रन्भरिती)

(3) ग्रन्तरितियां ।

(बहु व्यक्ति, जिसके श्रधिभाग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति संपरित के वर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्थन के सबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 विन की अविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की सामील से 30 दिन की जबिध, को भी अविध कान में समाप्त होती हो, के भी तर पूर्वों कर क्यां कित में से किसी क्यां कित ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यक्ष में प्रकाशन की शारीख ये 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबूध किसी अन्य स्थक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास निकास में विश्व का सन्तेंगी।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

# धनुसूची

कार्यालय प्रिमेसिस नं० 406, जो, 4थी मंजिल, पारेख मार्केट, 39, केनेडी बिज, ऑपेरा हाउस, बम्बई-4 में स्थित है।

अनुसूची जैसा ि ऋ०सं० अई-1/37-ईई/5813/85-86 और जो छक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-85 को रिजस्टिंड िया गया |है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी यहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रोज-1, बस्बई

दिनांत: 9-12-1985

माहर:

प्रकल आहाँ टी एन एस

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

#### भारत सरकार

नार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनां र 9 दिसम्बद 1985

निदश सं० श्रर्ड-1/37-ईई/6170/84-85---श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकेंपरचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धासा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्थास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् भाजार मृत्य 100,000/- रु. में अधिक है

स्रोर जिसकी सं० स्रोद्यांगिक यूनिट नं० 219 ए, जां. 2री मंजिल, णहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट, ए-1, तन मिल लेन, धनराज मिल कप उन्ड, लोक्टर परेल, बम्बई-13 है एया जो बम्बई-13 में स्थित है (स्रीर इससे उपाबक अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा स्रायकर श्रधितियम 1961 की धारा 2694, ख के स्रधीन बम्बई स्थित स्क्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ही है, दिनांक 9-4-85

को पूर्वाक्त सम्पत्ति को उधित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते दह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भून्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का भन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका)ं और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उप्देश्य से उक्त अन्तरण चिक्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जाय की गवत, उक्त अभि-नियम के अभीन कर दान के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

लाण: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरंश कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निस्नीलिसित, व्यक्तियों, अधीत् ⊈—

- (1) मैससं यूनिवर्सन ः मिशयल कंपनी। (ग्रन्तरक)
- (2) मैं सर्स सुन्दर सन्म (इंडिया) (ग्रन्तरिती)

को ग्रह स्चना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के संबंध में कोई नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति।
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए का सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वन्स्वी

श्रीधोगिक यूनिट नं० 219 ए, जो, 2री मंजिल, शहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेंट ए-1, सन मित लेन, धनराज कपाउन्ड, लोग्नर परेल, बम्बई-14 में स्थित है।

श्रनुसुची जैसा कि कि सं श्राप्त-1/37-ईई/5814/85- 86 श्रीर जो सक्षम प्राविकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-4-85 को रिजस्टिंग्ड किया गया है।

निसार श्रह्मद सञ्जय प्राधिकारी महायः श्रायक्र प्राधुक्त, (निरीक्षण) ग्रजन रोज-1, बस्बई

दिनांक: 9-12-1985

# अस्य आर्थः दी. **एम . एस . -----**

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

# भारत सर्चाह्र कश्यांलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्तन)

द्यर्जन रेंच-1, वम्बई

बम्बई, दिनां । 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० प्रई-1/37-ईई/6173/84-85 - - श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीर सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास फरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव फ्लैट नंव 34-बी, जी, बर्ब रेक्लेमेशन नरीमन पढ़न्ट, बम्बई-21 है तथा जी बम्बई 21 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुमूर्चा में श्रीर पूर्ण रूप से बिणा है), श्रीर जिसका रास्त्रप्रभाग श्राव अधिनियम 1961 की धार्म 269 त. ख के श्राधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधि तरी के ार्यालय में रिवस्ट्री है, दिनांक 9-4-1985

की वृत्रींकर संपरित के उचित बाजार मृत्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल से पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे कथने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एमी किसी लाग या किसी घन या क्या जानस्वा को, जिन्हें भश्योग आय-कर (ीर्गावम, 1922 (1922 का १६) या उसा औधनियम, मा धन-कर जिथियिक्षा, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अस्तिरिती खुवारा प्रकट नहीं किया गथा था वा किया बाना शाहिए था, खिराने में सुविधा के लिए;

नतः जन, उक्त अधिनियन की धारा २०५-५ के अनुसरण भी, मी, उपत अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीर, निम्मीलि**वित व्यक्तिकी, वर्षाय क्र**  (1) अमर एम्ब्राइडरी आइवेट लिमिटेड (मालियः श्रमर एम्ब्राइडरी सेल्स कापोरिशन)।

(श्रन्तरक)

(2) किवाररान इडस्ट्रीज प्राक्ष्येट लिमिटंड। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हो।

बायत रांपति के बर्चन की शतभ में कार्ड भी आसंप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख रें 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विकास स्वीकास मामकों।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-कं में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### धनुसूची

फ्लैट नं० 34-बी, जो, बक्षवे रेक्लेमेंगन, नरीमन पाइन्ट बम्बई-21 में स्थित है।

श्चनुसूची जैसा ि क० सं० अई-1/37-ईई/5817/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-4-85 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायका श्रायकार श्रापुक्त (निर्राक्षण) ग्रजन रेज-1, बस्बई

दिनांक: 9-12-85

**ू**मोहर :

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

निदेश स० श्रई-1/37-ईई/6174/84-85—स्तः मृझे, निसार श्रहभद,

स्मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/-रा. से अधिक है

और जिसका संव यूनिट नंव 211. जो, कालियनदाल उद्योग भवत, प्लाट नंव 1082. मेंचुरी वाजार के पास. बम्बई-25 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण कप विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 को धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, दिनांक 9-4-85 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरका अरेर अंतरित का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरका (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्यदेश से उक्त अंतरण विखित में आस्तिकक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त किंध-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में गृविधा के लिए; आर/या
- (ध) एंसी किसी आय या किसी अन या अन्य शाम्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

बतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए को अनुसरण मी, मी, उबल अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिशित व्यक्तियों, अभित् :--- (1) श्री इसमाइल श्रली कासकर ।

(भ्रन्तरक)

(2) अजिझा अब्दुल रजाक कासकर।

ग्रन्तरिती)

(3) मैसर्स हुमा प्रिन्टर्स।

(वह व्यक्ति जिसके म्राधिभोग में संपत्ति है)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां वाच्या हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियाँ में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि -नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## ग्रनुसूची

युनिट नं० 211, जो, कालियनदास उद्योग भवन, प्लाट नं० 1082, मेंचुरी बजार के पास. बम्बई-25 में स्थित है।

थ्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-1/37-ईई/5818/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी के कार्याक्षय, बम्बई द्वारा दिनांक 9-4-85 को रजिस्टई किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रंज-1, क्षम्बई

दिनांक: 9-12-1985

प्रस्य जाई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा 269-च (1) को अधीन स्वना

#### भारत संस्कार

कार्यासव, सहायक शायकर बायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, सम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/6178/84-85—ग्रत: मुझे, निसार ग्रहमद

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य :.00.000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० प्लैट नं० 704. जो 7वी मंजिल, सुमेर टावर्स, शेठ मोतीणा रोड, मझगांव, बम्बई-10 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध प्रमुस्ची में और पूर्ण रूप मे विणित हैं ) और जिसका करारनामा आयकर श्रिधिनयम 1961 भी धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्रिधिकारी के कार्यालय में रजिस्द्री है, दिनांक 9-4-1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित काजार मृत्य से कम के दृष्यभाव प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उत्तक दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का मिन्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक का से किया गया है :--

- (क) कश्वरण संहुर्य किसी साथ की वायत, अक्स विधिनियस को अधीन कर दोने को अन्तरक को आयित्व में कसी करने या उससे अचने में स्त्रिका को सिए; और/या
- (श) एसी किसी नाय या किसी धन या नन्य नास्सियों की, जिन्हों भारतीय आयकर निभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिनियम, या धन-कर जिभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भरा: अब उनत निधितियम की धारा 269-ग के निन्तरण में, में, उनत अधितियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तितयों, अर्थात् :---- (1) मैं सर्व सुमेर एसोसिएट्स।

(ग्रन्तरक)

- (2) श्रीमती प्रकाश सोहबराज वाणीगोता। (ग्रन्तरिती)
- (3) बिल्डर। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में संपत्ति है)

को वह सुचना चारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुएं।

उक्त सम्बद्धि के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी वार्श्य :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 4.5 दिन की समिप या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विकिश नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में है किसी व्यक्ति हुनारा।
- (व) इस भूजना के राज्यम को प्रकारण की वारीन से 45 विन के शीवर क्या स्थाप्य सम्मरित में हितबव्ध किसी कम्ब म्याप्य भूषारा अधोहरवाक्षरी के पास निधित में किए वा सकोंने ।

स्थ्यक्रिकरणः ---इसमे प्रयुक्त सन्दों और पर्यों क्षा, भी उच्छ अधिनियम के संध्याय 20-क में परिभाषित हैं। विश्वी सर्व होंगा जो उस संध्याय में दिया गया है।

#### नन्सची

फ्लैट न० 704,जो. 7धीं मंजिल,सुमेर टावर्स, शेट मोर्त≀शा रोड, माझगांव बम्बई-10 में स्थित है।

ग्रनुसूची' जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-1/37-ईई/5821/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 9-4-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, बम्बई

दिनांक: 5-12-1985

प्रकार भारती. शी एवं. एवं. ----

अप्रकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा १७० घ (1) के अर्धान मुचना

#### भारत संस्कार

# कार्याजन, शहायक जानकर बाय्क्स (निरीक्सण)

ग्रर्जन रेंज-1. बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर, 1985

निश्ण सं० म्रई-1/37-ईई/6179/84-85---म्रतः मुन्ने निमार म्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अबीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करों का कारण है हि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट तं० 104, जो, 1ली मंजिल, इमारत तं० 1, मुमेर टावर्स, लव लेत, गेट मोतीणा रोड, मानगांव बम्बई-10 में स्थित है (और इसमे उपाबद प्रतुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारतामा भ्रायकर प्रधितियम 1961 की धारा 269क, ज ख के ग्रंधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है. दिनांक 9-4-85

कां पूर्वेक्त मम्पत्ति के उधित बाजार मृत्य से कब के ध्रममाम अतिक स के निए धंतरित की नई हैं और मृत्रों यह विस्थास करने का कारण हूँ कि सभापूर्वेक्त सम्मित्त का उधित बाजार मृत्य , उसके उध्यमान प्रतिफस से, एसे ध्रथमान प्रतिफस का पर्वाह अतिक व से सिफ हैं और अन्तर्क (अन्तर्का) और अन्तरिती (अन्तरितया) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पासा गया बितिकस , निम्निसिचत उद्वेदस्यों से उद्या अन्तर्क जिलति में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया प्रे :----

- (क) अन्दरण वं हुए किसी आय की वायत, उपल अधिनक्त्र के अभीन कर दोने के बस्तरक के द्वियत्व में करी करने या उत्तरी यचने में मृतिशा के किए; और/या
- (ख) हं पी किसी बाय या किसी धन या कन्य आस्ट्रियें को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्हें अधिनियम, रा धर्क कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अर्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के थिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) कै लशीन, निम्स्विखित व्यक्तिसमें, अर्थीत क्र---- (1) मैंसर्म सुमेर एसोसिएटस।

ग्रन्तरक)

(2) श्री योगेण य० गहा और श्री मनसुखलाल के० गहा।

(श्रन्तरिती)

(३) बिल्डर ।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में संपत्ति है)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मृचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी की पास निकास में किए जा सकोंने ।

स्वस्तिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, शो उपत अपिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

# अनुसूची

फ्लैट नं० 104. जो, 1ली मंजिल, इमारत नं० 1, सुमेर टावर्स, लब लेन, फेट मोतीशा रोड, माझगांब, बम्बई-10 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा वि क० मं० श्रई-1/37-ईई/5**822/85-86** और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-4-19**8**5 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-1, बम्बई

**इिमांक**: 5-12-1985

# प्ररूप . बार्ड . टी . एन . एस . - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीव स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर, 19**8**5

निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/6180/84-85--- ग्रतः मुझे, निसार ग्रहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का बारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट तं० 905, जो, 9वीं मंजिल, सुमेर टावर्स गेठ मोतीणा लेन, माझगांव, बम्बई-10 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 9-4-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कि निम्निनिश्चित तस्येश्य से उन्नत अन्तरण निश्चित में बास्तिक स्थ के किया नया है क्ष्म

- किं चन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, सकत गणिनियम के अभीन कर बोने के अन्तरक के बाबित्य में कभी करने या असने बचने में स्विधा के निया, और/मा
- (स) तुनी किसी लाम या किसी धन या क्य आरंग्लची वर्ष जिल्ली भारतीय लाग-तर अधिनियम, 1990 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पत-कर अधिनियम, वा पत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 2) के प्रयोजनार्थ कर्त्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना कर्तिए या, जिल्ला में विषयः प्रयोजनार्थ कर्ति विषयः वाना कर्तिए या, जिल्ला में विषयः वाना कर्तिए या, जिल्ला में विषयः विषयः

बतः जब . उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरक को, प्र<sup>3</sup>, उक्त आधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात

- (1) मैसर्स सुमेर एसोसिएटस। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती कुंबरबाई मेघजी और श्री नागजी ओभैया।

(ग्रन्तरिती)

(3) बिल्डर। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में संपति है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन ते संबंध में काई भी आसेंप :--

- (क) इस सूचना के राजपभ में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाच्या होती हो, के भीतर पूर्वे कि अविकत्यों में से किसी स्पष्टित द्वारा:
- (स) इस स्थान क राज्यत्र से प्रकारन की तारीब से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सस्पत्ति में हितबब्ध किसी कन्य व्यक्ति हुनारा । अभोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा सकी गे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इ<sup>5</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### गनस्थी

्ष्लैट नं० 905, जो, 9वीं मंजिल, सुमेर टावर, शेट मोती-शा लेन, माझगांव, बम्बई-10 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि सं ग्रई-1/37-ईई/5823/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्वई द्वारा दिनांक 9-4-85 की रजिस्टई किया गया है।

निजार स्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 5-12-85

मोहर 🖫

# प्रकप भाइ . टी .एन . एस . ------

# शायकर त्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

#### मारत तरकार

कार्यातय, सहायक आयकर बाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जंभ रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिभांक 9 विसम्बर 1985

मिदेण मं० अई-1/37—ईंड/6187/84—85—अतः मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्रेया हैं), का धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विष्टार कक्ते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 21, जो खुश विहार, 210-एफ०, डा० अम्बेदकर रोड़, चित्रा सिनेमा के पास, दादर, बम्बर्ड14 में स्थित हैं (ग्रीर इसमें उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), ग्रीर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीम, बम्बर्ड स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 9-4-1985

को प्वॉक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के करयभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह जिस्ताम करने का कारण है कि यथाप्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके करयभान प्रतिफल को पन्तह प्रतिशत सं अधिक है और अंतरिक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (कं) अन्तरण से हुई िक सी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- किं। एसी किसी बाय या किसी थन या बच्च आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्क अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या सिना जीना चाहिए था, कियान में किरा वें किया

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो, मो, उसत अधिनियम की धारा 269-घ दी उपधारा (1) के अधीन, निम्निक्षित व्यक्तियां अर्थात् : 37--426 GI/85  श्रीमती स्मिता चिमाजी तावडे भ्रौर श्री चिमाजी सखाराम तावडे।

(अन्तरक)

 श्री किर्म कुमार सरदार श्रीर श्रीमती छाया किरम सरदार।

(अनारिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए सर्वशिक्षा कारता हुं।

बाक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में फोड़ भी आक्रोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविभ मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में स्वाप्त होती हो, के भीतर प्वेंकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

भ्यव्हीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वया हैं।

# **प्रनुसुची**

फ्लैंट नं० 21, जो, खुश विहार, 210-एफ०, डा० अम्बेडकर रोड़, चित्रा सिनेमा के पास, दादर, बम्बई-14 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० मं० अई-1/37–ईई/5826/85–86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

भिसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जम रेंज-1, बम्बई

नारीख: 9-12-1985

माहर:

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर 1985 निदेश सं० अई-1/37–ईई/6196/84–85–-37: मुझे, भिसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० बी—122, जो, 12वी मंजिल, चिनार इमारन, प्लाट सी० एस० नं० 338 श्रौर 506, दादर नायगाव डिवीजिंश, सिवरी काम रोड़, रफीक किडवाई रोड़, वडाला. बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उचाबड़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण च्य से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिभियम, 1961 की धारा 269च, ख के अधीभ, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 9-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया रू :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अतरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) धंनी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन किर्मानिकत व्यक्तियों, अर्थात — 1. मेमर्स दिनेशवन्द्र विजयकुम।र

(अन्तरक)

 श्रीमती सुनीता गुष्ता, मास्टर मौरभ गुष्ता श्रौर मास्टर शेनू गुष्ता।

(अन्तरिती )

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थळाकरण: — इसमें प्रयुक्त क्षम्यों और पदों का, वा अवस्थ अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाविते हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा गका है।

# अनुसूची

फ्लैट नं० बी-122, जो , 12वी मंजिल चिनार, इमारत, प्लाट सी० एस० नं० 336 श्रीर 506, दादर नागांव डिवीजभ, सिवरी क्रास रोड़, रफीक जिड्छाई रोड़, बडाला, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कर्ण रुप्रई—1/37--ईई/5832/84--85 ग्रीर जो लक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिशांक 9-4--1985 को रुजिस्टई किया गया है।

> नियांच अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (पिरीक्षण) अर्जम रोज-1, बम्बई

तारीख: 6-12-1985

# वरूप नार्षेत्र होत प्रयोग प्रयोगका

बायफर विधिनियस, 1961 (1961 का 43), की धाउर 269-थ (1) को बचीर ब्याना

#### eize ezenz

# कार्यानय, सङ्गासक भागकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985 निदेश सं० अई-1/37-ईई/6200/84-85--अतः मुझे, निसार अक्टमद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने आप कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

अगर जिसकी सं ० फ्लैंट नं ० ६, जो, भंसीलाल भुवन, 73, वार्डन रोड़ बम्बई—26 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में आर पूर्ण रूप में विणित है) और जिसका करारनामा अध्यकर अधिनियम 1961 की धारा 269क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 9-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित काषार मृन्य से कम के अध्यक्षान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके अध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तह्रण से हुई किसी जाय की वावत सकत विभिन्निक के सभीन कर दोने के अन्तह्रक के खाजिए में कभी करने या उत्तने वचने में खाबिशा के लिए; भौर/या
- (क) एसी किसी नाव ना किसी भग ना जन्म वास्तिनों को, जिन्हों भारतीय नायकर निभिन्नमं, 1922 (1922 का 11) या उनत मिनियम, ना भन± कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रवादनाथ जन्ति द्वीरा प्रकट नहीं किना वृता था वा किना वाना चाहिए था, किनाने वं वृतिया संविध;

अत: अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हो, मी, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के सभीन, निस्ति जिल्हा व्यक्तियों है सभीन, निस्ति जिल्हा व्यक्तियों है

। श्री मुमताज हुसैन वत्तू खोजा।

(अन्तरक)

2. मेसर्स सिमा सिल्क एण्ड सारी।

(अन्तरिती)

अन्तरक ग्रौर येसुदास सत्यजीवम।
 (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
 सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्परित के वर्णन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बन्द बन्दरिय के धर्मन के सम्बन्ध में म्योड़ों भी आक्षेप :---

- (क) इक शूचना के उपयुष्य के मुख्यम् की ताडींच के 48 विन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिथ, जो भी जनिथ बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्प्रति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिकरण अ-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के जभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं नर्थ होगा को उस सभ्याय में दिया गया है।

#### मनुसूची

फ्लैट नं० 6 जो भंसीलाल भुवन, 73, बार्डन रोड़, बम्ब**र्ड**–26 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र॰ सं॰ ग्राष्ट्र-1/37–६६/5835/85–86 ग्रींर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिसांक 9–4–1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमदं संक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, **बस्बर्ध** 

भरीख: 9-12-1985

तहर:

# द्रक्ष्य बार्ष् डो. प्या प्रस्तानन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्ब**ई** बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

मिदेश मं० अई-1/37—ईई/6202/84—85——अतः मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं उकाम नं 6, जो, मटराज, प्लाट नं 404, जक्ष्मीतारायण लेम, मांटुगा, बम्बई—19 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप रे विजित है), श्रीर जिसका करारभामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269%, ख के अधीम, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 8-4-1985 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वर्थ से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के के लिए;

ंशतः कथः, उक्तः विधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरणः में, में, उक्कं अधिनियमं की धारा 269-भं की उपधारः (1) इ. संधीन, निम्निजितिक व्यक्तियों अर्थातः क्रम्स 1. मेसर्स मटराज बिल्डर्स

(अन्तरक)

2. मेसर्स आचार्य प्रोडक्ट्स

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियें पर अविध बाद में समाप्त हानेती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राज्यम में प्रकाशन की तारीख से 45 दिया के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>1</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### तन के ची

दुकान नं० 6, जो, नटराज, प्लाट नं० 404, लक्ष्मी-नारायण लेम, माटुंगा, बम्बई—19 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37–ईई/5894/85–86 धीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8–4–1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अम्बर्ष

नारीख: 5-12-1985

माहर:

ब्रक्य बाह्" हो , एम , एक , ------

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौं 2.69-म (1) के नभीन क्वना

#### भारत सरकार

# कार्यासय, सहायक भायकर नामुक्त (निरोधक)

अर्जन रेज-1, बम्बई

वम्बई, दिशांक 5 दिसम्बर 1985

भिदेश सं० अई-1/37-ईई/6204/34-85--अतः मुझे, निसार अहमद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इतर्वे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. सं अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 440, जो. 4थी मंजिल, शहा एण्ड महार इंडस्ट्रियल इस्टेट, ए-1, एस० जे० मार्ग, लीअर परेल, बम्बई-13 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बिणत हैं), श्रौर जिसका करारनामा आगकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 8-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझ यह विश्वास
करने का कारण ह कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल में, एसे स्वयमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती
(अंतरितियां) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पामा गया
प्रतिकत्त, निम्निविधित उन्हों स्वया वन्तरण कि स्व

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी आय की वाबत, उपस अभिनियम के अभीन कत योगे क अन्तरक का सावित्य में कमी कर्डमें मा उससे बचने तो सुविधा के सिन्द्र; बीह्र/या
- (ण) ऐसी किसी नाम ना किसी भन ना नन नास्तियों की जिन्ह भारतीय नायकर नाभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त नाभीनयम, या धन-कर नाभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंदरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना नाहए था, । उन्ह म मीन स

वर: इव, इवस विधितियन, की पास 269-य के अनुसरण में, में, उक्त विधितियम की धारा 269-य की उन्धानम (1) बे अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अधीत् ४--- मै० शहा एण्ड महार आसीसिएट्स।

(अन्तरक)

2. मेसर्स करमदास एक्सपोर्टस।

(अन्तरिती)

को वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप 🦠

- (क) इस स्पना के रायपत्र में प्रकासन की तारीय वें
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  स्चना की तामील से 30 दिन को अविधि जो भी
  विविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति ब्वारा:
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितवक्ष कियो क्या व्यक्ति ब्वारा नथोहस्ताक्षरी के वाल विविद्य में किए वा दकीने ।

स्वकाकरण: --- इसमें प्रमुक्त शब्दां आर पदों का, जो उच्छे विभिन्नियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा को उस जध्याय में विया गया हैं।

# धनुसूची

यूनिट नं० 440, जो, 44ी मंजिल, शहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-1, एस० जे० मार्ग, लोअर परेल, बम्ब-13 में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि ऋ० सं० अई-1/37-ई/5895/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी स**हायक आय**कर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज−1, **बम्बई** 

तारीख: 5-12-1985

# 

भारत सरकार

# कार्याजय , सहायक मानकर मानुक्त (निद्वीकाण)

अर्जम रेंज-1, बम्बर्ष बम्बर्ष, दिमांक 5 दिसम्बर 1985 मिदेश सं० अर्ष्ट-1/37-ईर्ष/6205/84-85---अतः मु मिसार अहमद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं - श्रीर जिसकी संज यूनिट नंज 408-ए०. जो, भायखला, सिंग्स इंडस्ट्रियल, सी० एस० नंज 711, माझगांव डिबीजन, ससेक्स रोड, भायखला वम्बई-27 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका कराणवामा आयवन अधिनियम, 1961 की

के कार्यालय में एजिस्ट्री है, तारीख 8-4-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एक्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का प्रतिफल का पंद्रह इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रथमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिचक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त क्षित्वम के क्षीन कर देवें के ब्लुएक के दावित्व के क्यी करने वा अक्त बचने में प्रविधा के सिए; गाँउ/या
- (क) होती किसी बाद वा किसी धव मा अन्य बास्तियों को, विवह मारतीय आयकर अधिनियम, 1921 (1922 का 11) या उक्ते अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिधा भी किस्तु

अत: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्री मुरली एन० दौलतरामानी, अनीता एम० दौलतरामानी श्रीर परमेश्वरी एम० दौलतरामानी (भागीदार—विल्सम इलेक्ट्रीक इंडस्ट्रीज)। (अन्तरक)

<u> - - Britania de Britania de Britania de la Composició d</u>

- श्री लीलाराम सुगनोमल गुरकानी, भगवानदास एस० गुरनानी, श्रीर दीपक भगवानदास गुरकानी। (अन्तरिती)
- 3. अन्तरकों

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह स्वना जारी करके प्रांक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

# उक्त सन्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी धविध बाद के समाप्त होती हो, को भीतर प्रविक्य व्यक्तियों में संकिसी व्यक्ति झवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाव रसम्पत्ति में हितबद्ध किसी सम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया कहा है।

## **भ्रनुसू**ची

यूनिट नं० 408-ए०, जो, भायखला सर्विस इंडस्ट्रीज सी० एस० नं० 711, माझगांव डिवीजम, समेक्स रोड, भायखला, बम्बई-27 में स्थित है।

अनुभूची जैसा कि कर संर अई-1/37-22/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

िंगसाय अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बस्बर्ष

तारी**ख**: 5-12-1985

प्ररूप बाहै. टी. एन. एव.-----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) की बधीन स्थना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक बायकर वायक (निरक्षिक)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985 निदेश सं० अई--1/37-ईई/6206/84-85--अन: मुझे, निसार अहमद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० दुकाल नं० 20, जो, तल माला, हारबर केस्ट इमारत, तुलसीवाडी, माझगांव रोड, माझगांव, बस्बई— 10 में स्थिद है (श्रीण इसने उलाबढ़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप ने विणित है), श्रौर जिसका करारकामा आयकर शिक्षित्यम, 1901 की धारा 269क, ख़ के अधीक, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 8-4-1985

को पूनोंकत संपरित के उचित नाजार मून्य सं कम के बस्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरित ही गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सस्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके बस्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा प्रतिफल निम्निलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप में कथित नहीं पाया गया है :——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की बानत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दापित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी बाय का किसी धन था जन्य बास्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती बुबारा प्रकट नहीं किया प्रया था या कि जिला जाना चाहिए था. खिलार जी प्रयोधना के प्रयोधना की किया

छत: मच, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित स्पिक्तरों, वर्षांत :---

1. मेसर्स बोनी इंटरप्राईजेग।

(अन्तर्कः)

2. मै० पिपल्म बाईन गाप।

(अन्तरिती)

को मुद्द सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां ए-रू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सुमना के राज्यन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की नवीं या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नवीं भ, यो भी नवीं बाद में समाप्त होती हो, के भीतर स्वींकत व्यक्तियों में से न्हिसी व्यक्ति दवाराः
- (क) इस स्थान के हाजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के शीतह उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितनहभ किसी जन्म व्यक्ति द्वास, वभोहस्ताकरी के पाठ तिबित में किए वा सकेंगे।

स्वध्वीकरण:---इसमें प्रयुक्त शस्यों बौर पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

दुकान नं० 20, जो, तल माला, हाश्वर केस्ट इमारत, तुलसीवाडी, माझगांव रोड, माझगांव, बम्बई—10 में स्थित है।

अनुसूची जैसा ि क० सं० अई-1/37-ईई/5897/ 85-86 स्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिसांक 8-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिनारी महायक अव्यक्त अव्यक्त (निरीक्षण) अर्जन रेजिन 1, बम्बई

हारीख: 5-12-1985

मो ":

# प्ररूप भार्षे. टी. एन. एसा.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, निनांक 6 दिसम्बर 1985 मिदेश सं० अई-1/37-ईई/6207/84-85-अत: मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृल्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 302, जो, 3री मंजिल, देव किया इमारत, प्लाट नं० 140-145, नायगाम स्कीम, गोविंदजी केणी रोड़, बम्बई-14 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रार पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की घारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 8-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का दिह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है .—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियां, अधीत् ॐ—— मेयर्स बोनी एंटरप्राईजेस ।

(अन्धरकः)

2. श्री भारायण मणिलाल रादल।

(अन्ति )

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तिस व्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लैंट नं० 302, जो, 37 मंत्रित, देव किए, इमारत, क्लाट नं० 140-145, नायगाम स्कीम, गोविंदजी केणी रोड़, बम्ब $\xi-14$  में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि करु संरु अई-1/37–ईई/5898/84–85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 8–4–1985 को रिकस्टई िया गया है।

नियार **अहमद** मक्षम प्राधिकरी महायक आयक्ष आकृत (किरीक्षण) अर्जन रीज—1, **बम्बई** 

वारीख: 6-12-1985

# प्रकप काइ.टी.एन.एव.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचनां

#### भारत सरकार

# कार्यातम्, सहायक जायकर जायका (निर्दाक्षक)

श्चर्यन रेंज⊶ा, बस्व**ई** बस्बई, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इराफो पब्जात 'त्रकत अधिनियम' ज्ञान गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

और जिमकी सं० कार्यालय नं० 422. जो, 4थी मंजिल. तुलिस्यानी चेंबर्स, नरीमन 'गाइंट, वस्वई-21 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध धनुसूची में और पूर्ण रूप ते वर्णित हैं), और जिसका कराएतमा धायकर ध्रधिन्धिम, 1961 की धारा 269क, ख के प्रशीत, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रिजस्ट्री हैं, तारीख 8-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल की लिए जंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि सथापना के लिए लंगित का उपित काजार भूग्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्यह प्रतिकात से अधिक है और जंतरक (जंतरकों) और अंतरिती (जंतरितियों) के बीच एसे जंतरण के लिए तय पाना गया प्रति-कस निम्नलिखित उद्वेष्य से उन्त जंतरण निषित में वास्तविक रूप से कथिश महीं जिल्हा नवा है हिन्स

- (क) अन्तरण में हर्ष किसी नाय की दावत, उक्त किमिनियक की अधीन कर दीने के अध्यारक की दावित्य में कमी करने या उससे सचने में मुविधा को चिए; और/बा
- (७) एँमी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तिकों की जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: श्रथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरभ में, मैं, अक्ल अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्निनिक्तिल क्रिकेटलों अधीन 38—426 GI/85 मसर्स दीपक इटरप्राईनिस।

(अस्तरका)

2. मसर्म पॉलीमेक इंजीनियरिंग इंडम्ट्रीज ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी जानंद :---

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीच सं 45 चिन की जनचि वा सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनचि , को भी बन्धि बाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इक ब्रुथना के राज्यक में प्रकारन की ठारीं से 45 दिन के मीतर उसत स्थायर नन्मिता में हिस्यव्यः निक्सी बृन्य अविस दुवारा अभाइस्ताक्षरी के याच किश्वत के विक्र का सकते।

स्पत्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त वन्यों और पकों का, भी उनक विभिन्नियम दें विभ्यात 20-क में परिभाविश ही, वही वर्थ होगा, को उस अभ्यास में दिना गया ही।

### गग्त्यी

कार्यालय, नं० 422. जो, 4थी मंजिल तुसियामी चैंबर्म, नरीमन पाइंट. बम्बई-121 में स्थित है। शनुसूची जैसा कि क० मं० शई-1/37-ईई/5903/ 85-86 और नो सक्षम प्राधिकारी बस्बई डारा दिनांक 8-4-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्राय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-।, बस्वई

तारीख : 9--12--1985 मोहर : श्रक्ष ब्राह्म .टी. एन .एन ..... आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) भारा ?69-व (1) के अभीन स्वाना

#### भारत सर्कार

कार्याक्रय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजीन रज⊶1, बम्ब**ई** चम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर 1985 निर्वेश सं० श्रई-1/37—ईई/6213/84⊶85⊸-अनः मुझे, निसार श्रहमद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिलें इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा चया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण हैं कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उपित आजार मृत्य 1.00,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी तं पर्नेट नं 603, जो, 65ी मंजिल, इ-बिंग, इमारत बिना बिना प्रपार्टमेंटस, ग्राचार्य दोंदे मार्ग, सिंघरी, बम्बई-15 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध शनुसूची में और पूर्ण रू: ने वर्णित है), और जिसका करारनामा ग्रायक्तर ग्राधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रवीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 8-4-1985

को पृथेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कह के इक्यबार प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मभ्ने यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित जातार कृत्या, उसके इक्यमान प्रतिफल के किल्ह प्रतिफल के किल्ह प्रतिफल से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकार) और बनिरती (अंतरितियाँ) के बीच एमें अन्तरण के मिन तम पाम बया प्रतिफल, निम्नितिस्त उद्देश्य में उसन अन्तरण किनित में बास्तिक रूप ने किल्ह ग्राहिक क्या में बास्तिक रूप ने किल्ह ग्राहिक क्या में बास्तिक रूप ने किल्ह ग्राहिक स्था के किल्ह ग्राहिक स्था के किल्ह ग्राहिक स्था के किल्ह ग्राहिक स्था ने किल्ह ग्राहिक स्था ने किल्ह ग्राहिक स्था ने किल्ह ग्राहिक स्था ने किल्ह ग्राहिक स्था के किल्ह ग्राहिक स्था ने किल्ह स्था ने किल्ह ग्राहिक स्था ने किल्ह स्था निका स्थ

- [का] मन्तरण मं हाई फिकी बाय की बावल, जमन जिपितयम को बाधीन कर योगे को बन्तरक को बाजित्व में कभी करने या जनने स्वासे में स्टिक्स की लिए: स्वीर/का
- (क) एसी किस्सी आग या किसी भन ए। अन्य ज नियदः!
  की जिन्हाँ भारतीय गायकर अधिनियम, 1923
  (1922 का 14) जा उक्त जिथितियम, ए। धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की
  अयोजनार्थ अन्तरिद्धाः राजतः नहीं किया गवः
  या हा किया जाना चाहिए थाः किएएने यो सुनिश्चर
  के निर्मा

लतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के जनसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) की अधीन निम्मितिवित व्यक्तियों, अर्थात् :----  श्री रमेश पी० बीशी रमेश ट्रेडिंग कम्पनी के मिलक।

(ग्रन्तरक)

2. श्री श्र-विद भीमरेह देसवर्ष ।

(श्रन्तरिती)

अन्तरक

(बह् व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को बहु सुचना जारी करके पृत्रीक्त सम्पत्ति के वर्णन के जिए कार्यवाहियां करता हु।

स्वतः सम्परितः को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी साक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी ववधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इयारा;
- (क) इस स्थान के राजधन में प्रकाशन की दारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर तस्पतिल में दिखबब्ध किसी अस्य अविक द्वारात अभीवर वासरे के पार सिक्तिन में किए का स्थीयी।

स्थानिकरणं: -- इसमें प्रमुक्त सम्बा नीर पदा का, को उपत अधिनिक्स को अध्यास 20-क में परिभाषित हैं बही कर्ण होना को उस अध्यास में विधा कहा किंग

#### n waren di

पर्नैट नं 0 603, जो, 6ठी मंजिल, इ-विंग, इमारस चिना भिना अपार्टसंट्स, श्राचार्य दीवे मार्ग, सिवरी, अम्बई— 15 में स्थित है।

शतुसूची जैसा कि क० स० श्र**र्ड**-1/37श**र्डड**/5904/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्न**र्ड** द्वारा दिनांक 8-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रह्मथ सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेजि-1, बस्बर्ष

तारीख: 6-12-1985

मोहर ::

# प्रकल जाई 😅 की 🖫 प्रकार प्रश्निक 🕶 🕬

# भावकर विधिनियम. 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के सधीन सुमना

# भारत बहुकान

# कार्यास्य, सहायक कायकर नायुक्त (निरीक्षक)

श्चर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, बिनांक ह्य दिसम्बर 1985 निर्वेश सं∘ भई-1/37-ईई/6214/84-85---अत: मुझे, निसार शहमद,

जायकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की धारा 269-च के अधीन सक्षण प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० ब्लाक नं० जीं०/3, जो, षिष्य कुटीर को-प्राप्त हाउसिंग सोसायटी लि०, वैद्य घाडी, शंकर घाणेकर मार्ग, दादर, बस्बई-14 में स्थित हैं (ऑर इसने उपाबद्ध प्रमुक्ती में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा श्रापकर श्रिधित्यम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 8-4-1985

की पृथेमित सम्पन्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दरयमान प्रतिफाल के निए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने कम कारण है कि स्थापुर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके खराबान प्रतिकल से, एसे खराबान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) अंद अंतरिती (अन्तरितिखीं) के बीच ए हे सन्दर्ण के लिए तब पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उच्त अन्तरण लिखित में बालाधिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) वन्तरक से हुई किसी वायं की वायत, उस्त विविद्यम के जंबीन अर दोरे की अन्तरक की सामिक को ककी अरने में उत्तर कवारे को स्विदा के लिए; कीर/मा
- (च) ऐसी निश्नी नाय या निसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियमः, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियमः, या धनकर अधिनियमः, या धनकर अधिनियमः, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती ब्वारा अकट नहीं किया गवा वा वा किया जाना चाहिए वा कियाने में स्विधा के शिष्ट;

अतु: जय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :--- 1. श्रीमतो प्रियदा पुरषं तम मुद्रस।

(ग्रन्तरक)

2. श्री जयंतीलाल नाथालाल मालवे और श्रीमती नर्मदावेन जयंतीलाल मालदें।

(भ्रन्तरिती)

को ग्रह श्वामा जारी कारक प्रवाक्त सम्पत्ति के अर्जन अ जिल कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप .--

- (क) इस स्वता के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख वें
  45 विभ की बनीभ या तत्त्वम्बन्धी व्यक्तियों पर
  स्वान की ताबील से 30 विन की बनीभ, को भी
  वर्षीण बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्व
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचका के समयक में प्रकाशन की बारींच के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकरेंगे।

स्थव्यीकरणः इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदी का, जो अवद अभितियम. के अध्याय 20-क में पीरमध्यित ही, वहीं अर्थ होने को उस अध्याप में दिया स्था और

## जन्मु सी

ब्लाक नं० जी०/3, जो, बिश्व कुटीर को-श्राप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, बैद्य घाडी, जंकर घाणेकर मार्ग, धादर, बम्बई-14 में स्थित है,।

अनुसूची जैसा कि कर संर अई-1/37-ईई/5905/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिलांक 8-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहंमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (िराञ्जण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 9-12-1985

प्ररूप आहू<sup>2</sup>.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंजेंेेंजेंे चर्चाई

बम्बई, दिनाँक 5 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० श्रई-1/37-ईई/6217/84-85---ग्रतः मुझे, निसार श्रहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ष्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० सी०-7/जो, विग-सी, 1ली मंजिल, नवयुग मैन्शन, नौशिर भरूचा मार्ग, बम्बई-7 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिनका करारनामा भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय सें रिजस्ट्री है, तारीख 9-4-1985

का पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान ... तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण िबिस्ति में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आव की बाबस , उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को. जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन , निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :---

 श्रीमती विमलाबेन दिनकर अवेरी श्रीर कुमारी श्रारती दिनकर झवेरी।

(ग्रन्तरक)

 श्री राघवजीभाई मानजीभाई पटेल श्रौर श्री देवजी भाई मानजीभाई पटेल।

(भन्तरिती)

3 अन्तरकों

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारास से 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर सम्मत्ति मों हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

#### अनुसूची

फ्लैट नं सी-7, जो, विंग-सी, 1ली मंजिल, नवयुग मन्धन, नोशिर भरूचा मार्ग, बम्बई-7 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि के सं अई-1/37-ईई/5808\_\_\_\_ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वान दिनाँक 9-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निनार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज−1, **बम्बई**

नारीखा: 5-12-1985

गोहरः

इक्ट नाइ . टी . युन् . एस . ------

जाजकर विधिनियक, 14661 (1961 का 43) की भाष 269-व(1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासय, तक्क्षयक जायकर जायुक्त (निर्णेक्षण)

श्चर्जन रेज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985 निर्देश स० श्रई-1/37-ईई/6228/84-85--श्चतः मुझे, निसार श्रहमद

कावकर निषिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिस्ते इसर्गे इसके पश्चात् 'उक्त निषिनियन' कहा गया हैं), की पहर 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित गणार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट तं० ए०-3/3 जो धनराज इंड-स्ट्रियल इस्टेट सन मिल रो इ लोग्नर परेल, बम्बई-13में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं (और जिसका करारतामा श्रायकर श्रीध-नियम 1961 की धारा 269क, ख के पश्रीत बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं. तारीख 10-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मून्य से कम के व्यवसान प्रतिपत्न के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिपत्न से, एसे व्ययमान प्रतिपत्न का पद्रह प्रतिक्षत में अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के निष् तय पावा गवा प्रतिपत्न निम्निविद्यत उद्देश्य से उभत बन्तरण निचित में बास्तविक रूप से कथित वहीं किया गया है उ--

- (क) जन्तरण से हुइ किशी जास की बाबत, उपल शीपनियम के सभीत कर दोने के बुश्तरक को शीवरण में कानी करने वा उससे अचने में सृविधा के किए; और/बा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1)) या उन्त अधिनियम, वा धन्-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्ध अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था वा किया भाग चाहिये था, किया में तृत्विध है जिए;

कतः अव, उक्त विधितियम की भारा 269-व की बन्धरण मो, भी, उक्त अभितियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत् :—— मेससँ भ्टिल मेहस कापॅरिणन।

(अन्सरक)

2. मेसर्स भाग्यादय मेटल इंडस्ट्रीज।

(भ्रन्तरिती)

3. भन्तरितियों

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को वह कुषमा बादी करने पूर्वांक्य कम्पटिए के वर्षन के किय कार्यगाहियां शुरू करता हुं।

उपन संपरित के भवीन के संबंध में करेंगे भी नाश्रपः :---

- (क) इत त्वना के राजपन में प्रकाशन की शारी खंधे 45 दिन की अविंश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताजीत से 30 दिन की अविंध, वो जी अविंध बाद में समाप्त होती हो, से भीनर पूर्वीक्त व्यक्तियों के से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका ते 45 दिन के भीतर सक्त स्थानर तम्पत्ति में शिवधव्य किसी अन्य व्यक्ति व्यास, अधोष्ट्रसाक्षरी के पास जिल्ला में किए का सकोंगे।

स्वाकरणः ---इसमें प्रयुक्त सम्बाँ और पदों का, जो उक्त सिंध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, उहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

यूनिट नं० ए--3/3 जो धनराज इंडस्ट्रियल इस्टेट सन मिल रोड लोधर परेल बम्बई--13 में स्थित है। प्रमुस्ती जैसा कि ऋ० मं० १६-1/37-ईई/5916/ 85-86 श्रीर जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10--4--1985 को रजिस्टई किया गया है।

> ं निसार श्रह्मद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज⊶1, बम्बई

नारीख: 9-12-1985

प्रकृष कार्षः, दर्वः, एवः एकः .....

बावकर मींपीनवस, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-प (1) के मंपीन ब्यूमा

#### नाइत बहुकाह

# कार्याचन, बहारक मानकार नातृक (किर्याक्षक)

ग्रर्जन रेंज-1 बम्बई बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985 निदण सं० ग्रई-1/37-ईई/6230/84-185----ग्रतः मुझे, निसार ग्रहमद

आयकर सिंधिनयम 1961 (1961 का 43) (चिसे इतमें इसमें प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के संधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारच हैं कि स्थापर संधीत चिसका उचित वाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से सिंधिक हैं

और जिसकी सं० कमरा नं० 10 जो दि तेजाल को-श्राप० प्रिमायसेस सोसायटी लि० 94 नारायण ध्रुच स्ट्रीट बम्बई--3 में स्थित है (और इससे उपाबद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से चणित है) और जिसका गरारनामा श्रायकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269क ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 9-12-1985

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल को निए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण हैं कि स्थाप्नेंकित संपत्ति की जीनत आधार मूल्य, उसके दश्यमान प्रितिफल से, ऐसे दश्यमान प्रितिफल का पन्त्रह प्रतिशत्त से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्निशिवित उद्देश्य से टक्त अन्तरण सिवित में नास्तिक रूप से अधिक नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/भा
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर जीधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीधिनयम, या धन-कर जीधिनयम, या धन-कर जीधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती स्पारा प्रकट नहीं किया कुछ या किया जाना वाहिए या किया में सुविधा के लिए;

अतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उप्धारा (1) के अधीन, निकासिया अधितारों, अर्थात् क्ष---  श्रीमती अनुसुषा बाई कोतीलाल पंड्या और श्री श्रर्रविद कोतीलाल पंड्या।

(ग्रन्सरक)

श्री विष्णु कुमार हरीराम रामनानी।

(अन्तरिती)

को यह तुमना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# इक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कार्ड भी वाक्षेत्र :----

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, को भी व्यक्ति वाल में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अक्षेहरताक्षरी के पास निवित्त में किए वा सकोंने।

स्वकारिकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, को उक्त व्यथिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, वहीं कर्थ होगा जो उस अध्याय में विका वसा है।

#### नन्त्वी

नमरा नं० 10, जो, दि तेजल को०-ग्रॉप० प्रिमायमेस मोसायटी लि०, 94, नारायणा ध्रुव स्ट्रीट, बम्बई--3 में स्थित है।

प्रमुक्ती जैसा कि कर संर प्रश्न-1/37-श्री/591/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्श द्वारा दिनांक 10-4-1985 की रजिस्टर्ड फिया गया है।

निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सद्दायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) गर्जन रेंज--1, बम्बई

तारी**ज:** 9-12-1985 मो**द्र:**  प्ररूप आई. टी. एम. एस.-----

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आगकर आग्वत (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-1, बम्बई

बम्ब**ई**. दिनाक 9 दिसम्बर 1985 निर्देश सं० दाई-1/37-ईई/6232/84-85---श्रत: मुझे, निसार शहसद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके श्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संव फ्लैंट नंव 5, जो, इमीरत नंव 15, शासूजंय, श्री दिंद की-श्रॉपक हाउसिंग सोसायटी लिव, 23, एतंव एसक मानकीकार मार्ग, जूनाभट्टी, सायन (पव), सम्बर्ध-22 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रमुम्भि में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ध्रधीन, बस्बर्ध स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 10-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उच्च अन्तरण लिचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एरेरी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1 श्री श्ररणिंद मणिलाल झवेरी और श्री दिलीप मणिलाल झवेरी।

(अन्तरक)

2 श्री शोधिलाल सवेरचंद पासा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिह कार्यवाहियों करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन की अविध यातरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धिकरण: --- इंसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

#### अमृत्यी

पलैट नं० 5, जो, इमारत नं० 15, महाजंद, श्री हिंद को-माप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 23, एन० एस० मन्हीकर मार्ग, जूनामट्टी, सायन (५०), जम्बई-22 में न्यित है।

ग्रनुसूची जैसा कि के० गं० ग्रई-रा/37ग्रईई/5919/ 84-85 और जो सक्षम पाधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-4-1985 को रजिस्टर्ड निधा यसा है।

> िमार श्रहमद मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजैन रेंज-रा, बस्बई

**सारीज: 9-12-198**5

. The supplications of the same of the sam

प्रारूप बार्ड . ट्वे . एन . एस . -----

वासकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य (1) के अभीन सुवृता

भारत सरकार

कार्याच्य , सहायक अध्यक्तर बाधुक्त (निर्दाक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्ब**ई** बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर 1985 निर्देण सं० श्रई-√1/37-ईई/6235/84-85--श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विका इसमें इसके पश्चात् (उनता किथिनियम क्रिय गया है), की भारा 269-च के नुभीन तक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति, विस्तका उपित गांधार मृत्य 1,00,000/- रा. से जिथक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 421. जो, 421 मंजिल कीएटिक्ह इंडिन्ड्रित मेंट : प्लाट नं० 12, सी० एस० नं० 72, एन० एप० जोशी मार्ग, श्राफ लोचर परेल डिवीजन, बैम्बई ना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, वन्नई नित्रा नहा जाजिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं। तारीख 10-4-1985

को प्वांक्त सम्बद्धित के उपित बाजार स्न्य से कम के क्याबाव प्रतिफल के लिए अन्तरित कमें वह है जीर मुक्ते वह विस्ताल करने का कारण है कि बचाप्योंक्य सम्पत्ति कम उपित बाजार क्रब उसके क्यामान प्रतिफल हो. ेसे क्याबान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और . ...रक (बन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नतिविक्त उक्व केय में उक्त अन्तरण विविध्व में अस्तरिक कम में कास्तिवक कम में कास्त मही किया नवा है अन्तर

- (क) अक्राप्त वं शुद्धं किन्दी भाव की बावछ, अक्ष श्रीप्रविध्य के अधीन कर दोने के अंतरक के वाजिल को कमी करने या स्वतं अभने को बृधिया। प्रशासन्त अपि/मा
- (क) ऐती किसी बाब वा किसी धन वा बम्ब नास्तिवों को, जिल्हों भारतीय नामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत विधिनियम, या धन-का प्रीधिनियम, 1057 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था, स्थिपण में सुविधा के निष्

अहाः अव , उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण जो , ही , अक्त विभिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) हो अभीन , निम्मनिवित व्यक्तियों , वचित हम्मा 1 भेसर्स यस्मिन कार्पोरेणन

(श्रन्तरक)

2 मेसर्स नघरंग एक्सपोर्टस

(श्रन्तरिती)

को वह क्ष्मा पारी करके पूर्वोक्य सम्मरित से सर्वन से बिए कार्ववाहियां करता हूं।

क्यत सम्मरित से मर्चन के सम्बन्ध में कोई भी भारते 地

- (क) इड् सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की अविध वा ब्रस्टम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की ज्विध, को मी बर्वांच को समान्त होती हो, के भीतर प्रवेतिक काविकारों में से किसी कावित ब्रवरक;
- (व) इस स्वना ने राजपंत्र में प्रकाशन की तार्रीय से 45 विक के बीवर उनत स्थानर संस्थित में हितनक्ष किश्री करने कवित स्वारा, नभोइस्ताकरी के पात विविद्य में किए वा क्केंचे।

# नन्य्भी

यूनिट नं० 421, जो, 4थी मजिल, कीएटिक्ह इंडस्ट्रियल सेंटर, प्लाट नं० 12, सी० एस० नं० 72, एन० एम० जोशी मार्ग, श्रॉफ लोघर परेल डियीजन, बम्बई-11 में

श्रनुसूची जैंसा कि ऋ० सं० श्र $\xi$ -1/37-\$ $\xi$ /5920/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-4-1985 को रिजस्टिटर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम श्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज--1, बम्बई

तारीख: 6~12~1985

- 1 - 1 - July Will and the same

में जिंदास्मित द्विशिक्षा

(अन्तरकः)

मं० मित्तल ट्रेडर्स ।

(अन्धरिती)

arra = 1 かけつとて 961 (1961 新 43) 新 भाग (६)-प (३) हं सधीर स्वजा

#### बारत क्रकार

कार्यालय. महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिशां ६ 6 दिलम्बर 1985

भिदेश मं० अ**ई**-1/37-**ईई**/6236/84-85--अत: मुझे, निसार अहमद,

आयकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे ध्रवमें इसके परवात 'उक्त अभिनियम' अक्षा गया हैं), की पास 269-६ के अधीन सक्षम शाधिकारों का वह विश्वान करने का फारण है कि स्भावर सम्पत्ति . विश्वका उचित बाबार बुक्ब

1,00,000/- ਲਹਮ ਕਰਿਕਾਫ਼ੀ भ्रॉप जिसकी यं० यूभिट नं० 13, जो, बेसमेंट, क्रीएटिव इंडस्ट्रियल मेंटर, प्लाट नं० 12, मी० एस० नं० 72 एम० एम० जोशी मार्ग, आफ लोवर परेल डिवीजन, बम्बई-11 में स्थित है (ग्रांर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रार पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रोर जिसका कराज्यामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित अक्षम प्राधिकारी के कार्याक्य में अजिस्दी है, नारीख 10 - 4 - 1985

क्षा पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम से कम स्रथमान ातिकल के निए अन्तरित की गई ही और मुझे यह विश्वास करने अरण है यह पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य, उसके भग्यमान प्रतिफल से, एसे इध्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत ं अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया **ीत**फल निम्नलिखित उद्दोश्य से **उ**क्त **अं**तरण लिखित में शस्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क, बन्दरण सं होहें रेक्सिंग नाय का नामल, उनस श्रीपनिदय के अभीन कार दोन के अन्तर्क के दहिंबल्ब में कारी अन्ये या समझे बचने में शक्तिस
- (अप) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आ। स्त्या को, भिन्हें भारतीय क्षाय-का अभागयम, १०७७ ं1922 को 11) या उन्ते अधिनियस, शर बन-कार कॉन्सीनयम, 1957 (1957 टा 27) क प्रयोजनार्थ अंतरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अपना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अयः, उत्रतः अभिनियमं की धारा 260-ग हो अनस्रण मों, मी, जात अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के शामित क्रिकालियान व्यक्तियों, अर्थात् :--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्सि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हा ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इन सुचना व्हें राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 4.5 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियो पर मुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, मो भी अविभ बाद मां समाप्त हाती हो, के सीतर पूर्वीक्स व्यक्तियां ये से किसी व्यक्ति दकारा,
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उच्चत स्थावर मधित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

## नम्स्पी

युनिट नं० 13, जो बेंसपेंट, ऋीएटिव इंडस्ट्रियल सेंटर, प्लाट नं 12, सी० एस० न० 72, एन० एम० जोशी मार्ग, आफ लोवर परेल डिवीजम, बम्बई-11 में स्थित

अन्यूची जैसा कि फ्र॰ सं॰ अई-1/37-ईई/5921/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिसांक 10-4-1985 की रिजिस्टई किया गया है।

> भिसार अहमद सजम प्राधिकारी सहायक आयक्तर अ।युक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-1, बम्बई

तारीख: 6-12-1985

मोहर:

39-426 GI/85

प्रकृप वार्ती की एस.एक 🕟 😁

**आयकर अधिनियम**, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचल

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बस्बर्ष, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निदेश मं० अई-1/37-ईई/0238/84-85--अन: मुझे, निसार अहमद,

भावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (फिसे इसमें **इसके परचात् 'सक्त अधिनिषम' कहा गया है'),** की भार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास हरने हा **कारण हैं कि स्थावर सभ्यक्ति, शिसका उक्ति** वीपार सम्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं।

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 3, जो, 1ली मंशिल, प्रशट नं० 250, सायन कोलीवाडा रोड, कोलीवाडा स्टेशा है पास, सायल (पूर्व ), अम्बर्ध-32 में स्थित है (श्रीर इतके उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं). भ्रार जिसका करारभामा आयकर अधिनियम, 1961 की धाण 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 10-4-1985

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उण्यत बाबार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उपनिध पायाप ब्रूच, उपके क्रममान प्रतिकत से, ए'से क्रयमान प्रतिकत का **पन्त्रह प्रक्तिग्रत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों**) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गगा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित से बास्राविक रूप से कथित नहीं किया गया ह :--

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाद की दायत, **अधिनियम के अधीन कार दाने** एउ अंतारक अर दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए, और/मा
- (बा) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आवकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या भन-कार विभिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं (५८) **गमा था या किया जाना चाहिए था**.. कियाने पं मिष्ण के नियः

**बर्ध: अब**् **उथरा अधिनियम की धारा** 269-ग क असभरण र्ग, मी, अल्प्स अभिनियम की भारा २६५-घ का उपकार ()। के अधीन, निर्म्तालिखत व्यक्तिया, अधीत :--

ाधिकार पुरा र प्राचीर वर्षी और श्री जी के॰ जम्()

(अन्तरक)

्ड और उटा प्रमादिस्य गहा ।

(भ्रन्तरिती)

क्षा वह स्थान। जारी कारके पूजीनत सम्मत्ति के नर्जन के निष् ार्थनाव्यक्ष**े कारता ह**ो।

# उन्नर सम्पर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप ह----

- (क) इस स्वानाक राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर मुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी वर्वा व वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (६) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति वृवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास् लिकित में फिये का सकेंगे।

ल्यब्दिकरण:---इहमें प्रयक्त शब्दी और पदी का, जो उबर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिर हीं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विधा रामात्र हैं

#### अनुसूची

फ्लैंट नं० ३, जो, ाली मंजिल, प्लाट नं० 250,, सायप कोर्नवाडा रोड कोर्नवाडा स्टेशन के पास सायन (पूर्व) बम्बई-22 में स्थित है।

ानुभूची जैसा कि कि० सं० अई-1/37-ईई/5923/ 85-86 श्रीर जो नक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-4-1985 को रिजस्टई िया गया है।

> निसार अहमद अक्षम प्राधिकारी महायक आयक्तर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज-। बम्बर्ड

तारीख: 5-12-1985

महर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

and the commentation of the second control of the c

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आय्वत (निरीक्षण) अर्जन रेज-१ अस्वई

बम्बई, दिनों ह 6 विवस्पर 1985

सिदेश सं० अई--1/37-ईई/. 239/84--85--- गाः मुक्तेः, मिसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-त्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी के। यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव यूणिट नंव 12 जी बेर्सिट (क्रिएट्व इंडस्ट्रियन मेंटर प्लाट तंव 12 सीव एसव नंव 72 एसव एसव गामी नामी आफ लीवर परेन डिरीज्या बम्बई—11 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबड अनुमूची में और पूर्ण को में विणित है) श्रीर जिल्हा उरारमामा आयकर आधिनयम 1961 की धारा 2696 ख के अधीम बम्बई स्थित संक्षम श्रीधियारी के अधीनय में अधिस्ट्री है तारीख 10-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीचत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीचत बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण मीं, भीं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (।) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 1. मेलर्स यस्मिम जापरिशम

(अन्तरक)

2. मै० परेश ट्रेडर्स

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि यातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी शन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्थष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कं में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्स्ची

यूनिट नं 12 जो बेसमेंट किएटिय इंडस्ट्रियल सेंटर प्लाट नं 12 सी एस नं 72 एम एम जोशी मार्ग, आफ लॉवर परेल डिवीजभ बम्बई—11 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि से अई-1/37-ईई/6239/ 85-86 श्रीर जो पक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-4-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> िषसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज्∽1. अस्बई

साराण्ये: ०--12- 1985

प्ररूप आई. दी. एन. एस.-----

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ के अधीन स्चना

भारत सरकार

काक्तलक, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिशांक 5 दिसम्बर 1985

निदेश सं व अ**ई**-1/37-ईई/0245/84-85--अतः, मुझे, निसार अहमद

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीण जिसकी साथ यूषिट नं बारा 100, जी, अथी मंजिल, असहा एएड वहार इंडिस्ट्रियल इस्टेंट, ए-1, एउ० जे० सार्ग, लोअर परेल, बस्वई-13 में (स्था) हैं (श्राण इसके उपाबद्ध अनुसूची में श्रीण पूर्ण कप से विणित हैं), श्रीण अपाबद्ध कराएसामा अस्मर्गण अधिक्यम, 1951 की धारा 269%, ख के अधील, बस्बई स्थित एक्षम प्राधिपारी के कार्यालय में रिजिस्टी हैं, वारीख 10-4-1985

को पूर्वेक्ट सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखिल उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक स्प से किथत नहीं किया गया है:—

- (कां) अन्तरण से हुई किसी स्प्य की बायत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीर व्ययकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269 ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नोहरिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1 में० शाहा एण्ड वहार जानां अपूर्य ।

(স্বস্ক্র

2. मै० क्लिक किएपस

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचा की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपक मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दृतरा अक्षाहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा तकेंगे।

स्पष्टोकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्स्ची

पूजिट ते० 4:0, जो, 4को मंदित, घहा एड अहार इंडस्ट्रियल इस्टेट, ए-1, एप० ते० पार्ग, लोका परेत, बम्बई-13 में स्थित है।

लनुष्यी जैसा ि क० स० अई-1/37-ईई/5927/ 84-85 ब्रीर जो उक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिशीक 10-4-1985 को रिजस्टई जिया गया है।

> लियार अहमद रुजम गांविकारी यहायक जायकर जापुनर (सिरीक्षण) अर्जीय रेज—), बम्बई

नारीख: 5—ग2—1985

प्ररूप बाइ' टी.एन.एस. ---

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-भ (1) के अधीन स्थना

#### मार्ड सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई

बमबई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

शायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं, की धार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को गह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं यूनिट नं 409, जो, 4थी मंजिल, शहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट, ए-1, एस० जे० मार्ग, लोप्रर परेल, बम्बई 13 में स्थित है (और इसते उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप ने चिंगत है), और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम; 1961 की धारा 269क, ख के अधीत, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है. तारीख 10.4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित राजार मृत्य से कम के दश्यमार जितकल के लिए अन्तरित को गई हैं और मुझे यह विद्यास उसे का कारण हैं कि यथापूर्वोचल सम्पत्ति का उचित शजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरिक के लिए तथ पामा गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में दास्तिक रूप से अधिक महीं किया गया है 3—

- (क) अलगण से हुए किसी अप की वासत, उक्तः अधितियम के अधीन कर दाने के सन्तरक के वासिर अंकशी करने या उससे वचने में स्विकः के जिए; और/मा
- (स) एसी किसी आय या किसी अब्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जारच प्राथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधोधनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिषाने में सविधा खे बिए;

कदः बब, उक्त जीधीनयम की धारा 269-प के जनसरण भें, में उक्त अधिनियम की धारा 260-ए की उपधारा (1) के बधीन, निम्नीनिधित व्यक्तियों, वर्षीकः— 1. मै० शहा एण्ड नहार एसोसियेट्स।

(अन्तरक)

2. मेसर्स वन प्लस वन क्रियेशन्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षोपन-

- (क) इस स्वमा के शाजपत्र में प्रकाशन की तारींच ते 45 दिन की जबिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना कै राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा नधोहस्ताक्षरी के शक्ष निस्ति में किए वा सकने।

स्पष्टिमिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

यूनिट नं० 409, जो, 4% मंजिल, यहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट, ए-1, एस० जे० मार्ग, लोग्रर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्र $\xi$ -1/37श्रई $\xi/5928/85$ -86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 10-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (नि**री**क्षण) श्रर्जन रेंज-1, **बम्बई** 

तारीख: 5-12-1985

The state of the first own contract

नायकार अधिक्रियम. 1961 (1961 का 43) का भाषा 269-म (1) के अधीन सुमना

PROFE DATE

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोजना, अम्बद्ध अर्मवर्द्ध, विनोदा ४ तिसम्बर्ग 1985

निर्देश सं० श्र $\hat{\mathbf{z}} = 1/30$ ्ष्रीं $\hat{\mathbf{y}} = (4.0)\mathbf{y} + (3.5) + (3.5)$  सुने, निमार श्रष्टमद,

आपकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमं शब्द परमान् 'उन्त अधिनियम' कहा गया ह"), की भार 269-द अधिन सक्षम प्राप्तिकारों को, यह निक्कास करने क कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उदिल बरकार मृत्य 1:00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मंं यून्टि नं 438, जा, यो मंजिल, शहा एण्ड नहार इण्डल्ट्रियल स्टेट, ए.-1, एस० जे० मार्ग, लोग्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित है (अंदि इसने उपायड़ श्रनुसूबी में आर पूर्ण रूप म विणित है), और जिसका करारनामा श्रायकर जीवी-दाम, 1961 की घरा 269क, ख के श्रजी।, बम्बई स्थित संजम मोजिवारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 10-4-1985

का पृथांकत सम्मास के उपसत नाआर मूस्य त कम के अध्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापविक्ति सम्प्रीत का उचित नाआर मूल्य, उसके इध्यमान प्रतिकल सा, एस दश्यमान प्रतिकल का पद्ध प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नितिस्त उद्वेष्य से उक्त अंतरण निम्सित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संहुई किसी आयं की बाबत, उक्त बीधीन्यम् कं अपूर्त कार या के बुन्द्रक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के मृत्या, कार्यक
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्त्यों का, अन्द्र भारतीय बायकार जीपानयम, १९८० (1922 का 11) वा जारत आयिवयम, या अनकर महिन्दुम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोखनाथ सन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भूगा था या किया आना बाहिए था कियाने में बुविधा में सिए;

अतः अत्र अव्य अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण अर्ज, भी जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ब्रोकाधीय निकालिकत व्यक्तियों, अर्थात् ्र— ा. भै० यहा एण्ड नहार एसाभियेट्स।

(भ्रन्तरक)

भसर्थ खेलि इंटरप्राईनेस।

(ऋन्तरिती)

का यह स्वाम जारम कारङ प्रश्नेक्ष सम्माल के वर्णन के प्रिष्ट कार्यशाहिमा करता हो।

# सक्त सम्मत्ति के वर्धन के सम्मन्ध् में कोई मी नाकोष्

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूजना की तारीख से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकरेंगे

स्पष्टीकरणः -- इसमाँ प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क माँ परिभाषित । है, बहुाँ अर्थ हांगा को साम कालाय में विकास

# बन्स्ची

यूनिट नं. 438. नं।, नथी मंजिल, महा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट, ए⊣।, एन० जे० मार्थ, लोग्नर परेल, बम्ब**र्थ**-13 में स्थित है।

श्रतुमूर्च: जैसा कि कि मि श्रिक्ट  $\sqrt{37}$  श्रिक्ट  $\sqrt{37}$  श्रिक्ट  $\sqrt{37}$  श्रिक्ट किया गया है।

निसार श्रह्मद सक्षम प्राधिकारी सहायक शायकर श्राधुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1, बम्बई

 $\mathit{FRF}(\mathrm{GL}) / (5-1) \mathbb{Z} + 1.985$ 

माहर 🖫

THE REST OF SECTION

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० ग्रई  $\cdot 1/37$ -ईई $/6248/84 \cdot 85 \cdot \cdot \cdot \cdot$  प्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

बोर जिसकी सं यूनिट नं 403, जो, 4थी मंजिल, हिंद राजस्थान डिपार्टमेंटल सेंटर, 95, फालके रोड, दावर, जनवई 14 में स्थित हैं (और इससे जनवद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा ब्रायकर ब्राधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ब्रायीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय हैं एजिस्ट्री है, तारीख 10-4-1985

को प्वास्ति सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्के यह जिल्लास करने का कारण हैं कि अधापुनेक्ति तम्पति का उपितं बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अंतरितियाँ) के दीच एसे अंतरण के लिए तय पाया मया प्रतिफल, निम्निचितित उद्दृश्य से उनत अन्तरण निश्वित यो वास्तविक स्था से बरिश्त नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अजीन यह देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे देवने में मिलिया के लिए। और/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य नारित्यों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर निधित्यन, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या धनकर निधित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ जन्तरिसी इनास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियान में सुनिधा ले. निधः;

अत: अब, उक्त अधिनियम भी धारा 269-ग के अनसरण हैं, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) है अधीग, निम्नितिश्वित इयक्तिस्तारों, अर्थात् :--- इ. विसर्व च्योगोर्ड एड्राइडियर्ड ग्राहानेट **लिमिटेड**)

(अन्तरक)

2. मसर्ग लिकोसा आहे।

(ग्रन्तरिती)

3 अन्तरकों

(बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

की यह सूचना जारी करके प्वॉक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिष् कार्यवाहियां करता हूं।

तकत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कार भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्री में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अगिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उदत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा क्योहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वयक्तिरक: - इसमें प्रयुक्त सन्यों नार गया का, जो उक्त अधिनियम के जध्याय 20-क में परिभाषित है वह अर्थ दृश्या जो उस नध्याम में दिया

## ग्रनुसुची

युनिट नं 403, जो, 44% मंजिल, हिंद राजस्थान डिपार्टमेंटल सेंटर, 95, फालके रोड, दादर, बम्ब $\mathbf{\xi} - 14$  में स्थित है।

यतुनुत्री वैसा कि क० सं० प्रई-1/37-ईई/5929/85-86 और जो रोजम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

िसार यहमद सक्षम प्रधिकारी महातक आयकर आयुक्त (िरउक्षण) यर्जन रेंज-1, बस्वई

तारीख: 9-12-1985

प्ररूप आहें. टी एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

## भारतं सरकार

कार्यालर,, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-क, बम्बई ्याई, सिक्षंत्र 9 विसम्बर 1985

निदेश मे० **गई-ा/**37म**ईई/6250/84-85---**श्रतः मुझे, शिमार श्रहमदे,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. में अधिक हैं

और जिसकी सं फर्नेट हं 10, जो, ए-चिंग, न्यू गिरीण अपिटिसेटम, पाटिल लें चूनापट्टी, बम्बई-22 में स्थित है, (और इसने उपानद धनुस्नी में और पूर्ण रूप में चिंगत है), और जिसका करार प्राप्त अपकर प्रधिष्यम, 1961 की धारा 269क, प्रके प्रतिन जम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में राजिम्ट्री है, तारीख 10-4-85 भने पूर्वोंकत सम्पत्ति के जिन्त बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई िकसी बाब की बाबछ, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के जन्मरक को पावित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का ½7) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नोनिक्त व्यक्तियों, अर्थातः :—  श्री तिसूचित का का पूर्व और अंकित मारवाबाई बार नुषा।

(अन्दरक)

2. श्री जीव जीनेफ

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्यक्तित सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करला हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मा कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्**बब्ध** किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखिन में फिए जा सकेगे।

स्यव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त अक्षां और पदों का, जो उक्त अधिनियम, क अध्याय 20-क में परिनाचित हैं, बहुी अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फलैंट नं० जो 10, जो, ए-विंग, स्यू गिरीण श्रक्षार्टसेंट्स, पाटिल लेन, चुनाश्ही, बाब $\xi$ -22 में स्थित है।

अनुमूची जैसां कि कर संर यई-1/37अईई/6250/ 85-86 आर जा सक्षम गाधिकार, यम्बई द्वारा दिलेक 10-4-1985 का रॉजस्टर्ड किया पदा है।

> िसार अहमद सक्षम प्रधिकारी । सङ्गाला आल्कर प्रायुक्त (जिस्क्षण) धर्जन हैंगेरा, बस्बई

ग्रारीख: 6~12~1985

महिर:

प्रस्य बाह्र . टी. इन. एड.------

# भायकार विभिनियम, 1961 (19**61 का 43) की**

# भारा 269-म (1) के जभीन सूचना भारत परकार

# कार्यासय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1. बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निदेश सं० श्र\$-1/37-\$\$\$/6257/84-85---श्रतः मुझे,निसार श्रहमद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने आ कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृश्य 1.00,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी मं० फ्लैट नं० 18, जो, 4थी मंजिल. दातृहव इमारत, नायगाव कास रोड, दादर, बम्बई—14 में स्थित है (और इससे उपाबड़ श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के स्थित, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कायलय में रिजस्ट्री है, तारीख 10—4—1985 को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का अधित का प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए स्थ किया गया प्रतिफल, निम्नितिश्वत उद्देश्य से उक्त अंतरण किया गया प्रतिफल, निम्नितिश्वत उद्देश्य से उक्त अंतरण किया गया प्रतिफल, निम्नितिश्वत उद्देश्य से उक्त अंतरण किया गया प्रतिफल, निम्नितिश्वत प्रदेशिय से उक्त अंतरण किया गया से वास्तिक रूप से किथत महीं किया गया है .——

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उकत अधिनियम के जधीन कर बीने के अन्तरक के शिवित्य में कमी करने या तसमें बचने में मूर्तिलया के लिए: जीर/बा
- एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य शास्तियां को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1902 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, यो भन्न कर अधिनियम, यो भन्न कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सिवधा के लिए।

बत: जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ए के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की जबधार. (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अधीन:—

1. श्री अयंत रामचन्द्र वालावकर।

(भ्रन्तरक)

2. श्री रघुताथ गोविंद नाईक।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्चला जारी करके पूर्वोक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उसत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी गाओप :----

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकातन की तारीक् से 45 दिन की नवीं या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
- (क) इस सूचना से हायपम के प्रकादन की वारींस से 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास निवित में किए जा सकरेंगे।

स्वष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याव में दिया गया है।

## नन्स्ची

फ्लैट तं० 18, जो, 4थी मंजिल, दातृत्व हमारत, नायगांत्र फ्रांस रोड, दादर, बम्बई-14 में स्थित है। ग्रानुसूची जैसा कि फ्रं॰ सई-1/37—ईई/5842/85—86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 18-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निपार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रोज--1, बस्बई

तारीख: 5-12-1985

मोहरः

प्रारूप आहाँ टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के मधीन सचना

भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक भायकर काय्वत (निरीकाण) श्रर्जन रेज-1, बस्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निवेश सं० ग्रर्ड-1/37-ईर्ड/6258/84-85---ग्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिवः है

ग्रीर जिसकी सं० पलट नं० 10, जो, 3री मंजिल, प्लाट नं० 250, सायन कोलीवाडा रोड, सायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से यणित है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि-नियम, 1961 की धारा 2695, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित एक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 18-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के स्वयं ना प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनसरकों) जौर अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिसित सं अपनित्य से उस्तरिक स्तरितियों है स्त

- (फ) अन्तरण स हुद्दां किसी प्राय को नाबात, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने को अंतरक को दायित्य मो कमी करने या उससे बचने मों सुविधा को लिए; गौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अस्य वास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अरा: अष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) फें क्षीय, विकास किल व्यक्तियों, अ**धीत**ः—

- श्रीमती कुमुम के वर्मा ग्रीर श्री खी के वर्मा।
- 2. श्री मुभाष चुनीलाल सहा श्रीर चुनीलाल शजेठालाल शहा।

(भ्रन्तरिती)

को यह \सूचना जारी करके पृजीकत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां जुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति ह्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की सारीस सं 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पक्कीकरण:---हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत बिधिनियम. के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्स्ची

फ्लैंट नं० 10, जो, 3री मंजिल, प्लाट नं० 250 सायन कोलीबाडा रोड, सायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित स्थित है।

मनुसूची जैसा ि कि सं मर्ह-1/37मईई/5843/85-89 प्रीर जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रह्मद यक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्म (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-1, अस्बई

नारीखा: 5~12-1985

मोहरः

प्रकर्पः नार्षेत् टीतु एन्। एस्तु ०००००

नायकर विभिन्नियम, 1961 (19ज का 43) की पारा 269-न (1) के अधीन सुचना

#### NING GROOM

कार्याजयः, सहायक नायकर नाय्रक (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज्या, बम्बई बम्बई, दिनांक् 5 दिसम्बर 1985

निवेश सं० श्रई-1/37-ईई/6259/84-85--धतः मुझे, निसार श्रहमव,

नायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त मिथिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 8, जो, 3री मंजिल, प्लाट नं० 250, सायन कोलीवाडा रोड, सायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबब ग्रनुसूची में ग्रीरं पूर्ण रूप से विजत हैं), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, मारीख 18-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखिर में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरक से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन, कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) जन्तरक से हुर्इ किसी आय की बानत, उक्त की, जिन्ह भारतीय र यक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्क अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधाजमार अधारती द्वार अक्ट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ्सम, जन्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, मं, उन्नत अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिंखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- श्रीमती कुसुम के० वर्मा ग्रौर श्री रिव के० वर्मा। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री नितिन के० शहा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्णेक्त संपृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बद्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपथ माँ प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद माँ समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में में किसी स्परित्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरा के पाक निकास में किए जा सर्कोंगे।

स्यव्यक्तिरण:---इसमे प्रयूक्त शब्द और यहाँ का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं स्थानांश अध्याय में दिसा गया क्री

#### बनसची

प्लैंट नं० के, जो, 3री मंजिल, प्लाट नं० 250, सायन कोलीवाडा रोड, सायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित है।

श्रनुभूची जैसा िक ऋ० सं० श्रई-1/37-ईई/5849/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-4-1985 को रिजस्टिंड किया गया है।

निसार श्रहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)
श्रजन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 5-12-1985

प्ररूप बार्ड.टी.एन.एस.-----

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) को अभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (रिरीक्षण) म्रजन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निवेश सं० प्रई-1/37-ईई/6260/834-85-प्रतः मुझे, निसार प्रहमद,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनिम' कहा गया हाँ), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिल्लास करने का कारण है कि स्भावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्ब

1,00,000/- सः. सं **अधिक ह**ै

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 7, जो, 2री मंजिल, प्लाट नं० 250, सायन (पूर्व), सायन कोलीवाडा रोड, बम्बई-22 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावक ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधि-नियम, 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 18-4-1985

को पूर्वीयत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यशापुर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाता गया प्रतिफल निम्नलिकित उब्बदेग से उक्त अन्तरण निकित में शास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/बा
- (ब) एंसी किसी माय का किसी भन या अन्य जास्तियां को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुबारा प्रकट नहीं किया गया भाया किया जाना चाडिए भा, जिनाने में स्विभाके चिद्र।

वरा: अब, उक्त विधितिकम की भाषा 260-व के अनुसदन वें, में, उक्स विधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के वधीन, निम्नीविश्व व्यक्तियों, वर्धात :---

- 1. श्रीमती कुसूम के० वर्मा घौर श्री रवी के० वर्मा। (ग्रन्तरक
- 2. श्री किणोर ग्रमरतलाल घोलानी ग्रौर श्रीमती चेतना किशोर घोलानी।

(भ्रन्धरिती)

को यह सुचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 4.5 दिन की अविधिया तत्संबंधी भ्यक्तियाँ पर सुचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ववारा, अधाष्ठस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्यीकरण:⊶-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

# अनुसूची

पर्लौट नं० 7, जो, 2री मंजिल, प्लाट नं० 250, सायन कोलीवाडा रोड, सायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित

श्रन्**सूची जैंसा कि ऋ० सं० ग्राई**∼1/37श्र**र्द्ध**/5845/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार महमद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख: 5-12-1985

प्रकृष बाही हो , एत् , एव . ------

नामकर निधनिस्म, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नधीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्याक्य, तहायक वायकतु वायकत (किरीक्क)

अर्जम रेंज~1, बम्बई

बम्बई, दिमांक 5 दिसम्बर 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/6261/84-85--अत: मुझे, निसार अहमद,

नायकर क्षिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका सचित वाचार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्राँर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 6, जो, 2री मंजिल, प्लाट नं० 250, सायन कोलीवाडा रोड, सायन (पूर्व), बम्बई—22 में स्थित है (श्राँर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्राँर पूर्ण रूप से विणित है), श्राँर जिसका करारनामा आयकर अधिन्तिमा, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टर्ड किया है तारीख 18-4-1985

करे पूर्वे अप सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,, उक्षके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रिश्चित से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- [%] धन्तरच श्रं हुई किली क्रम लेक्स क्रिक अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा अस्तर, कोर या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किल्ले धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इंगनरा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिये था, खिपाने में सुविधा की किए;

सत: अब, उक्त अधिनियर की धारा 26. से अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नीलिसित व्यक्तियों, अधीत् क्ष---

- 1. श्रीमती कुसुम कें वर्मा ग्रीर श्री रवी के वर्मा। (अन्तरक)
  - श्री प्रमोद अमरतलाल घोलानी ग्राँर श्रीमती भारती प्रमोद घोलानी।

(अन्तरिती)

को बहु स्वना कारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के वर्णन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत संपत्ति के वर्जन के संबंध में कीई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राज्यन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की नवींच वा प्रसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की नवींच, वो भी ववींच वाद में समान्य होती हो, के भीत्र प्रवित्त व्यक्तियों में से (') भी व्यक्ति बुदारा,
- (क) इस सूचना के राजपुत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावृद सम्पत्ति में हितबबुध किसी जन्य व्यक्ति ब्वास अधोहस्ताक्षरी के पान निवित्त में किए का सकर्षि ह

स्यव्यक्तिरण : ----इसमें प्रयुक्त झन्यों और ययों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हारेगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## श्रनुसूची

फ्लैट नं० 6, जो, 32री मंजिल, प्लाट नं० 250, सायन कोलीवाडा रोड, सायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईईझ/5846/ 85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> मिसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 5-12-1985

प्ररूप आहं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्मना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिमांक 5 दिसम्बर 1985

ं निदेश सं० अई-1/37—ईई/6262/84—85—अतः मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें गक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट तं० 5, जो, 2री मंजिल, प्लाट नं० 250, सायन कोलीवाडा, सायम (पूर्व), बम्बई—22 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), श्रीर जिसका करारकामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीम, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 18—4—1985

कां पूर्वोक्त संपत्ति कें उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लए सय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वदेश से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (फ) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिरियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—-

- 1. श्रीमती कुसुम के० वर्मा श्रीर श्री राव के० वर्मा। (अन्तरक)
- 2. श्री भूपत अमरतलाल घोलानी ग्रीर श्रीमती नयना भूपत घोलानी।

(अन्त रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

पर्लंट नं० 5, जो, 2री मंजिल, प्लाट नं० 250, सायभ कोलीवाजा, सायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/5847/ 85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिशांक 18-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 5-12-1985

प्ररूप माई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जम रेंज-1, बम्ब**ई** बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985 निदेण सं० अई-1/37-ईई/6263/84-85--अतः मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमं कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रांर जिसकी संव पलैट नंव 9, जो, 3री मंजिल, प्लाट नंव 250 तायत क लीवाडा रोड, सायम (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित है (श्रांर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रांर जिसका करारभामा आयकर अधिभियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 18-4-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से एसे द्रायमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वदेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की आबत, उक्त कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीक निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- 1. श्रीमती कुसुम के० वर्मा श्रीर श्री रवी के० वर्मा। (अन्तरक)
- श्री किरीट कुमार चुनीलाल शहा ग्रींर दक्खा किरीटकुमार शहा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद यें समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजक्त्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरणं:---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नन्स्ची

पर्लंट नं० 9, जो, 3री मंजिल, प्लाट नं० 250, सायन कोलीवाडा रोड, सायम (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/5848/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिशांक 18-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयेकर आयुक्त (किरीक्षण) अर्जन रेज-1, बस्बर्ष

तारीख: 5-12-1985

मोहर 🕫

# प्रकल भाइ . टॉ.. एक , एव , अ - - ⊦---

# नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) भी भाग 269-म (1) के नभीत स्पना

#### भारत सहस्राह

# कार्यालय, सहायक अध्यकर आयुक्त (जिरीक्रण)

अर्जभ रेंज--1, जम्बई

बम्बई, दिशांक 5 दिसम्बर 1985

निदेश मं० अई-1/37—ईई/6269/84—85—अतः मुझे, निसार अहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) विचे इसमें इसके परचार 'उसत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- सः से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० जी०-1, जो, तल माला, रामन स्मृति को-आप० हाउसिंग मोसायटी, सिक्का भगर, जी-वलाक बी० पी० रोड बम्बई-4 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है) श्रीर जिसका करारभामा आयकर अधिभियम 1961 की धारा 269क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख, 18-4-1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के द्वरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके द्वरमान प्रतिफल से एसे द्वरमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्निजिति उद्देश्य से उच्त अन्तरण निजित में बास्तिवक रूप से कियत नहीं किया नया है है---

- (क) अन्तरण संहुई फिसी आय की बायक, उक्त बिधिनियम के बधीन कर दान के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिभा के लिए खाँद/या
- (क) एसी किसी जाय वा किसी धम वा जन्य बास्तिवी को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुनिधा के जिए:

कतः अव, उक्त जिनियम की भारा 269-न की जन्दरक को, मी, अक्त जिमिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीर, निस्निनियित व्यक्तिये वधाँच क्षान्त 1. श्रीमती लाडूबेन डायाभाई पटेल।

(अन्तरक)

श्री भटवरलाल पूरुषोत्तमदास पटेल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथोंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरु करता है।

क्या सन्पत्ति के वर्षम के सम्बन्ध में कोई भी क्षाओप :---

- (क) इस स्थान के राखपण में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की सबिध. या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीख से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितकों में से किसी स्थित ध्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी कर्न 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति इवार्य अधोहस्ताक्षरी के पाव निवित्त में किए वा शकों गे।

स्वच्छीकरण — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पद्यों का, जो अक्त जिमिनियम, के जभ्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अभ्याय में विया गया है।

## अनुसूची

पलैंट नं० जी०--1, जो, तल माला, रामन स्मृति को-आप० हाउसिंग सोसायटी, सिक्का नगर, जी--∞लाक, बी० पी० रोड, बम्बई--4 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अई-1/37-ईई/5852/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-4-1985 को रजिस्टर्ड िया गया है।

निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बस्बई

नारीय: 5-12-1985

# शक्य वाद<sup>्</sup>रते एव प्रा<sub>व</sub>्यक्षा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पररा 269-थ (1) के अधीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज I, बंब $oldsymbol{\xi}$ 

बम्बद्ध, दिनां क 6 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० अ**६**-1/37-**६६**/6275/84-85—अत: **मुझे,** निसार अहमद,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भ्रीर जिल्लाकी सं० प्लाट नं० 21, जो प्रेम कुटीर, 177, सायम (पूर्व), बम्बई है लथा जो बम्बई-22 में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित है), भ्रीर जिसका करारनामाम आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिशांक 19-4-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के हरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्च सम्पत्ति का अधित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह बद्ध प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) नम्तरम ने इ.इ. फिजी बाय की बायस, स्वस्त् निर्मित्रम के स्पीत कर दोने के अक्टरफ के बाबित्य में कनी जरने का उचले स्थाने में स्विधा के लिए; और/या
- (अ) एसी किसी बाब सा किसी वन वा जन्य बास्तिकों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर सिभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त सिभिनयम का धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 41----426 GI/85

(1) श्री नारी डी॰, मिरचंदानी।

(जन्तरक)

(2) श्रीमती सुक्षिल गोपालकृष्णन श्रांर आर० गोपालकृष्णन ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितीयों।

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी स्पवित इवारा;
- (अ) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वितवृष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्यक्षीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्वा है।

# अन्स्ची

प्लाट नं० २६, जो प्रेम कुटीर, 177, सायन (पूर्व), वं**बई-**22 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37ईई/5857/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 19-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> िनार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज I, बम्बई

ता**रीख**:6-12-1**985** 

प्ररूप भार्षः. टी. एन. एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- थ के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

**कार्यालयः, सहाय**क आयकर आयु<del>क्त</del> (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनां ह 9 दिनम्बर 1985

निर्देश रां० आई-1/37/ईई/6277/85-86-अतः मुझे मिसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वांस का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 1.,00,000/- रु. मे अधिक है

क्रीए जिज्ञकी संरुप्ताट नंरु सीरु 3, जो, बनाए, ए, मिल मेगरा, प्राप्ट नं ० 2939-बी, स्कीप सं० ८, रोष्ट नं० 🗥 5, तया (१), बनाई-22 है तथा जो बम्बई-23 में स्थित है (फ्रीं: इतके अध्यक्क पन्भूची में फ्रींट पूर्ण म्या : वर्णित है), श्रीप चिक्रिक क्षार्थका आयक्ष अजिल्लिस्स, 1931 की धारा 239 5 का बेरनजीन बम्बई स्थित उक्षम प्राधिकारी के लयनिय में रजिस्ट्री है। दिनाम 19-4-1985

को पर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पंद्रह प्रभिवात स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (शन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित स्ट्दिश्य से उक्त अन्तरण लिलित मे बास्सबिक रूप से कथित नहीं कियर गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या निजी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह<sup>5</sup> भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया भाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा केलिए;

अतः: इ.स., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) को अभीन , निम्नलि। सत व्यक्तियों, अर्थात् :---

🕒 श्रीमती, माहिनी, प्राप्र० मिरचदानी।

(अ**न्तर**ाह)

(३) श्री वनाराम राष्ट्रिय प्रीम श्रीमती, प्रफुल्लना सभदेव ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरियों।

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है )

को यह सचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करतः हुं।

ज्ञक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों मं में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सुचना के राजधंश में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य त्यक्षित दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्धाकरण:--इसमे प्रयक्त रुखी और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

## अन्स्ची

ष्टाट नं० -3, जो, ब्याह्य 1, मीरा मेंन्यन, प्याट नं० 2929-बी, हिल्ल 6, रोड नं 2 25, सायन (प्र.) बम्मई-22 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्राई-1/37- ईई/5868/ 85-86 श्रीर जो सक्षम ग्रधियारी बम्बई द्वारा दिनांट 19-4-85 की रजीस्टर्ड विया गया है।

> विष्य अभिव सक्षम पाधि असी सहायक अध्यकर अध्यक्त (निरीक्षण) श्रजीन रोंग बम्बई

नारीख 9-12-1985 मं हर :

# SEU ATT'. CI. UN. UE. -----

बाह्य 269-व (1) के स्थीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक जायकर आयुक्त (निरिक्षण)

ग्रर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० ग्रई-1/37-ईई/6282/84-85--ग्रतः मूझे, निसार ग्रहमद,

आसकर शिंधीतयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके श्रेषात् उक्त अधिनियमं कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थानर सक्सीत, धिसका उचित गाजार पुल्य 1,30.300/- रु. से अधिक हैं

श्रीर िसकी सं० कमरा नं० 18, जो, शांति भूवन, श्रोल्ड हनुमान लेन, को-श्रांप, हाउसिंग सोसाईटी लि०, 47, श्रोल्ड हनुमान लेन, बम्बई-2, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रेनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका दारारनामा श्रायार अधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के श्रवीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यलय में रिजस्ट्री है, दिनांव 18-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के इर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास सरने का आरण है कि यथापवानत सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का फन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया यया प्रतिफल निम्नितिश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण बिखित से बास्तिक रूप से कथित नहीं किया यवा है

- (क) बन्तरम ते हुई किसी बाय की बाबत उक्त बीचीनसभ के बंधीन कर दोने के बन्तरक वें वासित्स में कमी करने या जमारे बंधने में स्विधा के हेलस, कोर/या
- (क) ऐसी किसी आय या यन या अन्य आस्तियों का, किए सारतीय कात-कर जी प्रायम 1822 (1922 का 11) वा उन्हें अभिनियम, ना का का-कर वी प्रायम 1857 (1937 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. खियाने में सुविधा के बिष्:

कतः कव, उक्त विभिनियम कौ भारा 269-ग कै कन्मरक मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के जधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री नटवरलाल गांडालाल वसानी।

(अन्तरक)

(2) श्री वासुलाल लख्नमनदास तलरेजा, श्री ग्रशोक लख्मनदास तलरेजा, श्री वाशदेव जमनादास जेठवानी, श्री मुकेश गोपालदास तलरेजा, मास्टर संदीप मोहनलाल तलरेजा, मास्टर सचिव मोहनलाल तलरेजा, बी० एल० तलरेजा ग्रौर शांता मोतीलाल तलरेजा।

(ग्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरका।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिविभोग में सम्पति है )

्का बहु धूषना जारी करके वृत्तां क्स सम्पास्त के अर्थन के निष्ण कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

# उन्त बन्दरिय के वर्षन के सन्तर्भ में कोई भी बाक्षणः--

- (क) इस स्वर, 3 राजपत्र में प्रकाशन की तारींख सं 45 दिन की व्वविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की बवीध, जो भी सविध बाद में समान्य होती हो, के जीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवाराह
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स स 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर सम्बद्धि में हितक्ष्य किसी कन्य व्यक्ति इनाय वभाहस्ताक्षरी के शाद्ध जिस्ति में किए वा सकोंगे।

स्पद्धिकरणः इसमें प्रथान शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम क अध्याय 20-क में परिभाविद हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

#### अनस्ची

कमरा नं 18, जो, शांती मुवन, ब्रोल्ड हनुमान लेन को-ग्रांप० हाउचिंग सोहाईटी जि०, 47, ब्रोथ्ड हनुमान लेन, बम्बई-2 में स्थित है।

स्रनुसूची जैसा ि क० सं० स्रई-1/37ईई/5862/85-86 स्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-4-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रोंज-1, बम्बई

तारीख: 5-12-1985

# प्रक्ष कार्ड . हो . एत . एस . ::-----

# बायकर व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, **बम्बई** 

बम्बई, दिनांकः 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० श्रर्दः 1/37बईई/6284/84-85-—ग्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

आयक प्रविधित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन स्थाम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1.00,000/- रु. से अधिक हैं

दिनांकः 18-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को स्वयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई हैं और मून्ते यह निश्वास करने का कारण हैं कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल सं, ऐसे स्वयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक कथ से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसस बचने में सुविधा के लिए; अर्र्/या
- (ब) एसी किसी आप या किसी धन या बन्य बास्तियों का, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तारती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूविधा को लिए;

बत: बंब, अबत विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरम में, में, उथत अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात: :--- (1) श्री भूपेंन्द्र कुमार पूरतचंद चावला।

(श्रन्तरक)

ज (2) श्री धरमदार घनशाम दार मंगलानी और श्री दिपक धरमदास मंगलानी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारी उसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्ब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति मो किए जा सकोंगे।

श्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# प्रन्युची

पनेट नं एफ 14, जो, बिनन अपार्टमेंट डा०, ग्रार० जी० थडानी मार्ग, वरली सिकेंद, बम्बई-18 में स्थित है।

भ्रनुसुची जैसाजि कि० सं० अई-1/37-ईई/5864/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-4-85 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायक्षर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रोज-1, बम्बई

तारीख: 9-12-1985

प्ररूप आइ<sup>र</sup>.टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोजना, बम्बई बम्बई, दिनांका 9 दिवस्वर 1985 निर्देश सं० अई-1/37-ईई/6285/84-85---अतः मुझे, भिसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिल्लकी संवदुकान नंव 3, जो, गिमट हाउस, प्लाट नंव 940, टीव पीव एसव नंव 4, लंकिर माहीम, प्रभादेवी रोड, बस्बई-25, में स्थित हैं (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं श्रीर जिल्ला का करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख अधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के ग्रायालय में रिजस्ट्री है, दिनाक 18-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुन्हें किसी आय की बाबत, उनता अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैंसर्स गिफ्ट फन्स्ट्रकशत कंपनी

(अन्हरकः)

(2) श्रीमती वीमा गोयल।

(अन्तरिती )

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता  $\mathbf{g}_{\mathbf{i}}^{\mathbf{j}}$ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचेंगा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

दुकाश नं 3, जो, गिफ्ट हाउस, प्लाट नं 940, टी पी० एस० नं 4, लोअर माहीस, प्रभादेवी रोड, बस्पई-25 में स्थित है।

अनुसूची जैला कि करु संर अई-1 /37-ईई/5865/ 85-86 ग्रॉर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा ।्दिनांक 18-4-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> ि हार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज-1, बम्बई

तारीख : 9-12-1985

प्रकल बार्च. दी. एत. एस. ल्यानास्ट्रान

# भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-थ (1) के बभीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, महायक जायन्तर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिभाक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई /6293/84-85---अत: मुझे, निसार अहमद,

बायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) (चिस इसमें इसके पक्ष्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 169-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 1,55.890/- रह. से **अधिक ह**ै

श्रीर जित्रकी संव जनार्टमेंट नंव 5, जो, कोट डिआसुजूर, बार्ड परोड, पराट नं० १, बीच वन्छी इल्टेट, सी० एस० नं० 2-ए/694, मलबार एड. खंबाला हिल खिविजार, बम्बई में स्थित है (ब्रोट इंपने इपाबद अनुपूची में ब्रीट पूर्ण रूप से वर्णित है, और जिन्हा ारारकमा अध्यक्त अधिक्षियम. 1961 की धारा 269 ा, प्रापं अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के अर्थातक में रिजरही है। दिवास

18-4-1985 1

की वर्षीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मध्य से कम के रहगमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विख्यास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इत्र्यमान प्रतिफल से एसे इत्रामान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच उसे, अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य स 🚁

बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अप्तरम से हर्ष किसी साम को बाबत जनत औछ-नियम के अधीन कर धने के सन्तरक की दावित म कभी करने या उससे यचने में भृतिका हैं जिसे;
- नियों क्रोडी विकासी साथ का विकासी अने अन्य कारिताली को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धरेश्रीनियम, 😂 🕥 कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधाननार्थ अन्तर्भरतो हुवारा प्रकट नहीं किया एगः। भागाकिया जाना चाहिए भा क्रिपाने में सुविधा के सिप्;

अतः अवः, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग के बन्सरण 🛋 ्र **रॅ, उक्त अधिनियम** की धारा 269-प की उपवास (1) के क्रुपीन, निम्नलिकित व्यक्तियाँ, वर्षातः : 🗕

(1) जीवनी द्वांदा स्म भार श्री मुलिटो दाल, श्री विशाक दास ।

(बहर्सर)

- (2) मेलर्प प्रेरम्स मचक्क फड़न लिमिटेड। (३,५५१ जीत् १
- (3) अन्तरितियों।

(बह व्यक्तिः, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है )

**को यह मूचना जारी कार**के वृक्षकत कम्पास का करा १५००० कार्यवाहियां कारता 🚛 ।

# उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षण "---

- (क) इस सुचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या शत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी स्थित दवाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए आ सकी

ल्पच्टीकरणः -- इसमी प्रमुक्त शब्दी और पदी का, जो उदर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषत है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### **अमस्**ची

अपार्टमेंट नं० 5, जो, कोट डिअझूप, बार्डन रोड, प्ताट नं । बीब कन्डी इस्टेट, सी० एस० नं 2-ए/५9.1. मलबार एण्ड खंबबाला हिल डिबिबि, बम्बिई में स्थित है। ्रामुची जैक्षा हि क० सं० (ई-्)ऽ7-ईई/5871/ 85-80 और जो नक्षम प्राधिकारी, बम्बई छाद दिलांच 18-4-1985 को रजीस्टई किया गया है।

> . <sup>१७</sup>ताण स्**तम्**व जलम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, अस्बई

नारीख 9-12-1985 मोहर :

# प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बर्ष

बम्बई, दिनां ह ६ दिसम्बर 1985

निर्देश गं० थई-1/37-**ई**ई/6297/84-85—-अत: मुझे, भिसार अहमद.

आध्यार अधिनियस, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियस' कहा गया है), की धारा 269-स् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का शारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- का से अधिक है

सीट जिसकी सं एक स तं 72, जो,11 वी मंजिट, विग-कीट, एमं धेज, उमरेड हरखंमलाल मार्ग, पण्डखानन्द उन के पाउन वार, (पूर्व तस्बई 37 में स्थित हैं (श्रीर इक्टा उपावद्व अनुसूची में श्रीर पूर्ण कर से विणित हैं), श्रीर जिनका जवालामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 है, ख ने उधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजर्टी है, कियांक 18-4-1985

कां पृविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्षयमान भी जिल्ह को लिए अस्तित की नर्ष है और मूक्ते यह विश्वास करने का प्राप्त है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित गजार मल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अतरण से हुड किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीर कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने मों स्विधा के लिए; बॉर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन था अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;
- में, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-म के अनुमरण में, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिसीं, अर्थात् :---

- (1) श्री नोहार्गत पी० मुन्डी, हि० अ० कु० ? (अन्तर ह)
- (2) श्री एम० वि० सुब्रमणियम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

## उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुभना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्लाट नं ० 72, जो, 11वी मंजिल, विग-बी-1, कर्म क्षेत्र, कांमरेड हरबंक्ता मार्ग, पण्मुखनंद हाल के पास, सायन (पूर्व), वस्त्रई-37 में स्थिक है।

अनुसूची जैंथा कि कं० यं० %ई- 1/37- ईई/5875/ 85-86 और जो अक्षम प्राधिकारी, धम्बई द्वारा दिक्षक 18-4-1985 को एजीस्टर्ड किया गया है।

> ियाप अहमद यक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त अध्यक्ष (किरीक्षण) अर्जन रेजे-1, बस्जई

दिनोंक : 6-12-1985

# प्रस्य वार्ड.टी.एन.एस.,-------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई दिनांक 6 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० अई-1/37-**ईई**/6298/84-85—अत: मुझे, निसार अहमद,

शामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस् इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० पराट नं० 93, जो, 9वी मंजिल, विग-बी-1, कर्म क्षेत्र, कांमरेड हरबंदालाल मार्ग, पण्मुखानंद हाल के पास, सायन (पूर्व), बस्बई-37 में स्थित है (भीर उससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है) भीर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 18-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त संस्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिष्ठत से विधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के शिच एमें अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की अचतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती युवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नौलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—-

- (1) श्री पराग मोकतराज मुनाट (मायनर), द्वारा पिता तथा पालक—मोकतराज पी० मुनोट। (अन्तरक)
- (2) श्री नरेन्द्र वि० ठकरुर श्रौर श्रीमती मंदाकिणी एस० ठक्कर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्फ्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्संबंधीं व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, ज्ये भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोदत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बव्ध किसी व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **ग्रनुसू**ची

प्लाट नं० 93, जो, 9 वी मंजिल, विंग-बी-1, कर्म क्षेत्र, कांमरेड हरबंसलाल मार्ग, षण्मुखानंद हाल के पास, सागम (पूर्व), अम्बई-37 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि न सं० आई-1/37-ईई/5867/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विप्तांक 18-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमदः तक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुवाः (किरीकण) अर्जभ रोज-1, बम्बई

तारीखा : 6-12-1985

प्ररूप आहें.टी. एन. एस. -----

आयकर अधिरियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कारितय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) सर्भन रेंज-1, बस्बई

बम्बर्ध, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निदेश सं० प्रई-37-ईई/6301/84-85---श्रतः मृझे, निसार श्रह्मद,

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमो इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राध्यारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं फ्लाट मं 1201, जो, 12वीं मंजिल,, इमरात नं 1, "सुमेर टावर्स, लव लेन, शेठ मोतीशा रोड माझगांव. बम्बई-10. में स्थित हैं (और इससे उपाब अनूसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं). और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, (1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यलय में रजीस्टी हैं दिनांक 17-4-1985

का पूर्व अते सम्पास के उचित बाजार मूल्य से कम के रूथयान प्रतिफल के लिए अंतरित का गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथा पूर्वों के सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निक खित उद्देश्य स उक्त अंतरण लिखित में कास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

(क) जतरण स हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या

एंसी किसी आय या किसी अन या अन्य आसित्या करं, भिन्ह भारतीय आयकर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयासनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या ति अन्न जाना चाहिए था. कियान में सुचिता के जिए.

अत: अमः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मौ, उदत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, जिन्निचिति व्यक्तियों, अर्थात् :----42---426 GI/85 (1) मंसर्स मुमेर ग्रासोसिएटस।

(ग्रन्तरक)

- (2) श्रीमती, सवितादेवी रमेशकुमार रायसोनी और श्री रमेशकुमार सोवराजजी राय सोनी । (अन्तरिती)
- (3) बिल्डर ।

(वह ध्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पति है)

कां यह सूचना आरी क्रथ्छं पृषोंक्त संपत्ति क्रे अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पन्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाश की तारीखं से 45 दिन को अवीध या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवीध जो भी अविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका। व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्यारा.
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी एका करील द्वारा अधोहमताक्षरी के गाम दिल्ला में किए आ सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों आर पर्धों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>3</sup>, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

फ्लैट नं 1201, जो, 12वी मंजिल, इमारत नं 1, "सुभेर टावर्स," लंब लेन, शेठ मोतीशा रोड, माझगांब, बम्बई-10 में स्थित है।

श्रनुसूचो जैसा कि क० सं० श्रई-1/37-ईई/5932/85-86 जो और सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-4-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख 5-12-1985 मोडर : प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-ध (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालरः, सष्टायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बस्बर्द

दिनांक, बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निर्देण सं० श्रर्ष-1/37-ईर्ष/6306/84-85—-श्रत: मुझे, निसार श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स्न के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० युनिट नं० 219-2, जो, शहा एंन्ड नहार इंडिस्ट्रियल इस्टेट, एस० जे० मार्ग, लोग्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित है (और इसमे उपाबद ग्रनुसूवी में और पूर्ण रूप से भणित है), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 के खे के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 19-4-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजा रमूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वाय करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का गंदह प्रतिगत सं अधिव ही और अंतरित (अन्तरित यों) के बोन एसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल निम्निलिकत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आद की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मो कमी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, ख्रिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उन्त अधिनियम की धारा 269-**ग की उ**पधारा (1) के अधीन, विम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात :--- (1) शहा एंड नहार ग्रासोसिएटस।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री इस्सार हिंदुजा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पृत्रीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबच्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्चीकरणः -- इसमें प्रय्वत शब्द और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### प्रनुसूची

युनिट नं० 219-2, जो, शहा एंन्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट, एस० जे० मार्ग, लोग्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-1/37-ईई/5937/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनांक 19-4-1985 को रजीस्टई किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन

तारीख 5-12-1985 मोहर: प्रकृष बाइ .टी. एन. एस. ------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

#### भारत बरकार

# कार्यांक्य, सहायक भायकर मामुक्त (निरीजण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई दिनांक 5 विसम्बर 1985

निर्वेश सं॰ अई-1/37-ईई/6308/84-85--- मतः मुझे, निसार भ्रहमद,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा पया हैं), की धारा 269-धाम अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वाय करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उत्तित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलाट नं० 12, जो, कैलाश कांटेज को-श्राप० हाउसिंग सोसाइटी, सायन (प), बम्बई-22 में स्थित है (और इससे उपाधट श्रनूसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है जिसका करार नामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याक्य में रिजस्ट्री है, दिनांक 19-4-85

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्ए से कम के दश्यजान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास कर ने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उजित बाजार नृस्व, उत्तक दश्यजान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के भन्कर प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारें) और अन्तरती (अन्तरितयाें) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तर्ण किश्वित में बास्कांवक कम में कथित मही किया गया है है क्षार

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बावत उक्त अधि-रियम के अधीन कर दोनें के अंतरक के शोधस्य म अभी करने वा उससे वचनें में सविधा के जिए; औह/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियां की, बिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा अवत अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरणः नै, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारत (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती, कमला बी॰ श्राचार्य।

भ्रन्तरक )

(2) श्री खुशाल हंसराज गालाऔर श्रीमती, जशू खुशाल गाला।

E DESTRUMENTAL DESTRUMENTAL OF THE PROPERTY CONTRACTOR OF THE PROPERTY CONT

(ग्रन्तरिती)

को यह श्रृचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के जर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुमना के राजपन जो प्रकाशन को शारील 4' हु के दिन की नविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिसर्थ पर प्रभाव की तामील से 30 दिन की नविधि, को भी अविधि सब में सजस्य होती हो, के भीतर पर्वत्य मार्थ में की किसी क्यांतित दवारा,
- (त) इस सूचना के राजपत्र को प्रकाशन का ठारी के सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित-बद्द कि बी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गत विकित को किए का हो।

स्वाहीकरणः — इसका प्रजुवस काव्या और धर्म का. अह अवह वाधिनियम् को वाध्याय 20-क में परिभाविष्ठ ही, वहीं कार्य होगा को उस अध्याय में विषया मना ही।

## अनुसूची

फ्लैंट नं॰ 12, जो, कैसाश कॉटेज को-म्रांप॰ हासिंग सोसाईटी, सायन (प), बम्बई-22 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० भ्रई-1/37-ईई/5939/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 19-4-1985 को राजस्टई किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सद्यायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1 बम्बई

दिनांक : 5-12-1985

प्ररूप आहर्.टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आवकर आगुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० श्राई-1/37-ईई/6310/84-85—-ग्रनः मुझे, निसार ग्रहमध,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 708, जो, 7वी मंजिल, कैलाय अपार्टमेंट, 293 बेलासिस रोड, बम्बई सेन्द्रल, बम्बई-8 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बिलित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियस 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख श्रिष्ठक, 1985

को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चिय से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) उन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिल्य में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; आर/या
- (ध) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के चिए;

क्रमः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269 ग के अनसरण , मौ, उक्त अधिनियमं की धारा 269 ण की उपधारा (1)

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती ग्रमीनाबाई मुलेमान मर्चन्ट, और श्रीमती मेहणर हुमायून मर्चन्ट।

(श्रन्तरिती)

(4) अन्तरितियों।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबढ़ हैं )

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध जिस्सी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

राष्ट्रीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और चंदी और, जो उक्त अधि-नियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्स्ची

पलाट नं० 708, जो, 7थी मंजिल, कैलाश श्र⊣ार्टमेंन्ट, 293, ब्रेलासिस रोड बाम्बे सेंट्रल धम्बई-8 में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि कि० सं० भ्राई-1 /37-ईई/594/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 19-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहसद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बम्बई

तारीख: 5-12-1985

TO THE THE PARTY OF THE PARTY O

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन स्वना

#### बारत सरका

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, बम्बई

बस्बई, दिनांक 9 दिसस्बर: 1985

निर्देश सं० आई 1/37-ईई/6311/84-85----ग्रतः मुझे निसार ग्रहमद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिंबों इसभें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-च के व्यक्ति सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का जारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार कृष्य 1,00,000/- का से अधिक हैं

और जिसकी सं ० प्लाट नं ० 4-बी, जो, मलघा अपार्टमेन्टस, 2री मंजिल, नेडिप्ति सी टोड, बम्बई-36 में स्थित है (और इसते उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), ग्रीर जिसका करारतामा आयकर अधिविष्म, 1961 की धारा 269 केख के अधी : बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजर्स्ट्री है दिशांक 19-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई और भूभे यह विश्वास

करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और सन्तरितों (अन्तरितियों) के शीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अल्ल्ण लिखिश में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है क्षान

- (क) अन्तरण सं धुइ' किली गांव की बाबत, उक्त अधिनियम को जभीन कर दोने के अन्तरक औ वावित्व में सबी करने या उसके क्यने यो गृविधा क (कह, नहर)या
- (अ) एसी किसी जाम या किसी धन या जन्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या अब-आय अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियान में सुविधा के लिए;

जत: जब, उक्त जिभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, डक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा 🗥 के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तिसीं, अर्थाल :—

(1) श्रीमनी, शिरीन, ई० सोनावाला ।

(ग्रन्तरकं)

(2) श्री विजय कुमार श्राफक और श्रीमती, गीता श्राफक।

(ग्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरक।

(बह व्यक्ति, जिसके श्रविभोग में सम्पति हैं)

को यह स्वना कारी करके पूर्वोक्त सम्मिति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्क सम्मति के नर्बन के संबंध में कोई भी नाक्षप

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, से भी अविध नोह में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के शास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण — इसमें प्रवृक्त बब्दों और पद्धों का, को उक्त विधीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होंगा को उस अध्याय में दिया नवा है।

#### **ग्रनुसूबी**

प्लेट नं ० 4-त्री, जो, मलबार अनार्टमेंटस, 2री मंजिल, नेपियन सी रोड, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि ऋ० सं० श्राई-1 /37-ईई/5942/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-4-85 को रजिस्टर्ड किया गणा है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी) सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण श्रर्जन रेंज-I बम्बई

तारीख **9**-12-1985 मोहर

# प्रकृत बाई दी एन् एस . - - --

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन संचमा

#### भारत तरकार

कामां जय, सङ्गयक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1 वस्वर्ध

बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० श्राष्ट्र-1/37-ईई/6318/84-85---श्रतः मुंभे. निसार श्रहमद

बायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. में अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 503, जो, 5वीं मंजिल, इमाप्त एच०, विना बिना अपार्टमेंन्टम, प्राचार्य दोदे मार्ग, सिवरी (प), बम्बई-15 में स्थित है (और इसमे उापबद्ध प्रनुमूची में और पूर्ण रूप में बींगत हो), और जिसका करारणमा प्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 261 के खे अधीर बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रुजीस्ट्री है दिनांक 19-4-1985

को प्यांकत सम्पत्ति को उचित बाबार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल को लिए बन्तरित की गई है बार मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पृत्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और कन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरक के लिए तब पामा बना प्रतिफल, निम्मेलिक्त उक्दोच्य से उक्त अन्तरण विश्वत के सम्सनिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरफ के प्रक्रिय में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (हा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उन्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रीमति अनुसमा रानी यमी।

(भ्रान्तरका)

(2) मायाव गरापधली ढोलकाचीला ।

(अन्तन्ती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्स सम्पत्ति को वर्जन को निए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई बाक्षेप :---

(का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीके लें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य न्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकेंगे।

स्मध्दिकरणः- - इसमें प्रयुक्त शब्दों आर पर्दों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित गणा हैं!

## अनुस्ची

श्रमुसूची जैसा कि क० गं० आई-1/37/5946/85-86 ओ: का 174 किंकिकों, बन्बई द्वारा दिलोक 19-4-85 का टिनस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षम आयुक्त (िरीक्षण) श्रजेन रेंज-1 बम्ब**ई**

तारीख 6-12-1983 मन्हर : प्ररूप आई. टा. एन. एस .-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के बधीन खुवना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रुर्जन रेज-1, बस्कई

बस्बई, दिलांक 5 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० श्राई-1/37-ईई/6322/81-85--श्रतः मुझे, निसार श्रहमद गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमें इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका स्रिष्ट बाजार मूल्य 1,09,000/- स. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 455, जो, 4थी संजिल शहा एंड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-12, एस 0 जे० मार्ग, लोकर परेल, बस्बई-13 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करातिमा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है। दिनांक 19-4-85

को प्रतिकार कि कायालय में राजस्ता है। विकास प्रश्निक प्रश्निक के प्रयास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पण्डर प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया कस दिन्निलिखत उच्चरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाय की बावत, उक्त अभिनियम के अभीन और दीन के अन्तरक के बावरन में कमी करने या उससे बचने जो बुविधा के लिए, और/या
- ) एक किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) की उन्ते आधिनवेन, या वन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भ का किया भाग की हम को स्थान के स्वीवधा के निय;

बत: अथ:, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन: विक्रितिसित व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) गहा एन्ड नहार आसोसिएटस ।

**धन्**तरक)

(2) श्री प्रेमजी लंबमशी देढीया और श्रीमती, लक्ष्मीबेन प्रेमजी देढीया।

(ग्रन्तरक)

की यह सुबना बारी करके पूर्वोक्त सभ्यत्ति के अर्बन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोड़ भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों धर् सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी वर्षीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्ध व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास निवित्त में किए जा सकी।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही कर्म कोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

यूनिट नं० 455, जो, 4थी मंजिल, शहा एंड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-2, एस० जे० मार्ग, लोग्रर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

भ्रनुसूर्वी जैसा ऋ० सं० भ्राई-1/37-ईई/5949/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-4-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> िसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, वस्बई,

तार**ी**ल 5-12-1985 मोहर प्रकार बाहोता हो। एस. एस. \*\*\*\*\*\*

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### शारत सरकार

# कार्यालय, सहायक जावकर जावकर (मिराक्षण) फर्जन रेंजना, जन्बई

वम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

िर्देश सं० आई-1/37-ईई/6324/84-85--श्रतः मुझे, निसार श्रहमदः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क क अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्सात करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा सं अधिक हैं

जीर जिसके। प० भूमि के अंदर बेसमेंट गांडाउर नं० ईना, इमारत नं० 1, भारत लगर की-प्रांग० हाउमिंग सोमाइटी जि० भारत नगर, प्रांन्ट गांड, बम्बई-7 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध धनूसूची में और पूर्ण क्य से बागत है), और जिसका करारामा आयकर प्रधितियम 1961 की धारा 269 क ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार। के कार्यालय में रिजस्ट्री है। दिनाक 19-4-1985

का पूर्वोक्स सम्पत्ति कं उपित बाजार मूल्य सं कम कं दरयमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का करण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उपित्र बाजार मूल्य उत्तके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का अन्द्रह प्रतिकार से अधिक हैं और अंतरक (अतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के बिच्च तम पावा गया प्रतिकल, 'नम्मिशिवत उद्वोदय में उस्त अन्तरण लिखित में में आस्तिक रूप में किथा नहीं किया गया हैं :---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या नब्द अधिनियम, या अग-कर विधिनियम, या अग-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्दिरिती द्वारा प्रकृत नहीं किया प्रया था वा किया आना वाहिए था, खियान में स्विता खें किए।

बतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के बन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री रतीलाल विभुवनधास पुजारा

(भन्तरक)

(2) सुखराज मोहन्साल जैस।

(भ्रन्तिरत्तः)

(3) अन्तरिती

(बह् व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए जार्यकाहिकों करहें हूं।

उक्त सम्पत्ति क अर्जन के सम्बन्ध मी कोई भी आक्षेप :--

- (क) इत तूचना क राज्यक में प्रकाशन की तारीच तं 45 दिन की अविधि या तत्त्रक्षनधी व्यक्तियों पर तूचना की ताजील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में तजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर सम्बक्ति में हित-वहुध किती जन्म व्यक्ति द्वारा जधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकनी।

स्पच्छीकरणः — इसमाँ अयुक्त शब्दों और पदों का, जा अक्त अभिश्वियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याम में दिया गवा है।

#### अन्सूची

भूमि के अंदर बेसमेंट गोडाउन नं० ई-1, इमारत नं० 1, भारत नगर की-प्राप्त हार्डीमग सोसाइटी लि०, भारत नगर, ग्राट रोड, बस्बई-7 में स्थित हैं।

धनुसूची चैसा कि क० मं० छाई-1/37-ईई/5950/85--86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बल्बई हा विन्तेच 1-7-1985 को रजिस्टई किया गण है।

> िसार प्रहमद सक्षम प्राधि**कारी** सहायक आएकर प्रायुक्त (ि**रीक्षण**) प्रार्जन रोंज, बम्बई

तारीख: 5-12-1985

भावकर विभिन्निम, 196 े 61 का 43) की

भारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

अनमानक, महायक आयक्तर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई बम्बई, दिनाँक 9 दिनम्बर, 19865

निदेश मं० श्राई० 1/37ईई/6325/8485—श्रनः मुझे, निसार श्रहमद

कायकर अधिनियम, 1901 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पहचान् जिल्ला प्रितंत्राण अर्थ करा है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारण को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित वाजार मूल्य 1.00,000/- रु. से अधिक हैं।

स्रौर जिसकी मं० फ्लैट नं० 502, जो कृश विल, को-प्राप०-हाउसिंग सोसायटी, खरेंगत रोड, पारसी कालोनी, दादर, बस्वर्ड-14 में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) स्रौर जिसका करारनामा स्रायकर स्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के स्रधीन बस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्टी है, दिनाँक 20-4-1985

कर प्रविक्त संप्रति के तिष्यत याजार मृस्य से कम के अवसान वित्यान को लिए अंतरिय की गई है और एके यह विक्यान करने करने का कारण है कि यथाप्त्रींकत संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का प्रन्दुह प्रतिकात में अधिक है और शासकर (जन्तरका) और अन्तरितीं (शासिकी के बीच एक विकास के लिए तय गए। गया प्रतिफल , निम्निकिश्ति उद्वीष के उपत अन्तरण के किस से सुस्तिक के सुस्तिक के सुद्धी के सुद्ध

- (७) अन्तरण सं **४,६ । अन्ति भाग को बाव**स, ० कर अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्य मों कमी करने या उससे बचने मों सुविधा कं किए: व्यक्तिर्था
- (य) एन्सी किसी शाम मा किसी यन भा बन्स कार्यका, जिन्ही भारतीय शामकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या तका अधिनियम, या भनकतर अधिनियम, या भनकतर अधिनियम, या भनकतर अधिनियम, 1957 (1967का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जा। जाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए,

अतः अब, अबत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मीं, रावण अधिनियस की भारा 1009-घ को उपधारा (1) के अधीन, विम्नीलियन व्यविवयों, अधीर ----43---426 GI /85 श्रीमती अपोत्यता विश्वनाथ दास ।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती जेररूमी मोतीवाला।

(श्रन्तरिती)

3. ग्रन्तरक ।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्मत्तिहै)

को यह मूजा अर्थ करक पातित नगरित वे करी। है लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

# उमत सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत स्थितियों में से किसी व्यक्ति वृवारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाव पंपति में हित्र बुध किसी अन्य स्थाकत द्यारा अ भाक्षरी के लाग कि बिका में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण :---इसमी प्रयूजित शब्दों शीर पदों का, जी उक्त अधिनियम के अध्य 20-क मी परिभाषित को बादों अर्थ : प्राप्त को क्या अव्याप की जिया गया है ।

#### ग्रन्स्ची

फ्लैट नं० 502, जो कृश विला को श्राप० हाउसिौ सोमायटी लि०, खरेगत रोड, पारसी कालोनी, दादर, बम्बई-14 सें स्थित है ।

प्रनुसूची जैसा कि कि० सं० प्रर्दे  $\cdot 1/37$ ईई/5951/8586 प्रौर जो शक्षम प्राविकारी बम्बई द्वारा, दिनाँक 20-4-1985 को रजिल्टई किया गया है।

ितार स्रहमद नलम पाधिकारी सहायक स्रायक्तर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज, I तस्पर्छ

दिनौक: 9-12-1985

भाउर :

THA RIE T HE WAS ALLES

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) को अधीन सूचना

#### भारत संस्कार

कार्यालय, महायह लायकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, बम्बई बम्बई, दिनाँठ 5 दिसम्बर, 1985

तिदेश सं० अई 1/37ईई/6326/84 85—अतः मुझे,

निसार ग्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित राजार मृल्य 1.00,000/- का से अधिक है

सौर जिसकी सं ० फ्लैंट नं ० 61, जो 6 ठी मंजिल, बस्तान स्पार्टमेन्ट, 2 की विंग, ई० एस० टी० डेपो के सामने, बेलासि रोड, बस्बई -8 में स्थित है (स्थीर इससे उपाबद स्रनुसूची में स्थीर जो पूर्ण रूप से विंगत है) सौर जिसकी उपाबद स्रनुसूची में स्थीर जो पूर्ण रूप से विंगत है) सौर जिसकी उपाया स्थापन र सिंधित की स्थारा 269 अब के स्थीन बस्बई स्थित स्थान प्राधि कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनाँक 20-4-1985

को पर्शेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कल के दश्यमान की गई है िलए अन्तिरत प्रनिकल को यह विश्वास करंगे का दहारण कि यथा पर्वोक्ट सम्मत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके इंपमान धरिकल ये, ऐसे लंबनार प्रिक्किन के एउँह प्रदिश्त से वी कही गरि अंतरक (अंतरकाँ) थीर अंतरिती (गंहरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, विकासित उद्देश्य से तक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रविक हुए से कांच्य नहीं जिया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के इसीयस्व में कभी करने वा उससे बचने में स्विधा को लिए और/या
- णि गर्ना कियों काम या किसी धन था काफ आस्तियाँ की. विकास स्वादकर अधिविक्त 1929 (1922 का 11) या उना अधिविक्तम, का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट गहीं किया गर्मा था या किया जाना चाहिए था, जिन्मने में स्विक्य

कतः अब, उचन अधिनियम को धारा 269 गार्क वनुसरण वा, भी, सकत बालिनियम की धारा 260 म की उपधारा (1) स्वयोग नियमीयोजन व्यक्तिको, वर्षातः :-- ा और एवं एवं रेम्बर तीर

र्वा अमनुद्रा वंड नागामिया ।

(अन्तरक)

थी मुहम्मक गूड खलिल ग्रहमद ग्रीर
 श्रीमकी हिल्ला बीहो, मुहम्मद नूह ।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त स्म्पिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूर्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सचना के राजपत्र भे प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी राज व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास विश्वत में किए जा सकोंगे।

स्मन्द्रीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### वनस्पी

पलट नं ० 61, जो 6वीं मंजिल, बस्तान श्रपार्टमेंट 2-बी विग, बीं ० इ० एसह्नटी डिपो के सामने, बेलासिस योड, बम्बई 8 में स्थित है ।

धनुस्ची जैसा कि कि सं ग्रह 1/37ईई/5952/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनाँक 20-4-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> नितार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनाँक 5-12-1985. मोहर : and the state of t

THE ACT OF GREEK CAR.

जलकर विविधित्यक, 1951 (1961 का 43) की पारा 269-घ (1) वे अधीन सचना

#### FILST REPORT

# **फार्यालय**, सहायव कायकर जायकत (निरीक्षण) सर्वत रेज-1. बस्वई

बम्बई, दिनाँक 5 दिउम्बर, 1985

निदेश सं० ग्राई- 1/3 र्राईश/ 63 29/8 4-3 5 - अतः मुले, निसार ग्रहमद

नायकार अधिनियम, 1961 1961 का तता (जिसे इसमें इसके प्रकात जिसे असिनियम कहा एया है), की आध् 269-स है समीन साम प्राणिकारी को, नह विकास करने का कारण है कि स्वाधर समाज विकास की साम है। विकास समाज समाज है कि स्वाधर समाज विकास की साम है।

यूनिट, ग्रीन , बान्बई-33 में स्थित है (ग्रीर इन्हें उपान्त अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण इस से बॉलत है) ग्रीर जिनका करारणमा ग्रायकर श्रीविष्ट्य, 1961 जो बारा 269 कल के मधीन बन्बई स्थित बलन प्राधिकारों के कार्याक्य में जिस्हों है जिनक 20-4-1985

को पूर्वीपत सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए बंदारित को मही हैं और मूक्त यह जिल्लात भारते का कारण है कि महायुगीया सम्पत्ति हैं जीए जावा मूल्य, उहार उपयम गायति । भारते का कारण है कि महाया के किए व्यापित स्वारित (अन्तरित्यों) के बीच एंस अन्तरण के किए व्यापित में बोतफल, निम्नालिएत जा प्रेय से क्लत कम्बरण निर्माल में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया प्रमाह :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी यन या अन्य लास्तियों का, जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या अन-कर नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने वो सुविधा के लिए;

अतः अब, उसत अधिनियम की धारा १८९ व के अन्यर्थ में, में, उस्त अधिनियम की धारा 269 व की व्यथारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री संजीवा मूख्दू शही :

(भ्रन्तरक)

2 श्री शेंखर ए० शेट्टा ।

(अन्तरिती)

का यह सुचना जा है करके पर्धानन संपत्ति के वार्चम के निवाद कार्यकाहियाँ करता हुए।

जयत सम्पत्ति के नजन व भंगेंग में खोइ' भी वाश्वाप--

- (क) इस प्राचन के राजध्य ये प्रकाशन की तारीस से 45 वित की अवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुमात की तारीस को अवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुमात की तारीस की अवधि , जो भी साधि साम में समात होती हो, को भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों से में जिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यम की प्रकाशन की तारोध से 45 विज के भीतर उचन स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध कि की कि कि कि कि प्रकाररा अधाहस्ताक्षरी के पास विशेषत में किए का सकते।

स्पर्काक्षरण :---हरा वापल एकां और प्रचा का, जो उक्त व घितान कि में याद 20-के में परिम चित्र हैं, बही अर्थ है को जो उस अध्याम में दिया स्था हैं।

की स्थिति

यूनिट नं 31, जो शिला इंडस्ट्रियल इस्टेट, होटल ग्रीन बम्बई-33 में स्थित है।

अनुसूची जैशा कि कः सं श्राई-1/37ईई/5955/85-86 और जो सज़ाव आविकारी बन्बई द्वारा, दिशांक 20-4-1935 रिक्टर्ड किया ग्या है।

> िकार महमद राज्यम प्राधिकारी जहायक आयार भाषुका (निरीक्षण), म्राजन रैंज-4, बम्बई

शारीख : 2-2-1955 हरनोः प्रसम्प साक्ष<sup>े</sup>. टी. एवं एउं -----

# बावकर बाधिशियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) वे सभीन स्वना

MINN ASSES

फ्रांधांतय, सहायक आयकार आय्तर (निरक्षिण) ग्रर्जन रोज-1, बम्बर्ड

अणान रण-1, जम्लक

बम्बई, दिनांः 9 दिसस्बर, 1985

निदेश सं० प्राई-1/37ईई/6331/84-85 — अनः मुझे, निसार प्रहमद

शाबकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इका इस प्रश्ने के स्थान सभाग प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार सूक्य 1,00,000/-रा. से अधिक ही

श्रौर तिसकी सं० फ्लैट तं० 11, जो ावि श्रार्टमेंन्ट, वरली सो फेन, बम्बई-18 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध शनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है श्रौर विभाग श्राररतामा श्रायार अधिनियम, 1961 की थारा 26 ाख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधारी के कार्यालय में रिजस्टी है दिनां । 20-4-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विषयास करने का कारण है कि संभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाक्तर बुल्ब, उसके क्षयमान प्रतिकल में, एवं क्षयमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिकत से अभिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती (जन्तरित्र) के बोल एक कल्पण के लिए तम प्राम ग्राम प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) बन्तरण तं हुई कि बी बाग की बागत, उनते विश्वित्र के अधीत कर दोने के अन्तरक के दारित्व मा कमी करने या उसस बचने मा सुविधा के निए; और/बा
- (क) एवी किसी आव या किसी धन वा अन्य आस्तियों की, विक् भारतीय आव-कर अधिनियम, 1922 में 1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अभाजनाथ अन्यदिती इनारा प्रयत्न नहीं जिल्ला गण या किया असा प्रति धर्मे हुए भा कियाने धा सुनिय असे विक् अधिकर के कियाने धा सुनिय असे विक्

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ के अनुभरण मी, भी, उक्त अधिकार की यारा १८९ एवं की अधिकार की अधिकार की अधिकार की अधिकार की

 श्री राजेश राजिन्दर प्यूर, राकेण राजिन्दर कपूर, कुमारी रीतू राजिन्दर धपूर।

(ग्रन्तरङः)

 र्था वेंउटेश नायः सानेत श्रीर श्रीमती मिरा वि० मानेल ।

(श्रन्तरिती)

3. श्रन्तरक ।

(बह व्यक्ति िसके अधिभोग में नम्पत्तिहै)

को यह स्थान जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के बर्जन के निना कार्यवाहियां करता हुं।

**उक्त संप**त्ति, के भागन अस्त्र का कार्य भी वादन .

- (क) इस श्रृंचना में राज्यव में प्रकाशन की तरिब से 45 दिन की जनिया मास्मानना न्योवस्था वर श्रृंचना की तामील से 30 बिन की अवधि, जो भी जनिया में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्या स्थानिकार वेता होती हो, के भीतर पूर्वान्या स्थानिकार वेता व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति स्थान
- (स) इस सूजना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीत र त्यात न्यापन स्थिति मा किला ध्या किसी जन्य व्यक्ति द्यारा अधाहस्ताक्षरी के पास विश्वित मी किस् जा स्था

स्थानक के करण: — इसमें प्रयूचत करहीं और गर्दा का, जो अवस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ धूर्गा, जो उम सध्याय में विका नका है।

#### सम्बद्ध

फ्लैट नं० 11, जो ४वि. अपार्टफेस्टन, वस्त्री सफेस, बम्बर्फ-18 में स्थित है ।

जधनुमूची जैसा ि क० सं० आई-1/37ईई/5957/85-86 ग्रीरजी सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनां : 20-4-1985 को रिक्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायक्त (निरीक्षण) वर्जन रोजना, बस्बई

दिनोंक : 9-12-1985

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एसा.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1. बम्बई बन्नड, दिनांक 5 दिसण्वर 1985

िनदेग सं० ११६-1/3७ऍ९/७333/34-85-*⊷*श्रतः मुझे;

निसार शहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुँ), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हुँ कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक हैं। अधिक की संश्वास करने का अधिक हैं।

और जिसकी सं युद्धि मं 433. मं 4 पी मंजिल, णडा एन्ड ाड़ाए, उंडस्ट्रियल इस्टेट, ए-1. एम० जे० सार्ग, लीकर परेल, जम्बई 13 में स्थि। हैं (और इसने उपाबद्ध पनुसूची में अंग जो पूर्ण का वे विधा हैं) और जिसका का जाका आवकर अविकिश्म, 196! को बागा 269 के के स्थी। बम्बई स्थित सक्षा पात्रिकारों के जायील: में जिसकी हैं दिनाक 20-4-1985 की पूर्वेक्ति सम्पत्ति के डीचत वाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिखल के निए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिखल से एसे दर्भान प्रतिफल का पंद्र प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आधं की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी या किसी धन मा जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिता व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अभिनियम वः धारा 269-ग के अनुसरण भैं, भैं, उक्त अधिनियम की धारा ∠69-व की उपाारा (1) के अधीरा, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीर् ः— 1. शहा एण सहार एमीणिएट्स ।

(इन्तरक्)

2. हिन्दुस्तान, श्रपारेल इंडस्ट्रिज ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु:

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की लामील सं 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्ति यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूखना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंं।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

यूनिट नं० 433. जो। 4 श्री मॉजिल, णहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट, ए-1, एस० जे० मार्ग, लाग्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37ईई/5957/85-86 और जो सक्षम प्रधिकारी बस्बई द्वारा, दितांक 20-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> िसार श्रहहरू सक्षम प्राधिकारी महासक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) सर्वन रेंज-1, बस्दर्ध

दिनांक : ह-12-1985

मंहर:

## प्ररूप काइ .टी .एन , एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजीत रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिलांक 5 दिसम्बर 1985

निदेश सं० श्रई-1/37ईई/6543/84-85---व्यतः मुझे, निसार श्रहमद

अगयंकर अधिनियम, 1961 (196) का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स वे अतीन सक्षम व्याधकारों के कि कि कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित दाजार मूल्य 1,00,000/-रा से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 702, जो 7 वी मंजिल, इमारत नं० 1, "सुमेर टावर्ष", लब लेल, शेठ, मोतीशा रोड, माझगांव, बम्बई-10 में स्थित है (और इसते उनाबद्ध बनुसूची में और जो पूर्ण रूप ते विभिन्न है) जीर जिसका करारतामा सायकर स्विधिम 1961 की बारा 26 कब ले जर्दा र बम्बई स्थित संश्वम ब्राधिकारी के बार्यालय में रजिस्ट्री है विशोध 23-4-1985

क्को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे वृश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) को अंतरित (अन्तरा) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-विवय के अधीन कर दोने के अंतरक के दावित्व के कभी करने वा उसके अधने के ख्विका के जिल्हें कीर वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय अगकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) था उन्तर अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया आया जाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 260-ए की काणारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. भैसर्स धुमेर एकोशिएट्स ।

(श्रन्तरक)

2. श्री विमलचन्द चंपालाल महता।

(शन्तरिती)

3. बिल्डर्स ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोगं में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिए। करना हा ।

# उक्त सम्पत्ति के अर्धन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (ख) इस सूचना के राज्य में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, सो भी अवधि बाद यें समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधिहस्ताक्षरी के पास जिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :- इसमें प्रयूक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क से परिभाषित हैं, बही कर्ष होगा, बो सस अध्याप में दिव गया हैं।

#### अनुसूची

प्लैट नं० 702, जो 7 वीं प्रंजिल, इमारत नं० 1, "सुसेर टावर्स", लव लेंच शेठ मोतीका रोड, माझगांव, बम्बई-10 में स्थित है।

णनुसूची जैसा कि कर सं० कई-1/37ईई/59 0ए/85-86 और जो सक्षम आधिकारी जन्मई द्वारा, दिलांक 23-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्र**हमद** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 5-1-1985

मोहः

The same of the same of

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

#### बारत सरकार

कार्यालय, सहायक आग्रकर आय्वत (निरक्षिण) अर्जन रेज-1. बम्बई

बम्बई दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० बाई-1/37ईई/6351/84-85--अत: मुझे निसार ग्रहमद

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 को 43) जिसे इसमें इसके पश्चाल उपन अभिनियम, कहा गया है, की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्नास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित राजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव कार्यालय नंव 301, जो 3री मंजिल, अध्य स्टील हाउस, प्लाट नंव 59-ई, बरोड़ा स्ट्रीट, छाफ पीव डिवेलो रोड, बम्बई- में स्थित है (और इसते ज्यानद्ध धनुस्वी मं और जा पूर्ण रूप ने विणित है) और जिसका करारनामा श्रायकर प्रविभित्त, 1961 को तारा 269 ज ख के श्राचीत वम्बई स्थित सक्षम अधिकारों के कार्यालय में रिजिस्ट्री है दिनांक 23-4-1985 को पनोवल मेळाल के उसति बाजान एक्स में कम है एक्सार प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापवींकत संपत्ति का उसित बाजार मूल्य, उसके दश्यान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि धित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के न्तिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कर्त, जिन्हें पारतीय आयक र अधिनियम, 192? (1922 का 11) या तकत अधिनियम, धा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के जोजनाय कर्ती तियम पार्थ कर्ती किया गर्म या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुद्रिधा छ क्रियाः

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त करींधनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- है। श्री विशेष भी व सहा ह

(अन्तरक)

2. मैसर्व रोहित एण्ड कंपनी ।

(अन्तरिती)

3. अन्तिती ।

(यह का कि स जिसके अधिशोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्मति के अर्थत के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्दारा अकोहस्ताक्षरी के पाल कि वह में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इस्पें प्रयस्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, यही वर्ष होगा अस स्थाय प्रे दिसा

#### अन्स्थी

कार्यालय नं० 301, जो 3री मंजिल ग्रभय स्टील, हाउस, प्लाट नं० 5 -ई बरोडा स्ट्रीट, श्राफ पी० डिमेलो रोड, बम्बई- में स्थित है।

यनुसूची जैसा कि कि से यई-1/37-ईई/5961/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 23-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> तिसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 9-12-1985

सोहर:

प्ररूप आई टी.एन.एस. -----

ायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण)

क्रजीत रेज-१, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1,985

बम्बध्, दिनाक 9 दिसम्बर 1985

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- र सं अधिक है

और जिसकी संव फ्लैंट नंव 16, जो दि गुलरतस को-आपव हाउसिंग सोसागर्ट लिव, साधन (पूर्व), बन्बई-22 में स्थित है (और इससे उत्ततद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण क्य से घणित है) और जिसका करायतामा आधकर और स्थिम 1961 की धारा 269 के खे के अधील अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है दिनांक 23-4-1985

को पूर्वेक्ति सम्पित्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिख उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुक्क िकसी आय की बाबत उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को. जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उद्यत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269 ए के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 के जी उपधारा (1) के अधीन, निम्नीसिक्कत व्यक्तियों, अर्थात् मु—् श्रीप्रदिशं त्रशाई मेन १६ अन्नात्र।

(अन्। १का)

2. श्री: कम्लेण क्रानीलाल हमनामी ।

(म्रन्गरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस्व से 45 दिन के भीतर डेक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण:---इसमों प्रयक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

पर्येष्ट नं 15, आ वि ्या २३ की-रावर हार्जिस मोमायटी नि र पावत (एवं), बस्बई-३३ में स्थित हैं।

व्यतुमूकी जैसा कि कर कि अई-1/37ईई/3964/85-83 और जा सजम प्रतिकारी प्रत्यई द्वारा किसी 23-4-1985 की किस्टर्ड किसी ग्रांस है।

> िसार अहदर्य सङ्ग्रह आधिकारो सहायक आयाहर जागात (ि**रीजण**) स्रकेट रेजें-१, वस्**वर्ध**

द्वितं**क** : 9-12-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के जभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, यम्बई सम्बई, दिनांक 5 शिरणबण 1985

निदेश सं० ग्रई-1/37ईई/6355/84--85--ग्रदः मुझे, निसार श्रह्मद

बायकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात; 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1 00,000/- रा. से अधिक है

भौर िसकी सं० दुरान नं० 14, जो श्रान्सदीर चेंस्वसं, 273-77, नरसी, नाषा रहीट, बस्बई-9 में स्थित हैं (भीर इससे उपावद श्रान्दी में श्रीर जो पूर्ण रूप से विजा है) भीर जिसका क्रार्मामा श्राम्स श्राम्स श्राप्त शिक्षित में प्रीर में प्रीर में प्रीर के स्थीत बस्बई स्थित स्थम प्राधिकारी के नायित्य में रिस्टिं हैं दिनांक 23-4-1985

- (का) अस्तरण में हार्ड फिसी भाग की पावत सकत स्वीध-शिग्रण के अधीन कर दोने के वस्तरक के द्राधित्व के कसी करले या उनसे धचने में सुविधा के लिए: और/मा
- (बा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1972 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में गविधा के लिए:

बतः अव, अक्त विभिन्यम काँ वारा 269-व क वनुबर्व में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) . के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों अधीत्:—
44—426 GI/85

छोडालाल रायचन्व
(प्रोप्राइटर: छोडालाल रायचन्द, एण्ड कं०)
(ग्रन्तरक)

2. श्री प्रविणचन्द्र बेनशी माल्डे ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए गणकाहिक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी बाक्षेत्र :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्नेवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेषित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रय्कत शब्दों और पदों का, भो उक्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिका यहा अं।

# अन्स्ची

दुकान नं 0 14, जो श्रनन्तथी। चेम्बर्स, 273-77, नरसी नाथा स्टीट, बम्बई-9 में स्थित है।

अनुसूची जैता कि कि० सं० अई-1/37ईई/5965/85-88 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा, दिलांक 23-4-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> निहार प्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंड-1, बस्बई

दिनोक: 5-12-1985

मोहरः

# प्रकृप नार्थः ही प्रकृत्ता हुन्य

नाथकर विभिन्तियम, 1961 (1961 का 43) की नारा 269-म (1) में मभीन सूचना

#### भारत सम्बद्ध

कार्यात्यः महायक जायकर आवृत्यः (विश्वीक्षण)
अर्जन रेज-1, धम्बई
बम्बई, दिनांकः 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० ग्राई-1/37-**ईई**/6361/84-85---- **ग्रतः मुमे,** निसार अहमद,

मायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पर्वात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1.00.000/- रू से अधिक हैं

और जिन्नि सं० फ्लैंट नं० ई-33, जो तल माला, अभिजीत की-प्राप्त० हाउपित सोनाईटी दादर, बम्बई-28 में स्थित है (और इससे उनावद्ध अनुभूची में और जो पूर्ण रूप से विणद है) और जिसका कर।रनामा आयकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, दिनांक 24-4-1985

को प्वेषित सम्पत्ति को अभित बाजार मूल्य से कम को ज्यामान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मून्ने यह विश्वास करने का कारण है कि अथाप्येषित सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, लगके रूल्यमान प्रतिफल से, एसे स्थमनान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकृत से अधिक है और जंतरक बंतरकों) जीर अंतर्लिश (अंतरितियों) को बीच एसे बंतरण के लिए तब बाया यहा अतिफल, निम्नीसितित उद्देश्य से उन्तर बंतरण विविद्य में स्थितिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) वंतरक से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त विध-नियम के अधीन कर देने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (च) एसी किसी बार्व वा जिसी धन ना जन्त जास्तियों को जिन्ही भारतीय वावकर बाँधीनवंत्र, 1922 (1922 का 11) ना उच्च अधिनवंत्र, वा धन-कर अधिनियत, वा धन-कर अधिनियत, 1957 (1957 का 27) के प्रवाजनार्थ वंतारियी द्वाध प्रकट मही किया गया था या किया बाला धनीहर था, किया के सिक्ष

तरः शहर उत्तर अधिनियम की भारा 269-व के बनुसरण मीं पूर्वी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिजों, वर्जात् :—— 1. श्रीमती शिन्धीया शिन्धेरा ।

(भन्तरक)

2. श्री प्रभाकर वि॰ विश्वासराव।

(भन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के बिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं

उक्त सम्पत्ति को कर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस प्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अशीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म क्यक्ति द्वारा अधीहरताक्षरी की पास सिश्चित में किए का सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही कर्थ होगा जो उस अध्याय में देशा गर। हैं।

#### अवस्थी

फ्लैट नं बी-33, जो तल माला, अभिजीत को-आप० हाउँहिंग सोसायटी दादर, बम्बई-28 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-1/37ईई/5969/85-86 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिलांक 24-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार महमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) गर्जन रेज-1, बस्बई

दिनांक: 9-12-1985

**इक्प बार्ड**्य द<sub>े</sub> हुन्<sub>य</sub> **एउ**्य व स

बतवबार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वभीत सूचना

#### बारत बरकात

कार्याक्षय, सहायक जायकर वायक्त (निर्देशक)

सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मजैन "रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निवेश सं॰ भई-1/37ईई/6363/84-85—-मतः मुक्ते, निसार महमव

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वाम करने कर कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और निस्ति सं० पलैट नं० 12-ए, जो गंगोली इसारत, 89-ए, बाण गांव, बालकेश्वर, बम्बई-6 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुतुची में ग्रीर में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) भीर जिसका करारनामा भायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के भ्रवीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 24-4-1986

को प्रोयत सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अध्यमन इतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्शांत करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्मत्ति का उचित बाजार अल्य, उसके अध्यमन प्रतिफल से, ऐसे अध्यमन प्रतिफल सा भन्ति प्रतिकात से अधिक है और बन्तरिक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए सथ बाया गया प्रतिफल, निम्नीसिवत अध्यक्ष से उक्त अध्यक्ष निमास से बाया गया प्रतिफल, निम्नीसिवत अध्यक्ष महीं किया गया है हैं

- (क) बन्तरण सं हुइं किसी बाय की बाबत जनत अभिनियम के बभीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में भृतिधा के लिए: और/वा
- (क) श्री किसी बाय या किसी वन या अन्य बास्तियों को विन्हें भारतीय जायकर अधिनिवन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन- अर्थ अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के असेवनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया नया वा किया वाना वाहिए वा, कियाने में सुविधा के लिए:

बद: बब, उक्त सीधीनवन की धारा 269-न की वन्दरभ वो, भी, उक्त सीधीनवम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निस्तिशिक्त व्यक्तियों, सर्थात् :--- 1. श्री किरन एस० शहा, मुकेश एन० शहा और महेन्द्र एन० शहा।

(अन्तर्क)

2. श्रीमती निना राजेश, कडािश्या श्रीर श्री नटवरलाल चुनी लाल कडािक्या । (ग्रन्तरिती)

3. भन्तरकी ।

(वह व्यक्ति जिसके प्रधियोग में सम्पत्ति है)

को यह स्वना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के शिए कार्यवाहियां भूक करता हूं।

**उपत सम्पत्ति के कर्बन के बज्जन के कोई** भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की सार्यांश से 45 दिन की मनिभ या तत्मप्रवस्थी बात एउटा जर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जुनिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट व्यक्तियों में में किसी कराय है।
- (प) इस सुनना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीस में 45 पिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वार स्थाह-काक्षकी के पास निवित्त में किए जा मर्की के

स्वस्तीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों जाँ. इका का, ात उन्हरू विधिनियम: के अध्याय 20-क नों की श्राप्तिकर है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया वदा है।

#### धनुसूची

प्लैट मं॰ 12-ए, जो गगोती, इमारश, 89-ए, बाजगगा वालकेश्वर, बम्बई-6 में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि कि के सई-1/37ईई/5971/85-86 मौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा, दिनांक 24-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> िलार प्रहमद पक्षम प्राधिकारी **पहायक भायकर शायुक्त (**निरीक्षण) **भर्जन रे**ज-1, बम्बई

दिनांक 9-12-1985 मोहर : प्रका बाइं.टी.एन.एस.-----

शायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के बधीन स्चना

#### भारत सरकाड

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

सहायक भायकर आयुक्त (।नरामण) धार्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निवेश सं ॰ आई-1/37ईई/6366/84--85---**घ**त: **मुझे** निसार शहमद

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 269-स के अधीर सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित काजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं दुकान नं 4, जो इमाग्त नं 1, ब्लाक नं ए सल माला, दलाल भगार्टभेन्ट, क मिग्टम, रोड, अग्बई-8 में रियस है (भीर इससे उपाबद्ध भनुधुनी में भीर जो पूर्ण रूप से विणत हैं) भीर जिसका करारतामा भायकर भिधिनयम, 1961 की धारा 269 इस्त के भीति बम्बई स्थित सक्षम प्राधितारी के तार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 24-4-1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के क्ष्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गर्द हुं और मृत्ये यह निर्मास करने का कारण हुं कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमाम प्रतिफल का मृस्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमाम प्रतिफल का मृस्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमाम प्रतिफल का मृस्य उसके दश्यमान प्रतिफल से बारतिकां (वंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिकक क्षम से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त बिधिमिशम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा, के सिए; खॉर/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धम या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया बाना बाहिए था, छिपाने से सुविधा के निए;

आतः अभा, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भाँ, भाँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन∡ निम्नलिखिल व्यक्तियाँ, अर्थात् :— श्रीनती सुशीला एस० सुवर्णा ।

(भन्तरक)

- श्री रस्त भाई करीम मोहम्मव विडपुरा।
   (भग्विरिती)
- धन्तरिती ।
   (वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्ट सम्परित के वर्णन के सिक् कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेत्र इ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश वं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्योक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच क 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षारी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों अरि पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया भया है।

# धनु मुची

षुकान नं० 4, जो इमारत नं० 1, ब्लाक नं० ए, हल माला, दलाल, अरार्टभेन्ट, लैमिस्टन रोख, बस्बई-8 में स्थिह है। अनुसूची जैरा कि ऋ० सं० अई-1/37ईई/5973/85-86 और जो स्क्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा, दिनांक 24-4-1985 को रजिस्टड किया गया है।

निसार महमद सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज-1, सम्बद्ध

दिनांक 5-12-1985 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

मागकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मभीन स्मना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहाय ह भाग कर भागुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, सम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० धई-1/37ईई/6367/84-85— मत: भुसे, निसार धहमद

आयमर शिधिनियम. 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर १ स्वीस, जिसका उचित बाजार भूल्य 1,00.000/- रु से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 19, जो की-ब्ला के, 5 वीं मंजिल विनस प्रपार्टमें टस, वरली सिफंस, बम्बई-18 में स्थित है (और इससे उपाबद प्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम 1961 की घारा 269 क्या के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है विनांक 24-4-1985

को पृथांकत सम्पत्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथा पृथांकत संपत्ति का उभित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रातफल से, एसे द्रममान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है बार बंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीभ एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिस इद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्ट्रिक रूप से क्यित महाँ किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, सकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आसित्यों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या भनकर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्भ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

नतः नव, उक्त निधिनियम की भारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त निधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के नभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, नथात् :---

- 1. श्री वेंकटेश एन० मानेल, और श्रीमती मिरा वि० मानेल (भन्तरक)
  - 2. डा० किशोर झश्रीया।

(ग्रन्तरिती)

3. प्रन्तरको ।

(वह व्यक्ति, जिसके मधिभोग में सम्पत्ति है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उनत संपत्ति को वर्णन को संबंध भी कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारोख से 45 दिन की अविधिया तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीकत स्यक्तियों में से किसी श्यक्ति द्यारा;
- (क) इस सुजन के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर जकत स्थावर संपत्ति मी जिल्ला किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

फ्लैट नं॰ 19, जो डी-ब्लाक 5 वी मंजिल, विनस धपार्ट-मेन्ट, बरली सिनेस, बम्बई-18 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि कि सं० धई-1/37ईई/5974/85-86 और जो समम प्रधिशारी धम्बई द्वारा, दिनांक 24-4-1985 को रजिस्टड किया गया है:

> निसार श्रहमद सज्जम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-1, बस्बई

विनांक: 9-12-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म के अधीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण) सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, बम्बर्ड धम्बर्ड, दिनांक 5 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० मा**ई**-1/37ईई/6370/84-85----भत: मुझे

निसार ग्रहमद आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित आजार मृल्य

1.,00 000/- ए. से अधिक हैं
गौर जिस की सं० कमरा नं० 109, जो हाउसिंग
सो तायटो, 32/38, महमदाबाद, स्ट्रीट, बम्बई-19
में स्थित हैं (और इससे उपाबड अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित हैं) और जिस त जारतामा धाय र मितियम, 1961
की धारा 269 कथा के मधीत बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्याक्षय में रजिस्ट्री है दिनांक 20-4-1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मृद्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार प्रत्य, असके दश्यमान प्रतिफल का एसे दश्यमान प्रतिफल का गद्रश्च प्रतिकात म अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती जिन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिक्ति उद्देष्य से उक्त अन्तरण निविद्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम को अधीन कर दने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ के अनुसर्ण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

- 1. श्री सदानन्द, कृष्णाजी मालिक। मैसर्स सदानन्द, जी० एक०,एंड एस० एजेन्टस (भन्तरक)
- 2. श्री जसबीर सिंह भाटिया ।

(प्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के डर्जन के लिए कार्ययाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा उधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस कथ्याय में दिया गया है।

#### बन्स्ची

कमरा मं॰ 109, जो गुप्ता भवन को-ब्राप॰ हाउसिंग सोसायटी, 32/38, ब्रह्मदानाद स्ट्रीट, बम्बई-19 में स्थित है।

धनुसूत्री जैसा की कि सं० धाई-1/37ईई/5892/85-86 और जो सक्षम प्राधिशारी बम्बई द्वारा, विनांक 20-4-1985 को रजिस्टड किया गया है।

> निशार भ्रहमद सलम प्राधिकारी सहायक बायकर पायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-1, दम्बई

विनांक : 5-12-1988

# प्रकार बाही स्टार्ट पुरु हुक <sub>स</sub>----<del>------------</del>

# नावकर निभिन्यन, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-व (1) के नभीन स्वता

#### नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सहाय ह भाय हर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-1, बस्बई

बम्बई, दिनां र 5 दिसम्बर, 1988

निवेश सं० भाई-1/37ईई/6380/84-85--- मतः मुझे, निसार ब्रहमद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृथ्वात 'उन्तर अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 299-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 4.60 000/- रु. से अधिक हैं

+.৫০ ৫৫৫/- ক. सं अधिक हैं। गौर जिसकी संव महान नंव 2, जो औरीएन्ट इंडस्टियल इस्टेट, प्लाट नं० 45, स्कीम नं० 57, सी० एस० नं० 603, दादर नाध्यांव हिवीजान, जे० इक्स्यू० रोड, सिवरी वडाला इस्टेट (एस०), बम्बई-12 में स्थित है (और इससे उपावड प्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका वरारनामा ग्रायकर मधितियम, 1961 की धारा 269 कख के मधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है दिनांक 23-4-1985 पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए जन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार श्रांस्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफाल का र्वक्र प्रतिसत से अधिक है और वंतरक (वंतरकों) और वंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया नमा प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देदेश से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, सक्त अधिनियम के अधीन कर दोने की बन्तरक के शाबित्थ में कमी करने वा उठले बचने में सुविका के लिए; बीप/बा
- (क) ऐसी किसी जाय वा किसी धन या अस्य आस्तियों की जिन्ही भारतीय जाय-कार जाँधानयम. 1922 (1922 का 11) या उक्त जाँधीनयज. या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुंबारा प्रकट नहीं किया गया भ्या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मृतिधा जी सिए;

बतः अव, उक्त जीवनियम का बार. 269-ग को अन्तर्भरण को, मी, उक्त जीवनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) की जधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. श्री जाधवणी वि० स्पारेख।

(ध्रन्तरक)

- 2 ओरिएन्ट इंजीनियरिंग एण्ड शिप रिपेयर, वर्क्स । (मन्तरिती')
- 3. भन्तरितियों।

(वह व्यक्ति जिसके प्रधिभो ग में सम्पत्ति है)

4 प्रम्तिरितियों ।

(यह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि यह सम्पत्ति में हितबद है)

की यह सुचना बारी अंग्रक प्याक्त स्थाल के बक्कर के एसप कार्यवाहियां करता हो।

बन्त सम्परित के जर्जन के सम्बन्ध में कोष भी काक्षेद :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तिया वर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में सं किसी क्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य भ्याक्त द्वारा अधाहस्ताकरों के पात्र निवित में किए वा सकींगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# धनुसूची

माला नं० 2, जो ओरियन्ट इंडस्ट्रियल इस्टेट, प्लाट नं० 45, स्कीम नं० 57, सी० एस० नं० 603, दादर नायगांव डिबीजन जे० डब्लयू० रोड, सिवरी, वडाला, इस्टेट (एस), वस्वर्द-12 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्राई-1/37ईई/5885/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा, विनांक 23-4-1985 को रजिस्टई किया गया है।

निसार श्रह्मद सक्तम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, बम्बई

विनांक: 5-12-1985

धरूप बाइं.टी.एन.एस. ------

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक बायकर बाय्क्स (निरीक्षण)

सहायक भावकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० प्रई-1/37ईई/6381/84-85--- प्रत: मुझे, निसार घहमव,

कालकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्पात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-अ अ अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1.00.000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 9, जो धनन्त निवास वि पुरस्वरा पार्क, की-आप० हार्डास्य सोनायटी लि०, 109-सी, हिन्दु कालोती, डा० धम्बेडकर रोड, दादर, बम्बई-14 में स्थित हैं (और इसने उपाबड़ ध्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से बणित हैं) और जिसका करारनामा भायकर श्रीधनियम, 1961 की धारा 269 वाल के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 2-4-1985

का प्यों किए सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उनके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रशिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाम गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण सिंग्न में सम्वरिक क्ष से करियत नहीं किया गया है :---

- (कः) अन्तरण से हार्ड किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविभा के सिए; बॉर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियभ, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्भ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए?

अत: अब, उक्त अभिनियम की बारा 269-य की जनसरक के. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन जिल्लीतिजित स्ववितयों, अर्थात् :--- 1. श्रीमसी शांता टी० दिवेकर ।

(प्रन्तरक)

 श्री ग्रविनाग जनाउँन ग्रघारकर और श्रीमती चारुलता ग्रविनाई ग्रधारकर।

(भ्रन्तरिती)

को वह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की क्ष्यि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्यास 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिया गया है।

# मनुस्धी

पलैट नं० 9, जो अनन्त निवास दि पुरन्दर पार्क को-भाप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 109-सी, हिन्सू नालोनी, डा० अम्बेडनार रोड, दादर, बम्बई-14 में स्थित है।

प्रानुसूची जैसा कि कि से० प्रई-1/37ईई/6570/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, विनांक 2-4-1985 को रिमस्टई किया गया है।

> निसार भ्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, बस्बई

विनोक: 9-12-1985

प्ररूप आइ⁴.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय ; सहायक आधकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जभ रें ज-1. बम्बई

# धम्बद्दी दिशांक 5 दिसम्बर 1985 विदेश सं॰ अर्देश / 37ईई / 384 / 84 व 85--- अता मुर्से. धिसार अहसद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

यीर जिसकी सं० फीट न० 1 जा, ७०००० इमारत, मयानी शंकर की-आप हाकि जिस मोधाइटी की, मयाने शंका केड केड, दादर, बम्बई-28 है तथा जो बम्बई-28 में लियन है (आप इससे उपावत जन्मूची में और पूर्णक्य ने विजित है), आप कि जाना करार भामा आया हर अधिक्यम, 1901 की धारा 2 9 व्या है विजित के कि बम्बई स्थित स्थाम प्राविकारी के कार्यात्य में प्राव्ही है । तारी ख

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित याजार मूल्य सं कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह जिश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, इसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितिथों) के दीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अब , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण भे , में , उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपनारा (।) के अधीन , निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :----45—426 GI/85 (1) अविभाग मारायण हलदणकर ।

(अन्तर्ः )

(2) राजाराम दामोदण खरे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तारसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस स्वात के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तिः द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वत में किए जा सकेंगे।

स्पट्टेकरण:---इसम् प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो जक्त गीयिनियम की अध्याम 20-क से परिशापित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूजी

प्लीट लॅंक १, जॉ, ३०५३०घ० इमास्त, भवानी संयोधकाठ-जापण्ड्रिकी माली अञ्चेक्षिक्षण, प्रवासा श्री स्थापीड, दादर, वस्थइ-28 में स्थित है ।

अनुपूची वैदा कि कल्सं० अई-1/37/5882/85-86 फ्रांस जो अभाष कार्य करी, बम्बई झारा विश्लेष 24-4-१५85 को रहिस्टई दिया ग्या है।

> ितार अञ्चव सक्षम प्राधिकारी महासक आसकर आस्कत (निराक्षण) तामिकिकारी अस्वि

ार्गिष्ठ : ५-12-1985

मोहर 🗈

# प्रकाभ काल", टी. एप. एस.----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

#### बारत बरकार

# कार्यात्तव, सङ्घायक भावकार वायुक्त (निर्देशक)

अर्जमरें ज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर, 1985

मिदेश सं० अई-1/37ईई/6673/84-85-- अत: मुझे, मिसार अहमद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० दूकान नं० 5, जो, नटराज, प्लाट नं० 404, लक्ष्मी नारायण लेख, माटुंगा, बम्बई-19 है नथा जो बम्बई-19 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण हर ने विणित है), श्रौर जिल्ला का करारनामा आग कर अधिक्षियम, 1961 की धारा 269 कला के अधीन, बम्बई स्थित तक्षम प्राधिक्षिक के स्थित वस्त्र में राजिस्टी है। तारील 20-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का नेद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ वामा नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दंश्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:~~

- (क) अन्तरण ते हुई किसी नाम की गायस, उक्त विधिनियत के अधीन अर दोने के अन्तरक को दायित्य में कमी करने या उससे सचने में सुविचा के तिए; बीद्ध/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिल्हों भारतीय आय-कार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धा धनकर विधिनियम, धा धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया बवा वा वा किया आवा आहिए था, कियाने में स्विधा के किए;

कतः सम, उक्त अभिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण हैं. में उक्त अभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निस्तिस्थित स्थिता में किया है....

(1) नटराज बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) गाला केटरर्स।

(अन्तरिती)

को नह ब्युवा वारी कडके पूर्वोक्छ ब्य्नीत्स के वर्षन के निए कार्यशाहियां काइडा हों।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की गनीय या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूड स्वान की तामीस से 30 दिन की अविध, को भी अविध वाद में अवाध्य होती हो, के भीतर पूर्वों कर ज्यों कराओं में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इ.ज. सूचना के राज्यन में प्रकारन की तार्रीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हित्बक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए का सकीये।

श्यष्टिकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अभ्याय 20-क में परिकारित हैं। बहुरी अर्थ होता को उस कृष्याय में दिशा सवा है।

#### मन्त्रची

दुकान नं० 5, जो, नटराज, प्लाट नं० 404, लक्ष्मी नारायण लेन, माटुंगा, बम्बई-19 में स्थित है ।

अनुसूची जेता कि ऋ० सं० अई-1/37ईई/6182/85-86 स्रोर जो सक्षय प्राधिारी, बम्बई द्वारा दिसीक 20-5-85 को रिजस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद स्थ्रम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रें ज-1, बस्बर्ध

可付項: 5-12 1985

त्रस्य बार्ष टी. एत. एस. -----

नाबकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-व (1) के अभीन सुचना

#### भारत सुरकार

कार्यालयः सहारकः अस्थलः नायकः (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1. बम्बई

बम्बई, दिशांक 5 दिसम्बर 1985

निदेश सं० अई-!37/ईही/6679/84-85--- अतः मुझे, भिसार अहमद.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इंडब्ने इसके परधाल उन्नत अधिनियम त्रज्ञा गया हुँ) की भारा 269-व के बभीन सक्षण प्रधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण हुँ कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उन्नित बाजान सन्य 1,00,00,0 रू. से सिक्न हुँ

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० ए/601, जी, 68ी मंजिल, "सोधानाला" अपार्टमेंट्स, 13/15, अरब लेन, बाप्टी रोड, बम्बई-8 है तथा जो बम्बई-8 में स्थित है (श्रीण इससे उपाबद्ध अनुसूर्वा से श्रीण पूर्णकप से बणित है), श्रीर जिसाल काररपासा आयए ए अधिप्यम, 1961 की श्रारा 269 जख के अधीम, बम्बई स्थिद सक्षम प्राण्डियारी के कार्यालय, में बम्बई रजिस्ट्री है सारीख 1-4-1985

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापृषोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एमे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप में किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) मन्तरण से हुई जिसी तान की जानत, सम्बद्ध विधिनवश्र के श्रधीन कर दोने में मन्तरक के वासित्य में कभी करने वा उनर्व (चने में सुविभा के तिस्; वीद्र/मा
- (थं) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अस्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशासनाथं अन्तिरिती द्वाध प्रकट नहीं किया विशेष का वा किया नाता शाहिए था, कियाने यो प्रविधा के सिए;

अतः अयः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरणं में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-धं की उपधारा (1) के सभीतः, जिम्निलिकित व्यक्तियों, कर्धातः :—- (1) ऐसर्स जोगानी बिहरूर्ग ।

(अन्नतारकः)

(2) श्रीमित णहालहान शहीद हसन मिर्।

(अन्तरिती)

(4) अन्तरका

(ब्रह व्यक्ति, जिसके बारे में अधी-ह्स्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में दिनबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उवत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वन के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मनुसूची

फ्लेंट नं॰ ए/601, जो, 6ठी मंजिल, सोमावाला अपाट मेंट्स 13/15, अरब लेन, बाप्टी रोड, बम्बई-8 में स्थित है।

जन्यूवी जैसा कि कि स० अई-1/37ईई/4749/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड विया गया है।

> निसार अहमद मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजैस रेंज-1, बस्बई

न(रीख: 5-12-1985

## प्र**क्ष्म कार्यः, टी. गुल**्डाण

# बायकर विधित्तियम, 1961 (1961 का 43) की

भाग १६६० छ। है। है आ तेत राच्या

#### भारत सरकार

# कार्यालय सहायक बायकर वास्वत (निरीक्षण)

अर्जन हें ग्रा., बस्बई बस्बई, विशास 5 दिशस्यर, 1985

भिष्य सं० अई-1/37ईई/6699/84-85-- अतः मृझे, निसार अहमद,

जायकार मधिनिजय, 196: (196: का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा १९९-म के अधीन अध्य प्रधिन नहीं का निकास करने का अप्रण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसकः अधित नामार भून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिनकी संव दुकान नंक 1 के, जो, बेसमेंट बी, सोनाधाना अपार्ट-मेंटम, 13/15, अपन लेट, बार्ग्टा रोड, बस्बई-8 है सथा जो बस्बई-8 में स्थित है (ओर डाले जिनसाड अनुसूची में और पूर्णक्य से बर्णित है), और जिनका जिनकामा कायकर अधिक्रियम, 1961 की धारा 269 जब के मनीत, बस्बई स्थित एकम प्राधिकारी के कार्यालय में रिलस्टी है दिनांक 6-4-1985

को ब्रह्मिक अध्यक्ति के तिमित बाबार मृत्य स क्षम के स्वयमान गितफाल के लिए अन्तरित की गई हैं और एक वह विश्वास कारने का कारण ही कि स्वाह्यांक्य संगतित का प्रतिकत आधार मृत्य, उसके स्वर्थमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और बंगिरती (बंगिरिवर्गे) के बीच के शोसे सन्तरण के किए एम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बावज, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी अदने या उकते वचने में स्विका के सिए; और/बा
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्सियों की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (१९१८ १९ ३१) (१ ९३० १ विकिए) का ५३ ५५ १९६० भी प्रतिसंद 1957 की 27) के अग्राचनार्थ जन्मीरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया भारति का उपना से प्रतिसंद की या, १६००० मी प्रतिसंद की निर्मा

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन. निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मे उसी जीगा ही बिल्ड्स ।

(अन्धर्क)

(१) भेतर्ग स्यू अशोध आधीमीबादल्य ।

(अन्तरिनी )

(3) কলাকৌ ৷

(बहु ब्यक्ति, जिसके बारे में अधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में दितबद्ध है )।

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्नवाहियां शक्ष करता हों।

# उक्त संपरित के वर्णन के संबंध में कोई भी माधीप:--

- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तिमाँ सर सूचना की लागीन से 30 दिन की अवधि, को औं अवधि बाद में समाप्त होती हो, के नीखर पूर्केंक्स व्यक्तियों हो में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक स 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवब्ध किसी क्या व्यक्ति ध्वारा अथंहस्ताक्षरी के शस निक्षित में किए जा सकर्ग।

स्थळकोक १णः -- इसमें प्रयूष्ट्रस शब्दों और पदों का, जो उनस जिथिनियम के जभ्याय 20-क में परिभावित हो, वहीं अर्थहोगा को उस सभ्याय में दिया गया हो।

#### धतससी

दुआन त० 16, जो, बेसमेंट बी, सोतावाला अपार्टमेंटस 13/15, अभव लेल, बार्टी रोड, बम्बई 8 में स्थित है।

अनुसूची जैसा ि कि के० सं० अई-1/37ईई/4784/85-86 फ्रौर जो अक्षम प्राधिकारी, बम्बई क्षारा दिन्छ ६-4-1985 को रिजिस्टर्ड रिया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आक्रकर अध्यक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, जस्बई

नारीख : 5-12-1 985

# प्रकार बाह्री, टी. एन. एस-------

जासकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज~1, ब्रम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० प्रर्श-1/37—ईर्र्श/6700/84—85~—ग्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

नामकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें स्थान परमात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स में अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्बक्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० पुकान सं० 10 भौर बेसमेंट सं० ए, जो, सोनावाला भगार्टमेंटम, 13/15, भरब लेन, बाप्टी रोड, बम्बई—8 में स्थित है (श्रीर इसमें उपावद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), श्रीर जिसका क्रायनामा श्रायक्तर श्रीधनियम, 1961 की धारा 269 कुछ के श्राधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्द्री है, दिनांक 6-4-1985,

को पूर्वो कित संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल

- के पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पावा भया प्रतिकल, निम्नेलिबित उद्योध्य से उक्त अन्तरण जिल्लित को नास्त्रिक रूप से क्षित नहीं किया गया है :---
  - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
  - (ख) एंसी किसी आय या किसी धन बा अन्य असिन्यों की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, १००७ १००० की प्रयोजनार्थ अकरिती इंदारा प्रकट नहीं किया स्या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

प्रशः तन, उक्त अधिनियमं की धारा 269-य के अनुवरण में, में, उपस निधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) में तथींगः गिल्लीसिका स्थानकों, अधीर ह (1) मंसर्स जोगानी विल्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) बी॰ एल॰ जोगानी फ़ैमिली ट्रस्ट । (श्रन्तरिती)

(4) श्रन्तरकों

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनयद्व है)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस ने 45 दिन की नवीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सञ्चित के हित-बद्ध किसी अन्य स्थित द्वारा अभोहस्ताक्षरी के गास सिचित में किए जा सकोंने।

स्वय्द्रीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याव 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, को उस अध्याव में दिशा नवा

# अनुसूची

दुकान सं० 1 और बेसमेंट ए०, जो, सोनावाला प्रपार्ट मेंटस, 13/15, प्ररब लेन, बाप्टी रोड, बम्बई-8 में स्थित है।

श्रनुभूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-।/37-ईई/4785/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-4--1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> निसार ऋहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोजें–।, बम्बई

दिनोंक : 5→12-1985

प्ररूप आहाँ.टी.एन.एस..-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचनः

भारत संरकार

कार्यालय, सहायक अरुक्त आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-ा, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश स० भ्रई-1/37-ईई/6102/84-85--श्रनः मुझे, निसार श्रहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त लिधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-का के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बीत जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं पलैट सं 2, जो, 12वी मंजिल, सहनामः श्रपार्टमेंटस, कंफ परेड, कुलावा, बम्बई—5 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में जीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा धायकर श्रधितियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई रिश्त सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 2-4-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दरममान प्रिक्षिक के लिए अंतरित की गई है और सभे यह विरवास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से ऐसे दश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) से बीच ऐसे अन्तरण के लिए तक शया गया प्रतिकाल, जिम्मिनियत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिक रूप से कथित नहीं कया गया है।—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाद की बादत, उक्त बीधीनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे दवाने में सुविधा दायित्व के सिए; बीर/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी अन या जन्म आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आवन्नार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, वा प्राप्तियम, वा सामित्र था, खियाने में स्विधा के निष्;

बत: अब, उक्त ऑफिनियम की भारा 269-व के बन्तरण में, में उक्त अफिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के बभीन निम्निसिस, व्यक्तियों, वर्णीय है— (1) कलर-केम लिमिटेड ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती पांमला चटर्जी
2. कु० मिराई चटर्जी
3. कु० प्रिया चटर्जी।

(भ्रन्तरिती)

(3) कलर-केम लिमिटेड । (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त तस्पीत के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीज के 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्पिक्तमों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पिक्तमों में से किसी स्पिक्त बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पक्टीकरण : -- इसमें प्रगुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### धम संपर्ध

फ्लैट सं० 2 12वां माला, सत्तनाम ग्रापार्टमेंटस, कफ़ परेड, कोलाबा, बम्बई-400005

अनुभूची जैसाकि ऋ० सं० ग्रई- 1/37-ईई/5763/85- 86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4- 85 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

निसार श्रह्मद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-, बस्वर्ष

दिनांक : 9-12-1985

ोहर :

# प्रकृष नार्षः, टी ३ एन ३ पुर्व ३-----

# भारा २६९-भ (1) के संभीन तुचना

#### शाहत सहस्राह

# कार्यासय, सहायक भागकर बाय्यक (निहासिक)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० श्रई०-1/37-ईई/6115/84-85--श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अभिनियम' कहा नवा हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- हा. से विधिक हैं

प्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1, पहला माला, पटेल अपार्टमेंटस, बिल्डिंग सं० 7-बी, बी० जी० खेर रोड, बरली, अम्बई-18 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिलत है), और जिनका नरारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 एख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टी है, दिसाक 2-4-1985

को पूर्वोवत सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कन के बच्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास भरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्ध्यमान प्रतिफल से एसे द्ध्यमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकारें) और अंतरिती (अंतरितयारें) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) नंतरण तें हुई निसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर बंचे के इन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मुक्रिधा के लिए सीर/ण
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 195; (1957 का 27) के प्रकोणनार्थ अन्तरिती इंगरा प्रकट नहीं किया गया था वा किया आता वाहिए था, कियाने में संविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्मलिखित व्यक्तिस्थों, अधित् ह--- (1) श्री युसुफ़ श्रब्दुल्ला पटेल ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रमोद शंकरलाल टिबरेबाला श्रीर श्रीमती संगिता प्रमोद टिबरेवाला ।

(भ्रन्तरिती)

को स्थ स्थाना साखी करके पृत्रों कर सम्पत्ति के सर्जन के सिष् कार्यनाहियां सुक करता हुं।

उनक कम्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की सारीच वें 45 दिन की जविभि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामीज से 30 दिन की जविभ, जे औं सबिध बाद में बमास्त होती हो, के भीतर प्रविकत स्वितकों में से किसी ं किस बुबारा;
- (य) वस स्वाम के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन के भीतर उभत स्थापर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य ध्यमित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्तित में किए अप असीतः ।

स्पक्कीकरणः - इसमी प्रमुक्त शब्दी और पदी का, वो उपस अविनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बही कर्ष होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### श्रनुसूची

पलैट सं० 1, पहला माणा, पटेल अपार्टमेंटस, बिल्डिंग सं० 7-बी, बी० जी० खेर रोड, बरली, बम्बई-400018। अनुसूची जैसा कि क० गं० अई-1/37-ईई/5773/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-85 को रजिस्टर्ड स्थि। गंगा है।

> निसार श्रह्मद सक्षम प्राधि नारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रुजन रोज~1, बम्बई

दिनांक : 9-12-1985

# मस्य अवर् ्टी, स्य ्यस् अन्यस्यास्य

नायकर जभिनियस, 1961 (१९61 का 43) ही भारत 269-म (1) से संभीन सुख्या

#### RIVER SECTION

# कार्यानव, सहायक कामकर बाबुक्त (विरीक्षण)

श्रर्जन रेंज⊶ा, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० ए० श्रार० 1/37ईई/6062/84-85--श्रतः मुझे, निसार ग्रहमद,

कायकार अभिनिधम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसको भारते परणात् 'उकत अभिनिधम' कहा गया है), की धारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का आएण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार जूका 1,00,090/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० पलैट सं० 4, 6वां ,माला, पटेल श्रपार्ट्र मेंटस बि० सं० 7-बी, बी० जी० खेर रोड, वरली, बम्बई-18 में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्व श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर विस्ता दचालनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रथीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-4-1985,

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके ध्यममान प्रतिफल से, एसे ध्रथमान प्रतिफल का न्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिति (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण निचित में दास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन त अधिनियम के बधीन कर दोने के जन्तरक के बाबित्य में कभी करने मा उत्तवे सचने में सुविधा के सिष्: और/सा
  - (बा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में इत्था के बिद्ध;

अत: अस. उन्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण भैं, मैं, जक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियर अधीन हिन्स (1) श्री युसुफ प्रब्युल्ना पटेल ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री चंचलाबेन हरिकसनदास मिस्त्री, ग्रीर मनहर हरिकसनदास मिस्त्री । (ग्रन्तरिती) ।

को यह सूचना बादी करके पृशासित सम्परित के अर्थन के लिए कार्यमाहियां शुरू करता हुं।

## क्षमा कम्परित के वर्षन के सम्बन्ध वो कार्य भी कार्यय :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है से 45 दिन की अविभि या तत्संबंधी अविक्रियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टिंकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपक्ति में हितबब्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शस लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्दिकरणः --- इसम प्रयुक्त गुब्दों और पवों का, जो उबद अधिनियम, को अध्याय 20-क में मथा परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## श्रनुसूर्चा

फ्लैट मं० 4, 6वां माला, पटेल श्रपार्ट्मेंटस, बिल्डिंग सं० 7-बी, बी० जी० खेर रोड, वरली, बम्बई-400 018 ।

श्रनुसुची जैसा कि क्र॰ सं॰ श्रई-I/37-ईई/5737/85- 86 श्रीर जो सक्षम प्राधि हारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-54- 85 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज-I, बम्बई

दिनांक : 9-12-1985

प्रक्ष बाहें. टी. एन. एस.-----

बामकार बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) स्त्री भारा 269-व (1) के बाधीन समाना

भारत सरकार

कार्यालय, सञ्चायक श्रायकर श्रायमत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० ए० ार०1/37ईई/6063/84~85~-श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

नामकर कींधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया ह") की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह निष्णास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित नाजार जून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० पलैट सं० 3, पहला माला, बि० सं० 7 वी पटेल अपार्टमेंटस, बी० जी० खेर रोड, बरली, बम्बर्ग-18 में स्थित है और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका विजयनामा आयस्तर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बर्ड स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है, विनांक 1-4-1985,

कर प्रवेशित सम्पत्ति के उणित बाजार मुख्य से कम के क्ष्यमान प्रतिकास के लिए केन्सरित की गई है और भूमें बह जिल्हाल करने का कारण है कि मभापूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मूच्य, उसके क्ष्यमान प्रतिकास से, एसे क्ष्यमान प्रतिकास का अन्तक प्रतिकास से किथक है और अंतरक (अंतरका) और बंसरिसी (अंतरिशियों) के बीच एमें अंतरण के लिए तब पावा गया प्रीक-फल निम्निलिसत उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखिता में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- फ) जन्तरण से हुई फिबी जान की बाबस, उक्त जिमिनियन के बभीन कर दोने के बन्तरक के दावित्य में कमी करने था उससे बचने में नृतिभा के लिए; जॉर/वा
- (क) एंसी किसी बार वा किसी धन वा अन्य जास्तिओं को, चिन्हें भारतीय नामकर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत सीधिनियम मा धनकर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, कियाने प्रें सिथा के सिए;

जतः अम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनुसर्भा मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन विजनिविद्या स्वित्स्यों, नेशात् :--- (1) श्री युसुफ़ शब्दुल्ला पटेल ।

(ग्रन्तरम्)

(2) श्री चंचला बेन हरिकसनदास मिस्त्री, देवयानोबेन चिनोद मिस्त्री , विनोद हर्फसिनदास मिस्त्री ।

(भ्रन्तरिती)

को नद्र त्याना यारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के वर्षन के विश्व कार्यनाहिनां करता हो।

उक्त संपत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीश से 45 हिन की बनिध मा तल्सात्र्याची अधितायों पर मूचता की तानीश से 30 दिन की बनिध, वां भी जनवि वान में सजाप्त होती हा. मा निष्य कि विकास में सजाप्त होती हा. मा निष्य कि वान में किसी व्यक्तित व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन के भीटर उस्त म्याबार मर्माल में हिन्द- वर्षभ किशी जन्म स्पनित द्वारा, जभोहस्ताधारी के शक्त जिस्स की किए का एकी ।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त कच्चों और पर्चों का, जो उक्त विधिवचन, के कथाय 20-के ने परिभाषित ही, वहीं वर्ध होंगा जो उस कथ्याद में दिया गया ही।

#### सन्स्थी

फ्लैट सं० 3, पहला माला, बिल्डिंग नं० 7-बी, पटेल प्रपार्टमेंटस, बी० जी० खेर रोड, वरली, बम्बई-40 018 श्रनुसूची जैसा कि के० सं० श्रई-1/37-ईई/5738/85-86 श्रीर जो अक्षम श्राधिकारी,बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड जिया गया है।

> निसार श्रहमद ाक्षम प्राधि शरी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रॉज-I, बस्बई

दिनों : 9-12-1985

प्रारूप आहं.टी.एन.एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई; दिसार 9 दिसम्बर 1985

निदेश मं० अई-1/37-ईई/6114/84-85--अत: म्झो, निमार अहमद,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धार ?69- स के उधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित माजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० पर्लंट नं० 2, ाला माला, पटेल अपार्टमेंटस बिल्डिंग नं० 7-ची०, बी० जी० खेर मार्ग, बरली, बम्बई-18 में स्थित हैं (सीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण कप से विणित हैं), श्रीर जिसला कुरारतामा आयकर अधि-नियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री हैं, तारीख 2-4-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति हो उचित बाजार मून्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एांसे दश्यमान प्रतिफल को . पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तर्कों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में गस्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) वंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, सकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दाबित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी जिसी आय या किसी धन मा अन्य आस्तिम कां, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उनत अधिनियम, ए धन-कर अधिनियम, १५५७७ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्टिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था का किया बाता चाहिए था, किया में सिका के सिका;

नतः सम. उक्त आंधिनियम की धारा 269-न के अनुमरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री युसुफ अध्दुल्ल। पटेल ।

(अन्परक)

 श्री विणवनाथ अंतरलाल टिबरेवाला श्रीर श्रीमती मीमा विश्वनाथ टिबरेवाला।

(अन्तरिनी)

कां यह स्वना जारों करके पृथोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्बन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराध है 45 दिन की अमिष या तत्संबंधी क्यांक्तया घर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भा अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंकत व्यक्तियों में से किसी क्योंक्त द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब क 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकोंगे।

पब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्ह अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ हागा, जो उस अध्याय में विका गर्थ। हैं।

## ननस्त्री

पलैट नं० 2, 1या माता, पटेय अपार्टमेंट्य, बिल्डिंग नं० 7-बी०, बी० जी० खेर मार्ग, बरजी, बस्बई-18। अनुसूची जैगा जि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/5772/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिशांका 2-4-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> हिल्लाम अहमद संअम आधिकारी महायक आयक्तर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रॉज-1, बस्बई

तारीख: 9-1 -1985

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज के अधीन स्वाना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जभ रोज-1, बन्जई

बम्बई, दिशांग 9 दिलम्बर 1985

तिर्देश सं० एआर 2-1/37--ईई/6116/84-85--अत: मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमः' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वदेश से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक अप से कथित नहीं किया गया है:--

- क्ष्मं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर वाने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः कयः, उक्त लिधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण कैं, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीनः, निम्मोलिश्वसं व्यक्तियों, अर्थात् क्ल— श्री युसुफ अब्दुल्ला पटेल।

(अन्तर्क)

2. श्री विनोद शंकरलाल टिबरेवाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्शि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हु---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील स 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

## धनुसूची

पर्तंट तं० 3, 6वा मतार, घटेल एण्ड गुप्ता अपार्टमेंटस, बिल्डिंग नं० 7-वी०, वरली, बम्बई-400 018 में स्थित है।

अनुसूची जैता हि कि० सं० अई-1/37-ईई/5774/85-86 सीए जो सक्षम प्राधिकारी, बन्धई द्वारा दिनांक 2~4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अधिकः (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीखा: 9--12--1985

प्रारूप आह .टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

भिवेश सं • ए॰आर-- 1/37-ईई/6171/84-85--अतः मुझे ' निसार' अहमद,

बायकर विभिनित्रम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उसते अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के सभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, विनका उपित बाजार मृल्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

श्चीर जिसको सं० फ्लैंट नं० 1, 2रा माला, पटेल अपार्टमेट्स वि० नं० 7-बी०, बी० जी० खेर रोड, बरली, बस्बई-18 में स्थित है (श्वीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में श्वीर पूर्ण रूप सं विणित है), श्वीर जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 9-4-1985

श्रं व्योंकरः संपरित् के जीवत वाचार भूक्य ते कम के स्थमभाग अधिका के तिए कलारित की नई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि वचापुर्वोक्त सम्मरित का जीवत नाजार वृश्य, उनके क्यमान प्रतिक्त के, एते क्यमान प्रतिक्त का पंद्रह प्रतिकात के विश्व हैं और अन्तरक (बन्तरकों) और बंतरिती (जन्तरितिकों) के बीच एते बन्तरक के तिए सम पाना बया प्रतिक्त कर विश्व कि उनके कन्तरण निष्क के अस्तिक के अस

- (क) बन्तरण से हुए किसी बाय की बाबत , उमस अधिनियम को सभीन कर बोने के बंतरक से दासित्य में कमी करने वा उसने सभने में सुविधा के लिए: बहि/बा
- (च) एंसी किसी बाव वा किसी धन या कन वास्तियों को, जिस्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ अन्तरिती ध्वास प्रकट नहीं किया गया या वा किया काना चाहिए था, कियाने वें स्विधा के सिद्ध;

अतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनूसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की अभियारा (1) के अभीतः, विव्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री युसुफ अब्दुल्ला पटेल।

(अन्तरक)

2. श्रोमता निलोकर मोहम्मद फार्टक प्लास्टिकवाला। (अन्तरिती)

का मह स्वता जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षत के तिए कार्यवाहियों करता हुं।

अक्त स्थापित के वर्षम् के सम्बन्ध में कोई भी बालेंगुः--

- (क) इब सूचना के राज्यमा में प्रकायन की तारीं के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्पक्तियों पर तृचना की तासींस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वास में सवाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्य स्पक्तियों में से किसी स्पक्ति हुवार;
- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाजन की तारीज के 45 जिन को भीतर उक्त स्थाबत सम्पत्ति में हिंत-क्ष्म किसी कन्य व्यक्ति स्थाय अभोहस्ताक्षरी के बाद सिविदा में किए वा सकों ने।

स्पक्कीकरणः -- इसमें प्रयुक्त तथं और पयों का को उसत विभिन्नक, के वश्मीय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गंबा है।

## नन्स्ची

फ्लैट नं० 1, 2रा माला, पटेल अपार्टमेंट्स, बिल्डिंग नं० 7-बी०, बी० जी० खेर रोड, बरली, बम्बई-18 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37–ईई/5815/85–86 ग्रींर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

िसार अहमद यक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बस्बई

नारीख: 9-12-1985

### मक्द बार्ड : टी. एन : सूर : ------

# नावकर वृधिनिव्यः, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) वे वधीन वृक्ता

#### كالخي متخطعه

# कार्यास्य, सहायक जायकर जायका (निरीक्षण) अर्जान रेज-1, बस्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं ० एअ१२–1/37- १६/6328/84–85——अतः सुझे, निसार अहमद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें दसके पश्चात् 'उन्तत निधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारों को, यह विस्नास करने का कारण हैं कि स्वायर सम्मति, विश्वका अधित बाद्धार सम्मति। 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीप जिसकी सं पर्लंट नं 0 2, 4था माला, अजंटा आय-डिअल को-आप० हाउस्मि सीटायटी लि०, 75, कोलाबा-रोड़, बम्बई-5 में स्थित है (ग्रीप इसमे उपाबद्ध अनूसूची में ग्रीप पूर्ण रूप से विणित है), श्रीप जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थिप सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है जारीख 20-4-1985

का पूर्वोक्त संपत्ति के उपित वाकार मुख्य से का के कारकान प्रशिक्ष के मिए अन्तिहित की नहीं हैं और नुने कह निकास करने का अभित हैं कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार भूम्म उत्तके कारकान प्रतिक्ष्म है, ऐसे कारकाम प्रतिक्ष्म का समुद्ध प्रतिक्षय से अभिक हैं जोर बंबरक (बन्दारकों) और कन्तिरिती (अन्तिरितियों) के बीच एवं बन्तरण के बिए हम पत्ना क्या दित्यका निकास कि वीच एवं बन्तरण के बिए हम पत्ना क्या दित्यका निकास कर दी व्यक्ति कही किया पता है ----

- (क) सम्प्रस्थ संबद्ध (का) बान् की बान्ता, उन्ध्य अभिग्रेन्त्र की व्योग कर योगे को अन्ताहक की शामित्व में कमी करने वा उसके बचने में ब्रोमधा की जिल्; बाहि/वा
- (क) एची किसी नाम या किसी धन ना कुछ ना स्त्रां को, चिन्हों भारतीय नायकर विचित्रपूत्र, 1922 (1922 को 11) या ज्याद व्यापिनयम, या धनकर व्यापिनयम, 1957 (1957 का 27) के ब्रक्केयमध्य नन्तांच्या द्वारा प्रकट नहीं किला गया या वा किया स्राम का का किया के स्वीपना के स्त्रां

अतः अबं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कों, जों, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जशीत् :---

- 1. श्री आत्माराम केवलराम सदारंगानी। (अन्तरक)
- 2. श्री दलिए जी० मिखाजानी धाँर अन्य। (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के वर्जन के लिए कार्ववाहियां युक्त क्रका हुं।

### **बच्छ सम्मरित को अर्थन को स**म्बन्ध यो । कार्स भी कार्रांप ।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की ननिध या उत्संबंधी स्थानकार्यों नक्ष सूचना की साधील से 30 दिन की सर्वाध, को भी ककिया नाम में स्थापत होती हो, से धीतर पूमों कर, व्यक्तियों में से कियी व्यक्तिय ह्यारा;
- (व) इस स्वा के हायक में म्हासन की तारीय सं 45 दिन के बीतर उक्त स्थावर सम्भीत में हित-बबुध किसी सम्ब स्थावत द्वारा, बक्त स्ताक्षरी के शस मिकित में किस् का वर्षों थे।

स्वक्रीकरणः --- इसमें प्रवृत्त वर्षी वरि पर्व श, को उपस् अभिनियम के अध्याय 20-क भी परिभाषित ही, बड़ी अधी होता को सभा अध्यार में विकास गया ही।

# **अनुसूची**

फ्लैंट नं० 2, 4था माला, अजंठा आयडिअल को-आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 75, कोलाबा रोह, बम्बई-- 5 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ मं अई-1/37—ईई/5954/85—86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिसांक 20-4-1985 को रजिस्टई किया गया है।

निसार अहमद सजाम प्राधिकारी सह्यायक आयजर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

सारीख : 9-12-198**5** 

मोहुरु 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० श्रई-1/37-ईई/6121/84-85--श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारत्तीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् — 1. श्रीमती जानकी देवी कें पर्सराम डी० संतवानी की परनी।

(भ्रन्तक्

2. श्री चंदरलाल नौलानी।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फ्लैंट र्न० 72, जो, सतीया भवन, प्लाट नं० 3, जे० जे० चैरिटीज, 4था रास्ता लेन के सामने, ऑफ एस० बी० रोड़, कुलाबा, बम्बई~5 में स्थित है।

श्रनुभूची जैसाकि ऋ० सं० श्रई- 1/37-ईई/5779/ 85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1985 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद क्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज~1, बम्बई

नारीख: 9-12-1985

मोहर 🖫

# प्ररूप बाइ", टी. एन. एन.-----

आक्षकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यासय, सहायक आयकर माम्बर (रिनरीक्स)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेण सं० श्र $\hat{\mathbf{z}}$  $-\mathbf{I}/37$ - $\hat{\mathbf{z}}\hat{\mathbf{z}}/6081/84$ -85--श्रतः मुझै, निसार श्रहमद,

बायकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (चित्रे इसमें क्रिके क्यान 'उदत अधिनियम' कहा गया है), की धार 769-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारक है कि स्वावर सम्मति, चित्रका उचित्र आधार मूक्व 1,0(,000/- का ए अधिक है

श्रीर जिसकी सं कि हार्यालय नं कि 51, जो, तां खदेव एयर कंडीशन्ड मार्केट, ाली मंजिल, लांडवेव, वम्बई—34 में स्थित है (श्रीर उपसे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप के बिंगत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रीयकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269%, ख के श्रधीन, वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के जार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1—4—1985 को पूर्वों कर सम्पत्ति के जार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1—4—1985 को पूर्वों कर सम्पत्ति के जार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1—4—1985 को पूर्वों कर सम्पत्ति के जार्यालय से रिजस्ट्री है और मुक्ते यह विश्वास अरते का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का न्वह प्रतिकात से बिभक है और अंतरक (अंतरकों) और जंतरिती (श्रंतरितियों) के नीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिकात का. जिस्सीवित दृद्धिय से स्थल क्यारण कि बिवा के बाजार का.

- (क) जल्लरण से इन्हें कियों नाव की वावत करवा क्षिन निवस से अधीन कर रोचे के व्यवस्थ के दावित्य के अली करने वा दवने वचने में सुविचा के विचे; और गा/
- (सो एंसी किसी बाय या किसी भन या अध्य जास्तियों का, जिन्हों भारतीय जायकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या भन-के आधिनेत्रयम 1957 (1957 का 27) के स्वाराज्य स्वाराज्य महीं किया नवा भन वा किया जाना चाहिए जा, जिनाने में सुविधा ही किए:

आ। इन, उन्नत निधिनियम की धारा 269-म की, जनुकरण थं मीं, उन्नत निधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) हे निधीन, जिल्लीमिकिंग नावितनों, अर्थात अल्ल 1. श्रीमती पार्वती वि० तलरेजा।

(श्रन्तरक)

- में अर्थ प्रो ग्रेशि०ह लोजिंग लिमिटेड।
   (श्रन्तरिती)
- 3. भ्रन्तिसीं

(यह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को मह स्वना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के सिह् कार्यवाहियां करता हूं।

बनस सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना न्द्रे राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तासील से 30 दिन की अवधि, वो भी ववधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में बे फिसी व्यक्ति द्वारा:
- (व) इस त्वना के राजपन में प्रकासन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपत्ति में हित-बद्ध हैं कसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताकरी के पास निवित में किए वा सकेंगे।

## ननसची

क्षायिनिय नं० 51, जो, ताडदेव एयर-कंडीशन्स मार्केट 1ली मंजिल, ताडदेव, बम्बई-34 में स्थित है।

श्रनुसूची जैमा कि कर संर श्रई-I/37-ईई/5749/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वाण दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टई किया गया है।

निसार श्रह्मद सक्षम प्राधिदारी सहायक श्रायकर श्राय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बस्बई

नारीख: 9-12-1985

प्ररूप बाहै.टी.एन.एस. -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-भ (1) के बभीन मुभवा

#### भारत तरकार

कार्याजय. सहायक कार्यकर बाय्क्त (किरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, सम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० श्र $\hat{s}-1/37-\hat{\xi}\hat{\xi}/6161/84-85-$ -श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

अधिकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें रमके पटकान 'उक्त रिंपिनयम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्प्रोक्त, जिसका उचित ग्राजार सृक्य 1,09,000/- रहा से अधिक है

यौर जिसकी सं० दुकान नं० 124, जो, हिरा पन्ना, भुलाभाई देशाई रोड़. का जंक्शन, ताडदेव, बम्बई—34 में स्थित
है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत
है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961
की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रिक्ट्रि है, तारीख 9-4-1985
को प्रांक्ति मंगील को उचित बाजार मस्य में कम के खबमान
प्रतिकाल के लिए अंतरित की गई और मुम्मे यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थापत्रों ता होतील का गित्कित सामान प्रतिकाल से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती
विन्तरित्यों) के बीच एसे बन्तरम के लिए तब पाना चवा
प्रतिकाल, निम्निविद्या उद्युवस्य से उन्तर अन्तरण सिवित्व
में वास्तविक रूप ते कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुन्दें किसी आय की बाबत, उक्त अधि-बिधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के धाजित्य में कनी करने या उसने बचने में मुनिधा के निव्ह, बीर/वा
- (क) ऐसी किसी आय वा किसी भग वा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धन लट अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सविधा को निए।

करा: बद, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरक में, में, उक्त व्यधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्धात् :च∹ 1. मेसर्स एग० पी० बिल्डर्स।

THE RESIDENCE OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY

(भ्रन्तरक)

2. श्री घेवरचंद मारेमालजी जैस ग्राँग पारसमलजी रणाजी।

(भ्रन्तरिती)

कारी बाह्य सुचना आरी करके पृथींकत सभ्यित के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अधिप, जा भी बन्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस तुमना के समयत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नभोहस्ताक्षरी के णस निवित्त में किए का सकोंगे :

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो जक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहु विश्व होगा, जो उस्त बध्याय में दिया गवा है।

## ग्रनसूची

दुकान नं० 124, जो, हिरा पन्ना, भुलाभाई देसाई रोड का जंक्शन, ताडदेश, बस्बई-34 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई- $\cdot1/37$ -ईई/5807/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधियारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-4-1985 को रजिस्टई किया गया है।

निहार **श्रहमद** रक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायक्षक श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रोज-1, **बम्बई** 

नारीख: 9~12~1985

मोहरः

प्रकाप कहा , द्वा. एन , एन , मन----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा ःःG छ (1<sup>)</sup> के वर्भीन सं**च**ना

#### भारत सरकार

# ्धार्यालयः, सष्टायक अग्रयकर काय्**कतः (निरीक्षण)**ः

अर्जन रीज-१, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिलम्बर 1985

निदेश सं श्र प्रर्ह-1/37-ईई/6185/84-85--- प्रतः मुझे, नियार श्रहमद,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्दबात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक **हैं** 

ग्रीर जिसकी संव फ्लैंट नंव 53/1393, जो, एमव ग्रायव जी०, श्रादर्ण नगर, वरली, वम्बई-25 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध शनुसुची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका क्राज्यामा श्रायाण श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीन, बप्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में एतिस्ट्री है, वारीख 9-4-1985

को पूर्वेदित सम्पत्ति के उपित बाजार मृल्य से कम के उदयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई 1भी यह विश्वास करने का कारण है

कं यथा पूर्वीक्न गम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रीतिकार से, एते दश्यमान प्रतिकार के पन्द्रह प्रीतशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के शीच एसे अन्तरण के लिए उप दाया गया प्रतिकल, निम्नलिकिन उददंश्य में अवत अन्तरण लिखित में अस्तिबिक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की शायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक दायित्व में कभी करने या उससे अखने में सविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन अन अन्य आस्तियाँ क्ये, जिन्हें भारतीय आयकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पर्यापनार्थं अस्पिकी दशास पकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिणाने में सुविधा के निए:

अप्त: अख, उक्षत अधिनियम की धारा 2**69-ग के अनसरण** ्राञ्चन क्रीभूजियम की भाग १६० घ यही उपचारा (१५ 😙 ेलीबत व्यक्तियों, अर्थात् :---

47.--426 G1/85

ा. श्रीमनी कुठ श्रीच पुले।

(अन्दर्भक्र)

2 श्रीमती डी० एम० शहा।

(श्रन्दरिती)

3. 籾ではあし

(बहु व्यक्ति, शिक्ते सिधिभोग में लग्पत्ति है)

को यह स्चना जारी करके पद्धोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उत्पत्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधियातत्संबंधी व्यक्तियाँ सुचनाकी तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी वविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वावर ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा:
- (का) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्रभ किसी अन्य व्यवित द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखिए में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीक रण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का,, आ उन्हरू अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित वहीं अर्थ होगे। जो उन अध्याण हो दिया गया गया 📂 ।

### प्रनुसूची

फ्लैंट नं∘ 53/1393, जो, एम० ग्राय० जी०, श्रादर्श नगर, वरनी, वम्बई -25 में स्थित है।

श्रन्युची जैमा 🕾 ऋ० सं० ग्रई -1/37 ईई/5825/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिलांक 9-4-1985 की रजिस्टर्ड िया गया है।

> निकार प्रहमद ाअम पार्वि ∵री महायाः यायाः याग्यः (निरीक्षण) श्रानंत रीन्-ा, बभवर्ड

বার্গত 9- 12- 1985 Ŧ, (z. 1

-- --

SAN WINE TO BE OF A

**आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43)** कं. तरा **269-घ (1) के अधीन सूचना** 

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, बस्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेण सं० श्र $\hat{\mathbf{s}} - 1/37 - \hat{\mathbf{s}} \hat{\mathbf{s}}/6218/84 - 85 - अतः मुले. निसार श्रहमद,$ 

श्रीयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की अभा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारों का यह विकास अभी कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मणा 1.00,000/- रु. से अभिक हैं

श्रौर जिसकी सं यूनिट नं 328, जो, 3री मंजिल, प्रभादेवी यूनिक इंडिस्ट्रियल इस्टेट, तीर राहणार मार्ग के सामने, प्रभादेवी, बम्बई-25 में स्थित हैं (श्रीण डार्ग उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण कप से वर्णित हैं), श्रीण जिसका करारनामा श्रायकण श्रीधिनियम, 1961 की धाण 269क, ख के श्रीधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिनारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, हारीख 9-4-1985

को पूर्वोक्त संस्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दृष्ट्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृज्यं यह शिक्ष्यण करने का कारण है कि यथापवोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्ट्यमान प्रतिफल से एसे दृष्ट्यमान प्रतिफल को पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितयों) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गुणा फिल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निखित में वास्तिवक रूप में किथा नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हर्फ किसी आय की बाबत, उसत . अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व मों कमी करने या उसमे बचने मों सविशा के लिए; और/या
- (ख) एोशे किसी आय ए किसी धन ए उस्त स्ति सर्वे को, जिल्हों भारतीस आपकर तिभिनित्स, १०१० (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, १०१० कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मों स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (१) क अधीन, निम्निलिखन व्यक्तियों, अर्थन :—  शिवर्ता मात्रावेश एका जोवलपुता श्रीर श्री दिलीप मृत्य केश प्रवृत्ता।

(अन्तरक)

মৃত স্বৃহা

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके प्रविक्त सम्पत्ति के **मर्जन के लिए** कामणास्त्रियों आरणा मां।

# उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्ति याद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तिसों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस स्वात के राजपत्र मों प्रकाशन की तारील से 45 कि। को भीतर उक्त स्थावर संपरित मों हितबद्ध किसी अध्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास कि जिल्ला भी जिए जा नकोंगे।

रुक्ष्योकरण :---इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों का,, जो उक्त जिश्विषय के अध्याय 20-क मी परिभाषित हाँ, दक्षी श्रश्ने होगा जो उस अध्याय मी दिया गुरा है।

## अनस्ची

यानित नं ० 328, जो, अरी मंजिल, प्रभादेवी यूनिक इंडीट्रिका, इस्टेट, वीक कायन र सार्ग के सामने, बम्बई— 25 में स्थित है।

प्रमृत्वी लेए ि यह संद प्रर्ड-1/37-ईई/5904/85-86 और जो स्थम प्राथिकरी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-4-1985 को प्रस्टिं किया गया है।

निकार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायक्त प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रोज-1, बस्बई

हरांचा: 9--15 1985 .

T-1

THE THE ME THE THE THE

मासकार मधिनियम 1961 (1961 का 43) की पारा 269-ध (1) के लधीन समना

#### नारत वरकार

# कार्यातय, सहायक वायकर बायुक्त (निरीक्षक)

श्रर्जन रोपः-I, बग्बई

बम्बई, दिनाक 9 दिनम्बर 1985

निदेश सं ० प्रई-1/37-ईई/5033/84-85-धनः धृझे, नियार श्रहमद,

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परपात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वकाश र रने का कारण है कि स्थावर राज्यात. (जसका उधिन वाकस जन्म 1,00,000/- रु. सं अधिक **ह**ै

बर्रैंद्र जिसकी मं० रो हाज्य नं० 10, जो, 2 लाडी पार्टिंग जगह, ग्रन्ड पराडी हो-ग्राप० होडसिय सोसारटी लि०, कैम्प ार्नर के पास बम्बई में स्थित है प्रीरङ्सन उपाबद्ध अनुसुची में ग्रौर पूर्ण का से प्रणित है), श्रीर विकास उपरास्तामा श्रायहर श्रधिनियम, 1961 की घाट 269., 😇 है श्रदीन, बम्बई स्थित तक्षम प्राधितारी के अर्थात्य में परिस्टी है, न्रिंख 29-4-1985

कां पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यभान शितफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास हारत यह करण हो एक एक्ट्यूटिंग्ड इस्सेंट के उत्तर विश्वास मुख्य असके दृष्यभान प्रतिफल से एसि अध्यमान प्रतिकल का पंद्रहर्पित्रात से अधिक हैं और अतरक (अंतरकाँ) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पाया गया शिव-कान, निम्नीलींबर उद्बेष्य सं अभ्या अन्तरेश विकित में उत्स्य-विक 😘 ६ क्षेप्त नहार किया गया होटन

- 🎮 अन्तरक संहुद्ध किसी जारू की माजका, जनस मांधनियस का अधीन कर या की कल्लारक धी बायरम में कभी करूने या बससं यभन का स्टिम्स
- (था) एरेसी किसी अगय या फिल्सी धन वा अन्य मस्तियां कार, जिन्हीं भारतीय अत्यन्त्रक आंधीतवन । ५५% (1922 का । 1) या उक्त आंधीनयम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्भ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269 म रह स्त्रिण ्र**रक्त अधिनियम** को भाद 🛴 50-५ 🕉 👉 🦠 🦠 के अभीन, निम्नसिश्चित व्यक्तियों, नर्थास् 🖅

1. श्रीमती ग्रजना रीटा राय

(श्रन्तरका)

श्री ट्रस्ट

(श्रन्तिरती)

अन्तरित्यां

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में क्षम्पत्ति है)

को वह सुधना ए। रो करके पृथिकत संपरित के अर्जन के किस् ाहिंग करता हुन :

# उच्छ संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेत् :

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 विन की अविभि या तत्सम्पन्धी व्यक्तियाँ पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हा, क अंतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी की पास निश्चित में किए वासकों गे।

ाळीकरण:--इसमे धयुक्त सन्दों और पदौका, का ंश अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नयाहुँ।

## प्र<u>न</u>ुसूची ।

रो है। इस नं० 10, जो, 2 गार्डी पादिम जगह, ग्रन्ड पराजी की-भ्राप० हाउदिंग सोदायटी, कैम्स कार्नर के पास, बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसुची जैसा कि ऋ० सं० श्रई→1/37—ईई/6355/ 85--86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29-4-1985 को एजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार प्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

Fi(₹iਓ . 9- 12-1985 मोहर :

एरव मार्ड .हा. एम. एस -------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग १६८ मा (1) के अभीन सुधना

#### भारत सहस्रा

कायांत्रमः, स**हायक कामकर कावृक्तः (निरीक्षण)** 

ध्रर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० ग्रई-1/37ईई 3420/84-85--ग्रनः मुझे, निसार अध्मद

जायकर मिर्पनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है,, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं 0 फ्लैंट नं ० 202, जो, 2री मंजिल, मैंबी इमारत 11, गोलस्जी हिल इस्टेट, परेल, बम्बई-12 में स्थित है (श्रीर इपसे उपाबद अनुसूधी में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिल्ला स्राप्तामा श्रीयकर श्रीधित्यम, 1961 की धारा 2697, ख के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के नार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 29-4-1985

को पृथि कत सपित के अचित बाजार मृन्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए जन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार बृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिदात से अधिक हैं और जन्तरक (जन्तरकों) जौर अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया क्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग से उक्त जन्तरण विविद्यत के जान्तरक अप से कांभत नहीं किया बसा हैं —

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की आवत, उक्त अभिनिधव, के बधीन कर दीने को लक्तरकः अ दायित्व में कमी करने या उससे अवने में स्विधा के सिए; और/वा
- (स) एसी किसी बाव या किसी धन या बाव्य वास्तिया करो, जिन्हों भारतीय आये-कर श्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त व्याधनियम या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारण २कट नहीं किया स्वा भा भा भा किया जाना करिह्य था, खिपाने में सुनिया के स्विधः

लक्ष: भव , सक्क अधिनियम की बारा 269-ग को अमुसरक मा मा रक्क अधिनियम को धारा 269-व की उपभाग (1) के कर्मा: पम्पिसिक प्रतिविधास स्थापना अधित्। मेयर्स मौत्री डेबलपर्स ।

(श्रन्तरकः)

2. श्री फ़ीरडोस सीराब दराणी।

(श्रन्तरिती)

की यह सुषता धारी करके पृथित प्रश्माल के अर्थन अ लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उच्च संपत्ति के अर्थन के सम्बन्ध मा कार्ड भी आक्षेप ---

- (क) इस स्थान के राज्यत्र म प्रकाशन की सारांख स 45 विन की त्रवीच या तस्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर क्षाना की नामील से 30 विन की कव्धि, को भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवाबत क्षान्यामाँ में से किसी व्यक्ति दुशाश,
- (व) इस पूचना के राजपण में प्रकाशन की तारींच से 45 विन के सीत्र तक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्च व्यक्ति ब्वारा मधोहस्ताक्षरी के शस जिसी तमें किए या सर्वोचे ।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया मना हैं।

## ग्रनुसूची

फलैंट नं ० 202, जा. 2र्ग मंत्रिल, मेंब्री इमारल, 11, गोलनजी, हिल इस्टेट, परेल, बरबई, 12 में रिश्त है। श्रमुखी जैसा हि कर् मं 0 श्रई-1/37-ईई/6455/8585-86 श्रीर जो सक्षम प्राधितारी, बस्बई हारा दिनाक 29-4-1985 को एजिस्टई दिया गया है।

निसार श्रह्मद ाक्षप प्राजितानी सहायता श्रायतप श्रायक्त (किरीक्षण) श्रजेन रोज-1, बम्बई

नारीख: 9-/12-/1985

मोहरः

## प्रकृप कार्यः, दो, प्रमृ, पुर्स<sub>ः स्थानसम्</sub>

बाबकर विधितिसम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के सधीन सुचना

#### भारत वर्जना

# कार्यासय, सहायक वायकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रोज-1, बम्बई

बम्बई, दिनाक 9 दिसम्बर 1985

निवंश मं० ग्रई-1/37-इंड/6226/84-85--श्रतः मुझे, निवार श्रहमद

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपयो पं अधिक है

श्रीर जिस्सी सं एक्टैट सं 14. जी, निर्मला निवास 3री मंदिल, रेव रोड, फ्याट ते 157. रायन (पूर्व), बम्बर्ड-23 में स्थित हूं (बीट इस्से उक्षवद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण कर से विणय है), श्रीण दिरात रहारनामा श्रीयकर श्रीविक्षित 1961 की बारा 2690, या के श्रीविक्त बम्बर्ड स्थित कक्षम प्रायिक्षित के त्रायालय में क्रिस्ट्री है, तारीख 9-4-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृक्ष यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एमें अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिथिक रूप स कथित नहीं किया गया हैं :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त बिधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए बाँड/बा
- (व) एंती किसी अप या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा वे विषय।

बतः जब, उक्त प्रीधिनियम की धारा 269-ग के बन्मरण ब, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) हे बधीन, जिम्निकिट व्यक्तियों बधीन :--- श्रीमती कमन्त्रा जी० छात्रिया।

(भ्रन्तरक)

- श्री जी 0 एच० देसाई (हि० प्र० कु०)
   (ग्रन्तरिती)
- मैं० निष्पन केमिकफ़स।

(बह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. मेसर्स निष्पृत केमिकल्स।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रघी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिमबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के तर्जन के सम्बन्ध में कोड़ों भी बाहोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भें अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियमः के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिशा भवा है।

#### रवस्त्री

पलट तं० 14, जो, निर्माला निवास, 3री मंजिल, मेन रीड़, प्लाट नं० 157, सायन (पूर्व), बम्बई—22में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क0 सं0 श्रई-1/37—ईई/5915/85—86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-4—1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

निशार श्रह्मद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज~ , अस्बई

नारो**ख**: 9**-**-12--1985

माहर:

अक्ष नावै.टी.एन.एस...-------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, बम्बत

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० श्रई--I/37-ईई/6271/84-85--श्रतः महो; निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मुख्य 1.00.000/- ा सं अधिक है

म्रांर जिल्ली सं० यूनिट नं2 341, जो, जुडा हुम्रा टेरेस हा भाग, जो, बी-इमारत, बेंबल उन्हस्ट्रीयल इस्टेट, लिम्रा एरेल, बम्बई-13 में श्वित हैं (म्रांस इससे उपाबद प्रमुची में म्रांस पूर्ण रूप से विणित हैं), म्रांस जिल्ला वरासनामा भायकर मधिनियम, 1961 की धारा 269%, ख के भ्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्रादिशारी के श्रयीकर में पिराट्टी हैं, नारीख 18-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उश्वित बाजार मूल्य से कम के शरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उश्वित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्सूह प्रतिशास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के दीश एसे अन्तरण के लिए तब शाबा गया प्रतिफल, निम्नलिशित उद्देश्य से उन्त अन्तरण विश्वित में थान्तिक रूप से अधित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण स हुई िक सी श्राय की वायत, ज्वस्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को द्वारियल में कमी कारने या उससे बचने में स्विधा की लिए; आर/या
- (ख) एसी किसी आय या फिसी धर्म पा अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के सिदः

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की अपधारा (1) अधिक के क्षितिस्त व्यक्तियों, अधित् क्रिक्त 1. मेंसर्स केवल बिरुडर्स प्रायवेट लि०।

(भ्रन्तरक)

2. मेसर्स प्रिन्ट सर्वित्त।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के सिए कार्यवाडियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कांह भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच वें 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्पाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दी और पदों का, जो उबस अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## **प्रनुम्**ची

यूनिट नं० 341, को जुडा हुन्ना टैरेस का भाग, जो, बी०-इमारत, केवन इंडस्ट्रियल इस्टेट, लोग्नर परेल, बम्बई--13 में स्थित है।

श्रमुखी जैसा कि कि सं श्राई-I/37 हैई/5854/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 9-12-1985

मोहरः

भागकर विभिन्नियम, 1961 (1961 की 43) की धारा 269-व (1) के बभीन सचना

#### ब्रायक सहस्रक

कार्यालय, महायक आयक्त आयक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेज् , बम्बई .

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश मं० श्रई-I/37-ईई/6300/84-85---- अनः मूझे, निसार श्रहमद.

ब्रायकर ब्रिधिनियस, 1961 (1961 का 43) इसमें इसके पश्चात 'उमत मिधनियम' कहा गया है, की भारा 269-इ के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित वाबार मृत्य 1,00,000/- यः, से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं2 गोडाउन नं० 3, जो, बेसमेंट फ्लीश्रर स्टील चेंग्बर्स, श्रीच ग्ट्रीट, बम्बई-9 में स्थित है (धौर इसमे उपाबद्ध प्रमुखी में प्राप्त पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिस्ता वर।रनामा भागवर श्रीधित्यम, 1961 की धारा 269क, के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम 'प्राधिकारी के कार्यालय में राजिस्टी है, तारीख 18-4-1985

नी पूर्वोक्त सम्मारित के उभित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकार के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्वान करने का कारण है कि वथापुत्रोंक्त सम्परित का उचित बाजार बस्या, सर्वा रहारामान परिशतन र राम राध्यमान भारत्याः वन म्बद्धः इतिश्रत स अभि**न हो गाँर अंसरक** (बंतरकार्गे) अपि अंतरिशी (बन्तरितिकों) के बीच एमें बन्तरण के लिए तय पाथा गवा पति-क्रम निम्नसिमित राज्योग से जनत मंतरण मिशित में बास्तविक याप में कश्चिम नहीं किया वदा है 🚛

- (क) अन्तरण में हुइ किसी आय की बाबत, उक्त विधितियन के नधीन कर वेने के अन्तरक में बाबित्व में कथी करने या उत्तरी बचने भी स्विधः **≓** लिए: वरि/या
- (हा) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया यसा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में नविधा के सिए;

क्रतः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

া প্রাণিরা ভাষা হি.কার গ্রান্তা, থা পারে ए০ মहা श्रीरश्री मुक्त्य एव अहता

(अन्तरक)

2. थी अनुल टैक्सटाईरुव ट्रेडर्स।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन की "ला" कार्यवाहियां करता हं।

सकत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आसप ् ---

- (क) इस सुखना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीक 45 विन की बावधि या तल्लाकन्धी न्यां बनायों सूचना की सामील में 30 दिए की अविधि, जो भी अविभ बाद में समाप्त हाती हते. ये भीना पर्वोका व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति इवाप.
- (स) इस स्थाना को राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 धिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में द्विसबद्दध किसी अन्य व्यक्ति दुर्धा अभोहरताक्षरी के पास लिएकत से लिए का सकती।

स्पब्दोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ काणा, मां उत्प वश्यास मा विवा wat Mar

#### अस्ची

गोडाउन नं० 3. जो, बेलमेंट फ्लोग्नर, स्टील चेम्बर्स, ब्रोच स्ट्रीट, बम्बई-9 में स्थित है।

अनुसुची जैसा कि फल मं० ग्रई-I/37-ईई/5879/ 85-86 और जो पक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-4 85 को रजिस्टर्ड **़िया गया** है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिमां अ: 9-12-1985

मोहर 👙

प्ररूप आइ .टां.एन.एस.-----

काय अर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंड्-4, बम्बई

बम्बई, दिनांच 9 दिसम्बर 1985 निदेश सं० श्रई $\sim I/37 \sim 5\%/6314/84 \sim 85 \sim -$ श्रतः मुझे निसार श्रहमद,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसं इसके इसके परचात् 'एयत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर संपेश जिसका उचित बाजार मल्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संव 50 प्रतिष्त हिस्सा वार्यास्य नंव 302, 352 में, जो, मुसलीधर चेस्वर्स, गिरगांव रोड़, बम्बई--2 मों स्थित है (ग्रीर ६८६ उस्तबद्ध ग्रन्धूमी मों ग्रीस पूर्ण रूप से वणिल हैं), ग्रीस सिंह स्थानना शास्त प्रिटिन नियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के दार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 19~4~1985

वा पूर्विक्स संम्पांस के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात में अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरित्या) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितीखत उद्देश्य स उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है ।——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मो कमी करने क उससे बचने मों सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम. 1957 (1957 का 27) के प्रणेजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपानी मी सुनिधा क रिए।

अतः अध, उकत आधिनियम की धारा 269-ग को अनुमरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- ા આ વસીલામ મોત્રા સોહિયા

(अन्तरफा)

2. श्री विरमानंद श्राट० पामनानी।

(अस्तिती)

3. मेगर्स लखीराम हमानद।

(बह् व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

 ग्रन्तरक ग्रांर श्री हुउनंद ग्रांट पामनानी।
 (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ सं 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो , को भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहम्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंग।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनसची

50 प्रतिभत हिस्सा जो, ार्यालय नं 302, 352, में जो, मुरुर्तीधर चेबसं गिरुगात रोड़, उप्पर्ड-2 में स्थित है प्रमुख्यी जैंग, ि कि गं ले प्रक-1/237-ईई/5944/84-85 ग्रीए जो सक्षप्त प्राधिसारी, बम्बई द्वारा दिनांस 19-4-1985 को स्थिपटई जिला गया है।

िकार क्रहनद भार पाधि क्री सहाय रु आयका (ज्यापुर) (सिर्वाक्षण) क्राजिक क्रीकर, देखई

नारीख: 9~12-1985

प्रमय बाइ टी.एम.एस. -----

# भायभर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के विभीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, बम्बई

अम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० ग्रई-1/37--\$\$/6061/84-85---ग्रतः मुझे, निसार ग्रहमद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का अगरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 3, 5वां माला, पटेल श्रपार्टमेंटस बी० नं० 7-ए2, बी० जी० खेर रोड़, वरली, बम्बई-18 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारामा श्रायकर श्रीध-नियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1~4-1985

की प्रतिकास के सिए वन्तरित की गई हैं और मुन्ते यह विश्वास करने की कारण है कि वशानुकॉन्स सम्मन्ति की उचित बाबार सुस्थ, उचके दत्रवज्ञान प्रतिकास ते ऐसे दर्वयमान प्रतिकास कें क्लाइ प्रतिकास से अधिक है और कंडरक (बंतरकों) और बंतरिती बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीभ एसे बन्तरण के सिए तय बागा गंग प्रतिकास, मिम्मिसिकत उद्देश्य से उन्तर अन्तरण किश्वत में नामत्त्रिक क्य में कथिल वहीं किया बंग है :---

- (क) अस्तरक ने हार्ड किसी बाद की बादत, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के बस्तरक कें शामित्व में कमी करने या समसे वचने में सुविधा जै निया: और/बा
- (क) ऐसी किसी अपय या किसी धन या अन्य आस्त्रियों को किसी अपया प्रायक्षण अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, स्थिपने में स्विधा के निए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुनरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधील, निम्निशित व्यक्तियों, अर्थीत् :----48\_426 GI/85 1. श्री युसुफ ग्रब्दुल्ला पटेल।

(भ्रन्तरक)

2. श्री हेमन्त सी० शहा, (2) श्रीमती बेला एच० हैं शहा, (3) श्री विपित्त सी० शहा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना चारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्तिः के वर्चन के किए कार्यनाहियां शुरू करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की कर्यीथ या तस्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की कर्याय, को भी जबिथ बाद में समाप्त होती होते, के भीतर वृजीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तासीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्मीक में किंदा- बद्ध किसी व्यक्ति द्नारा, अभोहत्ताक्षरी के बात सिवित में किये वा सकरी।

स्पष्टीकरण :--एसमों प्रज्ञत सम्बों और पदों का, को उक्स विधिनियम के बध्वाव 20-क में वीरभावित हैं, कड़ी वर्ष होंगा, को उस अध्याव में दिवा क्या हैं।

## बनुसुधी

पर्लंट नं० 3, 5वां माला, पटेल श्रपार्टमेंट्स, बिस्बिंग नं० 7-ए०; बी० जी० खेर रोड़, बरली, बम्बई-18 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि मं  $\frac{1}{37}$   $\frac{1}{37}$   $\frac{1}{58}$   $\frac{1}{5736}$  85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, बम्बई

मारी**ख**: 9-12-1985

प्रारूप आइ.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्चाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निदेश सं० ए० श्राप०-1/37-ईई/6194/84-85---श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

नारकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) रिजय प्रतमें इसके परवात् 'इक्स निविध्यम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के बंधीय कवार शरिकारी को यह विकास करने का नारक है कि स्थानर प्रामरिक, विकास उपित वाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अभिक हैं

ग्रौर शिसकी सं० शाप नं० 48, तलमाला, हिरापन्ना शापिंग सेंटर, हाजी ग्रली, बम्बई-400026 में स्थित है (ग्रौर इससे उपावन ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वणित है), ग्रौर शिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 9-4-1985

को पूर्वोक्त संगति के बीक्त नाकार क्ष्म से क्या के स्थान प्रतिकान की सिए नंतरित की गई है और मुखे वह विकास करने का कारण है कि वधाव्योंक संगतित का जीवत नाकार मुख्य तसके रसमान प्रतिकास से, एके क्यानान प्रक्रिक्त का जन्मह प्रतिकास से बीक्क है और सम्मर्क (सम्बर्कों) और सम्प्रीरशी (जन्दरिशियों) के बीक एके क्यान्य के सिए सन् गया गया प्रतिकास, जिस्तिनिकास सम्बर्क से सामा संग्रहक की सामा सामा संग्रहक की सामा संग्रहक की

- (क) सम्तरण से हुई किलों नाम की बायब, उनत अधिनियन से अधीन कर को के अध्यारक के बायित्य में अभी अपने या अससे वजने में सुनिधा के सिए; और/वा
- (थ) एसी किसी जास था किसी धन या अन्य जास्तियों कां, जिन्हों भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या प्रयोजनार्थ अंतरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए:

अतः अबः, ६६। जिभिनियम की भारा 269-ग के अनुमरण में,, में, अक्ल अभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के जभीन, निम्नीसीकत की क्लाबा, सर्वातः :---

1. श्रीमती रीटा एम० दासवानी।

(ग्रन्तरकः)

2. श्रीमती खुरणिद सइद।

(भ्रन्तिशती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के तिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

चनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आखेप :--

- (क) इस सूचना के शासनम में प्रकाशन की तासीस ते 45 दिन की समीप या तत्संबंधे, क्यांश्वरणों पृष्ठ सूचना की संगीत से 30 दिन की स्थापित, की की समीप कर में स्वाप्त होती हो, में शीसर प्रतिका काविकारों में से बिक्की क्यांबर सुनास;
- (व) इक धूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 48 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्तिः में दितव्यथ कियी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोइस्ताक्षरी के शक तिथित में किए वा सकेंचे।

## अनुसुची

शाप नं॰ 48, जो, तलमाला, हीरापन्ना शापिंग सेंटर, हाजी श्रली, बम्बई-400026 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37-ईई/5831/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 9-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार **ग्रहमद** सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रोज-1, बस्बई

तारी**ख**: 10-12-1985

प्ररूप आहूं.टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269 घ (1) के अधीन तुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज~1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निदेश सं० ए० श्रार०~1/37~ईई/6216/84~85~-श्रतः मुझे, विकार श्रहसद,

कारकार आंधानवम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को सह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उजित नाकार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

त्रौर जिसकी सं० बम्बई में, फोर्ट विभाग में गोला छेन में भूमि, कलेक्टर पुस्तिका में रिजस्टर्ड किया गया नं० लेण्ड रेक्षेन्यू श्रोल्ड नं० 5592, श्रोल्ड एस० नं० 8845, एवार्ड, एस० टी० नं० 5, सी० एस० नं० 1355 है तथा जो फोर्ट बम्बई में स्थित है (श्रांर इससे उपाबद्ध श्रानुसूची में श्रोर पूर्ण रूप में विणत है), श्रीर जिनका किरारानामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है. तारीख 9-4-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति का उण्यत बाजार मुस्य से कम को स्वयकान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि

यभापूबोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्षत्रकान प्रतिकत्त से, एसे क्ष्यमान प्रतिकत्त का पंत्रह प्रतिकत से करिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच इसे अन्तरण के निए तब पाता गया प्रतिकत्त, निम्नितिबत्त बहुबहेब से उक्त अन्तरण निवित में पात्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने में अन्तरक में बाबित्य में कभी अरने या उससे वजने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ण) एंसी किसी नाथ ना किसी भन या अन्य नास्तियों की जिन्हीं भारतीय नायकर निभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोषधार्थ जन्तिरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया भा सा किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

बत: बव:, उक्त निधीनवन की भारा 269-ग के जनुबरक में, में, उक्त निधीनवम की भारा 269-थ की उपभारा (1) हो क्योंन, निम्नीसीवेद न्यानिवर्गे, वर्णांद क्र— 1. श्री एस० मोह्रमदश्रली।

(मन्तरक)

2. श्री मोहमद तारिक इलयास।

(भ्रन्तरिती)

को बहु कुमना बारी करके पूर्णक्त कम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहिमां करता हुए।

उन्ह तन्त्रील के नर्पन के तंत्रंथ ने कोई भी काओप :--

- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 15 दिन की अवस्थि या तत्सविधी व्यक्तियाँ पर तूचना की ताजीस से 30 दिन की अवस्थि, को भी विधि बाद में सजाव्य होती हो, के भीतर प्रधानित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस सुमन के राजवन में प्रकाशन की तारीय सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितयद्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए वा सकते।

स्वक्रिकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और धवों का को उक्त सिधीनवम, को अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विका मवा है।

#### नन्स्यी

बम्बई में, फोर्ट विभाग में गोला लेन में भूमि, कलेक्टर पुस्तिका में रिजस्टर्ड किया गया नं लेण्ड रेवेन्यू ग्रोल्ड नं 5592, श्रोल्ड एस० सं० 8845, ए०-वार्ड, एस० टी० नं० 5, सी० एस० नं० 1355 बम्बई में स्थित है।

श्रनुसुची जैसािक क० सं० श्र\$-1/37—\$\$\$\$\$07/85—86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्ब\$ हारा दिनांक 9—4—1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार भ्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजंन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 10-12-1985

मोहरः

# क्रम् अक्षुं स्टीय प्रमान **एक**्रान्ननननन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ख़ (1) के अधीन सुचना

#### भारत परकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायक्त (निरक्षिण) श्रजन रेंज⊶1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० श्रई-1/37-ईई/6190/84-85--शतः मुझे, निसार श्रहमद,

कायकर किभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

गौर जिसकी सं० 1/2 हिस्सा कार्यालय का कमरा नं० 208 में, जो, मेकर भवन नं० 3, 21, न्यू करीन लाईन्स, वम्बई— 20 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वणित है), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में र्राजस्ट्री है, तारीख 9—4—1985

कां प्रोंक्त संपरित के उत्तित बाजार मृत्य में कम के दरमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि संवाप्नोंकत सम्पत्ति का उत्तित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिगत्त से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह श्रीतकत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- कि) बन्तरण से हुइ किसी अप की शायक उक्त अधिनियम के अधीत कर देने के अन्तरक चं दायित्व में कमी करने या उसमे देखने ये अधिक के अप; और/पा
- (क) एती किसी नाव या किसी भन वा बन्व वास्तियों को चिन्हें भारतीय भायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, या धन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया एका चाहिए था, छिपाने में सुविधा के दिवह:

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग कं अन्सरण हों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) हों अधीन, निम्नसिरिकक स्पृतित्वों हो अर्थात हो— श्री ए० एस० नाडकर्णी।

(धतरक)

2. श्रीमती एन० एच० वसावडा।

(भ्रन्तरिती)

अन्तरिती।

(बह र्व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को महस्यना जारी करके पूर्वितः सञ्चिति के वर्णन के सिए कार्यवाहियां कारता हुने।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह—

- (क) इस स्पान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त स्वित्यों में से कि सी स्वित्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितमक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्यक्रियम :-- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पर्वो का, को अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

## बन्स्बी

1/2 हिस्सा जो, कार्यालय के कमरा नं० 208 में, में कर भवन नं० 3, 21, न्यू मरीन लाईन्स, अम्बई $\sim 20$  में स्थित है।

श्रनुसूची जैंसा कि कि सं० श्रई-1/37-ईई/5828/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार म्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेज-1, बम्बई

तारीख: 9~12-1985

मोहरः

# प्रस्थ बार्ड्य टी तु एत . एस ु------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के जधीन त्चना

भारत बरकार

# कार्यासन, बहावक नावकर नावकत (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज→1, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं 2 श्र $\xi-1/37-\xi\xi/6267/84-85$ —श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 304, जो, 3री मंजिल, पंच-शील इमारत, सी-रोड, चर्चगेट, बम्बई में स्थित हैं हैं (म्रौर इससे उपाबद्ध मनुभूची में मौर पूर्ण रूप से विणत हैं और जिसका इरारतामा म्रायदर मिलितमा, 1961 की धारा 269क, ख के म्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 2-4-1985 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए इन्तरिस की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्ध प्रतिकृत सं अधिक हैं और अंतरक (बंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रविक्रल निम्नलिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाफ्सविक स्थ से कांभ नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उनसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आव या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गर्म भा किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नदः। सन्, उन्त अभिनियन की धारा 269-ग के अनुतरण जै, जै, उन्त अभिनियम की धारा 269-ल की उपधारा (1) कै अभीन, निम्नोलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :----  श्रीमती दुर्गौ रामजेठ्मलानी श्रीर कुमारी रानी रामजेठ्मलानी।

(ग्रन्तरक)

2 श्री मफतलाल मंगीलाल लाल कोठारी श्रीर श्री जयतीलाल मंगीलाल कोठारी।

(ग्रन्तरिती)

ग्रन्तियों

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिमोग में सम्पत्ति हैं)

भो यह तूमना अ।री करकें पूर्वोक्त सभ्पत्ति के वर्जन के लिख् कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप प्---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# ब्रनुसूची

फ्लैट न2 304, जो, 3री मंजिल, पंचिशल इसारत, सीश्ररोड़, चर्चगेट, बम्बई में स्थित है।

श्रनुभूची जैसा कि क० सं० श्रई-1/37—ईई/6454/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1985 करजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, बम्बर्ड

सारीख: 9-12-1985

# प्रकम् वार्<u>षः दी पुनः एतः</u> ----<u>--</u>

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन

#### भारत रहका

# कार्यामय: सहावक नायकर वावुक्त (निहासिक)

भ्रजन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 दिसम्बर 1985

निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/6309/84-85—ग्रतः मुसे, निसार ग्रहमद,

कावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिंचे इसने इसने पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा बना ह"), की भारा 269-व-के बभीन सङ्ग्रह प्राधिकारी को वह विकास करने का कारण ह" कि स्थावर सम्मद्धिः, विसका उचित वाकार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक ह"

ग्रीर जिसकी सं० यूनिट नं० 241, जो, कालियनदास उद्योग भवन, सेन्च्युरी बाजार के पास, बम्बई-15 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबत अन्धूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणक्ष है), श्रीर जिस्ता र गरनामा ग्रयक्षण श्रुष्टिनियम, 1961 की घारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्याक्षय में एजिस्ट्री है, तारीख 19-4-85

को पूर्वीक्षण सम्पत्ति को उचित बाजार बृल्य से कब के रस्वकान प्रतिक को लिए अन्तरित की गर्र है और मुक्ते यह दिख्याच करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) को बीच ऐसे अन्तरण को लए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाल्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बनारण से हुई किसी नाव की नायत, क्यां बिधिनियम के सधीन कर दोने के बन्तरक के द्वितिका में कमी कारमें वा उसन्ते वचने में कृषिभा के ख़िए; बहि/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन वा बन्य वास्तिवाँ की जिन्ही भारतीय जायकर विधिनियम, 1922 (1922 को 11) यो उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना नाहिए था, स्थिपने में जुविशा वी विद्या।

सतः बन, उस्त मधिनियम की धारा 269-न से बन्धरण में, मी, उस्त मधिनियम की धारा 269-ते की उपधार (1) से सपीन, निम्मीनियस व्यक्तियों, जुर्बाह ह मेसर्सं भगवाल ग्रुप भाफ इण्डस्ट्रीज

(ग्रन्तरक)

2. श्री ग्ररविंद जगन्नाथ जाधव।

(भ्रन्तरिती)

3. भन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के कर्पन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🚁

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं
  45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पह
  सूचना की दामील से 30 विन की अवधि, जो भी
  अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  स्यक्तियों में में किसी व्यक्ति व्यक्ति ह
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर संपत्ति में हिसबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

#### वनस्थी

यूनिट नं० 241, जो, कालियनदास उद्योग भवन, सेन्क्यूरी बाजार के पास, बम्बई-25 में स्थित है।

श्रनुभूची जैसाकि कि सं० श्रई-1/37-ईई/5940/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-4-1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार **ग्रहमद** सक्षम प्राधिकारी सहायक **ग्रा**यकर श्रायुक्त (निरीक्षण) **ग्र**र्जन रेंज⊶1, **बम्बई**

नारीख: 12-12-1985

मोहरः

प्ररूप आहे. टी. एम. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर जायुक्त (निरीक्षण) भार्जन रेज-1, बम्बई

बम्बर्ड, दिसांक 9 दिसम्बर 1985 निदेश सं अई-1/37-र्ट्ड/6616/84-85--अतः मुझे निसार शहसद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मुख्य 1,00.000/- रा. से अधिक हैं

श्रोर जिसकी सं० पलैट नं० 4, जो, श्रायंन महल, सी-रोड़, धर्चभट, बम्बई-20 में स्थित है (श्रीर इससे उपायद अनु-धुची में श्रीए पूर्ण रूप से बणित है), श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रिधीन, बम्बई स्थित स्थाम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को प्रशेवत तम्पत्ति के उभित बाबार मून्य से कम के क्यमां प्रतिपत्त ने लिए मन्दरित की गई है वीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि बभाप्बोंकत संपत्ति का अधित बाबार भून्य, उनके क्रयमान प्रतिफल से एसे क्रयमान प्रतिफल का पंचह प्रतिकृत से अभिक है और एसे जंतरक (मन्त्र्कों) और जंतरिती (मन्तरिशियों) के बीच एसे बन्तरण के जिए तब पाया चवा कृतिकृत, निम्नसिवित् उक्योंकर से क्या बन्तरण कि बित्र में वास्तरिक रूप में किया नहीं किया नवा है है——

- (क) जंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त विध-नियम के अधीन कर दोने के जंतरक के बाबित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विभा के सिए: जॉर/या
- (क) एसी किसी बाय का किसी धन या बन्य वास्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम या धनकर विधिनियम या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अंतरिसी इचारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

क्त अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भें उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीर निम्निसिंखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री विष्णु वामण चिचलकर।

(अस्तरक)

2. श्रीमती शोभाषदेवी कैलाशचद्र

(भ्रन्तरिती)

का यह त्यना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध मां काई भी बाह्रोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारास से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की अविधि, जो भी मविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ववारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 किन को भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकोंगे।

स्थक्षीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गडा है।

**भन्**भूची

फ्लट नं० 4, जो, श्रार्यंन महल, सी-रोड़, वर्षगेट, बम्बई-20 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि ऋ० सं० ग्रई-1/37-ईई/4857/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनॉक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रह्मद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रोज-1, बस्बई

तारीख: 9-12-1985

मोहर]ः

प्ररूप आर्घ . टी . एन . एस . ------

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म के अभीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकार जायुक्त (निरीक्षण)

भ्राजेंन रेंज⊸1, बस्बई बस्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धान्य 269-व के अधीन सक्षम प्रधिकारों को वह विश्वाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका जीवत बाजार मृज्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 52/1384, एम० श्राय० जी० श्रादर्श नगर, बरली, बम्बई में स्थित है (भौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269%, ख के श्रीति, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

- (क) जन्तरण वे हुई किसी बाव की बलात उपक विभिन्न के ब्रोड़ कर दोने के बच्छाल के इतिरण में कमी करने या उसके बचने में कृषिका के विष्: बाँक/वा
- (क) एंडी कियी नाय या कियी गृत या सम्यू शास्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयकर किमिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धनुकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) से प्रशेषनार्थ अन्तरिती द्वाय प्रकट नहीं किया प्रशा था का या किया जाना चाहिए ना कियाने में द्वीवका से सिक्ट;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपभास (1) के अधीन, जिलाजित व्यक्तियों, अधीन :— 1. श्री मार्शल डिसोजा।

(भन्तरक)

2. श्रीमती सिसिनिया डिसोजा।

(भ्रन्तरिती)

3. श्रन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. सोसाईटी

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में भ्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को वह सुचना चारी करके पूर्वेक्त सम्मत्ति के मर्जन के तिह कार्वपाहियां करता हूं।

उक्त कमिति के वर्षन के तेवंध में कोई भी नाक्षेप ध---

- (क) इस त्यान के समयत में प्रकासन की तार्रीय से 45 विम की समीभ ना तत्स्विमी व्यक्तियों पर त्यान की समीस से 30 दिन की स्वीभ, जो भी समीभ नाद में समाप्त होती हो, ने भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीस से 45 दिन के शीतर उस्त स्थानर सम्पत्ति में हितनव्थ किसी जन्म व्यक्ति क्यांच न्योहस्ताश्वरी के पास शिक्ति में किए वा सकते।

स्वकारिकारणः----इक्कों प्रभूतत वान्यों और वर्षे का, को स्वक्ष नीधितवन, के अध्याग 20-क में विश्विधिक ही, वहीं अर्थ होगा को उत्त अध्याग में विवा गुरा ही।

#### नन्द्रची

फ्लट नं० 52/1384, जो, एम० भ्राय० जी० ग्रादर्श नगर, वरली, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसुची जैसा कि ऋ० सं० श्रई~1/37-ईई/5758/ 85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को ्रजिस्टर्ड किया गया है।

> ि निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रोज--1, बस्बई

तारीख: 10~12-1985

मोहरः

प्राच्च अवर्ड.टी.एन.एस.------

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज~1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं 2 श्रर्ड-1/37—ईई/6280/84–85—-श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

भावकर लिथिनियम, 1961 (1961 क्रा 43) (विको इसमें इसके परुष्येत् 'क्ष्मत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम ब्राविकारों को यह विश्वास करने का जारण है कि स्थावर सम्परित, विस्ता उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रहे. से बिक्क हैं

श्रीर जिसकी मं० श्राफिस नं० 101015, 10वां माला, मेकर चेंबर्म, वी० प्लाट नं० 221, ब्लाए 3, बैंकवे रेक्लेमेशन स्कीम, नरीमन प्वाइंट, बम्बई-71 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबंध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका उरारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा धारा 2695, ख के श्रशीन, बम्बई स्थित पक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिनस्ट्री है, तारीख 18-4-1985

को वृत्तींकत सम्विति के उचित्र बाधार सस्य मं नान के स्वयमान प्रतिकल्ल के लिए अस्तिरित की गई ही और मक्षे यह विकास करने का मारण ही कि स्थाप्योंकत संयक्ति का लिखन बाधार ब्रुंट्स, उन्नते बाध्यमान प्रतिकल से, एसे ब्रुंस्समन प्रतिकल का पल्लाइ प्रतिकल से अधिक ही और अस्तरक (अस्तरकार्ते) और कस्तिरिती (अस्तिरितियों) के बीच एसे अस्तरक के लिए क्रम बाबा यहा प्रतिकल, निम्नीलिखित उद्योग्य ने उक्त अस्तरण लिखित में वास्तिविक स्त्र ते कांचत नहीं किया नया है अस्त

- (का) जम्मरण से हुइ किसी बाय की, बावत, सकन अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किबी बाय या किसी धन या अस्य क्रास्तियाँ को जिन्ही भारतीय कायकर क्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, श्रित्र (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दहारा प्रकट नहीं किया गया था श्री किया जाना चाहिए था, छिपाने में सम्बद्ध स्तित्रः

अतः अव, अवत अधिनियम की धारा २६०-ग के अवस्था में. में., अवत अधिनियम की धारा २६९-घ की प्रधारा ११) के अधीन जिल्लीवन व्यक्तियों, अर्थान करा 49—426 GI/85 1. श्री मनु ईसाई।

(भ्रन्तरक्)

2. श्री किशिन डी० भावनानी, श्रीमती मीना के० भावनानी।

(म्रन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्मस्ति के अर्थन के किए कार्यकरिकां शुरू करवा हुं।

जबत सम्बन्धि के बर्जन के संबंध में कोई मी नाओन :---

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकासन की दारीका छैं 45 दिन की क्विशि ना तस्त्र्वंत्रेणी क्विंकित्यों पर सूचना की तामीज वे 30 दिन की व्यक्ति, को भी अविश् नाद में तबाच्य होती हो, के शीवर पूर्वेशक व्यक्तियों में किसी व्यक्ति इसादा;
- (क) इस स्थान के राज्यक सं प्रकाशन की तारोध से 45 दिन के जीतर उक्त स्थायर संपत्ति में दिख्यक्ष किसी क्ष्म प्रकाश क्ष्मक्ष अभिक्त के धन किसी के किस का सक्तेतिक

#### नन्स्ची

श्राफ़िस नं० 101015, 10वां माला, मेक्स वेंबर्स वी०, प्लाट न० 221, ब्लाक 3, बक्वे रेक्लेमेशन स्कीम, नरिमन (प्याइंट, बम्बई-21 में स्थित है।

श्रनुसुची जैसा कि क्र॰ सं॰ श्रई-1/37ईई/5860/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई डारा दिनांक 18-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निपार श्रह्मद प्रक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज्र–1, बस्बई

नारीख: 9-12-1985

प्रकम बार्ड . ही . इन . इस . ------

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

मारा २६० व (१) के कारीय क्रमाण

#### भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीश्रण) धर्जन रेंज-1, बस्बई

बम्बई, दिनांक 31 दिसम्बर 1985

निदेश सं० श्रद्द -J/3 7-१६/60 08/84--85---श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

जायकर किथिनियम : 1961 (1961 का 43) (जिसे इतकों इसके पश्चात् 'उकाः जिथिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-श के जधीर एक्षम प्राधिकारी को यह विक्तास करने का कारम है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य '1,00,000/- भार से अधिक हैं

और जिसकी सं० कमरा नं० 302-ग्०. लेनरीज, 16, बी० जी० खेर मार्ग, बस्बई-6 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में और एणे रूप से बणित है), और जिसका करारतामा आध्वार श्रिक्षिम, 1961 की धारा 269क, ख के यक्षीच, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है, तारीख 8-4-1985

स्रो पर्विति सम्पत्ति के उचित शाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथा प्रवित्त सम्पत्ति का उचित शाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से. एवं दृश्यमान प्रतिकल के पंष्र प्रतिकला से अधिक े श्रीर शंतरका (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिशों) के सीच एमे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्निशित्तत उद्देष्य से उक्त अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल कप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क्:) अन्तरण से हुर्ड ंअन्सी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के बैतरक के डायित्व में अभी करने क उससे अचने में स्विधा के किए; और/सा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की., जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जत: अब, उक्त बांधनियम की धारा 260-ए के बन्धरण मो, मो, उपत बांधिस्यम की धारा 269-व की उपधारा (1) को बभीन, निम्नविधिकत व्यक्तित्यों, अर्धात --- 1. श्री ग्यान्संद एन० कोठारी।

(अन्त्रक)

7. श्रीमतो अजना एन० शहा।

(ग्रन्तरिती)

अन्तरितीः

(बड् व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हुं।

जनत संपत्ति के अर्धन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका सं
  45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  स्वना की तामील से 30 दिन की कार्या, को भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के शीत,र पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश्व की आरीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकोंगे।

निकासिकरण:----इसमें प्रमुक्त सक्यों और पदा का, को उम्स अभिनियम, हो अभ्याय 20-क में परिभाषित हो, बही अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया गन हो।

#### अस्य भाष्ट्री

क्रमरा तं० 302-ग्०, जो. ग्लेनरीज, 16, बी० जी० खेर मार्ग, बम्बई-6 में स्थित है।

प्रस्पूर्वी जैसा कि कर संर श्रई-I/37-६६/5899/85-86 और जा सक्तम आधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 8-4-1985 को एजिस्टर्ड किया गया है।

िसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुका (निर्रक्षण) श्रजन रेंज-री, बम्बई

तारीख: 11--12--1985

प्रकम जाइ . को . एन . एस . ------

आवक्षर अभिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269 म (1) के अभीन सूचना

#### भारत बरकार

# कार्यांचन , तहायक भायकर वाकृत्त (निरीक्षण)

प्रार्जन रेंज-·!, बम्बद्ध

बम्बई, दिलांक 11 दिसय्बर 1985 निदेश सं० अई-1/37-ईई/6304/84 र85 --- स्रतः [मुझे निसार सहमद,

वावकर विभिन्निम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवास (उक्त विभिन्नम) कहा गना है), की बारा 269-स से अधीन सक्षम प्रधिकारी को मह विक्यास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका दिवत वाजार मूल्य 1,00,000/- रहन से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 25, जो, स्तेह सदत, 2री मंजिल, कुलाबा पंस्ट श्राफिस के सामने, बम्बई-5 में स्थित है (और इसते उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण का में विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रक्षिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रिबिज्यम, 1931 की धारा 269क, ख के स्रवीत, बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1944-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उणित बाजार मृस्य ते कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गमा प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ते हुई किकी जाम की बाबत जनस अभिनियम के जभीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिभा के लिए; जीर/या
- (व) एसी किसी आय या किसी भन मा बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अभिनियम, बा भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना वाहिए था, विकान की ब्रीकमा के सिए;

अशः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ए के अनुमरूप में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अभीन, निम्नीनिधित स्थानिस्तों, अर्थाह :—

1. श्री एम० ए० मनसुरे।

(भ्रन्तरक)

2. श्री राजेश सँगल।

(भ्रन्तरिती)

ग्रन्तिस्ति।यो

(बह व्यक्ति, जिसके इत्धिभोग में मम्पत्ति है)

को यह जूजना जारी करके पूर्विक्त सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां भूक करता हुं।

ज्वत सम्परित के अर्घन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क). इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 बिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 बिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वक्रिक व्यक्तियों में से बिसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्स स्थादर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नधीहस्ताक्षरी के पास विक्ति में किए जा सकींगे।

स्वक्टीकरण:---इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>1</sup>, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा गवा है।

## जम**स्**ची

पलैट नं० 25, भा, स्तेषु लदन, 2री मंजिल, कुलावा पोस्ट श्राफिस के सामने अध्वई -5 में स्थित है। श्रमुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-1/37-ईई/5935/ 85-86 और ओ सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा बिनाक 19-4-1985 की एजिस्टर्ड किया गया है।

> िसार **श्र-म**द सक्षम प्राधिकारी सहायक शायकर श्रायुक्त (निर्दक्षण) श्रजीस र्रोज-1, नस्वर्ष

नारीख: 11··12-1985

# 

# बानकर विदिश्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बधीन स्वजा

# थारत शरकार कार्यसम्, सहावक वागकर नागुक्त (रिपरीक्रक)

श्रार्जन रेंज⊸ा, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निदेश सं अई-1/37-ईई/612क/84-85--- अतः मुझे, निसार अहमद,

बानकर बाँचनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व क्यानें इसके परचाय जिस्त बाँचनियम का क्या गया हाँ), की घाष 269-च के अभीन सक्षम प्राणिकारी को वह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाबार मुख्य 100,000/- रा. से अधिक हाँ

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 10, 4था माला, रोफ्साता बिल्डिंग, महींप कर्ने रोड़, वम्बई-400 020 में स्थित हैं। (और इसने उपाबद्ध प्रतुसूची में और पूर्ण रूप से बिलित हैं), बीट जिनहां करारतामा प्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 है, ध ें अधीर, वम्बई स्थित सक्षय प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिल्ड्रों हैं, तारीख 2-4-1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उपित वाकार मुख्य ने काम के क्यांनान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई जौर मझे यह विक्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एचे दश्यमान प्रतिफल का पन्छ प्रीतस्त से अधिक हैं और नंतरक (नंतरकों) मीउ नंतरितों (जन्तरितियों) के बीच एसे मन्तरण के तिए तब पाया नवा प्रतिक्ष , निम्नीवर्शित अज्ञानिक में स्वत मन्तरण के सास्तिक न्य सं रूपिक नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तपुरा से हुन्दां विश्वी थाय को बावस, समझ महिन्दिसम के बादीन कर दोने के अन्यारण की सम्बद्धा की सभी अपने ना सकते बचने में सुविधा को किका आर्थ/मा
- (याँ) एकी जिल्ही नाम् वा निल्हीं यन वा सन्त कारियानी ना, विन्दी बारतीय बार्य-कर व्यक्तिनयन, 1922 (1922 का 11) ना जनत व्यक्तिनयन, ना भन-कर व्यक्तिनयम, 1957 (1957 का 27) ने प्रयोगलार्थ नन्तरिक्ती हुनारा प्रयाद वहीं जिल्हा सवा वा वा किया जाना कार्यक्रम था, क्रियाने में कृतिका ने विन्दा;

कर जब, उक्त आधिनिश्रम की धारा 269-ए ई अनुस्थण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री एम० एन० गुप्ता कमामवाला, (2) श्री एम० के० गुप्ता, (3) श्री औ० पी० डान्डेवाल, (4) श्रीमती निता जैन, (5) श्रीमती मुधा गुप्ता कमानवाला।

(भ्रन्तरक)

 श्री दादि नघरोत्री एडनवाला, श्रीमती खुरशीद डी० एडनवाला।

(श्रन्तरिती)

को सह बुचना चारी करके पूर्वोक्त कम्प्रेस के वर्षम के जिए कार्यगृहियां करता हो।

# क्का क्रव्यति के वर्णन के संबंध में कोई भी कार्यर :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के दें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नभोहरतकरी के बाद लिखित में किए जा सकींगे।

स्थळीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्का अधितियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित इं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्यास में विशा गया इं।

## वन्स्वी

फ्लैंट नं० 10, 4था माला, रोक्साना बिल्डिंग महर्षि कर्वे रोड़, बम्ब $\mathbf{\xi}$ --4000 $\mathbf{2}$ 0 में स्थित है।

यनुभूची जैसा कि कि० सं० प्रई-1/37-ईई/5783/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1985 को रजिस्टई किया गया है।

निसार श्रह्मद मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जेन रेंज⊸1, बम्**बई** 

नारीख: 10-12-1985

# प्रसम्य **बाद**ै.टी.एन.एस.-----

# बावकर वर्धधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यातय, सहायक शायकर शायकत (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1, बस्बई

वस्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985 निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/62 5/84--85---भ्रतः मुझे, निसार ग्रहमद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० ब्लाक नं० 3-बी०/6, जो न्यू सायन को-प्राप० हाउर्सिंग मांसायटी लि०, सिधी कालोनी, तल माला, सायन, बम्बई-27 में स्थित हैं (और इससे उपाबड़ प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269क ख के श्रयीन, म्वबई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 18-4-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति क उभित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाम शितकाल के लिए अन्तरित की सर्च है और मुख्ये वह विक्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य असके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पत्त्रहुष्ट्र प्रतिकत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित्ती अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ बाबा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण चे हुई किसी बाब की, वाश्ता, उज्ज्ञ अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (ख) इसी किसी वाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के विए;

नतात्र नवा, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरका मी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, जेनस्नीलिखित स्यक्तियों, अवस्ति क्रिक्ट 1. श्री गुरीदर सिंग प्रताप सिंग।

(भ्रन्तरक)

2. श्री ग्रशोक पी० खारावाला।

(ग्रन्तरिती)

अन्तरिती।

(यह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्जन के जिए कार्यवाहियों करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्वना के रावपण में प्रकाशन की तारीच च 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामीश से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वों बत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व व 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकींगे।

भ्यव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्का अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित इ., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिस्स नया है :

### भनुसुची

ब्लाक नं 3-बीं/5. जो, न्य सायन की-आप० हाउसिंग मोमाईटी, सिश्री कालोती, तल माला, सायन, बस्वई-22 में स्थित है।

प्रमुस्वी जैसा कि कि से गई-1/37-ईई/5840/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्वई द्वारा दिनांक 18-4-1985 को रजिस्टई किया गंगा है।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज--1, बस्ब**ई** 

नारीख: 9-12-1985

प्रक्ष भाइं.टी.एन.एस.-----

बाय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यासय, सहायक भावकर बायुक्त (निरोक्तक)

श्रजैन रेंज-1, बम्बई बबर्म्ड, दिनांक 10 दिसम्बर 1985 निदेश सं० श्रई-1/37-ईई/6069/84-85---श्रतः मृझे, निसार ग्रहमद,

आयकए अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपीत जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/-रा. में अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 43. जो, 4थी मंजिल, श्रणुतोप 38-ए०, नेषियनसी रोड़, बम्बई-36 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावब श्रनुसूची को श्रीप पूर्ण रूप से विजत है), श्रीर जिसका करारतामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजर्झी है, तारीख 1--4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सपत्ति का उचित्र बाजार मृत्य, उसके रहण्मान प्रतिफल सं, एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उच्छ अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जनसरण से हुई किसी माय की बाबत, उपस अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृष्धि। के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधित् :--- 1. श्री सेवकराम गिमानचंद महतानी।

(अन्तरक)

 श्री रूती केनू रुस्तमणी और श्रीमती अने कि रूसी रस्तो मणी।

(मन्तरिती)

4. मेसर्सं भ्रवेरी इंडिया लिमिटेड।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में भ्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बार्षि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्राक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितदक्ष किसी जन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्षिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उन्स् अधिनियम, के अध्याव 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## ग्रनुसूची

पर्लंट नं० 43, जो, 4थी मंजिल, ग्रशुतोष, 38--ए०; नेपियनसी रोड़, बम्बई--36 में स्थित है। ग्रनुसुची जैसा कि क० मं० ग्रई-1/37-ईई/5742/ 85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1--4-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रोंज-1, बम्बई

ता**रीख**: 10-12-1985

# प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर कथिनियम, 1961 (1961 का 43) की शरा 269-घ (1) के अधीन स्<del>प</del>ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजीन रोज-१, बम्बई

बम्बर्ध, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश मं० ग्रई-1/37-ईई/6144/84-85--श्रतः मुझे; निसार श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कार्यालय नं० 142, जो, 14वीं मंजिल, बी-विंग, मित्तल टावर्स, नरीमन प्लाइंट, बम्बई-21 में स्थित हैं (श्रीर इसने उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूण रूप से विंगत हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 2-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारार (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

2 बराका स्रोवरसील ट्रेडसँ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री इंदर कुमार गुप्ता (हिं० ग्रं० कुं०) ग्रीर श्रीमती निना देवी गुप्ता श्रीर श्री विनित गुप्ता।

(अन्दरिती)

3. मन्तरकों

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

श्रन्तियों

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### ग्रनसुची

कार्यालय नं० 142, जो, 14वीं गंजिल, बी~विंग, मिसल टावर्स, नरीमल प्वाइंट, बम्बई-2! में स्थित है। धनुसूची जैसा ि क० स० सई-1/37-ईई/5796/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राप्तिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1985 को रुजिस्टर राज प्रशाही।

> निक्षार श्रहसद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयक्त (निरीक्षण) श्रर्णन रोज-1, बम्बई

तारीख: 9─12~1985

बस्य नाइ. टी. एन. एस:-----

# आयकर अधिनिजन 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन समान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयृक्त (निरक्षिण)

श्रजैंन रेंज⊶1, सम्बद्ध

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निषेश सं॰ ग्रर्ड-1/37-ईई/6332/84-85--श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

कावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसवे इसके परवात 'उनत जिथिनाम' कहा गा है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, वह जिल्लाक करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिलका उचित्त नावार मूख्य 1.00,000/~ रह. से निधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1, जो, 1ली मंजिल, मदानंद अपार्टमेंटस, श्राचार्य काले मार्ग, भागर बाजार, प्रभादेषी, सम्बई-28 में स्थित है। श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिंगत हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, सम्बई स्थित पक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 20-4-1985

को पर्नोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य ते कम के क्यमन वितकल के लिए जंतरित की नई है और मृत्ये वह विकास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार मृत्य मृत्यः, उसके रूपमान प्रतिकल ने, ए वे व्यवमान प्रतिकल का पंक्त प्रविक्त से किया है और नंतरक (नंतरकों) को रिक्त सिक्त है और नंतरक किया मध्य पान क्या प्रतिकल, निम्नतिवित सम्बन्ध के किया मध्य पान क्या प्रतिकल, निम्नतिवित सम्बन्ध से उसत जन्तरण निविद्य वास्तिविक कप से कथित नहीं किया नवा है है ——

- (क) बलारफ स इन्हें फिल्मी बाब की बावत उक्त विध-विवास के अभीन कर दोने के अन्तरक के खाँगरव में कमी करने या उसके वचने में सुविधा के निम्हः और/वा
- (वा) गोगी किसी बाय या किसी भन या अन्य श्रीकायों को जिल्हों भारतीय वायकर अधिरियम , 192? (1922 का 11) या उच्च और दिवस , वा पन-अन्य अधिरियम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्तार्थ जन्तरिती हुवारा प्रकट नहीं किमा गया था वा निवस बाना वाहिए था, छिपाने श्रेश्विधा के लिए; और/वा

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुकरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (६) क उभीन, नियमितिवित अधिकारों, अधीत्:— 1 श्रीमती माध्री पी० सावत।

(भ्रस्तरक)

 श्री ग्रहण डी० विजयकर ग्रीर श्रीमती लक्ष्मी डी० विजयकर।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के सिए कार्यवाहियां भूक करता हूं।

उन्ना सन्तरिक्त के अर्धन के संबंध में कोर्ड भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्वं बंधी व्यक्तिमां पर स्वा की तामील से 30 दिन की अविधि आं भी जविध नाव के समाप्त होती हो, के भीवर पूर्वों कर व्यक्तिमां में से किसी काकित द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजधन में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्बंधि में हितबहुध वहुध किसी अन्य व्यक्ति इतारा अधीहरता असी के यस निविद्य में किस का सकतें है।

स्वक्षांकरणः --- इसमें म्यूक्त शब्दों झरि पवों का, जो उक्त अधिनियम के जब्दाय 20-क को परिस्तितिक हैं, वहीं वर्ष होना को उस कथ्याय में दिया पता हैं।

## वनुषुची

प्प्लैट नं 1, जो, 1ली मंजिल, सदानंद भ्रपार्टमेंटस भाचार्य काले मार्ग, श्रागर बाजार, प्रभादेवी, बम्बई-28 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० शई-1/37- र्र्ड /5958/ 85-86 श्रीर जो पक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-4-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रह्मव संक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रोज-1, बस्बई

तारीख: 9-12-1985

प्रस्त्व शाई. टी. एम. एस. -----

कायकर भौभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) वे अधीन समाना

भारत सरकार

# कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज- 1. बस्वर्ध

बम्बई, दिलांक 9 विक्तम्बन 1985

काबकार लिंधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परपात् 'उक्स अभिनियम' काहा गया हो), की भारा 269-क के अभीन गयम प्राधिकारों को वह विकास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार प्रस्य 1,00,000/- का से अधिक हो

श्रीर जिल्की गं० पूजिट नं० 9की, जो, प्रावँती इंडस्ट्रियल प्रिमायिक्त को-श्राप० हाउल्जि सो त्यटी ति.०, न्यू पन मिल कम्पाउंड, लोश्रर परेल, बम्बई-13 में स्थित है (श्रीर इसमे उनाबद श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप के विणित है), श्रीर जिला प्रारतामा श्रीरितर श्रीधित्यम, 1961 की धारा 269 ह, ख के श्रधीत, बम्बई स्थित क्षम प्राधिती के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 9-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्वरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और गुझे यह विश्वास करने का कारण है कि युप्तपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, इसके द्वरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिगत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय भागकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त आधिनियम को धारा १६९-५ के अल्पण पं, मैं, सक्त अधिनियम की धारा १६९-६ की उपधारा (1) के उधीतः, निक्तिकितिक व्यक्तियोः, अर्थातः :---50...426 GI/85

- रभेश इलेकिट्रकन मन्यफँक्तरिंग कार्पोरेशन
- (अन्तरक)
  2. श्री दिलीप हर्राक्शन **छात्री**या ग्रीर श्री हर्राक्शन छात्रीया।

(श्रन्तरिती)

अन्तरितयों।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य**गाहर्म कर**ता हूं।

## उन्ह सम्मतित के जर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताशील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मुलमा के राजपान में प्रकाशन की सार्वेच से 45 विम के भीतार उदत स्थामन कमारित में क्षिप्रवर्ष किसी मन्य स्थानत प्राया नभीइस्ताक्षणों के बाब सिवाल में किए या सप्तेचे ।

ंपध्याकरण: ----इवर्जे प्रथमत कर्को और पक्षों का, को उच्च गीभीतयक के अध्याय 20-क में किस्माविस ही, वहीं अर्थ होता को उस अध्याय में दिया एया ही।

#### नन्स्ची

यूनिट नं० 9बी, जो, पार्बनी इंडस्ट्रियल प्रिमायमेस को-प्राप० सोसायटी लि०, न्यू यन मिल कम्पाउंड, लोग्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंसा िं कर संर श्रई—1/37-ईई/5811/ 85-86 प्रांट जो सक्षम पाधिकारी, बम्बई हाल दिनांक 9-4-1985 को रजिस्टर्ड िया गया है।

> निजार श्रह्मद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रोज-1, बस्बई

तारीखा: 9-12-1985

# प्रस्म नार्च । हो. पुरु पुरु । अध्यक्त

# भाषकार अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नमीन स्वा

ALEA A CALL

# कार्यालय, सहायक वायकर वाय्क्त (निहासिक)

ग्रार्जन रोज-ना, वस्बर्ष

वम्बई, दित्तक 9 विसम्बर 1985

निर्वेश सं० प्र**६-**।/37-**१६** $/60845/84\cdot85$ -प्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैकि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा संअधिक है

अरेर जिसकी संव यूनिट नंव 433. जो, बीन्डमाप्त, 4थी मंजिल, बेंचल इंडिल्ड्सिय रस्टेट रेल्एरिट बापट सार्थ, लोझर परेल, यावई 13 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण का से विजान हैं), और जिसका करारनामा धायका शिक्षित्यम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, वस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान श्रीतफल के िएए अंतरित की गर्ध है और मुक्ते यह विवसास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, दसके दश्यमान प्रतिफल स, एसे दश्यमान प्रतिफल का पण्डा प्रतिफल का पण्डा प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निक्तिविक्त उध्योध्य से उक्त अस्तरण निक्ति व स्तरिक के बासर प्रतिफल के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निक्तिविक्त उध्योध्य से उक्त अस्तरण निक्ति

- (क) नंतरण सं हुए जिसी जाय की बाबत, उक्त कथि-विवस के नधीन कर बंधे के कन्तरक के बाधित्व में कभी कर्त वा उसके बचने के स्विधा के लिए; बीर/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियाँ कां, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे व्यासनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भाषा किया जाना चाहिए था, कियाने में मुविधा सै निए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:--- 1. श्री राजेश एल० ठक्कर, श्रीमती समिष्ठाबेन सक्मी-कांत श्री मतहत्त्वाल मगनलाल राजा और श्रीमती मृदुलावेश शिलश्कुमार राजा। (भागीदार-राजा उंटरप्राईज)

(अन्तरकः)

2. श्री मयूर कनुभाई णहा कर्ता आफ हि० प्र० कु० आफ एम० के० णहा।

(भ्रन्तरिती)

श्रन्तरिती ।

(बह् व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के अर्जन के लिए कर्यवाहियां करता हूं।

चक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताबीज से 30 दिन की बचित, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में सिक्सी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी कें पास बिह्यत में किए वा ककेंगे।

स्याकिरण १ - इसमें प्रयुक्त एव्यों और पर्यों का, जो उत्तर अधिगीनयम के बच्चाय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उत्त अध्याय में विका मया हैं

## वरसर्ची

यूनिट नं० 433. जो, बी-इमारत, 4थी मंजिल. केवल इंडस्ट्रियल इस्टेट, मेनापति बापट मार्ग, लोग्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क० सं० आई-1/37-ईई/5755/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

िसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक क्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज⊶1, बस्बई

तारीख: 9~12~1985

# शक्त बार्'ं दी हरा हरा

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में नभीन सूचना

#### कारत सरकार

# कार्यालय, बहायक गायकर गायुक्त (निरीक्षण)

त्रर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निदेश सं∘ ग्रई $\rightarrow 1/37$ —ईई/6117/84—85→-श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) '(जिसे इसकों इसको पश्चार 'उकत अधिनियम' कहां गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई और मभो यह विश्वास करने का कारण ही

मिन यह । वश्यास करन को कारण ह कि यह यथा पूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अध्यक्ष सं शुरू किसी बाद की बादस, स्वस् विधितिकत्र के वशीन कर देने के मन्दरक औं विधितक में कमी करने या स्वसं वसने ने स्विधा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियाँ की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गा बन-कर अधिनियम, गा बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवादवार्थ अन्तरिशी कुट्या केट नहीं किया समा था वा किया बाना आहिए था, जिनाने में सुविधा के लिए;

्रतः भवतः विश्वतिष्यमं कौ भारा 269-व कौ अनुसूरण मं, मं, उक्त अधिनियमं की भारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिस्तों, अर्थात् ह——

- श्री एम० एल० गुण्ता, कमानवाला, श्री एस० के० गुण्ता, श्री ओ० पी० खंडेलवाल, श्रीमती निता जैन और श्रीमती सुद्धा गुण्ता कमानवाला। (श्रन्तरक)
- 2. श्री जिम्मी इ० दादाभाँय।

(धन्तिती)

3. भाडूत।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4. अन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# तकत सम्पत्ति के वर्जन के सर्वभ में कोई भी बाध्नेप :--

- (क) इस सूचना के सालपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस द्वाराः
- (क) इत सूमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्मत्ति में हित-ब्रूष् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अ्थोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हरेगा जो उस वध्याय में दिया भूगा हैं।

## **अनुसूची**

प्लैट निं० 3, जो, ाली मंजिल, रोक्साना इमारत, महर्षि कर्वे रोड़, बम्बई-20 में स्थित है।

श्रनुषूची जैसाकि कि सं श्राध-1/37-ईई/5775/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 2-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद सदाग प्राधिकारी सहायक ग्राथकर श्रायुक्त (नि**रीक्ष**ण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 10-12 1985

# प्रकर बाई हो हो एम प्रस्

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) वें अधील क्षता

#### STUR STUR

# कार्यालय, सहायक वायकर वायक्त (निरुक्तिक)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० श्र**ई-**1/37-ईई/6201/84-86--- अतः मुझे निसार श्रहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 14, जो, 4थी मंजिल, मार्तन्ड 84, डा० एनी बेसेन्ट रोड, चरली, बम्बई-18 में स्थि है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिन्यम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 8-4-1985

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफ्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सस्पत्ति का उचित जाजार मृत्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, एखे ख्रयमान प्रतिकल का पन्दह प्रतिणात से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और जन्तरिती (अंतरित्यों) में जीच एसे अन्तरक के सिए तम पाना नया प्रतिकल का विद्यानिक उद्देश में उसत अन्तरक विदेश में वाक्ति कि स्वार्थ विदेश में वाक्ति कि साम की का वाक्ति कि साम स्वार्थ के स्थित स्वार्थ के स्थान स्वार्थ कि साम स्वार्थ के स्थान स्वार्थ के स्थान स्वार्थ के स्थान स्वार्थ के स्थान स्वार्थ कि साम स्वार्थ के स्थान स्वार्थ के स्वार्थ के स्वार्थ के स्थान स्वार्थ के स्वर्थ के स्वार्थ के स्वार्थ

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी अय या किसी धन या अन्य आस्तियों करी, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की क्रियाग (1) इं नधीन, निम्नीलिखत व्यक्तियों, वर्णात क्रियां 1. श्रीमती शकुंतला बागिया।

(अन्तरक)

2. श्री विजय हरीलाल बिजलानी।

(ग्रन्तरिती)

3. अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. मसर्स हरहरघाला इंजीनियरिंग वर्क्स प्रायवेट लि॰।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

स्त्री यह ध्वश धारी करके प्राणित कमिन के निव कार्यवाहियां करता हूं।

# उक्त सम्मृतित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेष —

- (का) इस स्वता के रावपत्र में प्रकाशन की तार्शि से 45 दिन की जविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की वविध, को भी वविध शह में स्थापत होती हो, के भीतर पर्योक्स व्यक्तियों में से ध्या व्यक्ति व्यक्तिय
- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीस से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्मत्ति में हित- बुद्ध किसी बन्य अधित द्वारा मधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

क्या करण:—इसमें प्रमुखत अव्यों और पदों का, जो अवद अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यहीं वर्ष होता को उस अध्याम में दिया नवा है।

#### बनसची

फ्लैट नं 14, जो, 4थी संजिल, मार्तन्ड, 84, डा॰ एनी बेसेन्ट रोड, चरली, बम्बई-18 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि के सं 9.9 -1/37 -1

निसार ब्रह्मद सक्षम त्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रज-1, बस्बई

तारीख: 10-12-1985

प्ररूप बाइ . दी. एन. एस. ------

जायकर निधनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के जभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्बाक्स, सहायक आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1, बस्बध

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निदेश सं ० श्रई-1/37-ईई $/62\overline{42}/84$ --85---श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस भें इसके प्रधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-च के अधिन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्थात करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 4 श्रीर गैरेज नं० 6, जो रोक्साना इमारत महिष कर्ने रोड़, तस्बई-20 में स्थित हैं (और इस ) हराबद्ध अनुसूत्रों में और पूर्ण कर से विणित हैं), और जिनका करावरामा आहरूर प्रधिपियम, 1961 को धारा 269क, ख के सबीत परवई स्थित सभम प्राधि-कारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 10-4-85

कां पूर्वाक्त सम्परित के जिस्त बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का जिल्त बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निविधित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित हो अधिक नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बार/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आधकर अधिनियंम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उदत अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित् :---  श्री एम० एल० गुप्ता कमानवाला, श्री एस० के० गुप्ता, श्री ओ० पी० खंडलवाल, श्रीमती नीता जैन और श्रीमती मुधा गुप्ता खंडलवाल।

(अन्तरक)

2. श्री नारायण प्रसाद जाजीडिया।

(भ्रन्तरिती)

8. भाइत।

(वह व्यक्तिः, जिसके श्रधिभाग में सम्पत्ति है)

4. अन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधी-हस्ताक्षरी जानता है कि <mark>वह</mark> सम्पत्ति में हितबढ़ हैं)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी मनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त भ्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्का के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया पया है।

## बन्स्य

फ्लैट नं० 4 और गैरेज सं० 6, रोक्साना इमारत, महर्षि कार्वे रोड, बम्ब $\mathbf{\xi} \sim 2.0$  में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि लं श्रई-1/37-ईई/5925/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-4-1985 को रिजस्टर्ड- किया गया है।

िसार श्रह्मद मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (किरीक्षण) श्रजेंन रेंज⊸1, बस्यई

तारीख: 10-12-1985

प्रकृष बाह् की. एन्. एक . ------

श्रीष्कर मीधनियम, 1961 (196) % (3) की घटटा 269-स (1) के मधीन सुमना

#### 电压作用 机型金柱子

# क्यक्तय, तहायक आयकर आयुक्त (निशीक्षण)

अर्जन रंज-1, बम्बई

बस्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

भिर्देश सं० अई-1/37-ईई/6143/84-85—अतः मुझें मिसार अहमद

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हूँ), की भारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, बृह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाबार मुख्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

श्रीर जित्तकी सं कार्यात्रय श्रिमा यसेस नं 74, जो, 7वीं मंजिल, सी-विंग, मिलन कोर्ट, नरीमन पाइंट, बम्बई-21 में है तथा जो बम्बई-21 में स्थित है (श्रीप इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारसामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के लार्यालय में रिकस्ट्री है तारीख 2-4-1985

को पूर्वोक्त सम्परिः के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते बहु विकास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचात से बिधक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए सम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिचित बच्चेय से उक्त अन्तरण लिचित में वास्त्विक रूप से कथिस वहीं किया गया है :---

- (क) व्यवस्थ से हुई किसी काय की शावत, उनक स्थितियम् के व्यविष् कंप दोने के बीतरक के सावित्य मो कभी करने वा उनको व्यवे में सुविधा के किए; बीर/मा
- (थ) इसी किसी बाप मा किसी पन या अप्य बास्तियों को, जिल्हें भारतीय नायकार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) यो जलत अधिनियम, यो पन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रवोजनार्थ जल्तीरती द्वारा प्रकट वहीं किया नेया वा वा विका जाना चाहिए था, कियाने में स्विका के शिक:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निष्नलिखित स्यमित्तयों, अर्थात् :— (1) मैसर्स अल्मास इंटरनेपानल

(अन्तरक)

- (2) मैंसर्स सी॰एम॰एस॰ इन्वेस्टमेंन्ट एंड ट्रेडिंग कम्पनी (अन्तरिती)
- (3) अन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना प्रारी यात्रके पूर्वीकड सम्मत्ति के वर्षन के जिए कार्यगाहिक करणा हो।

**उक्त सम्प**क्ति को अर्थन को भवागर जो जाती की लाहाँच .--

- (क्र) इस सूच्या को राज्यपण में प्रकाशन की तारीस सं 45 हिन की जनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की सामील से 30 दिन की असीथ को भी क्रमीद भाष में समान्त होती हो के शीतर पूर्वोक्स प्रक्रियों में से लिसी व्यक्तित हुएता,
- (क) इस कुमन के उज्जान की प्रकासन को तार कि ते 45 जिन के भीतर सम्बंध स्थापर सम्बद्धि को हितवपुष किसी बन्न व्यक्ति द्वारा, अधाइस्ताक्ष्री के पास किसीबत को किस्तु का सकीयो।

स्पक्षकिरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों आरे पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया ीया है।

#### भनुसूची

कार्यालय प्रिमायसेस नं० 74.जो, 7वी मंजिल,सी-विग, मित्तल कोर्ट, भरीमन पाइट, बम्बई-21 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि ऋ०सं० अई-1/37-ईई/5795/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिसांक 2-4-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निवार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1, **बस्कई**

तारी**ज:** 9-12-1985

## धुकन बार्स, सी. एन. एन. ------

# शायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बजीन ब्याना

भारत सरकार

## आर्वासय, सहायक नायकर नायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रें ज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 भवम्बर 1985

निर्देश सं० अर्ह-1/37-ईई/.563/83-85--अतः मुर्झे, भिसार अहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्कन प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारज है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० पलैट नं ० 5, जो, लक्ष्मी भवम, प्लाटनं ० 155 सायन (पूर्व), बम्बई-22 है तथा जो बम्बई-22 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका कराव्यामा आयवव अधिरियम, 1961 की धारा 269 ह, खाके अजीत जन्मई विषा तत्र प्राधि हारी के जार्यालय में रजिस्दी है, तारीख 13-5-1985

को वृत्तीं पत सम्पत्ति के उचित साथार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित वाजार सूक्ष्म, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पत्त्वह प्रतिकत से अभिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और क्यारिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए सब बाबा नवा प्रतिफल, निम्नसिक्ति उद्वेश्य से उक्त बन्तरण सिक्त में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है कि

- (क) अन्तर्य ते हुई किसी जाव की वावत, बक्त अधि-निवस की अधीन कर दोने के बन्तरक की दानित्य वो कभी करदे या उत्तव वचने में सुविधा के बिए; भीर/वा
- (क) एसी किसी बाय, या किसी थन या अस्य शास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, खिपाने में ब्रिया के नियः;

#सं. ##, सक्त अधिनियम की धारा 269-म से अनुसरण ा, मं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीक, निक्रमितिकार व्यक्तियों, अधीत् थ— (1) श्रीमती एदमा मोतीनाल बुटानी

(अन्भरक)

(2) श्री राजेश रामन श्रीर श्रीमती विमला रामन।

(अन्तरिती)

भी यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के लि**ए** कार्यवाहियां करता हुएं।

## क्यम बन्दरिय के अर्जन के बन्दरूप में कोई भी आक्रोप्:---

- (क) इस ब्र्यना की राजपन में प्रकाशन की तारीब क्षे 45 विन की नवींच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीन से 30 विन की नवींच, को भी नवींच नों समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किती व्यक्ति व्यारा;
- (व) इस सूचना क राष्यंत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाष्ट सिचित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिकरलः --इसमें प्रयुक्तः सन्दों और पदों का, जो उज्जल् जिनियम के अध्याय 20-क में परिभावितः हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याद में दिस्सा गया हैं।

## प्रमुखी

प्लीट नं ० 5, जो, लक्ष्मी भवभ, प्लाट नं ० 155, सायन (पूर्व ), बम्बई-22 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि करु सं० अई-1/37-ईई/6098/85-86 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिशांक 13-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निभार अहमद सक्षम प्राधि तरी सहायक आयकर अध्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1, वस्वर्ष

**तारीख**ः 12-11-1985

मोहरः

## प्रयम नाइ<sup>4</sup> . श्री . एन . एस . ------

बावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 769-थ (1) के अभीन संघता

#### भारत तरकाड

## कार्यक्रम, तहास्क नामकार नाम्बद (विद्वास)

अर्जन रेंज-1, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिशांज 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/6268/84-85--अतः मुझे, निसार अहमद,

भावकर गीभीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रमास 'उन्त गीभीनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-य के जभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से जीवक हैं

श्रीर जिसकी सं अपार्टमेंट नं 401, जो स्वीन्स डायमंड, 4थीं मंजिल, माया परमानन्द मार्ग, चर्नी रोड सी० एस० नं 18, गिरगांव डिविजन, बम्बर्ड है तथा जो बम्बर्ड में स्थित हैं (श्रीर इसके उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिल्लाका जरायकामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 ए, खाते अधील बम्बर्ड स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में स्थित है, तारीख 18-4-1985

को पूर्वोक्त शस्पति के उजिल नाजार गृह्य है कम के क्रयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्व है और मूझे पह विश्वाध करने का कारल है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाबार मृह्य, इसके क्रयमान प्रतिकल के, एसे क्रयमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंवरकों) और अंत-रिती (अंवरितियों) के नीच एसे अंतरल के लिए वस पासा गया प्रतिकल निस्तिवित उड्डोक से उअत अंतरण सिविद्य में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया नदा हैं

- (कः) अंतरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या सससे अवके में बुविधा के विष्टु; जौर/या
- (स) ऐसी किसी काल या किसी धन या जन्य बारिस्तयों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्थत अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना वाहिए था, किथले में सुरिया के लिए;

अत: अब,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्सरन में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के स्थीन निम्मलि**शिव स्यक्तियाँ, वर्थोंब**ं—- (1) श्री हेमन्त हिराभाई पटेल।

(अस्तारकः)

(2) श्रीमती गुणवंती वापालाल महता और श्रीमती मोनल रोमी महता।

(अन्भिरिती)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जामता है जि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

कारे वह क्ष्मण प्राप्ती कारके पूर्वोक्त कम्मीत के लगम के लिए कार्यवाहियां काउता हूं।

## उपत बंगील के वर्षक के सम्बन्ध में कोई भी वाकोप :----

- (क) इस सूचना के राज्यप में प्रकाशन की तारोध से 45 विच की अवधि या उत्सम्बन्धी न्योंनतमां कर सूच्या की सानीस से 30 विन की संबंधि, को औ संबंधि बाद में संबोध्य होती हो, में भींसर पूर्वीक्स स्योगतमां में से किसी स्थानत इंगास;
- (व) इस स्थान के राज्यक में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्बद्धि के दिन-वहुच किसी नत्य व्यक्तिस हुवारा नवोह्स्ताक्षरों के पात सिवित में किए का तवीं में।

स्वकारिक द्वा :----व्यवा प्रयुक्त कव्यों और परों का, को जरूब व्योभिषयन के वश्याव 20-क में विशिषक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अश्याय में विशा गया है।

## **भनुसूची**

अपार्ट मेंट नं० 401, जो, क्वीन्स डायमंड, 4थी मंजिल, मामा परामाधन्द मार्ग, चर्नी रोड, सी०एस०नं० 18, गिरगांव डिविजन, बस्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसािक ऋ० सं० अई-1/37-ईई/5851/85-86 भौर जो राक्षम प्राधिकारी, धम्बई द्वारा दिसांक 18-4-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> भिभाष अहमद असम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख: 9-12-1985

माहर :

ग्रह्मा आहुँ. टी. एस. एस.-----

आयकर ग्रीभिनियम, 1961 (196) का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आसकार आय्वत (निरीक्षण)! अर्जन रेट-1, यम्बर्ड

बम्बई, दिना । । दिसम्बर 1985

निर्दोण सं० अई-1/37-55/0133/82-85--अत: मुझे, मिसार अहमद,

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-त्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रह. से अधिक है

स्रीर जिस्की सं अपार्ड मेंड वं ० ५० । , स्रीर पैरेश सं ० ५० । ए , "ब्हाईट हाउस, अएक स्वारिश रोड सम्बई-20 है तथा जो बम्बई-20 में स्थल है (स्रोट इस्से उत्तवह अनुसूची में स्रीट पूर्ण कप ने विणत है ), शोल शिक्स कर्याणामा आयकर अधिरियम, 1961 की धाला (१८००) क के अधीर बम्बई स्थित राजम प्राधिकारी के अधीर वास्वर्क स्थल राजम

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके द्रायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक चप से किशन नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त जिस्तियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दार्गित्व मों कमी करने या उसमे बचने मों सुविधा के िलए; और/या
- (का) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, द्विपान से स्विधा के लिए;

अतः अयः, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभार (१) के अभीतः जिम्मिनियत व्यक्तियों, अर्थात् :--- 51----126 GI 85

- (1) कोनी छेठ नंदार (जन एक० चठ कास्मा), जमसेद एए०० दोना छोट एफ० ने० सिस्त्री। (संसापनी ांगा चैरिटी ट्रांट के ट्रस्टी) (अन्तरक)
- (2) ग्लाक्यो नेबोरेटरीज (इंडिया) लि०। (अस्तरिती)
- (3) अन्तरितियों । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पन्ति है)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध यातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषि है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### र संची

भागदमिंट नं० 501 प्रीर गैरेज नं० 501ण, "ब्हाइट हाउस अंक गमाहिया रोड, बम्बई-26में स्थित है।

अनुत्वो जैना कि क० सं० अई-1/37-ई=5/5788ए/85-86 और जो पश्च प्राधिकारी, बस्कई द्वारा दिलां है 2-4-85 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

ातार अहमद नक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (धिरीक्षण) अर्जभ रेज-1, बस्बर्ड

नारीदा : 10-12-1985

वरूप बाह" ही. एत. एक: - - - -

भायकर विभिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के सभीत सुचना

#### WINE STATE

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

. अर्जभ रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 दिसम्बर 1985

जिर्देश सं० अई-1/37-ईई/6122/84-85-अत: मुझे, निसार अहमद.

आयक र व्योगिनियम, 196; (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'टक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्मीत, जिसका विश्वत नाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलैंट नं० 65, जो, हवी मंजिल, नौरोज मनीर, इस्माईला को-आप० हाउसिंग सोलाईटी लि०, बारखला बम्बई-8 है तथा जो बम्बई-8 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुस्वी में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है), ग्रीर जिसका करारतामा आयार अधिनियम, 1961 की धारी 269, क ख के अधीत बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-4-1985

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित वाकार मृत्य सं कन के दश्यमात प्रितिकत के लिए जन्तारित की गई है और मुक्त यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार खूम्ब, उसके स्थमान प्रतिकत से, एसे रस्थमान प्रविक्त का पंत्रह प्रतिकत से जिथ्मा है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरित्वा) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकत, निम्नितिकत स्थ से अधित सही क्षित गया है का दास्त्रविक स्थ से अधित सही क्षित गया है का

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाक्स, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अम्बर्क्क के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्पृविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी लाय वा किसी भूत सा बन्य आस्तियाँ का उन्हें भारताय जावकर जांचानसम्, 1922 (1922 का 11) या उन्हें जांचित्रसम्, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय बन्तरियो इनारा प्रकट नहीं किया गया था बा किया जाना चाहिए हा, उन्हों के व्यक्तिया के निए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण है, में जनत अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निस्नितिखर अक्तियों, अर्थात्—

- (1) बीमती चिरोपबाई धुलेमाम विरानी (अन्वरक)
- (2) श्री महबूब शेरजली टोपीयाला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन के प्रकारन की तारीख के 45 दिन की अविधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील सं 30 दिन को अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवन को जनमा में से किसी व्यक्ति होता हो.
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी क्या व्यक्ति द्वारा ज्याहरूनाधारी के पास निवास में किस् का सकते।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त अब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

#### बनसची

पलैट नं० 65, जो, 5वी मंशिल, नौरोज मनोर, इस्माइला को-आप० हाउसिंग सो गईटी ि०, बायखला, बम्बई-8 में स्थित है।

ानुषूची जैला कि कर सं० अई-1/37-ईई/5780/85-86 ग्रीर जो सलय प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिलांक 2-4-85 को रिकटर्ड किया गवा है।

> िनार अ**हमद** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (फिरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीखं: 11-12-1985

त्रम् वार्थः हो . एव . एस . --- ---

आवस्तर समिनियम, 1961 (१५61 का 43) की धारा 269-अ (1) के बधीन मुख्या

#### HIST HERE

कार्याचन, सहायक आयुक्त : आयुक्त (विश्राक्तिक)

जर्जन रेज-१. बस्बई

बम्बई, दिभार 11 दिलम्बर 1985

भिर्देश में ० जर्ड-1/37-ईडी/6334/84-85---भाषः मुस्ते, पिकार अञ्चल

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें उत्तान का प्रकार की कियम नदी गया हैं), को भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह रिक्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाबार मूर्व 1,00000/- क. से विधिक है

ष्योर जिल्लामां एक पत्रेष्ट गं । 405. जो, 4या मंत्रित, नामल हाउस, 60/62, ब्रुटाइएए एड, ग्रन्थई-5 है नथा जो वस्वर्ट-5 में स्थित है (यार इस्त इत्याव्य रान्यूची में यार पूर्ण कर ने ब्रीणत है). जा जो गं । वर्षणतमा जाय जा विविध्यम, 1900 वी धारा 269 के खान अधार वस्वर्ड स्थित स्थम प्राविधारी के नायांच्य में रिजर्ही है नारीख 23-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला स कम के रस्तप्रान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोचत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एोसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्त उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप के किथत नहीं किया गया है:——

- (क) वस्तरण से हुई किसी बाय की शासत, उसत विधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरफ के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; बाँद/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम . 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम , या धनकर अधिनियम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था , छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की तक्मारा (1) के नधीन, निम्नोनिधित व्यक्तियों, अर्थात् ह—— (1) थी। विजय जुनार गुला

(সালক জ )

(2) और अर्थीय अस्पाना स्थिए प्रीमती अस्पा चन्दरामा (जन्मरिती)

को बहु भूभना बादी करके पृक्षांचल समित की वर्धन की तिहर कर्मकरिका कारता हों।

उतरा सम्परित की लर्जन की सम्बाध वी करोड़ी भी बाह्येंग, -

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की सारीब से 45 किंदू की अविधि सा तरकश्यानी असीवताओं पर स्वाना की तामील से 30 दिन की असिंधः, जो भी अर्जिय बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्रवेशिक अधिकालों में से किसी व्यक्ति स्वाराः
- (स) इस सूचना के राजण्या भी एकाशन की तारीस से 45 दिन के मीतर उदल स्थावर सम्परित में हितवसूथ किसी अन्य श्यक्ति स्वारा अभोहरताकारी के पास विशेषक में रिक्ष कर रहिए।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, औ उक्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रतस्चा .

प्लैंट नं० 405, जी, 4थीं मंजिल, वाबका हाउस, क्प/-62, ब्डहाउस रोड, बस्बई-5 मंक्थित्है।

अनुसूचो जैसा कि ऋ० पं० अई- 1/37—ईई/5960/85— 36 और जो जजन प्राधिकारी, वश्बई द्वारा दिलांक 23—4—85 को रिजिस्टर्ड किया नया है।

> निसार अहमद उत्तम प्राधिकारी सहायक आय*े आयु*का (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई

नारीख : 11-12-1985

प्ररूप आर्द्र.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज-1. बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 11 दिसम्बर 1985

निर्देश मं० अई-1/37-ईई/6704/84-85--अतः मु**र्झे**. निसार अहमद,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें परचात् 'उदत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं।

श्रीर जिनकी मं० फ्लैंट नं० 102, जो, ाली मंजिल, सोशावाला अपार्टमेंटन, 13/15, अरब लेन, बार्प्टा रोड, बम्बई-8 है तथा जो बम्बई-8 में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुभूची में श्रीर पूर्ण म्प ने विणा हैं), श्रीर जिसका करारशामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क. ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है नारीख 9-4-1985

को पूर्वोक्ष सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ष संपत्ति का उचित आजार मूल्य, जभके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल जिम्मिलिलत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (का) अंतरण में हुई किसी आय करी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने को अंतरक को दायित्व मो कमी करने या उससे बचने मों स्विधा को लिए; और/या
- (व) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मीं, पीं. एक्त अधिनियम की धारा 260 म की उपभाग (1) के अधीन, निम्निणिखिस व्यक्तियों, अर्थान् :-- (1) मैपर्स जंगानी विल्डस

(अनारक)

- (2) श्री मोहम्मद हर्नाव ग्राप मोहम्भद अमीम (अन्तरिती)
- (3) अन्तरको । (वह व्यक्ति जिसके अधिकोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वाबत सम्पत्ति कं अर्जन कं लिए कार्यवाहियां करता हो।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि रा तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समान्त हाती हो, की भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण गे प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमी प्रयुक्त गव्दों और पदौँ हो। जो उकत अधिनियम, की अध्याय 20-की मी पक्षा परिमा-षित हैं, देही अधी होगा जो उस अध्याय भी दिया गया है।

## अनुसुखी

फ्लैंट तं० 102, जो, ाली मंजिल, सोभावाला अपार्टमेंट, 13/15,अथब लेम, बार्टी शेड,बम्बई-8 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कर संर अई-1/37-ईई/14806/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाव 9-4-85 को रिकस्टिड किया गया है।

िकार अहमद क्तम प्राधिकारी यहायक आयक्र आयुक्त (विरक्षिण) अर्जन रेज-1, बम्बई

नारीख: 11-12-1985

प्रारुष आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 196। (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

वार्यभ रेल-।, बरबाई

बम्बई, दिताण । ५ हिम्मण १५८५

ਜਿਵੀਂਅ ਜੀਨ (ਅਈ-3ਾ—ਈਡੈ/6365/84-85—-ਅਜ: ਸੂਜ਼ੀ, ਜ਼ਿਲਮਕ (ਬਾਸ਼ਮਕ)

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'सबस अधिनेग्रप' कहा गए। हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तास करने का कारण है कि स्थावण सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

पलैट नं ० 64, जी बी-इमारत, हायब अपाटमेंट. आयन (पूर्व), बम्बई-22 हे तथा जी बम्बई-22 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूर्व) के पूर्ण रूप से ब्रिक्टिंग है), ऑर जिसका लिएलामा अस्ति १ विधियम 1961 की धारा 269 के, खार अधील बम्बई ल्यिए असम प्राधिकारी देवायलिय में राजिएटी हे असीख अस्ति । १८ ४ - १९६३

को प्रवास्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि स्थाप्योंकित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके कश्यमान प्रतिफल सं, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिश्वत स्थापनाह प्रतिश्वत सं अधिक है और अंतरक (अतरकों) और अंतरितों (अंतरितों) के भीच एसे वंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का किन्ति सं किन्ति उद्योग के किन्ति के क्ष्य से किन्ति सं किन्ति के क्ष्य से किन्ति किन्ति से किन्ति स

- (क) अन्तरण से हुवं किनी श्राय की शावत, अक्त सीमानसम के अवीन कर दोने के जुन्तरक को सामित्य में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए; सीद्य/वा
- (क) एसी किसी आम था। ककी धन का लन्स जास्तर्या करें, जिन्हों भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 1°) था उनरु अधिनियम, या धाकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ्शेषनार्थ जन्तरियों द्वारा प्रकट नहीं किया स्था था का किया जाना चाहिए ा कियाने में स्विका के लिए?

बत अब, अक्त अधिनियम की तारा 269-न के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की तारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, उर्थात् :--- (1) श्री समध्यायाः सं हा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती भानुमती पी० मेहता

(अर्नारती)

को यह सूचना जारी करके पृथिक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हुं।

## डाक्स सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेत्र ₽−

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की नविष् सा तत्सम्बन्धी म्यक्तियों पर स्वा की तामीस में 30 दिन की सब्धि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्वक्तियों में से किसी स्विधत स्वाराः
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वे 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबूध फिसी बन्य व्यक्ति द्वारा सथोहस्ताक्षरी जे पाइ निजासत में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त भव्यों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के विध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## धम्सूची

फ्लैट नं० 64, जो, बी-इम्। एत, हायवे अपार्टमेंट, मायम (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/5936/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ढारा दिलांक 19-4-85 को रजिस्टई किया गया है।

> िलार अहमद नाझम प्राधिकारी सहायक आयाकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1, बम्बई

नारीख: 9-12-1985

## प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

बाथकर किभनिसम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचनः

### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोष्ट्र-।, बमवर्ष

बम्बई, दिसांक 9 विसम्बर, 1985

मिर्देश मं० अई-1/3%-ईई/325%84-85-36: मुझे, सिसार अहमद,

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति जाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रीत जिस्की मं ० पर्लंट नं ० 20. जो, हिंद मारा ० ट पिस क्लोध मर्चेन्द्रत, सोकाईटी निष्ठ होटा मिन प्रमाहित्व, डा० आंबेडाल रोड, दादल (मध्य लेखन) वस्त्रई-14 में स्थित है (स्रील इसल लिपाबड़ तमुसूची से स्ना पूर्ण रूप में विणित है), स्रोल दिल्ला दिलालामा तस्त्रल लेखिक्यम, 1961 की व्याल १८५० , खाके लखील बस्त्रले स्थान १८६म प्राधिकारी के लयांच्यामें विल्ही है एउंग्या १८८८

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं क्षम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हो और मुफे यह विश्वास करने का कारण हो कि यथागपूर्वोदन सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्सह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तर्क (अंतरकों) और अंतरिती सिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसिसित उद्देश्य से उक्त वंशरण सिश्ति में वास्तिक कप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबर, उक्त अभिनियम को अधीन कर दोने के अस्तरक के खाँबरण में कभी करण के समस्रे वक्षण में कृष्टिका के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियां का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

मतः नम्, स्वन् अगिष्ण की एक पार्थ प्राप्त है अधारण मों, मों. तक प्रधितियक को भाग अधार के व्यक्तियों के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---

- (1) श्री पाहेग्यन्दरगा० ग्रोस्याम (पोलाडिया) (भारत्यः)
- (2) श्रं। हिरोश भो दिया छेडा ग्रीर मास्टर मुकेश पोपटलाल छेडा।

(अन्तरिती)

का यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्स संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की हारी से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी ज्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अवधि, जां भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किंप ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-वद्भ किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अप्याय ने दिना गमा है।

#### मन संची

पर्लंट नं० 24, जो, हिंद माना अट पिस क्लोथ मर्चेन्ट्रस सोसायटी लि०, टाटा मिल अम्पापन्ड, डा० आंबेडकर रोड, दादर (मध्य रेलवे), बम्बई-14 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/5836/85-86 श्रीर जो सदम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांच 18-4-85 को रिजस्टई किया गया है।

> निधार अहमद नक्षम प्राधिकारी ग्रहायक आयवार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 9-1,7-1985

तस्य कारं टो. धनः एव

बायकर विधानयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत शरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

अर्ज न रेंज-I, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० अई-I/37-ईई/6096/84-85--अतः मुझे, निसार अहमद.

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का शारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० माला नं० 19, जो, प्रकाश इंडस्ट्रियल प्रिसायतेस को-आप० सोसाईटी लि०, भरत इंडस्ट्रियल इस्टेट, टोकरशी जीवराज रोड, सिवरी, बम्बई-15 में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), स्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 म, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-4-1985

भी पूर्वीकत संपत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत संपत्ति का उचित बाजार बून्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिधों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्मतिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिक्ति में बास्त कि कर से किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

कतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्धरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती विद्यावती जै॰ शसिनं

(अन्तरक)

(2) मैदर्स शामेंच कारपोरेशन

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक

(वह ब्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाजांच ा-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तिया है से किसी व्यक्तिया;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख कें
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस क्ष्म किसी नन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास निविकत में किए जा सकतेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्यक्त कब्दों और पदों का, वा उसक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भारती

### ग्रनमुची

माला नं 19, जो, प्रजाश इंडस्ट्रियल प्रियायसेस को-आप० सोकायटी लि०, भारत इंडस्ट्रियल इस्टेट, टोकरशी जीवराज रोड, िवरी, बस्बई-15 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं० अई-I/37-ईई/5751/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिशांक 1-4-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीख: 9-12-1985

प्रकथा भार्च , श्री , एव , एक ,

# जानकर प्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 264-% (1) के कभीन स्वान

कारत सम्बद्ध

भागित्य, राष्ट्रिक यामकर सामुक्त (निरीक्क) अर्जनरंजना, बम्बर्ड

बम्बई, दिशांक 9 दिसम्बर 1985

सिर्देण सं० अई-I/37-ईई/6335/84--85---अत: मुझे, निसाण अहमद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति. जिले का उचित भाजार मृल्य 1,00,000/- राज से अधिक हैं

पौर जिसकी सं पतेर नं 205, जो, अणरफी सोसायटी,

3, लिकाअद, जेला, है वाहिया रोड, परेल, बम्बई-12
में स्थित हैं (ऑप हलने उपाबद अनुम्ची में पूर्ण रूप से विणित है), और जिनका कराण तमा आयकर अधिनियम,

1961 की धारा 269 क, ख के अधिन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के जार्यालय में एजिस्ट्री है तारीख 23-4-1985 को पूर्णेक्त सम्पत्ति के जीयत नाजार मृत्य से कम के द्रयमान प्रतिपत्त के लिए सन्त्रीरत की गई है और मुखे बहु विश्वास करने का कारण है कि प्रभापनोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पाय एक के लिए सन्त्रीर जिल्हा थे, एसे द्रयमान प्रतिपत्त का गई है और अंतरिती (अन्तरित्यों) को बीच एसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपत्न कि सम्पत्तिका सम्बंदिक से उपन बनारण कि बिच में मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपत्न कि सम्बंदिक सम्बंदिक से उपन बनारण कि बिच में महाराज्य के स्थापन कि स्थापन में कि स्थापन से सम्बंदिक से उपन बनारण कि बिच में महाराज्य से सम्बंदिक से स्थापन से स्थापन के बिच में महाराज्य से स्थापन के स्थापन के स्थापन से से स्थापन से स्थापन से स्थापन से स्थापन से स्थापन से स्थापन से से स्थापन से से स्थापन स्थापन से स्थापन

- (क) जन्तरक में हुइ किसी आव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाखित्व में कमी करने या उससे अचने में कृषिधा किता, और/भा
- (भ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम 1922 (1922 का 11) ना उक्त अधिनियम 1927 (1957 का 27) के उपाजनार्थ अन्तिरिती प्तारा प्रकट नहीं किया यदा भारा किया अपना चाहिए ना, जिन्मा में स्थिभा के निए;

बतः बब, उक्त विधिनियम, की भारा 269-न वै अनुनरण वै, उक्त अधिनियम की धारा 269-छ की रापारा (1) अधीन, प्यानितिसत व्योज्यायों, सर्वातः—. (1) श्री इंग्रहीत कालात

 $\left(x_0, x_1, x_2, x_3\right)$ 

(2) ब्रिम्ती इत्याप्रधानिता

(अन्धिनी )

का यह सूचना धारी कारकं पृथींबत संपत्ति के बर्चन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

सकत बन्दरित के अर्थन के सम्बन्ध में खोड़" भी बाओड़:--

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की वारीय सं
  45 दिन की जाति। आप कार्याकी क्रिक्तियों पर
  स्थान की सामीस से 30 दिन की अविध यो भी
  स्वृति कार्य के संशब्द होती हो, के नीतर प्रविक्त स्थानकार में संस्थान होती हो, के नीतर प्रविक्त
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की आरीस से 45 दिन के भीतर उल्ला स्थावन गंगित्त में हिन्दस्थ किसी बन्ध स्पन्ति स्थानित के पास निकास में किसा का सकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रभूकत शब्दों और पदों का, जा उत्था अधिनियम स्वे प्रध्याप 20-के में परिभाषित हो, ताले अर्थाताचा का अध्याप में विका समा हो।

## **मम्स्**चीं

प्लैट नं० 205, जो, अणरकी सोक्षायटी, 3,लिक्फाबाद जेरबाई वाडिया रोड, परेत, बम्बई-12 में स्थित है।

अनुसूची। जैसा ि हाल संल अहे-म्/३७—र्रेई/5963/85— 86 म्/ि जो सक्षम प्राप्ति वर्षा, बम्बई द्वापा दिनां र 23—य—85 को रजिस्टाई किया गया है।

> किनार अहमद चक्षम प्राधिनारी सहाय १ आपकर जाएकर (किरीक्षण) अर्जन रीज-!, बस्बई

तारीख: 9-12-1985

# प्रकार नाइ. टी. एन. एक. -----

# बायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### नारत संरकार

# कार्यानय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

अर्जम रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिभांक 11 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० अर्ह-1/37-ईई/6287/84-85---अतः मुझे, निसार अहमद,

नायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके दश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 9 जो 1ली मंजिल श्री जगदीण निवास को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, प्लाट नं० 198, सायन (पूर्व), बम्बई-22 में

स्थित है (और इसमें उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारसामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अवीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है तारीख 18-4-85

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्त्रोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेप्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की अबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक, के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में भृतिका के सिए; और/या
- (ण) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकार अभिनियम . 1922 (1922 का 11) या उत्यत्त अधिमियम . या धनकर अधिनियम , या धनकर अधिनियम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना साहिए था, छिपाने में स्विधा से सिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनित्ति व्यक्तियों, अर्थात् :——

(1) श्री पी०यू० श्रीपिवास।

(अन्तर्क)

(2) श्री शांतीलाल बी० शाहा।

(अन्दरिती)

(3) अन्तरक।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यगाइयां करता हुं।

## दमस संबक्ति को अर्थान को संबंध में कोई भी आसीर :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति ब्वारा
- (वा) इस सूचना के खेवचन में प्रकासन की तारीध है 45 विन के भीतर उच्च स्थानर तस्पत्ति में हित-श्रव्थ किसी अन्य स्थित इवारा अभोइस्ताक्षरी के पार विविद्य में किए वा इकाने।

स्पष्टीकारणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और नदों का, को उनका अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ण होता, को उस अध्याप में दिया स्था है।

#### अरुवाची

पलैट नं० 9, जो, 1ली, मंजिल,श्री जगदीण भिवास को-आप० हार्डीसग सोसायटी लि०, प्लाट नं० 198, सायम (पूर्व), अमबई-23 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/5867/85-86 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनांक 18-4~85 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> िसार अहमद सक्षम प्राधि गरी सहायक आयक्तर आयुका (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बस्बई

गारीख: 11-12-1985

प्रकार बाही, दी, एवं, एवं, ल्ल्लाना

शाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

ور المراكب الم

(1) श्री रामनाथ नागवेकर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती स्दीवी डी० शेटये

(प्रन्तरिती)

#### नाइत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त निरीक्षण) अर्जनरेंज-1, वस्वई

बम्बई, दिनाक 11 दिसम्बर, 1985

निर्देश मं० धर्र-1/37-ईई/6086/84-85----- प्रतः मुझे, निसार श्रहमदः,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव फ्लैट नंव 313, जो, इमारत नंव 20, इंडस्ट्रियल को-पापव हाउसिंग सोसायटी लिव, प्रभादेवी, बम्बई-25 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनिय 1961 की थारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्रायकारों के कार्यानय हैं एजिस्ट्री हैं तारीख 1-4-1985

को पूर्वीक्षत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्षत सम्पत्ति का उचित बाजार बूल्थ, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकस का बुल्ध प्रतिकत से अधिक है और अंसरक (जंतरकों) और जंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंसरक के लिए तय पाया बमा हरिकल निरुद्ध लिखत उद्देश्य में उक्त अंतरक मिश्कित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) सन्तरच में हुई किसी आय की शक्त , सक्स चिमित्यम के अभीन कर होने के अन्तरफ के दायित्व में कभी कारने या स्थम बचन में शृक्षिक के निष्; ब्राह्म/या
- (व) ऐसी किशी बाय या किसी धन या बन्य असंस्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्तत बिधिनियम, या बन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा वे विवदः

्रध्य पत्र उत्तर सिधानयम की प्राया 259 गा के अनुसरण **थाँ, कीं, उत्तर अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) है अधी**य निम्नति**शित व्यक्तियों, अर्थात**े—— को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के सिष् कार्यनाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की मविध, को भी सविध मोद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबार संपत्ति में हितबद्ध किसी कर्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पार निकास में किए आ सकारें।

स्पर्वक्रियणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उपक वीभीनियम, के बच्चाय 20-क में परिभाषित हैं वहीं वर्ष होगा को उस अध्यान में दिवा गवा हैं।

#### अम्स्ची

फ्लैट नं० 313, जो, इमारत नं० 20, इंडस्ट्रियल को-भ्राप० हाउसिंग सोमाईटी लि०, प्रभादेवी, बम्बई 25 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि फ० नं० श्रई-1/37श्रईई/5756/85-86 और जो क्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-85 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (िरीक्षण) श्रजेन रज-1, बस्बई

नारीख: 11-12-1985

मोहरः

प्रकृप बाह्<sup>र</sup>्व द<sub>ि.</sub> एन्., एस<sub>.</sub>, -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्वना

#### बारत सरकार

कायां स्य , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/6278/84-85--अतः मुझे, निसार श्रहमद,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

पलैंट नं० ई-102, जो, बिना श्रपार्टमैंट,

ाली मंजिल, सिवरी, यस्बंई-15 है तथा जो जस्बई-15 में स्थित है और जिसका करारकामा प्रायकर अधिक्यम, 1961 की धारा 269 के, खे के अबीन वस्बई स्थित सक्षम आधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीज 18-4-1985

- (क) जन्तरूप वं हुएं किसी मान की बावत, उस्त जिमित्यम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे अधन में सुविधा के निए: और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी पन या अन्य आम्लिया की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था जियाने वे त्विभा के सिए;

भृतः वय उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मो, मो उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री हराखचन्द राषजी देखीया।

(अन्तरक)

(2) वसन्तकुमार बी० गुप्ता और वाई० बी० गुप्ता (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप ह---

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारींब से
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब क 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधांहस्ताक्षरी के सस लिखित में किए था सकेंगे।

स्पष्टीक हुन :--- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, वो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

प्लैंट नं र ई-102, जो विना बिना श्रवार्टमैंट, 1ली मंजिल सिक्स्र, बम्बई-15 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कल्सं ज्याई-1/37ईई/5859/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-4-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमक्ष सक्षम प्राधिकारी सहारक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्ब**ई**

तारीख: 11-12-1985

प्ररूप आई.दी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-I, बम्बई

बम्बर्ध, धिनांक 11 दिसम्बर, 1985

निर्वेश मं० श्रई-I/37-ईई/6215/84--85----श्रतः मुझे, निसार श्रहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 4, जो, तल माला, रेखा, 82, ग्रार० ए० किदवाई रोड, बम्बई-31 हैं तथा जो बम्बई-31 में स्थित है (और इसमे उपावद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप मे विणित है), और जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, खं के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 9-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिहात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की अवित उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (सं) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् — (1) श्रीमती निर्मलापी० कनाकिया।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मृदुला प्रतापराय गारोडिया और श्री मुकेश प्रतापराय गारोडिया।

(ग्रन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हित्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकागें।

स्पच्छीक रणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पवों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्सूची

फ्लैट नं० 4, जो, तृल माला, रेखा, 82, श्रार० ए० कीडवाई रांड, वम्बई-31 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि ऋ० मं० अई-I/37ईई-5906/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-4-85 को रजिस्टर्श किया गया है।

> िसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1, बम्बई

ता**रीख**: 11--12--1985

मोहर 🖫

## प्रस्य वाह्रं द्वी पुन् प्रवादनकारण

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के विभीय सुचना

## BISH THUS

## कार्यासय, सहायक जायकर वायकत (विद्वासक)

श्रजंत रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 दिसम्बर, 1985

निर्देण सं० प्रई-1/37-ईई/6252/84--85---श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्र इसके इसके प्रचात 'उक्त अभिनियम' कहा घरा हैं), की भारा 269 के अधीन इक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संव पनैट नंव 22, जो, हिंद-माता कट पिम क्लोय मर्चेन्टस, सामाईटी लिव, टाटा मिल कम्पाउन्ड, डाव आंबेडकर रोड, दादर (मध्य रेलवे) अम्बई-14 है तथा जो अम्बई-14 में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में बणित है), और जिसका करारतामा आयकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 के आ के अबीत अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है तारीख 18-4-1985

को वृजोंकत सम्पत्ति को उचित माजार मृख्य से बाम को व्यवधान धिताल को लिए अन्तरित की नवा है। व्यंत्र मृक्षे यह निकास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित कारण प्रत्म उत्तके वश्यकान प्रविक्ति की क्षेत्र की कारण प्रतिकृत का कारण प्रतिकृत की कारण की तिकृत की कारण प्रतिकृत की वीच एसे बंदरक (बंदरका) और संबर्ध विद्या की जिए सम वासा ववा प्रतिकृत, विकासिक जुड़ादेश से उच्छ बंदरक कि विद्या कर के कारण वासा की क्षेत्र की वास्तिक को वास्तिक कर के कारण वास्तिक की वास्तिक कर की कारण वास्तिक की वास्तिक कर की कारण वास्तिक का स्वाप्तिक कर की कारण वास्तिक की वास्तिक की वास्तिक कर की कारण वास्तिक का स्वाप्तिक का कारण की कारण वास्तिक की वास्तिक की वास्तिक का का कारण की कारण वास्तिक की कारण की कारण की कारण की वास्तिक की

- (क) मन्तरण वे धुर्द किसी आप की वानतः, उक्त अधिनियम् के अधीन कत दनि वी अन्तरक के कृतित्व में क्रमी करने वा उत्तरे व्यक्ते में बृतिधा वी शिक्षः धीर/या
- (क) एसी किसी बाथ या किसी वन या व्यथ्य करिकारी को जिन्हों भारतीय जासकार जिन्हों से प्रसान करित के किसा माने किसा किया है। या वाच्य किसा कर किया करें किया प्रकार महीं किया गया वा वा किया जाना करिए था. कियाने में सुनिधा के किया

अत: अव: उपत विभिनिषय की भारा 269-ण के अभूतरण वो, वो, अवत अधिनिजय की भारा 269-ण की उपवारा (1) को अभीन, निकासिस्टित व्यक्तिकों, वर्ष्यांच् क-

- (1) श्रीमती लक्ष्मीबाई एल० ओस्वाल (पोलाडिया) (श्रन्तरक)
- (2) श्री पोपटलाल डी॰ छडा और श्रीमती मणिबेन पोपटलाल छेडा।

(भ्रन्तरिती)

को बहु बुचना जारी करके पूर्वोक्त सन्पर्देश के अर्थन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हुं।

क्षक बम्मीस के क्षर्यंग के संबंध में कोई भी आक्षर :---

- (क) इस प्यान के रायपण में प्रकाशन की शारीत है 45 दिन की समीध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर क्यान की समीब से 30 दिन की समीध, जो भी समीध बाद में बनाय होती हो, के बीसर क्यां का कानित क्यां होता होती हो, के बीसर क्यां का कानित क्यां होता है।
- (क) इस सूचना की स्वयन्त्र में अन्यापन की सारीय है 45 दिन की नीतर उनके स्वाचर संपत्ति में हितबक्ष निवारी क्षा न्यांकित स्वाच्य नभोहस्ताक्षरी की पास सिवार में कियु का सकते।

स्वव्यक्तियानः --- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पद्यों का, जो उपका अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिश्राविक हाँ, वहीं अर्थ होगा को उस अध्यान में विका नेपा हाँ।

#### प्रनसुची

फ्लैट नं० 22, जो, हिंध-माता कट पिस क्लोथ मर्चेन्टस सोसाईटी लि०, टाटा मिल कम्पाउन्ड, डा० श्रांबेडकर रोड, दावर (मध्य रेलवे), बम्बई-14 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं अई- /37-ईई/5837/85--86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18--4-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 1,1-12-1985

## प्रकृत नार्ष् हो एक् एक् जन्मकार

नागकार नीयनियम, 1961 (1961 का 43) की शराय 269-म (1) के समीन सुमना

### STATE STATE

कार्यालय, **सङ्गयक मायकार मामुनतः (निरास्त्र)** 

भ्रर्जन रेंज- ${f I}$ , बम्ब ${f x}$ 

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/6130/84-85~-अतः मुझे, निसार अहमद,

नायकर शांधिनियम, 1961 (1961 का 43) (किये स्वयो इसके प्रश्ति 'उक्त विधिनियम' कहा गमा हैं), की शाख़ 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्बंद्धि, विश्वका उचित बाबार मृज्य 1,00,000/- रा. से अभिक हैं

भीर जिसकी सं अपाटमेंट नं 302 और गैरेज नं 302ए, "व्हाइट हाउंस", भ्राफ गमाडिया रोड, बम्बई-26 है तथा जो बम्बई-26 में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से बणित है), भ्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधारी के नार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 2-4-1985

को प्योंक्त सम्मित के उचित नामार मुक्त से कन के क्यमान तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह निवमास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्मित का उचित बाकार मुक्त, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) भीर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया/प्रतिकत्त, निम्निलिखित उद्योग से उक्त बुक्तक किवित में कार्यविक रूप से क्षित्र नहीं किया गया है :---

- (क) वन्तरण ते दुर्घ किसी माथ की बाक्त, उत्तर विधिनवम के बभीन कद दोने के वन्तरक वे दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (भ) एसी किसी जाय या किसी थण या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उत्तर विभिनयम, वा थय-कर वृष्टित्रका, 1957 (1957 का 27) के प्रक्रोबार्थ बन्दरियी क्यारा प्रकृट वृहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, क्रियान में वृहिन्दा के किस्ते।

बतः नय, उपन विविधय की बाहा 269-इ वी अपूर्य में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, नर्थात् :—

(1) श्री एफ० के० पंडाय (ग्रब एफ० के० कांगा), जे०एफ० बोगा और एफ० जे० मिस्त्री (सोराबजी कांगा चेरिटी ट्स्ट के ट्रस्टी)।

(भ्रन्तरक)

(2) ग्लाक्सो लेखोरेटरीज (इंडिया) लि०। (अन्तरिती)

(3) श्रन्तरितियां।

(वह व्यक्ति, सके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सुचना चारी करके पूर्वोक्स सम्पृत्ति के अर्थन के सिए कार्चभाष्ट्रियां करता हुं।

## बन्द बंदरित के बर्चन के बंबंद में कोई भी बाबाद :---

- (क) इस सूचना के सम्पन्न में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन की नवींच ना तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नवींच, जो भी सबीच नाद में समाया होती हो, के मीलर पृथानित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
  - (स) इस सृभना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास तिबित में किए जा सकोंगे।

ल्लाकीकरणः — इसमाँ प्रयुक्त खन्दों और पदी का, वो अवह अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिस्स गवा है।

## **बन्द्र**ची

भ्राटिमेंट नं० 302, श्रौर गैरेजनं० 302ए, जो, "व्हाइट हाउस", भ्राफ गमाडिया रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-1/37-ईई/5788/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज-[,बम्बई

तारीख: 10-12-1985

मोहरः

प्ररूप आहें.टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः महायक आयकर नामुक्त (निरीक्षण)

श्राजीन रोज-1, बम्बाई

बम्बई, दिनांक 11 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० ग्राई-1/37-ईई/6221/84-85--श्रतः मुझे, निसार ग्रहमद,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० पलैंट नं० 63, जो, मंत्री कार्नर को-आप० हाउसिंग सोमायटी लि०, स्यानी रोड, बम्बई-25 है तथा जो बम्बई-25 में स्थित है (और इसमें उपाबंद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है (और जिसका करारनामा आयकर श्रीधनियम, 1961 की धारा 269 कु ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 9-4-1985

मां प्रांक्त संवित के विकार नावार नृत्य से कम के क्याना प्रतिकल के सिंध नन्तरित की नई हैं और मुखे कह किवास खरने का कारण है कि वभाग्वींकर वज्यतित का रावित कावार सृत्य, उसके व्यवमान प्रतिकल के एवं व्यवमान प्रतिकल के प्रमुख प्रतिकृत से अधिक हैं जीर वंबरक (वंबरकारें) और वंबरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में में वास्तविक रूप से काथत नहीं किया गया है '~~

- (क) जनतरण से हुई जिल्ली जाय की बाजत, उक्क जिथिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरण के बायित्य में कभी करने या उससे जचने में सुविधा अर्थः/पा
- (क) एसी किसी बाय वा किसी धन वा जन्य जास्त्रियों की जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या बत-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्योजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, हिस्पान में मुल्यिश वैश्विष्ट।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धरा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्मितिसत व्यक्तियों, अर्थातु:--- (1) श्रीपी० के० भागवार।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कौसिक के० वाधार

(भ्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरक ।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गाक्षेप :----

(क) इस सूचना के यजपत्र में त्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अवधि वा तरसम्बन्धी ज्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में तनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी अविश्व ब्वाव;

स्पटिकरणः — इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर सिंपनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषिक हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या है।

### मन्त्रची

प्लैट नं० 63, जो, मंत्री कार्नरको-म्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, सयानी रोड, बम्बई-25 में स्थित है।

अनु सूची जैसा कि कर सं० अई-1/37-ईई/5912/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनांत 9-4-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निमार श्रहमद मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रोज-1, बम्बई

तारीख: 11~12~1985

## प्रकार आही, टी. एन . एस . -----

# साय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार्च 26% ज (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्बालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 विसम्बर, 1985

निर्देश सं० अर्ध-1/37-ई/6386/84-85---श्रतः मुझे निसार श्रहमद

प्रावक्तर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदवाद (उन्हां अभिनियम) नदा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को वह किरवास करने का अवस्था है कि स्थ्यावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से जाविक है

श्रीर जिसकी सं कार्यालय प्रिमायसेस नं 310, जो जाली भवन नं 1, 10, न्यू मरीन लाईन, बम्बई-20 है तथा जो बम्बई-20 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद श्रनुस्ती में श्रीर पूणं रूप मे विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधितयम 1961 की धारा 269 क. ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 24-4-85 को पूर्वेक्त सम्पत्ति को उक्ति बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए बन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उक्ति बाजार मूल्य, अक्ष क्लामान श्रीतकल से, देवे स्थानन प्रतिकल का बंबई प्रतिवात से विभक्त है और अंतरित (अंतरितवर्ष) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्मिलिकत उद्विस्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप में करिया गया है :—

- एंक) अन्तारण से हुइ जिल्ली आय की बाबरा, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अल्तरक के काफिल्ल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिक्; और ∕या
- (ग) एती किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिष् को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

स्तः अथ, उन्न विभिन्निम की धारा 269-न के अमृतरण मा, मी. उन्त अधिनिजम की धारा 269-च की उपधारा (1) हो अधीन जिस्तिवित व्यक्तियों, वर्षांच क्ष्म- (1) मैं ससं प्रमोद इंडस्ट्रियल कारपोरेशन

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री राधेक्याम रंगटा स्रोर श्री रमेश कुमार कर्गटा (स्रटतरिती)
- (3) श्रन्तरितियां (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

की यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां शुरू करता हुं।

उनक सम्मत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्यव्दीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहु अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

कार्यालय साय-स्म नं० 310, जो, जाली भवन,नं० 1, 10 न्य मरोच लाइन्स, बम्बई-20 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि कि० सं० भई-1/37-ईई/5880/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-4-85 को रजिस्टड किया गया है।

> निहार श्रहमद शक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रोज-1, बम्बई

तारीख: 12--12--1985

# प्रकृत बाह् हो पुर पुर : :-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### नारक सहस्रा

कार्यासय, सहायक जायकर जायक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रोज-1, जस्बई

ब दनांक 11 दिसम्बर, 1985

निर्देग सं० अई-1/37-ई ई/6141/84-85--- अतः मुझे निसार अहमद

गायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्रतिभक्तरों के यह विकास करने के कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित गाजार मृश्य 1,00,000/- कः से अधिक है ध्र प्रोर जिसकी मं० पलैंट नं० 108, जो, 1ली मंजिल, कि प्रार्ट मेंट को-श्राप्त हाउकिंग सोसायटी नि०, सीटीश्राय के सामने, बुनाभट्टी, बम्बई-22 है तथा जो बम्बई-22 में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध श्रनुभूची में श्रीर पूर्ण कप ने बणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधनियम, 1961 की धार 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के त्यर्यालय में राजिस्ट्री है तारीख 2-4-1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई और मुभ्नें यह विश्वास करने का कारण हैं कि सभापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्ष्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे उध्यमान प्रतिफल का पत्यह प्रतिक्षत से अभिक हैं और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पामा गमा प्रतिक्षत, निम्निसिंखत उद्योगों से उक्त अन्तरण निष्ठित में भास्तीवक रूप से कथित नहीं किया बना है हुन्न

- (क) अन्तरण मं हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दाने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वभने में सुविधा काल, जाए, या
- (भ) एस जिसी जार या जिसी धन था अन्य आरिसया का, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 1) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसंपनार्थ अंतरियी द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना काहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भाषा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 53--426 GI/85

(1) श्री कृष्णन रामास्वामी

(अन्तरह)

(2) श्री आए० एम० पुरुषोधमन श्रीर श्री आए० एम० दासन ।

(श्रन्भिरती)

(3) अन्तरक

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षण :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी संबंधि बाद में संबाद्य होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंगाइ;
- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टांकरण:— इसमें प्रमुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिवर्तित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया वना ही।

## ग्रनुसूची

फ्लैंट नं ० 108, जो, 1ली मंजिल, निधू श्रपार्टमेंटन को-श्राप ० हाउक्तिंग सोसायटी लि०, सीटी श्राय के सामने, चुनाभटटी बम्बई-22 में स्थित है।

श्रनुमूची जैसा वि ऋ० सं० श्रई-I/37-ईई/5793/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधि धरी, अम्बई द्वारा दिनांक 2-4-65 की रिजस्टर्ड विया गया है।

> नितार श्रह्मद मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजन रोज I, बस्बई

तारीख: 11-12-1985

मरेहर :

## प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकार आयक्त हेन्सीक्षण) अर्जहारीजना, बस्बई

वस्वर्ह, दिशांक 12 दिशम्बर, 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/6185/84-85---अत: मुझे सिसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपत्ति, जिसका उचिन बाजार मृत्य 1,00,000/~ रा. में अधिक है

श्रीर जिसकी मं० कार्यालय नं० 307, जो, अरुण कमिशियल को-आए० मोकाईटी लि०, ताबदेव मेन रोड बम्बई-34 है । या जो बम्बई 34 में स्थि है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूत्री में ग्रेर पूर्ण का संबिधित है), श्रोर जिनका करारनामा आयकर अधिधियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीय बम्बई िया जिन प्राधिक री के कार्यालय में रिकस्ट्री है तारीख 9-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमें दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारार (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) হানি দিবলৈ সেজসাল ভাৰীকী

(अस्परकः)

(2) श्री कनवी हाए प्राचात अङ्गाश्रार श्रीमती ध**रण्या** गोराल अङ्गा ।

(अन्तरिती )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस म्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर म्चना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास निषित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनसची

कार्यालय नं ० 307, जो, श्ररण कर्माणयल को-आप० मोसार्श्वटी लि० ताडदेव केन रोड अम्बई-34 में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि कर्नर अर्ड-1/37—ईई/5833/85—86 श्रोश जो ाक्षम प्राधि भर्गर, अम्बई हारा दिशों है 9—4—85 को राजस्टर्ड िया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी गहायक आयज्ज आयुक्त (निरीक्षण) अर्जेट रोत-1, वस्बई

ाराख: 12-12-1985

महिंग :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्ज : रे ए- १, बम्बई

बम्बई, दिना ७ । ३ वि:स्वा: - 985

िवर्षेण मं० अ**ह-**।/७७—**ह**डी/५७५°/८४--४५ —अत: मझे फिलार अहमद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पर्नेट नं० 61, जो, मातृ मन्दिर, 16वीं मिजिन, 278, ताउदेव रोड, बम्बई-7 है तथा जो बम्बई-7 में स्थित है (श्रीर इतवे उत्तवेद अनुसूची में श्रीर पूर्ण कर से विणित्त है), श्रीर जिक्षका अरादनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, खबे अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के जार्यालय में रिजरही है तारीख 23-4-1985

की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान श्रीतफ़ स के लिए अन्तरित की गद्द है जोर मुक्ते यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वाक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसक दृश्यमान श्रीतफल सो, एसे दृश्यमान श्रीतफल का पन्द्रह श्रीतश्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रीतफल, निम्निलिखित उद्दश्य से उक्त अन्तरण निक्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण स हुई किसी नाय की बाबता, उक्त बाधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक वे दायित्य में कमी करने पा उससे बचने में मृतिभा के लिए; बार/या
- (क) एसा किसी जाय या किसी धन अन्य बास्तियाँ की खिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा की लिए;

नतः कवः, उन्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ज की उपभारा (1) के अधीन, निम्ना लोखत व्यक्तियों, अभित् क्र--- (1) श्रीमती पृष्पाबेन हतमुखराय महा

(अन्दरकः)

(2) श्रीमती पारुवेत किणोर दोशी ग्रांर श्री वियोग तुलमीदाउदोशी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारी सं 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी अपिकत द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्ता अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाणिक है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया भवा है।

## बन्स्ची

फ्लैंट नं ० 61, जो, मालू मन्दिर, 16 वी मंजिल, 238, ताइदेव रोड, बम्बर्ड-7 में स्थित है।

अनुसूची जैसा एक०स० अई-1/37-ईई/5932/85-86 स्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनां र 23-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधि गरी सहायक आयकर आयुक्त (िरीक्षण) अर्जन रेप-∶, बस्बई

नारीख: 12-12-1985

## 

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्ब**र्ड** बम्बर्ड, दिशाण 12 दिसम्मर, 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/5199/84--35---अतः मुझे मिसार अहमद

वाराकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाबार मूल्य 1.00,000/-रु. से विधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फनैट जं० 503, जो, 5वी मंजिल, बी-2 विग, गोल्ड कार्छन प्रमासमेश की-आप० सोक्षाईटी लि०, 35/35ए, श्रीर जिनकी सं० पनेट नं० 503, जो, 5वी मंजिन बी-2, विग, गोल्ड एएईन शिमायनेस की-आप० पोनाईटी लि०, 35/35ए, लाउदेव रोड, बम्बई-34 में है तथा जो बम्बई-34 में ल्थित है (श्रीर इन्य उनाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण कन से बिणार है), श्रीर जिनका करारपामा आयाजर अधिनियम 1963 की धारा 239 के ये ज अभीत बन्बई-स्था जान बाबिकारी के लायलिय में रिजिस्ट्री है जारीख 9-4-1985

कां पृथींकर सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रिक्टर के लिए बन्सरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पृथींकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल के पंग्रह प्रतिक्रत से बिधक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंबरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिस्त उद्वेदय से उक्त अंतरण मिचित में बास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण स हुई किसी जाय की बानस, उक्त श्रीधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के श्रीयरव में कमी करने या उससे क्याने में सुविधा
- (अ) ऐसी किसी आय या किसी भन या बन्य आस्तियों की, जिन्हों भारणीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भगकर अधिनियम, या भगकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था भा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा औ लिए:

कतः अव, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में. में उक्त विभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) क अभीत विभाविकत व्यक्तियों, वर्भीतः (1) श्री मिस्त्री विनोद एच०, श्री मिस्त्री ननमुख एच, अन्य श्री मिस्त्री मनहरलाल एच

(अन्तर्क)

(2) श्री रजनी धार जे० वंश्रा श्रारिश्री जगमोहनलाल डी वारा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिध् कार्यवाहियां करता हो।

## उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाधोर हं---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की बनिभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिभ, यो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वितवस्थ किसी अन्य स्थिक्त द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पात निवित्त में किए आ सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उच्च अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### बर्ज्जी

फ्लैंट नं० 503, जो 5वी मंजिल, बी-2 विग गोल्ड काईन प्रिमायसेम को-आप० मोक्षाईटी लि०, 35/35ए, नाडदेव रोड, बम्बई-34 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं० अई-1/37-ईई/5834/85-86 ग्रीर जी सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 9-4-85 की रिजस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 बम्ब**र्ध**

नारीख: 12-12-1985

मोइर :

# प्रकृप बाह् ं हो. प्रमृत प्रकृत अध्या

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के संधीम सूचमा

#### नारव वरका

## बश्यलिय, तहायक वायकर नाजूबत (नियोजण) अर्जन रेज-1, बस्बई

बम्बई, दिलाक 12 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० श्रर्ष-1/6296/37-ईई/84-85--श्रन: मुझे, निसार अहमद

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के मधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाबार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं ० फ्लैंट नं ० 203, जो, 2री मंजिल, प्रतम अपार्ट मेंट्र, सी-ब्लाए, डा० एनी बेसेंट रोड, बश्ली, अम्बई-18 है तथा जो वस्बई-18 में स्थित है (स्रीर इपसे उपाबद्ध, सनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), स्रीर जिसका करारणमा आयार अधितियम 1961 की धारा 269 के, ख के अबीन बम्बई स्थित प्रक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में एजिस्ट्री है तारीख 18-4-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतिरत की गई है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृज्य उपके रृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया भया प्रतिफल निम्नलिति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण वे हुई किसी बाय की वावत, उचत विधिविषय के बधीन कर दोने के बन्तरक के दासिस्य में कबी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (क) ऐसी किसी बाय वा किसी धन वा बन्द जास्तिकों को जिन्हों भारतीय साय-कर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सविधा के लिए।

भवा सम, उनत निर्माणमा की भारा 269-न से अभूसरम मा. मी, उनत निर्माणमा की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नसिनित न्यन्सियों, स्थान :--- (1) श्री दिनेश प्राणलाल मोनी ग्राँग श्रीमती स्मिता दिनेश सघानी ।

(अन्तरक)

(2) श्री दिलीप नाथालाल संघवी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन् के जिल्ला कार्यवाहिमां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के सर्वन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप ह----

- (क) इब सूचना के एजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 विन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की स्विधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्विस्तयों में से किसी स्विध्त ब्वाच:
- (क) इंड स्वना के श्वपन में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति इवाय वधोहस्ताक्षरी के गाव तिकित में किस वा सकोंगे।

स्वव्यक्तिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और परों का, को उक्त व्यक्तिकम के वश्याय 20-क में परिभावित हाँ, वही वर्ष होगा जो उस वश्याय में दिका भूमा हाँ।

## अनुसूची

फ्लैट नं ० 203, जो, 3री मंजिल, पूत्रम अपार्टमेटस, सी०-बताक, डा० एती बेसेंट रोड, बजली बम्बई-18 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं अई-1/37-ईई/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-4-1985 को रिक्टई किया गया है।

निसार अहमद गक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (किरीक्षण) अर्जन रेंज-1, **बस्बर्ध** 

तारीख: 12-12-1995

ייי די

# प्रकष काई ुटी ु एव ु एव ुक्तान्य

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### धारत सरकार

## कार्यालय, सहायक वायकर बायक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० ग्रई--1/37-ई ई/6080/84--85---ग्रत: मझे निसार ग्रहमद ।

षायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें श्रसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/~ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1. जो, 10 वी मंजिल, जयवंद अपाटेमेंट, फिल्म मेंटर, ताइदेव रोड़, बम्बई-34 हैं तथा जो बम्बई-34 में स्थित हैं (और इसमें उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं), और जिसका करारनामा प्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनांक 1 अप्रैल 1985

- (क) जन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बीधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; आर्ट्रिया
- (क) ऐसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अंतिएते दुराग अस्ट नहा किया गण या किया बाना आहिए बा, क्रियाने में सुविधा के लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, अधीन विस्ति

(1) मेमर्स जयबंत हेम्डलेपभेंट कार्पोरेशन ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती हंगा ए० णहा और श्री ए० एस० णहा। (अन्तरिती)

को यह तृथना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ववारा ;
- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत ते 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किसे जा सकती।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका यया हाँ।

### अनुसू ची

फ्लैट नं र 1, जो, 10वीं मंजिल, जयवत श्रपार्टमेंट, फिल्म सेंटर, ताइदेव रोड़, बम्बई-39 में स्थित है।

प्रमुखी जैसा कि कर संरु ग्राईर -- 1/37-ईरु ईरु/5748/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज~1, बम्बई

दिनांक: 12-12-1985

## प्रकृष **वाद<sup>्</sup>्टीं एन एक**्ष-=====

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### नारत वस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज→६, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 दिसम्बर 1985

िर्देश सं० प्रई०--1/37-ई  $\xi/6510/84$ --85---प्रतः मझे, निसार ग्रहमद

अायकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रुक्त पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हूं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीवत वाबार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० फ्लैंट नं० डी/606, जो, पूनम अपार्टमेंटम, डा० अती वेसेंट रोड़. वरली, वस्बई-18 है तथा जो बस्बई-18 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के क, ख के अधीन वस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री हैं. दिनांक 9 मई 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उभित बाजार मृत्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उभित बाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचत से विभक्त है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया क्या प्रतिफल, निम्निलिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि विकत्त के सामारित के बास्तिक रूप से किया नया है है ---

- (क) अन्तरण से शृद्ध किसी नाय की नायत, उक्त निध-नियम के अभीन कर दोनेके अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उससे यचने में स्विधा के निए; वॉर/व्या
- (या) एसी किसी जाय या किसी धन या बन्य जास्तियीं का. जिन्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकः नहीं किया गर्मा था या किया जाना चाहिए था, । अपाने में सुविधा वे बिद्धाः

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उन्नि अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस क्यक्तियों, अवित ह--- (1) श्रीमती बिमना अगरवान ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री केगरी चंद बाबलदास महा, गिरीम के० णहा, जतीन के० गहा और जयेण के० महा।

(भ्रन्तिनी)

(3) श्रन्तरम् (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्पक्ति के अर्थन के लिए फार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि न तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचन की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के श्रीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति इंतरा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वाचीकरणः ----इसमें प्रयूक्त क्षवा और पर्वा का, वो उपक विधितियम, के बधीन अध्याम 20-क में परि-भावित हैं, वही वर्ध होगा, जो उस अध्यास में दिया नवा है ।

## बन्स्ची

फ्लैट नं र डी--606, गी, पूनमा अवार्टमेंटम, डा० स्रनी बेसेंट रोड, बरली, बस्बर्ड--18 में स्थित है।

श्रम्सूर्चः जैंगा कि ऋ०सं० श्रई०-1/37-६ है/6058/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिसांक 9-5-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहासक त्रामकर श्रायुक्ष्त निरीक्षण) ग्रर्जन रेज−1, बम्बई

दिनोंक: 12--13-1**98**5

## प्रसम्म भाइ<sup>त</sup>्र ठॉ., ध्नः, <del>एइ<u>.,</u>⊭----</del>

# कायकर कोधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के कधीन स्थाना

#### भारत सरकार

कार्बालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, वम्बई

बम्बई, दिनांक 12 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० श्रई०-1/37 ई० ई०/6109/84--85---श्रतः मझे, निसार श्रहमद

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इतिबं इसके पश्चात् 'उक्त बिधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के बधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का बारण है कि स्थावर सम्पत्ति, बिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बेसेंट नं० 3, जो, ताडदेश एप्रर-कंडिगन्ड सार्केंट, ताडदेश रोड़, बम्बई-34 है तथा जो बम्बई-39 में स्थित है (और इसने उताबह धनुसूची में और पूर्ण कर से बणित है), और जिसका करारनामा ध्रायंकर प्रधितियम, 1961 की धरा 269 के खे के ध्रधीत बस्बई व्यित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, दिनांक 2 ध्रप्रैल 1985, को प्रबंक्त सम्मत्ति के डिचत बाजार मृस्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मृत्रे यह विश्वत सम्मत्ति का उच्चित बाजार मृस्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का स्था, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का संबंध प्रतिकत से बीध एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया वितक , निम्नतिकत उद्देश्य से उसल अन्तरण जिसक में बास्तिक ध्री कीध एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया वितक , निम्नतिकत उद्देश्य से उसल अन्तरण जिसक में बास्तिक ध्री कीधित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कनी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; बरि/या
- (व) एसी किसी बाय वा किसी धन वा अन्य वास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनस अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना वाहिए था, जियाने में सविधा के लिए;

अत. बाब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, भाँ तक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसि**वित व्यक्ति**गाँ, अ**व्यक्ति म**— (1) श्री विनोद इं.० नहता ।

(ग्रनरक)

(2) श्रीमत्ता पार्वती वि० वलरेगा ।

(धनक्षिनी)

(3) भेसर्ग युन्तिवर्मल इंटच्यायजेस ।(वह व्यक्ति, जिसके श्रविभाग में सम्पत्ति हैं)

(4) अन्तरिती ।

(बह व्यक्तिः जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिख कार्यवाहियां करता हुं।

जनत संपरित के अर्धन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की वविध, जो भी ज्वीप बाद में समाप्त होती हो., के भीतर प्रांमित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस भूषना के राजपन में प्रकाशन की तारीब कें 45 दिन के भीटर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति वृतारा अधीहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकींगे।

ल्बच्चीकरणः ---इसमें प्रयुक्त सब्दों नीर पर्दों का. वो उक्त अधिनियम के अध्याप 20-क में परिशाचित हैं, वहीं नर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया भवा हैं।

## थनस्थी

बेमेंट नं० 3, जो. नाडदेश एग्रर कंडिंगन्ड मार्केट. ताडदेश रोड़ वम्बर्ध--39 में स्थिन हैं।

श्रनुसूची जैसा कि कल संल श्राई०-1/37-ई०ई०/5767/84.85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिसांक 2-4-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद संज्ञम प्राधिकारी भड़ायक श्रापकार श्रायक्य (जिरीक्षण) शकीत रोजना, बम्बई

विनोंक: 12--12--1985

म्तरः

तस्य मार्च , ही , एवं , एवं , न्यान नवन्य

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्थमा

भारत करकार

## कायसिय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेज-, बजाई बम्बई, दिनांक 12 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० ग्रई०-1/37-ई०ई०/6371/84-85--श्रवः सूझे, निसार ग्रहमद

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात जिस्ता कि विधित्यम का गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राविकारों को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लैट नं० डी/607, पूनम घ्रपार्टमेंटस, ६वीं मंजिल, डा० अनी वेसेंट रोड़, बरली, बर्म्बई—18 है तथा लो बस्बई—18 में स्थित है (और इसते उपाबद्ध धनुसूची में और पूर्ण रूप से विशित है), और जिसका करारतामा आवकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के ध्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, विनोक 20 अप्रैल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सीतित का उचित बाजार मृत्य, उसको दृश्यमान प्रतिकृत हैं। एति क्ष्यमान प्रतिकृत का कर्रक प्रतिश्व से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरक) और अंतरिती (अंतरितियाँ) को बीत हैं अंतरित के लिए तय प्राथा गया प्रतिफल निम्निलिस उद्देश्य से उचत अंतरण निस्तित हैं शास्तिक रूप से किथत नहीं किया यथा हैं

- (क) वंतरण दे हुए किसी बाय की बावल, उपक किमिनाक के वार्तन कर दोने की सन्तरक के बायितन के कार्य करने का उससे उन्हों की स्विधा के किए; कीर/या
- (क) एसी फिसी आय या किसी धन शा सन्य आसित्याँ को, जिन्हों भारतीय वास-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) था उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1967 (1967 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरियो शाना चाहिए था, किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के सिए:

कतः अस उक्त किंग्नियम कर धारा 269-ग के अनुसरण को, की, गक्त अधिनियम की धारा 269 व को उपसारा (1) के यथीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---54\_426 GI/85 (1) श्रीमती धार० ए० कोथावाला ।

(अन्तरक)

(2) कैलाण बोर संघवी ।

(अन्तरिती)

(3) श्रन्तरिती ।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिशोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नवीध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के बीतर पूर्वों कर जाविकारों में से जिसमें व्यक्ति द्वार
- (ध) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उन्त स्थायर सम्मति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सक्षेत्र।

स्पन्धीकरणः - इसमें प्रयुक्त कवाँ और एवाँ का, को उक्त काँकनियम, के सम्बद्ध 20-के में परिकाधित ही, वहीं अर्थ हरेगा को एवं अध्याद में दिया स्था है।

### ग्रनुसूचो

फ्लैंट नं डी/607, जो, पूनमं अपार्टसेंटस, 6वीं मंजिल, डा० अनी बेसेंट रोड, वरली, वस्बई-18 में स्थित है।

सनुसुनी जैसा कि के सं० छई०-1/37ई०ई 0/5891/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 20-4-1985 की रजिस्टई किया गया है।

निसार ब्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रावकर आयुक्त (निरीक्षण) ब्रजीन रेंज-1, यम्बद्ध

दिनांक: 12-12-1985

मंहर:

प्ररूप आई.टी.एन.ए४..----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांस 12 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० अई०--1/37-ईई०/6191/84-85--अतः मुझे, विसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का करने का कारण है कि यथापूर्वीवत सम्पत्ति का उचित वाजार 1,00,000/- रु. से अधिक है

म्रीट विजनी सं व विभीन विजन सी व एस व नं 319, मुलेश्वर डिवियन, पास्त्राला इमार्ट 36/44, वेवियन स्ट्रीट, धोबी एवाव, बन्बई है एया जो बन्बई में स्थित है (म्रीर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्व रूप से विजन है), म्रीर विजन करार-नामा वायवर विधियम, 1961की धारा 269 कर्ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिवारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिशंक 9 अप्रैल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान अधिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य स्वय एवं उनके उत्प्रमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्तिलिखत उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में वास्तिबक क्या से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण सं हुइं किसी आप की बाबस, उक्ट अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक औं दायित्व में करने या उससे रूचने मी स्वीतिक के लिए; और/या
- (छ) एती किसी अपय या किसी धन या अन्य आस्तियों वा जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, मी अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री परवेझ एम० शेठता।

(अन्तरक)

(2) श्री चंद्रशेखर शेट्टी।

(अन्तरिती)

(3) भाडूत । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्मत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में खोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तार्टीक रें 45 दिए की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक्य व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त कि धिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

### जन्सूची

ज्मीन जिसका सी० एस० नं० 319, भुलेख्वर डिविजन, दारूवाला इमारत, 36/44, वेलिग्टन स्ट्रीट, धोबी तलाव, बग्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि से अई०-I/37-ईई०/5829 | 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-4-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (रि.रीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई

दिशांक: 12-12-1985

ंप्ररूप आर्द्र.टी.एन.एस.------

# जाभकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बस्बई बस्बई, दिनाक 12 विभस्वर 1985

गिर्देश म० अई०-1/37-ई०ई०/6188/84-85-अत: मुझे, निसार अहमद

बम्यकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त (धिनियम' कहा गया है) की धारण 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

र्यार जिसकी सं० गोडा उन नं० गए, जो, तल माणा, 85, मोदी स्ट्रीट, फॉर्ट, बम्बई-1 है तथा जो बम्बई-1 में स्थित है (प्रांत इसने उपाबद अनुसूची में प्रांत पूर्ण क्या से बिणा; है), श्रीत जिनका करारक्षमा आयाल अधिक्यम, 1961 की धारा 269 सुख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकाती के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिसांक 2 अप्रैल 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के एक्पमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाण्डेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण में हुई किसी आय की अबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सृविधा के लिए; और/मा
- (ख) एसी किसी आय या किरी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्मरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपनारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (।) श्रीमतो एउनकेष एक विद्यानीया ।

(北下下五)

- (2) আ দ্ৰত কাত বিষয় (তিত স্বত ক্তুত)। - (জনকাৰিটা)
- (3) मेसर्थ गुप्तिन पेपा कार्पिणन । (यह व्यक्ति, जिसक अधिमोग में सम्पत्ति है)

का यह सूनना जारा करके पूर्वावत सम्पत्ति क करन कं विष्

## उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र हैं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि ना तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपन्न में इकाशन की लारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्मत्ति में हिलबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिधम, के अध्याय 20 क में शरिजावित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूर्चा

भोडाउभ तं ० ३ए, जो, तत साला, 85, मोदी स्ट्रीट, फोर्ट, धमबई-1 में स्थित ह ।

अनुसूची जैला कि अरु सं अर्थक ने /37-ईईंग/3371/ 84-85 श्रीर जो जलम प्राधिनारी, बम्बई हारा दिसीस 2-4-1985 को रजीस्टई िया गया है।

> ाजार अहमद राजम प्राधिकारी सहायाः जायरा आयुक्त (गिरीक्षण) अर्जम रेज-1, बम्बई

**電情事。 17 1935** 

माहर :

# - ८ घटा जा १९४४ का. संस्थानका स्थापना प्रत्याच्या । स्थापना प्रत्याच्या <u>च्यापना स्थापना च्यापना च्यापना स्थापना स्थापन स्थापना स्थापना स्थापन स्थापन स्थापना स्थापना</u>

# नामकर निर्मातमभ , 1961 (1961 का 43) की अध 269-म (1) के जभीत सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बस्वर्ड

बमबर्ह, दिनांक 12 दिसम्बर 1985

निर्देश मं० अई०—1/37—ईई०/८189/84—85—अतः मुझे , निसार अहमद

बाराकर बीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसके इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269- के अभोन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मित, जिसका उचित वाजार मून्य 1,00,000/- रा. से विधिक हैं

श्रीर जिनकी संग्राहाउस गंग 4बी, जो, तल माता, किया सर्वे तंग 1058, 85, मोबी स्ट्रीट, फोर्ट, बस्बई-21 है तथा जो बस्बई-21 में स्थित है (आर इतसे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण हुए से बण्णि है), श्रीर जिल्ला अराज्यामा आयकर अधिनियम, 1901 की धारा 269 अखे के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिसांक 9 अर्पेल 1985

को प्येक्ति सम्पित के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए बन्तिरत की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि गथाप्योंक्त सम्पित्त का उचित बाजार मृत्य उसके खयमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्तयों) के बीच एसे अन्तर्भ के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व मों कमी करने या उससे बचने में सुविधा छै लिथ; और/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, किन्हुं भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ता उसत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था, किया में सुविधा के तिए;

भवा: भवा, उसन अधिनिषय भी बारत १६९-त की बान्सरक ों, भी उद्देश ना धनियम अ. अ.- १८१५ की सम्भारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :-- (1) श्रीमती राजबेन एव० विशासीया ।

. <del>uz</del>lika

(अन्तरक )

(2) श्री एवर एक भिया (हिर अर कुर)

(अन्तरिती)

(3) नेयसं सुप्रिम फेरर कार्परिशन । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में रुम्पत्ति हैं)

कां यह सूचना पार्टी कर्के पृथीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सूक्त करता हूं।

चबत् राम्पत्ति को बर्जन है सबेध में कार्ड भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीं हैं
  45 विन की जबीं या तासवंभी व्यक्तिमों पर
  मूचना की तामील स 30 दिन की अविधि, जो भी
  वयि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्याय;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन को सारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर तम्पात में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पार्क सिक्स को किए जा सकी में।

स्पष्टीकरण :---इसमाँ प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्यान 20-क में परिभाषित हाँ, नहीं अर्थ स्रोगर, जा उस अध्याय माँ दिया शक्त हों।

## अनुसूची

गोडाउन नं ० 4बी, जो, तलमाला, सिटी सर्वे न ० 1068, 85, मोदी स्ट्रीट, फोर्ट, बम्बई-21 में स्थित है।

अनुसूची जीता कि अर्थ सब अर्थ ०-1/37-हेई ०/5827/85-86 और जो जलम प्राधि अर्था, बम्बई द्वारा दिनांक 9-4-1985 को रजीस्टई क्या गया है।

> निसार अहमद सलम प्राधि हारी सहायक जायकर आकृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई

विस्तेत: 15-10-1936

भोहर :

प्रारुष भार्दे, टी. एस. एस. -----

# बायकर विधिनियम, 1961 (196) का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चता

#### भारत सरकार

## कार्याजय, सहायक जायकर बागुक्त (निरक्षिण)

अर्जन केंक्-1, बस्पर्ट बस्पर्ट, दिला = 10 कि तस्वण 1985

निर्देश सं० अई०-1/37-जी/5215/85-86--अतः, मुझे, भिसार अहमद,

शायकर बांधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्डात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की भारा 269-स के अधीन सक्षम पर्शिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० खुला जमीत जा जिल्हा, हमारत के साथ, जी, बाणगंगा रोड़, बाहकेक्बर, त्यू उर्वे तं रू. 1/7261 श्रीर सी० सर्वे तं रू. 104, मलबार श्रीर खवाला हिला डिडोबजी बस्बई है तथा जो बस्बई में स्थित है (श्रीर इसके उपावद्ध जोडूची में श्रीर पूर्ण क्या से विणय है). एपिएट्रोजिया अधिकारी के अविलय, बस्बई में उपास्ट्री करण अधिक्यम, 1008 (1908 जा 16) के अधीत, दिका जा 6 अश्रीस 1985

का पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिशित उद्देश्य से उस्त अन्तरण निवित्त में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) जन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिल्लाम के जभीन कर दोने को अन्तरक को वाक्तिया में कभी करने या अससे बचने में सुविधा के बिए: और/बा
- (का) एसी किसी बाय या किसी जन या अन्य ब्रास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्न किसाम, या अन-कर विभिन्यम, या अन-कर विभिन्यम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीय, निम्नलिचिक पक्तिमें, अधीत मन

- (1) श्री ईश्वरतंता आर० राज, प्यानंदत आर० **राव,** शिवनपत्र आर० राव श्राट आमनंदन रामराव राव। (अन्तरक)
- (2) श्री प्रकृतचद्र कर्मका, श्रीमती जे० पी० कर्मकर, एन० पी० कर्मका, श्रीविधीषती उमा एस० कर्मकर। (अन्तरिती)
- (3) श्री एस० पी० भी उस्तील अमेकर, ग्रीर रसीकलाल । (वह व्यक्ति, जिसके अधिमांग में सम्पत्ति हैं)
- (4) अलारितीयी। (बह व्यक्ति, बिट्स वार्थ में अधीहस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पर्धन में हिनबद्ध है)

को यह सुभना जारो कारके पूर्विवत सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

## उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजधान में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की ताबील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाज हांती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इ.स. सूचना के राजाण में प्रकाशन की तराक से 45 दिन के भीतर जबत स्थावर संपत्ति म**े हितबस्य** किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सक्ष्ये।

स्पट्टोकरण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का अर उन्ह विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया पना है।

#### अनुसूची

अनुसूची जैंसा कि विलेख सक वामक-1325/84 श्रीर जो, उप रिजस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांश 6-4-1985 की रिजस्टई किया गया है।

> निसार अह्मद सक्षम प्राधिकारी सह।य २ कायल कासुबन (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई

ਕਿਹਿੰਸ: 10-//:- ਸ਼ਰ25

प्ररूप बाइ'. टी. एन. व्ह. -----

शायकार कांधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 (व) (1) के अभीन त्यना

#### बारत तरकार

कार्यालय, **ग्रहायक बायकार बायुक्त (नि<u>र्</u>याका)** 

म्रर्जन रेंज-1, बम्बई

वस्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० ग्र**ई०**--1/37--जी/5216/85--86---ग्रतः मझे, निसार ग्रहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें किस परकात् 'उन्त मिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का जरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उमित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं ० प्लाट नं ० 18, जो, गमाडिया इस्टेट, 24/26, पंत मदन मोहन मालवीय रोड़ (ताडदेव रोड), सी० सर्वे नं ० 14/738 (ग्रंग), मलवार और खंबाला हिल डिविजन, बम्बई में स्थित हैं (ग्रोट इत्रो उन्नब्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विजत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बस्बई में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 1 ग्राप्रैल 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान विकास के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मधापुर्वोक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार मूल्य, उसके अवमान प्रतिक ल सं, एस दश्यमान प्रतिक ल का क्ष्यमान प्रतिक ल के क्षिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरित्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया क्ष्या प्रतिक कम से क्षित नहीं किया गया है क्ष-

- (क) बंदरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त जोधनियम के क्षीन कर देने के बंतरक के शायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के विद्या और/बा
- एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्तिय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

अतः अखं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण कं, वं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री नौरोसजी जहांगीर माडिया।

(ग्रन्तरक)

(2) रोच प्रोडक्टस लिमिटेड ।

(ग्रन्तरिती)

(3) अन्तरिती । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

# को यह मुखना बारी करके पृथानिक सम्मतिक के नर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी विक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विकास में सिए वा सकता।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## असुची

ग्रनसूची जैसा कि चिलेख सं० 2398/84 और जो, उप रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज⊶I, बम्बई

दिनांक: 10-12-1985

प्रथम बार्' हो एन एम ----

जायभार वीभीक्यम, 1961 (1961 का 43) की पादा 269-म (1) के भनीन स्थना

#### STAR ABOUT

# कार्यालय, बहुत्रक सामकर कायकर (निर्मालक)

ग्रर्जन रेज-री, बम्बई

वम्बई, दिनांक 10 दिसस्बर 1985

ि निर्देश सं**० ग्रर्ड**०-1/37-जी/5217/85-86--श्रतः मञ्जे. निसार ग्रहमद

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले प्रसारों का के परपात् 'उक्त अधिनियम' महा गया है), की धरा 260-य के अधीन बक्तम प्राप्तिकारी की, यह विषयात करने का कारण है कि स्थानर अस्पील, डिजरका जीकत बहुआर जुन्द 1,60,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 18, जो, गमाडिया इस्टेट, 24/26 फ्ता मदन मोहन मालविय रोड (बाडदेव रोड), बी० एस० नं० 14/738 (अंग), मलबार और खंदाला हिल डिविजन, बर्वाई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रमुख्यी में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक 1 सप्रैल 1985

की प्राेष्त संस्थित के तीयत वाजार मृत्य से कास के स्वयमान सिक्य के किए सम्बन्धि की मह हैं और मृत्ये वह विक्राप्त करणे का कारण है कि स्थाप्योंकत सम्पत्ति का उपित सर्वार स्थाप् के स्थाप्योंकत सम्पत्ति का उपित सर्वार स्थाप् , उपने स्वयमान प्रतिकास के पंत्र प्रतिकास के प्रतिकास के स्थाप के सिक्स स्थाप प्रतिकास के स्थाप प्रतिकास के सिक्स स्थाप स्थाप सिक्स स्थाप स्थाप सिक्स स्थाप सिक्स स्थाप सिक्स स्थाप सिक्स स्थाप सिक्स सिक्स सिक्स स्थाप सिक्स सिक्स

- (क) बन्तरण वं हुइ किसी बाय की बाबत, उन्नर बिधिनियम के बधीन कर दान के अस्तरक को प्रीधरव को कभी करने या सबसे कबने की क्षीयका की निज्ञा नीर/या
- (व) एची विकी बाव था किही धन वा बन्ध व्हरिक्तवों को, जिन्हों भारतीय बावकर विधिनवा, 1922 (1922 का 11) वा उन्त अधिनवा, या धन-कर विधिनवम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिसी इसारा प्रकट रहीं किछ। गया था वा किया जाना काहिए था, किछाने थे। ब्रोजधा के निय;

् अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थान (1) की पीरीपकी अनुवेद एमारिया और एम॰ पे॰ काला

(इस्ट्राइक)

(2) होन प्रोडण्डम शिविटेट ।

(एक्तरितीः)

(3) अन्तरिकीयी । (वह व्यक्ति जिसके अधिमोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना काडी कर**के** प्रतिवत संपत्ति के क्योन **के मिए** कार्यनाहिया करता हुं।

## शक्त सम्पत्ति के कर्पन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना की राजपण भी प्रकाशन की सारीय से 45 जिल की अवधि या सरम्बद्धनी व्यवधित्रणी पर सूचना की तासीन से 30 जिल की अवधित, जो भी अवधित करा में समाप्त होती हो। के भीतर भूगों कर
- (क) इस सुनाम ने गालपण में प्रकाशन की सारीचं से 45 विश्व को जीवन जाका सकायर अम्मीन में हिस्तवस्थ किसी अन्य स्थितिक हुआया नामोहन्ताकारों के बास जिल्ला को दिल का बक्तेम

स्मारक करण --इसमें प्रयास शास्त्र और पर्यों का, जो उपक समित्रियम के अध्याम 20-क में विरागित हो, यही अर्थ होगा को इस सम्मान में दिया स्वर्शनी

### **अन्स्**ची

श्रमुन्द्वी जैसा कि विलेख मं० 2399/84 और जो, उप रिजिस्ट्रार, वृध्यई छाड़ दिलांक 1-4-3985 को उनिस्टर्ड किया गरा है।

> िसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक प्राधिकर आधुक्त (निरीक्षण) श्रीविद्याना, बस्यई

国前市: 10-12-1985

मोहर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछ

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहत्यक आधकर अध्यक्त (निरीक्षण) अर्थन रेज--, यस्त्रष्ट

वस्यई, दिलाक 10 दिसम्बर 1985 निर्देश सं० श्रई०-4/37 न्त्री/5218/35-86---श्रतः मझे. निसार ग्रहमद

नायवर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इस्के परिपात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारन है कि स्थावर सम्मित्त जिसका उधित बाजार मृस्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

और जिसकी संव फ्लैंट नंव 2. जो, नल माला, हरेन्द्र श्वन, भूला-भाई देसाई जोड़, जिन एए - एएव नंव 10/759, मलबार और खंबाला फिन डिंगिन के एवं ने 7004, बण्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (बोल दर्न) उता द्धे अनुसूची में और पूर्ण रूप में बणित है), राजिस्ट्रीकर्ता अपियार के कार्यालय, बम्बई में राजिस्ट्रीकरण श्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 17 अप्रैल 1985

करे पूर्वोक्त संपत्ति के उच्चित आजार मूल्य से कम के दृश्यमान पितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि द्रशानकि स्पतित का उचित बाजार बृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के कीच एसे अन्तरण के लिए तब पामा गया प्रतिफल, निम्नितिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण बिकित में वास्तिक रूप के ब्रियेट नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण संशुद्ध विस्ती बाय की शावतः, उपस्य अभिनियम के अभीन कर दोने को बन्तरक को शास्त्रिक में कमी अपने या उससे मणने में कृतिका श्रीकाशः और/मः
- (क) एसी किसी काल पा किसी धर वा वस्थ वास्तियों को, जिन्हों भारतीय जार-कर अधिनियम, 1922 (१922 का 11) का जन्म अधिनियम, का भारकर वाधिनियम, 1957 (1957 का 27) के स्थानकार्त अस्तियमि इवार प्रकट बहुति किया वदा का वा किया जाना जाहिए वा कियान को जीका के लिखे;

बतः तय, उसत जिभिनियम की धारा 269-न के बनुसर्ज में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिधित व्यक्तियों काशत ध--- ्(1) श्री पेर ग्रीट माहेता ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रामती चंद्राका अनेवद दलाल ।

(श्रन्तरिती)

(3) अन्ति ती । (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्थन के बिक् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

रामत् राज्यतित् के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी मार्काष :--

- (क) इस सूचका के राजपण में प्रकाशन की तारांच से 45 दिन की अविभ वा त्रसम्बन्धी व्यक्तियों वर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविभ, में भी जविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीता पूर्वों का व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियां इसाता;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ब 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें अयुक्त शब्दों और पदा का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याव में विया गया ?\*,

### मन्स्यी

श्रमुख्वी जैसा कि विलेख मं० वाम०--1370/78 और जो, उप रजिस्ट्रार, वश्वर्ष द्वारा विलोक 17--4--1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

**宿前事: 10-12-1985** 

प्ररूप बार्ड, टी. एन. एस.,-----

भागभर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

भ्रार्जन रेजना, बाब**र्ड** 

्बम्बई, विन्तव 10 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० श्रई० •]/37-जी/5219/85--86---श्रतः मुझे, निसार श्रहमध

शासकर जिथिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्कें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. ते अधिक हैं

और जिसकी संव सीव एसव नंव 472, जो, फोर्ट डिविजन, एवार्ड नंव 1496, बस्बई है तथा जो बस्बई में स्थित है (और इसमे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण कर से वर्णिन है), रजिस्ट्रीवर्ता अधिकारी के कार्यालय, बस्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनोंक 17 अप्रैल 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उपित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दर मान प्रतिफल से एसे द्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात स अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) व बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निलिखित उद्योपय से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिक रूप से उन्तर जन्तरण सिक्त में

- (क) अन्तरण सं हुई जिल्ली आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी कहनें या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/भा
- (का) एरे ति किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों की जिन्हों भारतीय आयकर गिंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के सिद्धा;

जत: उब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निशिश्वित व्यक्तिकों अर्धात्---55—426 GI/85 (1) अत्मती श्रम्मा गुलाम (व) ।

(अन्यस्क)

(2) समर्भ लान बिल्डर्स ।

(शन किती)

(3) श्री कलत कॉर्नीलाल गुण्जात, श्रगोक वेरि गोलबानी, . और मिना वाई० साह । } (यह वाक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के रक्ष्मपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर जक्त स्थावर सम्पाद में हितााक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरीं के पास लिकित में किये जा सकरें।

स्य आधिकरण : ----इसमें प्रयुक्त शादों और पदों का, जो उक्त अधिकियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## **यनुमूचा**

श्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० वाम--316/81 और जो. उप रजिस्ट्रार, बमबई द्वारा दिनांक 17--4--1985 की रजीस्टर्ड किया गया है।

> िसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नापका अध्यक्ष्य (तिरीक्षण) धना रेज-में बाज्द

विनोज : 10 ·12-·1985

मंहर:

प्रकम् बार्षः दौः एनः एवः------

कायकर अभिनियम, 196, (1961 क 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

#### नारव प्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्थ्स (निराक्षण) भर्जन रेज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० प्रई०-1/37जी/5220/85-86-3नः मुझे, निसार ग्रहमद

धायकर विधितयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधितयम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से बिधक है

श्रीर जिसकी सं० जमीन के साथ इमारन "स्वतंत्र सदन" जो दादर जिसका प्लाट नं० 78, दादर-माटुंगा (दक्षिण) इस्टेट, स्कीम नं० 5, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विजत है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, दिनांक 26 श्रिप्रैल 1985

को प्रवेषित सम्मिति के उचित वाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूकों यह निश्चास करने कम कारण है कि यथाप्योंक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उनके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिशत से अधिक है और कन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उव्यक्तिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नष्ठीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसस बचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय शियकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या अद्धा अधि यम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिथाने में सविधा है निए:

अतः भवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें भीं, उक्त अधिनियम की धारा-269-व की उपधारा (1) कें अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् है——

(1) बाई इन्द्राबाई सुंदरराव ग्राठवले ।

(ग्रन्यरकः)

(2) श्रीमती सृनंदा एस० पाटकर।

(ग्रन्मरिती)

(4) मेसर्स गुब्बी बिल्डर्स । (बह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रश्लोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्मत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुः।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधी, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पथ्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### धन्स्ची

श्रनुमूची जैसा कि विलेख सं० 976/1983 श्रीर जो, उप रिजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांदा 26-4-1985 को रिजिस्टई किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक क्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) यूर्जन रेज-1, दस्वई

दिनांक: 10-12-1985

प्ररूप आहुर, टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-1, बम्बई
बम्बई, दिनांक 10 दिनम्बर 1985

निर्देश मं० श्रई०-1/37-जी/5222/84-85--श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 अध के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का वारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ब्रौर जिसकी सं० खुल्। जमीन का हिस्सा, जो, इमारत के साथ, कामाधीपुरा, 10वी लेन, झाउम नं० 26, सी० एस० नं० 490, भागसाला डिवीजन, सम्बई-8 है तथा जो बम्बई-8 में स्थित है (ब्रौर इससे उपाबद श्रमुसूची में ब्रौर पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिकार के वायलिय, बम्बई में रिजस्ट्री- वारण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 30 अश्रील 1985

को प्रांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रांतिफ अं के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उरुके रहयमान प्रतिफल से ऐसे स्रयमान प्रतिफल का पंस्नह प्रतिफल का पंस्नह प्रतिफत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित ल्युवेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया गया है:--

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त मियम के अधीन कर दाने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा और शिए।

जत: क्व, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, सें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कें अधोन, निम्नम्लिकत व्यक्तियों, अर्थात :——

- (1) श्री शरद मःधवराव गांगला, श्रीमती, लिलावती माधवराव गांगला, शोभा शरद गांगला, स्वाती शरद गांगला, नीरज शरद गांगला, सुमन माधवराव गांगला, श्रीर श्रीमती हेमलता दत्तावय सलवाहः।
- (2) मुरेश हीरालाल शाह ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थाना आरी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से विसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यद्धीकरणः --- इसमें प्रम्यत् शब्दों और पवौं का, जो जकत अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अध दुर्गेगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

श्रनुसुची जैसा कि विलेख सं० बाम०-2342/83 श्रीर जो, उप रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 30-4-1985 को रजिस्टर्ड िया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायंकर श्रायंक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-1, बम्बई

दिनोक: 10-12-1985

मोहरः

प्ररूप आर्घ.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज-1, बम्बई

ं बम्बई, दिनांः 10 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० ग्र**६**०-1/37-जी/5223/85-86--ग्रनः मुझे, निसार श्रहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-श के अधीन सक्षम गाधिकारी को यह विश्वास करने का करिण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 95 (उत्तर), जो, भाउदाजी रोष्ट्र, स्कीम नं० 6, दादर मार्गा इस्टेंट, सी० एस० नं० 421/10, मांट्गा डिविजन बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीयर्चा अधिकारी के दार्यालय, बम्बई में रिकस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 दा 16) ने श्रधीन, दिनांव 20 ग्रप्रैल 1985 ।

कां पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कभ के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रीतफल, निम्नलिखित उत्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिधिक रूप सं कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दारिएव में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/मा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिभा के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उनत अधिनिसम की भारा 269-भ की उपभारार (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत् :---

(1) श्रीमती बोला रमाबाई कामभ ।

(प्रस्तरक)

(2) श्रीमती जया मांनीलाल गाडा ।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरक श्रीर भाडून । (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभाग में सम्पत्ति है)

(4) श्रन्तरक । (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रश्नोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पंत्ति में हितबद्ध है)

को यह सुचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्धन के संबंध में कांग्रे भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र मी प्रकाशन की तारीब क्षे 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त हाली हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- ं (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितक्बभ किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अभोहस्ताभरी के पात लिसित में किए जा सकरों।

स्पट्नीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनत अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विशा गया है।

### अन्स्ची

श्रनुसूची जैंसा विः विलेख सं० 1669/84 श्रीर जो, उप रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 30-4-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-ा, बम्बई

दिनांक: 10-12-1985

मोहर:

प्रकप बाद् , टी. एन., एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन त्चना

### सारत शरकार

### कार्यालयः सहायक वायकर वायकः (निर्देशकः) ग्रजन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निर्देण सं० भ्रई०-1/37-जी/5224/85-86--भ्रतः 'मुझे, निसार भ्रहमक

श्रायकर त्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (रिंपसे इसमें इसके पदवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित आजार मृत्य 1,00000/ रुपये से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० पी० एफ० नं० 590, टी० पी० एस० नं० (4) माहीम जिसकी सी० एम० नं० 1130, लोग्नर परेल डिविजन, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 23 अप्रैल 1985

को प्वेक्ति सम्पत्ति के अचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित राजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए एस पासा गया अतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरफ निचित वास्तिवक रूप में कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाष की वाबत उक्त अधि-अधिनियस के अधीन कर दोने के अन्तरक के वादित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) एसी किसी अप्य या भन या अभ्य आस्तियों को, जिल्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा वै सिए;

शतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भ, मैं: अबत अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) हे अधीन, निस्निसिक्त व्यक्तियों, निम्निक्

- (1) दि हिन्दुस्तान स्पिनिग एंड निविंग मिल्ब लिमिटेड । (मन्तरक)
- (2) मेसर्स नवनेतन प्रापर्टीज प्राईवेट लि०।

(मन्तरिती)

(3) मन्त को । (बह व्यक्ति, जिसके मधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कोर्यवाहियां करता हुं।

### उक्त सम्परित के वर्जन के संबंध में कोई भी बालंप :---

- (क) इस तूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की नगिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिंध, जो भी जनिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिवाँ में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकरेंगे।

स्थव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शन्दों बार पदों का., जो उक्त जिभिनियम को अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्भ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

### मन्त्र्यी

श्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० 724/बाम०/85 और जो, उप रिजस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 23-4-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रैंज-1, बस्बई

दिसांक। 10-12-1985

मोहर:

### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

### New Delhi, the 7th November 1985

No.A-32013/2/85-Admn. I. —The President is pleased to appoint the following permanent Grade I officers of the CSS included i the Select list for Selection Grade for the year 1984, as Deputy. Secretaries on ud-hoc basis in the office of the Union Public Servic Commission for a further period of three months as shown against each:—

SI. Name No.									<b></b>	SI, No, in Select List		Period		
1		2					 <del>.</del>				3		4	
	ri Kishan Singh ri Jit Singh							-	_	-	13 19	1-9-1985 1-10-1 <b>98</b> 5	to to	30-11-1985 31-12-1985

### The 15th November 1985

No. A-19014/2/84-Admu.I.—Consequent on their having been selected for appointment to the post of Administrative Officers in Defhi Electric Supply Undertaking on deputation on foreign service terms in the pay scale of Rs. 1400—2100 for a period of one year, the services of S/Shri Tarlok Singh and Y. R. Gandhi, Under Secretaries of Union Public Service Commission are placed at the disposal of the Delhi Electric Supply Undertaking with effect from the forenoon of 15th November 1985 with instructions to take up their new assignment immediately thereafter.

### The 28th November 1985

No. A.19013/P/758-Admn.I.—Consequent upon his reversion to his cadre post from the deputation post of Director in the Central Hind: Training Institute under the Department of Official Language, New Delhi, Shri N. K. Soni has assumed charge of the post of Under Secretary in the office of Union Public Service Commission with effect from 15-11-85 (FN).

### The 4th December 1985

No. A-32014/1/85-Admn.III.—Consequent on his return from the State Executive Training, the President is pleased to appoint Shri D. Sivarajan a regular Section officer of the CSS Cadre of the Union Public Service Commission to officiate as Desk Officer on ad-hoc basis in this office w.e.f. 25-11-85 (FN) to 31-12-85.

2. Shri D. Sivarajan shall draw a special pay @ Rs. 75/p.m. in terms of Department of Personnel and A. Rs. (now Department of Personnel and Training) O.M. No. 12/1/74. CS(I) dated 11-12-75.

### The 6th December 1985

No. P/955-Admn.1(Vol.II).—Consequent upon his selection for appointment as Director in the scale of Rs. 2000—2250 in the Department of Mines, Shri B. Das Gupta, (CSS), Deputy Secretary is hereby relieved of his duties in the office of the Union Public Service Commission with effect from 6-12-85 (FN) with the instruction to take up his new assignment in the Department of Mines,

### The 11th December 1985

No. A.33012/1/84-Admn.III.—Consequent upon his having been relieved from C.S.S. officers State Executive Training in Kerala State w.e.f. 8-11-85, Shri D. Sivarajan, Section Officer of C.S.S. cadre of Union Public Service Commission has reported for duty w.e.f 25-11-85 (FN) after availing joining time as admissible under the rules.

#### The 13th December 1985

No. P.2747/Admn.lII.—Consequent on her selection for P&T Accounts & Finance Service (Group 'A'), Kum. Mridula Sinha, a Probationer Section Officer of the Civil Services Examination. 1983, belonging to the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission, is relieved of her duties in this office on the forenoon of the 16th December 1985.

M. P. JAIN Under Secretary (Per. Admn.) Union Public Service Commission

### CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 30th December 1985

No. 2/22/85-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri Kanwal Nain, a permanent Assistant of this Commission, as Section Officer in this Commission on ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 650—1200 with effect from the forenoon of 17-12-1985, for a period of three months.

No. 2/22/85-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri Gambhir Singh, an Assistant of the Central Vigilance Commission as Section Officer in the Central Vigilance Commission on ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 650—1200 with effect from the forenoon of 17-12-85 for a period of 46 days.

MANOHAR LAL
Under Secretary (Admn.)
for Central Vigilance Commissioner

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE GENERAL

### CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 1st January 1986

No. E-28015/1/85-Pers.II.—Consequent on his retirement on superannuation from Govt service, Shri R. Balasubramanyam relinquished charge of the post of Deputy Inspector General, Central Industrial Security Force HQrs., New Delhi in the afternoon of 31st December 1985.

(Sd.) ILLEGIBLE Director General/CISF

### Office of the Accountant General (Audit) I, Madhya Pradesh

### Gwalior, the 23rd December 1985

No. Admn. XI/Gr. I/Promotion/AO/287—The Accountant General (Audit): 1 Madhya Pradesh Gwalior has been pleased to promote the following Asstt. Audit Officers as Audit Officers in the officiating capacity in the scale of Rs. 849-49-1000-EB-40-1200 with effect from the dates of their taking over as noted against them.

Sl, No.	Name									F	ermanent	No.	Date of ta	king over/de	ito of promo	otion
1	2			,							·	3	Tr - 1	4		—— —
	S/Shri	,,					,	·	,	- <del></del>	01/				- u	,—— <u>.</u>
1.	R.C. Sharma			,							338	24-9-85 F.	.N.			
2.	D.D. Tiwari									•	342	26-8-85 F.	N.			
3.	J.L. Sharma										348	4-10-85 F.1	N.			
4.	V. B. Sharma		•	•	•	•	•		•	٠	350	4-10-85 F.	N.	(Projorma N. <b>B.R.</b>	promotion	under
5.	R. Goswami	•	•	•			•		•	•	353	4-10-85 F.	N.	(Proforma N.B.R.)	promotion	under
6.	Dharmanand S	harn	14	•				•	•	•	352	4-10-85 F.	N.			

Authority: A. G. (Audit): I Orders dated 5-7-1985 & 3-10-1985 No. OE XI/Gr. 1/Promotion/AO/1290

M. DEENA DAYALAN

Dy. Accountant General/ (Admn.)

### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I ANDHRA PRADESH

The Accountant General (A&E), Andhra Pradesh, Hyderabad is pleased to promote the undermentioned Section Officer to officiate as Accounts Officer in the scale of Ra. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date noted against her name until further orders.

Name and Date of assumption of charge Smt. S. C. Janaki Rao—24-12-85 F/N.

The promotion order is without prejudice to the claims of her seniors, if any, and is also subject to the result of the writ petitions pending in the A.P. High Court/Supreme Court

(Sd.) ILLEGIBLE
Deputy Accountant General
(Administration)

### OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT-I CENTRAL REVENUES

New Delhi-2, the 2nd January 1986

No. Admn.I/O.O. No. 338.—The Director of Audit, Central Revenues-I, New Delhi hereby appoints Shri P. N. Sehgal a permanent Section Officer (now Asstt. Audit Officer) of this office to officiate as an Audit Officer in the scale of Rs. 840—1200 with effect from the forenoon of 31st December 1985 until further orders.

(Sd.) ILLEGIBLE Dy. Director of Audit (Admn.)

### MINISTRY OF DFFENCE

### D.G.O.F. HEADQUARTERS CIVIL SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

### SUBJECT RETIREMENT

No. 1/86/A/E-1(NG).—On attaining the age of superannuation the following Officers retired from service w.e.f.. 31-12-85 (A.N.):

 Shri Satva Prasad Dasgupta, Offg. Assistant Staff Officer (Subs. and Part. Assistant).  Shri Nihar Ranjan Paul, Offg. Assistant Staff Officer (Subst. and Pmt. Assistant).

S. DASGUPTA
Director/Admn.
for Director General, Ordnance Factories.

### MINISTRY OF STEEL AND MINES

### DFPARTMENT OF MINES INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 1st January 1986

No. A-19011(276)/80-Estt-A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri S. C. Srivastava, Officiating Chemist, Indian Bureau of Mines, has been promoted to Officiate in the Post of Senior Chemist in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 18th Devember 1985.

G. C. SHARMA Assit, Administrative Officer for Controller General Indian Bureau of Mines

### GFOLOGICAI SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 26th December 1985

No. 12250B/A-32013(AO)/85/19A.—Shri Harihar Prasad, Superintendent, Geological Survey of India has been appointed by the Director General, GSI on promotion as Administrative Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from 18-11-85 (FN), until further orders.

A. KUSHARI Director (Personnel)

Calcutta-16, the 26th December 1985

No. 12263B/A-19011(2-BKR)85/19A.—The President is pleased to appoint Shri B. K. Roy as Senior Deputy Director General (Finance) in the Geological Survey of India on pay

according to normal rules in the scale of pay of Rs. 2500-2750/- on deputation with effect from forenoon of 2-12-85.

D. P. DHOUNDIAL Sr. Dy. Director General (Oprn.)

#### SURVEY OF INDIA

### Dehradun, the 30 December 1985

No. C- 6288/707—The undermentioned officers who were appointed to officiate as Officer Surveyor, purely on ad-hoc provisional basis are now appointed to officiate as such on regular basis with effect from the date as stated against each:

Sl. No.	Name						No. & Date of Notification under which appointed on ad-hoc provisional basis	Unit/Office to which posted	Dated of promotion
1	2		·				3	4	5
1.	Shri Dinesh Chandra Sara	aswat	•		,		Notification No. C-5946/707 dt. 23-4-83	No. 26 (P) Party (NC) Dehra Dun	12-8-85
2.	Shri Hira lal Malik	•	•			•	Notification No. C-6002/707 dt. 28-9-83	No. 15 Party . (STI) Hyderabad	11-2-85
3.	Shr Ram Kishan (SC)					,	Notification No. C-6038/707 dt. 17-1-84	No. 88 Party (CC) Raipur	18-5-85
4.	Shri Satish Chand Garg	•	٠	-	,	-	Notification No. C-6038/707 dt. 17-1-84	No. 39 Party (STI) Hyderabad	3-7-85
5.	Shri S.M. Uniyal	٠		٠	•	-	Notification No. C-5438/707 dt. 28-11-78	No. 61 Party (C.C.) Jabalpur	18-11-85

No. C 6289/707—The undermentioned officer who was appointed to efficiate as Officer Surveyor, purely on ad-hoe provisional basis, is reverted to the post of Surveyor (Selection Grade) from the date as indicated against his name:—

Sl. No.	Name & Designation	No. & date of Notification under which appointed on ad-hoc provisonal basis	Unit/Office to which posted	Date of reversion
_ <del>_</del>	2	3	4	5
1. St	hri A. S. Chauhan Surveyor (Sel. Gde.)	Notification No. C-5992/707 dt. 22-8-83	No. 61 Party (C.C.) Jabalpur	1-6-85 (F/N)

G. C. AGARWAL
Major General
Surveyor General of India
(Appointing Authority)

### DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 2nd January 1986

No. 4/3/85-S II.—In continuation of the Directorate General, All India Radio's notification No. 4/3/85-S II dated 20-8-85, the Director General is pleased to extend the deputation period of Shri Umakant Khubalkar, Hindi Officer, AIR tation period of Shri Umakant Khubalkar, Hindi Officer, AIR Bombay in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on adhoc basis for a further period of one year with effect from 31-12-85.

MOHAN FRANCIS

Dy. Director of Admn.

for Director General

### MINISTRY OF COMMERCE

(DEPARTMENT OF SUPPLY)

NATIONAL TEST HOUSE, ALIPORI

Calcutta, the 26th December 1985

No. G-318/A.—The Director General, National Test House, Calcutta is pleased to extend the deputation period of Shri T. Vijayaraghavan, Store & Purchase Officer, National Test House, Bombay Branch, Bombay upto 31-5-86 or till the post is filled up on a regular basis, whichever is earlier.

### Calcutta, the 26th December 1985

No. G-318/A.—The Director General, National Test House, Calcutta is pleased to extend the deputation period of Shri P. Kl Dutta, Store & Purchase Officer, National Test House, Calcutta upto 31-5-86 or till the post is fiiled up on a regular basis, whichever is earlier.

J. M. BHATTACHARISE
Dy Director (Admn.)
for D.G., National Test House,
Calcuta-27

# DEPARTMENT OF SUPPLY DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

### (ADMN. SECTION A-1)

New Delhi-1, the 30th December 1985

No. A-1/42(32).—The President is pleased to appoint Shri M. Srinivasan, a permanent Deputy Director General (Supplies & Disposals), substantively to the post of Additional Director General (Supplies & Disposals) (Level II of Senior Administrative Grade of Indian Supply Service) with effect from 1st July, 1985.

No. A-1/42(34)III.—The President is pleased to appoint S/Shri S. V. Sundaram lyer and B. R. Julka, permanent Directors of Supplies & Disposals, substantively to the post of Deputy Director General (Supplies & Disposals) (Junior Administrative Grade) (Selection Grade) (functional) of Indian Supply Service with effect from 1st July, 1985.

BALJEET MATIYANI
Director (Administration)

1 for Director General of Supplies & Disposals

### New Delhi-1, the 24th December 1985

No. A-1/42(25).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints the following officers in the substantive capacity to the post with effect from the date mentioned against each:—

- S No., Name of officer & Designation, Post against which appointed substantively and Date of confirmation.
  - Shri Gian Chandra, Asstt. Director (Admn.) DI, NI Circle, New Delhi, Asstt. Director (Admn.) (Grade II). 10-4-80.
  - 2. Shri M. D. Kulasekaran, Asstt. Director (Admn.), (Gr. II) Retired), Asstt. Director (Admn.) (Grade II). 1-8-82.
  - 3. Shri B. K. Dana, Asstt. Director (Admn.), (Gr.II), Dte. S&D, Calcutta, Asstt. Director (Admn.) (Grade II), 2-1-83.

R. P. SHAHI
Dy. Director (Admn.)
for Director General of Supplies & Disposals

### MINISTRY OF HEALTH & FAMILY WELFARE DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 2nd January 1986

No. A.12026/5/85-MH.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Mrs. Vijay Anand to the post of Sr. Occupational Therapist at Safdarjang Rospital, New Delhi, on ad-hoc basis, wef 20-9-1985 in the pay scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 (Group 'B' Gazetted) for a period of six months or till the regular incumbent of the post reverts back, whichever is earlier.

P. N. THAKUR Dy. Director Admn. (RR)

### DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORAE OF PURCHASE & STORES

Bombay-40001, the 27th December 1985

Ref. No. DPS/41/1/85-Adm./4866.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic 56—426G1/85

Energy appoints Shri Kaliuparampii Narayana Pillai Sasidharan Mair, a permanent Purchase Assistant to officiate as an Assistant Purchase Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650—36—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 from 7-10-1985 (FN) to 20-12-1985 (AN) in the same Directorate vice Shri R. S. Gaikwad Assistant Furchase Officer granted leave.

#### The 30th December 1985

Ref. No. DPS/41/3/85-Adm./4883.—The Director, Directorate of Purchase & Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri A. A. Shaikh a permanent Asstt. Accountant and officiating Asstt. Accounts Officer to officiate as an Accounts Officer-II on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 840-40-1900-E3-40-1200 from 2-9-85 (FN) to 31-12-85 (AN) in the same Directorate.

P. GOPALAN, Administrative Officer

### DEPARTMENT OF SPACE

### ISRO SATELLITE CENTRE

Bangalore-17, the 18th December 1985

No. 620/t(15.4)/85-Estt-1.—Director ISRO Satellite Centre is pleased to accept the resignation from the service of Shri D. Radiou from the post of Scientist/Engineer 'SB' in the ISRO Satellite Centre, Bangalore of the Department of Space, with effect from the afternoon of December 04, 1985.

H. S. RAMADOS, Administrative Officer

### MINISTRY OF TRANSPORT DEPARTMENT OF SURFACE TRANSPORT DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-38, the 2nd January 1986

No. 23-TR(7)/85.—The Director General is pleased to appoint Shrimati Aruna Sharma nee Vadlamani as Lecturer in Mathematics (Engineering in the L.B.S. Nautical & Engineering College, Bombay with effect from 1/8/85 on ad-hoc basis until further orders.

AMITABH CHANDRA
Dy. Director General of Shipping

### CENTRAL GROUND WATER BOARD

Faridabad, the 3rd January 1986

No. 3-727/85-CH.Estf.—Shri D. Penchala Reddy is appoint ed as Asst. Hydrogeologist, G.C.S. Group-B (Gazetted) in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/ on temporary basis in the Central Ground Water Board v.e.f. 25-11-85 (FN) till further orders.

B. P. C. SINHA Chief Hydrogeologist & Member

### INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Berabay-400 020, the 30th December 1985

No. F 48-Ad(AT)/1985(II).—Shri S. V. Narayanan, Personal Assistant to President, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay on ad-hoc basis in a temporary capacity for a period of 3 months with effect from 1st September, 1985 vide this office Notification No. F. 48-Ad (AT)/1985, dated 13-9-1985 is permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay for a further period of one month from 1-12-1985 to 31-12-1985.

The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri S. V. Narayanan a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

T. D. SUGLA, President

#### FORM ITNS....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 3rd December 1985

Ref. No. 111-1068/Acq/85-86.-Whereas, I, D. K. GHOSH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing
Khata No. 57, 96 Plot Nos 1254, 1255, 1262, Holding No. 625, Ward No. 25, Mouza No. 51

situated at

Jora Phatak, Dhanbad

(and more fully described in the Scedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Dhanhad.

on 2-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of avasion of the liability of the transferor to pay tax ander the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tux Act. 1957 (97 of 1997)+

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Shri Sardar Kuldeep Singh Bharara, S. o Sardar Harnam Singh Bharara, OF/PS. Jharia, Dist. Dhanbad.

(Transferer)

(2) Shri Gobind Kumar Bagaria, S/o Sri Balkrishna Bagaria OF/P.S. Jharia, Dist. Dhanbad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires fater;
- (b) by any other person interested in in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land with building measuring 1 Katha 114 Chhataks situated at Jora Phatak, Dhanbad and more fully described in Deed No. 3294 dated 2-4-85 registered with D.S.R., Dhanbad.

D. K. GHOSH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Patna

Date : 3-12-1985

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. PATNA-800 001

Patna-800 001, the 9th December 1985

Ref. No. III-1070/Acq 85-86.—Whereas, 1, D. K. GHOSH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incompetax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Touzi No. 229, Khata No. 544, 540, 541, Survey Plot No.

31-A 32/2055 29 (Part), Ward No. 34, Holding No. 116/306, Thana No. 7

situated at

Dhakanpura, Boring Road, Shrikrishnapuri, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcut/a on 6-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiftene per cent of such apparent consideration an that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any sacracys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Alak Nanda Co-operative Housing Society Ltd., Sri Gyandeo Sharma, Secretary S/o Sri Shukhdeo Sharma, Boring Road, Patna-1 (Bihar).

(Transferor)

(2) Miss Rekha Sachdeva D/o Shri Chiman Lal Sachdeva Mohalla—Boring Road, P. S. Shrikrishnapuri, Patna.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 3769 Sq. ft. situated at Dhakanpura, Boring Road, Shrikrishnapuri, Patna and morefully described in Deed No. I-5118 dt. 6-4-85 registered with Registrar of Assurances, Calcutta.

> D. K. GHOSH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Patoa

Date: 9-12-1985

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 9th December 1985

Ref. No. III-1073/Acq/85-86.—Whereas, f. D. K. GHOSH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

and bearing
Touzi No. 229, Khata No. 544, 540, 541, Survey Plot No. 31-A
2055 29 (Part), Ward No. 34, Holding No. 116/306, Thana
No. 7

situated at

Dhakanpura, Boring Road, Shrikrishnapuri, Patna. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta

on 6-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee few the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Alak Nanda Co-operative Housing Society Ltd., Sri Gyandeo Sharma, Secretary S/o Sri Shukhdeo Sharma, Boring Road, Patna-1 (Bihar)

(Transferor)

(2) Anjani Kumar Grover S o Late Harbansh Lal Grover Mohalla—Budha Marg, P.S. Kotwali, Patna,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 3507 Sq. ft. situated at Dhakanpura, Boring Road, Shiikrishnapuri, Patna and more fully described in Deed No. 1-5132 dated 6-4-85 registered with Registrar of Assurances, Calcutta.

D. K. GHOSH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bihar, Patna

Date: 3-12-1985

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 9th December 1985

Ref. No. III-1071/Acq/85-86.--Whereas, I, D. K. GHOSH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Touzi No. 229, Khata No. 544, 540, 541, Survey Plot No. 31-A 32/2055 29 (Part), Ward No. 34, Holding No. 116/306, Thana No. 7

situated at

Dhakanpura, Boting Road, Shrikrishnapuri, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta

on 6-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay an under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-atx Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Alak Nanda Co-operative Housing Society Ltd., Sri Gyandeo Sharma, Secretary S/o Sri Shukhdeo Sharma, Boring Road, Patna-1 (Bihar)

(Transferor)

(2) Shri Dharma Deo Sharma S/o Shri Sukhdeo Sharma, Mohalla-Boring Road, P. S. Kotwali, Patna.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 4484 sq. it. situated at Dhakanpura, Boring Road. Shrikrishnapuri, Patna and more fully described in Deed No. 1-5119 dated 6-4-85 registered with Registrar of Assurances, Calcutta.

> D. K. GHOSH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range Patna

Date: 9-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) M/s Madhu Crimpers, 26/28 Dr. M. B. Vekar Street, Kalbadevi, Bombay.

(Transferor)

(2) Katuri Crimpers, Roshamwala Market, 28-B Ring Road, Surat.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE PUNE

106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune-1, the 11th November 1985

Ref. No. IAC-Acq./CA-5/37EE/15600/1984-85.—Whereas,

1, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. 15, Panvel Industrial Co-operative Estate Ltd. Panvel.

Panvel

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC, Acqn. Range, Pune

in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from s service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. 15, Panvel Industrial Co-operative Estate Ltd. Panvel.

(Area 2722 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 15600/1984-85 in the month of April 1985)

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforegaid property by the issue of this notice under subing persons, namely :--

Date : 8-11-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s Dedhia & Associates. Kirti Vijay, Sewri Naka, Bombay.

(Transferor)

(2) Mrs. Bharti Manilal Haria, Mr. Manilal Nanji Haria, 31/32 Silver Apartments, Shanker Gancker Marg, Dadar, Bombay.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

**ACQUISITION RANGE PUNE** 106/107, KORFGAON PARK, PUNE-1

Pune-1, the 11th November 1985

Ref. No. IAC Acq/CA-5/37EE/965/1985-86.--Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovsble property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No.
Bungalow No. 60 of IBS type on Plot No. 60 situated at Village, Waliv, Tal. Vasai, Dist. Thane

Situated at Waliv

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforceaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Ganette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, fil respect of any income arising from the transfers

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance or Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

THE SCHEDULE

Bungalow No. 60 of JBS type on Plot No. 60 of Bungalow situated at Village Waliv, Tal. Vasai, Dist. Thane,

(Area 1013 sq. 1t.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 965/1987-86 in the month of June 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Competent Authority Acquisition Range, Poons

Date: 8 11-1985,

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMB-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE 106/107, KOREGAON PARK, PUNF-1

Pune-1, the 11th November 1985

Ref. No. IAC Acq/CA-5/37EE/847/1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-trox Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/-and bearing No.

Shop No. 1&2 on the ground floor of proposed "Mangalam" Building, situated at Village Navghar, Tal. Vasai, Dist. Thane.

Thomas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC, Acqn. Range. Pune on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any medical arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any lacoma or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfereo for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely

(1) M/s Mahavii Construction Co. Lad godown, Vasai Road, (West) Tal. Vasai, Dist. Thane.

(Transferor)

(2) Dedhiva H. Bhariji & Vasanti J Shah, 40/41 Sangeet Sagar, Laxminarayan Lane, Matunga, Bombay.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: ... The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 1&2 on the ground floor of proposed "Mangalam" Building situated at Village Navghar, Tal. Vasai, Dist. Thane. (Area 1785 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 847/1985-86 in the month of June 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Poona

Date: 8-11-1985.

Scal;

(1) Harcharan Singh Bhatia

(Transferor)

(2) Surinder Singh

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CALCUTTA

Calcutta tthe 9th December, 1985

Ref. No. 1976/AcqA-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 9, situated at

Mayfair Road, Calcutta

(and morefully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at IAC Acquisition Range-III Calcutta

on 10-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more, than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

Explanation:— The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

All that flat in 7D. Apartment at 9 Mayfair Road, Cal. was regd. in the office of IAC Acq R-III. Cal as per form No. 37EE.

(a) facilitating the reduction or evanion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely:—

57—426GI/85

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Calcutta

Date :9-12-1985.

(1) R. Xar & Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Dr. Pratap Devnath & other

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, CALCUTTA

Calcutta, the 9th December, 1985

Ref. No. 1977/Acq R-III/85-86.—Whrereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. 180 (AcqB)

situated at

R.B. Avenue, Cal.

(and morefully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at

IAC Acquisition Range-III Calcutta

on 10-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

All that Flat no. C-5 measuring 1196 Sq. ft. registred in the office of IAC Acq. R-III. Cal. as Per form No. 37EE.

SHAIKH NAIMUDDIN,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 9-12-1985.

### (1) Lodhe Services Private Ltd

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Manmohinipur Tea Co Ltd. & other

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 1978/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I,

SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. 2.

situated at

Hare Street, Cal.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at

IAC Acquisition Range-III Calcutta

on 10-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957):

### THE SCHEDULE

All that office space unit 'D' measuring 1558.74 sq. ft, at Hare St. Cal. was registered in the office of IAC Acq. R-III Cal. on 1-4-85 as per form No. 37EE file)

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 9-12-1985.

(1) Lodha Services Private Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Xaroi Investment Ltd.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

### ACQUISITION RANGE, CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 1979/Acq.R-III/85-86.-Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2,

situated at

Hare Street, Cal.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at IAC Acquisition Range-III Calcutta

on 10-4-1985

for an apparent consideraton which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proporety as aforesaid exceeds the apperent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferee; and∕o.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manuely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that office space unit 'B' measwering 4454,12 sq. ft. at 2, Hare Street Cal. was registered in the office of IAC Acq. R-III, Cal. in 11.11.85 as per Form No. 37EE filed.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Calcutta

Date: 9-12-1985.

(1) B. S. Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Tarun Kanti Dutta

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 1980/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I. SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 1/512A

situated at Goriahat Road, Cal.

(and more 1911y described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at

IAC Acquisition Range-III Calcutta on 10-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following wroms namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that flat at 1/512A Garihat Road. It was registered in the office of IAC Acq.R-III, Cal. as per Form No. 37EE filed.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Au hority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Calcutts

Dute : 9-12-1985.

(1) M/s Asareo Investment & Trading Co. Pvt. Ltd. Madras.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s East India Commercial Co. Pvt. Ltd. of 38 Netajee Suwash Marg. Road Calcutta-1.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 1981/Acq.R-II/1985-86.-Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 1.2, 2/1 and 2/2, old Court house Corner and

23 lal Bazar St.

situated at

Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at IAC Acquisition Range-III Calcutta

on 10-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfert and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957): Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—the terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that Property of Fiat No. 4D on 4th floor of premises No. 1,2,2/1 and 2/2, old court House Corner and 31 and 23 lal Bazar st. Cal-1 was registered in the office of IAC Acq. R-III, Cal. on 1-4-85.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the enid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:-

Date: 9-12-1985.

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref .No. 1982/Acqn.R-III of 1985-86.--Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Ss. 1,00,000/- and bearing
No. 1,2,2/1 and 2/2 old court house corner 21 and 23 lal

Bazar St. Calcutta-1

situated at 21&23, Lal Bazar St. Calcutta-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC Acquisition Range-III, Calcutta

on 12-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in sursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Asweo Investment & Hrading Company Pvt. Ltd. of 26, Pyerofits Garden Road. Madras-600 006.

(Transferor)

(2) M/s Chandan Commercial Company Ltd. of 38 Netajee Subhas Road, Calcutta-1

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

### THE SCHEDULE

All that Flat No. 4D on 4th floor of Premises No. 1,2,2/1 and 2/2, old Court House Corner and 21 and 23, Lal Bazar St. Calcutta-700 001 was registered in the office of IAC, Acq. R-III on 1-4-1985.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
> Acquisition Range, Calcutta

Date : 9-12-1985.

(1) B. S. Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Ruby Sarkar

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, **CALCUTTA**

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 1983/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I. SHAIKH NAIMUDDIN,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter to as the sad Ac) have reasons to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Ss. 1,00,000/- and bearing No. 1/512A

situated at

Gariahat Road Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at

IAC Acquisition Range-III Calcutta on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, respect of any income arising from the transfer; and for
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that Flat measuring 727 saft at 1/512A Gariahat Road, Cal. was registered in on office of the IAC R-III, Calcutta on 1-4-85 as per form No. 37EE filed.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 9-12-1985.

(1) Slab Builders of 89 sarat Bure Rd (1st floor) Cal.-26

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sarin Raja Qweshri 202/12, Netaji Subhash Chandre Bose Road, Cal.-47

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE, CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 1984/Acq.R-III of 1985-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable preperty having a fair market value exceeding Ss. 1,00,000/- and bearing

No. 46, Inderpur Central Rd.

situated at Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at

IAC Acquisition Range-III Calcutta

on 10-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIFN: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

### THE SCHEDULE

All that property of flat No. 8, 660 Sft. of Built up area of 46 gadar pur Central Road (New No. 460308) Calcutta-32 was registered in the office of IAC, Acq. R-III Calcutta on 10-4-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other exects which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-58-426GI/85

Date :9-12-1965. Scal:

#### FORM ITNS----

(1) M/s. Madgul Udyog & Other

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Digvijay Rashik Jaitha & Other.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 1985/Acq.R-III/85-86.—Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. 20 at Sarcular Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of Registering Officer at IAC Acq. R-III, Calcutta on 10-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gamette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that flat No. IC (Part) measuring 405 sq. ft. was registered in the office of IAC Acq. R-III, Calcutta on 10-4-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incoms-tax
Acquisition Range-III
54. Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore he pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-12-1985

(1) M/s, Migma Pvt, Ltd., of 30/1, Lansdown Road, Calcuta-20.

(2) Mrs. Meena Das Gupta & Mrs. Maya Sen,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 1986/Range-III/1985-86.-Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 401 on 4th floor of 20/1, Ashu'osh Chowdhury

Avenue situated at Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at IAC, Acqn. R-III on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer wire the object of:---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Calcutta-19. (Transferee)

Suit No. D 8132, Ballygung Circular Road,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the send Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

All that Property at flat No. 401 on 4th floor Premises No. 20/1, Ashutosh Chowdhury Avenue Calcutta-19 was Registered in the Office of IAC, Acqn. Range-III, Calcutta on 1-4-1985 on 1-4-1985.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-III **CALCUTTA**

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 1987/Acqn. R-III/1985-86.—Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the

income-tax Act, 1961 to as the 'said Act'), (43 of 1961) (hereinafter referred

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

23, Ashutosh Chowdhury Avenue, Calcutta

situated at Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at IAC, Acqn. R-III on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the Act Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :-

(1) Migma Pvt. Ltd., of 30/1, Lansdown Road, Calcuta-20.

(Transferor)

(2) Mrs. Maitreyce Hazra C/o, Midland Nursing Home, Bucnpur Road, Asansol-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing is the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that Property at Flat No. 41 on 4th floor 22, Ashutosh Chowdhury Avenue, Calcutta-19 was registered in the Office of IAC Acqn. R-III, Calcuta on 1-4-85.

### SHAIKH NAIMUDDIN

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 9-12-1985

(1) M/s. Madgul Udyog.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Sushil Chandra Roy.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 1988/Acqn. R-III/85-86.—Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
176 situated at Sarat Bose Road, Calcuta-29
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at IAC Acq. R-III. Calcutta on 10-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gaustie or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 5A having an area of 1800 sq ft. and one covered car parking space in the Basement at previous No. 176, Sarat Bose Road, Calcutta-29 and together with an undivided proportionate share in the land under the said building.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-12-1985

(1) M/s, A. & A. Developments (P) Ltd. (Transferor)

may be made in writing to the undersigned :---

(2) Smt Kana Mukhorjee.

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III **CALCUTTA** 

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 1989/Acq.R-III/85-86.--SHAIKH NAIMUDDIN, Whereas I, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 38 situated at Lake Gardens, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of Registering Officer at

IAC, Acqn, R III, Calcuda on 4-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waelth-tag Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period empires later;
- (b) by any other person interested in the said image able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 26 on Northern side on 3rd floor of Right Block being constructed on behalf of the purcrases of the undivided proportionate share of the land of the No. 38, Lake Gurdens and 32, Dr. Dandar Rehaman Road, Calcutta-45 was registered by filling 37EE in the office of IAC Acq. R-III, Calcutta.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afercald property by the base of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follows ing persons, namely --

Date: 9-12-1985

- (1) M/s. Ajanta Credit Corporation.
- (Transferor)
- (2) M/s. Aakash Properties.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 1990/Acq.R-III/85-86.—
Whereas I, SHAIKII NAIMUDDIN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
1, situated at Crooked Lane, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of Registering Officer at
IAC Acq. R-III, Calcutta on 10-4-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evanien of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

518 sq. ft. of office space No. G4 on first floor of 1, Crooked Lane, Calcutta was registered by filling up Form No. 37EE in the office of IAC, Acq. R-III, Calcutta.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwni Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-12-1985

FORM ITNS----

(1) M/s. B. S. Builders.

(Transferor)

(2) N

(2) Mrs. Neepa Bagchi Scth.

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ΛCQUISITION RANGE-JII CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 1991/Acq.R-III/85-86.— Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act,) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. 1/512 A situated at Gariahat Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at IAC, Acqn. R-III on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclose by the transferse for the purposes of the Indiar Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 19 7):

Now, therefore, in pursuance of Sect' n 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings ft; the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. Whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

2 Bedroomed flat on 3rd floor at 1/512A Gariahat Road, Calcutta was registered by filling form No. 37EE in the office of IAC, Acq. R-III, Calcutta.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 9-12-1985

NOTICE UNLER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 1992/Acqn.R-III of 1985-86,----Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN, Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to an the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 522 at fifth floor, 43, Kailash Bose Street,

situated at Catlcutta-6

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at IAC, Acqn. R-III on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferi andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or 'be Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons mamely:—— 59-426G1/85

(1) M/s. Mahesh Property (P) Ltd., 43, Kailash Bose Street, Calcutta-6.

(Transferor)

(2) Mrs. Madhu Agarwal, 43, Kailash Bose Street, Calcutta-6.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

All that Property one flat No. 522 on 5th floor of 43, Kailash Bose Street, Calcutta-6 was registered in the office of IAC Acqn. Range-III on 1-4-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafl Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 9-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Snit. Indira Debl, 117, Muktaram Babu Street, Calcutta-7.

(Transferor)

(2) Mr. V. C. Sood, 14, Guru Saday Road, Calcutta-19,

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 1993/Acqn.R-III of 1985-86,—Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/269. Gariahat Road, situated at Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at IAC Acq. R-III, Calcutta on 10-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer and/or

# (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

All that Property undivided share in Land at 1/269, Gariahat Road, Calcutta was registered in the office of IAC, Acqu. Range-III, Calcutta on 10-4-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-12-1985

#### FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 1994/Acqn.R-III of 1985-86.—
Whereas 1, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

1/269, Gariahat Roud, situated at Calcutta-19 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at IAC Acq. R-III, Calcutta on 10-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of 1—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
   of the transferor to pay tax under the said Act, in
   respect of any income arising from the transfer;
   and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Indira Debi, 117, Muktaram Babu Street, Calcutta-7.

(Transferor)

(2) Mrs. Krishna Sood, 14, Guru Saday Road, Calcutta-19

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said here shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that Property undivided half share in the free hold Land at 1/269 Gariahat Road, Calcutta was registered in the office of the IAC Acqn. Range-III on 10-4-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 9-12-1985

(1) M/s. B. S. Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Gita Roy.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-III

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 1995/Acq.R-III/85-86.—
Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'); have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
512/A, situated at Jodhpur Park, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of Registering Officer at
IAC Acq. R-III, Calcutta on 10-4-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULB

2, Bed roomed flat on 2nd floor of 512/A, Jodhpur Park, Calcuta was registered by filling form No. 37EE in the office of IAC, Acq. R-III, Calcutta.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 9-12-1985

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

### ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 1996/Acqn. R-III of 1985-86.—
Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
\$2D, Ballygung Circular Road, Calcutta-19
situated at Calcutta-19
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been trensterred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of Registering Officer at
IAC, Acqn. Range-III, Calcutta on 6-4-1985
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration in therefor by
more than fifteen percent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument of

ransfer with the object of :-

- (a) facilitating the reducion or evasion of the lability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the lasue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Neclam Soft HI, Apsura, 67 Park Street, Calcutta-16.

(Transferor)

(2) Shri Goverdhan Lal Bhugra, 28/1, Shakespeare Sarani, Calcutta.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property nav be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that Property at 52D, Ballygung Circular Road, Caleutta-19 was registered in the office of IAC Acqn. Range-III, Calcutta on 6-4-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 9-12-1985

(1) Lodha Services (P) Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Bhalotia Foundation.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

\*FFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 1997/Acq. R-III/85-86.—Whereas, I. SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1.00 000/s and bearing No. 2 situated at Hare Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registering officer at IAC Acq. R-II, Calcutta on 10-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilities of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that Sub-base of a portion of the roof measuring 4548.78 sq. ft. marked as unit E and F on the 5th floor. Registered on 10-4-85 in the office of the IAC Acq. R-II. Calcutta.

SHAIKH NAIMUDDINCompetent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Runge-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-12-85

# (1) M/s. Amrita Commercial Co. Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Miss Sreyesee Datta.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acaquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 1998/Acq. R-III/85-86.—Whereas, I. SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing

No. 32/1, situated at Garichat Road (South), Calcutta-31 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at IAC Acq. R-III, Calcutta on 10-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sa'd Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Eastern portion of premises No. 32/1, Geriahat Road (South) Calculla-31 work right for construct a Flat No. & on first floor at her own cost was registered by fully form No. 37EE in the office of the IAC, Acq. R-III, Calculta.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-12-85

(1) M/s. Amrita Commercial Co. Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Narayanaswamy Balasubramaniam.

(Transferce)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

GOVERNMENT OF INDIA

# ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 1999/Acq. R-III/85-86.—Whereas, I. SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing
No. 32/1, situated at Gariahat Road, Calcutta-31 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC Acq. R-II. Calcutta on 10-4-1985 with the Competent Authority u/s. 269AB of the said Act read with rule 48DD of Income, tax Rules, 1962 under registration No. 8987 date 10-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration. Therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating to reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this rotice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein to are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Undivided and undemarcated share in the land at the proposed building at the eastern portion of premises No. 32/1, Geriahat Road, (South) Calcutta-31, with right to construct a Flat No. B on second Floor at his own cost was registered by filling Form No. 37EE in the office of IAC Acq. R-III, Calcutta.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaig property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-12-85

FORM I.T.N.S.——

(1) M/s. Kalra Investors (P) Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Sarla Devi Goenka.

# GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT. COMMIS-

# SIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2000/Acq. R-III/85-86.--Wherens, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

ment of transfer with the object of-

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. 34/2A situated at B.C. Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JAC Acq. R-II, Calcutta on 10-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-

(a) facilitating the reduction or evasion of the fieldity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore-aid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-60-426 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDOLE

All that flat measuring 438 sq. ft. was registered in the office of the IAC Acq. R-III, Calcutta on 10-4-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 9-12-85

(1) M/s. Damodar Ropeways Construction (P) Ltd. (Transferor)

(2) Sushila Tikmany.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ΛCQUISITION RANGE-III CALCUTTΛ

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2001/Acq. R-III/85-86-Whereas. I, SHAIKH NAIMUDDIN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 2, situated at Rowland Road, Calcutta

No. 2, situated at Rowland Road, Calculta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acq. R-III, Calculta on 6-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate precedings for the acquisition of the reforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act to the following persons, namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE .

All that Flat No, 'D' Ward undivided share in the land measuring 866 sq. ft.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafl Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 9-12-85

(1) M/s. Damodar Ropeways & Construction Co. (P) Ltd.

(2) Pushpa Tikmany.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OP 16(1)

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF MINEA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2002/Acq. R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Compotent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have resean to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. 2, situated at Rowland Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred uner the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC Acq. R-III, Calcutta on 10-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property wihtin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaussia.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Bability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

All that Flat No. 'C' measuring 866 sq, ft. and undivided share in the land.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 2669D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 9-12-85

(1) M/s. Mahesh Property (P) Ltd. 43, Kailash Bose St. Calcutta-6.

(Transferer)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Madhu Bansal, 140, Tarak Parmamle Road, Calcutta-6.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2003/Acqn. R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing

Rs. 1.00,000/- and bearing
No. 43 Kailash Bose situated at Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act. 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
IAC Acq. R-III, Calcutta on 10-4-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer-and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-lection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manualy:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that Property flat No. 222 at 2nd floor of 43, Kailash Bose St. Calcutta-6 was registered in the office of IAC Acqn. R-III, Calcutta on 10-4-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date: 9-12-85

(1) M/s. Satyam Projects.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Hindusthan Motors Ltd.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2004/Acq. R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2 situated at Rowland Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the offlice of the Registering Officer at IACl Acq. R-III, Calcutta on 18-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

), 08 at

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1967);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that flat No. GE in the premises of 2, Rowland Road, Calcutta was registered in the office of IAC Acq. R-III, Calcutta on 18-4-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date: 9-12-85

Seal ;

(1) Southend Estates Private Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Majuli Tea Co. (P) Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2005/Acq. R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1.00.000/- and hearing No. 6, situated at Southend Park, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC! Acq. R-III, Calcutta on 18-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/er

All that property as per agreement which was registered in the office of the IAC Acq. R-III, Calcutta as per Form No. 37EE filed.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-12-85

#### FORM I.T.N.S.-

(1) Southond Estates Private Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) George Williamson.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2006/Acq. R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 6, situated at Southend Park, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acq. R-III, Calcutta on 18-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section \*69D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that property as per agreement which was registered in the office of the IAC Acq. R-III, Calcutta as per Form No. 37FE filed.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcuttu-16

Date: 9-12-85

(1) Migma (P) Ltd.

(Transferor)

(2) Salil Kumar Ghosh.

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-HII CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2007/Acq. R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (koreinafter referred to as the 'sak' Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing

No. 64 situated at Southend Park, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acq. R-III, Calcutta on 18-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Flat No. 42 measuring 985 sq. ft.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
54, Rafl Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date: 9-12-85

### FORM I.T.N.S.---

(1) S. Swaran Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Vinodrai Shanghvi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2008/Acq. R-III/85-86.—Whereas, 1. SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. 4A situated at Roy Street, Calcuta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acq. R-III, Calcutta on 18-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceament of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

All that property registered in the office of the IAC Acq. R-III, Calcutta on 18-4-1985 as per agreement & Form No. 37EE filed.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Read,
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—61—426 GI/85

Date: 9-12-85

#### FORM ITNS ....

(1) Migma (P) Ltd.

(Trausferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(1) Sitansu Banerice.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2009/Acq. R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing

No. 39/1 situated at Lansdown Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at IAC Acq. R-III, Calcutta on 18-4-1985 for an apparent consideration which is tess than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property of the prop

IAC Acq. R-III, Calcutta on 18-4-1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that Flat No. E-7 1015 sq. ft.

SHATCH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-12-1985

FORM I.T.N.S.—

(1) P. R. Rao

(Transferor)

(2) Pratul Chand Mukherjee.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-III 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2010/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/1, situated at Lave Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC.Acq/R-III, Calcutta on 18-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such aparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the Mability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 43/Area-1313 sq. ft.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
54, Rafi Ahmed Kidwar Road,
Calcutte-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 9-12-1985

(1) M/s. Mahesh Properties (P) Ltd

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ramesh Chandra & Others.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD
CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. Acq. R-III/5-86.—Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ro. 1,00.000/- and bearing No. 43 situated at Kailash Bose Street, Calcuta (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at IAC Acq/R-III, Calcutta on 18-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration said that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of :-

endlor

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that Flat registered on as agreement & Form No. 37EE Filed in the office of the IAC Acq.R-III. Calcutta on 18-4-85

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
54, Rafi Ahmed Kidwał Road,
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hreby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-12-1985

(1) Pasupati Co-op. Housing Soc. Ltd.

(Transferor)

(2) Mrs. Rukshmani K. Gorsia.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD **CALCUTTA** 

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2012/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing
No. 62/7/1B situated at B. C. Road, Calcutta No. 62///18 situated at B. C. Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at IAC.Acq/R-III, Calcutta on 18-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason 10 believe that the fair market value of the property as aforesaid the imparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that property described in the Form No. 37EE filed.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :---

Date: 9-12-1985

(1) Siddharta Mukherjee & Ors.

(Transferor)

(2) Multicon Builders Ltd.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

COVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD
CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2013/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing

No. P-17A situated at Ashutosh Chowdhary Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule enneyed hereto).

No. P-17A situated at Ashutosh Chowdhary Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at IAC.Acq/R-III, Calcutta on 18-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULB

All that property which was registered in the office of the IAC.Acq.R-III, Calcutta on 18-4-1985 as per Form No. 37EE filed.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
54, Rafi Ahmed Kidwal Road,
Calcutn-16.

Date: 9-12-1985

(1) Purbasa Nirman Udyog (P) Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Arniya Kesman Sen.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD
CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2014/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a feir market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 17-D, situated at Ashutosh Chowdhary Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 19-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hertby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that property registered under Deed No. 1/5807 at Calcutta on 19-4-1985

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafl Ahmed Kidwai Road,
Calcuta-16.

Date: 9-12-1985

#### FORM ITNS ---

(1) Purbasha Nirman Udyog (P) Ltd.

(Transferor)

N()TICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dilip Kumar Roy.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III

54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2015/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I. SHAIKH NAIMUDDIN, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (he einafter referred to as the 'said Act'), have reason

1961) (he enatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 17D situated at Ashutosh Chowdhary Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcuta on 30th April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the pacties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

All that property registered under Deed No. I/6433 on 30-4-1985 at Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16.

Now, therefore, in parsuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid properly by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 9-12-1985

(1) Damodar Ropeways & Construction (P) Ltd. (P) Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Nand Kishore Tiknany.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD
CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2016/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2, situated at Rowland Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16-of 1998) in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq-R-II, Calcutta on 10-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair nurket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than iffecen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions—used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

All that flat 'A' measuring 1136 sq. ft registered as per 37EE Form filed.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tan
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely 62—426 GI/85

Date: 9-12-1985

FORM ITNS ----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

# ACQUISITION RANGE-III 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2017/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I. SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing
No. 2, situated at Rowland Rond at IAC/Acq-R-III, Calcutta on 10-4-1985 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-III, Calcutta on 6th April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect a property of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the to as the 'said Act'), have reason to believe that the imconsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :-

- (1) Damodar Ropeways & Construction (P) Ltd. (Transferor)
- (2) Arun Kumar Periwal & Ors.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (n) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that flat No. 'A' measuring 2003 sq ft., registered as per Form No. 37EE Filed.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwal Road Calcutta-16

Date: 9-12-1985

#### PORM ITNS.

- (1) Amrita Commercial Co. (P) Ltd.
- (Transferor)

- NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
- (2) Dr. Mercy Beemer.

#### (Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III

54, RAFI AIIMED KIDWAI ROAD CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2018/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 32/1, situated at Goriahat Road (S)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. R-III. Calcutta on 6-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said lastrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that flat measuring 1090 sq ft, registered as per Form No. 37EE filed in this office.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Competent Authority
Acquisition Range III
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD
CALCUTTA

Calcutia, the 9th December 1985

Ref. No. 2019/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having to fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

32/1, situated at Gariahat Road (S)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer
at IAC/Acq-R-III, Calcutta on 10-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely:—

(1) Amrita Commercial Co. (P) Ltd.

(Transferor)

(2) Buddhader Dasgupta & Others.

(Transferce)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

#### THE SCHEDULE

All that flat measuring 1360 sq. ft. registered in this office as per Form No. 37EE filed.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutts-16

Date: 9-12-1985

(1) Kalra Investors (P) Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Satya Bhama Gupta.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III

54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2020/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 25 situated at B. C. Road Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq-R-III, Calcutta on 10-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULB

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that property registered in this office as per Form No. 37EE Filed . Area—2585 sq. ft.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-12-1985

(1) Kalna Investors (P) Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kum Kom Gupta.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2021/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1 00 000/- and beging

as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 25 situated at B. C Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at IAC/Acq-R-III, Calcutta on 10-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Acu, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

# THE SCHEDULE

All that property measuring 2892 sq. ft. registered in this office as per Form No. 37EE filed.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of ≥57);

SHAIKH NAIMUDDIN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-12-1985

Seal a

(1) Indu Bahen Ajmera.

(Transferor)

(2) Dhirendra Kumar Hariballar Jhuveri.

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2022/Acq. R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding 'Rs. 1,00 000/- and bearing No.

No. 32 situated at Meghnad Saha Sarani, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcuta on 10-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesa'd property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Object!ons, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facthoning the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

### THE SCHEDULB

All that flat No. 10. Registered at Calcutta vide Deed No. 2728 dated 10-4-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date :9-12-85 Scal :

(1) Bhupen Muganlal Mehta & Ors.

(Transferor)

(1) Kashi Prasad Jalan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2023/Acq.R-III/85-86.—Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 32 situated at Meghnad Saha Sarani,
(and more fully described in the Schedule annered hereto),
has been transferred under the Registra'ion Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer
at Calcutta on 10-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of svanion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 20 registered at Calcutta vide Deed No. 2727.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcuta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by te issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follownersons, namely:—

Date :9-12-85

(1) Shiva Rani Biswas.

(Transferor)

(2) Ahim Kumar Ghosh.

(Transferce)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2024/Acq. R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 34B situated at Sardar Sankar Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

Calcutta on 26-4-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ex which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that property registered under Ded No. I 6346

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Read, Calcuta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following narrance samply:—63—426 GI/85

Date :9-12-85 Seal ; FORM I.T.N.S.—

(1) Asok Kumar Sahai,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) A.F. Ferguson & Co. Apecjay House.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2025/Acqn. R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, peing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. 5, Lower Rowdon St. Calcutta situated at Calcutta Sub-Registrar of Assurance on 21-4-1985, (and more fully described in the Schedule annexed hereta), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Sub-Registrar of Assurance on 21-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been fully stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that properties one flat on 9th floor bearing Premises No. 5 Lower Rowdon St. Calcutta was Registered in the office of Sub-Registra) of Assurance on 21-4-1985 vide deed No. I-6045 dated 21-4-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-JII
54, Rafi Ahmed Kidwai, Calcutta-16

New, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-12-1985

The first state of the first to the first state of (1) Anup Bose as Kash of HUF consisting of Smt. Usha Bose & others. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Hansh Commercial Co, Pvt, Ltd. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

#### ACQUISITION RANGE-JII CALCUTTA

(b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Calcutta, the 9th December 1985

being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is: that Chapter.

Ref. No. 2026/Acqn. R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 86, Ballyagang Place situated at Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Registrar of Assurance on 23/4/1985, for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the confediment of any income or any moneys or other sesets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

# THE SCHEDULE

All that properties at 86 Ballygang Place was Registered in the office of Registrar of Assurance Calcutta vide deed No. 9-6089 dated April 1985.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai. Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 9-12-1985

#### FORM ITNS----

(1) Biman Dhar.

(Transferor)

(2) M/s. Saptasur Co-operative Housing Society Ltd.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-JJJ CALCUTTA

Calcutta The 9th Deceber 1985

Ref. No. 2027/Acqn. R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, veing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. Nagendra Narayan Dutta Road, situated at

Tollygang, Calcutta,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

Sub-Registrar of Assurance in April 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration ration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, uncrefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeasid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, ramely:---

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that properties of one storied Brick built together with free hold land of 8 Nagendra Narayan Dutta Road, Tollygang was registered in the office of Sub-Registrar of Assurance Calcutta in April 1985 vide deed No. 9-6006/85 dated April, 1985.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-Ill 54, Rafi Ahmed Kidwai, Calcutta-16

Date: 9-12-1985

### FORM ITNS ---

- (1) Triwald Properties.
- (Transferor)
- (2) Triveni Tissue Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-III CALCUTTA

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2028/Acqn.R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKII NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 225, Achariya Jagadish Ch. Bo. Road SE/A Buleygang circular Road, situated at Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of Registering Officer at Sub-Registrar of Assurance in April 1985. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the marking has not been truly stated in the said between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

All that properties of 1/72th Part of share of 4 bighas 15 chittaks 9 sanaro feet and 3 cottabs 11 chittaks bearing Premises No. 225, Achariya J. C. Bose Road and 1A Buleygang circular Road. Calcutta was Registered at Sub-Registrar of Assurance Calcutta vide deed No. 26488 dated April 1985.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-III
> 54, Rafi Ahmed Kidwai, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followhe persons. namely :— 127—416 GI/85

Date: 9-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2029/Acqn. R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Sucome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act, have reason to believe that the immovable property begins a fair market value recorded to the second of the second property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 24/2-Lake Avenue Calcutta situated at Calcutta-29, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Sub-Registrar of Assurance on 17-4-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any mome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

(1) Manalendra Chowdhury P-556 C.I.T. Scheme Calcutta-29.

(Transferor)

(2) Sadanenda Kawat, Village Kulchanda P.O. Bhular Dist. Burdwan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that properly at 24/2, Lake Rvenue, Calcutta-29 was registered in the office of Sub-Registrar of Assurance Calcutta vide deed No. 9-5683 dated 17-4-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai, Calcutta-16

Date: 9-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2030/Acqn.R-III/85-86,-Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, heing the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Surplus land of Port Commission between Diamond stabour Rd. & Tolly's Walla situated at Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer Sub-Registrar of Assurance on 21-4-1985.

for an apparent consideration which is less than the fait market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Arun Kr. Guha & Chhaya Rani, Guha of 46A, Girish Mukherjee Road.

(Transferor)

(2) Archuram Kill & others, (Sheilach) P. Ltd., 25/26, Stephen House 5 B.B.D. Bag East Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that property of Port Commissioners' Surplus land lying between Diamond Harbour Road, Tolly's Nalla vide deed No. 1-6088 dated 21-4-1985 was registered in the office of Sub-Registrar of Assurance, Calcutta,

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai, Calcutta-16

Date: 9-12-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Bhubaneswar Mullick Barabaar, Chin Surah Dist. Hooghly.

(Transferor)

(2) Cossipore Rolling Mills (P) 1 td. 43 Strand Road, Calcutta.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2031/Acqn.R-III/85-86.—Whereas, I,

SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the iminov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 43 Strand Road situated at Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of Registrative Officer at 1908) in the office of Registering Officer at Sub-Registrar of Assurance on 23-4-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties have not been taken to the consideration for such transfer as agreed to between the parties have not been taken to be the consideration for such that the parties have not been taken to be the consideration for such that the parties have not been taken to be the consideration for such that the parties have not been taken to be the consideration that the consideration for such that the consideration the consideration the consideration that the consideration for such that the consideration the consideration the consideration that the consideration for such that the consideration that the consideration for such that the consideration the consideration that the consideration for such that the consideration the consideration the consideration and that the consideration for such that the consideration the consideration that the consideration that the consideration that the consideration the consideration the consideration that the consideration the consideration that the consideration that the consideration that the consideration the consideration that the consideration that the consideration the consideration that the consideration the consideration that the consideration that the consideration that the consideration the consideration that the consideration that the consideration the consideration that the consideration the consideration the consideration the consideration that the consideration that the consideration that the consideration t ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Iudian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that property or Parcel of land measuring 4 cottahs more or less with 5 storeved Brick Built building of 43 strand Road was registered in the office of Sub-Registrar of Assurance, Calcutta vide deed No. I-6033 dated 23rd April 1985.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to be following gpersons, namely .-

Date: 9-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2032/Acqn. R-III/85-86,—Whereas, I. SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. 61E Sarat Bose Road, Calcu to situated at Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at Sub-Registrar of Assurance on 17-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—64—426 GI/85

(1) Amarendra Nath Mitra 61C & 61D Sarat Bose Road, Calcutta. (Transferor)

(2) Jagat Nath Aguwalla & Ors. 194 S.P. Mukherjee Road, Calcutta.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The Terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that property at 61E Sarat Bose Roud of P.S. Bhawanipur, Calcutta was registered in the office of Sub-Registrar of Assurance vide deed No. 1-5671 dated 17-4-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Calcutta

Date: 9-12-85.

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-ANY ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Vasundara Properties (P) Ltd. 8, Camac Street, Calcutta-17.

(Transferor)

(2) Esbi Transmission (P) Ltd. 8, Camac Street, Calcutta-17.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Culcutia, the 9th December 1985

Ref. No. 2033/Acqn.R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN being the Competent Authority under Section 269B of the

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable is operty, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No Vasundara 2/7 Sarat Bose Road

No vasundara 2// Sarat Bose Road situated at Calcutta-20,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at Sub-Registrat of Assurance on 6-4-1985

for an amount to usideration which is less than the fur market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the 1st market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 lays from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that property at Vasundara Office, Space No. 2 on 7th floor of 2/7, Sarat Bose Road, Calcutta-20 was Registered in the Office of the Sub-Registrar of Assurance Calcutta on 6-4-85 vide deed No. I-5149.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Acquisition Range-III, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the eaid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-12-85

(1) Vasundara Property (P) Ltd., 8. Camuc Street, Calcutta-17.

(Transferor)

(2) Esbi Trunsmission (P) Ltd., 8, Camac Street, Calcutta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2034/Acqn. R-III/1985-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 2/7, Sara: Bose Road situated at Culcutta-20 has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 ot 1908) in the office of Registering officer at Sub-Registrar of assurance on 6-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
  - (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta.
- EXPLANATION:—The 1.tms and expressions used herein as are defined in Chapter AXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay two under the said Act, in respect of any income ar ling from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

All that Property at 'Vasundara' office Space No. 1 on 7th floor of 2/7, Sarat Bose Road was Registered in the office of Sub-Registrar of Assurance, Calcutta on 6-4-1985 vide deed No. I-5150.

SHAJKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
54, Rafi Ahmed Kidwol Road
Acquisition Range-III, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-12-85

(1) S. C. Nag Biswas, 18, Jodepur Park.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The Backtarpur Co-operative Housing Society Ltd.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2035/Acqn.R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 18, Iodepur Park situated at Calcutta. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at Sub-Registrar Alipore on 17-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax upder the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- All that Properties at 18, Jodhpur Park Calcutta-68 was Registered in the office of Sub-Registuar, Alipore, 24 Parganas vido deed No. 2953 dt. 17-4-85.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
54, Rafi Ahmed Kldwai Road
Acquisition Range-III, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-12-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT (96) (41 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2036/Acqn.R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) Thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 12. Rowiana Row studied at Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration A.t, 1503 (10 1908) in the Office of the Registering Officer at

Sub-Registrar of A surance on April, 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteer, per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and /or:

(b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mrs. Chandra Kunta Nayar, 15-C, Park Street, Calcutta.

(2) Gayanto Kumar Prabhu Das & Ors.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Clazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used begoin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that Properties of one flat No. 1A on 1st floor of 12 Rowland Row Calcutta was Registered in the office of Sub-Registrar of Anurana, Calcutta vide deed No. 1-3902P/85 dt. April. 85.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax 54, Rafi Ahmed Kidwoi Road Acquisition Range-III, Calcutta

Date: 9-12-85

#### FORM IINS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2037/Acqn.R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing
No. 20, Bullyganj Circular Road situated at Calcutta. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the office of Registering officer at Sub-Registrar of Assuance on 29-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been ruly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Madqul, Udyog of 20, Builyganj Choular Road, Calcuta.

(Transferor)

(2) New Bank of India, 1225-C, A.G.C. Bose Road, Calcu.ta.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shell have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that Properties of Flat No. 2A on the 2nd floor with servants quarter at 20, Bullyganj Circular Road, Calcutta together with one lovered car Parking was Registered in the office of Sub-Registrar of Assurance vide deed No. I-6032P/85 dated 4-4-85.

SHATKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
54, Rafi Ahmed Kldwui Road
Acquisium Range-III, Calcutta

Date: 9-12-85

- (1) Sri Saratwati Das & Ors.
- (Transferor)

(2) Mrs. Jaba Jain.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2038/Acqn.R-III/85-86,—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 20-K, Ballygan refrace situated at Calculta

No. 20-K, Ballygans respace situated at Calculta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer

of 1908) in the office of Registering Officer at Sub-Registrar, All-ore on 23-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to betieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that Properties at Premises No. 20-K, Ballyganj Ternace was registered in the office of Sub-Registrar, Alipore vide deed No. 3170 dt. 23-4-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
54. Rafi Ahmed Kidwai Road
Acquisition Range-III, Calcuita-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-12-1985

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2039/Acc R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent' Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ps. 1.00,000/- and bearing

Flat No. 4 of 7th floor situated at 55, Ezra Street, Calcut a-1. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Calcutta on 11-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the and Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M/s Shree Nursing Sahay Madan Goal Engineers Pvt. Ltd., 55 Ezra St., Calcutta-1.

(Transferor)

(2) Sri Koshalya Devi Toshniwul, 55, Ezra Street, Calcutta-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have 'he same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that flat No. 4 of 7th floor of 55 Ezra St. Calcuttavide Registered No. I-6478P dt. 11-4-1985 at Calcutta.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
54, Rafi Ahmed Kidwal Road
Acquisition Runge-II, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX AGT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2040/Acqn.R-III/85-86.-Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hersinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. 2, Mandavilla Garden situated at Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at IAC Acqn. R-III, Calcutta on 1-4-85

IAC Acqn. R-III, Calcutta on 1-4-85
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 65-426 GI/85

(2) Smt. Alakananda Mukherjee, 51-D, Gariahat Road, Calcutta-19.

(Transferor)

(2) Bhawani Commercial (P), Ltd., P-16, New CIT Road, Calcutta-73.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that flat No. 6, Measuring 675 Sq. ft. in the Premises No. 2 Mandavilla Garden was registered in the office of the IAC Acqn. R-III on 1-4-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Date: 9-12-1985

## FORM JTNS

(1) Migma Private Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Radheshyam Banka.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-Ш CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2041/Acqn.R-III, 85-86.—Whereas, I. SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property baying a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. 39 'I situated at Lansdowne Road, Calcutta. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at at IAC, Acqn. R-III, Calcutta on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as officer and exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the raid instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days
  from the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

A residential flat measuring approx 1650 sq. ft. being flat No. C-5 on the fifth floor by flat No. B-5 & A-5 being premises No. 39/1, Lansdowne Road, Calcutta-20 was registering by duly form No. 37EE in the office of IAC, R-III, Calcutta.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-12-1985

FORM ITNS

(1) Pranab Krishna Chandhuri.

(Transferor)

(2) R. Seshadri,

والمعالم والمسكرة والمراور والأواري والمراوي والمعاربة فعال فياستين والمنافر والمنافر والمراور والمراور والمراور والمراور

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III **CALCUTTA**

Calcutta, the 16th December 1985

Ref. No. 2042/Acqn.R-III/85-86.-Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-ter Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 6, Coltgreen situated at Urban Complex Prase-II,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1903 (15)
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Calcutta on 8-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to netween the surfice has not been truly stated in the said instrument of unumer with the orders of t-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. ARE/OR
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

...... exerciore, in pursuance of Section 269C of the said aw. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D 13 the said Act, to the following person namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .- The terms and expressions used herein as are dened in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that property flat No. 5 at Golf Green registrar at Calcutta vide deed No. 2675 dt. 8/4/85.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Incomo-tax Acquisition Range-11k 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Date: 16-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE BHOPAL M.P.

Bhopal, the 18th December 1985

Ref. No. IAC 'Acq./BPL./6206.-Whereas, I, V. P. SRIVASTAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Commercial flat No. 305. 3rd floor, 12/2,

R.N.T. Marg. Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Section 269-AB of the said Act (in accordance with the procedure prescribed in Rule 48DD of the Incometax Rules, 1962) (and the statement of transaction of which has been deeped to have been registered under Section 269-AB of the said Act, in the office of the Competent Authority at Bhopal in October, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

roarket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per centof such apparent consideratino and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Choudhary Industrial & Investment (MP) Pvt. Ltd., 12/2, Rabindranath Tagore Marg, Indore.

(Transferor)

(2) M/s. Shakti Co-Extrusion Pvt. Ltd., through Director Sh. Amitabh Agarwal, 313, Jawaher Marg, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aloresald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period explres later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Commercial flat no. 305, third floor, is situated at 12/2, Rabindranath Tagore Marg, Indore.

> V. P. SRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Aayakar Bhawan Opposite Maida Mill Bhopal

Dato: 18-12-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL M.P.

Bhopal, the 18th December 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl/6207.—Whereas, I, V. P. SRIVASTAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Commercial flat No. III, 1st floor, 12/2, R.N.T. Marg,

Indőre.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under Section 269-AB of the said (in accordance with the procedure prescribed in Rule 48DD of the Incometax Rules, 1962) (and the statement of transaction of which has been deemed to have been registered under Section 269-AB of the said Act) in the office of the Competent Authority at Bhopal in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; no/bga
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. \* the following persons, manualy:--

(1) Choudhary Industrial & Investment (MP) Pvt. Ltd., 12/2, Rabindranath Tagore Marg, Indore

(Transferor)

(2) Shri Sriniwasji Arora S/o Late Shri Gordhanlalji Arora, Bhyawar (Rajasthan).

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aloresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Commercial flat No. III, (Ist floor), is situated at 12/2, Rabindranath Tagore Marg, Indore.

> V. P. SRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Aayakar Bhawan Opposite Maida Mill Bhopal

Date: 18-12-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AA ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE BHOPAL M.P.

Bhopal, the 18th December 1985

Ref. No. IAC Acq./BPL./6208.—Whereas, I, V. P. SRIVASTAVA

v. P. SKIVASIAVA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Open land 6487 sq. ft with one room and a swimming pool at Bhopal in July, 1985 (and more fully described in the Schedule appared hards).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Section 263-AB of the said Act (in accordance with the procedure prescribed in Rule 48DD of the Incometax Rules, 1962) (and the statement of transaction of which has been deemed to have been gistered under Section 269-AB of the wild Art) in the office of the Competent Authority at Bhopal in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Ravikumar S/o Sh. Vaidhaman Dafria, Rituvan. Rambagh. Ratlam.

(Transferor)

- Mrs. Jakiyabal W/o Sh. Hakimuddin,
   Mr. Johar S/o Sh. Hakimuddin,

  - 3. Mr. Majhar S/o Sh. Hakimuddin,
  - 4. Mr. Mustafa S/o Sh. Hakimuddin, 5. Mr. Yusuf S/o Sh. Hakimuddin, All R/o Taherpura, Ratlam,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used hereia as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land 6487 sq. ft, with one room and swimming pool is situated at Rambagh, Ratlam.

> V. P. SRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Aayakar Bhawan Opposite Maida Mill Bhopal

Date: 18-12-85

FORM ITNS-

(1) M/s. Parijat Cinematic Enterprises (P) Ltd.,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Chandraprakash Yugraj, Vishnusingh, Indore (39/4, New Palasia). (Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, BHOPAL

Bhoral, the 16th December 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl/6209.—Whereas, I, V. P. SRIVATSTAVA

being the Competent Authority under Section 269B the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market

value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing property Shop No. 27, Ground floor of Jhabau towers, 170, RNT Marg,

Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Section 269-AB, of the said Act (in accorance with the procedure prescribed in Rule 48DD of the Income-tax Rules, 1962) (and the statement of transaction of which has been deemed to have been registered under Section 269-AB of the said Act) in the office of the Competent Authority at Bhoral on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any lucome arising from the transfer: ind/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purrowes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaetzte.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

### THE SCHEDULE

Shop No. 27 of ground floor of Jhabua tower is situated at 170, R.N.T. Marg, Inodre.

> V. P. SRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 16-12-85

#### FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Parijat Cinematic Enterprises (P) Ltd., Indore.

(2) Sh. Chandraprakash, Yugraj, Vishnusingh, 39/4, New Palasia, Indore.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 16th December 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl/6210.—Whereas, I, V. P. SRIVATSTAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of '961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing property No. Shop No. 28 of Ground floor, Jhabua towers, 170, RNT Marg, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Section 269-AB of the said Act (in accorandce with the procedure prescribed in Rule 48DD of the Income-tax Rules, 1962) (and the statement of tran-

or the income-tax killes, 1902) (and the statement of fransaction of which has been deemed to have been registered under Section 269-AB of the said Act) in the office of the Competent Authority at Bhoral on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personwhichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. 28 in ground floor of Jhabua tower is situated at 170, R.N.T. Marg, Indore.

> V. P. SRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the mate Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-12-1985

~<u>\_\_\_\_\_\_</u>

FORM ITNS-

(1) S. Elias W/o H.T. Elias, Samuel Elias, H. K. Elias, B. K. Fhas, All Ss/o H. I. Elias, P. 289, Darga Road, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Alim Bux & Rahim Bux S/o Karim Bux, Nava Mohalla, Jabalpur,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/6110.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and

bearing No. Nazul Plot No. 27, Block No. 5, situated at Napier Town, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jabalpur on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : --

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; end or

(b) facilitating the concentrates of any income or any escentry or other access which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Woulds-tar Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herem as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Nazul Plot No. 27, Block No. 5 is situated at Napier town. Jubalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons eamely :-- 66-426 G1/85

Date: 10-12-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 10th December 1985

Ref. No. JAC/Acqn./Bpl./6111.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing.

Property No. 813, 814, 815 & 816 situated at (Old No. 337, 337/1, 337/2, 337/3) on plot No. 27 Block No. 5, Napier Town, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S. Elias W/o H. T. Elias & Samuel Elias, H. K. Elias, B. K. Elias All S/o H. T. Elias, P-289, Darga Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) Ashish Kumar S/o Devendra Kumar Jain, R/o Gol Bazar, Jabalpur,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested is the said immovable property within 45 days from the date of, the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property bearing No. 813, 814, 815 & 816 (Old No. 337, 337/1, 337/2, 33<sup>7</sup>/3) is situated on plot No. 27, Block No. 5, Napier Town, Jabalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

V. P. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 10-12-1985.

ere and anomalia and entered

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (41 OF 1961)

## (1) Purnima Chouhan W/o Sh. Harilel Chouhan, R/o Katora Talav, Raipur.

(Transferor)

(2) Rajnikant S/o Tribanklal Mehta, R/o Bajnathpara, Raipur.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6112.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House situated at Katora Talao, Civil Lines, Raipur

House situated at Katora Talao, Civil Lines, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on April 1985

Japaipur on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House is situated in Katora Talao, Civil Lines, Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sersons, namely: ...

Date: 10-12-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Chimnulal alias Chimanlal S/o Sh: Purshottam Bhai Patel R/o Juna Bilaspur.

Transferee)

(2) Shakuntala Devi W/o Sh, Bhagwandas Goyal R/o Navapara, Rajim, Teh. Raipur.

(Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6113.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Plot bearing Kh. No. 1487/3, 1487/7 situated at Mangla, Bilaspur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jabalpur on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andler
- (b) facilitating the concealment to any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1920 (11 ed 1922), or the said Act, or the Wesith-tax Act, 1967 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said unmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

REFLAMATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot kh. No. 1487/3 & 1487/7 is situated at Mangla, Bilaspur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-12-1985.

FORM 1.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6114.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing Plot No. 43/2 (Sheet No. 121) situated at Mohalla Patharguda, Jagdalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and to
- 4b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefort, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Bhawani S/o Mansaram Koshta R/o Mohalla Pathraguda, Jagdalpur, Dist. Bastar. (Transferce)

(2) Biju Bose W/o Sh. Chinmay Bose, R/o Jagdalpur, Dist. Bastar (MP),

(Transferor)

Objections it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- 45 days from the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said interestable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official guzzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 43/2 (Sheet No. 121) is situated at moballa Pathroguda, Jagdalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 10-12-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6115.---Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that he immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing

Kh. No. 400/656 situated at

Vill. Sumeda, Teh. Huzur, Rewa-Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at Huzur on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers andler.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Veerbhadra Singh S/o Sh. Ramkumarsingh Devrajsingh S/o Kedar Singh both r/o Vill, Sumeda, Teh. Huzur, Dist. Rewa.

(Transferor)

(2) Arif Construction (P) Ltd., 28, Navalkishore Hazaratganj, (UP).

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

l and Kh. No. 400/656 is situated at village Sumeda, Teh. Huzur, Dist. Rewa. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 10-12-1985

#### FORM ITNE

- (1) Kundon Singh S/o Sardar Tara Singh, Truck Driver, Jeypore, Dist. Koraput, Orissa, (Transferor)
- (2) Malkit Singh S/o Sardar Mansha Singh, Truck Driver of Balaji Ward, Jagdalpur, Dist. Bastar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6116.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Plot Nos. 1/10, -/38 (Sheet No. 98, 108)
situated at Kachdrapara in Kumbharpura Ward, Jagdalpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering at Jagdalpur in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than ilfteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any imposme arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the ladian Income-tax Act, 1922 (11 of (922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 1/10, 1/38 (Sheet No. 98, 108) is situated at Kachdrapara, Kumbharpura, Ward, Jagdalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferec.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rang., Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely 124—416 GI/85

Date: 10-12-1985

## FORM ITNS-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Shanfidevi W/o Gaurishanker Jaiswal, R/o Badi Omti, Jabalpur,

#### (Transferor) (2) Madanlal Anand S/o Sh. Amarnath Anand, R/o Choti Omti, Jabalpur.

(Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6117.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act") have reason to believe that the im-movable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing bearing bearing No. 776 & plot No. 144 (Part thereof) situated at Badi Omti, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 1908) in the office of the Registering at

Jagdalpur in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) incilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Weatla-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 776 is situated in Badi Omti (on plot No. 144) Block No. 91 at Jabalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal

Date: 10-12-1985

#### FORM 1.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6118.-Whereas, I,

V. P. SHRIVASTAVA
being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-lax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing bearing No. House on plot No. 618 of Scheme No. 9 situated at Shanti Nagar, Damoh Naka, of Jabalpur

Development Authority (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at Huzur on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforethan fifteen per cent of such apparent consideration therafor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

67-426 G1/85

(1) Maheshdutta Mishra S/o Krishnadutta Mishra R/o 589, Shanti Nagar, Damoh Naka, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Satischandra Sharma S/o Sh. Gaya Pd. Birthariya, 92, Lordganj, Jabalpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazetta.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 618 & the house thereon is situated at Scheme No. 9 of Jabalpur Development Authority at Shanti Nagar, Damoh Naka, Jabalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal

Date: 10-12-1985

Seel

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpi./6119.-Whereas, I.

V. P. SHRIVASTAVA
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

tand bearing No.
Land Kh. No. 442, 443/2 situated at Bavadia Kalan, Teh. Huzur, Bhopal
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fall market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) ficilitating the reduction or evaplent of the limbility of the immaferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Girdharilal S/o Bhavarji R/o Vill. Bavadia Kala, Teh. Huzur, Bhopal.

(Transferor)

(2) Scema Sahkari Grih Nirman Sanstha Maryadit, Thro' President: Shri Abdul Rashid So/ Noor Khan 5/75, Ravishanker Nagar, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of Ao days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter

#### THE SCHEDULE

Land Kh. No. 442, 443/2 is situated at Vill. Bavadia Kala, Teh. Huzur, Dist. Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:-

Date: 10-12-1985

#### FORM I.T.N.S.-

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Spl./6120.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00.000/- and bearing
No. Part of Plot No. 1514 (New No. 1514/3) situated at
Rs. 1,00,000/- and bearing

Katra, Rewa

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

Rewn on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or he Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

- 1. Jogendra Kumar Verma—Self & thro' generali
  - power of attorney, 2. Jagdish Prasad Verma,
  - 3. Devendra Verma,
  - 4. Sudhirkumar Verma.
  - 5. Dr. Praveen Kumar S/o late Shri Hiralal Verma, Smt. Vinodini Verma D/o. Sh. Haridwar.

(Transferor)

- (2) I. Mehmooda Bano W/o. Naimuddin,
  - Fakhruddin Tanya Mohmuddin,
     Naimuddin Tanya, Naimuddin,

  - 4. Nazmuddin (minor) Shamz Alam (") Thro' Guardian & father Shri Naimuddin R/o Koti, Rewa.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- oy any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later; (a) by any of the aforesaid persons within a
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of plot No. 1514 (New No. 1514/3) is situated, at Kotra, Rewa. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bhopal

Date: 10-12-1985

#### FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE. BHOPAL M.P.

Bhopal, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6121,--Whereas, I, V. P. SHRIVASTΛVA

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. H. No. 15/570 situated at M.G. Road, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) of the office of the Registering Officer at

Raipur on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transferi andior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- M/s. Sharda Talkies (Indian Partnership firm Regd.)
   Lalitkumar Tiwari S/o. late Shri Shyam Charan
   Tiwari, 3. Smt. Ushadevi Tiwari W/o. Lalitkumar
   Twari, 4. Lokeshkumar Tiwari, Jawahar Nagar, Rajmata Gaon, Rapur. (Transferor)
- (2) Asian Electricals (Indian Partnership firm) Jawahar Nagar, Raipur,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice ha the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. 15/570 is situated at M. G. Road, Ralpur. This is the immovable property which has been described in Form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range Bhopal

Date: 10-12-1985

#### FORM ITNS ---

NOTICE UND9R SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6122.—Whereas, I, V. P. SHRİVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 17/57 situated at Ravi Nagar, Civil Lines, Raipur Raipur

(and more tully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) fucilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

 Smt Pramila Shrivastava, W/o. Shri Krital Shrivastava, R/o. Raja Talao, Raipur.

(Transferor)

(2) Smt. Archana Acharya, W/o. Dr. Prabhat Acharya, R/o. Ravi Nagar, Civil Lines, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein 'as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning to given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House bearing No. 17/57 is situated at Ravi Nugar, Raja Talao, Raipur. This is the immovable properly which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Income-tax Building
Near Central India Floor Mills
Bhopal

Date 10-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOML-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 12th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6123.—
Whereas I, V. P. SHRIVASTAVA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land Kh. No. 445 situated at Mouza Amagird, Burhanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Burhanpur in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to balleve that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sureshbhai S/o. Prabhudas Patel, R/o. Naya Mohalla, Burhanpur, Dist, Khandwa.

(Transferor)

(2) Shri Kishanlal Alias Choithram S/o. Radhamal Advani, R/o. Sindhi Basti (Medhan Camp), Burhanpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter ...

### THE SCHEDULE

Agricultural land Kh. No. 445 is situated at Mauza Amagird, Teh. Burhanpur, Dist, Khandwa. This is the inmovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

V. P. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income-tax Building
Near Central India Floor Mills
Bhopal

Date: 12-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhoral, the 12th Occember 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6124.— Whereas I, V, P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land Kh. No. 445 situated at Vill. Amagird, Burhanour (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Burhanpur on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partier has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transferend/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Suresh Bhai

S/o. Prabhudas Patel.

R/o. Naya Mohalla. Burhanpur,

Dist. Khandwa.

(Transferor)

(2) Shri Lalchand Alias Savaldas

S/o. Radhamal Adwani,

R/o. Sindhi Basti (Medhan Camp). Burhanpur,

Dist. Khandwa.

(Transferco)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 Javs from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Kh. No. 445 is situated at Vill. Amagird, Burhan-pur. This is the immovable property which has ben des-cribed in form No. 37-G duly verified by the transferce.

V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income-tax Building Near Central India Floor Mills Bhopal

Da'e : 12-12-1985

#### FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6125. Whereas I, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'soid Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

House No. 711 (Ward No. 34) situated at Krishi Upaj Mandi Samiti, Bhind

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhind in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chieft of the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers
- (b) facilitating the concealment of any meams or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Shri Havishchand & Ratanchand Jain, R/o. Galla Mandi, Bhind.

(Transferor)

(2) Shri Gajendra Kumar S/o. Ulphat Rai Jain, R/o. Pustak Bazar, Bhind.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property mey be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective nersons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULB

House No. 711 (Ward No. 34) is situated at Krishi Upaj Mandi, Bhind. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income-tax Building
> Near Central India Floor Mills
> Bhopal

Date: 10-12-1985

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn. /Bpl./6126.— Whereas I, V, P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 50/1042 situated at Jawahar Nagar Cotony,

Lashkar, Gwalior

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(1) Shri Kamal Krishna Gokhalo W/o. Krishna Narayan Gokhale,
2. Smt. Jyotsana Sheuede W/o. Kashinath Padanan,
Yashwant, Dilip S/o, Krishna Narayan Gokhale,
Smt. Savita D/o. Krishna Narayan Gokhale, Nai Sadak, Lashkar, Gwalior.

(Transferor)

(2) Smt. Dipika Chankenkar W/o Shri Madhav Govind Chakankar, R/o. Dal Bazar, Lashkar, Gwalior.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the O fficial Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other ossets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

House No. 50/1042 is situated at Jawahar Nagar Colony, Lashkar, Gwalior. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the Transferce.

THE SCHEDULE

V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income-tax Building Near Central India Floor Mills Bhopal

Date: 10-12-1985

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, aforesaid property by the issue of this notice under sub-section namely

68-426 GI/85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## S/o. Vasudeo Rao Mandpe R/o. Vir Hakikat Rai Marg, Vidisha.

(1) Shri Madhukar Rao

(Transferor)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

SIONER OF INCOME-TAX

Bhopal, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6127.-Whereas I. V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

House No. 87 (Ward No. 18) situated at Luhagipura. Vidisha

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vidisha in April 1985

for an apparent consideration which le less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followipe persons, namely :- -

(2) Shri Satish S.o. Sadashiyrao Pandit, R/o. Hospital Road, Vidisha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

## THE SCHEDULE

House No. 87 (Ward No. 18) is situated at Luhagipura, Vicislia. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income-tax: Building Nea: Central India Floor Mills Bhopal

Date: 10-12-1985

HOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6128.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/ and bearing No. House No. 57 (Ward No. 17) situated at Vidisha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vidisha on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the rair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceanment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Gulab Bai Sharma D/o Ramkishan Sharma, W/o Har Pmsad Sharma, R/o Ramnagar, Vidisha.

(Transferor)

(2) Shri Raghavji 2. Shakti Singh, Dr. Tilak, Amritlal, Mohanlal, Suresh, Dr. Vinod, Ghanshyam, Satish, R/o Vidisha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period on 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A house No. 57 (Ward No. 17) is situated at Vidisha. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

V. P. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 10-12-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6129.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. House No. 21/9,

situated at Shastri Marg, Neemuch (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Neemuch on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aioresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Shri Keshrimal S/o Shri Rajmal Bhandari, Govt. Quarters, Behind Tehsil Office, Neemuch.

(2) Shri Pawan Kumor Dubey S/o Shri Parshu Ram Dubey, C/o Punjab National Bank, Neemuch Cantt. (M. P.)

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

## THE SCHEDULE

House No. 21/9 is situated at Shastri Marg, Neemuch. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dislcosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 10-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 10th December 1985

Ref. No. JAC/Acqn./Bpl./6130.-Whereas, I, V. P. SHRIVASŤAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the the competent Authority under Section 2098 of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000, and bearing No.

Hosue No. 31 situated at Sneh Nagar, Main Road, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mure than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument the consideration for such transfer as agreed to between of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Premiata Agal, Pankaj, Kamal, Yamini, Kamini, R/o 80, Janki Nagar, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar, Rakesh Kumar, Sudhir Kumar & Deepak Kumar, 172, Jaera Compond, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 31 is situated at Main Road, Sneh Nagar. Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhonal

Date: 10-12-1985

### FORM ITNS-

(1) Premlata Agal,
Pimkaj, Kamal,
Yamini, Kamini,
R/o 80, Janki Nagar, Indore.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Prakash Kaur & Seemarjeet Kaur R/o 30-A, Prem Nagar, Indore.

(Transferce),

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6131.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 31 situated at Sneh Nagar Indone

situated at Sneh Nagar, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (1001 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 31 is situated at Sneh Nagar, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhoral

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :-

Date: 10-12-1985

#### PORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6132.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Burhanpur in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chiest of the c

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Shri Akhtar Hussain
 S/o Shamsher Ali Bohra,
 R/o Khairati Bazar Ward, Beri Maidan,
 Burhanpur.

(Transferor)

(2) Shri Shilesh Kumar S/o Sureshehand Choukse (Minor) Thro' Guardian & father Shri Sureshehand S/o Bahulal Choukse, R/o Phopnar Kala, Teh. Burhanpur,

(Transferce)

Objections, If any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the data of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Land Kh. No. 250 is situated at village Popnar-Kola., Teh Burhanpur. This is the immovable property which has been described in form 37-G duly verified by the transferce.

V. P. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central Floor Mills, Bhopal

Date: 10-12-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6133.-Whereas, I, V. P. SHRIVASŤAVÁ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 10 and house there on situated at Jamalpura. Bhopal

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhopal on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trans fer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or rehich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Khubchand Belaui S/o Shri Arjundasji, R/o B-9, Purana Bairagarh.

(Transferor)

(2) Shri Naraindas S/o Harumalji Manoharlal S/o Harumalji R/o LIG-P-10, Jamalpura, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable preparty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

House on Plot No. 10 is situated at Jamalpura, Bhopal. This is the inunovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central Floor Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date : 10-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) UF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

er frame i en de se partes names frame anno anale 📠

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6134.—Whereas, I, V. P. SRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereisafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Open plot No. E-42

situated at Saket Nagar, Indore ,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be d'relosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—69—426 GI/85

(1) J. Shri Satgurudas Charandas Satsangi

2. Smt. Amar W/o Satgurudas Satsangi

3. Gurusarandas Charnadas Satsangi

R /o G-1, Victory colony, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Kalabai W/o Suganchand Dhenubai W/o Thakurmal R/o 993, Babugali, Mhow.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of sotice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used been as are defined in Chapter XXA of the sab Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Open plot No. E-42, is situated at Saket Nagar, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

V. P. SRIVASTAVA
Competent Authority
Acquisition Range
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Income Tax Building
Near Central Floor Mills, Bhopal

Date: 10-12-1985

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Badiinarain Rathi S/o Sh. Gopikashanii leathi R/o D. Batti, Ratlam.

(Transferor)

(2) Smt. Nirmala Pont W/o Shri Lalit Prasad Pant, R/o 1, Lokendra Bhawan, Compound Road, Railam.

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopai, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6135.--Whereas, I. V. P. SHRIVASTAVA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

H. No. 25 situated at Rambagh, Ratlam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 ot 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in tempect of any income arising from the transfer: andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respecive persons, whichever period expires latery
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 25 is situated at Rambagh, Ratlam. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Near Central India Floor Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-12-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1951 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6136.-Whereas, I, V. P. SRIVASTÁVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000. - and bearing No. House No. 810 (Old No. 385/1)

situated at Nazul Block No. 5, Plot No. 27, Napier town,

Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jabalpur in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeshid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and the consid

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; and(o:
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) Smt. S. Elias W/o H. T. Elias, Samuel Elias, H. K. Elias, B. K. Elias, All Ss/o H. T. Elias, 289-G, Darga Road, Colcutta.

(Transferor)

(2) Smt. Ranjit Kaur W/o H. Š. Singh, R/o Madan Mahal, Jabalpur,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period ex-45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immerable property within 45 days from the date of the sublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Charter

#### THE SCHEDULE

House No. 810 (Old No. 385/1) is situated in Nazul Block No. 5. Plot No. 27, Napier town, Jabalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Near Central India Floor Mills, Bhopal

riow therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby infinite proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to be following persons, namely:—

Date: 10-12-1985

Scal:

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF DEPLA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACOUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 10th December 1985

Ref. No. 1AC/Acqn./Bpl./6137,—Whereas, I, V. P. SRIVASTAVA,

Leing the Competent Authority under Section 269B of the Leing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), nave reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Nazul Plot No. 27, (Block No. 5) situated at Napier town, Jabalpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jabalpur on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration thereof by more more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. S. Elias W/o H. T. Elias, Samuel Elias, H. K. Elias, B. K. Elias, S/o H. T. Elias, P-289 Darga Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) Smt. Jayanti Singh W/o Shri T. N. Singh, R/o Village Ganmer, Dist. Gazipur, At present: Chhoti Omti, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazeste or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the mid Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Nazul Plot No. 27. (Block No. 5) is situated at Napier town, labalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SRIVASTAVA Comperent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Near Central India Flour Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-12-1985

Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6138.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Open land &M. H. No. 7 situated at M. G. Road, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respest of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Acc, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Smt. Nirmala Tongiya W/o Shri Vijay Kumar Tongiya, R/o 7, M. G. Road, Indore.

(Transferor)

(2) M/s. Choudhary Builders (P) Ltd., 12/2, R. N. T. Marg, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Open land & M. H. No. 7 is situated at M. G. Road, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date · 10-12-1985

FORM 1.T.N.S.-

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHAPAL M. P.

Bhopal, the 12th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6139.—Whereas, J., V. P. SRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. H. No. 7/B

situated at Sainath Colony, Indore.
(and more fully asseribed in the Schedule annuxed bereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Indore on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any known or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :-

(1) Shri Madhukar S/o Dwarkonath Godkari, R/o 11/B, Sainath Colony, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Shiv Narayan Pagare, S/o Sh. Sundarlal Pagare R/o H. No. 7/B, Sainath colony, B-Sector,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapte

### THE SCHEDULE

House No. 7/B is situated at Sainath colony, Indore-This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 12-12-1985

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHAPAL M. P.

Bhopal, the 12th December 1985

Ref. No. IAC'/Acqn./Bpl./6140.—Whereas, I, V. P. SRJVASTAVA,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and
Bearing M. H. No. 32, Ward No. 15,
situated at Mitra Niwas Road, Ratlam
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of Registering Officer at
Ratlam on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the health of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the waid Act, or the Fealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Farida W/o Thomas, Paranilam, R/o 37764 Calka Drive Steerling Heights Michigan, 48077 USA.

(Transferor)

(2) 1. Firoz.
S/o Cawasji Patel
R/o Mhow Road, Ratlam.
2. Rustom
S/o Cawasji Patel
Mhow Road, Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property bearing M. H. No. 32 is situated at Ward No. 15, Alitra Niwas Road, Ratlam. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 12-12-1985

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Gurudasmal S/o Shri Rejhumal R/o 209, New Sindhi Colony, Bhopal,

(Transferee)

(2)Smt. Pushpa Devi W/o Shri Beharilal, R/o 138, New Sindhi Colony, Bhopal.

(Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. BIJAPAL M. P.

Bhopal, the 12th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6141.-Whereas, I,

V. P. SRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable woperty having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 209 & House thereon New Sindhi colony,

situated at Berasia Road, Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed herete). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Bhopal on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Iscome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

respect of any income arising from the transfer.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 209 & house thereon in situated at New Sindhi colony, Berasia Road, Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly vertfied by the transferee.

> V. P. SRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range
> Income Tax Building
> Near Central India Ploor Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 200 and the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-12-1985

Seal .

#### CONTROL OF THE PROPERTY OF THE FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 249D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SHONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE, BHAPAL M. P.

Bhopal, the 12th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6142.—Whereas, I, V. P. SRIVASTAVA,

V. P. SRIVASTAVA, being the Compotent Authority under Section 269B of the Income tax Ast. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Baid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Land Kh. No. 155, 166/2/1 & 166/2/2 situated at Vill, Khajuri Kalan, Teh. Huzur, Bhopal (and more fully described in the Schedule annued herete) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Bhopal on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less then the fair market value of the aforceald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the passes has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of may income ansing from the manster;
- racilitating the concealment of any income or any mencys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922-111 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957, (27 of 1957): (b) facilitating the consessiment

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preparty by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--70---J26 G1/85

(1) 1. Shrì Kbusnilal S/o late Sh. Radhakishanji,

2. Smt. Pyaribai Wd/o Sh. Ram Singhji,

Jaisingh
 Jo late Sh. Ramsinghji Thaur,
 R/o Khajuri Kalan, Teh. Huzur,

(2) Vallabh Nagar Grih Nirman Sahakari Sanstha Ltd., Bhopal Thro' President Sh Rajmani Patel S/o Shri Jamuna Prasad Patel R/o Char Imli, Bhopal.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of metico on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from date of the publications of this notice in Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land Kh. No. 155, 166/2/1, & 166/2/2 is situated at Vill. Khajuri Kalan, 'Teh. Huzur, Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SRJVASTAVA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building
> Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 12-12-1985

#### FORM I.I.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

JFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHAPAL M. P.

Bhopal, the 12th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6143.—Whereas, I, V. P. SRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to sa the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and hearing No.
House No. 26/45 on plot No. H-6
situated at Gandhi Nagar colony, Tansen Road, Gawalior
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of Registering Officer at Gwalior on April 1985 1984 (Seniority Quota) and allocation to the Cadre of Ministry for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the par-ties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (t) facilitating the reduction of evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any choneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 2699D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Laxmikani Gautam S/o Shri Hari Shankar Gautam, R/o 1000, Kucha Natwa, Chandri Chowk,

(Fransferor)

(2) Shii Hari Pal Gupta S, o Sh. Babootam Gupta, R/o II-6, Gandhi Nagar, Tansen Road, Gwalior,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:--- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 26/245 is situated on plot No. H-6, Gandhi Nagar colony, Tansen Road, Gwalior, This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

> V. P. SRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Income Tax duilding Mear Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 12-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHAPAL M. P.

Bhopal, the 12th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6144.—Whereas, I, V. P. SRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 4 on F. F. of M. H. No. 10/2 situated at South Tukoganj, Indone (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Indore on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I kereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Shri Madhav Goswami, S/o Shri Niwas Goswami, R/o 10/2, South Tukogani, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Prakash S/o Shri Girdharilal Vora R/o 21, Manukulal Vinaya Nagar Street, Pondicherry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 4 on F. F. of M. H. No. 10/2 is situated at South Tukoganj, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range
> Income Tax Building
> Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 12-12-1985

#### FORM I.T.N.S.---

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 0F 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl./6145.—Whereas I, V. P. SRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Factory shed and store on land Kh. No 118/3, situated at Pipliyarao, A.B. Road, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indoce on April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woalth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269P of the said Act, to the following persons, namely .-

(1) Shri Dr. Manohar s/o Bhimandas Satwani, HUF Tarie Karta Dr. Manohar Satwani, 179, Palsikar Colony, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Abbasali s/o Abid Hussain, 1/0 48, Prince Yeshwant Rd.,

Smt. Nafeesabai w/o Sh. Moh. Hussain,
 Smt. Rehanabai w/o Sh. Ali Asgar,

r/o 89, Amer Khadi Rd., Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officail Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Factory shed & Store on Kh. No. 118/3 is 2 situated at Pipliyarao, A.B. Road, Indore.

This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

> V. P. SRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 12-12-1985

#### FORM I.T.N.S .--

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 2nd December 1985

IAC/Acqn./Bpl./6146.---Whereas Ref. No. C. SHARMA,

S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 47/19, situated at Pandari Road, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been trong formed under the Registration Act. 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) tacditating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-inx Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :-

(1) Shri Devendra Singh Shri Teet Singh Punjabi, R/o Katora, Raipur.

(Transferor)

(2) Shri Rampaher s.o Daatadeen Jaiswal, 1/0 Pahari Chowk Housing Board Colony, Liquer contractor, Raipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 47/19 is situated at Pandari Ward, Pandari Road, Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 2-12-1985

Scal:

#### FORM I'NS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### **∂F**FICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 2nd December 1985

No. IAC Acqn./Bpl./6147 - Whereas I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. M.H. No. 90,

situated at Jawahar Marg (New Road), Ration, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ratlam on April. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Dr. Rajkumar s/o Shri Chandrasenji Khasgiwala, R<sub>1</sub>0 T-5, Andhyapak Kutir, Baroda (Goj.) Dr. Sunil Kumar 8/0 Sh. Chandrascuji Khasgiwala. r/o T-5, Adhyapak Kutir, Baroda (Gun.)

(Transferor)

(2) 1. Sri Ismail s'o Sh. Mohd. Hussaini Bohta,

Smr. Silkisbai w.o Sh. Ismailji Bohra
 Shri Moiseali s/o Shri Ismailji Bohra
 Shri Joab s-o Shri Ismailji Bohra, All r/o 10, Bohra Bakhal, Ratlam.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property occuring M.H. No. 90, is situated at Jawahar Marg (New Road), Ratlam. This is the mimovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 2-12-1985

Seal .

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF

OFFICE OF THE INSPECTING ASSITE OF MISSIONER OV : NCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 2nd December 1985

Ref. No. IA C. SHARMA, IAC/Acqn./Bpl/6148. - Whereas, I,

S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000 and bearing Property No. M.H. No. 77, situated at Jawahar Marg (New Road), Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), unnexed hereto).

annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of the 1908) in the office of the Registering Officer at

Ratlam in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the suld Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Hamakial Mansukhani szo-Shri Mirchumalji Mansukhani, r o 28. Dhannaudi, Ratlam.

(Transferor)

(2) 1. Shri Moi's s/o Shri Akbaraliji Bohra
2. Abdul Hussam s/o Shri Mohsinaliji Bohra
3. Abdulla s/o Shri Salftuddinji Bohra
4. Zuliikar s/o Shri Asgaraliji Bohra, ali r/o 52/1, Chandni Chowk, Bohra Bakhal. Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Property MH No. 77 is situated at Jawahar Marg (New Road), Ratlam,

This is the immovable property which has been described in Form No 37-G duly verified by the transferee.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 2-12-1985

#### FORM IINS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shir Kishore Mohanani, szo-Sh Govind Ranni Mohanani, 1/0 H. No. 82, Indra Puri Colony, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Bhagwandas s/o Sh. Tulsidasji, 1/0 57, Jaora Compound, Indore.

(Transferec)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 2nd December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6149.--Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

and bearing
Property at Plot No 81-R-1,
situated at DA Scheme No. 44, khatiwala Tank, indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Indore in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitten per part of such apparent consideration under the state of the property and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated is the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officail Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Plot No. 81-R-1, DA Scheme No. 44 is situated at Khatiwala Tank, Indore,

This is the immovable property which has been described in Form No. 37-G duly verified by the transferce.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 2-12-1985

#### FORM ITNS ----

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Bhopal, the 12th December 1985

Ref. No. 1AC/Acqn./Bpl./6150.—Whereas I, V. P. SRIVASTAVA,

being the Competent Admortly under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.
Nazul Plot No. 27. Block No. 5,
situated at Napier Town, Jabalpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the registering Officer at
Jabalpur on April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiftuen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the narties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay hax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. 71-426 GI/85

(1) Smt. S. Elias w/o H. T. Elias. Samuel Elias, H. K. Elias, B. K. Elias, All s/o H. T. Elias, P. 289, Darge Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) G. B. C. Hotels & Auto Traders (P) Ltd., Through Chairman Ramesh Gulati, Gorakhpur, Jabalpur.

(Transferce)

Oblections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined n Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Nazul Plot No. 27 (Block No. 5) is situated at Napier Town, Jabalpur.

This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
Income-tax Building,
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 12-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### DFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th December 1985

Ref. No. IAC/Ad V. P. SRIVASTAVA. IAC/Acqn./Bpl./6151.--Whereas I.

V. P. SRIVASTAVA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (57 of 1961) (hereinefter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the numovable property thanks a lar market with Nazul Piot No. 27. Block No. 5, situated at Nat a Town, Ichelpun (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

1908) in the Office of the registering Officer at Jahalpur on April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for inch town for as agreed to different the parties have not been tonly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets with him not the want for the purposes of the Indian Income-tax Acr 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-rax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Herbet Kishore, Basil Kalyan, Saurmel Kumar, all sons of Shii H. T. Elias and Shrii Shiitirekha Elias. All r/o Calcutta.

(Transferor)

(2) Smt. Kiran Jain w/o Sh. Gyanchand Jain, r/o Benrgi, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Nazul Plot No. 27 (Block No. 5) is situated at Napier Town, Jabalpur.

This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SRIVASTAVA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income-tax Building, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesair property by the issue of this notice under subsection [1] of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Date: 12-12-1985

#### FORM TINS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th December 1985

1AC/Acqn./Bpl./6152.--Whereas I, No. V. P. SRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the sucome-tax Act, 1961 (45 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the mnovable property, having a fair marker value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

House on plot No. 14, situated at Mauza Nayagaon No. 726, (P.H. No. 26, Kh. No. 6/4) Shankarshah Nagar, Ward No. 50, Jahalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registeriog Officer at Jabalpur on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of manufer with the object of :-

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri R. Anenthakushnan, Chief Engineer s/o late N. Rangaswami Ainger, r/o Class-I Officer's Housing Society Nayagaon, Shankershah Nagar, MPEB, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Bardar Sukhdershan Singh Sekhon, s/o Sardar Nuglider Singh Sekhon, 1/o 1353 Madan Mahal, Jabalnur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property becaused to the nation of sheet ad van

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period explies later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein defined in Chapter AXA of the said Act shall have the same meaning at given in that Clapter.

#### THE SCHEDULE

House on plot No. 14, Mauja Nayagaon No. 726 (P.H. No. 26, Kh. No. 6/4) is situated at Shankarshah Nagar Ward No. 50, Jahalpur (M.P.E.B. Co-op. Housing Society Ltd., of Class-I officer's Jahalpur).

This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SRIVASTAVA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 12-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6153.—Whereas I. V. P. SHRIVASTAVA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herematter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 5/2, situated at Old Palasia, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on April. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by

more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bet-

ween the parties bas not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weulth-tax wit 1957 (27 of 1957);

 Smt. Gita Devi w/o Shri Champalalji Biyani, r/o 223/24, M.G. Road, Indore.

(Transferor)

(2) M/s S.G.M. Hotels (P) Ltd., Through Directors:

1. Sh. Subhash s/o Shri Ramvallabhli Gupta, 11, Joy Builders Colony, Indore.

Sh. Surendra s/o Shri Jayantibhai Sanghvi,
 Vallabh Nagar,
 Indore.

3. Sh. Mithadal s/o Sh. Purushottam Dasji Jaiswal, r/o 4/7, New Palasia, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gozette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—'The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Open plot bearing Mun. No. 5/2 is situated at Old Palasia, Indore.

This is the immovable property which has been described in torm No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 2-1-1985

Scal :

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/6154.—Whereas I, V. P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]and bearing No.
House No. 495.
si uated at M.G. Road, Indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of hie liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitaing the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-mx Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Sctlon 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the tollowing persons, namely:---

(1) Shii Haji Ibrahim Bhai Haji Karim Bhai, r/o 96, Siyaganj, Main Road, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Rameshchandra 5/0 Jaswantlulji Shah, 9, Khatipura, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the old Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 495 is situated at M.G. Road, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 12-12-1985

#### FORM ITAS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th December 1985

Ref. No. IAC/Acq V. P. SHRIVASTAVA, IAC/Acqn./Bpl./6155.-Whereas I,

being the Competent Authority under Section 269B of the being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'san' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing H. No. 495, situated at M.G. Road, Indore (and more fully described in the Schedulo annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Indore on April, 1985

ios an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is tespect of any income ansing from the transfer; and/or
- th) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the thirposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the and Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shii Haji Ibrahim Bhai Haji Karim Bhal, r/o 96, Siyaganı, Main Road, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Naveenchand 1/0 Jaswantlalji Shah, 9, Khatipura, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULB

House No. 495 is situated at M.O. Road, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> v. p. shrivastava Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Building Bhopal

Date: 12-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX.

> ACQUISITION RANGE. BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th December 1985

Ref. No. IAC/Acq V. P. SHRIVASTAVA, No. IAC/Acqn./Bpl./6156, --Whereas I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 143 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|and bearing No.
House No. 564, situated at M.G. Morg, Indore

has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Recistering Officer at Indore on April. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the ourties has not been truly stated in the said instrument of remaster with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other amets which have not been et which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-bas Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persona narrity :-

(1) 1. Sushilchandra Patni s/o Sh. Hukamchandji Patni,

2. Shri Shardehand Pathi s/o Sh. Hukumchandji Patni.

Smt. Anop Kumari Patni w/o Sh. Hukumchandji Patni.

Dr. Strieshchand Patni s/o Sh. Hukumchandji Patni.
 Sh. Satish Chandra Patni s/o

Sh. Hukumchandji Patni.

(Transferor)

(2) Shri B. C. Builders & Ho'els (P) Ltd., 8, Jaora compound, Indore, Through Managing Director Shri Sanat Kumar,

s/o Sh. Kulyanmalji Badjutya.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period -45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 564 is situated at M.G. Road, Indore.
This is the immovable property which has been described in form No. 37-O duly verified by the transferee.

V. P. SIIRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 12-12-1985 Seal :

#### FORM ITNS----

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6157.—Whereas I, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

House No. 10, situated at Azad Nagar Colony, Ujjain (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ujjain on April. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as rioresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any mioneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Ahelchand 6/0 Shri Milapchandji Gulati, r/o 84. Tatya Tope Marg, Madhav Nagar, Ujjain.

(Transferor)

(2) Smr. Asha Devi w/o Shi Rameshkumar Dammani, r/o 25, Kamla Nehru Marg, Freeganj, Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said mmov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein me are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 10 is situated at Azad Nagar Colony, Ujjain, This the immovable property which has been in form No. 37-G duly verified by the transferee. described

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority
> Assistant Commissioner of Income-Tax
> Acquisition Range. Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 12-12-1985

#### PORM ITNS---

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th December 1985.

Ref. No. IAC/Acc V. P. SHRIVASTAVA, IAC/Acqn,/Bpl., 6158.—Whereas

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and hearing No.

House No. 1,

situated at Drivin Marg. Ujjain (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ujjain on April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely — 72—426 GI/85

(1) 1. Shri Geetabai w/o Shri Ramchandra ii Shir Kamengnora a
2 Cart Amitabai wilo
Sha in Laurer Parval,
i ( I, Srimd Merg Ujjain Through
general power of alforney Shantikumar.
(Trans (Transferor)

 (2) 1. Shri Sana kunar s'o
 Shri Balkishanii Bohra,
 2 Manish Kumar (Minor) s/o Shri Sanatkumar, 1,0 Gontam Marg, Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any of the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other perron interested in the said immovable property within 45 days from the date of the public transport this notice in the Official Gazette.

TP. 384 NON 1 -The terms and expressions used herein as one defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

House No. 1 (New) Block No. 63 is situated at Dravin Marc. Uiiain. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Instanting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Building Near Contral India Floor Mills, Bhopal

#### FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 12th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/6159.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00 000/- and bearing No. House No. 1,

situated at Dravin Marg, Ujjain (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfe red under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Ujjain, in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) suclitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers
- (b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act on the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

stow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the accombition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

- (1) 1. Smt, Sushila Bai w/o Shri Surya Naravan 2. Smt. Pramila Bai v /o Shit Rajkumarji Porwal, r/o 1, Shripal Marg, Ujjain Through general power of attorney Shantikumat.
- (2) 1. Smt. Shakuntalaba; w/o Shri Sanatkumar 2. Shri Dinesh Kumar,

3. Shri Manoj Kumar ss/o Shri Sanat Kumar, r/o 49, Goutam Marg. Ujjain.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 1 is situated at Dravin Marg, Ujjain.

This is the immovable property which has been described in Form No. 37-G duly verified by the transferee,

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Income 'Fax Building Near Central India Floor Mills Bhopal

Date: 12-12-1985

Scal:

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE BHOPAL M.P.

Bhopal, the 12th Deiember 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/6160.—Whereas, I V. P. SRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No. 1 and Kh. Nos. 1409, 1419, 1414, 1416 and 1418 situated at Vill. Khajrana, Dist. Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been ransferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Bagistration Officer at 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly vested in the enid instrument of transfer with the object of :--

- in) familiating the reduction of even facilitating the reduction or eventum of the limbility of the brancheror to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concesiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which oughs to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Chunnilal S/o Shii Kunwarji Kharsod, R/o Vill. Khajrana, Teh. Indore.

(Transferor)

(2) Navlakha Sramik Avas Grih Nirman Sahkari Samiti Maryadit, 748, Jagritnagar, Indore Through Presiden: : Shri Dwarka Prasad Sharma S/o Shri Bansilalji Sharma,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Ganette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter;
- (b) by any other person inetested in the said immov-ble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning ar given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land Kh. No. 1409, 1410, 1414, 1416, 1418 is situated at Vill. Khajraha, Teh. & Dist. Indore. This is the immovable property which has been described in Form No. 3/-G duly verified by the transferee.

> V. P. SRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills BHOPAL

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquestion of the appearant property to the hum of this motion under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following octsons, namely :--

Date: 12-1

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL M.P.

Bhopal, the 12th Deicmber 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/6161.—Whereas, I, V. P. SRIVASTAVA,

v. P. SRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (4.5 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), hove reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land New No. 183/2 situated at Vill. Lalbag Mal.

Bhrhanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1961 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Burhaupur in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforceaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitiesing the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquinition of the aforesaid property by the issue of the nodes subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Slim Khan alias Rahmat Khan So Shri Babu Khan Pratap Pura, Burhanpur.

(Transferor)

(2) Shri Salimuddin Jenuddin Kazi, Lohar Mandi, Burhanpur Naziruddin Badruddin, Haripura, Burhanpur Shamshul Arefin Jainul Abedin, Daudpura, Burhanpur Sultan Khan Qureshi Khajrati Bazar, Burhanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 45 days from the service of notice on the respective persons whichever period expides later;
- (b) by any other person interested in the said immovaable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land New No. 183/2 is situated at village Lalbag Mal, Burhanpur. This is the immovable property which has been described in Form No. 37-G duly verified by the transferce.

V. P. SRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central Ludia Floor Mills
BHOPAL

Date: 12-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL M.P.

Bhopal, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6162.—Whereas, I, V. P. SRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 1/132 (Sheet No. 107) situated at Kacherapara in Kumbharpura Ward, Jagdalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jagdalpur in April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cen, of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Kesav Dauly
 Shri Shankar Dauly Brahmin,
 R/o Narainpur, Teh. Narainpur,
 Dist. Bastar.

(Transferor)

(2) Mohd Afihtar Querashi S/o Late Mohd. Ibrahim Querashi Retd, Asstt. Engineer, Bank Colony, Jagdalpur, Dist. Bastar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FNPIANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the eaid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 1/132 (Sheet No. 107) is situated in Kachorapara, Kumbharpura Ward, Jagdalpur. This is the immovable property which has been described in Form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Builling
Near Central India Floor Mills
BHOPAL

Date: 10-12-1985

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### COMMISSIONER OF INCOME-TAX OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

ACQUISITION RANGE BHOPAL M.P.

Bhopal, the 12th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/6163.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVΛ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No. Land Kh. No. 223:3:2 situated at Vill. Nanakheda Pargana, Dist. Ujjain

fand more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in th Ujjain in April, 1985 the office of the Registering officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and het the consideration for such transfer as agreed to between the transferors and transferees has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/orr

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269-D of the said Act to the following persons namely :---

(1) Shri Vijay S/o Shri Vishwanathji Ayachit, R/o Nai Peeth, Ujjain Presently at Ahmedabad Through General Power of Attorney Padmakar Ayachit, R/o Nai Peeth, Ujjain.

(Transferor)

(2) S/Shri 1. Prahlad Neema 2. Gopaldas Neema & Satishchandra Neema Ss/o Shri Ramchandraji Neema R/o Patni Bazar, Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land Survey No. 223/3/2 is situated at Vill. Nanakhedi Pargana, Ujjain. This is the immovable property which has been described in Form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills BHOPAL

Date: 12-12-1985

Scal:

#### FORM I.T.N.S.—

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL M.P.

Bhopal, the 12th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bp1/6164.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the im-Rs. 1,00.000/- and bearing No.
Plot No. 180 & the house No. 181 thereon situated at Saket Nagar Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at (16 of 1908) in the Indore on April, 1985

Indore on April, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the property and I have reason to believe that the fair with the object of the property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefore by more than the fair with the object of the property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be the property as a second to instrument of transfer with the object of ;-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andjer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hreby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

(1) Shri Purushottam S/o Shri Sridhar Paincetkar R/o A-9, Anand Apartments, Ahmedabad-380015 (Gujarat).

(Transferor)

(2) 1, km. Suman Dua, 2. Ku. Madhu Dua D/o Shri Pritamlalji Dua, R/o 227, Anoop Nagar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 180 & the house No. 181 thereon is situated at Saket Nagar, Indore. This is the immovable property which has been described in Form No. 37-O duly verified by th: transferec.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
> Acquisition Range
> Income Tax Building
> Near Central India Floor Mills BHOPAI.

Date: 12-12-1985

Seed:

\_\_\_\_\_\_

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL M.P.

Bhopal, the 13th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/6165.—Whereas, 1, V. P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinnfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Agrl. land Kh. No. 153/2/1 situated at Vill. Pipalyakumar,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering officer at
Indore on April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:—

(1) Shri Jang Bahadur Singh S/o Shri Chandrapal Singh R/o Patnipura, Indore Through General power of attorney Shri Mohanlal Chung.

R/o 38, Patel Nagar, Indore.

(Transferor)
(2) Vaibhav Sahkari Grih Nirman Sansthya Maryadit
Indore
Through President:
Shri Kishan Matlani
S/o Shri Choithram Matlani,

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl. land Kh. No. 153/2/1 is situated at Vill. Pipalyakumar, Indore. This is the immovable property which has been described in Form No. 37-G duly verified by the transferce.

V. P. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills
BHOPAL

Date: 13-12-1985

(1) Shri Dattatraya Wagh, 17/2, Snehlataganj, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Necta Jain W/o Shri Man Singh Naya Pura, Mandsaur.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL M.P.

Bhopal, the 13th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/6166.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 13 situated at Janki Nagar Extn., Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-125-416GI/85

73---426 GI/85

rlow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gasette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 13 is situated at Janki Nagar Extension, Indore. This is the immovable property which has been described in Form No. 37-G duly verified by the transferce.

> V. P. SHRIVASTAVΛ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tex Building Near Central India Floor Mills BHOPAL

Date: 13-12-1985

Scal:

#### FORM ITNS ---

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL M.P.

Bhopal, the 12th December 1985

Ref. No. IAC/Λcqn/Bpl/6167.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVÁ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot of land at bungalow No. 48

situated at Neemuch Cantt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Neemuch in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) 1. Smt. Shehnawas Contractor W/o Late Shri Jamshedji

2. Miss Nifriez Contractor D/o Late Shri Jamshedji

3. Mr. P. Contractor S/o Late Shri Jamshedji All R/o Bungalow No. 48, Neemuch.

(Transferor)

(2) Shri Santosh Kumar S/o Shri Laxmilalji Shri Manish Kumar S/o Shri Laxmilalji Through Guardian Shri Santosh Kumar Jain R/o Pipliyaraoji.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Plot of land at Bungalow No. 48 is situated at Neemuch. This is the immovable property which has been described in Form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range meom- Tax Building Near Central India Floor Mills BHOPAL

Date: 12-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL M.P.

Bhopal the 9th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/6168.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 46/109 situated at

Pichhadi Deodi Lashkar, Gwalior

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manaely -

(1) Shri Jiyamal S/o Shri Derumal, Shri Ganeshram, Shivlal S/o Shri Jiyamal R/o 282-C, Delhi-35.

(Transferee)

Shri Fatehlal Shrivastava Shri Ratchlal Shrivastava R/o Murena (MP).

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 46/109 is situated at Pichhadi Deodi Lashkar, Gwalior. This is the immovable property which has been described in Form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills BHOPAL

Date: 9-12-1985

#### FORM ITNS...

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BHOPAL M.P.

Bhopal, the 12th December 1985

Rcf. No. IAC/Acqn/Bpl/6169.—Whereas, I. V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 30 (New No. 50) situated at Lodhi Pura No. 2, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration more than fitteen per cent of such apparent consideration said that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 S/Shri Rameshchandra, Sureshchandra, Dineshchandra & Arun Kumar
 S/o Shri Ravishanker Dubey
 (No. 1 Through General power of attorney No. 5)
 R/o H. No. 50, Lodhipura No. 2, Indore.
 (Transferor)

(2) Dr. Basaut Luniya S/o Shri Nandlalji Luniya R/o H. No. 80, Kanchanbag, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetle.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as arc defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 30 (New No. 50) is situated at Lodhipura No. 2, Indorc. This is the immovable property which has been described in Form No. 37-G duly verified by the transferec.

V. P. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills
BHOPAL

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforcsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-12-1985.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF DEDLA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL M.P.

Bhopal, the 13th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/6170,—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing

Land Khata No. 318 situated at Vill Sabakheda Pagana, Mandsaur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering efficer at Mandsaur in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or eve of the transferor to pay tax w t of the income and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneye or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in parenunce of Sestion 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforcanid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Mahesh Sharma S/o Shri Indraprasad Sharma R/o Nai Abadi, Mandsaur.

(Transferor)

(2) S/Shri Hemantkumar, 2. Gajendrakumar Ss/o Shri Mishrilalji Hingad, R/o Janku Pura, Mandsaur Shri Manaklal
 S/o Shri Surajmalji Jain, R/o Mandsaur, 4. Smt. Kantabai W/o Shri Shantilalji Jain, R/o Nai Abadi, Mandsaur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genetic or a period of 30 days from e strvice of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein es are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land Khata No. 318 is situated at Vill. Sabakheda Pargana, Mandsaur. This is the immovable property which has been described in Form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills BHOPAL

Date: 13-12-1985

# FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/6171.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Land Survey No. 14 situated at Vill. Nowgaon Bujurg, Teh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhar in April 1985

for an apparent consideration which is tess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the aparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the conceamlent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Shrimant Hemlata Raje W/o Shrimant Jagdeshavrao Maharaj Pawar Thro' general power of attorney Hariram S/o Narayandas Sharma, R/o Dhar.

(Transferor)

 (2) Shri Shivnarayan S/o Laxminarayan Jaiswal
 (2) R/o Dhar Thro' General power of attorney
 Sh. Chootenprasad S/o Ramdhani Prasad, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the condensigned:---

- (a) by may of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from service of notice on the respective persons, ichever period empires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as use defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land Survey No. 14 is situated at Vill. Nawgaon Bujurg, Teh. Dhar. This is the immovable property which has been describe in Form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 13-12-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6172.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flot No. 72 & Flat No. 3 built thereon (Jamna Apartments) situated at Rajmahal Colony, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the preperty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mere bun fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-acction (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. B. K. Builders, 90/4, M.G. Road, Indore (M.P.). Thro' Partner:
  - Mahendra Kumar S/o Bhuralal
     Jawahar S/o Shrinivas Kulkarni, R/o 90/4, M. G. Road, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Kiran Kumar S/o Shri Amolakchand R/o 125, B-Nemi Nagar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 72 & the flat No. 3 built thereon is situated at Rajmahal Colony, Indore. This is the immovable property which has been described in Form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 13-12-85

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 13th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6173.—Whereas I, V. P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land Kh. No. 3, 5 situated at Mauza Vill. Bhokarpatwarl,

Sanavad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sanawad on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly state the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, In respect of any income arising from the transferor;
- -u) facilitating the conceaiment or any income or any moneys or other assets which have not been or which cought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Kanhaiyalal S/o Shri Chandmalji Maheshwary Mahajan, R/o Sanawad.

(Transferor)

(2) 1. Shri Shikarchand, 2. Devendra Kumar S/o Lakshmichandsa Jain, R/o Sanawad. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land Kh. No. 3, 5 is situated at Vill. Bhokarpatwari, Sanawad. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopar

Date: 13-12-85

(1) Shri Vimalchand Surajmal Jain

(Transferor)

R/o 66, Bohra Bazar, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Badami Bai W/o Shri Bhanwarlal Dagdi & Shri Chandrasckhar S/o Shri Bhanwarlal Dagdi, R/o 78. Radha Nagar, Indore.

(Transferce)

# TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 13th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl /6174.—Whereas I, V. P. SHRIVASTAVA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. 88 situated at Indralok colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more has fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer andior

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I haveby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely -- 139-416 GY/85

74-426 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act. and shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 88, is situated at Indralok Colony, Indore. This is the immovable property, which has been described in form No. 37-G, duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
>
> Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 13-12-85

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE €NOOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAI M.P.

Bhopal, the 13th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6175.—Whereas I, V. P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 84 situated at Maharaja Tukojirao Cloth Market,

Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Indore in April 1985

for an apparent consideration which is loss than the fair rearket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) incilitating the reduction or evenion of the Habilli of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; nd Aor
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1927 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937):

New therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :--

(1) Arya Samaj Malharganj, Indore Thro' President Shri Ramswaroop S/o Shri Bherulalji Khandelwal Secretary—Shri Krishnugopal S/o Nandlalji Madatwal, R/o Ramganj, Ginsi, Indore.

(Transferor)

(2) M/s. Jaiprakash Vimalkumar, 84, M.T. Cloth Market, Indore

84, M.I. Cloth Market, Additional Thro' Partner:
1. Sh. Jaiprakash S/o Sh. Gyanchand Nahar
2. Shri Vimal Kumar S/o Shri Gyanchand Nahar, R/o 84, M.T. Cloth Market, Indore.
(Transferee)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preserty may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given is that

# THE SCHEDULE

Shop No. 84 is situated at M.T. Cloth Market, Indorc. This is the immovable property which has been described in Form No. 37-G duly verified by the transferee,

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 13-12-85

Seal:

(1) Shri Syam Wadhwani S/o Jhamandas Wadhwani, R/o 123, Palsikar Colony, Indore.

(Transferor)

ACTION UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ramchandra S/o Balkrishna Dhindorkar R/o 64, Pir Gali, Indore. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :--

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

other person interested in the said (b) by any immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bhopal, the 13th December 1985

being the Competent Authority under Section 269-B of the

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. JAC/Acqn./Bpl./6176.—Whereas I, V. P. SHRIVASTAVA,

income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovthle property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. 64, situated at Greater Tirupati Colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than bitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. 64 is situated at Greater Tirupati Colony,, Indore. This is the immovable property which has been described in Form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the forestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follows ing persons, namely :-

Date: 13-12-85

#### FORM TINS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 13th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl,/6177.—Whereas I, V. P. SHRIVASTAVA,

v. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing House No. 31 situated at Sneh Nagar, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred.

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore in April 1985

for an apparent consideration which is less market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
   of the transferor to pay tax under the said Act, in
   respect of any income arising from the transfer; mad/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Premlata, Pankaj, Kamal, Yamini, Kamini Agal 80, Janki Nagar, Indore.

(2) M/s, Malva Tyre House, Maheshchandra, Sureshchandra, Gopal & Arun Kumar 123, Chhoti Gwaltoli, Indore.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late ,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. 31 is situated at Sneh Nagar, Indore. This is the immovable property which has been described in Form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 13-12-85

Scal:

CURM ITNE-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 12th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6178.--Whereas I, V. P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the facome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the framovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000land bearing No. Shed at Mechanic Nagar situated at Khatiwala Tank Scheme

No. 44, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed berete), has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in April 1985

for an apparent consideration which is less than the formarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteet per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other useets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Shri Paramjit Singh S/o Karnel Singh R/o Mechanic Nagar, Khatiwala Tank, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Badrul Amin S/o Mohanimed Amin Thro' attorney Saiyed Ahmad S/o Abdul Latif R/o Koyala Bakhal, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given to that Chapter

# THE SCHEDULE

Shed is situated at Mechanic Nagar, Khatiwala Tank Scheme No. 14, Indore. This is the immovable property which has been described in Form No. 37-G duly verified by the transferce.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 12-12-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Bhopal, the 12th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6179.—Whereas I, V. P. SHRIVASTAVĀ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 113 & Flat thereon situated at Shrinagar, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said tustrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s. Madhuben Apartment, Prop. Nandkishore Ramkishan Agrawal, 'Thro' Genl. power of attorney Premchand Mannalal, 46, M.G. Road, Indore.

(Transferer)

(2) Smt. Padmini Hemant Kumar Khajanchi, 113, Shrinagar Extn. Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Plot No. 113 & the flat No. 1 (3rd floor) built thereon is situated at Shrinagar, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Scal :

Date: 12-12-85

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX aCT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 13th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6180.—Whereas I, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. House No 130 situated at Anoop Nagar, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the wak? Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa d property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Vachan Singh S/o Shri Fakiriasingh, 172, Shrinagar colony, Indore.

(Transferor)

(2) Dr. Laxmandas S/o Shri Bachnaram Gupta R/o 10/5, New Palasia, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 130 is situated at Anoop Nagar, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA
Competent Authority
, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 13-12-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 13th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6181.—Whereas I. V. P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Plot No. 779 and Flat No. 12 thereon situated at Manishpuri, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Indore on April 1985

for an appaient consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Naw, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceduring for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D if the said Act, to the followeig persons, namely ;-

(1) M/s. Vrindavan Apartments Thro Partner Balkrishna Agrawal S/o Shri Doulatramji Agrawal, R/o 158, Saket Nagar, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Dilipsingh Rathore S/o late Rana Bhimsingh Rathore, R/o 158, Saket Nagar, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 779 & Flat No. 12 thereon is situated at Manishpuri colony, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills. Bhopal

Date: 13-12-85

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 13th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6182.—Whereas I, V. P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and hearing No.

Megh Bldg. Flat No. A-4 situated at 13/2, M. G. Road, Indone

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income prising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or ither assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
75—426GI/85

(1) Smt. Kamladevi Jain W/o Shri Rajendra Kumur Jain A-4, Megh Flats, 13/2, M. G. Road, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Kailash Devi W/o Sarimal Karnawat, R/o 43, Dr. Katju Marg, Jaora, Dist. Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said :mmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. A-4 of Megh Building is situated at 13/2, M. G. Road, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 13-12-85

Seal

#### PORM ITNS---

(1) Smt. Kundani Bai W/o Jethanandji, 195, Palsikar Colony, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sapna Grih Nirman Sahkari Sanstha Maryadit 91, Siyaganj, Indore. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

ACQUISITION RANGE BHOPAL M. P.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Bhopal, the 13th December 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of by any of the altorestate persons which any of the altorestate of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6183.--Whereas I,

V. P. SHRIVASTAVA

V. P. SHRIVASTAVA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1.00,000/- end bearing No. Plot No. 324M/R situated at Scheme No. 44, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason market value of the ajoresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (b) by any other person interested in the said immovable properly, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Art, 1957 (27 of 1957);

Plot No. 324 M/R. Scheme No. 44 is situated at Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, BHOPAL

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesand property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13-12-1985

Seel:

-----

#### FORM I.T.N.S.-

(1) Smt. Shilabai W/o Madanmohan Khar R/o Arera Colony, Bhopal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Yash Grih Nirman Sahkari Sanstha Maryadit, 101. Agrawal Nagar, Indore.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE BHOPAL M. P.

Bhopal, the 13th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6184.-Whereas I,

V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 60 situated at Shringar Colony, Indore,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrating Officer at Indore in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of !---

(a) facilitating the reduction or avasion of the fixedby of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely: -

Objections, if any, to the acquisition of the axid property may be made in writing to the undersigned !--

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 60 is situated at Shrinagar Colony, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37G duly verified by the transferce.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Rana Income Tax Building Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Date: 13-12-1985

# NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

(2) Yash Grih Nirman Sahkari Sanstha Maryadit,

Khar R/o Arera Colony, Bhopal.

Indore, 101, Agrawal Nagar, Indore. (Transferee)

(1) Shri Madan Mohan S/o, Rai Saheb Krishnalalji

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE BHOPAL M. P.

Bhopal, the 13th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6185.-Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Plot No. 61 situated at Shrinagar Colony, Indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in April 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 61 is situated at Shrinagar Colony, Indore. This is the immovable property which has been described in form. No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Now, theerefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-

Date: 13-12-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL M. P.

Bhopal, the 13th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6186.—Whereas I, V. P. SHRIVASTAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Agri, land Kh. No. 923 situated at Vill. Kailod Kartal,

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believt that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Babulal, Dhannalal, Prahlad S/o late Goralji & Smt. Kesharbai W/o Gopalji, R/o Vill. Aasravad Khurd, Teh, Indore.

(Transferor)

 Shri Ramchandra \$/o Shri Brijledji Salvadiya
 Smt. Kamlabal W/o. Shri Ramchandra Salvadiya R/o 43, Kumavatpura, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respect persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning a given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agrl. land Kh. No. 923 is situated at Kailod Kartal, Teh. Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection: (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;---

Date: 13-12-1985

Scal:

(1) Shri Bhagirath S/o Devaji Khati R/o Vill. Pipalyukumar, Teh. Indore.

Patel Nagar Indore.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BHOPAL M. P.

Bhopal, the 13th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6187.-Whereas I, V. P. SHRIVASTAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Land kh. No. 154 situated at Vill. Pipalya-Kumar, Teh. Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration increfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(2) Vaibhav Sahkari Grih Nirman Sahkari Sanstha Maryadit, Indore Thro' President Shri Shri Kishan S/o Choithram Matlani, R/o 38.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land Kh. No. 154, is situated at Vill. Pipalayakumar Teh. & Distt. Indore. This is the immovable property, which has been described in form No. 37-G, duly verified by the transferce.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building
> Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Dete: 13-12-1985

Seat :

#### FORM I.T.N.S. ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

#### Bhopal, the 13th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6188.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA

the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Land Survey No. 132 situated at Vill. Govla, Teh.

& Disti. Dhar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at the Registering Officer at Dhar in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any incor arising from the transferand/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the sald Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Jagdish, S/o Ramkishore Mahajan Rawat, R/o Vill. Gavia, Teh. Dhar, Dist. Dhar (MP).

(Transferor)

(2) Smt. Jyoti W/o Pradeep Kumar Gandhi 495, M.G. Road, Indore, Director, Gourav Cement Co. (P) Ltd., Regd. Off. 87, Doulatgani, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land survey No. 132, is situated at Vill. Gavla, distt. Dhar. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G, duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA Competent\_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Building, Near Central India Floor Mills, Bhopal.

Date: 13-12-1985

Scal :

#### FORM LT.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE BHOPAL M. P.

Bhopal, the 16th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6189—Whereas I, V. P. SHRIVASTAVA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair marketing value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No land situated at Vill Phopnar Kalan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Burhanpur in April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ob ject of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferror to pay tax under the said Act, in tespect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitate the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (!) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Akhtar Hussain S/o Shamsherali Bohra, R/o Bhairati Bazar, Berl Maidan, Teh. Burhanpur. (Transferor)
- (2) Subhashchandra S/o Baboolal Choksey, Phopnar Kalan, Teh, Burhanpur,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULB

Land is situated at village Phonar Kalan, Teh. Burhanpur. This is the immovable property, which has been described in form No. 37-G, duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhonal

Date: 16-12-1985

# FORM ITNS----

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPETCING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 16th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6190.-Whereas I, V. P. SHRIVASTAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 19617 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. Land situated at Vill. Phopnar Kalan (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer Burhanpur in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating hte concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons passely: Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said 76-426GI/85

(1) Shri Akhtar Hussain S/o Shamsherali Bohra, R/o Khairati Bazar Ward, Bairy Maidan, Burhan-

(Transferor)

(2) Shri Nitinkumar S/o Ashokchand Choksey, Minor through Ashokchand Baboolal Choksey, R/o Phopnar Kalan, Teh. Burhanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:---The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land is situated at Vi'l. Phopnarkalan, Teh. Burhanpur. This is the immovable property, which has been described in form No. 37-G, duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range Income Tax Building
Near Central India Floor Mils, BHOPAL

Date: 16-12-1985

<u>ar arrivala de la composição de la comp</u>

# FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL M. P. Bhopal, the 16th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6191.—Whereas I, V. P. SHRIVASTAVA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. Land situated at Vill. Phopnar Kalan (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proverty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the paid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-acction (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

 Shri Akhtar Hussain S/o Shamsherali Bohra, R/o Khairati Bazar, Ward, Bairy Maidan, Burhanpur.

(Transferor)

(2) Shri Kantikumar S/o Arunchand Choksey, Minor, through father Arunakumar Baboolal Choksey, R/o Phopnar Kalan, Teh, Burhanpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be used in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land is situated at Vill. Phopnar Kalan, 7-b. Burhanpur. This is the immovable property, which has been described in form No. 37-G, duly verified in the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition RengeIncome Tax Building
Near Central India Floor Mils. BHOPAL

Date: 16-12-1985

FORM THIS ... ....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE BHOPAL M. P.

Bhopal, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Brl./6192.---Whereas I, V. P. SHRIVASTAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing No. Plot No. 27 (Block No. 5) situated at Napier town,

Jabalpur,

Jabalpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jabalpur in April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument e transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Sin Herbert Kishore with his brother Basil Kalvani and Samuel Khunat & Smt. Tirekha Elias of Calcutta, Wd/o late Shri H. T. Elias.

(Transferor)

(2) Smt. Asha Jain /o Arvind Kumar, Jain R/o Koiwali Bazar, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and to expressions used herein as are defined in hapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Nazul plot No. 27 (Block No. 5) is situated at Napier town, Jabalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mils, BHOPAL

Date: 10-12-1985

# FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL M. P.
Bhopal, the 16th December 1985 Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6193.-Whereas I, V. P. SHRIVASTAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Ag. Land situated at Vill. Palasur, Teh. Burhanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Burhanpur on 8-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the protection and the consideration for such transfer as agreed to be transfer the protection and the consideration for such transfer as agreed to be transfer as agreed to be transfer the protection and the consideration for such transfer as agreed to be transfer to the consideration that the consideration the consideration the consideration the consideration and that the consideration the consideration the consideration the consideration and that the consideration the consideration the consideration the consideration and that the consideration the consideration the consideration the consideration the consideration and that the consideration the considerati between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any

(1) Shri Khusal Onkar Mahajan, R/o Vill. Palasur, Teh. Burhanpur.

(Transferor)

(2) Shri Balu & Khusal Mahajan, R/o Falasur, Teh. Burhanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULB

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agricultural land is situated at Vill. Palasur, Teh. Burhanpur.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mils, BHOPAL

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intlate proceeding for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 16-12-1985

(1) Shri Ajit S/o Dr. (Late) Ramchaudra Atre, R/o Civil Line, Raipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Manoharlal S/o Hargundas Jadhwani. Nal Ghar Colony, Raipur.

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(Transferee)

ACQUISITION RANGE Bhopal, the 17th December 1985

BHOPAL M. P.

Ref. No. JAC/Acqn./Bpl./6194.—Whereas I, V. P. SRIVASTAVA,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heteinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. House No. 27/520 situated at M.G. Road, Raipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering office: at Raipur on 10-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) by any other person, interested in the said immove able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House No. 27/520 is situated at M.G. Road, Ralpur.

V. P. SRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mils, BHOPAL

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persone, namely:-

Date: 17-12-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 17th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/6195.—Whereas, I. V. P. SRIVASTAVA.

V. P. SRIVASIAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 27/520 situated at M.G. Road, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registrating (lifteer at

1908) In the Office of the Registering Officer at Raipur on 10-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : ment of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Ajit S/o Dr. (Late) Ramchandra Atre, R/o Civil Line, Raipur.

(Transferor)

(2) Shri Shankarlal S/o Shri Hargundas Jadhwani, Nal Ghar Colony, Raipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. 27/520 is situated at M.G. Road, Ralpur.

V. P. SRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Income-tax Building. Near Central India Flour Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 17-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 17th December 1985 Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/6196.—Whereas, I, V. P. SRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No.

House No. 27/520 situated at M.G. Road, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

House No. 27/520 situated at M.G. Road, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Ac., 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Raipur on 10-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of \*—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ar
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

Shri Ajit
 S/o Dr. (Late) Ramchandra Atre,
 R/o Civil Line,
 Raipur.

(Transferor)

(2) Shri Murlidhar, S/o Shri Hargundas Jadhwani, Nal Ghar Colony, Raipur.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the eforesaid persons within a period & 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Greette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 27/520 is situated at M.G. Road, Raipur

V. P. SRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incomt-tax.
Acquisition Range,
Income-tax Building,
Near Central India Flour Mills,
Bhopal.

Date: 17-12-1985

Shri Ajit
 S/o Dr. (Late) Ramchandra Atre,
 R/o Civil Line,
 Raipur.

(Transferor)

(2) Shri Amarlal S/o Shri Hargundas Jadhwani, Nal Ghar Colony, Raipur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 17th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn,/Bpl/6197.—Whereas, I. V. P. SRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00.090/- and bearing No.
House No. 27/520 situated at M.G. Road, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 10-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor House No. 27/520 is situated at M.G. Road, Raipur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

V. P. SRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incomt-tax,
Acquisition Range,
Income-tax Building,
Near Central India Flour Mills,
Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely—

Date: 17-12-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 17th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn., Bpl. 6198. Whereas. I, V. P. SRIVASTAVA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1.00,000/-and bearing

Plot No. 36 situated at Saketuagar, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred uner the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that this consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shu Yashveidhan Chopia S.o Shri S., K. Chopia, R.o Saket Nagar (Khajiana).

(Transferor)

(2) Shri Navyug Guh Nirman Sahkari Sanstha, 154-M, Khatiwala Tank, Indore, Through President... Shri Shrichand S/o Shri Tarachandji Chugh, (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No 36 is situated at Saket Nagar, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G, duly verified by the transferee.

V. P. SRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range,
Incometax Building,
Near Central India Flour Mills.
Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sersons, namely:—

77---426G1/85

Date - 17-12-1985

Scal :

NOTICE \*\*NDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

The part of the company of the part of the

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 17th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/6199.—Whereas, I, V. P. SRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Bunglow No. 726 situated at Napier Town, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred uner the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jabalpur on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-aid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any mackeys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in sensuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, names:

 Shri Sardar Gurumukhsingh Narula, T. S. Hardyal Sngh, 726, Napier Town, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Anant D. Devras,S/o Late Shri Diwakar Rao Devras,41, Napier Town,Jabalpur.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Bunglow No. 726 is situated at Napier Town, Jabalpur. This is the immovable property, which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Income-tax Building
Near Central India Flour Mills,
Bhopal

Date : 17-12-1985

#### FORM ITNE-

(1) 1. Shii Hariram 2. Sriram S,'o Mitan 3. Munia widow of Mitan, Mahantpara, Raipur.

(Transfexor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Lalit Kumai Singharia, Bharat Sahakari Criha Nirwan Samiti Maryadit, Jawahar Nagar, Raipur.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

#### ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 17th December 1985

Ref. No IAC/Acqn./Bpl/6200.—Whereas, 1, V. P. SRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)) (Income-tax Act, 1961) (Inco Rs. 1,00.000/- and hearing
P.H. No. 109, B. No.
situated at Jawahar Nagar, Raipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred uner the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Raipur on April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chief of the said instrument.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand :-

- (a) by any of the aforesaid persons which a period of 45 days from the date of publication of this motion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-solm property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined to Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

P.H. No. 109 is situated at Jawahar Nagar, Raipur, This is the immovable property, which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income-tax Building, Near Central India Flour Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Date: 17-12-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 17th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/6201,—Whereas. I. V. P. SRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

and bearing
Plot No. 12 and constructed house therein
situated at Ravinagar Colony, Indore
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred uner the Registration Act. 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Indore on April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tak Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Ashok Menda S/o Shri Baldevdas Menda,
 Smt. Geeta W/o Shri Tulsidas Hinduja, Chandralok Colony, Indore.

(Transferee)

 Smt. Mamta Garg, W/o Shri Prem Garg, R/o 4, Maharani Road, Indore.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 12 and constructed house therein is situated at Ravi Nagar Colony, Indore. This is the immovable property, which has been described in form No. 37-G dulye verified by the transferce.

V. P. SRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Rame
Income-tax Building.
Near Central India Flour Mills.
Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 17-12-1985

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 17th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/6202, "Whereas, I, V, P. SRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing House No. 84 (1/irst floor)

situated at M.T. Cloth Market, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred uner the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other amets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Aryasamaj Malharganj, Indore Through President— Shri Ramswaroop Khandelwal S/o Shri Bherulalji Khandelwal, R o 75, Malharganj, Indore & Secretary Shri Medatwal S/o Shri Nanlalji Medatwal, Ramganj, Indore.

(2) M/s. Prakashchandra Kothari Through Proprietor— Shri Prakashchandra Kothari S/o Bhanupratap Kothari, 58, Ahilyapura, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. 84 (First floor) is stuated at M.T. Cloth Market, Indore. This is the immovable property, which has been described in form No. 37-G, duly vermed by the transferee

V. P. SRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incomt-lax,
Acquisition Range,
Income-tax Building,
Near Central India Flour Mills,
Bhopal

Date: 17-12-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. BHOPAL M.P.

Bhopal, the 18th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/6203.—Whereas, I, V. P. SRIVASTAVA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 o 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immedvable

as the 'said Act'), have reason to believe there the management property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 7, situated at Roshansingh Bhandari Marg, Indore (and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred uner the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indoor in Arcil 1985

Indore in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reseen to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferer to pay tax under the said Aut, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or he said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Nateshehandra Sethi, As Attorney of Smt. Anoop Probha Sethi, R/o Manik Bhawan, Tukoganj, Indore.

(Transferor)

(2) U.Smt, Manorama W/o Shri Roshanlal Baphana, 2. Shri Ravindrakumar, S/o Shri Roshanlal Baphana, 3. Shri Sangecta W/o Shri Ravindrakumar All r/o 5/2, Old Palasia, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

oversely produced by the contraction of the contrac

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the survice of notice on the respective persons, whicher period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning at given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

THE SCHEDULL

House No 7, is situated at Roshansingh Bhandari Marg, Indore. This is the immovable property, which has been described in form No. 37-G, duly verified by the transferee.

V. P. SRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Income-tax Building. Near Central India Flour Mills, Bhopal

Date : 18-12-1985

200 52-32-4-4-53

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL M.P.

Bhopal, the 18th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn. Bpl/6204.—Whereas, J. V. P. SRIVASTAVA,

V. P. SRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Vacant land and Building (Single storey) situated at Village Katulbod P.C. No. 70/56, Teh. & Dist. Durg (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act. 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Othice of the Registering Officer at Durg in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by market than fifteen per cent of such apparent consideration. and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly atated in the said instru-ment of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evanlor at the (sability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; جه/اعتد
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1956).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid properly by the issue of this notice under subsection (1) of Section (1) of the said Act, to the following persons, namely.—

(1) Shri P. S. Mehta S. o Shri S. N. Mehta, D.F.O. Hoshangabad, Distr. Hoshangabad, (Transferor)

(2) Shri S. S. Dharaskar S. o S. D. Dharaskar Bunglow No. 8, 32 Bunglow, Bhilai, M.P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expression used herein 48 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and single storeyed building is situated at Village Kotulbod P.C. No 70/56, Teh. & Distt. Durg, M.P. This is the immovable property, which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

> V. P. SRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Income-tax Building, Near Central India Flour Mills. Bhopal

Date: 18-12-1985

Scol:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 17th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6205.-Whereas, I,

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6205.—Whereas, I, V. P. SRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Open land 6487 sq. ft. with one room and swimming pool situated at Ratlam (Rambagh)

has been transferred uner the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Indore in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the rarties bas not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922). or the said Act, or the Welath-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

(1) Shri Ravikumar S/o Shri Vardhaman Dafria, Karta of HUF. S/Shri Ravikumar Vardhman Dafria, Rituvan, Rambagh. Ratlam.

(Transferor)

- (2) L. Mrs. Jakyabai, W/o Hakimuddin Pakawala,
  - 2, Mr. Johan
  - Szo Hakimuddin Pakawala
  - 3. Mr. Majhar
  - S.o Hakimuddin Pakawala
  - 4. Mr. Mustafa
  - S/o Hakimuddin Pakawala

  - 5. Mr. Yusuf S/o Hakimuddin Pakawala
  - R/o Taherpura. Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this
  notice in the Official Gazette or a period of 30
  days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any oher person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land, one room and swimming pool is situated at Ratlam. This is the immovable property, which has been described in form No. 37-G, duly verified by the transferee.

> V. P. SRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Income-tax Building. Near Central India Flour Mills, Bhopal

Date: 17-12-1985

(1) Mrs. S. S. Kini.

(Transferor)

(2) Mr. M. D. Kamath.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR.III/37.G/2659.—Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

S. No. 208, H. No. 30 & 32, C. T. S. No. 1571 & 1572

S. No. 208, H. No. 30 & 32, C. T. S. No. 1571 & 1572 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trally stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
78—426GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Piece of land, S. No. 208, H. No. 30 and 32, CTS No.  $57\ r\ 572\ Bomaby.$ 

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. 1900/84

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 5-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR, III/37.G/2675.—Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Piece or parcel of land 22-C Miniland, Tank Road, Village Kanjur, Bhandup, Bombay-78 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bomaby on 16-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. P. P. Parikh.

(Transferor)

(2) Smt. Nayan De Ramayan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Piece or parcel of land 22-C, Miniland, Tank Rd. Village Kanjur, Bhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. S 2873 dated 16-4-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Inocme-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date : 5-12-1985

(1) Waman Pandurang Patil.

(Transferor)

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ARBITANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

#### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR.III/37.G/2624.-

Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land bearing S. No. 15 (3)(p) CTS No. 3, Village Mulund Tabuku Kurla, Bombay

Taluka Kurla, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 23-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) M/s. Amol Co-operative Hsg. Sct. Ltd

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Piece of land S. No. 65/3(p) CTS No. 3, Village Mulund, Taluka Kurla, Bombay.

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer on 23-4-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-12-1985

FORM ITNS----

(1) Ishwarlal N. Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Farook Kasam & Ors.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 25th November 1985

Ref. No. AR.III/37 G/2631/85-86.— Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. plot of land with constructed Bldg. CTS No. 3556, 3557 & 3558 S. No. 374 H. No. 1(p) Kole Kalyan, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on

sor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1932) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1947);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I mereby initiate proceedings for the acquisition of the aforemid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Piece of land with Bldg. CTS No. 3556, 3557 & 3558, H. No. 374 H. No. 11 (p), Kole Kalyan, Bombay.

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. 1712/82.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 25-11-1985

FORM ITNS...

(1) Mrs. Mary D'Lima.

(Transferor)

() M/s. Indira Construction.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX AGT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III ROMBAY

Bombay, the 25th November 1985

Ref. No. AR. III/37G-2617/85-86.—Whereas, I, 4. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tur Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Piece or parcel of land S. No. 370 Hissa No. 3(p)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) and S. No. 378 Hissa No. 1(p) City Survey Nos. 3653 and 3654 Village Kole Kalyan Bombay on 15-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of -1957))

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the forcevid property by the inter of this notice under embection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing ersons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of thet said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Piece of land being Survey No. 370 H. No. 3, S. No. 378 H. No. 1 (p), CTS Nos. 3653 and 3654 Village Kole Kalyan, Taluka Andheri, Bombay.

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. 1550/1981 dated 15-4-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 25-11-1985

#### FORM ITNS...

(1) Shri Yunus Umar Khatri.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOMM-TAX ACT, 1961 (48 OF 1961)

(2) M/s, Jai Shivam Co-op. Hsg. Set. Ltd. (Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF ENCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

Bombay, the 25th November 1985

Ref. No. AR.III/37.G.2619/85-86.—

Ref. No. AR.III/37.G.2619/85-86.—
Whereas I. A. PRASAD.
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Land with Buildings bearing F. P. No. 22A CTS No. 526
Kurar Village, Malad (E), Bombay-97
(and more fully described in the Schedule annexed herete),
has been transferred under the Registration Act. 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at

of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 9-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gamette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the slabsky of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer;

## THE SCHEDULE

Piece of land with Bldg. F. P. No. 22-A, CTS No. 526, Kurar Village, Malad (W), Bombay-97.

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. S-922/77 dated 9-4-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1932 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957):

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269@ of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date : 25-11-1985

FORM ITN

(1) The Kanjur Co. op. Hsg.Soc.,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. The Ganeshwari Kirpa Co. op. Hsg. Ltd. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ALQUISITION RANGE III BOMBAY

Bombay, the 25th November 1985

Ref. No. AR.JII/37,G/2673/85-86.--Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. 44, S. No. 977 (pt), Bhandup (E), Bombay-78 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transferer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or assembles or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHOOL I

Plot No. 44, S. No. 977, (p), Bhandup (East), Bombay-78,

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. 3047/82.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferceald property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 25-11-1985

Sonl :

[PART III—-SEC. 1

FORM ITNS---

(1) Shri S. S. Kini.

(Transferor)

(2) Mr. Arunkumar Das.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HI BOMBAY

Bombay, the 22nd November 1985

Ref. No. AR.UI/37.G/2661/85-86.— Whereas I. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding. property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land S. No. 208, H. No. 30 & 32, C. T. S. No. 1571 &

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the fellowing persons, manchy:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Piece of land S. No. 208, H. No. 30 and 33 CTS No. 1571 and 1572 Village Malvani, Taluka Borivli, Bombay.

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at St. No. 1903/84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 22-11-1985

.....

(1) Shataram Sowar Kini.

(Transferor)

(2) K. P. Ghamakai

(Transferce)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSESTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 22nd November 1985

Ref. No. AR III/37.G/2660/85-86.---Whereas I, A PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000|-and bearing

Land with Structure at S. No. 208, H. No. 30 & 32 C.T.S. No. 1571 & 1572 satuated at Bombay

fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay or 14-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax and a (11 of 1922) or the said Act, or the Worldstar Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeraid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

79-426GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Piece of land S. No. 208 H. No. 30 and 32, CTS No. 571 and 572 with structure, Bombay.

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. 1902/84 dated 14 8-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Ronge-III, Bombay

Date : 22-11-1985

Seel:

## FORM ITNS----

(1) Smt. Prabhavati Manohar Gosavi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Musa Ehrahim Bilkhiya,

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION KANGE-III BOMBAY

Bombay, the 22nd November 1985

Ref. No. AR.III/37.G 2618/85-86.—

Whereas I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'abid Act'). have reason to believe that the immov-

as the 'azid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,09,000/- and bearing No. 1,09,000/- and bearing No. 58 together with building 'Geta Sagar plot No. 58 S. No. 13 city survey No. 105/1, 105/2 & 105/3. Pahadi Village, Goregan (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 10-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trally stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evenion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

Piece of land plot No. 58, with Bldg, Geeta Nagar, S. No. 13, CTS No. 105, 105/1, 105/2 or 105/3, Pahadi Village Goregaon, Bombay,

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. S-1505/84 dated 10-4-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ar which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :---

Date: 22-11-1985

(1) Ratanbai F. Divecha & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The Tata Hydro-Electric Power Supply Co. Ltd. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 22nd November 1985

Whereas I, A. PRASAD,

Ref. No. AR III/37.G.2626/85-86.-

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing land

S. No. 72(p) village Mulund, land S. No. 73 B. P. T. Road,

Village Mahul

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bomaby on 16-4-1985

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been fruly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wesith-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Piece of Jand Survey No. 77, (p) Village Mulund, Survey No. 73, B. P. T. Road, Village Mahul, Bombay.

The agreement has been registered with the St tering Officer at Sr. No. S-1540/82 dated 16-4-1985. Sub-Regis-

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely --

Date : 22-11-1935

(1) Smt. Injana W/o. Bhagwandas Gandhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Girdhari R. Karna.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 22nd November 1985

Ref. No. AR.III/37.G/2630/85-86.--Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 209B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter returned to as the 'said Act') have reason to believe that the management able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Room No 2 o. Block No. 16 CTS No. 359. Natur Village Netaji Road, Mulund Colony, Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the other of the Registering Officer at Bombay on 23-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have eason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been trilly stated in the said instrument. the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; nad/ir

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, in the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persen whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Charter.

#### THE SCHEDULE

Room No. 2 of Block No. 16, bearing CTS No. Nahur Village Netaji Road, Mulund Colony, Bombay-82.

The agreement has been registered with the Stering Officer at Sr. No. 2900/82 dated 23-4-1985. Sub-Regis-

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range III, Bombay

Date : 22-11-1985 Seal:

(1) M/s. Ganesh Builders.

(Transferor)

(2) Shri Ranjeet Sarju Prasad Choube & Ots.

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, ROMBAY

Bombay, the 3rd December 1985

No. AR-III/37EE/18975/84-85.— Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and beating No. Flat No. B-1, Cellar Floor at No tima Apartment, S.P.S.

Marg, Bhandup, Bombay-78

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

Flat No. B-1, on Cellar Fl. Neelima Apartment, S.P.S. Marg, Bhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18975/84-85 dated 1-5-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the requisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Date: 3-12-1985

(1) M/s. Ganesh Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. C. R. Unde.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX,

#### ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 3rd December 1985

No. AR-III/37EE/18956/84-85.-

Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 34, C-Wing, 3rd fl. Neclima Apartment, S.P.S.

Marg, Bhandup, Bombay-78

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transserred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler

Flat No. 34 in C-Wing, 3rd fl., Neelima Apartment, S.P.S. Marg, Bhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent

Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18956/84-85 dated 1-5-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 3-12-1985

#### FORM I.T.N.S.—

(1) City Builders.

(Transferor)

(2) Chadrakant B. Rane.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX OFFICE OF

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 25th November 1985

No. AR-III/37EE/18945/84-85.-Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing Fla No. 2A, 3rd fl., B. N. Rd., Kohan Nagar, Bhandup (W), Bombay-78

situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been tranfserred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or a disclosed by the transferee for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Iudian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

thow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 2-A, 3rd fl., B. N. Road, Kohan Nagar, Bhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR-III/37EE/18945/84-85 Authority, Bordated 1-5-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-' Bombar

Date: 25-11-1985

\_\_\_\_\_\_\_

#### FORM ITNS ---

- (1) Mr. V. A. Ratnani & Ors.
- (Transferor)
- (2) Mis Mulbai N. Keswani,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME/TAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay ,the 5th December 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18946/84-85,-Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 2e the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fall methot value exceeding Rs 1,00,600/- and bearing Flat No. 52/53, Turipati Apt. Plot No. 1083, Devidayal Cross Rd., Mulund (W), Bombay-80 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transserred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

Bombay on 1-5-1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have penson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cost of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said of transfer with the object of t-

- (a) incultating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said out, in respect of any income assing from the traditor;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, (11 of 1922) or the said Act, or the West Act. 1957 (27 of 1937); 1922

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sold Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 52/53, Tiripati Apartments, Plot No. 1082, Devidayal Road, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18946/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bomba

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-12-1985

(1) M/s. Paramount Indl. Stores.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s. Premshankar R. Sharma.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 25th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18910/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Gala No. 28, Shandti Indl. Estate, S. N. Rd., Mulund (W), situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transserred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the (2) Act to the following persons, namely:—80—426GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meesing as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Gala No. 28, Shanti Indl. Estate, S. N. Rd., Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18910/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Inocme-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 25-11-1985

FORM ITNS---- 187

(1) M/s. Paramount Indl. Stores.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Premshankar R. Shaima.

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

(a) by any of the aforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

(b) by any other person interested in the said immov-

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act.

shall have the same meaning as given in

45 days from the date of publication of this notice

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY** 

Bombay, the 25th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18911/84-85.—
Whereas, I, AKHILESH PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the imposable property baying a fair more at which movable property, having a fair market value exceeding Re. 1,00,000/- and bearing Gala No. 29, Shanti Indl. Estate, S. N. Rd., Mulund (W). Bombay-80

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. to respect of any income arising from the transfers und/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Gala No. 29, Shanti Indl. Estate, S. No. Rd., Mulund (W),

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18911/84-85 dated 1-5-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 25-11-1985

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. Paramount Indl. Stores.

(Transferor)

(2) M/s. Surva Sales.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 25th November 1985

No. AR-III/37EE/18912/84-85.-

No. AR-11/3/EE/18912/84-83.—
Whereas, I, AKHILESH PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immevable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Gala No. 30, Shanti Indl. Estate, S. N. Road, Mulund (W),

Bombay-60

situated at Bombay

(and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Gala No. 30, Shanti Indl. Estate, S. N. Road, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18912/84-85 dated 1-5-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subvection (1) of section 269D of the said Act, to the followremons, namely.

Date: 25-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

## (1) M/s, Hirandani Indl. Enterprises.

(Transferor)

(2) Mr. Purshotam K. Matai,

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 25th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18922/84-85....
Whereas, I, AKHILESH PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269% of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. Gala No. 140, Hirandani Indl. Estate Kanjur
Marg, Station, Bombay situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of
the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid preperty, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the irue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the dae of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Gala No. 140, Hirandani Indl. Estate, Kanjur Marg, Station, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18922/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 25-11-1985

(1) Mmt, Kanta Sharma.

(Transferor)

(2) Shri Keshavji R. Chandan.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 25th November 1985

Ref. No. AR-III/37-EE/18930/84-85.—
Whereas, I, AKHILESH PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
imme vable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. I, first fl. A-14. Govardhan Nagar, L.B.S. Marg,
Mulund (W), Bombay-80, situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Offic cof
the Competent Authority at
Bombay on 1-5-1985
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the surpress of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (b) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1, first fl. A-14, Govardhan Nagar, L.B.S. Marg, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37-EE/18930/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 25-11-1985

FORM LT.N.S.-

(1) Shri Maganlal Narshi & Ors.

(Transferor)

NOTICE UND ER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(Transferce)

T. AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Madhavi Dinesh Haria,

GOV. ERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned >-

OFFICE OF THE INSP. ECTING ASSTT. COMMISSIONER OF . INCOME-TAX

ACQUISITI ON RANGE-III,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 2:5th November 1985

BC )MBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-III/37EE/1 8932/84-85.-Whereas, I. AKHILESH PRIASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of ; 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 5-B, Hemleela Apartment, Mahatma Phule Road, Mulund (E), Bombay-81 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in Mulund (E), Bombay-81. respect of any income arising from the transfer;

and/or

45) facilitating the conceaument of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast. 1957 (27 of 1957);

Flat No. 5-B, Hemleela Apartment, Mahatma Phule Rd.,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bordated 1-5-1985. Bombay under No. AR-JII/37EE/18932/84-85

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following penatus, namely :--

Date : 25-11-1985

(1) Mrs. Maya A. Balani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Shabbir H. Jadliwala.

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 25th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18936/84-85.--Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 2, Ground Fl., Niranjan Apartments, Hira Nagar, Nahui Village, Mulund (W), Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Offic cof

the Competent Authority at
Bombay on 1-5-1985
for and apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers end/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 2, Ground Fl., Niranjan Apartment Hira Nagar, Nahur Village, mulund (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bondated 1-5-1985. Bombay under No. AR-III/37EE/18936/84-85

> AKHILESH PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bomb.:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 25-11-1985

FORM I.T.N.S. 187—

(1) Shree Mahavir Enterprises.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) Shri K. D. Ahuja,

#### (Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

## COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/18317/84-85.—Whereas, I. Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop Na. 71, ground floor, Veena Nagar, L.B.S. Marg, Mulund (W), Bombay-80 situated at Bombay Geetanjali Nagar Yojna No. 3, Shop No. 3, D-Wing, Oil has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Offic cof the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afor said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 71, ground floor, Veena Nagar, L.B.S. Marg, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18317/84-85 dated 1-4-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 29-10-1985

## FORM ITNS ---

(1) Smt. J. K. Matrak.

(Transferor)
(Transferee)

(2) M/s. Nirmal Developers.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY Bombay, the 28th November 1985

No. AR-III/3/EE/18623/84-85.--Whereas, I, AKHILFSH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 100,000/2, and hearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Block No. 47/6( Mulund Colony, Mulund (W), Bombay-82 situated at Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid executs the apparent consideration therefor by more than fifteen per coat of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
8I—426 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be unde in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Block No. 47/6, Mulund Colony, Mulund (W), Bombay-82. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37FF/18623/84-85 on 1-4-1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisitio nRange-III, Bombay.

Date: 28-11-1985

(1) Smt. Cherukuri Ratnakumari.

(Transferor)

(2) Mr. K. Mathew.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 4th December 1985

Ref No. AR.III/37EE/18677/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. Gr. Fl. Golden Dew C.H.S. Ltd., Deonar Baug, Deonar, Bombay-88.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act\_ 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therafer by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chiest of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (1: of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1, Ground Floor, Golden Dew C.H.S. Ltd., Deonar Baug, Deonar, Bombay-88.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. III/37EE/18677/84-85 on 1-4-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-12-1985

(1) Mr. Barun Kumar Batta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Gayaka Krishna.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 4th December 1985

Ref. No. AR, IΠ/37EE/18346/84-85,---Whereas, I.

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. E/7/12, Jai Taramani C.H.S. Ltd., Bangur Nagar, M. G. Road, Goregaon (W), Bombay situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority the Competent Authority et Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforest if property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent as agreed to between the parties has not been truly stated in the said least running of transfer with the chieft of the consideration and that the consideration and the said least running of transfer with the chieft of the consideration and the said least running of transfer with the chieft of the consideration and the said least running of transfer with the chieft of the consideration and the said least running of the said least runn instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer

(b) facilitating the contralment of any mecome or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. E7/12, Jai Taramani C.H.S. Ltd., Bangur Nagar, M. G. Road, Goregaon (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. III/37EE/18346/84-85 on 1-4-1985.

> A, PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

Date: 4-12-1985

#### FORM I.T.N.S.———

(1) Shri Hirachand Vardichand.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kalulal Dhoolchand Jain.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 4th December 1985

Ref. No. AR.III/37EE/18491/84-85.-Whereas, I, A PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Shop No. 3, New Ambika C.H.S. Ltd., Jawahar Nagar, Goregaon (W), Bombay-82 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than officen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ass., 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in purmance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following tersons namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty many be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the afercanid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as an defined in Chapter XXA of the said Act. all have the same meaning as given in that

## THE SCHEDULE

Shop No. 3, New Ambika C.H.S. Ltd., Jawahar Nagar, Goregaon (W) Bombay-62.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR.III/37EE/18491/84-85 on 1-4-1985

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 4-12-1985

(1) Shri Pursansingh Santasingh.

(Transferor)

(

(2) M/s. Sant Mechanical Ind. Pvt. Ltd.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 4th December 1985

Ref. No. AR.III/37EE/18672/84-85.--Whereas, J, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Incompetex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Indl. Plot No. T 1 at Kama Indl. Estate, Goregaon (East), Bombay-63 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1927);

New, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesais property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if, any to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the data of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

HAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same measure as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Indl. Plot No. T 1 Kama Indl. Estate, Goregaon (East), Bombay-63.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/18672/84-85 on 1-4-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 4-12-1985

#### FORM I.T.N.S.-

(1) M/s Graphico.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Alpha Plate Mfg. Co. Pvt. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 4th December 1985

Ref. No. AR.III/37EE/18851/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Gala No. 68, New Satguru Nanik Indl. Premises CHSL, Gr.

Gala No. 68, New Satguru Nanik Indl. Premises CHSL, Gr Fl. Western Express Highway, Goregaon (E), Bombay-65 situated at Bombay

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the Office of the Competent Authority et Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair that the value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Gala No. 68, New Satguru Nanik Indl. Premises C.H.S. I.td., Gr. Fl. Western Express Highway, Goregaon (East), Bombay-63.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/18851/84-85 on 1-4-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 4-12-1985

Seal

- (1) Mr. Shah Kamalkant Bhailal.
- (Transferor)
- (2) Ramesh Ramchandra Lalwani.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 4th December 1985

Ref. No. AR.III/37EE/18384/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Shop No. 3, Bldg. No. 3, 4, Atur Park Shiv Paravati C.H.S. Ltd., Bombay-71 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

et Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have remon to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the jedgetien or evasion of the limbility of the transferos to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor

Shop No. 3, Bldg. No. 3 & 4, Atur Park Shiv Parvati C.H.S. Ltd., Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/18384/84-85 on 1-4-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or thbe said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 69D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 4-12-1985

11,8 % 11 SS ----

(1) M/s Graphico,

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Alpha Plate Mfg. Co. Pvt. Ltd.

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 4th December 1985

Ref. No. AR.III/37EE/18850/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inamovtole property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Rs. 1,00,007 and bearing No. 1,00,007 and bearing No. 54, New Sorguru Nanik Ind. Premises Co-op. Sct. Ltd., Gr. Fl., Western Express Highway, Goregaon (East), Bombay-63 attuated at Bombay

Rombay-63 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the raid Act, or the Wealth-tux Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the dats of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said insmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Gala No. 54, New Satguru Nanik Indl. Premises C.H.S. Ltd., Or. Fl., Western Express Highway, Goregaon (East), Bombay-63.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. $\Pi I/37EE/18850/84-85$  on 1-4-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Fombay.

Now, therefore, in purmance of Section 269C of the same Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-12-1985

#### FORM ITNS

(1) Dr. Kolah Burjor Rustomii & Ors.

(Transferor)

(2) M/s 5 for Automates.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 4th December 1985

Ref. No. AR.III/37EP./18344/84-85.-Whereas, 1. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 19661 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'tail Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shed No. 2, Siddhpura Ind. Istate, S. V. Road, Goregoon

(West), Bombay-62.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

et Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

.b) facilitating the concealment of any theome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Incometax Act, 192? (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tan Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the valid Act, to the following persons, namely:— 82—426GI/85

Objections, it say, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the strvice of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Art. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Factory Shed No. 2, Siddhpura Ind. Estate, S. V. Road, Goregaon (West), Bombay-62.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR./III/37EE/18344/84-85 on 1-4-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 4-12-1985

FORM LTNS .----

(1) ohti Shama huda n i. Maredia & Ots.

(2) M/s Shrenik Steel Co.

(Transferor)

(Transferee)

## NUTICE UNDER SECTION 249D (4) OF THE INCOMETERN ACT, 1951 (4) OF 1951)

GOVERNMENT OF MILE

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSYT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RESPONDED IN BOMBAY

Bombar, the 4th December 1985

Ref. No. AR.fII/37EE/18489,84-85.- Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Incorac-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Shop on Ground ft. Brilivasi Indl. Petate I.B. Patel Road, Goregaon (E), Bombay-62 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-198 i

fee an supparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to vay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1932 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Las Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop or godown on ground floor, Brijwasi Indl. Estate, I. B. Patel Road, Goregaun (East). Bombay-62.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bumbry upder No. ARAH /37EF /18489/84-85 on 1-4-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III. Bornbay.

Date: 4-12-1985

(1) Mr. P. V. Sheth & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. P. Kannan & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-BL BOMBAY

Bombay, the 4th December 1985

Ref. No. AR.III 37EE /18684/84-85.-Whereas, I.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value 18 1900000 and beginn

that the immovable properly having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat in Bharat Tirtha Co-ep. Fisg. Scr. Ltd., Plot No. 27,
Sion Trombay Road, Chembur, Bembay-71
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1-4-1985

at homoay on 1-4-1985— for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of transfer as of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other a sects which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officail Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat/Bungalew on plot No. 27 of Bharat Tirtha Co-op. Hsg. Sct. Ltd., Lalwadi Chindewadi, Sion Trombay Road, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/18684/84-85 on 1-4-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely -

Date: 4-12-1985

(1) Mrs. Ram P. Kochar.

(Transferor)

(2) Mrs. Sanna Arora.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 4th December 1985

Ref. No. AR.1II/37EE/18495/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 6, 1st floor, Vishranti C.H.S. Ltd., 2nd Road, Chem-

bur, Bombay-71 situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tay Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more then fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfe with the object of ;-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which cught to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1920 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1967); (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective

persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 6, 1st Fl. Vishranti C.H.S. Ltd., 2nd Road Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/18495/84-85 on 1-4-1985.

> A. PRASAD Competent Authority inspecting Assistant Cimmissioner of Income-ter Aquisition Range-III, Bomay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mamely : -

Date: 4-12-1985

### FORM ITNS.---

(1) Smt. Kumud P. Rastogi.

(Transferor)

(2) Shri Vijay Kumar Mahajan,

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 4th December 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18404/84-85.—Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R. 1.00,000/- and bearing Flat No. D-2/12, Hari Ratan C.H.S. Ltd. Bangur, M.G. Road,

Goregaon (W), Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is regirtered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by move than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of !---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income scising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are deemed in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flut No. D-2/12, Hari Ratan C.H.S. Ltd. Bangur Nagar, M. G. Road, Goregaon (W), Bombay.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18404/84-85 dated 1-4-1985.

> A. PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

- (1) Shri Udharam D. Sahani.
- (Transferor)
- (2) Shri Kundan S. Thadani.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III BCMBAY

Bombay, the 4th December 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18689/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 3/D-6, 2nd fl. Vijay Vihar C.H.S. Ltd. ST. Rd.

Chembur, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 3/D-62nd fl. Vijay Vihar C.H.S. Ltd. S. T. Road, Chembur, Bombay.

The agreement has been Authority, Bombay under dated 1-4-1985. registered by the Competent No. AR-III/37EE/18689/84-85

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Dated: 4-12-1985

(1) M/s Packfine Corrugation Lad.

(Transferor)

(2) M/s Vishnu Dyeing Printing Works.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

STREET TO FOLK

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACOUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 4th December 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18018/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Katcha Shed Asbestos shiels being shed No 1 part III Ram

Mandir Rd. Goregaon, Bombay-62

tand more fully described in the schedule annexed has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apperent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the enid instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Aut. 1957 127 of 1957 -

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a neceby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :-

may be made in writing to the mederate ad the

Objections, he any, to the acression of the said property

- (a) by any of the aforesaid regions within a period of 45 days from the date or publication of the motion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expites later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this note. I official Greatte

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Kutcha Shed with asbestos sheets being shed No 1, Part III on land bearing S. No. 117 H. No. 3 off Mandir Rd. Goregaon (W) Bombay-62.

The agreement has been 12(11), and by the Competent Authority, Bombay under No A2-III/37EF/18018/84-85 dated 1-4-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 4-12-1985

FORM ITNS----

- (1) Sanghiv Steels Ltd.
  - (Transferor)
- (2) Shri C. K. Sinha.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST ANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III

BOMBAY
Bombay, the 2nd December 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18906/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. Flat No. 29, Chhadva Apartments. Sion Trombay Road, Opp. Diamond Garden, Chembur, Bombay-71 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an epparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sadi mimevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 29, Chhadva Apartments, Sion Trombay Road, opp. Diamond Garden, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18906/84-85 dated 1-4-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely.—

Dated: 2-12-1985

#### FORM ITNS-----

===== · (1) Mr. H. P. Chowdhary.

(Transferor)

(2) Mr. M. Mohandas.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 2nd December 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18419/84-85.---Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 4, Bhanumathi Premises C.H.S. Ltd., M. G. Road,

Bangur Nagar, Goregaon (W), Bombay-90.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the\_Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; mid lor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—83—426GI/85

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later:

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :--

(b) by any other person interested in the said mnmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 4, Bhanumathi Premises C.H.S. Ltd., M. G. Road, Bangur Nagar, Goregaon (W), Bombay-90.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18419/84-85 dated 1-4-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Dated: 2-12-1985

## FURM ITNS

(1) M/s. Ajay Builders & Developers.

(Transferor)

(2) Shri Purushottam T. Je(hmalani.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 28th December 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18077/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'and Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000 - and bearing Flat No. 9, 2nd fl. Ajay Apartment Plot No. 6, Nadiadwala Colony, Scheme No. 1, Malad (W) Bombay-64. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparant consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or eventum or the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any secome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any noneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 ('' of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 9, 2nd b. Ajay Apartment, plot No. 6, Nadiadwala colony Scheme No. 1, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18077/84-85 dated 1-4-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Dated: 28-12-1985

(1) A. M. Alwares and Ors.

(Transferor)

(2) B. D. Gobil and B. M. Chawda.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 28th November 1985.

Ref. No. AR-III/37EE/18750/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|-Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 39, Valnai Village, Roards Colony Orlem, Malad

(W), Bombay-64.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the suid instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transrefor to pay tax und the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any anoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Westth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition or the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this metice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of motice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sage it, shall have the same meaning to give in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 39, Valnai Village Rorads Colony, Orlem, Malad. Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent athority, Bombay under No. AR-III/37EE/18750/84/85 Authority, dated 1-4-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Anthority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Dated: 28-11-1985

(1) M/s. Glendale Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Albano D'Silva.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Ref. No.  $\Lambda R$ -III/37EE/18717/84-85.—Whereas, f, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 15, 3rd fl. Bldg. Under Const. Village Valnai, J. B. Colony, Orlem, Malad (W), Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the suid instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, m respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the reservice. pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herain as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Flat No. 15, 3rd fl. plot No. 16-A, CTS No. 432, Village Valnai, J. B. Colony, Orlem, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18717/84-85 Authority, Bondated 1-4-1985.

> AKHILFSH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Dated: 18-11-1985

#### FORM I.T.N.S.

(1) Shri Gopinath S. Vaishampavan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vijay Shankar Kamat,

(Transferee)

## COVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISTION RANGE-III **BOMBAY** 

· Bombay, the 28th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18660/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tail Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair marker value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No.
Piece or parcel of land, Flot No. 24-M, TPS. 1 Snivaji Nagar Malad (E), Bombay-97.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is test than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transcer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said matrument at transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer to that it is
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cought to be discissed by the transferes for the purposes of the Indian increase bix Act, 1932 (1) of 1922) on the said Am on the Apoletoist Am. 1957 187 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, "bichever period expires later:
- (b) by any other person, interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used hereis as are defined in Chapter XXA of the mid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Piece or parcel of land bearing plot No. 24-M, TPS. I, Shivaji Nagar, Malad (E), Bombay-97.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR-III/37EE/18660/84-85 Authority, dated 1-4-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Dated: 28-11-1985

## FORM ITNS----

(1) Harshadrai N. Bhayani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ganesh Construction Co.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIGNANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 28th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18235/84-85.—Whereas, I. AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 25, S. No. 26, Hissa No. 1 (p) and 3 (p) Village Valnai Malad (W), Bombay,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

Plot No. 25, S. No. 26, Hissa No. 1(p) and 3(p) Village Valnai, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18235/84-85 dated 1-4-1985.

o) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act; 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:--

Dated : 28-11-1985

#### FORM I.T.N.S.

(1) Shri Y, C. Tomboli,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri J. D. Gada Ors,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 18th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18816/84-85,-Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 608, 6th floor, Malad Shopping Centre, S. V. Road

Malad (W), Bombay-64.

situated at Bombay

(and more fully described in Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority Bombay on 1-4-1985 at

for an appearent consideration which is term than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax studer the said Act, in respect of any income eviding from the transfer; and /or

(b) faciliating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 '27) of 1957);

MOW, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afon said property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, a the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned:-

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever person expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

CEPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

## THE SCHEDULE

Flat No. 608, 6th floor, Malad shopping centre, S. V. Rd., Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent phority, Bombay under No. AR-III/37EE/18816/84-85 Competent Authority, Bon dated 1-4-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Dated: 18-11-1985 Seal

FORM I.T.N.S.----

(1) M/s. Agarwal Construction Co.,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. R. K. Mashruwalla & Ors.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III ΒΟΜΒΛΥ

Bombay, the 19th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18267/84-85.—Whereas, I.

Ref. No. AR-III/37EE/18267/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 205, 2nd floor, Opp. Bachani Nagar, Off. Daftary Road, Malad (F), Bombay-67.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is register under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) hy any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter NXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 205, 2nd 'floor, Opp. Bachani nagar, Off. Daftary Road, Malad (E), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18267/84-85 dated 1-4-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 19 11-1985

Scal

(1) Mrs. R. S. Kanchhal

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. C. J. Gogri

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18599/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No Flot No. 13, 1st floor, Nidhi Apartment, No. 1, T.P. Road, Malad (W. Bombay 64

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authorthy at Bombay on 1-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afonesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following 

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 13, 1st floor, Nidhi Apartment, No. 1, T.P. Road, Malad (W), Bombay 64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37E/18599/84-85 dated 1-4-85

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 18-11-85

(1) M/s. Agarwal Construction Co.,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri G. Goyal & Ors.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY Bombay, the 18th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18268/84-85.—Whereas, I. AKHILESH PRASAD.

ARTHLESH PRASAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (47 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 402, 4th floor, Opp. Bachani Nagar, Off. Daftary Road Maled (E). Rombay 67

Road, Malad (E), Bombay 67 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-85

apparent consideration which is less than the ir market value of the aferesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other sasets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 402, 4th floor, opp. Bachani Nagar, off, Daftary Road, Malad (E), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37-18268/84-85 dated 1-4-85

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Dato: 18-11-85

A CONTRACTOR OF THE PROPERTY O

FORM ITNE-

(1) M/s. Agarwal Construction Co.,

(Transferor)

(2) Smt. Sushma Agarwal.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18266/84-85.--Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 303, 3rd floor, opp. Bachani Nagar, off. Daftary Road, Malad (E), Bombay-67, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have season to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of stansfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gassetta.

BEFLAMATION :-- The terms and expressions used berein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

THE SECTION.

(a) facilitating the refluction or evasion o (the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any irvome arising from the transfer;

Flat No. 303, 3rd floor, off. Daftary Road, Opp. Bachani Nagar, Malad (E) Bombay 67.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18266/84-85 dated 1-4-85.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1997) Section 2691) of the said Act, to the following Firstins, namely :---

Date: 18-11-85

(1) Mrs. Kusum R. Saraf

(Transferor)

NOMICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Anil V. Mayekar.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18598/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and betring

and betring
No. Flat No. 54, 5th fl. Nidhi Apt. No. 1, T.P. Rd. Malad
(W), Bombay-64

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-85

Competent Authority at Bombay on 1-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the taid property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the chapter.

### THE SCHOOLS

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect or any measure arming from the preparer; and/or

Flat No. 54, 5th fl. Nidhi Apartment No. 1, T.P. Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18598/84-85 dated 1-4-1985.

(b) facultating the concealment of any income or any mioneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following nections. namely:—

Date: 18-11-85

(1) Mr. P. K. Zachariah

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. P. D. Chadana.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY BOMBAY

Bombay, the 4th December 1985

Ref. No. AR.II/37EE/19227/84-85.—Whereas, I, A. PRASD,

A. PRASD.
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing Flat No. 407, 4th floor, A.Wing, Prabhu Apartments, Mahendra Villa, Village Ghatkopar Kirol Rajawadi,
Ghatkopar, Bombay-77 situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
have been transferred and the agreement is revisitered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the

Competent Authority at Bombay on 1-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afficen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of mansfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 4, Chaitanya, Young Friends Co.op. Hsg. Soc. Ltd., Plot No. 109, Jai Prakash Nagar, Goregaon (E), (E), Bombay 63.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/19227/84-85 dated 1-5-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclose by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASA Competent Author Inspecting Assistant Commissioner of Income-Acquisition Range-III, Bomb

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice, under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-12-1985

#### FORM ITNS .....

(1) Damji Raghavji Shah

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (2) Siraj Ahamed Ijad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 20th November 9185

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR-III/37E/18141/84-85.—Whereas, I.

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding No. Shop No. 1B, Laxmi Shopping Centre, H.D. Road.

No. Shop No. 1B, Laxmi Shopping Centre, H.D. Road, Ghatkopar, Bombay-86 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-85

Competent Authority at Bombay on 1-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than integr, per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE 5CHEDULB

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or THE SCHEDULE
Shop No. 1, Laxmi Shopping Centre, H.D. Road, Ghatkopar, Bombay-86.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957): The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay No. AR-III/37E.18144/84-85 dated 1-4-1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Competent Authority
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 20-11-1985

- (1) M/s Vivek Enterprises
- (2) Shri Shantilal M. Mehta

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 20th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18724/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1 lakh and bearing No. No. Flat No. 407, 4th fl. A-Wing, Prabhu Apartments, Mahendra Villa, Village Ghatkopar Kirol Rajawadi, Ghatkopar, Bombay-77 situatde at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been tranferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

- (a) faciliating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been en which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 407, 4th fl. Mahendra Villa bearing CTS Nos. 4556 to 4580 Village Ghatkopar Kirol Rajawadi, Ghatkopar, Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE-18724/84-85 dated 1-4-1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, a unsuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-zamen (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 20-11-1985

THE RESERVE

\_\_\_\_\_

#### FORM ITNS-

(1) Smt. Konchenben C. Parkh & Ors.

(Transferor)

(2) Shri Bhagwanji Monji Thakkar.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 20th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18305/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 11, Plot No. 38, Ashish C.H.S. Ltd. Garodia Nagar, Ghackopar, Bombay-77. situated at Bombay

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tar Act, 1961 in the office of the Competen Authority at Bombay on 1-4-1985

Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 11, Plot No. 38, Ashish C.H.S. Ltd. Garodia Nagar, Ghatkopar, Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18305/84-85 dated 1-4-1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the follewing persons, namely:—

Dated: 20-11-1985

(1) M/s. Jain Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Prashant K. Patel,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 20th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18727/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing No. Flat No. C/2, G ound Fl., Navrang Baug Apt. S. No. 231 Ku la (E), Bombay-24.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Sect on 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competen Authority at

Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, nad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Apt. 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

## THE SCHEDULE

Flat No. C/2, Ground Fl. Navare Baug Apt. Bldg. S. No. 132, Part, CST No. 4, 4/1 to 4/45 and 231 part Kural (E), Bombay-24.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18727/84-85 dated 1-4-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following .: visman enorus. 85-426GI/85

Dated: 20-11-1985

Seal a

(1) M/s. Vivek Enterprises.

(Transferor)

(2) Shri M. R. Daftary & Others.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 20th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18240/84-85.—Whereas, 1, AKHIIJESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'; have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 507, 5th fl. B-Wing Prabhu Apartment, Rajawadi, Ghatkopar, Boulbay situated at Bombay (and more fully rescribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competen Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Flat No. 57, 5th fl. B-Wing Prabhu Apartment, Rajawadi, Ghatkopar, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent athority, Bombay under No. AR-III/37EE/18240/84-85 Authority, Bordated 1-4-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Dated: 20-11-1985

(1) Shri Damji R. Shah.

(Transferor)

\_\_\_\_

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. K. Mayekar.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 20th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18140/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 1A Laxmi Shopping Centre, H. D. Rd. Ghatkopar Bombay-86.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competen Authority at

Bombay on 1-5-1985

for an apparent consicration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice or the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XNA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 1A, Laxmi Shopping Centre, H. D. Rd. Ghatkopar, Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18140/84-85 dated 1-4-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (!) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 20-11-1985

FORM I.T.N.S .--

(1) M/s. Vivek Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1, OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt, Taruna K. Mehta.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 20th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18723/84-85.—Whereas, I. AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 307, 3rd fl. A-Wing Mahedra Villa, Village Ghatkopar Kirol, Rajawadi, Ghatkopar, Bombay-77.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competen Authority at

Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
   of the transferor to pay tax under the said Act, in
   respect of any income arising from the transfer;
   analor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 307, 3rd fl. A-Wingh Mahendra Villa, Kirol Village, Ghatkopar, Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18723/84-85 dated 1-4-1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 20-11-1985

(1) A. B. Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s. Gem Synthetics & Polymer (India).
(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 2nd December 1985

Ref. No. AR.III/37EE/18216/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing Unit No. C/10-A, Agra Road, Indi. Premises Co.op. Hisg. Soc., Lt.d, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

(and more fully described in the Schedule annexed herefo), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of teh Income-tax Act, 61 in the Office of the Competetn Authority at Bombay on 1-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor hymore than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULB

Unit No. C/10-A, Agra Road Indl. Premises Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Ghatkopar (W), L.B.S. Marg. Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/18216/84-85 dated 1-4-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 2-12-1985

Scal

#### FORM ITNS—

(1) Miss F. G. Deo.

(Transferor)

(2) Mrs. S. G. Deo & Ors.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 2nd December 1985

Ref. No. AR.III/37EE/18646/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have resson to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 15, Bldg. No. 2A, Bombay Taximen's Co-op. Hsg. Soc. Ltd., 306, L.B.S. Marg, Kurla (W), Bombay-70 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have remon to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULB

Flat No. 15, Bldg. No. 2A, Bombay Taximen's co.op. Hsg. Soc. Ltd., 306, L.B.S. Marg, Kurla (W), Bombay-70.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. 1II/37EE/18646/84-85 dated 1-4-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Dated: 2-12-1985

(1) M/s Blazon Industries.

(Transferor)

(2) M/s. Choudhary International

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

No. AR-III/37EE/18369/84-85.—Whereas, I.

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Gala No. 108, New Satguru

Nanik Indl., 7Estate, Western Express Highway, Goregaon (E),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the

Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesa'd exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 Jays from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—'The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the wald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Gala No. 108, New Satguru Nanik Indl. Estate, Western Express Highway, Goregaon (E), Bombay-63.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18369/84-85 dated 1-4-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sand Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 5-12-1985. Scal:

#### FORM ITNS ....

(1) Sh. V. P. Tamahane.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 2670(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Suresh M. Lalwani.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18537/84-85.--Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 23, Plot No. 4, Meghoor, Pesiam Sagar Scheme, G. S. Road, Chembur, Bombay-89, situated at Bombay (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985 (for an apparent consideration, which is less than the fuir for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer,

and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the data of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires latet;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in. that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 23, Flat No. 4, Meghoor, Pestom Sagar Scheme, G.S. Road, Chembur, Bombay-89.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18537-/84-85 dated 1-4-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 5-12-1983,

(1) Mr. K. N. Shah H.U.F.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. V. P. Doshi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Ref. No. AR-JJI/37EE/18928/84-85.--Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Block No. 65, Pankaj Bldg., ebaring No. Block No. 65, Pankaj Blgd.,

Hotel Airways, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-85. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

86-426GI-85

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Block No. 65, Pankaj B, Behind Hotel Airways, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86,
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/87EE/18928/84-85 dated 1-4-1985.

> AKHILESH CHANDER Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay.

Dated: 18-11-1985.

(1) M/s. Mehta Associates.

(Transferor)

(2) Mrs. Y. T. Uchil.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Ref. No. AR-III/37FF/18933/84-85.—Whereas. I. AKHILESH PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and hearing No. 1, 6th floor, Bldg. No. 6-D. Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopara Bombay-86 situated

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Computant Authority at Rombay on 1485

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the apparent consideration to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said that the consideration for such transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the wronesail property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1, 6th floor, Bldg. No. 6D. Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar, Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18933/84-85 dated 1-4-1985.

AKHILESH CHANDER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Dated: 18-11-1985.

(1) Smt. S. V. Chandron.

(Transferor)

(2) Sh. K. H. Patel,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18957/84-85.—Whereas. I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000- and bearing No. 3, 1st floor, Elephanta Gausala Lane, Malad (E), Bombay, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered und section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-85. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the as not been truly stated in the said instrument of transfer the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 3, 1st fl. Elephanta, Gausala I ane, Məlad  $\Gamma$ ), Bombay-97.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18957/84-85 dated 1-4-1985.

AKHILESH CHANDER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—.

Dated: 18-11-1985.

FORM I.T.N.S.—

(1) Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Radhakishan D. Vakhare

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Ref. No. AR-111/37EE/18968/84-85.—Whereas, I. AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/-and bearing No. Flat No. 407, fourth floor, Ajit Park-A, Somwar Bazar Road, Malad West, Bombay-64 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered unsection 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 1-4-85, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter. - - Late

## THE SCHEDULE

Flat No. 407, fourth fl. Ajit Park-A Somwar Bazar Road Malad West, Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18968/84-85 dated 1-4-1985.

AKHILESH CHANDER Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Dated: 18-11-1985.

## FORM ITNS----

(1) Mr. P. M. Shenoy.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Jossie Castelino.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18938/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 301, 3rd floor, Jasmine Apartment, Plot No. 21-22, Jnamdar Mith Chowky, Orlem, Malad (W), Bombay, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the fid instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/ or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforsaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd fl. Jasmine Apartment, Plot No. 21-22 Inamdar Layout, Mith Chowky, Orlem, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37FF/18938/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, increfore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following perons, namely:—

Dated: 18-11-1985

(1) Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Anil Sidheshwar Channapattan.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

AR-III/37EE/18969/84-85.--Whereas, I, · AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 6, fourth floor, Ajit Park, B. Somwar Bazar Road, Flat No. 6, fourth floor, Ajit Park, B. Somw Malad (W), Bombay-64, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985 for an apparent consideration which is less than the larmarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/cr
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woolth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 6, fourth fl. Ajit Park B, Somwar Bazar Rood, Malad West, Bombay-64.

registered by the Competent The agreement has been Authority, Bombay under No. AR-111/37EE/18969/84-85 dated 1-5-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 18-11-1985

(1) Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Prakash S. Channapattan,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 19th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/19970/84-85.--Whereas, I. AKIIILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1, fourth floor, Somwar Bazar, Ajit Park B, Malad (W) Rombay-64

(W), Bombay-64. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any roneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions user herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1, fourth fl. Somwar Bazar Rd. Ajit Park-B, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18970/84-85 dated 1-5-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Dated: 19-11-1985

#### FORM ITNS...

(1) M/s. Paras Construction Co.,

(Transferor)

(2) Shri N. K. Timbadia.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18703/34-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 12, Paras Dharshan, Bldg. No. 2, M. G. Road, Ghatkopar (E). Bombay-74, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the appreciant is registered, under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the the Competent Authority at

Bombay on 1-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income erising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Shop No. 12, Paras Dharshan, Bldg. No. 2, M. G. Road, Ghatkopar (E), Bombay-74.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37.EE/18703/84-85 dated 1-4-85.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 5-12-85

### (1) M/s. Paras Construction Co.,

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. P. P. Timbadia.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-III/37.EE/18704/84-85.--Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 11, Paras Dharshan, Bldg. No. 2, M. G. Road, Ghatkopar (E), Bombay-74 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule appeared hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registerred under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of Competent Authority at Bombay on 1-4-85

for in apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesa'd exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) recilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ent Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 11, Paras Dharshan, Bldg. No. 2, M. G. Road, Ghatkopar (E), Bombay-74.

The agreement has been registered by the Competent uthority. Bombay under No. AR.III/37.EE/18704/84-85 Authority. dated 1-4-85.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--87-426G1/85

Date:, 5-12-85

FORM I.T.N.S.

(1) M/s. Kim Corporation.

(Transferor)

(2) Shri A. S. Jariwala.

(Transferee)

e said property

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985.

Ref. No. AR-III/37.EE/19717/84-85.-Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing
Flat No. 14, 4th floor, Preeti Apartment, Ghatla village,
Chembur, Bombay-71 situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 14, 4th floor, Preeti Apartment, Ghatla village, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37.EE/19717/84-85 dated 1-4-85.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the ateresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 5-12-85 Seal:

(1) Shri Kishore M. Malde.

(Transferor)

(2) Shri Rahim Akhtar A. M. Ansari.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-III/37-EE/19449/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the ligome tan Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Flat No. 34, Bldg. No. 5-A Bombay Taximen's C.H.S.L. 306, L.B.S. Marg. Kurla (W), Boombay-70 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afore-aid property and I have reason to believe the fair market value of the property as afore-aid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cert of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a person of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Otheral Garanta

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 34, Bldg. No. 5-A, Bombay Taximen's C.H.S. Ltd. 306, L. B. S. Marg, Kurla (W), Bombay-70.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37-EE/19419/84-85 dated 1-4-85.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date . 5-12-85 Seal :

(1) M/s. Mistry Enterprise.

(Transferor)

(2) Shri Bertrand Pinto.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18558/84-85.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing

immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 203, Tiara Building No. A, 2nd lane, Domnic Colony, Malad (E), Bombay-64 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transterred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1.4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax. Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULB

Flat No. 203, Tiara Building No. A, 2nd lane, Domnic Colony, Malad (E), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37-EE/198558/84-85 dated 1-4-85.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 5-12-85

(1) M/s. Heera Construction Co.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

whichever period expires later.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

in that Chapter.

Act, shall have the same meaning as given

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri P. Narayan.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-III/37.EE/18974/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Ground Floor with Basement at 105, S. V. Road, Malad, Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent

Authority at Bombay on 1-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferi and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Ground Fl. of building with Basement at 105, S. V. Road, Malad (W), Bombay.

THE SCHEDULB

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37.EE/18974/84-85 dated 1-4-85.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date : 5-12-85 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4766/84-85,---Whereas, I. NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable proper v. having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 20, Rockhouse CHSL situated at Worli Hill Road (and more fully described in the Schedule annexed here'o), has been transferred and the Agreement is regis'ered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fall

for an apparent consideration which is less than the fall market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1) of Stetion 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Hansa B Vasant, Mehul Bansi Vasant, (Transferor)

(2) Nana M Vasant

(Transferee)

(3) Transferor & Transferee. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 20, Rockhouse Co-op. Hsg. Society Ltd., Worll. Hill Road Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority. Acquisition Range-1, Bombay, under Serial No. AR-I/6437/85-86 on 25-4-85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 9-12-1985

Séal :

(1) Mr. Yunuf Abdulla Patel.

The second secon

(Transferor)

(2) Chanchalben H. Mistry.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I ROMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6064/84-85.-Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 4, Patel Apartments situated at Worli

(and more fully described in the Schrödule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesa'd exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen parcent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising free the transfers **mi/or** 

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective pursons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation .--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 4 on 1st floor, Patel Aparments, B. G. Kher Road. Worli, Bombay-18.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/5739/85-86 on 1-4-85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-12-1985

Soul :

(1) Shri Koshavlal P. Savlani

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sunita Sacheti, Chamelinai Sacheti & Suganbai Sacheti.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

# UFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-1 BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref No. AR-I/37EE/6067/84-85—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to see the 'taid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 22 Shivsagar Bldg situated at Worli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chanter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceatment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULB

Mlat No. 22 Shivsagar 2nd floor, Abdul Gaffar Khan Road Plot No. 33, Behind Ramnord Laboratory, Worli, Bombay-400 018.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Rage-I, Bombay, under Serial No AR-I/574/85-86 on 1-4-85.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by he issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dato : 9-12-1985

Seal

en la filippo de la segui de la mandia del mandia de la mandia della (1) M/s. Shiv Prasad Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) P. K. Commercial Company.

(Transferec)

COVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bom'oay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6073/84-85.—Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Office No. 102, Mittal Towers situated at Nariman Point (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-85

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair marker value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evamon of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian income-tax Act. 1922 (11 of 1922) on the said Act. or Non Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office Premises No. 102, 10th floor, C-Wing, Mittal Towers Natimera Porit, Bombay-21.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under serial No. AR-I/5749/85-86 on 1-4-85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesis property by the issue of this notice under missection (1) of Section 2600 of the said Act, to the following persons, namely:—88—426GI/85

Date: 9-12-1985

Soal:

#### PORM LT.N.B.---

(1) Mrs. Vinodini Venkatraman.

(Transferor)

(2) Mr. Kekin Manhar

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned :--

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bomoay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6083/84-85.--Whereas, I, NISAR AHMLD.

using the Competent Authority under Section 269B of the income Tax Ast, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immerable property, having a fast market value exceeding Rs, 1,00,000 and bearing Flat No. 14, The Welfare CHSL situated at Sion (W).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1-4-85.
for an apparent consideration which is less than the fatr market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the preperty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been traily stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the data of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used berug as are defined by Chapter XXA of the mild Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1905);

Flat No. 14, 3rd floor, The Welfare Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Plot No. 66, Welfare House, Scheme No. 6, Road No. 25/C. Sion West, Bombay-22.

THE SCHEDULE

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5753/85-86 on 1-4-85.

> NISAR AHMED Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I. Rombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Acr. I hereby miliate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 9-12-1985

Scal:

#### FORM ITNS----

(1) Smt. Laxmi Eknath Mane.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) I. Shri Jagannath D Navle & Smt. Mandakini J. Navle.

(3) Transferee.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Borabay, the 6th December 1985

AR-1/37EE/5084/84-85.—Whereas, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 104-A Meena Apts.

situated at Magagaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by name than fifteen per cent of such apparent consideration and tasthe consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said incorporate of transfer with the object of ;-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax number the stall. And in respect of any laneaus arising from the transferor and An
- (b) tacklitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferee for the surpasses of the Indian Income ux Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undisplayed :-

(Person in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the saki Ast. shall have the same meaning as given in that Chapter,

## THE SCHEDULE

Flat No. 104-A, Meena Apartment Matherpakhadi Road, Mazagaon, Bombay-400 010,

The statement has been registered by the Competent Authortiy, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5754/85-86 on 1-4-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Bembe

New, therefore, in pursuance of section 269C of the said Ant, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeanid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section (59D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date · 6-12-1985

(1) M/s Shah & Nahai Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INGOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Pammi Enterprises.

("fransferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref, No. Al NISAR AHMED, AR-I/37EE/6087/84-85.—Whereas I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 439, Shah & Nahar Indl. Estate A-1

situated at Lower Parel, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sucsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquestion of the said property may be minde in writing to the undersigned :---

(b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 439 on 4th floor of Shah & Nahar Indl. Estate A-1, S. J. Marg. Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I. Bombay, under Serial No. AR-1/5757/85-86 on 1-4-85.

> NISAR AHMED Competent Authority respecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 5-12-1985

Soal:

(1) M/s Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ashok R. Shah.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6094/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the income-tax act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the income was the 'said Act') have reason to believe that the income Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 428, Shah & Nahar Indl. Estate A-1, situated at Lower Parel, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, Bombay on 1-4-1985

and/or

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given ir that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 428 on 4th floor of Shah & Nahar Indl. Estate A-1, S. J. Marg. Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/5761/85-86 on 1-4-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecing Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date · 5-12-1985

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

#### STONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1. BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No.  $\Delta R$ -1/37FE/6095/84-85.—Whereas NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Gala No. 20, Bharat Ind. Estate,

situated at Source

(and more fully described in the schedule annexed herete) has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority.

at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaidpr operty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer and for
- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, nearety :---

(1) Shri Madan Bhasin.

(Transferor)

(2) M/s. Shamegh Corporation.

(Transferes)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

BETLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Gala No. 20, Prakash Ind. Premises Co-op. Soc. Bharat Indl. Estate. T.J. Road. Sewree, Bombay-400 015.

The statement has been registered by the Competent Authortiy, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5752/85-86 on 1-4-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 9-12-1985 See :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No.  $\triangle$  R-1/37EE/6113/84-85.—Whereas I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 2699 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Unit No. 316, Regal Udyog Bhavan,

situated at Sewree, Bombay

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor have consideration and that the consideration for such apparent as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evenion of the limitity of the transferor to pay tax under the still Ast, in respect of any income arising from the transfer, and/er
- (b) racilitating the concesiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Atavind C. Kunder.

(Transferer)

(2) M/s Amea Leathers Pvt. Ltd.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforestid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

IDEPLANATION:—The terms and empressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Aut, shall have the eams meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Unit No. 316, Regal Udyog Bhavan, A.D. Marg, Sewree, Bombay-400 015.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5771/85-86 on 2-4-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tent
Acquisition Range-1, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 9-12-1985

FORM ITNS----

(1) M/s. Bharat Agencies.

(Transferor)

NUTTCE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Bharat Bros.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Bembay, the 5th December 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR-I/37EE/6119/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

> (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the Said Act') have reason to believe that the immovas the Said Act, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 19. Mahaveer Chambers, situated at Vadgadi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 2-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partitle has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Implianation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tear Aet, 1957 (27 of 1957);

Office Premises No. 19 on the 3rd floor, Mah Chambers, 333/337, Samuel Street, Bombay-400 003.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5777/85-86 on 2-4-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-J. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the forceald property by the figure of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, memoly :---

Date: 5-12-1985

Scal:

#### FORM ITNS .....

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6123/84-85.--Whereas I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.0001and bearing No. Unit No. 306, Bussa Ind. Estate,

situated at Prabhadevi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reductkion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nerson, namely :---89 -426G1/85

(1) Mis. Sunanda Vithal Surve. Vijay Vithal Surve,

(Transfecor)

(2) M.s Intaglios.

(Transforee)

(3) M/s Surve & Sons.

(Person in occupation of the property)

(4) M/s. Surve & Sons.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of by days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 306, 3rd floor, Bussa Industrial Estate, Century Lane, Prabhadevi, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/5781/85-86 on 2-4-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Bombay

Date: 5-12-1985

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AF AR-I/57EE/6134/84-85—Whereas,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

RS. 1,00,000/- and pearing No. Flat No. 16, Hind Co-op. HSL, situated at Sion, Bombay-400 022. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at Rombay on 2,111085

Bombay on 2-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the firmarket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of my income or any incomes or other assets which have not been or which ought to be disch ed by the transferee for the purposes of the In an Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the any Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesale property by the issue of this notice under sub-Section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri N. M. Swamy & Mrs. P. M. Swamy. (Transferor)

(2) Jagdish M. Dalal & Sarala M. Dalal.

(Transferce)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have he same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 16 in A building, Hind Co-op. Housing Society Ltd.. Plot No. C.S. No. 2D, 23, Eastern Express Highway, Sion. Bombay-400 022.

The statement has been registered by the Competent Authortiy, Acquisition Range-I. Bombay, under Serial No. AR-1/5789/85-86 on 2-4-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 9-12-1985

Scal :

#### FORM FINS

(1) M/s. K. Mech. Electronics.

(Transferor)

(2) M/s Huzra Mohallah Association, A.O.P. (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

AR-I/37EE/6142/84-85.-Whereas, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 317, Bussa Udyog, Bhavan Indl. Co-op. Soc. Ltd.

situated at Sewri (and more 'ully describe din the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 2-4-198 5

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undereigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

HAPLANATION:— The terms and expressions used herein as an defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the in respect of any income arising from the true

maid Atm

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

The statement has been registered by the Competent AR-I/3794/85-86 on 2-4-85.

Unit No. 317, Russa Udyog Bhavan Indl. Co-op. Society Authortiv, Acquisition Range-I, Bombay, under Scrial No. Ltd., T.J. Road, Sewri, Bombay-400 015.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 5-12-1985

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref No. AR-1/37EE/6153/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 6, Sarita CHSL, situated at Chunabhatti

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office

of the Competent Authority at Bombay on 9-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the preparty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Vithal Shivram More & Dr. S. M. Gandhi.

(Transferor)

(2) Shri Piakash Dhanraj Sominde & Smt. Snehalata P. Sominiade.

(Transferee)

(3) Transferces.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 6 in Sarita Co-op. Housing Society, Chunabhatti, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5799/85-86 on 9-4-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Infrecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-12-1985

\_\_\_\_

#### FORM ITNS-

#### (1) M/s Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

(2) M. s. Avon Industries.

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1901)

## GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

No. AR-1/37EE/6156/84-85.-Whereas, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R<sub>S</sub>, 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 430. Shah & Nahar Indl. I state A-I,

situated at Lower Parel, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tay, Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Efteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evacion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

Explanation:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Unit No. 430 on 4th floor of Shah & Nahar Indl. Estate A-1, S.J. Marg, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I Bombay, under Scrial No. AR-1/5802/85-86 on 9-4-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Infpecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 5-12-1985

#### FORM STNS-

(1) Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Meena M. Nayak, Prop. of M/s. Mrunal Enterprises.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6157/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing

Unit No. 147, A-2 Shah & Nahar Indl. Estate

situated at Lower Parel

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-4-1985

Bombay on 9-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reducion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income usining from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any raoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 147. 1st floor of Shah & Nahar Indl. Estate A-2, S.J. Marg, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent

The statement has been registered by the Competent Authortiy, Acquisition Range-1, Bombay, under Serial No. AR-1/5803/85-86 on 9-4-1985.

NISAR AHMED
Competent Authoria
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-12-1985

(1) Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Nelstar Welcon.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6158/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000|- and bearing

Unit No. 220 Shah & Nahar Indl. Estate A-2,

situated at Lower Parel

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 220 on 2nd floor of Shah & Nahar Indl, Estate A-2, S.J. Marg, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authortiy, Acquisition Range-I, Bombav, under Serial No, AR-I/5804/85-86 en 9-4-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I mereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 5-12 1985

Scal:

## FORM ITMS--

(1) Ms. Shah & Nahar Associates

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Anand Enterprises.

(Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6159/84-85.-Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'taid Act'), have reason to believe that the one movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 326, Shah & Nahar Indl. Estate A-1,

situated at Lower Parel

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of of the Competent Authority at at Bombay on 9/4/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (17 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaper.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 326A, 31d floor of Shah & Nahar Indl. Estate A-1, S. J. Marg, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay under Serial No. AR-I/5805/85-86 on 9-4-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bembay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ---

Date: 5-12-1985

#### Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

(2) Ms. Hindustan Apparel Industries.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVRENNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No.  $\Lambda$ R-J [37EE/6160/84-85.—Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

Unnit No. 434, Shoh & Nahar Indl. Estate A-1, situated a Lower Parel,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under rection 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 9-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property, and I have reason to believe hat the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, it any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Un't No. 434 on 4th floor, Shah & Nahar Indl. Estate A-J. S. J. Marg, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/5806/85-86 on 9-4-85.

Inspecting Assistnt Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
90-426GI/85

Date: 5-12-1985

(1) Shri Badruddin K. Shaikh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THIS INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

and the formations, and an area of the formation of the f

(2) Ms. Suparlakha.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-IAX.

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAY Bombay the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6165/84-85.--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

oroperty, having a fair market value exceeding
Rs. 100,000 - and bearing
Unit No. 9, Tantia Estate situated at N. M. Joshi Marg,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Autthority at Bombay on 8-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the somideration for such hunster as agreed to herween this parties has not been truly stated in the said instrument of moster with the ediect of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, m pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under sub-action (1) of Section 269D of the said Ac, to the followpr persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said muracy able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

## THE SCHEDULE

Unit No. 9, 1st floor, Tantia Indl. Estate, Sitaram Mill Compound, N. M. Joshi Marg, Bombay-11.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay, under Serial No. AR-1/6386/85-86 on 8-4-1985.

> **NISAR AHMED** Competent Authority Infpecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Bombay

Date: 9-12-1985

#### CORM ITNS-

(1) Shri P. S. Acharya.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ms. Al Madina Contracting Est. Co.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6166/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing office No. 805, Raheja Centre Situated at Nariman Point (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 9-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated by the said instrument of transfer with the object of '—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any facome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tra. Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the sale Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sale Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said unmonable preperty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office Premises No. 805, Raheja Centre, 214, Natiman Point, Bombay-21.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Scrial No. AR-1/5810/85-86 on 9-4-1985.

NISAR AHMFD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Kang

Date: 9-12-1985

## PORM ITNS-----

(1) Smt. Lilavati G. Bharwani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Seema Rajesh Bhansilal & Sureshchandra G. Bhansali, HUF.

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay the 9th December 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6169/84-85.—Whereas, 1, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov able property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Office No. 406, Parekh Market situated at Opera House (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay, on 9-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect to any income arising from the transfer Bald low
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indi n Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons watin a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person inter\_sed in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office Premises No. 406, 4th floor, Parekh Market. 39, Kennedy Bridge, Opera House, Bombay-400 004.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acuisition Range-I, Bornbay, under Serial No. AR-I/5813/85-86 on 1-4-85.

NJSAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 9-12-1985

Scal:

FORM 1.T.N.S.———

(1) M/s. Universal Commercial Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Sundar Sons (India) .

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay the 9th December 1985

Ref. No. AR-I, 37EE/6170/84-85.--Whereas, 1, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinarter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Indl. Unit No. 219A, Shah & Nahar Indl. Estate A-1

Lower Parel

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aformaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) tacilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which oneht to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Indl. Unit No. 219A on 2nd floor, Shah & Nahar Indl. Estate A-1, Sun Mill Lane, Dhanraj Mill Compound, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I. Bombay, under Serial No. AR-1/5814/85-86 on 9-4-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Kanpa

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the moresaid property by the rasue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—-85—416 GI/85

Date: 9-12-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay the 9th Decomber 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6173/84-85.--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Flat No. 34-B, Backbay Reclamation situated at Nariman Point

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian lucome-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuace of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:

(1) Shri Amar Embroidery Pvt. Ltd. (Prop), Amar Embroidery Sales Corporation.

(Transferor)

(2) Kidarsons Industries Private Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 34-B, Backbay Reclamation, Nariman Point, Bombay-400 021

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/5817/85-86 on 9-4-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 9-12-1985

## FORM LT.N.S.---

(1) Ismeil Ali Kaskar.

(Transferor)

(2) Aziza Abdul Razak Kaskar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Re., No. AR-I/37EE/6174/84-85.--Whereas, I, NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 211, Kaliandas Udyog Bhavan Near Century Bazer (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the Office of the

269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 9-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I dove teason to believe that the fair market value of the orogen was aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferend|or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 211, Kaliandas Udyog Bhavan, Plot No. 1082, near Century Bazar, Bombay-400 025.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay, under Serial No. AR-1/5818/85-86 on 9-4-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---128—416 3 GI/85

Date: 9-12-1985

MUTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961);

#### .... (1) Ms. Sumer Associates.

(Transferor)

(2) Smt. Prakash S. Vanigota.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

(f) Builder.

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6178/84-85.--Whereas, J. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000/- and bearing
Hat No. 704, Sumer Towen: situated at Mazgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-4-1985

for an apparent consideration which is less than the lan market value of the aforesaid property and I have reason to helieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the day of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 704, on floor, Sumer Road, Mazgaon, Bombay-10, Towers, Seth Motisha

statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I 5821, 85-86 on 9-4-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 5-12-1985

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, 5th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6179<u>/</u>84-85.—Whereus, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incorhe-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing

Flat No. 104, Sumer Towers No. 1 situated at Mazgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 9-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—91—426GI/85

(1) M/s. Sumer Associates.

(Transferor)

- (2) Shri Yogesh U Shah & Shri Mansukhlal K. Shah.
  (Transferee)
- (3) Builder.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 104 on 1st floor, Bldg. No. 1 of Sumer Towers, Love Lane, Seth Motisha Road, Mazgaon, Bombay-10.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5822/85-86 on 9-4-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bornbay.

Date: 5-12-1985

Scal:

#### FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, 5th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6180/84-85.—Whereas, I. NISAR AHMED,

the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 905, Sumer Tower situated at Mazanon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to hateween the parties has not been smally stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (Pr of 1922) or the Sald Act or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of ection 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s, Sumer Associates.

(Transferor)

- (2) Smt. Kuwerbai Megji & Shri Megji Obhaiya.
  - (Transferee)
- (3) Builder. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 905 on 9th floor, Sumer Tower, Seth Motisha Lane, Mazgaon, Bombay-10.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AP-1/5823/85-86 on 9-4-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 5-12-1985

#### FORM ITNS----

(1) Mrs. Smita C. Tawde & Mr. Chimaji S. Tawde. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Kiran . Sardar & Mrs. Chhaya K. Sardar. (Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6187/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the basi Act'), but remon to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Res 1.00 000 / and hearing

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 21, Khushvihar Bidg, situated at Dadar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has transferted and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limitity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income unisity from the transfer, matter
- to incommunication concomment of any moone or any moneys or other assets which have not seen of which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income ax Act, 1921 (11 of 1922) or the said Act or the Woolds-462 Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 21, Khush Vihnr, 210-F. Dr. Ambedkar Road, near Chitra Cinema, Dadar, Bombay-15.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/5826/85-86 on 9-4-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, or mely:-

Date : 9-12-1985

(1) M/s. Dineshchandra Vijaykumar,

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Sunta Gupta, Master Saurabh Gupta & Master Shenu Gupta. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6196/84-85.--Whereas, I. NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. B-122, Chinar Bldg, situated at Wadala Bombay on 9-4-1985

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 9-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, andjor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. B-122, 12th floor, Chinar Bldg., Plot No. C.S. No. 336 & 506 Dadar Naigaum Division, Sewri Cross Road, Rafiq Kidwai Road, Wadala, Bombay.

The statement has been registered by the Competent

Authority, Acquisiton Range-I, Bombay, under Strial No. AR-1/5832, 84-85 on 9-4-85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Dated: 6-12-1985.

(1) Shri Mumtaz Hussain Dattu Khoja, (2) Ms. Seema Silk & Sarce.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferce) (3) Transferor & Yesudas Satyajiwan.

#### GOVERNMENT OF INDIA

(Persons in occupation of the property)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6200/84-85.--Whereas, I, NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Flat No. 6, Bhansilal Bhuvan situated at Warden Rd.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afcresaid exceeds the apparent coansideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days
  from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

#### THE SCHEDULE

Flat No. 6, Bhansilal Bhavan, 73, Warden Road, Bombay-400 026.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/5835/85-86 on 9-4-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-12-1985.

(1) M/s, Natraj Builders.

(Transferor)

(2) M/s. Acharya Products.

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6202/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 6, Natraj situated at Matunga

tand more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of sold apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given la that Chapter

#### THE SCHEDULE

Shop No. 6, Natraj, Plot No. 404, Laxminarayan Lane, Matunga, Bombay-19.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-1/5894/85-86 on 8-4-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 5-12-1985. Scal:

(1) Shah & Nahar Associates.

may be made in writing to the undersigned :---

(Transferor)

- (2) M/s. Karamdas Exports.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6204/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED

bring the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Unit No. 440, Shah & Nahar Indl. Estate A-1 situated at

Lower Parel.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 8-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration theregfor by more said exceeds the apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /ex
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1927 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein 6 are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 440, 4th floor of Shah & Nahar Indl. Estate A-1. S. J. Marg, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent athority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/5895/85-86 on 8-4-85,

NISAR AHMED

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 5-12-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, ΒΟΜΒΛΥ

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6205/84-85.—Whereas, J, NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 259B of the Imome-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing Unit No. 408A, Byculla Service Industries situated at Byculla tand more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16) 1908) in the office of the Registering Officer

the Competent Authority, at Bombay on 8/4/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been OT which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Murli N Daulatramani, Anita M Daulatramani Parmeshwari N Daulatramani,

(Transferor)

(2) Lilaram & Gurnani, Bhagwandas S. Gurnani, Deepak B. Gurnani,

(Transferce)

(3) Transferors,

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publica-

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 408A, Byculla Service Industries, C. S. No. 711 of Mazgaon Division, Sussex Road, Byculla, Bombay-400 027.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-1/5896/85-86 on 8-4-85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Rombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 5-12-1985

(1) M/s. Bonny Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Peoples Wine Shop.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-J, BOMBAY

Bombay, the •5th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6206/84-85.--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing Shop No. 20, Harbour Crest Bldg.

situated at Mazgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bombay on 8/4/1985

to: an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to telleve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tag: under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income tax Act, 1822 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the and Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following 92-426G1/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 20 on ground floor of Harbour Crest Building, Tulsiwadi, Mazgaon Road, Mazgaon, Bombay-10

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/5897/84-85 on 8-4-85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 5-12-1985

- (1) M/s. Bonny Entermist.
- ():--
- (2) Mr. Narayan M. Rawal,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR-I/37FE/6207/84-85.--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. 502, Dev Kripa Bldg. situated at Govindji Keni Rd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the effect of the Designation (Officer). 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 8/4/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the p operty as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- THE SCHEDULE
- Flat No. 302 on 3rd floor of Dev Kripa Bldg., Plot No. 140-145, Naigaum Scheme, Govindji Keni Road, Bombay-400 014.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/5898/84-85 on 8-4-85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I,

Bombay

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the Said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following регионы, **патиску** 1---

Date: 6-12-1985

Seal:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

La consumerate de la competencia FORM ITNS----

(1) M/s. Deepak Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Polymech Engineering Industries.

may be made in writing to the undersigned :---

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6121/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 422, Tulsiani Chambers situated at Nariman Point (cond-market) in the Schedule appeared better)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 8/4/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than firteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitairs are reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment or any moone or any concess of other assets which have not been or which aught to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined to hapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office No. 422 on 4th floor, Tulsiani Chambers, Nariman Point, Bombay-21.

The statement has been registered by the Competent Authority, Accessition Range-I, Bombay under Serial No.  $\Delta R_{\rm col}/5903/85-86$  on 8-4-85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, he pursuance of Section 2690 of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Pote: 9-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6213/84-85.-Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 603, Veena Becua Apts.

situated at Sewree

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

the Competent Authority,

at Bombay on 8/4/1985 for an apparent consideration which is less than the fair merket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration per cent. than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-

- (a) incilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Shri Ramesh P Doshi, Prop. Ramesh Trading Co.

(Transferor)

(2) Shri Arvind B Desai.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons-whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 603, 6th floor, E Wing of Bldg. Veena Beena Apartments, Acharya Donde Marg, Sewree, Bombay-15.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/5904/85-86 on 8-4-85.

NISAR AHMFD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 6-12-1985

#### (1) Mrs. Priyada P. Mudras,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Jayantilal N. Malde and Mrs. Narabadaben J. Malade.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Dombay, the 9th December 1985

Ref. No.  $\Lambda R-1/37EF/6214/84-85$ .—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Block No. G/3 Viswa Kutir CHSI, situated at Dadar tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 or 1908) in the Office of the Registering Officer the Competent Authority at Bombay on 8-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration theoretor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which enght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the and Act. or the Wealth-ta. Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 260C of the sold Act, I hereby initiate precedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undereigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Block No. G/3. Viswa Kutir Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Vaidya Wadi, Shanker Ghanckar Marg, Dadar, Bombay-14.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay, under Serial No. AR-1/5905/85-86 on 8-4-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 9-12-1985

Scal:

#### FORM ITNS----

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6217/84-85,---Whereas, I. NISAR AHMFD,

NISAR AHMFD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. Flat No. C-7, 1st floor, Navyug Mansion, N. Bharucha Marg (and more fully described in the Schedule appared herets).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority
at Bombay on 9-4-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; · and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Smt. Vimlaben Dinkar Jhaveri, Miss Aarti D. Jhaveri,

(Transferor)

(2) Shri Dool avjibb i M. Dotal and Shri Devjiohai M. Patel.

(Transferce)

(3) Transferors.

(Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Hat No. C-7, Wing C, 1st floor, Navyug Mansion, Naushir Bhei ucha Marg, Bombay-400 007.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5808/85-86 on 9-4-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 5-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-1/37FE/6228/84-85.—Whereas, I, NISAR ΛΗΜΕD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Unit No. A-3/3, Dhanraj Indl Estate situated at Lower Parel

Unit No. A-3/3, Dhanraj Indl Estate situated at Lower Parel (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s Steel Sales Corporation,

(Transferor)

(2) M/s Bhagyodaya Metal Industries.

2) Thomofores

(Transferec)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein to are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. A-3/3, Dhanraj Industrial Estate, Sun Mill Road, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I Bombay, under Serial No. AR-I/5916/85-86 on 10-4-1985

NISAR AHMED Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 5-12-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE (NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-J, BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6230/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Room No. 10, The Tejal Co-op. Premises Society Ltd. situated at Narman Dhurus Great

at Narayan Dhuru Street

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said  $\Lambda$ ct, to the following persons, namely:--

(1) Smt. Ansuyabai K. Pandya and Shri Arvind K. Pandya.

(Transferor)

(2) Shri Vishnu Kumar Hariram Ramnani.

(Transferec)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Roo mNo. 10, The Tejal Co-op. Premises Society Ltd., 94, Narayan Dhuru Street, Bombay-400 003.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/5918/85-86 on 10-4-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Date: 9-12-1985

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6232/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to use the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 5, Shautrunjava Bldg, situated at Sion (West) (and more fully described in the Schedule annexed here'o), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-4-1985

"x on apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not occu truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys on other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in parsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate procredings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
93—426GI/85

(1) Shri Arvind M. Zaveri, Sri Dilip M. Zaveri.

(Transferor)

(2) Bhogilal Zaverchand Vasa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 5, Building No. 15, Shatrunjaya, Shri Hind Co-op. Hsg. Soc. Ltd, 23, N. S. Manhikar Marg, Chunabhatti, Sion West, Bombay-22.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I. Bombay, under Strial No. AR-I/5919/85-86 on 10-4-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 9-12-1985

Scal:

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) M/s Yasmin Corporation.

(Transferor)

(2) M/s. Navrang Exports.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6235/84-85,--Whereas, I. NISAR AHMFD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Unit No. 421, Creative Indl. Centre situated at N. M. Joshi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-4-1985

at Bombay on 10-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the chief of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given be that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 421 on the 4th floor, Creative Industrial Centre, Plot No. 12, C. S. No. 72, N. M. Joshi Marg, Off Lower Parel Division, Bombay-11.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5920/84-85 on 10-4-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-12-1985

(1) M/8 Yasmin Corporation.

(2) M/s Minal Traders

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6236/84-85.--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

Unit No. 13 on the basement, Creative Indl. Centre situated at M. M. Joshi Marg.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 10-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. 1, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 13 on the basement, Creative Indl, Centre, Plot No. 12, C.S. No. 72, N. M. Ioshi Marg, Off Lower Parel Division, Bumbay-11.

The statement has been registered by the Competent Authority, Aggresition Range-1, Bombay under Serial No. AR-1/5021/85-86 on 10-4-1985,

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 6-12-1985

Soul :

(1) Mrs. Kusum Kishanchand Varma and Revi K. Varma.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Rombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6238/84-85.—Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 3, Plot No. 250 situated at Sion East

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the nability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the garposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Sh. Ketan Paramodrai Shah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 3, Plot No. 250, Sion Koliwada Road, Sion East, Bombay-22,

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/5923/85-86 on 10-4-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-ax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 5-12-1985

(1) M/s Yasmin Corporation.

(2) M/s Paresh Traders.

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6239/84-85.--Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Unit No. 12 in the basement, Creative Indl. Centre situated at N. M. Joshi Marg
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any locome or any which ought to be disclosed by the transferee for moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 [11 of 1922] or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Transferee) Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersignet:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interesteα in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Offical Gazette.

Explanation: .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same neuning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULL

Unit No. 12, Basement, Creative Industrial Centre, Plot No. 12, C.S. No. 72, N. M. Joshi Marg, Off Lower Parel Divn., Bombay-403011.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/6239/85-86 on 10-4-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269-D of the said Act to the following persons namely:-

Date : 6-12-1985

(1) M/s Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

(2) Cliff Creation.

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1935

Ref. No. AR-I/37EE/6245/84-86.--Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unic No. 410. Shah & Nahar Indl. Estate A-1 situated at

Lower Parel

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 10-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer no neural to better the consideration for such transfer no neural to be the consideration for such transfer no neural to be the consideration. and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trunsferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of not ce on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immor able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given to that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 410 on 4th floor of Shah & Nahar Indl. Estate A-1, 5, J. Marg, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AP.-I/5927/85-86 on 10-4-1985.

NISAR AHMED Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date : 5-12-1985 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

#### (1) M/s Shah & Nahar Associates.

#### (Transferor)

(2) M/s. One Plus One Creation.

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANCE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

zRef. No. AR-I/37EE/6246/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and beering No. Unit No. 410, Shah & Nahar Indl. Estate A-1 situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 10-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION .-- The terms and expressions as are defined in Chapter XXA of the suid Act, shall have same meaning as given in the Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any inoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Unit No. 409, on 4th floor of Shah & Nahar Indl. Estate A-1. S. J. Marg. Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5928/85-86 on 10-4-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid proper y by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Deto: 5-12-1985

#### FORM ITNS---

- (1) Shah & Associates.
- (Transferor)
- (2) M/s Khole Enterprises

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6247/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Unit No. 438 on 4th floor, Shah & Nahar Indl. Estate A-1,

situated at Lower Parel

(and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 10-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to nelieve that the fair market value of the property as aforesaid succeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of fransfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, wi hin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any alloacys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Unit No. 438 on 4th floor of Shoh & Nahar Indl. Estate A-1, S. J. Morg, Lower Parel, Bombay-400 013,

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5930/85-86 on 10-4-1985

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 26°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquiation of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 5-12-1985

FORM YOUR - --

- (!) M/s. Jyoti Structures P. Ltd.
- 721 M/s Licona Art

(Transferor)

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1 AR AC.7, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6248/84-85.--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heromafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Unit No. 403, flind Rajasthan Deptt. Centre

situated at Dadar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

at Bombay on 10-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason maket value of the aloresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as iforesaid exceeds the apparent consideration therefor by note than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said easier, ment of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, ir respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) techniting the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or the which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tex Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the rold sow, thrustone, in pursuance of Section 2000 of the storenic proceedings for the acquisition of the storenic process when the section (1) of Section (160) and sold her to the following a consequence of mely sections of mely sec

94--426-31-85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective reisons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, have the same meaning as given in ∘haii that Chapter

#### THE SCHEDULE

Unit No. 403, 4th floor, Hind Rajasthan Dept. Centre, 95 Phacle Road, Dadar, Bombay-14.

The statement has been registered by the Competent Anthonity. Acquisition Range-1, Bombay, under Senial No. AR-1/5929/85-86 on 10-4-85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Parts: 9-12-1985.

Scal:

(1) Shri Baburac M Tupe & Smt. Shardabai B Tupe. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Joe Joseph.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6250/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

No. Flat No. 10, New Girish Apts. situated at Chunabhatti (and more fully described in the Schedule annexed hereto,)

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

at Bombay on 10-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid acceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any sucome urising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 10, A Wing, New Girish Apartments, Patil Lane, Chunabhatti, Bombay-400 022.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Senial No. AR-I/6250/85-86 on 10-4-85.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 265 of the said Act. to the following persons, namely and the said Act.

Date: 9-12-1985.

FORM ITNS----

(1) Jayant Ramehan ira Walawalkar

(Transferor)

(2) Mr. Raghunath G Naik.

( Fransferec )

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bonibay the 5th December 1985

Ref. No. AR-1, 37EF/6257, 84-85.—Whereas, I, NISAR AHMÉD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs, 1.00.000/- and brazing Flot No. 18, 'Dafartva' Bldg saturated at Endar (and more fully described in the Schedule arriexed has been transferred

at Bembay on 18-4-1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid extends the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that toconsideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of . -

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Acr in respect of any income arising from the towaster. and lor

(b) the littless six section inch of may recome on mix moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the cold property may be made in writing to the undersigned :--

- this boy many out this substitutional performance and larger in the substitution of the 45 days more the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this ratice in the Official Gazette.

EXPLANATION The terms and expressions used breein as are defined in Chapter XXA or the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 18 on the 4th floor, 'Datrutva' Building, Naigaon Cross Road, Dadar, Bombay 14.

The statement has been registerer by the Competent Authority. Acquisition Range-1, combay, under Senial No. AP-1/5842/85-86 on 18-4-85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in imprince of bestter 2690; of the said Act. I belieby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice—under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons samely .---

Date: 5-12-1985.

FORM ITNS-

(1) Mrs. Kesom K Verma & Ravi K Verma

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Subhash C Shah & Chunifal J Shah

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6258/84-85,—Whereas, 1, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 10. Flat No. 10. Plot No. 250 squated at Sion

(and more fully described in the schedule mnexed hereto), has been transferred

at Bombay on 18-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as ig'eed to between the parties has not been truly stated in the mid instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Ollicial Gazette or a period of 30 days from the service of nouce on the respective persons. whichever period expires mier;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this noice in the Official Gazette.

The terms and otherwises used become EXPLANATION . are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 10, Plot No. 250, Sion Koliwada, Sion, Bombay-22.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range I. Bombay, under Senial No. AR-I/5843 85-86 on 18-4-85

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-12-1985

(1) Mrs. Kusum K Verma & Mr. Ravi K Verma. (Transferor)

(2) Nilin K. Shah,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-I/37FF/6259/84-85. Whereas, 1, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Exemple to A root, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to an the 'said Aut'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 8, Plot No. 250 situated at Sior Fast (and more furly described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Competent Income-tax Ass 1961, in the Competent Authority,

of Bombay on at 135

for an apparent consideration which is list than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the agranent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stattd in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersgned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 8, Plot No. 250, Sion Koliwada, Sion East, Bombay-22.

The statement has been registered by the competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR I/5849/85-86 on 18-4-85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-I, Rombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 5-12-1985.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I, **BOMBAY** 

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6260/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Flat No. 7, Plot No. 250 situated at Sion East
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

at Bombay on 18-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely: --

- (1) Mrs. Kusum K. Verma & Mr. Ravi K. Verma. (Transferor)
- (2) Mr. M. Kishore A. Gholani & Mrs. Chetan K Gholani.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said in meanible property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said EXPLANATION: -The terms and expressions Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 7, Plot No. 250, Sion Koliwada, Sion East, Bombay-22.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Senial No. AR-1/5845/85-86 on 18-4-85.

**NISAR AHMED** Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 5-12-1985.

BORM ITNEL

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6261/84-85.—Whereas, I. NISAR AHMED,

being he Competent authority unider Setion 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- s. 1,00,000/- and bearing

Rs. 1.00,000/- and bearing
No. Flat No. 6, Plot No. 230 situated at Sien East
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
at Bombay on 18-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such treasfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys of other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the equisition of the aforesaid property by the forms of this nonce under subsection (1) of Section 26 as said Act, to the following persons, namely.—

- (1) Min. Kurma K. Verror & Mr. Pavi K. Verma.
  (Transferor)
  - (2) Mr. Pramod A Gholani & Mrs. Bherri P Gholant. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the oublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shell have the same meaning is given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Fiat No. 6. Plot No. 250, Sion Koliwada, Sion East, Borobay-22.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Rombay, under Serial No. AR-1/5046/85-86 on 18-4-82.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissional of Income-tax
Acquisition Range-1, Bombay

Date : 5-12-1985 Scal : entrate transport to the second secon

FORM ITNS ----

(1) Miss. Kusum K. Verma & Mr. Kavi K. Verma. (Transferor)

(2) Mr. Bhapat A. Gholani & Mr. Nafana 3 Gholani. (Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-I, ΒΟΜΒΛΥ

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6262/84-85.-Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hoseinafter referred to sa the 'said Act'), have reason to believe that the immer-

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 5, Plot No. 250, Sion Koliwada, Sion East
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

at Bombay on 18-4-85 for an apparent consideration which is less than the for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefo, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

tacilitating the concrainment of any income of any moneys or other assets which have not been or (b) incilitating the concealment which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian (ncome-tax Act, 1922) (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be sende in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the afereson; persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

in that Chapter.

#### TIM 5 HEDULE

Flat No. 5, Plot No. 250, Sion Koliwada, Sion East, Bombay-22.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/5847/85-86 on 18-4-85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of meome-tax Acquisition Range-J, Bombav

Date : 9-12-1985 beal :

(1) Mrs. Kusum K Verma & Mr. Ravi K Verma. (Transferor)

(2) Kiritkumar C Shah & Daksha K Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE 100 OFF (AS ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6263/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 9, Plot No. 250 situated at Sion East Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

at Bombay on 18-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the arcressid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

95-426GI/85

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 6, Plot No. 250, Sion Koliwada, Sion East, Bombay-22.

The statement has been registered by the Competent Authority. Acquisition Range-1, Bombay, under Serial No. AR-I/5848/85-86 on 18-4-85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Bombay

Date : 5-12-1985 Scal :

(1) Smt Laduben D Patel

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Natverlal P Patel

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6269/84-85.—Whereas. I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. G-1, Ramen Smruti CHS situated at V. P. Road

Flat No. G-1, Raman Smruti CHS situated at V. P. Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent

Authority, at Bombay on 18-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and e<sub>T</sub>
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. G.1/Ground floor, Raman Smruti Co-op. Housing Society, Sicka Nagar, G Block, V.P. Road, Bombay-4.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I Bombay, under Serial No. AR-I/5852/84-85 on 18-4-85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombav

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 5-12-1985

#### (1) Mr Nari D Mirchandani

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) Mrs Susheela Gopalkrishnan & Mr R Gopalakrishnan (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferec (Person in occupation of the property)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY** 

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR-J/37EE/6275/84-85,---Whereas, I. NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 21, Prem Kutir Bldg, situated at Sion East

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority.

at Bombay on 18-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chiest of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Incometax Ast, 1920 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gamete.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 21, Prem Kutir, 177, Sion East, Bombay-22,

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombow, under Serial No. AR-I/5857/85-86 on 19-4-85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following wreoze, namely :-

Date: 6-12-1985.

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6277/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 249B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), here remon to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. C-3. Mira Manson situated at Sion West

Flat No. C-3, Mira Mansion situated at Sion West (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority.

at Bombay on 19-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the linklity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income spicing from the transfer; and/er
- (b) Shellitating the conseniusent of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferrer for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs Mohini R Mirchandani

(Transferor)

(2) Mr Balram Sachdev & Mrs Praful Lata Sachdev (Transferee)

(Transferce)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. C-3, Block 1, Mira Mansion, Plot No. 2929-B, Scheme 6, Road No. 25, Sion West, Bombay-22.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5868/85-86 on 11-4-85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Date: 9-12-1985.

### NOTICE WNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6282/84-85.—Whereas, 1, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter selected to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Room No. 18, Shanti Bhavan situated at Old Hanuman Lane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; andles
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Natverlal G. Vasani.

(Transferor)

(2) Shri Vasulal L. Talreja, Shri Ashok L. Talreja, Shri Vashdev J. Jethwani, Shri Mukesh G. Talreja, Master Sandeep M. Talreja, Master Sachin M. Talreja, Bhanbarbai L. Shanta M. Talreja.

(Transferce)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period exactors later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Room No. 18, Shanti Bhuvan, Old Hanuman Lane, Co-op-Hsg. Soc. Ltd., 47, Old Hanuman Lane, Bombay-400 002.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5862/85-86 on 18-4-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 5-12-1985

(1) Shri Bhupendra Kumar P. Chawla.

(Transferor)

(2) Shri Dharamdas G. Manglani & Shri Deepak D. Manglani.

(Transferce)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTATION OF INCOME-TAX ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6284/84-85.-Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. F-14, Venus Apts., situated at Worli (and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the ead Act in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concentration of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. C-14, Venus Apartment, Dr. R. G. Thadani Marg, Worli, Scaface, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority Acquisition Range-I, Bombay under Scrial No. AR-I/5864/85-86 on 18-4-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisitin Range-I, Bombay.

Date: 9-12-1985

#### FORM ITNE

(1) M/s. Gift Construction Co.

(Transferor)

(2) Mrs. Veena Goel.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6285/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Shop No. 3, Plot No. 940 situated at Prabhadevi Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

at Bombay on 18-4-1985

for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have resaon to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the sent Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days frees the date of publication of this notice in the Official Country or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 3, Gift House, Plot No. 940, T.P.S. No. IV, Lower Mahim Prabhadevi Road, Bombay-400 025.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-1/5865/85-86 on 18-4-1985.

NISAR AHMI-D.
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisitin Range-I, Bombay.

Date: 5-12-1985

#### FORM ITNS ----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE !NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# ØFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6293/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having fair market value exceeding

ble property, having fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Apartment No. 5, Cote D' Azur Bldg. Warden Road (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfers and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tag Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the salet Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Sunanda Das, Mr. Suprito Das & Mr. Vishak Das

(Transferor)

(Transferee)

(2) M/s. Pressman Mutual Funds Ltd.

(3) Transferce

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Apartment No 5, Cote D'Azur, Warden Road, Bombay Plot No. 1 of Breach Candy Estate, C.S. No. 2-A/694 of Malabar & Cumballa Hill Divn.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5871/85-86 on 18-4-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 9-12-fi1985

Scal :

FORM I'INS-

(1) Mr. Mofatiaj P. Mundi, HUF.

(Transferor)

(2) M. V. Subramanlam.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6297/84-85.—Whereas, 1, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 72, Karma Kshetra situated at Sion East Bombay and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1951, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following parsons namely:—
96—426G1/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 72, 11th floor, Wing B1, Karma Kshetra on Contade Harbanslal Marg, near Shanmukhananda Hall, Sion East. Bombay-22.

The statement has been registered by the Comptent Authority. Acquisition Range-I, Bombav, under Serial No. AR-1/5875/85-86 on 18-4-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Lespecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 6-12-1985

Içal :

#### PORM FINS.....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR-1/37FE/6298/84-85.—Whereas, 1, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 669B of Income-tax Act, 1961 (43 or 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act,' have reason to believe that the mamovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 93, Karma Kshetra situated at East Bombay

Flat No. 93, Karma Kshetra situated at East Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair merket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been as which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) or the said. Act, or the Wealth-tax. Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mr. Parae M M Munot, a minor through his father & Guardian Mopatraj P. Munot.
- (2) Mr. Narendra V Thakkar & Mrs. Mandakini N. Thakkar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Fiat No. 93, 9th floor, Wing B1, Karma Kshetre on Comrade Harbanstal Marg, Near Shanmukhananda Hall, Sion East Bombay-37.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I. Bombay, under Serial No. AR-I/5876/84-85 on 18-4-1985.

NISAR AHMFD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 6-12-1985

and the second s

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6301/84-85.--Whereas, I. NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1201, Sumer Towers No. 1 situated at Mazgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereio). has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) M/s. Sumer Associates

(Transferor)

(2) Smt. Savitadevi R. Raisoni & Shri Rameshkumar S. Rai Soni.

(Transferce)

(3) Builder.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immeable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given it that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1201 on 12th floor of Building No. 1 of 'Sumer Towers' Love Lane now known as Seth Motisha Road, Mazgaon, Bombay-400 010.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/5932/85-86 on 17-4-1985.

> NISAR AHMUD Comptent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bomb

Date: 5-12-1985

Scal:

(1) Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

orași (n. 18. <del>gazina), aprimilio de la constanti (n. 18. gazina) de la constanti de la constanti de la constanti de</del>

(2) Mr. Issar Hinduja.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-1 **BOMBAY**

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-1/37HH/6306/84-85.--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing Unit No 219A-2, Shah & Nahar Indl. Estate situated at

Lower Parel Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the lair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

### THE SCHEDULE

Unit No. 219-A-, Shah & Nahar Inl. Estate, S.J. Marg. Lower Parel Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/5937/85-86 on 19-4-85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 5-12-1985

(1) Smt. Kamla B Acharya.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Khubhal H. Gala & Mrs. Jashu K. Gala. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTENC ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AP-I/37EE/6308/84-85.—Whereas, J, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'mid Act'), have reason to believe that the immersable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plat No. 12, Kailash Cottage CHSL situated at Sion (W)

Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 19-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this actics in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 12, Kailash Cottage Co-op, Hse, Society Sion West, Bombay-22.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay under Serial No. AR-1/5939/85-86 on 19-4-1985.

NISAR AHMFD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 5-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-1/37EE 6310/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000- and bearing

Flat No. 708, Kailash Apartment situated at Bellasis Road Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and J have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer - se agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chiest of :---

- (a) lacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons. namely:

(1) Shri Vashudeo H Valecha.

(Transferor)

(2) Smt. Aminabai S, Merchant & Smt. Mehshar Humayun Merchant.

(Transferee)

(4) Transferees.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 708, 7th floor, Kadash Apartment, 293 Bellasis Road, Bombay Central Bombay-400 008.

The statement has been registered by the Authority. Acquisition Range-I, Bombay, under AR-I/37EE/5941/85-86 on 19-4-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 5-12-1985

FORM TINS ----

(1) Mrs. Shirai Edul Soonawala.

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6311/84-85,-Whereas, I,

NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the imnevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No 4-B, Malbar Apartment situated at Napeansea Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961. In the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property and I have reason to believe that fair market value of the property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evenion of one liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfor; supplifor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 et 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons usually and the said Act, to the following persons usually and the said Act, to the following persons usually and the said Act, to the following persons usually and the said Act, to the following persons usually and the said Act, to the following persons usually and the said Act, to the said Act, the said Act, the said Act, to the said Act, the said Act, the said Act, the said Act, the s

(2) Mr. Vijay Kumar Shroff & Mrs. Gita Shroft. (Transferee)

(3) Transferors.

(Person in occupation of the westy)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expresents are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given on that Chapter

### THE SCHEDULE

Flat No. 4-B. Makwar Apartments. 2nd floor, Napeansea Road Bombay-400 05 %.

The statement has Sea registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I Bombay, under Serial No. AR-1/37FF 5942 85 % on 19 4-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay,

Date: 9-12-1985

(1) Smt. Anupama Rani Sharma.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Soyab S Dholkawalla.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I ROMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6318, 84-85.- - Whereas, I. NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 503, 5th floor Bldg. H situated at Sewree (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Computant Authority. the Competent Authority at Bombay on 19-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) factilitating the cooncealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) oy any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of th publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 503, 5th floor, Building H. Veena Beena Apartments Acharya Donde Marg, Sewri (W) Bombay-400 015.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquiston Range-I, Bombay, under Seral No. AR-I/5946, 85-86 on 19-4-1985.

> NISAR AHMFD Commetent Authority Inspecting Assistant Commissioner of income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely '-

Date : 6-12-1985

والمتعارب والمارية والمارية والمنافقة والمنافق

(1) Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

(2) Mr. Premii Lakhamshi Dedhia & Mrs. Laxmiben P. Dedhia.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME THE ALL 1996 FOR (961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-L BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. Ak-1/37EE/6322/84-85.--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.), have reason to believe that the symmovable property, having a fair marke, value exceeding at 1,00,000/- and bearing No.

at No. 455, Shah & Nahar Ind). Estate A-2 situated at over Parel

and more fully described in the schedule annexed herato),

has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent

the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay 19-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; mail /cr
- h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the Amesaid property by the Issue of this notice under subjection (1) of Section 260D of the said Act, to the following comons namely :-

97-426GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said autoovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Unit No. 455 on 4th floor of Shah & Nahar Indl. Estate A-2, S. J. Marg, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5949/85-86 on 19-4-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Bombay

Date: 5-12-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-1. BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6324/84-85.--Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair marktt value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Underground Basement, situated at Grant

Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent \uthority at

Bombay 19-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by me e than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the malifity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Shri Ratilal Tribhuvandas Pujara

(Transferor)

(2) Sukhraj Sohanlal Jain

(Transferee)

(3) Transferec.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Graves

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Under Ground Basement Godown No. E-1, Building No. 1, Bharat Nagar Co-op. Hsg. Society Ltd., Bharat Nagar, Grant Road, Bombay-400 007.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5950/85-86 on 19-4-1985.

> NISAR AHMFD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 5-12-1985

(1) Mrs. Jyotsna Biswanath Das.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Jar Rusi Motivala.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6325/84-85.--Whereas. I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 502, Kush Villa situated at Dadar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act. 1961. in the Office

section 269 AB of the income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 20-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instituween the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 502, Kush Villa, Kush Villa Co-op Hsg. Society, Kharegat Road, Parsi Colony, Dadar, Bombay-14.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/5951/85-86 on 20-4-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-12-1985

Scal:

ing parasitanan kalangan properties

#### PORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6326/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 61, Bustan Apartment situated at Belasis Road

Flat No. 61, Bustan Apartment situated at Belasis Road (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269P of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ahtesham A. Sayed, Shri Kamaluddin Z. Nagamiya.

(Transferor)

(2) Mr. Mohammad Nuh Khalil Ahmed & Mrs. Hasina Bibi Muhamed Nuh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 61, 6th floor, Bustan Apartment. 2-B Wing, Opp. B.E.S.T. Depot, Belasis Road, Bombay-8.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Runge-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5952/85-86 on 20-4-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date: 5-12-1985

HORM TONS

(1) Sanjiva M. Shetty.

(Transferor)

(2) Shekhar A. Shetty.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6329/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Unit No. 31, Milan Indl. Estate situated at Cotton Green (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the pransferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any general or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the ead immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 31, Milan Industrial Estate, Cotton Green, Bombay-33.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Rnage-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5955/85-86 on 20-4-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 5-12-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6331/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 11, Kavi Apartments situated at Worli Sea Face (and appropriate faith described in the Schedule approved by the form)

Flat No. 11, Kavi Apartments situated at Worli Sea Face (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 20-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mr. Rajesh Rajinder Kapoor, Rakesh Rajinder Kapoor, Miss Ritu R. Kapoor.

(Transferor)

(2) Mr. Venkatesh Nayak Manel & Mrs. Meera V. Manel.

(Transferee)

(3) Transferors.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expression used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 11 Kavi Apartments, Worli Scaface, Bombay-400 018.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-1/37EE/5957/85-86 on 20-4-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I
Bombay

Date: 9-12-1985

Scal:

#### FORM ITNS----

- (1) Shah & Nahar Associates.
- (Transferor)
- (2) Hindustan Apparel Industries.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 25th November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6333/84-85.---Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having

a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

Unit No. 433 on 4th floor, Shah & Nahar Indl. Estate A-1

situated at Lower Parel

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-4-1985

for an apparent consideration which is les than market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferorto pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and / or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 433 on 4th floor of Shah & Nahar Indl. Estate A-1, S. J. Marg, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5959/85-86 on 20-4-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 5-12-1985

### FORM ITNS---

- (1) M/s. Sumer Associates.
- (2) Shri Vimalchand C. Mehta.

(Transferor)

(Transferee)

(3) Builder.

(Person in occupation of the property)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT OMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I. **BOMBAY**

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6343/84-85.--Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable proptrty having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 702, Sumer Towers No. 1 situated at Mazgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 23-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of mansfer with the object of :-

- (a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persona, namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 702 on 7th floor of Building No. 1 of 'Sumer Towers' Love Lane, now known as Seth Motisha Road, Mazgaon, Bombay-10.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Seria. No. AR-I/5960A/85-86 on 23-4-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I Bombay

Date: 5-12-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6351/84-85.--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 301, Abhay Steel House situated at Baroda St. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act. 1961. in the Office of the Competent Authority at Bombay on 23-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proporty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-

(1) Shri Jayendra C. Shah,

(Transferor)

(2) M/s. Rohit & Company.

(Transferce)

(3) Transferee,

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Office No. 301 on the 3rd floor, Abhay Steel House, Plot No. 59-E, Baroda Street, Off. P. D'Mellow Road, Bombay-400 009.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/37FE/5961/85-86 on 23-4-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 5-12-1985

Seal:

98-426GI/85

#### FORM ITNS-----

(1) Smt. Meenabai M. Bajaj.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) Shri Kamlesh K. Hemani,

(Transferce)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6354/84-85.--Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

Flat No. 16 & Covered terrace the Gulration Co-op. Hsg. Soc. Ltd. situated at Sion East

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferre d

at Bombay on 23-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 16, The Gultatan Co-op. Housing Soc. Ltd., Sion East, Bombay-22.

THE SCHEDULE

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No AR-1/37FE/5964/85-86 on 23-4-1985.

NISAR AHMFD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acquirition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely :--

Date: 9-12-1985

Scal:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

FORM ITNS----

(1) Shri Chhotalal Raichand,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 249D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Pravinchandra N. Malde.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Rcf. No.  $\Lambda R-1/37EE/6355/84-85$ .—Whoreas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Shop No. 14, Anantdeep Chamber situated at Natsi Natha (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferre d

at Bombay on 23-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notic, in the Official Tazztte of a period of 30 day from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by an other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

Shop No. 14, Anantdeep Chambers, 273-77, Narsi Nutha Street, Bombay-9.

The statement has been registered by the Competent Anthodis, Augustion Range-I, Bombay under Serial No. Ab-1/37EE/5965/85-86 on 23-4-1985.

(b) facilitating the conceanment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to as disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ian Act 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant (\*\*emmissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 5-12-1985

(1) Mrs. Cynthia Sequeira.

(Transferor)

THE STREET

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Piabhakar V. Vishwasrao.

whichever period expires later;

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-1

Bombay, the 9th December 1985

Re<sup>c</sup>. No. AR-I/37EE/6361/84-85.—Whereas, J. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. B-33, Abhijit CHS situated at Dadar

Flat No. B-33, Abhijit CHS situated at Dadar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

Bombay on 24-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aioresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as ciocana'd exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice

in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; arxi/or

# THE SCHEDULE

Flat No. B-33, Ground floor, Abhijit Co-op. Hsg. Society Dadar, Bombay-400 028.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I- Bombay under Serial No. AR-1/5969/85-86 on 24-4-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMFD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Mow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-12-1985

#### FORM ITNS

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I 37HE/6363/84-85.--

Whereas, J, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269R of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a tair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 12-A, Gango'ri Bldg.

situated at Walkeshwar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, Bombay on 24-4-1985

for an apparent consideration which is less than the factorial market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid execceds the apparent consideration therefor by more factorial market value of the property as aforesaid execution for any terror to fair the factorial market value of the property as aforesaid the factorial market value of the property as a factorial market value of the property and the property as a factorial market value of the property and the than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object ofjeetg p7-74( emfwy shrdl shrdl shrdlu shid

- (a) lacditating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I beteby minute proceedings for the acquisition of the aforesold property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Kitan B. Shah, Mukesh N. Shah, Mahendra N. Shah,
- (Transferor)
- (2) Smt. Nina Rajesh Kadakia, Mr. Natwarlal C. Kadakia.

(Transferee)

(3) Transferors,

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the fore-aid persons within a period on 45 asys from the date of publication of this notice in the Official Greente or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period exputes later,
- (b) by any other person interested in the said marrows able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazence

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULL

Flat No. 12-A. Gangotei Building, 89-A. Banganga, Watke hwat, Dombby-400 006.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Sombry, under Serial No. AR-I/5971 85-36 on 24-4-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date : 9-12-1985 Scal:

#### FORM ITNS-

(1) Smt. Sushelle, S. Suvarna,

(Transferor)

(2) Shri Pascol Bhai Karim Mohamed Sidhoure.

Trust not

(3) Tran l. ee.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER, SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE 6366/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Shop No. 4. Dalal Apartment situated at Lamingtonk Road

Shop No. 4. Dalal Apartment situated at Lamingtonk Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority Bombay on 24-4-1985

for an apparent consideration which is less than the face market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair marker value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-- .

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 4, Building No. 1, Block No. A, Ground floor, Dalal Apartment, Lamington Road, Bombay-400 008.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/5973/85-86 on 24-4-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-12-1985

Scal:

(1) Mr. Venkatesh N. Manel, Mrs. Meera V. Manel,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Kishore Adyanthaya.

(Transferée)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transfetors.

(Person in occupation of the property)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-1 BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6367/84-85.— Whereas I. BISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable , perty, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat Lie By Youns Apartments, situated at Worli Sea-face (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been to a streed and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority: Bombay on 24-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  43 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons,
  whichever period experse later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 19, D Block, 5th floor, Venus Apartments, Worli Seaface, Bombay-400 018.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5974/85-86 on 24-4-1985.

> NISAR AHMID Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in purusance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-12-1985

### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 259D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Eombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-L/37EE/6370/84-85.--

Whereas I, NiSAR AHMFD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Room No. 109, Cupta Ehawan CHS situated at Ahmedabad

St. Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than difteen per cent of such appearent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of terrifer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of evaluation of the liability of the transferor to pay this manner respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :---

- (1) Shri Sadanand Krishanji, Prop. of M/s. Sadanand G F & S Agents. (Transferor)
- (2) Shri, Jasbir Singh Bhatia.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the eforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Room No. 109 at Gupla Bhavan Co-op. Housing Society, 32/38, Ahmedabad Street, Bombay-400 009.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay, under Serial No. AR-I/5892/85-86 on 20-4-85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 5-12-1985

Scal:

# NOTICE UNITER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6300/84-85.—
Whereas I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believ that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing

Gala No. 2. Orient Indl. Estate situated at Sewree Wadala

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tox Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 23-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appearant consideration therefor by more than in the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appearant consideration therefor by more than the fair market was a second of the property as aforesaid exceeds the appearant of mark the second of the fair market was the second of the s fifteen user cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of this liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/oi
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I beceby untitate providings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

99--426GI/85

(1) Jadhavii V. Ruparel

(Transferor)

- (2) M/s, Orient Engineering and Ship Repair Works. (Transferee)
- (3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

(4) Transferee.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Gala No 2. Oriental Industrial Estate, Plot No. 45, Scheme No. 57, C. S. No. 605, Dadar Naigaon Division, J. W. Road, Sewree Wadala Estate (S), Bombay-12.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-L Bombay, under Serial No. AR-I/5885/85-86 on 23-4-85.

> NISAR AHMED Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay

Date: 5-12-1985

Seal

The Processing of the Control of the

(1) Mrs. Shanta T. Diwekar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Avinash J. Agharkar & Mrs. Charulata Agharkar.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6381/84-85.—
Whereas I, NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1951) (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 9, Anant Niwas situated at Dadar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the Agreement is registered under
section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office
of the Competent Authority
at Bombay on 2-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reductio nor evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 9, Anant Niwas, The Purandara Park Co-op. Hsg. Soc. Ltd., 109-C, Hindu Colony, Dr. Ambedkar Road, Dadar, Bombay-14.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6570/85-86 on 2-4-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under emb-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, vamely:—

Date: 9-12-1985

(1) Avinash Narayan Haldankar.

(Transferor)

(2) Rajaram Damodar Khare.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6384/84-85.--

Whereas I, NISAR AHMED,

----

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 1, Bhawani Shankar CHS situated at Dada: (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesa'd property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or wich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1, K. S. A. Building, Bhawani Shankar Co-op. Housing Society Ltd., Bhawani Shankar Road, Dadar, Bombay-400 028.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5882/85-86 on 24-4-85.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 5-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-L BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No AR-1/37FF/6673, 84-85.—Whereas I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing

Shop No. 5, Natraj situated at Matunga (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 20-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ment of transfer with the object of-

- ia) facilitating the reduction or evasion of the kinklity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforespid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) M/s. Natraj Builder...

(Transferor)

(2) Gala Caterers.

10°-

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in tout Chapter

### THE SCHEDULE

Shop No Natraj. Plot No 404, Laxmi Narayan Lane. Matunga, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. NR-1/6182 85-86 on 20-5-1985.

NISAR AHMED Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Date 1 5-12-1985

Seal.

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Jogani Builders.

(Transferor)

(2) Mis Shajahan Shahid Hasan Mir.

(Transferec)

(3) Transferor

(Petson in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 BCMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-1-371E-6679/84-85.— Whereas I. NISAR AHMED. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/s and bearing Flat No. A 601, Soonawala Apts, situated at Bombay-8 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act. If 61, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the foir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of tObjections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the lability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Inx Act 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the alteresand property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Dire 5-12-1985 Seal .

FORM I.T.N.S .-

(1) M/s. Jogani Builders.

(Transferor)

(2) M/s. New Ascka Automobiles.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF 1HE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCCME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6699/84-85.---Whereas I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and hearing No.

Shop No. 16, Soonawata Apts, situated at Bombay-8

Shop No. 16, Soonawala Apts, situated at Bombay-8 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-4 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than inteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in rusuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION - The locked and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same start p. The start western as given in that Chapte.

### THE SCHEDULE

Shop No. 16, Basement B, Soonawala Apartment, 13/15, Arab Lace, Bapti Road, Bombay-8.

The statement has been registered by the Competent outhoutly, Acquisition Range-1, Bombay, under Serial No. AR-174784785-86 on 6-4-1985

NISAR AHMFD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date : 5-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE /6700/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

'Soonawala Apartments' Shop No. 10, Basement A situated at Bombay-8

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the Agreement is registered under section 259 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 6-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparnt consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reducction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the I ndian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Jogani Builders.

(Transferor)

(2) B. L. Jogani Family Trust.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 10 and Basement A. Soonawala Apartments, 13/15, Arab Lane, Bapti Road, Bombay-8.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4785/85-86 on 6-4-85.

NISAR AHMED
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Iucome-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Date: 5-12-1985

#### FORM LT.N.S.---

------

(1) of a Colourthan Limital,

(Transferor)

(2) Mr. Pamela Chatterjee, Miss Niral Chatterjee, Miss Pria Chatteriee.

(Transferee)

(3) M/s Colour Chem Ltd,

(Person in occupation of the property)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I ROMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EF/6102/84-85.— Whereas I. NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immorable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 2, Satnam Apartments situated at Colaba (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1985

at Bombay on 2-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with 'he object of '-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: 9147

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act; 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person inverested in the said immovable property, within 45 days from the date of the nublication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :--The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same monning as aven in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 2, 12th floor, Satnam Apartments, Cuffe Parade, Celab i. Bombay-400 005.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay, under Serial No. AR-L 5763 (85-86) on 2-4-85

NISAR AHMED Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date : 9-12-1985

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

#### FORM ITNS-

#### (1) Mr. Yusuf Abdulla Patel.

(Transferor)

(2) Mr. Pramod S. Tibrewala, Mrs. Sangita P. Tibrewala.

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6115/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. Flat No. 1, Patel Apartments situated at Worli, Bombay

Flat No. 1, Patel Apartments situated at Worli, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Incometax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Flat No. 1 on 1st floor, Patel Apartments, Building No. 7B, B. G. Kher Road, Worll, Bombay-400018.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/5773/85-86 on 2-4-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
100—426GI/85

Date: 9-12-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY** 

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6062/84-85.--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable properly, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 4, Patel Apartments situated at Worli,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) or Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Mr. Yusuf Abdulla Patcl.

(2) Mrs. Chanchalben H. Mistry, Mrs. Purnima M. Mistry & Mr. Manhar H. Mistry.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 4 on 6th floor, Patel Apartments, Building No. 7B, B. G. Kher Road, Worli, Bombay-400018.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5737/85-86 on 1-4-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I. Bombay

Date: 9-12-1985

Scal:

- (1) Mr. Yusuf Abdulla Patel.
- (Transferor)
- (2) Mrs. Chanchalben H. Mistry.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6063/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 3, Patel Aparlments situated at Worli, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sn'd immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 3 on 1st floor, Building No. 78, Patel Apartments, B. G. Kher Road, Worli, Bombay-400018.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5737/85-86 on 1-4-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex
Acquisition Range-I,
Bombay

Date: 9-12-1985

Soci :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### (1) Mr. Yusuf Abdulla Patel,

(Transferor)

(2) Mr. Vishwanath S. Tibrewala & Mrs. Meena V. Tibrewala.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6114/84-85.—Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and b. aring

Flat No. 2, Patel Apartments situated at Worli, Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the pa ties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

### THE SCHEDULE

Flat No. 2 on 1st floor in Patel Apartments, Building No. 7B, B. G. Kher Road, Bombay-18.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5772/85-86 on 2-4-1985.

NISAR AHMED Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely:-

Date: 9-12-1985

#### FORM I.T.N.S.-

(1) Mr. A. Yusuf Abdulla Patel,

(Transferor)

(2) Mr. Vinod S. Tibrewala.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6116/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

as the said Act.), have reason to believe that the miniovable property, having a fair market value exceeding As. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 3, Patel Apartments situated at Worli, Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair ris ket value of the aforesald property and I have reason to be delieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any rhoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 3 on 6th floor in Patel & Gupta Apartments, Building No. 7B, Worli Bombay-400018.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5774/85-86 on 2-4-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-12-1985

(1) Mr. Yusuf A. Patel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mrs. Niloofer Mohd. Farooq Plasticwala. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-1AX.

# (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette:

Bombay, the 9th December 1985

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR-I/37EE/6171/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 or 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 1, Patel Aparim nts situated at Worli, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Flat No.1 on 2nd ficor, Patel Apartments, Building No. 7B, B. G. Kher Road, Worli, Bombay-18.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/5815/85-86 on 9-4-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the follow persons, namely:—

Date: 9-12-1985

Seal

#### FORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6328/84-85.-Whereas, 1, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 2, Ajanta Apartments situated Colaba Road, Bombay (and more fully described in the Schedule appared as 25)

(and more fully described in the Schedule annexed acreto). has been transferred and the agreement is regis ered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 20-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration said that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922), or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice und r subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Mr. Atmaram K. Sadarangani.

(Transferor)

(2) Mr. Dalip G. Makhijani & Mrs. Lovinda D. Makhjani.

(Transferee)

(3) Transferor & family. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazet e or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the put wation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 2, 4th floor, Ajanta Ideal Co-operative Housing Society Ltd., 75, Colebba Road, Bombay-5. The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5954/85-86 on 20-4-85.

> NISAR AHMED Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay

Date: 9-12-1985

Scal ;

(1) Smt. Janki Devi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chanderlal Naulani.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6121/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter refer ed to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100 000/- and bearing

Flat No. 72, Satia Bhavan situated at Colaba, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed herefo), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intersted in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 72, Satia Bhavan, Plot No. 3, J.J. Charitles, Opp. 4th Pasta Lane, Off S.B. Road, Colaba, Bombay-400005.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5779/85-86 on 2-4-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-12-1985

FORM I.T.N.S. 187-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. 37EE/6081/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to set the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Office No. 51, Tardeo A/C Market situated at Tardeo,

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Incometax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and los

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Parvati V. Talreja.

(Transferor)

(2) M/s. Progressive Leasing Ltd.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office No 51, Tardeo Air-Conditioned Market, 3rd floor, Tardeo, Bombay-400034.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5749/85-86 on 1-4-85.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I.
Bombay

Now, transform in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection '() of Section 269D of the said Act, to the following person namely:

101—4260I/85

Date: 9-12-1985

(1) M/s. S. P. Builders,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ghewarchand S. Jain & Shri Parasmalji Nanaji.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6161/84-85.-Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to se the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 10,000/- and bearing

Room No. 18, Heera Panna Building situated at Tardeo

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 9-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the cosmideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ort
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the mid immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used berein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Shop No. 124, Heera Panna, Junction of Bhulabhai Desai Road, Tardeo, Bombay-400034.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5807/85-86 on 9-4-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Date: 9-12-1985

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely !-

(1) Mrs. K. V. Sule,

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. D. S. Shah.

(3) Transferor.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6185/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value excerding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 53/1393, MIG Adarsh Nagar, Werli, Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the Agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of
the Competent Authority at

Bombay on 9-4-1335

for an apparent londideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of gransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in espect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(Person in occupation of the property)

- (a) by any of the aforessid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovlable property, within 45 days from the date of the sublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 53/1939, MIG Adarsh Nagar, Worli, Bombay-25.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5825/85-86 on 9-4-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Bombay

Date: 9-12-1985

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) Smt. Santaben H Johanputra,

(Transferor)

(2) Messrs Ankur.

(Transferce)

#### GOVERNMEN'T OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6218/84-85,-Whereas, I. NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing
Unit No. 328, Prabhadevi Unique Industral Estate situated
at Prabhadevi, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-aid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to may sail ander the said Act, at respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, he pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 328, 3rd floor, Prabhadevi Unique Industrial Estate, Opp. Veer Savarkar Marg, Prabhadevi, Bombay-400025.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Ronge I, Bombay, under Serial No. AR-I/5909/85-86 on 9-4-85,

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I, Bombay

Date: 9-12-1985

# PORM ITNS-

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5033/84-85.--Whereas, 1 NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Row House No. 10 plus 2 car parking space, Grand

Paradi situated at Near Kemps Corner

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been trunsferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, Bombay on 29-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any stomeys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:--

(1) Mrs. Anjana Rita Rai.

(Transferor)

(2) Shree Trust.

(Transferce)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULB

Row House No. 10, 2 car parking space, Gr. and Paradi Co-op. Housing Society, near Kemps Corner, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/6355/85-86 on 29-4-85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Date: 9-12-1985

#### FORM IINS-

- (1) M/s Maitri Developers.
- (Transferor)
- (2) Shri Firdos Sorab Irani.

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 209D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

SFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-1/37EE/3420/84-85.—Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 202, Maitri Bldg.

situated at Parel

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been tunsterred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 29-4-1985

for an apparent consideration which is less than the last market value of the aforesaid property, and tait market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reducition or evasion of the Hability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the traveler; endlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the mid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

#### THE SCHEDULE

Fla. No. 202, 2nd floor, Maitri Building, 11, Golanji Hill Estate, Parel, Bombuy-400012.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6455/85-86 on 29-4-85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date 9-12-1985. Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6226/84-85.---Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. Flat No. 14, Nirmala Niwas

situated at Sion (E)
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 9-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of mansfer with the object of :-

- (a) facilitating the reductoion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monoys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Kamla G. Chhabria.

(Transferor)

(2) G. H. Desai (HUF).

(Transferce)

(3) M/s Nippon Chemicals.

(Person in occupation of the property)

(4) M/s Nippon Chemicals. (Person whom the undersigned knows to be

interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same menning an giver in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 14, Nirmala Niwas, 3rd floor, Main Road, Plot No. 157. Sion East, Bombay-400022.

The statement has been registered by the Competent Authority. Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5915/85-86 on 9-4-85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Date 9-12-1985.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) M/s. Kewal Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) M/s Print Service.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6271/84-85.--Whereas. I. NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Terrace portion adjoining Unit No. 341, Kewal Indl.

Estate situated at Lower Parel, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been trunsferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 18-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of mansfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the raid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Weshib-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Terrace portion adjoining Unit No. 341, B Building, Kewal Indl. Estate, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I. Bombay, under Serial No. AR-I/5854/85-86 on 18-4-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this note; under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely.:--

Date 9-12-1985.

Seal 4

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

# VCÓNIZILION KVNGE-I YABMOB

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6300/84-85.--Whereas, I. NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. Godown No. 3, Steel Chambers, situated at Broach St.

situated at Broach St.,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been thensferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 18-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mor than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferero to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; andjor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

102-426GI/85

Mrs. Usha, Kishore Meh:a, Shri Bharat A Shah Shri Mukesh A Shah.

(Transferor)

(2) M/s Atul Textile Traders.

(Transferee)

(3) Transferors.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice In the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Godown No. 3, Basement floor, Steel Chambers, Broach Street, Bombay-9.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5879/85-86 on 18-4-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombny

Date 9-12-1985. Seal:

#### FORM LT,N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6314/84-85.--Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

50 per cent share in Office No 302 situated at Girgaum Rd.,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transity, and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 19-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appropriate considers were therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the sonalderation for such transfer as agreed to between the parties has not been truly styled in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) inclinating the reduction of evanues of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, REG 704
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other aucts which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (1) Shrl Lakhiram C Rohira.

(Transferor)

(2) Shri Birmanand R. Pamnani.

(Transferee)

(3) M/s Lakhiram Hassanand.

(Person in occupation of the property)
(4) Shri Lakhiram C Rohira & Hassanand

R Pamnani.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

50 % share in office No. 302, 352, Murlidher Chambers, Girgaum Road, Bombay-400 002,

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5944/85-86 on 19-4-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 9-12-1985

#### FORM I.T.N.S.-

(1) Mr. Yusuf Abdulla Patel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Hemendra C. Shah, Mrs. Bela M. Shah & Mr. Ripia C. Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6061/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269-B of the innounce-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to be the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding its. 1,00,000/- and bearing Flat No. 3, Patel Apts., situated at Worli (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

Bombay on 1-4-1985

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nation in the Official Gazette or a period of 30 days from the servcie of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 3 on 5th floor, Patel Apartments, Bldg. No. 7A, B.G. Kher Road, Worli, Bombay-18.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5736/85-86 on 1-4-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I heraby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (2) Mrs. Khurshid Saced.

(Transferor)

(1) Mrs. Rita M. Daswani.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6194/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred so as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 48, Heera Panna Bldg. situated at Haji Ali,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority.

Bombay on 9-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of !-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the timbility of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act., 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Shop No. 48, Ground floor, Heera Panna Shopping Centre, Hajl Ali, Bombay-400 026.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5831/85-86 on 9-4-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-12-1985

NAMES OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY.

#### FORM I.T.N.S.———

(1) Shri S Mohammedali.

(Transferor)

(2) Shri Mohammed Tariq Ilyas.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6216/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing CS No. 1355 of Fort Divn. situated at Gola Lane,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been trunsferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, Bombay on 9-4-1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by may other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULB

Land in Gola Lane within Fort of Bombay, registered in Collector's Book of Land Revenue Old No. 5592 Old S. No. 8845, A Ward, St. No. 5, C.S. No. 1355 of Fort Division.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5907/85-86 on 9-4-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income, tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10-12-1985

#### FORM MINS-

(1) Shri A, S. Nadkarni.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. N. H. Vasaveda,

(Transferce)

(3) Transferec.

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-1 BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Bef. No. AR-I/37EE/6190/84-85.—Whereas, I NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/2 share of office No. 208 Maker Bhavan No. 3 situated at New Marine Lines (and more fully described in the Schedule annexed beretch

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, Bombay on 9-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ead /er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property easy be made in writing to the undersigned /---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The Terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/2 share of the office at Room No. 208, Maker Bhavan No. 3, 21, New Marine Lines, Bombay-400 020.

The statement has been registered by the Competent Authority. Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5828/85-86 on 9-4-1985.

NISAR AHMED Competent. Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 9-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6267/84-85.--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 3304, Panchshil Bldg.,

situated at Churchgate, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, Bombay on 2-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such thansfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with

- (a) facilitating the reduction or syncion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the conceniment of any income or any monoys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-said property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(%) Mrs. Durge R. Jethmalani & Miss Rani R. Jethmalani.

(Transferor)

(2) Mafatlal Mangilal Kothari & Jayantilal M. Kothari.

(Transferee)

(3) Transferees. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 304 on 3rd floor, Panchshil building, C Road, Churchgate, Bombay.

The statement ht.3 been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6454/85-86 on 2-4-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 9-12-1985

FORM LT.N.S.-

(1) M/s Agarwal Group of Industries.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Mr. Arvind Jagannath Jadhav.

(Transferce)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 12th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6309/84-85.—Whereus, I.

NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improperty having a fair market value exceeding Rs. 1,00,600/- and bearing
Upit No. 241, Kalindas Udyog Bhavan,
situated at Near Century Bazer

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been tunsferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, Bombay cn. 19-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957): (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons. whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(2) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Unit No. 241, Kaliandas Udyog Bhavan, near Century Bazar, Bombay-25.

The statement has been registered by the Competent uthority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5940/85-86 on 19-4-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore aid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 12-12-1985

#### FORM ITNS----

(1) Shri Vishnu W Chinchalkar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shobhadevu Kailashchandra.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACOUISITION RANGE-L BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6616, 84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Component Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having bear fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 4, Aryan Mahal situated at Churchgate (and more fully described in the Sch dule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1/4/1985

for an apparent ecresideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sforesaid property by the issue of this notice under subasction (1) of Section 269D of the said Act, to the following resons, namely :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 4, Aryan Mahal, C Road, Churchgate, Bombay-400 020.

The statement has been registered by the Competent Authorit . Acquisttion Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4857/85-86 on 1-4-85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I **Bombay**

Date: 9/12/1985

Scal:

103-426GI/85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6091, 84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000 (a and beging

Rs. 1,00,000/- and bearing Plat No. 52/1384, Mi) Adarshnagar situated at Worli (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1/4/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mi. Marshall D'Souza.
- (Transferor)
- (2) Mrs. Cicilia D'Souza.

(Transferee)

(3) Transferee (Person in occupation of the property)

(4) Society
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 52/1384, MIG Adarsh Nagar, Worli, Bombay. The statement has been registered by the Competent

Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I; 5758/85-86 on 1 4/85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I Bombay

Date: 10/12, 1985

(1) Mr. Manu Desai, Prop. Azis Advertising Consultants.

(Transferor)

(2) Mr. Kishin D. Bhavnani and Mrs. Meena K. Bhaynani,

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

(4) Transferee. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No AR-1/37FE 6280 84-85.--Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs 1.00 000/- and bearing Office No. 10/1015 Miker (hambes -ituated at Nariman Point (and more fully described in the Schedule antexed hereo). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18/4 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair morket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, lu respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wenlth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

#### THE SCHEDULE

Office No. 101015 on 10th floor, Maker Chambers V. Plot No. 221 of Block III of the Backbay Reclamation Scheme, Nariman Poin, Bembay-21.

The statement has been registered by the Competent Authority, Action to Range-T Bombay, under Serial No. AR-1/5869/85-86 on 18-4-1985

NISAR AHMI-D Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Bombay

Date: 9-12-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 11th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6208/84-85,-Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Room No. 302A, Glenridge Bldg., situated at B. G. Kher

Marg.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 8-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than rifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer AND for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth in Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the arresaid property by the issue of this notice under subsection ( $\tilde{\chi}$ ) of Section 269D of the said Act, to the following omnions, namely :---

(1) Shri Gyanchand N. Kothari.

(Transferor)

(2) Smt. Anjana N. Shah.

(Transferce)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Room No. 302-A, Glenridge, 16, B. G. Kher Marg, Bombay-400 006.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5899/85-86 on 8-4-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Bombay

Date : 11-12 1985

- (1) Mr. M. A. Mansure.
- (Transferor)
- (2) Mr. Rajesh Saigal.
- (Transferee)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAŸ

Bombay, the 11th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE 6304/84-85.--Whereas, I,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 25. Sneha Sadan situated at Opp. Colaba Post Office (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority. Bombay on 19-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andior
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-max Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisison of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Genetic.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chr.oter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 25, Sneha Sadan, 2nd floor, Opp. Colaba Post Office, Bombay-5.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay, under Serial No. AR-I/5935/85-86 on 19-4-85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incor -tax, Acquisition ....inge-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely 1---

Date: 11-12-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6127/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 10 Poyana Bilds situated at Maharshi Karve Road

Flat No. 10, Roxana Bldg. situated at Maharshi Karve Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 2/4/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which sught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following nersons, namely :---

Sh. M. L. Gupta Kamanwala, Sh. S. K. Gupta, Sh. Q. P. Khandelwal, Smt. Neeta Jain, Smt. Sudha Gupta Kamanwala.

(Transferor)

(2) Dady Nowroji Adenwala.

(Transferee)

(Person in occupation of the property)
(4) Transferors.

(Person whom the undersinged knows to be

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said introvable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 10, 4th floor, Roxana Building, Maharshi Karve Read. Bombay-400 020.

The statement has been registered by the Competent Authority. Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5783/85-86 on 2-4-85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Bombay

Date: 10/12/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-1 BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6255/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Rs. 1,00,000/- and hearing

Rs. 1,00,000/- and bearing
Block No. 3B/6, New Sion CHS situated at Sion
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 18/4/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (15 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Gurinder Singh Pratapsingh.

(Transferor)

(2) Ashok P. Kharawla,

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

# THE SCHEDULE

Block No. 3B/6, New Sion Co-op. Housing Society, Sindhi Colony, Gr. floor, Sion, Bombay-400 022.

The statement has been registered by the Competent Authority. Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5840/85-86 on 18-4-85.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date: 9/12/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6069/84-85.—Whereas, I,

NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

situated at Napeansea Road (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1/4/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the tollowing persons, namely —

(1) Mr. Shewakram G Mahtani.

(Transferor)

(2) Mr. Russi K Rastomjee and Mrs. Arnaz Russi Rastomjee.

(Transferee)

(4) Messrs Avery India Ltd.
(Person whom the undersinged knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 43, 4th floor, 'Ashutosh', 38-A, Napeansea Road, Bombay-36.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5742/85-86 on 1-4-85.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date: 10/12/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6144/84-85.--Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Office No. 142, Mittal Tower situated at Nariman Point

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 2/4/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument to transfer with the object of :--

- (m) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-Ing persons namely:--

(1) Baraka Overseas Traders.

(Transferor)

(2) Inderkumar Gupta (HUF), Smt. Neena Devi Gupta, Mr. Vanit Gupta,

(Transferee)

(3) Transferor.
(Person in occupation of the property)

(4) Transferces.

(Person whom the undersinged knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—'The terms and expressions used herein as are dened ifin Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office No. 142 cn the 14th floor, B Wing, Mittal Tower, Nariman Point, Bombay-400 021.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acoustion Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5796/85-86 on 2/4/85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 9/12/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6332/84-85.—Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 1, Sadanand Apartment situated at Prabhadevi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20/4/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor.
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, pamely:—

(1) Smt. Maduri P Savant.

(Transferor)

(2) Shri Arun D Vijaykar, Mrs. Laxmi D Vijaykar.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1, 1st floor, Sadanand Apartment, Acharya Kale Marg, Agar Bazar, Prabhadevi, Bombay-400 028.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5958/85-86 on 20-4-85.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date: 9/12/1985

FORM I.T.N.S.--

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6167, 84-85.—Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinnfter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 98, Parvati Ind. Pre Co-op. Sect. Ltd. situated at Income Baral.

Lower Parel

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9/4/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesoid excreds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for rsuch transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay an under the said Act, in respect of any acome arising from the transfer; and/or

(b) faciliating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922, 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Ramesh Electrical Mfg. Corporation.

(Transferor)

(2) Mr. Dilip Harkishin Chhabrla and Mr. Harkishin J Chhabria.

(Transferce)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the auderment of

- (a) by any of the aforesant persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Greate of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires rater;
- (b) by any other peach interested in the said immovable property within 15 mgs room the Pate of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as aid the defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning on given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 9B, Parvati Indl. Fre. Co-th. Society Aid., New Sun Mill Compound, Lower Parel, Society, 400 013.

The statement has been registered by the Computent Authority, Acquisition Rangell, Rotaba, under Seriai No. AR-I/37EE/5811/85-86 on 8-4-1985.

NIGAR AHMED Competent Authority Inspecting Assit. Committion r of Prometak Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in sursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons nemely :-140-416 GI/85

Date: 9-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6085/84-85.--Whereas, L. NISAR AHMED.

being the Competent, Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 433, Kewal Indl. Estate situated at Lower Parel

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1/4/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:— (1) Mr. Rajesh L. Thakker and Mrs. Sharmisthaben Laxmikant, Mr. Manharlal M Raja and Mrs. Mrudulaben N. Raja.

(Transferor)

(2) Sh. Mayur Kanubhai Sham, Karta of HUF of Mayur K Shah.

(Transferee)

(2) Transfere.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULB

Unit No. 433, B Building, 4th floor, Kewal Industrial Estate Senapati Bapat Marg, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5755/85-86 on 1-4-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 9/12/1985

#### FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6117/84-85.—Whereas, I NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 3, Roxana Building situated at Maharshi Karve Road (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 2-4-1985

tor all apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the surposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-MS Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri M. L. Gupta Kamanwala, S. K. Gupta, O. P. Khandelwal, Smt. Necta Jain & Smt. Sudha G. Kamanwala

(Transferor)

(2) Mr. Jimmy Eravh Dadabhoy

(Transferce)

(3) Tenants

(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter, XXA of the said Act, that have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 3, 1st floor, Roxana Building, Maharshi Karve Read, Bombay-20.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5775/85-86 on 2-4-1985.

NISAR AHM):
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10-12-1985

(1) Smt. Shakuntala Bangia

(Transferor)

(2) Shri Vijay H. Bijlani

(Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. I/37EE/6201/84-85.--Whereas. I NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter teferred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1 00,000/- and bearing No.

Flat No. 14, Marthanda Bldg. situated at Worli (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred.

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 8-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tast -Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :--

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULB

Flat No. 14, 4th floor, Marthanda, 84, Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-400 018.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5893/85-86 on 8-4-85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-

Dato: 10-12-1985

# FORM DINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACOUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6242/84-85.-Whereas, I NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inimovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 4 & Garage No. 6 Maharshi Karve Road, Roxana

Building

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Autho-

nt Bombay on 10-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument f transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. is respect of any income arising from the transfer; end/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. ) hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mr. M. L. Gupta Kamanwala, S. K. Gupta, O. P. Khandelwal, Smt. Neeta Jain & Smt. Sudha G. Kamanwala

(2) Mr. Narain P. Jajodia

(Transferor) (Transferee)

(3) Tenant

(Person in occupation of the property)

(4) Transferor

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THY SCHEDULE

Flat No. 4 & Garage No. 6, Roxana Building, Maharshi Karve Road, Bombay-400 020.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5925/85-86 on 10-4-85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10-12-1985

(I) M/s. Almas International

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA** 

(2) M/s. CMS Investment & Trading Co.

(Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6143/84-85.-Whereas, I NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Office No. 74, Mittal Court situated at Nariman Point (and more fully described in the schedule annexed hereto).

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 2-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the sume meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Office Premises No. 74, 7th floor, C Wing, Mittal Court,

Nariman Point, Bombay-400 021.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/5795/85-86 on 2-4-85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 9-12-1985 Scal :

#### FORM ITNS----

(1) Mrs. Padma Motilal Butani

(Transferor)

ICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE 'COME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rajesh Raman & Smt. Vimla Raman (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

JFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th December 1985

AR-1/371-E 6563/84-85.—Whereus, L. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) bereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding its 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 5, Laxmi Bhayan situated at Sion East

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

at Bombay on 13-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :- 105-426 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EAPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 5, Laxini Bhavan, Plot No. 155, Sion East, Bombay-22.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I. Bombay, under Serial No. AR-1/6098/85-86 on 13-5-85.

> NISAR AHMFD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I, Bombay

Date: 12-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 26°D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### COVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-1;37EE/6268/84-85,—Whereas, 1, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/s. and bearing No.

Apartment No. Queen's Diamond situated at Charni Road, (and more fully do riched in the schedule annexed hereto), has been cransferred.

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 18-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act. in respect of any income arising from the transferound/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. Hemand H Patel

(2) Mr. Gunvanti B. Mehta & Mrs. Sonal Bomy Mehta

(T)

(

(3) Transferee

(Person in occupation of the 1

(4) Transferor
(Person whom the undersigned know interested in the pre-

Objection, if any, to the acquisition of the said property to made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Apartment No. 401. Queen's Diamond, 4th floor. Mama Parmanand Marg, Charni Road, Bombay, C.S. No. 18 of Girgaum Division.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay, under Serial No. AR-I/5851/85-86 on 18-4-1985.

NISAR AHMI D
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tan
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 9-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6133/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

seing the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Apartment No. 501 & Carage No. 501A, White House situated at Off Gamadia Road

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

at Bombay on 2-4-1985

for an apparent consideration fair market value of the aforestiff property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evening the kability of the transferor to pay tax bader the said Act in respect at any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any which have not b to be disclosed by the tru the Indian Income tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

(1) Mr. Freny K. Panday (nee Freny K. Kanga), Jamshed F. Boga, Framroz J. Mistry, Trustees of Sorabji Kanga Charity Trust. (Transferor)

(2) Glaxo Laboratories (India) Ltd.

(Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 50 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Apartment No. 501 & Garage No. 501A in the property known as 'White House' Off Gamadia Road, Bombay-400 026.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5788A/85-86 on 2-4-85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10-12-1985

(1) Mrs. Shirinbai S. Virani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Mehboob S. Togiwala

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY Bombay, the 11th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6122/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 65 Navroj Manor situated at Byculla (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 2-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer and or

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Flat No. 65, 5th floor, 'Navroj Manor, Ismailia Co-op. Housing Soc. Ltd., Byculla, Bombay-400 008.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5780/85-86 on 2-4-85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:--

Date: 11-12-1985

(1) Mr. Vijay Kumar Gupta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Pradeep Chandana & Mrs. Aruna Chandana.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th December 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6334/84-85.—Whereas, 1 NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing Flat No. 405. Chawla House situated at Colaba (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 23-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of motics on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the saxi Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 405, 4th floor. Chawla House, 60/62, Wodehouse Road, Bombay-5.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I. Bombay, under Serial No. AR-J/5960, 85-86 on 23-4-85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I, Bombay

inow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 11-12-1985

(1) M/s. Jogani Buildrs.

(Transferor)

(2) Shir Mohammed Hanif, Mohamed Amin.

(Transferce)

(3) Nil

(Person in occupation of the property)

(4) M/s. Jogani Builders.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th December 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6704/84-85.-Whereas, 1 NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and, bearing

Flat No. 102, Soonawala Apts, situated at Arab Lane (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority. at Bombay on 9-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the redunction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—Ihe terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

Flat, No. 102, 1st floor, Soonawala Apartments, 13/15 Arabi I ane, Bapti Road, Bombay-8.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4806/85-86 on 9-4-85.

NISAR AHMED Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-12-1985

(1) Shri Ramanathan Shanker.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Bhanumati P. Mehta.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6305/84-85.—Whereas, I NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000,'- and bearing

Flat No. 64, Highway Apartment situated at Sion (E) (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 19-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property and the property are consideration to be aforesaid arcael the aforesaid aforceaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferi and/or
- (b) facilitating the concealment of any mount or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 ef 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 ef 1957):

# THE SCHEDULE

Flat No. 64, B Building, Highway Apartment, Sion East.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5936/85-86 on 19-4-85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

Date: 9-12-1985

#### FORM I.T.N.S.———

(1) Shri Laherehand L. Oswal (Poladia

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37FF/6251/84-85.—Whereas, I NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Flat No. 24, Hind-Mata Cut-Piece Merchants Society 1td. Tata Mill Camp. Dr. Ambedkar Road

situated at Dadar

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 18-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of reasons with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ar

(b) facilitating the concealment of any facome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) Shi i Hitesh P. Chheda & Master Mukesh P. Chheda

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice is the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 24, Hind-Mata Cut Piece Cloth Merchants Society Ltd., Tata Mill Camp, Dr. Ambedkar Road, Dadar (C. Rly.) Bombay-14.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay, under Serial No. AR-1/5836/85-86 on 18-4-85.

NISAR AIIMFD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

rlow, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 9-12-1985

(1) Mrs. Vidvamanti I: Bhasin.

(Transferoi)

(2) M/s. Shamegh Corporation.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6096/84-85.—Whereas, I NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Gala No. 19 Prakash Industrial Premises Co-op. Soc. Ltd.

situated at Sewree

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair believe that the fair market value of the property as aforebelieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, is respect of any income arising from the transfers and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

106-426 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Gala No. 19, Prakash Indl. Premises Co-op. Society Ltd., Bharat Indl. Estate, Tokershi Jivraj Road, Sewree, Bombay-

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5751/85-86 on 1-4-85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 9-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6353/84-85.—Whereas, I NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 205, Ashrafi Society situated at Parel (and more fully described in the schedule approved barres).

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

at Bombay on 23-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chieft of ment of transfer with the object of :-

- (n) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Ebrahim Abdulla.

(Transferor)

(2) M/s. Trimurty Enterprises.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EMPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 205, Ashrafi Society, 3 Latifabad, Jerbai Wadia Road, Parel, Bombay-12.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5963/85-86 on 23-4-85.

**NISAR AHMED** Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 9-12-1985

(1) Shri P. V. Srinivas.

(Transferor)

(2) Shri Shantilal B Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I ВОМВЛУ

Bombay, the 11th December 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publica ion of this notice in the Official Gozeta or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official

Explanation:—The terms and expression used berein as an defined in Chapter ISEA of the said Act, shall rape the carse meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR-I/37EE/6287/84-85.—Whereas. I, NISAR AHMED being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plat No. 9, Shri Jagdish Niwas situated at Sion (b) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 18-4-1985 market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or ony moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Flat No. 9 on 1st floor, Shri Jagdish Niwas Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Plot No. 198, Sion East, Bombay 22.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5867, 185-86 on 18-4-85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Rance-1 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 11/12/1985

#### FORM LT.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

. .

## GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 11th December 1985

Ref. No. AR-1/37EF/6086/84-85.-Whereas, I. NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 20/313, Indl. CHSL situated at Worls (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Ast, in respect of any income arising from the transfer: and/ar

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)1

(1) Shri Ramnath Nagwekar.

(Transferor)

(2) Smt. Nandini D Shetye.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 313, Building No. 20, Industrial Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Prabhadevi, Bombay-25.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1 5756/85-86 on 1-4-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-L Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 11-12-1985

<del>\_\_\_\_\_</del>

FORM I.T.N.S.——

\_\_\_\_\_\_

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Shri Harakehand R. Dedhia.

(Transferor)

(2) Shri Basantkumar B. Gupta and Y. B. Gupta.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 11th December 1985

Ret. No. AR-1/37EE/6278/84-85.-Whereas, I,

NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. F-102, Veena Beena Apts. situated at Sowri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 11-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; **ead**for

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any

Flat No E-102, Veena Beena Apartment, 1st floor, Sewri, Bombay-15.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5859 85-86 on 18-4-85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-1 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 11-12-1985

(1) Smt. Nirmala P Kanakia.

(3) Transferor.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) O4. THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Mrudula P Goradia and Shri Mukesh P Goradia.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 11th December 1985

Rcf. No. AR-I/37EE/6215, 84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'aaid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No 4. Rekha Bldg, situated at R. A. Kidwai Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apprent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other easets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

(Person in occupation of the property)

- (a) by any of the aformaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 4, Gr. floor, Rekha, 82, R.A. Kidwai Road, Bombay-31.

The statement has been registered by the Competent Authority. Acquisition Range-1, Bombay, under Serial No. AR-1/505/85 86 on 9-4-85.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 11-12-1985

## 3935

# FORM NO. ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Smt. Lakhmirai L. Oswal (Poladia).

(Transferor)

(2) Shri Popatlal D Chheda and Smt. Maniben P Chhedn.

(Trapsferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 11th December 1985

Ref. No. AR-I 37EE/6252, 84-85.—Whereas, I NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 22, Hind Mate Curpiece Cloth Merchants Society

L'd, situated at Dadar (C Rly.) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 18/4/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or avanion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer iiid/m
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tas Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Flat No. 22, Hind-Mata Cut-piece Cloth Merchants Soc. Ltd., Tata Mill Compound, Dr. Ambedkar Road, Dadar (C. Rly ) Bombay-14.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I. Bombay, under Serial No. AR-1/5837/85-86 on 18-4-85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Rombay

riow, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (I) of Section of the said Act, to the following persons eamoly : ···

Date: 11/12/1985

Seal ·

# FORM ITNS——

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I ВОМВЛҮ

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6130/84-85.--Whereas, I, NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Apartmenn No. 302 & Garaga No. 302A in White House situated at Off Gamadia Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 2/4/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 159D of the said Act, to the following persons, namely :--

 Freny K Panday (nce Frany K Kanga) Jamshed P Boga, Frannoz J Mistri, Trustees, Sorabji Kanga Charity Ttrus (Transferor)

(2) Glaxo Laboratories (India) Ltd.

(Transferee)

(3) Transferee, (Person in occupation of the property)

Objections, it any, to the acuqisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Apartment No. 302 & Garage No. 302A in property known as 'White House' Off Gamadia Road, Rombay-400 026.

'Con statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5788/85-86 on 2-4-85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-i Bombay

Date: 10-12-1985

Scal;

## FORM I.T.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 11th December 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6221, 84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 63, Mantri Cornor CHSL situated at Sayani Road (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Rection 2097B of the income-to-vice 155. In the Competent Authority at Bombay on 9/4 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely: 107-426 GI/85

(1) Mr. Petaraso Kaki Bhagwagar.

(Transferor)

(2) Mr. Kaushik K Vadhar,

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given is that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 63, Mantri Corner Co-op, Hsg. Society Ltd., Savani Road, Bombay-400 025.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I. Bombay, under AR-I/5912//85-86 on 9-4-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Bombay

Date: 11/12/1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 12th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6386/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000|-Rs, 1,00,000/- and bearing

Office Bo. 310, Jolly Bhavan No. 1 situated at New Marine Lines

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 24/4/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of mansfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any r.oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Pramod Industrial Corporation.

Shri Radheshyam Rungta and

(2) Shri Radheshyam Rungta and Shri Ramesh Kumar Rungta.

(Transferce)

(Transferec)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Office Premises No. 310, Jolly Bhavan No. 1, 10, New Marine Lines, Bombay-400 020.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay, under Serial No. AR-1/5880/85-86 on 24-4-85.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bonthay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isue of this notice under subsection (1) of Section 269D of he said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12/12/1985

#### PORM TINE--

(1) Shri Krishnan Ramaswamy,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri R. M. Purushothaman and Shri R M Dasan.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 11th December 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6141/84-85.—Whereas, 1, NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. 108; Sindhu Apts, situated at Chunabhatti (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2 4/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immosable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given us that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evacion of the Habitity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the true and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Flat No. 108, 1st floor, Sindhu Apartments Co-op. Hos. Soc. 1 td., Opp. C. T. 1., Chunabhatti, Bombay-22,

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5793/85-86 on 2-4-85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, the pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : -

Date: 11/12/1985

(1) Shri Navin Pranlal Zaveri.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kanayp D Ahuia and Smt. Karishma G Ahuja.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 12th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE 6198/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED

NISAR AHMED being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act',) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 307, Arun Comm. CSf. situated at Tardeo Main Road, Bombay (and trace fully described in the competition of the competi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9/4/1985

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considerauon therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as igreed to between the parties has not been truly stated in the -aid instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evanion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Office No. 307, Arun Commercial Co-op, Society Ltd., Tardeo Main Road, Bombay-400 034.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I '5833/85-86 on 9-4-85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sand Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice upder sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 12/12/1985

#### (1) Smt. Pushpaben G Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mrs. Parcen K Doshi and Kishore T Doshi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 12th December 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6352/84-85.—Whereas, 1, NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Hat No. 61, Matru Mandir situated at Tardeo Road and the competence of the state of the competence of the

Flat No. 61, Matru Mandir situated at Tardeo Road (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 23/4/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be andte in writing to the undersigned:—
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period express later.
  - (b) hy any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- FAPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Flat No. 61, Matru Mandir, 16th floor, 278, Tardeo Road, Bombay-7.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5962/85-86 on 23-4-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 12-12 1985

(1) Mr. Mistry V Harkishandas, Mr. Mistry T Harkishandas, Mr. Mistry M Harkishindas.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rajnikant J Vora and Shri Jagmohandas D Vora.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I ROMBAY

Bombay, the 12th December 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6199/84-85.—Whereas, f, NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

be as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. 502, Gold Coin Pre. situated at Tardeo Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at the Competent Authority at Bombay on 9/4/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 503, 5th floor, B II Wing, Cold Coin Premises Co-op. Soc. Ltd., 35/35A, Tardeo Road, Bombay-34.

The statement has been registered by the Competent Authofity, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5834/85-86 on 9-4-85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date : 12-12-1985

# FORM ITNS----

(1) Shri Dinesh P. Sanghani & Smt, Smita D. Sanghani.

(Transferor)

(2) Shri Dilip N. Sanghvi.

(3) Transferee.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY

Bombay, the 12th December 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6296/\$4-85.--Whereas, I, NISAR AHMED

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 203. Poonam Apts. situated at Worli (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay ax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(Person in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette ora period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 203, 2nd floor, Poonam Apartments, C Block, Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-18.

The statement has been registered by the Competent Authority, No. AR-I/ Acquisition Range-I, Bombay under Serial

> NISAR AHMED Competent Authori v Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 12-12-1985

# FORM FINE

(1) M/s, Jaywant Development Corporation.

(Transferor)

(2) Mrs. Hausa A. Shah & Ashkaran S. Shah.

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-J, **BOMBAY**

Bombay, the 12th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6080/84-85.—Whereas, 1, NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 1, Jaywant Apartment situated at Tardeo Road (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (a) facilitating the concealment of any income or any maneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Emplanation :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1 on the 10th floor, Jaywant Apartment. Film Centre, Tardeo Road, Bombay-34,

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-1/5748/85-86 on 1-4-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following personis, namely :--

Date: 12-12-1985

# FORM ITNS-

(1) Smt. Bimla Agarwal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Keshar chand B. Shah. Girish K. Shah, Jatin K. Shah. Jayesh K. Shah.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6510/84-85.—Whereas, I. NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs 100009/- and bearing Flat No. D/606, Peonam Apts, situated at World (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Rombay on 9-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeanid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (a) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer;

Flat No. D/606, Poonam Apartments, Dr. Annie Besant

Road, Worli, Bombay-18.

The statement Fa3 been registered by the Competent Authority, Acquisition Pange-I, Bombay, under Scrial No. AR-I/6058/85-36 on 3-5-1935.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the rurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
108—426 G1|85

Date: 12-12-1985

(1) Shri Vinod D. Mehta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Parvati V. Talreja.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 12th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6109/84-85.--Whereas, I. NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

as the 'said ACU), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Godown No. 3, Tardeo A/c Mkt. situated at Tardeo (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the continuous 250 AB of the Incompany Act. 1961 in the Office.

section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Brinbay on 2-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affreen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

(n) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been et which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (14 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 Jays from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Basement No. 3, Tardeo Air-Conditioned Market, Tardeo Road, Bombay-34.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5767/84-85 on 2-4-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-12-1985

# FORM NO. I.T.N.S.-

# (1) Mrs. Rehma A. Kothawala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

# (2) Shri Kailash B. Sanghavi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 12th December 1985

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Rcf. No. AR-1/37EE/6371/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No.

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. C/607, Fromam Apts. situated at Worli (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer, and/or

Flat No. D/607, Poonam Apartments, 6th floor, Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-18.

The statement has been registered by the Compete of Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/5891/85-86 on 20-4-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in purmance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-12-1985

(1) Mr. Parvaz M. Sethna.

(Transferor)

(2) Mr. Chandrashekhar Shetty.

(Transferee)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6191/84-85.--Whereas, I. NISAR AHMED

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00 00)/- and bearing C.S. No. 319 of Bhuleshwar Divn, situated at Dhobi Talao

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been t ansferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-maid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the contideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Land bearing C.S. No. 319 of Bhuleshwar Divn., Daruwala Building, 36/44 Wellington Street, Dhobi Talao, Bom-

The statement has been registered by the Competent uthori'y, Acquisition Runge-I, Bombay under Serial Authori'y, Acquisition Runge-I, No. AR-I/5829/85-86 on 9-4-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following versons, namely :--

Date: 12-12-1985

Bombay on 2-4-1985

FORM ITNS---

(1) Smt. Ratanben L. Visharia.

(Transferor)

(2) S. C. Ghia, HUF.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) M/s. Supreme Paper Corpn. (Person in occupation of the property)

# GOVERNMENT OF INDIA

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-live days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY

> (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the

Bombay, the 12th December 1985

publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-I/37EE/6188/84-85.--Whereas, I, NISAR AHMED

> EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

> > in that Chapter,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Godown No. 4-A, Gr. floor situated at Mody Fort St., (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been tansferred and the agreement is registered under

sect on 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of wansfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Godown No. 4-A, Ground floor, 85, Mody Street, Fort, Bombay-1.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6371/84-85 on 2-4-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Вошрам

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 260D of the Said Act to the following persons, namely :--

Date: 12-12-1985

# FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6189/84-85.—Whereas, 1, NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'kaid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Gadown No. 4-B, Ground floor situated at Mody St., Fort (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 Ad of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the consideration.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Smt. Ratanben L. Visharia.

(Transferor)

(2) Shri H. S. Ghia, HUF.

(Transferee)

(3) M/s. Supreme Paper Corpn.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said proper may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Godown No. 4-B, Ground floor, City Survey No. 1068, 85, Mody Street, Fort, Bombay-21.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5827/85-86 on 9-4-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the tollowing persons, namely:—

Date: 12-12-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Rombay, the 10.h December 1985

Ref. No. AR-I/37EG/5215/84-85.-Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable proper'y having a fair market value exceeding
Rs 1.00,000/- and bearing No.
C.S. No. 104 of Malabar Cumballa & Hill Division situated

at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in hte office of Registering Officer at Bombay on 64-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair marker value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following mont namely '--

(1) Ishwarenandan Ramrao Rao. Jayanandan Ramrao Rao, Shivanandan Ramiao rao and ShamanJan Ramrao Rao.

(Transferor)

(2) Prafulchandra Karmarkar, Smt. Savita P. Karmarkar, Sanjeeva P. Karmarkar and Smt. Uma S. Karmarkar.

(Transferce)

(3) Sanjeevan P. Karmarkar, Prafulchandra Karmarkar, Rasiklal.

(Person in occupation of the property.)

(4) Transferees.

(Person whom the undersigned knows to in interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- a) ov any of the afcresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice In the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM.-1325/84 and registered on 6-4-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10-12-1985

(1) Nowrosji Gehangir Gomadia.

(Transferor)

(2) M/s Roche Products Limited.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (3) Fransferec.

(Person in occupation of the property.)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10 h December 1985

Ref. No. AR-I/37-G/5216/84-85.—Whereas, I, NIBAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,060/- and bearing No.
Plot No. 18, C.S. No. 14/738 (pt) of Malabar & Cumballa Hill Division situated at Pt. Modan Mohan Malavya Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bembay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fall market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proporety as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferee; and/o

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days f om the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immove able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 2398/84 and registered on 1-4-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 10-12-1985

(1) Nowrosji J. Gamadia,

(Transferor)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Roche Products Limited.

(Transferee)

(3) M/s Roche Products Limited.

(Person in occupation of the property.)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR-I/37-G/5217/84-85.—Whereas, I NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Plot No. 18, C.S. No. 14/738 of Malabar & Cumballa Hill

Division (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Bombay on 1-4-1985

at Bombey on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

# (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 2399/84 and registered on 1-4-1985 with the Sub-registrar of Bolmbay.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following namely:—
109—426 GI|85

Dato: 10-12-1985

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR-I/37-G/5218/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Flut No. 2, Narendra Bhuvan situated at Bhulabhai Desai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at

at Bombay on 17-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assem which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Jairagurajainhii P. Jadeja.

(Transferor)

(2) Mrs. Chandrika Arvind Dalal.

(Transferee)

(2) Transferee.

(Person in occupation of the property.)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period applies later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM.-1370/78 and registered on 17-4-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10-12-1985

(1) Smt Asma G. G. K.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Taj Builders.

(Transferce)

(3) Kamal K. Gujjar, Ashok K. Gurnani, Meena Y. Shah.

(Person in occupation of the property.)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR-I/37-G/5219/84-85.--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

C.S. No. 4/2 of Fort Division situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transterred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer

at Bombay on 17-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

# THE SCHEDULE

Scheduled as mentioned in the Registered Deed No. BOM.-316/81 and registered on 17-4-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dato: 10-12-1985

(1) Bai Indirabai S. Athavle.

(Transferor)

(2) Mrs. Sunanda S. Patkar.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(4) M/s Gubbi Builders.
(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-1AX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR-I/37-G/5220/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

C.S. No. 76/10 of Matunga Division situated at Dadar (and more fully described in the Schrödule appeared berefol-

C.S. No. 76/10 of Matunga Division situated at Dadar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer

1908) in the office of Registering Officer at Bombay on 26-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to the state of the aforesaid property and the reason to the state of the state of the property are reason to the state of the state of the property are reason to the state of the state of the property are reason to the state of the state of the property are reason to the state of the state

narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. of 1983 and registered on 26-4-1985 with the Sub-registrer, Bombay.

NISAR AHMEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA.

#### Smt. Leelavati M. Gangla, Snebea S. Gengia, Swati S. Gangla, Neeraj S. Gangla Suman M. Gangla.

(Transferor)

(2) Suresh H. Shah.

(1) Sharad M. Gangla,

(Transferce)

# JFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10 h December 1985

Ref. No. AR-I/37-G/5222/84-85.—Whereas, I. NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No. C.S. No. 490 of Byculla Division situated at Kamtipura (and morefully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer

at Bombay on 30-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days trees the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered Deed No. BOM.-2342/83 and registered on 30-4-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-12-1985

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR-1/37-G/5223/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter to as the sa'd Ac.) have reasons to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Plot No. 95 (North) C.S. No. 421/10 situated at Matunga Division

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Bombay on 30-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(\*) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Bola Ramabai N. Kamath.

(Transferor)

Mrs. Jaya S. Gade, Shree Hirji Lalji.

(Transferee)

(3) Transferor & Tenants.

(Transferce)

Person

(Person in occupation of the property.)

(4) Transferor. (Person wh

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Compter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 1669/84 and registered on 30-4-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 10-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) M/s The Hindoostan Spg. & Wvg. Mills Ltd. (Transferor)

(2) M/s Navketan Properties Pvt. Ltd.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property.)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR-I/37-G/5224/84-85.—Whereas, 1, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing No.
C.S. No. 1130 of Lower Parel Division situated at Dadar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Bombay on 23-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. is respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Weslth-tax Act 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULB

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 724/Bom/85 and registered on 23-4-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Date: 10-12-1985

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUSITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 24th December 1985

Ref. No. AP. No. 5919-5920-5921,---Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authorny under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Nc. as per Schedule

situa'ed at

Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regisetring Officer at Jalar dhar

on April, May & July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afcresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any trongys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Sudesh Verma 5/o Des Raj R/o 33-Guru Nanak Nagar (Lal Nagar), Jaiandhar.

(Transferor)

- (2) Smt. Jagdish Kaur W/o Kuldip Singh R. D. No. 328 of April, 85 and Jagdish Kaur W/o Kuldip Singh & Kuldip Singh S/o Inder Singh (R.D. No. 1098 of May, 85) and Kuldip Singh S/o Inder Singh (R.D. No. 2449 of July, 85) all residents of 32-Guru Nanak Nagar near Model Town, Jalandhar. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said im able property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazet

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULB

Property No. 33 situated in Guru Nanak Nagar, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed. Nos. 328 of April, 1985, 1098 of May, 1985 and 2449 of july, 1985 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jalandhar.

Date: 24-12-1985. Soal:

PRINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, FARIDADAD, ALD PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1985..